

उभयप्रबोधक रामायण

बनादासकृत

जिसमें

मूलखण्ड, नामखण्ड, अयोध्याखण्ड, विपिनखण्ड, विहारखण्ड, ज्ञानखण्ड और शान्तिखण्ड नामक सातखण्डोंसे सातोंकाण्ड रामायणकी कथा उत्तमरीतिसे वर्णितहै

जिसको

अयोध्यानिवासी महाराज बनादासजीने अत्यन्त परिश्रमसे रामभक्तोंके उपकारार्थ दोहा, सोरठा चौपाई, छन्द, कवित्तादि अनेकप्रकारके ललित छन्दों में रचना किया

बाजपेयि पण्डित रामरत्न के प्रबन्ध से

पहलीबार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपा

दिसम्बर सन् १८९२ ई० ॥

भगवद्गीतानवलभाष्यका विज्ञापनपत्र ॥

प्रकट हो कि यह पुस्तक श्रीमद्भगवद्गीता सकल निगम पुराण स्मृति सांख्यादि सारभूत परमरहस्य गीताशास्त्रका सर्व्वविद्यानिधान सौशील्य विनयौदार्य्य सत्यसंगर शौर्य्यादि गुणसम्पन्न नरावतार महानुभाव अर्जुन को परमअधिकारी जानके हृदयजनित मोहनाशार्थ सुप्रकार अपारसंसार निस्तारक भगवद्भक्तिमार्ग दृष्टिगोचर कराया है वह उक्त भगवद्गीता बज्रवत् वेदान्त व योगशास्त्रान्तर्गत जिसको अच्छे शास्त्रवेत्ता अपनी बुद्धि से पारनहीं पासक्के तब मन्दबुद्धी जिनको केवल देशभाषाही पठन पाठन करने की सामर्थ्यहै वहकब इसकेअन्तराभिप्रायको जानसक्के हैं—और यह प्रत्यक्षही है कि जबतक किसीपुस्तक अथवा किसी बस्तुका अन्तराभिप्राय अच्छेप्रकार बुद्धि में न भासितहो तबतक आनन्द क्योंकर मिलै इसप्रकार सम्पूर्ण भारतनिवासी श्रीमद्भगवत्पदाब्ज रसिकजनोंके चित्तानन्दार्थ व बुद्धिबोधार्थ सन्तत धुरीण सकलकलाचातुरीण सर्व्वविद्याविलासी भगवद्भक्त्यनुरागी श्रीमान् मुंशीनवलकिशोरजी (सी, आई, ई) ने बहुतसाधन व्यय फर्रुखाबाद निवासि पण्डित उमादत्तजी से इस मनोरंजन वेद वेदान्त शास्त्रोपरि पुस्तकको श्रीशंकराचार्य्य निर्मित भाष्यानुसार संस्कृत सरल देशभाषामें तिलक रचाय नवलभाष्य आख्य से प्रभातकालके कमल सरिस प्रफुल्लित करादिया है कि जिसको भाषामात्रके जानने वाले पुरुषभी जानसक्के हैं ॥

सारस्वत सटीक का विज्ञापनपत्र ॥

पण्डित लोगोंको उचित है कि प्रथम जिससमय छोटे २ विद्यार्थी उनके पास पढ़नेको आयें उनको अत्यन्त आदर से अपने पुत्रके समान समझकर बहुत लाड़ प्यारसे उनको अकारादि सबस्वरों और ककारादि सब व्यञ्जनों को पहिचनवाकर लिखायें पढ़ायें और जिससमय छो

महिमाबदतसर्वदादीनग्राहकप्रकृतिदेवगावै ॥ बिश्वबैकुण्ठनायकपराक्रमप्रबलअबलप्रियपरमअत्यन्तभीता । पाहिमांनाथशरणागतंत्राहिहरिअखिलअतित्रासितखलवसि प्रनीता ॥ गिरागम्भीरभैगगनताहीसमैत्यागिशंकाधरहुधीरसारे । तुमाहिंलगिधरबअवतारनरअवधपुरअवशिकरिहौंदशरत्थवारे ॥ भालुमर्कटदेहधारिसुरसकलमिलिरहहुभूतलकटकजोरिरूरी । सद्यहीकालसबशालहरिजक्तकीकरौंसर्वांगसुरआशपूरी ॥ सुनतबाणीगगनमगनब्रह्माअतिहिहिसिद्धसुरधराविश्रामपाये । बनादासताहीसमयगगननिजनिजभवनबचनउरराखिमनताहिंनाये ३ मासमधुनौमिसितभौमवासरसुभगमध्यदिनरामअवतारलीन्हु सहितअंशनअवधकहैंआनन्दकिमिनृपतिद्विजबोलिबहुदानदीन्हा ॥ बजतनीशानघनगानमंगलकरैंभामिनीभांतिबहुमोदपाये । नगरनरनारिअवकातितेअतिअधिकलायचितचोपिसम्पतिलुटाये ॥ कौशिलाप्रेमबशगोदपयप्यावतीगायसोहिलमगनदिवसरानी । करतशृंगारनखशिखसुभगपालनेदेतिपोढ़ायरहसुरतिमाती ॥ बन्धुचहुंलगेबिचरनअजिरभांतिबहुकहतशोभाकवनपारपाये । पीतभंगुलीसुभगचौतनीचारुशिरशेषशारदनिगमनेतिपाये ॥ दशनदुइदुइविशदबघनहांसोहसुठिअक्षअरविंदभ्रूवङ्कनीकी । जलजकरपायँलघुकेशगभुवारबरअंगप्रतिकामछबिकोटिफीकी ॥ भालसुबिशालकियेतिलकजननीरुचिरनासिकाहरणमनअधरराते । नीलजलजातमरकतबरणक्रांतितनश्यामघनजाहिलखिसकुचिजाते ॥ किंकिणीमुखरकटिश्रवणसुखदेतसुठिमधुरधुनिपगननूपुरअनूपा । शंभुरसजानिसनकादिशुकनिरतजेहिकवनकबिबरणिसोसकैरूपा ॥ श्यामअरुगवरजोरीयुगलतोरितृणनिरखतीमातुअतिभूरिभागी । भूपलेगोदललरावतेभांतिबहुकहतउपमाकबिहिसकुचलागी ॥ महामहिन्द्रिजिमिढेरपारसलहैकल्पतरुकामधुकजननिकाये । तदपि

नहिंतुलतमहिपालआनन्दउरभानुनहिंकहांनिशिदिवसजाये ॥
चन्दकेकलासेबढ़तचहुंबन्धुनितखेलखेलतबिपुलनृपतिलीला।
थकितपुरनारिनिरबन्धुचहुंचकितलखि बदतसबपरसपररूपशी
ला ॥ पायअवसरभूपकियेचूड़ाकरणश्रवणछेदनमहामोदभारी।
द्विजनघनदानयाचकअयाचीकियेदेतआशीशबरकुवँरचारी ॥
श्रवणमोतीझलकखलकशोभामनहुंखींचिसर्वांगतामेंबसाई ।
चतुरमुखचारिवारैनकोप्राणधनअमितशारदशिवनपारपाई ॥
भयेसुठिप्रौढ़बियापढ़तगुरुभवन कहतमुनिजासुश्रुतिश्वासचा
री । बनादासभेकुशलसद्यहिसुभगबन्धुचहुंतीरधनुसबनलघु
कधारी ४ बागतेसरयूतटगलिनबीथिनबनेबन्धुचहुंसुभग
चितचोरिलेवै। पायँजूतीजरीभरीमणिकनीघनिकसेपटपीतछबि
तूनदेवै॥छोटपगपाणिछोटीकछोटीकसेछोटधनुतीररघुवीरशोभा
कोटिकन्दर्पप्रतिअंगपरवारियेकौननरनारिअसलखिनलोभा ॥
कुशलहैंकेलिमेवेगिभाइनसहितअश्वअसवारह्वैबिपिनजाहीं॥सं
गसेवकसखाहर्षयुतसकलमिलिललकिललचायमृगयाकराहीं॥
मारिमृगअमितपावनपरमधामदेआयनृपअग्रधरेसहितप्रीती ।
भूपलखिचरितअतिमुदितरहमनहिमन पालतेरामसबभांतिनी
ती ॥ गाधिसुतभीतआयेअवधसमयलखिकठिनकरिरामनृपअर्
पिदीन्हा । पायप्रभुबन्धुयुतहर्षहियअमितअतिसद्यमुनिना
यतपावनकीन्हा ॥ आयआश्रमहिदियेविविधविद्याविशदऔ
षधीअत्रगतिजासुन्यारी। बनादासमखरक्षिक्षयसकलराक्षसकि
येजनकपुरगमनमुनिब्रधूतारी ५ आयमिथिलानगरनृपतिसन
मानाकियेसुभगआसनदियेतहँविराजे । रूपकेराशिदोउबन्धुउ
पमाकहांअंगप्रतिकोटिकन्दर्पलाजे ॥ भयेकृतकृत्यपुरनारिन
निरखिकेकुहैंकबिकौनसुठिनेहन्यारी । बाटिकामध्यमैथिलीरा
मप्रतिमिलनसखिनअवलोकिकैनिजबिसारी ॥ आपलैसुमनमु
दर्षिपूजाकरीकहेरघुबीरचारित्रसारे । दियेआशिषपरमहर्षयु

गाधिसुतरामअभिलाषपूरणतुम्हारे ॥ आयमुनिसतानन्दलैग येअवनिमखसुभगआसनदियेजनकभूपा । सानिकृतकृत्यनिमि राजनिजभांतिबहुनिरखिरघुबंशमणिसुभगरूपा ॥ बैठिमुनिनि कटरघुवरहरषिवन्धुयुतभावनिजनिजसबैप्रभुनिहारे । बनादास उडुगणबिषेमनहुँरजनीशयुगसुभगसर्वांगदशरत्थवारे ६ वा रावरंगवहिंगयेजेहिदेखिकैभंजिकोदण्डशिवरामराया । अमि तभूपावलीमानमर्दनाकियेभुवनदशचारियशअवणिछाया ॥ ज नकसंशैदली सियापरितापहरिगगनसुरसुमनझरिजैपुकारे । महाआनन्दमिथिलाउमगि समयतेहिसाधुमुनिसिद्धसबभेसु खारे ॥ धनुषहरभङ्गसुनिक्रुद्धभृगुबंशमणिसमयतेहिआयउत्पा तकीन्हा । भाषिबहुविनयगतमानह्वैगवनवनरमापतिधनुषर घुबरहिदीन्हा ॥ गानऔतानीशानबहुदानपुरनारिनिरसकल मंगलसजावा । विरचिबीतानबहुभांतिविधिमनहरणजनकयुत विनयदशरथबुलावा॥ साजिबारातगुरुज्ञातियुतसुवनदोउअव धपतिगमव्याहनसिधाये । परमआनन्दपुरजनककोपारलहशा रदासहसनहिंसकतगाये ॥ सियारामहिंबरीबन्धुव्याहेसकल दानसनमानकोपारपावै । बजतनभदुन्दुभीदेववरषेसुमनअ प्सराव्याहवरगीरागावै ॥ नृपतिबीदेहकृतकृत्यपरिजनसहित जोरिअंजलिविविधविनयभाखी । अवधपतितुष्टकियेपरसपर भावबशहृदयनहिंकछुकअभिलाषराखी ॥ दानदैद्विजनयाचक नसनमानकरिपूजिमुनिसाधुनृपगवनकीन्हा । अवधआनन्द आनन्दयातेअवधिभूपगृहआयबहुवित्तदीन्हा ॥ बन्धुयुतव्या हिरघुवीरआयेभवनहर्षनिर्भयसकलमातुजोहैं । बनादासपुरज नप्रजासर्वआनन्दमयभवनभूपतिकुँवरकुँवरिसोहैं ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभञ्जनोनाम उभयप्रबोधकरामायणेमूलप्रथमोऽध्यायः १ ॥

रामअभिषेकहितनृपतिमङ्गलसजेकेकयीकुमतिरसभङ्गसोई।
दुखितपुरनारिनरआरिमुखजंहांतहँताहिअतिदेवमायाबिगोई॥
सियायुतलषणरघुनाथबनगमनकियनृपातिबशप्रीतिकरि साचे
वसाथा। स्यन्दनारूढ़चलेमानिपितुवचनवरआयतटगङ्गरघु
शनाथा॥ सखासनमानानिशितहांविश्रामकरिउतरिसुरसरीपु
नेप्रागआये।वेणिमज्जनकियेसियायुतबन्धुप्रभुआयेमुनिआश्र
महिंमाथनागे॥ हर्षऋषिगातआशीशदैभांतिबहुअमितअति
प्रीतिउररामलावा।गईमणिफणिलहेहोतआनन्दज्योंमनहुँपार
सजनमरङ्कपावा॥योगतपयज्ञव्रतभजनवैराग्यतपसकलसाधन
भयेसिद्धिआजू।स्वर्गअपवर्गचौदहभुवनप्राप्तसुखरामतुमरहित
सबविधिअकाजू॥ तहांनिशिवासकरिप्रातगवनेहरषिमगनिवा
सीभयेभूरिभागी। रामसियलषणशोभानिरखिअंगप्रतिरहेसब
जहांतहँप्रेमपागी॥बनादासनरनारिभेपरमपावनसकलबालऔ
वृद्धकैवल्ययोगू।सुकृतकेहिकालकेप्रगटसर्वांगभेएकहीनरभव
नाशरोगू ७॥ छप्पै॥ जटाजूटशिरसुमनतूणकटिमुनिपटबांधे।
भुजप्रलम्बउरवृहदबाणकरधनुबरकांधे॥ कमलनयनभ्रूबङ्कभा
लशुचितिलकसोहाई। मरकतद्युतिमुखचन्दविन्दुश्रमअतिछ
बिछाई॥ सिंहठवनिपदपद्मसेश्यामगौरजोड़ीसुभग। कहबना
दासतेहिमध्यसियशुठिसुकुमारिनयोगमग ८ देखिलोगअति
चकितचकितह्वैजातसुभाये। रामकंजपदरेखजानकीचलतबचा
ये॥ लषणदक्षमगदेतसियारघुबरपदरेखा। निरखिगमनमग
करतलहतअचरजजिनदेखा॥बाल्मीकिकेआश्रमाहिंआयेश्रीर
घुबंशमनि। कहबनादासमुनिलायउररामाहिंमानेभागिधनि ९
चित्रकूटपुनिचलेआयपैसनीसमीपा। देवरचेप्रणशालरमेतहँ
रघुकुलदीपा॥ जनुविरागअरुज्ञानभक्तितपकारणआंये। कैधौं
रतिऔकामसंसहितमधुलघुउपमाये॥ चित्रकूटकेविहगमृगबेलि
विटपकृतकृतभये। कोलभिल्लसुकृतीपरमरामदरशभवरु-

गये १० आयेअवधसुमन्त्रनृपतितृणसेतनत्यागे। भरतबोलि
मुनिरायक्रियापितुकरिअनुरागे ॥ पुरजनजननीज्ञातिगुरुसब
विधिउपदेशा। राजकरहुसबभांतिप्रजाजनमिटैकलेशा ॥ भर
तनकीन्हेकानकछुचित्रकूटबेगहिचले। कहबनादासप्रभुदरश
बिनुजीवनसेमरनाभले ११ प्रथमहितमसाबासदूसरेगोमति
तीरा। तीजेसईसमीपचौथगंगाशुचिनीरा ॥ सहितसमाजअ
न्हाइकीन्हकेवटपहुनाई। रामसखातेहिजानिभरतअतिभावब
ढ़ाई ॥ तेहिनिशितहँविश्रामकरिप्रातकालकेवटसहित। कहबना
दाससुरसरिउतरिचलेरामपदरमितचित १२ झलकापङ्कजपा
यँत्राणबिनगमनकठिनमग। शिरछायानहिंकरतभरतसमअव
रकवनजग ॥ आयेतीरथराजत्रिबेणीमज्जनकीन्हा। भरद्वाजप
दबंदिचरणरजहितकरिलीन्हा ॥ मुनिपहुनाईकीन्हपुनिविविध
सम्पयदायकविभव। कहबनादासप्रातहिचलेरामकमलपदनेह
नव १३ रामनामप्रतिश्वासविरहसहकृतउच्चारण। चलेजात
मनमगनध्यानमुनिबधूउधारण ॥ कालिन्द्रीतटबासबीचपुनिकी
न्हनिवासा। चित्रकूटगिरिनिरखिमनहुंपूजीसबआसा ॥ जाय
रामपदबंदिकैलकुटतुल्यरहेभूमिपरि। कहबनादासअतिप्रेमयुत
धायनाथलियेअङ्कभरि १४ गुरुजननीपुरलोगआगमनसुनत
सिधाये। शीलसिंधुरघुनाथसबहिंभेटेसतिभाये ॥ आगेकरिमु
निनाथसकलजननीपुरलोगा। लायेआश्रमबेगिहर्षविस्मयब
शलोगा ॥ पुनिआयेमिथिलानृपतियथायोगब्यवहारसब। क
हबनादासबासरकछुकबासकियेतहँलोगतब १५ बहुप्रकाररस
मुझायभरतकरुणानिधिफेरे। शीशपावँरीराखिचलेआनन्दघ
नेरे ॥ आयअवधपुरमध्यकीन्हसबकेरसम्हारा। गुरुजनजन
नीज्ञातिप्रजाद्विजसकलप्रकारा ॥ नन्दिग्रामप्रणकुटीकरिमुनि
अखण्डव्रतआचरत। कहबनादासकेहिपटतरीकोउनसदृशत्रि
भुवनभरत १६ चित्रकूटबसिरामकियेनानाविधिलीला। बास

बसुतयकनयनसदारघुपतिनयशीला ॥ आयेजहँमुनिअत्रिसि
याअनुसुइयाबन्दे । समधामछबिदेखिअधिकमुनिरायअनन्दे ॥
बहुरिगमनकरिकृपानिधिबधिबिराधशुभगतिदई । देहदहिसर
भङ्गपुनिसकलमुनिनसोंरतिनई १७ रामआगमनसुन्योसूतक्ष
णअतिअनुरागा । करतमनोरथचल्योदिशाविदिशानविभागा ॥
कहुंनृत्यतकहुंगानकरतगतिबरणिनजाई । युगलनयनजलधार
असिहिबाणीथकिआई ॥ बैठ्योमगमहँअचलह्वैमनहुंपनसफल
निर्भरा।कहबनादासहरिप्रकटउरप्रेमपरखिपुनिबरधरा १८ नहिं
जागतकोउभांतियतनरघुवीरविचारा । कलाकुशलसबमाहिंक
मौड़ोप्रीतिनिनारा॥ हृदयचतुरभुजभयोचकितह्वैनैनउघारे। ख
ड़ेरामसियलषणकमलपदपैशिरडारे ॥ रघुनन्दनमुनिलायउर
बहुप्रकारआदरदये । कहबनादासकरुणायतनतबअगस्त्यमं
गललये १९ ॥ दण्डक ॥ आयमुनिभवनसियरवनभवरुजद
वनगमनकरिअग्रकुम्भजसिधाये । चरणबन्देलषणसहितरघु
बंशमणिदियेआशीशपुनिसदनलाये ॥ हृदयअतिप्रीतिमुनिसु
भगआसनदियेकन्दफलमूलबहुविधिमँगावा । कियेफलहाररं
घुनाथसियलषणयुतदुष्टबधहेतआशयजनावा ॥ दियेधनुबाण
बरदानअतिकृपाकरिकछुकरघुनाथमहिमाबखानी । सकुचिशि
रनायसुठिरहेकोशलधनीशीलसूभावमनअगमबानी ॥ बिदाह्वै
गोधनत्रीकियेरामतबरहेप्रणकुटीकरिऋषिअनन्दे । बिगतशंका
सकलबिकलतादूरिकरिआश्रमनिजायरघुबीरबन्दे ॥ दण्डकार
ण्यसम्पन्यसर्वांगकरिकरतजपयज्ञतपऋषयभारी । शुपणखा
समयतेहिआयबरबेषकरिकपटसंयुक्तरामहिनिहारी ॥ अवशि
बशकामकियेबामनानाचरितलषणरुखपायहेरेश्रवणनासा ।
रुधिरकीधारजनुश्रवतगिरिअसितसे बदतिरोदतिमहाअतिउ
दासा ॥ धायखरत्रिशिरदूषणचतुर्दशसहसघेरिलियेरामरबिबि
लजैसे।कियेतबचरितसुबिचित्रकोशलधनीपरस्परलरिमरेअ

अनैसे ॥ बन्धुतिहुरामहतिअमितनिश्चरहने गगनसुरसुमन
झरिजयसुनाये। बनादासप्रणकुटीराजतसियबंधुयुतउभयप्रति
कथाइतिहासगाये २० ॥ घनाक्षरी ॥ जायकैसुपणखापुकारकि
रावणसोंभगिनीकीदशादेखीमहाअभिमानी है । चढ़िरथगोंन
कियेतुरतमारीचपास कनककुरंगभयोकपटकोठानी है ॥ रामबा
णप्राणतजेमायासीयहरीखलरुदनकरतसुनीआरतकीबानी है ।
बनादासबीरगृद्धराजमहायुद्धकिये प्राणपरहेतदियेऐसोखगज्ञा
नी है २१ ॥ दण्डक ॥ बिरहसन्तप्तरघुबंशमणिअनुजयुतसीय
खोजतचलेमनुजभांती । गीधशुभगतिदियेगमनपुनिबनकिये
मिलोकाबंधबेगहिनिपाती ॥ सेवरीसदनसानुजकृपासिन्धुगेभ
क्तिरसरसिकरघुबंशनाथा । मूलफलखायभिल्लनकृतारथकरी
रघुनाथऔलषणसाथा॥ आयपम्पासरहिहर्षिमज्जनकिये
चे[illegible]रिऋषिदेवआये । चलेपुनिअग्रहनुमन्तसोंभेटभै
[illegible]बं[illegible]ठिहिचढ़ाये ॥ सखासुग्रीवकरिबालिकोप्राणहरि
[illegible]गिरिबासकीन्हा । कोलकीरातकैसुरनप्रणकुटीकिये
[illegible]नमनभवनदीन्हा ॥ विगतवर्षाचलेभालुकपिखोज
[illegible]ङ्गदादिकअमितसुभटभारी । गुहागिरिकन्दराग्रामबन
[illegible]बिवरपरवेशकियेकीशभारी । मूलफलखायजलपानक
[illegible]श्रमआयगेवेगिसामुद्रतीरा ॥ मिल्योसम्पातितिनशो
[illegible]हे गमनकियेलङ्कहनुमन्तवीरा । नांघिबारीशहतिसिं
[illegible]चढ़े देखिसुविलासअतिगूढ़लंका ॥ बनादासत्रासरवि
[illegible]शकपिनिशिसमयरामबलअतिअशंका २२ राव
[illegible]शोधसबबिधिकहेजायकैसीयपरबोधकीन्हा । खा
[illegible]सीससब[illegible]किकीअमितराक्षसअक्षयप्राणलीन्हा ॥
[illegible]कोजनुकलेवादियेलूमलीलाकियेभस्मलंका।मान
[illegible]सप्रभुगमनकिये पवनसुतअतुलबलबीरबंका ॥
[illegible]चिनलहिसबचले जहांकपि[illegible]

खायफलमधुरकपिराजकीबाटिकाअंगदादिकसुभटसकलसाथा
सुनेसुग्रीवजानेकियेकाजप्रभुलाजराखेआयसकलबीरा । मह
उत्साहमिलिसबहिआदरदियेवेगिचलेहर्षिरघुबीरतीरा ॥ आय
पारिचर्णसियखोजकहेभांतिसब रामकरुणायतनकपिनिहारे
कहतहनुमानसेबारहींबारउपकारकहिजांतनहिंतातंतोरे ॥ सा
जिकपिकटकरघुबंशमणिगमनकियेभालुमर्कटकरतसिंहनादा ।
खातफलपातहर्षातपरेसिंधुतट सुनतरावणहृदयअतिविषादा ॥
आयरिपुबंधुसुखसिंधुभूपतिकिये थापिशिवलिङ्गबारीशबांधे ।
बनादाससबकटककपिउतरिपरे पारयहिबालिसुतजायकछुकाज
साधे २३ ॥ छप्पै ॥ पैठतपुरसुतहत्योमथ्योदशकन्धरमाना ।
शारदसेबरबुद्धिअवशिदशमुखसकुचाना ॥ पावँधरयोकरिपैजत
हिकोउसक्योनटारी । मुकुटपवारेचारिप्रबलतिहुँकालसुरा
शोधलियेगढ़लंककोअतिनिशंकबलबांकुरो । कहंब[illegible]
राजबरआयरामचरणनपरो २४ घटातोपगढ़घेरि[illegible]
बनाई । चारिदुआरेचोपिचहूंदिशिपरीलड़ाई ॥ [illegible]
भूरिइतैमर्कटकीसैना । निजनिजस्वामीहेतयुद्ध[illegible]
चैना ॥ कटकटायमर्कटकटतपटतनिशाचरभूमिथल । [illegible]
दासनिजनिजदिशाअतिदिमाकलरतेसबल २५ धूम्रके
कायमहोदरअनीअकम्पन । कुम्भकर्णघननादसबल
अशंकमन ॥ कुमुखकुलिशरदसुभटअतिहिदुर्मुखबल
ररिपुमनुजअरातिभांतिबहुबिधिमर्दाना ॥ त्रिशिराआ
पुनिबिदुजिह्वाअमितभट । कहबनादासकोकहिसके
लमुखचारिषट २६ जामवंतकपिराजनीलनल[illegible]
द्विविदमयंदसुषेणपनसअतिहीबलमाना ॥ दधि
क्षकेशरीपुनिरणधीरा । अङ्गदादिभटअमितलषण
सूठिसरोषरघुबंशमणि करतसमरनानाचरित
[illegible]लोकंतरुचिसहित २७ भि

रिघशूलपुनिशक्तिकराला॥तोमरमुद्गरतीरचलैंचोखेंअतिभाला॥ असितशैलसमदेहरक्तजनुगेरुपनांरे ।धुर्मिघुर्मिमहिपरतकरत भटघोरचिकारे॥ कटतकोटिकोटिनसुभटतनजर्जररावणप्रबल। कहबनादासपटतरनजेहि नेकहटतनहिंयुद्धथल २८ आयधनु षअरुदशनहनहिंपुनिमुखहिनिशाना । शिलाश्रृङ्गपाषाणगहि करपादपनाना ॥ कटकटाहिंभटभूरिभालुमर्कटअतियोधा । सु र्दतनिश्चरअमितएकएकतदपिनबोधा ॥ जयतिरामजयलषण कहिजयकपीशमर्कटसबल। कहबनादासक्षयकारकरकीशमहाप्र लम्दैत्यदल २९ निजनिजजोरीजुरेमुरेनहिंसमरजुझारा। प्राण दियेरणखेतलियेजगसुयशअपारा ॥ रावणमारेरामअनुजयुत रणमहिमाहीं । लषणहनेघननाददेवनभसुयशकहाहीं ॥ सुमन वृष्टिपुनिपुनिकरतरावणजीतेरामरण । कहबनादासनहिंपारलह गावहिंशारदसहसफण ३० कीनजायअभिषेकलषणरिपुबंधु सबेरे ।सियलायेहनुमानजानपरनेकनहेरे ॥ अवलोकेरघुनाथ कछुकदुर्बैनउचारे । सियबिनतीरुखरामलषणपावकपरचारे ॥ रघुपतिपदउरराखिकेपावकप्रविशीमैथिली । कहबनादासउत्सा हउरगंगधारमानहुंहली ३१ जरीबिश्वमनमैलिजस्योप्रयांप्र तिबिम्बा । रामसकलकेपिता जानकीसबजगअम्बा ॥ माना लीलाविशदकरतजनआनँदहेता । दनुजबिमोहमहारिसाधुउर समुझिसचेता ॥ विप्ररूपपावकधस्योसबकीमतिसोकहिसली । कहबनादाससियसत्यजोलायेजनुकंचनकली ३२ रमादियेजि मिसिंधुविष्णुकहँतेहिविधिदीन्हा । हर्षितभेसबकोयबामप्रभुआ सनकीन्हा ॥ पावकभयोअदृश्यरामासियशोभाखानी । आयेदर शनहेतदेवभलअवसरजानी ॥ शिवब्रह्माइंद्रादिसबपृथकपृथक अस्तुतिकिये। कहबनादासकपिभालुजेसमरमरेसोजिये ३३॥ दण्डक॥ पुष्पकारूढ़प्रभुगमनअवधहिकियेसमिभिबीशेषिउग्न संगलीन्हे ।सिंधुकेपारकृतशंभुदर्शनबहुरिजहाँतहँमुनिनकोदर्श

दीन्हे ॥ प्राग्रामज्जनकियेभेजिपवनुजअवधआयशृंगरौरकेवट नेवाजे। पूजिसियसुरसरीबिविधबिनतीकरीगुहाउरमोदसुठिता पभाजे॥ जटाशिरसुकुटआसीनकुशसाथरीजपतप्रतिश्वासश्री रामरामं। नैनबहनीररघुबीरपंकजहृदयआठहूयामतपतिविधा मं॥ पुलकसर्वांगवारिधिविरहमगनअतिहितकेहिनाथनहिंदर्श दीन्हा। अवधिबीतेरहेप्राणतनमाहिंजोकवनमोतेअधिकपाप पीन्हा॥ आयहनुमन्तदेखीदशाभरतकोहृदयअतिपरमआनंद माने। विरहकीज्वालउरतप्तशीतलकियेकुशलप्रभुसुयशवर्षाब खाने॥ आयसुतपवनप्रियभरतकीदशाकहितुरतरघुवंशमणि गमनकीन्हा। भरतआयेअवधरामआगमनकहिमातुगुरुपुर जनहिंमोददीन्हा॥ धायतजिधामरघुनाथकेदर्शहितअवधनर नारिबहुबिधिमलीना। गुरुद्विजसङ्गमनेभरतप्रभुदिशाआइ गोजाननहिंबिलमकीना॥ बंदिगुरुपायँपुरलोगसंकटहरेजननि सिलिभरतसियरामआये। घरीशुभजानिमुनितुरतअज्ञादिये बंधुयुतसीयरघुपतिअन्हाये॥ साजिसर्वांगशृङ्गारभूषणबिबिध जानकीरामतनअमितशोभा। अङ्गप्रतिकोटिरतिकामउपमाल जैकञ्जपदमुनिनमनभृङ्गलोभा॥ बनादासश्रुतिविहितअज्ञादि पेद्विजसबबैठिसिंहासनेतिलककीन्हा। गाननीशानसुरसुमन वर्षाकरेंद्विजनकोदानबहुभांतिदीन्हा ३४॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनाम उभयप्रबोधकरामायणेमूलद्वितीयोऽध्यायः २॥

छप्पै॥ ऋक्षराजकपिराजलङ्कपतिऔहनुमाना। अरुन लनीलसुषेणकुमुददधिमुखबलवाना॥ द्विविदमयंदगवाक्षअ ङ्गदादिकबरबीरा। कोकबिबर्णैयोगमनोहरमनुजशरीरा॥ भ रतलषणरिपुदमनपुनिगुहाआदिदिशिबिदिशहे। कहबनादास उपमाअमितकोकविकहिअपयशलहै ३५ चमरछत्रकोव्यजन चर्मअसिऔधनुबाना। शक्तिशूलकरधरेबिलोकहिंरामसुजाना॥

चहुँदिशिमनहुँचकोरशरदशशिचितवहिंनीके । पुरबासीचहुँपासतोषनहिंमानतजीके ॥ बारबारआरतिकरतजननीपरमसनेहबस । कहबनादासहनुमानपुनिशिवभुशुंडिजान्योसुरस ३६ आयेचारिउवेदप्रीतिअतिअस्तुतिकीन्हा । ब्रह्माशिवइंद्रादिदेवगणकोउनचीन्हा ॥ गमनेबिनतीभाषिसकलअभिमतकोपाये । लङ्कजीतिघरआयरामअभिषेकसोहाये ॥ भुवनचारिदशजगमगतसुयशधवलरघुनाथकी । कहबनादासशिवबिधिअगमपारलहैंगुणगाथको ३७ रहेसखाकछुकालनजानहिंदिनऔराती । देवनदुर्लभभोगकरैंपदरतिसरसाती ॥ बिदाकीन्हरघुनाथदीनभूषणमणिनाना । पदपङ्कजशिरनायगयेउरधरिहरिध्याना ॥ अवधरामराजितसदासुरमुनिद्विजमहिकृतसुखी । कहबनादसम्पन्नक्षितिकोउनकतहुँदेखीदुखी ३८ बाजिमेधकियेअमितसियासुंदरसुतजाये । लवकुशअमितप्रतापलोकवेदहुयशगाये॥ दुइदुइसुततिहुँबंधुभयेअतितेजनिधाना । पुरजनप्रजाअनन्दभुवनसबबिधिसुखनाना ॥ नारदशारदशेषशिवकविकोविदसुरसाधुजन । कहबनादासरघुपतिसुयशगावतपारनबुद्धिमन ३९ रामगमनकियेलङ्कविभीषणहितयकबारा । आयोपुष्पकयानभयोसापैअसवारा ॥ भरतादिकहनुमानगनेजनसङ्गसिधाये । रहेलषणरिपुदमनभवनआज्ञाप्रभुपाये ॥ शृङ्गवेरपुरपहुँचिगेप्रथमैंकरुणाधामहैं । कहबनादाससंगेगुहाप्रागहिआयेरामहैं ४० बाल्मीकिपदबन्दिचित्रकूटहिपुनिआये। अत्रिसमागमभयोजहांशरभंगसिधाये ॥ दर्शनकियेअगस्त्यदण्डकारण्यविलोका । पंपापुरअवलोकिनाथमनकोनिजरोका ॥ रामेश्वरदर्शनकियेपुनिलंकाप्रापतिभये । कहबनादासलङ्केशउरउपजतसुखप्रलक्षणनये ४१ पंचदिवसकरिबासविभीषणसंगसिधाये । पम्पापुरकोबहुरिरामकरुणाकरआये ॥ गमनसहितसुग्रीवआग्रमिथिलापतिधामा । सबकोउभयेसनाथजबहिंअवलोकेरामा ॥ बिश्वामित्र

मुनीशकोआयचरणबन्दनकिये । जनकसुवनप्रभुसंगमेंकाशी
कोपुनिमगलिये४२करिगङ्गाअस्नानशम्भुकोपूजनकीन्हा। या
चककीन्हेसुखीदानबिप्रनकोदीन्हा ॥ काशिराजप्रभुसखाभवन
अपनेलैआयो।किये बिबिधसतकारसङ्गहीआपुसिधायो ॥ बी
तेहैविंशतिदिवसआयेनिजपुररामजू । कहबनादासतनधन
दयाजानगयोकरिकामजू ४३ एकमाससबरहेजानिरुखरामबु
लाये । दीन्हेभूषणबसनअरुबाहनमनभाये ॥ रिपुसूदनऔ
लषणचलेपठवनकेहेता । कहतरामयशविशदसदनसबगयेस
चेता ॥ रामअनुजआयेपठैबैठेसभाकृपालहैं । कहबनादासप्र-
भुयशअगमकाबरणैबुधिबालहैं ४४ राजएकादशसहस्रबर्ष
कीन्हेरघुवीरा । तिहुँपुरसबआनन्दकाहुनहिंकोनिउपीरा ॥ पुर
बासिनउपदेशदियेरघुपतिविधिनाना। भरतलषणरिपुदमनज्ञा
नपायेहनुमाना॥ ब्रह्मसच्चिदानन्दघनवेदबदतरसएकहैं। कहब
नादासनिजभक्तहितलीलाकरतअनेकहैं ४५ ॥ सवैया ॥ चौद
हबर्षकोरामगयेबनभूपतजेतनजानजहाना । अवधनिवासीस
हेसबसंकटकैतपऔब्रतसाधननाना॥ लक्ष्मणऔसियसंगदिये
भयभस्मघरैमहँभर्त्तसुजाना । दासबनासनबंधजोरामसेतौकिन
लौजियेपंथपुराना ४६ सेवकऔरसखासखिबोलतडोलतहैसब
कोमनदेखा।हैसनबन्धनहींसुखहेतजरैकिनचौदहबर्षविशेखा॥
रामनयेनहिंभावनवातबनाहिंतौआजुकरैकरिलेखा।दासबनान
तौपेटकेकारणवेषबनायेपरेइमिपेखा ४७ चौदहबर्षअखण्डधरे
ब्रतजैसेकियेप्रभुलक्ष्मणसीता । जैसेकियेबसिअवधमेंभर्त्ततबै
सम्बंधहैसांचुपुनीता ॥ भाववात्सल्यकहेनबनैकछुदेखुविचारि
महीपतिबीता । दासबनाप्रभुअन्तर्यामीदेखावनकोजगस्वांग
अनीता ४८ ॥ छप्पै ॥ बांधैकफनीमरणहेततबसाधुसयाना ।
रँगेकेशरियारंगशूरज्योंबांधतबाना ॥ हिमआतपऔवातसहैं
बर्षाजलधारा । आशबासनानाशिनेकनहिंमानैहारा ॥ क्षुधापि

पासांकोसहैंऔइन्द्रीजीतेंसकल । कहबनादासबोवैबियाजैसो वैसोलगतफल ४९ नामअखण्डितधाररटै निशिदिनमन लाई । सजलनयनतनपुलककबहुंमुखबोलिनजाई ॥ सब दिनशून्यउपायनहींकहुँकछुसेमांगे । रहैइष्टनिजधामअकेला भवनसिजागे ॥ लषणभरतसिघबरतयहपासनकछुसंग्रहकरैं। कहबनादासमनबचनक्रमभोगसकलविधिपरिहरैं ५० भावरा मकोकहीधरैंतेहिहृदयनिकेता । जीवईशकोअंशकहैंमुनिवेदको वेता ॥ सखाअनुजसमसदा नृपतिसुतनृपतिकहावै । तिय पियकीअरधंगगुरूचेलेंलैंजावै ॥ रीतिलीजियेईशकीकाजआप नेकीजिये । कहबनादासजगआयकैवादिजन्मजनिदीजिये ५१ भैलङ्कागढ़अगममोहदशकन्धरवीरा । कुम्भकर्णहैक्रोधसहज हीदहैंशरीरा ॥ मेघनादहैकाममहोदरपुनिहंकारा । लोभजानु अतिकायअकम्पनमानविचारा ॥ अनीआदिआश्चर्य्यहैंसो मात्सर्यहिमानिये। कहबनादासबहुबासनातृष्णाकटकहिजानिये। ५२ अक्षयरागअतिप्रबलदेखमकराक्षहिमानो । विधिप्रहस्त कोकहिनिषेधहिदुर्मुखजानो ॥ विद्यतपिस्वाकपटदम्भकहियेसुर घाती ।त्रिशिराप्रबलपखण्डकपटहैंमनुजअराती ॥ आशासिं धुअपारहैंचहुंदिशितेघेरेसदा । कहबनादासकोपारलहरामलीं नकरियेअदा ५३ इहांज्ञानकपिराजऋक्षकहियेविज्ञाना । धी रजअंगदअचलविरतिअतिशयहनुमाना॥पनसनीलनलद्विवि दकेशरीसुठिभटभारी।कुमुदमयन्दसुषेणलहैसपन्योनाहिंहारी॥ दधिमुखनौभक्तीसुवनअतिप्रतापबलभूरिहैं ॥ कहबनादाससं शयनहींदेतमोहदलतूरिहैं ५४ भक्तीकोबलअचलकवचसोधा रणकीजे । गुरूकृपाहैटोपशीशपरसोधरिलीजे॥शुचिविचारको दंडनियमयमसंयमबाना।तपचोखीतरवारिभरोसाचर्मप्रमाना॥ श्रद्धाअरुउत्साहपुनिहिम्मतिअभयतुरंगहै।कहबनादासस्यन्दं नसुकृतहोनयोगनहिंभंगहै ५५ हरदमसुमिरणनामसारथीपरम

सयाना। मंत्रीपुनिसतसंगसैनबहुवेदविधाना॥ सर्वभांतिसंतो
षसेतताकोदृढ़करिये।पर्मबोधरिपुबंधुछत्रअविचलशिरधरिये॥
प्रबलअनलकैवल्यकीलंकफूंकिकरियेकटा॥ कहबनादाससैना
सजगकबहुंनपगपीछेहटा ५६ काटिरिपुनकोशीशसियाशांतिहि
उरखावे। अविचलवृत्तिविमानतहांसादरबैठावे॥ मनंमुनिकोक
रिसुखीभर्ममहिभारउतारै।नानासंकटसहेदेवआतमहिंउबारै॥
सहजस्वरूपसोअवधहैतहांपलटिकारजसरै। नहिंबनादासज
न्मैमरैअविचलराजसदाकरै ५७ याहूतनतेअचलअवधमेंनि
शिदिनरहिये। दुखसुखजोकछुपरैमानिआनँदकोसहिये॥ च
क्रवर्तीकोराजतुच्छपलहूछनलागै। कोउजनजाननहारशोचसं
शयसबभागै॥ इन्द्रादिककीबातकाशिवविधिहलकालगै। कह
बनादाससुठिसंतपदआपुहृदयमेंजोजगै ५८ जोठाटैयहठाटउ
पासकरामसोसचा। नतरुवेषकरिलियेपेटकेकारणकचा॥ कर
मबचनमनचलैयहीमगमेंमरिजावै। तौभीनाहिंसंदेहंअन्तमेंह
रिपुरपावै॥ रामकृपासिधिहोयजोजीवनमुक्तकहाइहै। कहबना
दासयहितनसुखीबहुरिनयहिजगआइहै ५९ वर्षचौदहेंबादि
भौछूरंपकुंजमेंआये। तबतेअविचलचरणकहौंप्रभुजौनक़हाये॥
वर्षइकादशगयोभयोसबसंशयनाशा।कर्मवचनमनरहीएकरघुप
तिकीआंशा॥सन्तगुरूप्रभुकृपातेकछुकबातपूरीपरी। उभयप्रबो
धकग्रन्थयहबनादासतबहींकरी ६० सबविधितेबलरामकामक
छुमैंनहिंकीना। बाहरभीतरतुहींकहौंनहिंबचनप्रवीना॥ ज्योंकु
म्हारकोपात्रसम्हारतसबदिनआये। युगयुगतीनिउँकालसदा
कविकोविदगाये॥ प्रभुकृतकोगोवतनहींतातेसांचीकहतहौं।
कहबनादासपदप्रीतितेकबहींतोषनचहतहौं ६१॥ रेखता॥ भ
राचैतन्यकांधारा। नहींकछुवारनहिंपारा॥ चरणजलजातअरु
णारे। नमेंब्रह्मादिसुरसारे॥ अचलउत्कृष्टअतिगूढ़ा। नहींबा
रानवहबूढ़ा॥ पीन्नयुगजानुमनमोहे। सिंहकटितूणसुठिसोहे॥

सदाअक्षरसोन्याराहै । वचनमनबुद्धिहाराहै ॥ तड़ितसेपीतपट राजे । नाभिअलियमुनज्यहिलाजे ॥ अयोनीअलखअविनासी । चराचरसर्बमेंबासी ॥ उदरत्रयरेखअतिप्यारी । मालमुक्ताकिछबिन्यारी ॥ वृहत्कूटस्थअतिभीना । आदिमधिअन्तसेहीना ॥ यज्ञउपवीतचितहरणी । सकैभृगुचर्णकोवरणी ॥ विरुंजवांग्रीशंभुणहीना । नहींपीनानहैखीना ॥ रेखश्रीवत्सभुजभारी । धनुषवरबाणकरधारी ॥ निराअवलम्बनिर्बाना । नहींकोउज्ञासुंभ्रतिजाना ॥ वृषभहरिकन्धकलग्रीवां । शरदमुखचन्द्रकूत्रिसीवां ॥ ब्रह्मरसएकपरिपूरा । नहींनेरेनहींदूरा ॥ अधरदिजनासिकानीकी । तिलकअतिभावतीजीकी ॥ बरणआकारनहिंकोई । सदारसएकहैसोई ॥ बङ्कभ्रूनैनरतनारे । मुकुटशिरभानुद्युतिहारे ॥ शुद्धनिर्बुद्धसुखरासी । हृदैसोइज्ञानपरकासी ॥ अलकअलिऔलिचितचोरे । कनककुण्डलश्रवणसोरे ॥ महाकासंनिरांकासं । श्वासहूश्वासपरकासं ॥ सियादिशिबामछबिखानी ।.बनाचहुँचर्णरतिमानी ६२ ॥ छन्द ॥ यहसगुणनिर्गुणध्याननमिश्रितबोधज्यहिआवैहिये । श्रुतिविहितसाधनसाधिसम्यक्जगतजीवनफललिये ॥ निर्पक्षबादविवादतजिसबशांतिलैजनह्वैरहे । सुखदुःखहानिऔलाभसममुखचहैजोजैसीकहे ॥ होंउअगमसागरफटोपरदाथाहकोउकिमिपावई । करिकृपाकोपरसादजाकहँदेहिसोइजनध्यावई ॥ नहिंदोउसेदुर्लभतीसराकोउलोकतिहुँतिहुकालमें । निउनाअधिककृतभावजोकोउनहिंचढ़ोत्यहिख्यालमें ॥ हतभागिखण्डतएकएकनहियनयनदेखेनहीं । परभणितसुनिगुनिभूलिभटकतहृदैखरमण्डलसही ॥ नहिंसगुणअगुणविवेकपायेकियेसतसङ्गतिकहां । श्रुतिवदंतभांतिअनेकसम्यक्बोधकोटिनमेंलहा ॥ नहिंपूर्वपरखखिपरतंयामेंवस्तुएकौभयनहीं । जनप्रौढ़जानतभावयाकोसंतबहुश्रीमुखकही ॥ कलिकालकियेबिहालललोगनबुद्धिमनकाबूनहीं. १ चञ्चलञ्चपलता

चोपबाढ़तऔरकौनमहींमहीं ॥ उरनैनरुजदेखैकवनिबिधिसि
द्धसबकोउकैरहा। नहिंदीनताउरआनिबूझतजायसतसङ्गतिज
हां ॥ नहिंहृदैथलगंभीरठहरतवस्तुकौनीभांतिसे । व्यौहारतेन
हिंतोषमानतदौरिदिनहूंरातिसे ॥ करित्यागआशभरोससैम्यक्
ज़हरसेसाधनघने । सुमिरेदिवसनिशिनामजेजनसकलबानक
त्यंहिबने ॥ करुणायतनकरिकृपाकसनहिंदेहिनिजबलबाहँको ।
काकरैकलियुगमृत्युकालविशेषबलसियनाहको ॥ कर्तव्यसारी
दूरिकैहै अबलशरणागतपरे । कहबनादासप्रकाशत्यहिउरकस
नसीतावरकरे ६३ तारेगयंदकिरातकोलअडोलपुरबासीभये।
गणिकाअजामिलव्याधगीधहरामकहिधामहिंगये ॥ पाषाणवि
टपपुनीतकीन्हेंभालुमर्कटअनगने । श्वपचादिनिशिचरनिकर
पावनश्रुतिपुराणसुयशभने ॥ सेवरीपरमप्रियगोपिकाब्रजकाम
मोहितनितनई । त्यहिसाखिआगमनिगमसहजस्वरूपसबपाव
तिभई ॥ प्रह्लादकारणखम्भफारिउबारिजनदुष्टहिदले। रिपुबंधु
कीन्हेभूपलङ्काभसमभवनबचेभले ॥ द्रुपदीकीराखेलाजहारेभ
टदुशासनसेमहा। ब्रजबूड़तेगिरिराखिनखपरप्रबलसुरपतिमद
दहा॥ सुग्रीवव्याकुलबन्धुभयमहिमेंनदीन्हेठावँकोउ । बधिबा
लिकीन्हेभूपभैनहिंहृदैसुयशनशाउसोउ ॥ गोविप्रमहिसुरसाधु
हितधरिदेहबहुकारजकिये । कहबनादासनभजतअसप्रभुभार
भूनाहकजिये ६४ विज्ञानज्ञानविरागभक्तिसुअङ्गसाधनमोक्षके।
होतेनऐसेप्रबलतौलखिसकलप्रभुहिपरोक्षके ॥ निर्गुणनिरंजन
निर्विकारपुकारश्रुतिनितनेतिज्यहि।करिकर्मपचिपचिमरतसबकै
स्योनपावतकोउत्यहि ॥ पैदिव्यवस्तुकृपाप्रसादसोंमिलैज्यहि
बड़िभागिहै। कोउनाहिंखंडैयोगकाहेरहतनहिंअनुरागिहै॥ को
उज्ञाननिन्दतभक्तिबन्दतकाविचारेहीयते । कोउभक्तिखण्डन
ज्ञानमण्डननाहिंजानेजीयते ॥ यहदशादेखिविशेखिसबसेअल
गमनमारेरहै। गैसङ्गकीन्हेपासपूजीबहुरिफिरिकेहिकाकहै ॥ तु

लसीकृपालविशालबाहँउबारिकीनेदासहै । जपिनाम्मजानकिनाथकोसबभांतिपूजीआसहै ॥ हरिहाथसङ्गौसांथमानतयोगजबजैसलागिहै । तैसनसमागमहोततात्क्षणजैसजाकीभागिहै ॥ जिनकिंयोसँगरघुनाथफिरिनिहेरेसाथहै । सम्बन्धईश्वरजीवकोबहुभांतिश्रुतिगुणगाथहै ॥ प्रेरककरैसोइबातसांचीसंमुझिकैंरहीरहै । संतसङ्गरोजनरोजहोवैबातइमिसज्जनकहै ॥ अभिभयोगभाधानतियकोफेरिकैंतबकारहा । इकबारसेंदुरचढ़नाशिरपरभाग्यमेंसोकरगहा ॥ पुनिप्रश्नउत्तरहोतहीमेंआत्मपरमात्मसदा । कहबनादासउभैभयेइककहनसुननश्रुतिबदा ६५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापविभंजनोनाम उभयप्रबोधकरामायणेबनादासकृतेप्रथममूलसमाप्तम् ॥



अथ उभयप्रबोधकरामायण

प्रथम गुरुखण्ड प्रारम्भः ॥

कवित्तघनाक्षरी॥बन्दौंदासतुलसीगोसाईंमहराजपद कलिराज उदधिजहाजअवतारहै। जीवनपैदायारघुनाथनिरमाणकियेजाके मतचढ़ेभवसागरतेपारहैं ॥ राखिलियेजिनश्रुतिसकलपुराणबीजनातौडूबिजातमरयादमांझधारहैं । ऐसीरीतिरहासिमहानतीन कालनाहिंबनादासबदतप्रचारिबारबारहैं १ ज्ञानकोनिधानऔ बिरागमेंप्रमानवेदरीतिमेंसुजानरामभक्तिहियहुलसीहै। धारणा प्रचण्डऔउपासनाअखण्ड अनुभवबरिबण्डजाहिमायाझंखि झुलसीहै ॥ अमलअचाहरामनामनिरबाहजाकीमतिहैअथाह मरयादपाल्योकुलसीहै । बनादासउपमाअनूपकबिलहैनाहिंस कलमतिमानकहैतुलसीसेतुलसी है २ पढ़्यौनपुराणवेदशास्त्र काव्यग्रन्थएकनामकोप्रभावरामचरितमेंअवादी है । मानऔब ड़ाईमतबादद्रव्यहेतपढ़ैकीरतिकीचाहताकीसम्यकबरबादी है॥ मानुषतनलाभरामभक्तिबातसांचीयह सुकृतकोसींवसोईसुरपुर भामजादीहै । अन्तसकोभावउरबासीरघुनाथजानैकाव्यबना दासकीगोसाईंकीप्रसादी है ३ सरलशुचिताईनिपुणाईअनुराग भरी सांचीदीनताईअंगभूषणबिलासीहै । ज्ञानगुणखानीमोद मंगलअघानीरसबिरागसरसानीमुक्तिहेतमानोकासी है ॥ जाई

मरयादकोगनाईभावकहांलगि अबिचलनिवासींरामचरितआ
मखासीहै । बनादासनामतेनिबाहैपतिव्रतधर्मरानीतोगोसाईं
बानीमेरीमतिदासी है ४ अद्भुतपरमारथबेस्वारथजगहेतकिये
घटतनाहिंबढ़तनित्यदुइजकीउजेरीसे । पूरबअभ्यासीचवरासी
केराहचलंततुलसीकृतखींचतबाँहपकरिकैबरोरीसे ॥ कियेअति
सहायकोटिमुखसेनगनायजायकाढ़िलिये जीवनकोकलियुगकी
झोरीसे । बनादासरामकेरँगीलेनकीयहीबातफूंकतभवभरमकी
झोपरियामनोहोरीसे ५ चौदहऔचारिपुनिअठारहकोभेदयासें
नवषटकोभावसबसमुझेविलगानहै । अपरउपपुराणऔउपनि
षदकोबोधहोतसम्मतसबसंतनकोसम्यकप्रमानहै ॥ लौकिक
कीरीतिराजनीतिकोअनेकभावएककोनखालीमनहुपुष्पक बिमा
नहै । बनादासतुलसीसेसाधुगुरुभावमानैतुलसीकृतसंतनकोतु
लसीकेसमानहै ६ मानतसबकोऊऔसबहीकोबोधहोतसबकोसु
खदाईसबजानतजहानहै।जैसीमतितैसीगतिसबकोसिद्धांतजामें
शोभितसबअङ्गकरौंकहांलौंबखानहै ॥ ज्ञानऔविरागयोगसब
तेबड़नामजामेंकपटकलिखटाईनहिंकिंचित्प्रमानहै । बनादास
काहूकोनेकप्रतिकूलनाहिंतुलसीकृतसबकोपाकआमके समानहै
७ देखतधरसूत्रदारुपुतरीकोलेखतनाहिंतातेसबभाषतनेकरंखं
तनाहिंचोरीहै । कपटअन्तरयामीसोअनरथकोमूलयहीभोगत
भवशूलजड़चेतनगोघोरी है ॥ कृपाबिनकटतनाहिंकरतबकोउ
कोटिकरैजरैजीवसदातीनितापआगिहोरी है। सुजनजनविचारि
भावहियमेंप्रसन्नह्वैहैंतुलसीमतिमहलबनादासबुद्धिमोरी है ८ मि
लेहैंस्वप्नमाहिंकृपाकरिदीनेबरउरअनुरागबढ़ोसुनेशुभबानीहै ।
शास्त्रऔपुराणवेदनानामतमुनिनको सुनेकरिप्रीतिनिविरोधकहूं
आनी है ॥सबसेविशेषिकरिजानैमततुलसीकोविमाहिंप्रयासयामें
प्रीतिसरसानीहै। बनादासगुरूभावमानेहैंगोसाईंबिषेतातेमतिमे
रीबिनादामहींबिकानी है ९ बिशदबिरागभरिभागहेतकामधेनुको

टिवेनपापपदलनाशतनदेरहैं।हृदयमेंप्रकाशकरभासकरसमसद्यमा यामोहकलिकालकाटतअँधेरहैं॥बनादासएकमुखकहैभावकहां तकमेरेहेतहठिरजमहिमासुमेरहै । धूरिसेपहारकियेदियेअभिम न्तदानतावेहौंबिकानाबिनदामहींसबेरहै १० तृष्णाकोनंशावै कामक्रोधजंरिजावैरामप्रीतिसरसावैजासुहियेभावभारीहै । भाव भाकरत्तगुरुगुणकोनलेशराखै अतिहीबिशेष श्यामरूपलागिता रीहै ॥ चेलागुरुरूपहोतयामेंनसन्देहकेछूउपजैप्रतीतिप्रीतिता कीगतिन्यारीहै । बनादासाकिंकरगोसाईंजूकोबारबारवोदिनिज ओरजगसागरसोंतारीहै ११ शरणसहायकअलायककीअवल म्बमेरीअम्बसमहरियशबरसतिहै । बनादासबरणैबात्सल्यभाव कहांतकअतिहितकारीअनुरागपरसतिहै ॥ शान्तिऔसमाधि ध्यानविरतिबिज्ञानज्ञानआरसीसमानरामरूपदरसतिहै । राग देखमेखमारैबिधिऔनिषेधजारै बानीश्रीगोसाईंमोहगनपरसति है १२ नौरसकोजाईउपजाईपञ्चरसहूकोरामरतदाईकबिताईहै अमलजू । पाईमरयादयशगाईसियबल्लभकोअतिहीनिपुणाई कमाईहैंबिमलजू ॥ बनादासशोभासरसातसबग्रंथनकेसातका एडलसैप्रियकञ्जकैसेदलजू । ऐसेसदग्रंथमाहिंप्रीतिनप्रतीति जाकीताकीमतिमारीकलिकहैकौनभलजू १३ जानेऔरसुनेऔ बिचारेकोलाभयामेंजामेंरामनामछोड़िदूसरीनगतिहै । चातक कीटेकएकरामहीकीआशजाकेवाकेसरदारसंतबिषयतेबिरतिहै ॥ रामहीतेरतिऔअगतिरागसारीओरदेखैकृपाकोरनितऐसीआवै मतिहै । बनादासकोबिश्वासरोमरोमरक्षकहैपक्षकसनातनकेरा खेसाधुपतिहै १४ चेतनजड़छानैभवमानैजानैसाधुजनसबको भनमानैगोसाईंकबिताईजू । कबिकुलकोपोषतपरांक्रमप्रबलजा कोताकोउरशंशरदव्योमउड़गनसेछाईजू ॥ बनादासबिदितजहान मेंनजानैकौनऔनसुखदाईउपमाईकौनपाईजू । सुजनसबसराहैं चारिफलहूकोफलयामेंसंशयसमुद्रजानतुलसीबनाईजू १५ गु

णातीतगूढ़गतिश्रासतीकज्ञानधाम नामहीसेकामश्रौभरोसएक
रामहै । धरमकरमव्रतनेमजाकेरामनामश्रुतिश्रौपुराणषटशास्त्र
बसुयामहै ॥ सन्तसरदारभवभारकोहरनहारकृपाकोश्रगारश्री
गोसाईंजूकोकामहै । बनादासनिराधारजीवनउद्धारकियेहियेहुल
सतमनबिकोबिनादामहै १६ श्रुतिश्रौपुराणशास्त्रशारदगणेश
शेशश्रीमुखंसराहैसुरसाधुताबड़ाईको । ज्ञानश्रौबिरागश्रनुराग
शान्तिभूषणजेदूषणदवाईकोटिउपमानसमाईको ॥ बोधकहैंवि
ग्रहश्रनुग्रहसबकाहूपैंकलियुगसमुद्रहेतनौकाबनाईको । बनावा
सश्रतिहीप्रकाशनितनयोहोत हदकरिगयोश्रीगोसाईंसाधुताई
को १७ रामनामकीरहनिरामनामकीगहनिरामनामकीकहनिऐ
सीमतिपाईको । शास्त्रश्रौपुराणवेदमुनिमतबादनानानीरखनगा
ठीजैंसेचित्तनचलाईको॥करमबचनमनगतिएकरामहीकीचातक
समानटेकस्वातिबुन्दनाईको । बनादासदासतौश्रनेकखासहोत
जांतहदकरिगयोश्रीगोसाईंजूदसाईको १८ शोधेनपुराणवेदशा
स्त्रकाव्यग्रंथएकनामहींकीटेकतातेश्रनुभवबिशालहै । माषीभय
हरभवानीजानीमानौसर्बरीतिप्रीतिश्रौप्रतीतिसानीमेटैजगजाल
है ॥ बनादासकोबिदकबीश्वरतिलकभालकलियुगकरालमेंधितु
लसीकृपालहै । श्रायोमूलहाथमेंतौडारपातबाकीकहाबरीबरीना
येलोनकहैबुद्धिबालहै १९ जाकेभालभागभूरि उपजौश्रनुरागरा
मनामहींसोंकामसुबूँशामकहांजातहै । रङ्कजैसेनिधिपायेकामी
ज्योंनवीननारिवारिवारिप्राणरूपश्यामनश्रघातहै ॥ बनादासत्रि
लगपरतजोपलकएकललकिललकिलखिलालचललातहै । द
शापराप्रेमकीप्रमाणकोऊकैसेदेत पढ़ेसर्बशास्त्रश्रीगोसाईंबनीबा
तहै २० ज्ञानंश्रौबिरागश्रनुरागपरिपूरिपायजगतहेत्रायनसम्हा
रसुद्धिदेहकी । भयेजलमीनरामरूपप्रेमपीनश्रतिबासनाबिहीन
दशाकौनकहैनेहकी ॥ बनादासशास्त्रवेदमानौसुधिभयेखेदजीवं
नकीश्राशजैसेधानपानमेहकी । पढ़बविरोधसबशोधकरैकौनिभां

तिरातिदिनकहाभारधरेकौनगेहकी २१ शास्त्रऔपुराणवेदसम्म तसबसन्तनकोमानुषतनलाभरामभक्तिकोगनाईहै । तीरथबरत तपयोगयज्ञसाधनकेपावतकरोरिमध्यएकअतिबड़ाईहै ॥ दुर्लभ पुनिदेवनकोऔरुकीगनावेकौनजासुलोक प्राप्तिहेतकेतीनिपुणाई है । बनादासकृपाकोप्रसादश्रीगोसाईंजूकोकनकामुखपीततेपपी लजैसेपाई है २२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेप्रथम गुरुखण्डेप्रथमोऽध्यायः १ ॥

कबिकुलकेतिलकत्रिकालहूकोजानहारसुजनसरदाररामरीति ऐसीगाईको । धीरजकेधुराधरमसेतहूकोचलनहारगुणकोअगार ज्ञानगिराऐसीपाईको ॥ बिरचीरमायनकरुनायनकृपालबैनकलि युगसमुद्रऐसीनावरी चलाईको । बनादासबचनकरमनवनायकहै मानौगुरुमन्त्रबैनसारेश्रीगोसांईको २३ तुलसीसमाननत्रिकाल मेंकृपालकोऊसगुणअगुणहालसाधुनकोथाहदई । डूबेजगंजाल मेंबेहालजीवनानाभांतिकलिबिकरालमुखकालतेनिकारिलई ॥ ब नादासबालबुद्धिसुद्धिलियेभलीभांतिथोरीअवकातिनविचारिदि येकाटिबई । जनममरणगतिअगतिकोभानगयोभयोहैस्वरूप ज्ञानदेखेजगराममई २४ जनमपर्यन्तपढ़ेवेदनपुराणचुकैंभुके भावभगतिकोशास्त्रमतबादहै । विद्यातेविरागनाहितौहित्याग कैसेकहैचाखैनीमकौनछोड़िदाखसुठिस्वादहै ॥ एकहूशरीरनस म्हारिभजैरामनामबनादासहोयक्योंसरूपमेंअबादहै । ताते शास्त्रजन्यज्ञानसाधुकोस्वल्पहोतसर्बबितपन्यएकनामको प्रसाद है २५ विद्यावेदभालमेंनदूजीगतिख्यालमेंनफँसेजगजालमेंन लेशहूअरासहै । पापनतेपीननितिहोतहैनवीनअतिमानसमली ननहिंगांठिनमेंदामहै॥ज्ञानगुणहीनसबसाधनबिहीनभांतिकोटि नतेदीनतनखीनऔनकामहै । बनादासपतितपतंगपतिराखेराम कामतरुकामधेनुकोटिगुणानामहै २६ ज्ञानबोधआकरदिवाकर

प्रतापजासुशीतलसुधाकरसमानटेकनामकी । विग्रहविरागअ
नुरागकोसदनसुठिभारसेशरीरसुधिकहांसुबूशामकी ॥ बनादा
सबदतप्रचारकरिबारबार जाकेमतचढ़ेनचलतकलिबामकी ।
जानेंजहानऔप्रमानमध्यसन्तनके तुलसीहियहुलसीभयहरनि
भक्तिरामकी २७ उपमाअनूठोलोकवेदमेंनहेरेमिलेकापेतुलातो
लियेमहतुश्रीगोसाईंको । पायेनकरोरिमुखकौनरुखपायकहौंशा
रदगणेशशेशकोऊनासहाईको ॥ नारदमहेशऔबिरंचिसेंनभेट
योगबूभियेविशेषिबातकहीदुचिताईको । बनादासबर्त्तमानमें
नअनुमानआवैतातेबुद्धिबैनकाहूपावैनउपाईको २८ मूकसेरह
तसबैसम्मलबिहीनजानिश्रुतिऔपुराणकाव्यकोशकरिहीनहैं ।
बुद्धिनविशालबालकालतेनपढ़ेवेद बढ़ेदिनआयअबहोतनाहिं
कीनहैं ॥ पढ़ौसर्बशास्त्रमहाराजगेसभाषेहेतदेखियेबिचारितो
अनेकअंगदीनहैं । बनादासबिनाकहेमानतनमूढ़मनहोतनअ
रूढ़मिलेंकहांतेनवीनहै २९ देखौजलसारेहैंसमुद्रहीकेअन्तराय
लोकवेदमाहिंहेरिकहैसबकोईहै ।होतहैअनेकबारहीमेंउतकण्ठा
वेगमिलैनअनूठहियआंखिनतेजोईहै ॥ तातेमनमारेकहौंजौन
कंछुआवैबुद्धिमौनधरोजातनअनेकहियगोईहै । बनादासंकरत
बिचारउरबारबारलागोमनलाभमहासुखसिन्धुसोईहै ३० ज्ञान
औविरागअनुरागहूकोभागीहोतअतिहीप्रतीतिजागीबरणैबंड़ा
ईको ।। धरमधीरधुरापरपीरहूकोजानहारगुणकोअगाररहपाई
शूरताईको ॥ साधुतासकलअंगभंगकोऊकालनहिंरूपमेंबेहाल
कहूंउपमानपाईको । बनादासरीभेरामसांचेहूसनेहबशजाके
हियभासैभावतुलसीगोसाईंको ३१ पढ़ेनपुराणवेदशास्त्रकाव्य
कोशएकनामहीकिटेकऔगोसाईंजूकीबानीहै । बारेपनमात्राल
गायेहुतेअक्षरपैतबतेतकआजुमतकाहूकोनमानीहै ॥ बनादास
बनबविगररामनामहींसों मानेगुरुगोसाईंदासतुलसीपहिचा
नीहै । हारेजन्मएकयाहीद्वारपैबचनक्रमभ्रमसारोनाशमतिता

हीतेत्रिकानीहैं ३२ रामजूकीऐंनमैनरिपुकीनसैनजानैतातेचैनपा
वैनाहिंभटकैठौरठौरजू । पूरबअभ्यासीचवरासीकेराहचलैटूटै
त्रिगुनफांसीनअनेककरैगौरजू ॥ बनादासदासजेरँगीलेरघुनाथ
जूकेकूकेभवपासआसपूजीमनदौरजू । प्राणहूतेप्यारीप्रभुकीरति
उदारीजाहिसारीसबकाजसोईसन्तशिरमौरजू ३३ बिनयकीबड़ा
ईकरौंकौनमुखलगाईनहिंपाईमतिशेषकीनिकाईहैंअनूपजू। बरवै
कबितावलीदोहावलीअनूठीआसैबहुरौगीतावलीभरीहैंरामरूप
जू ॥ बनादासबरणैछन्दावलीसलाकारामकामतरुरमायणसक
लबोधखूमजू । दोहाचौपाईछन्दसोरठाबखानैकौनथाहकैसेपावे
ग्रंथतुलसीकबिभूपजू ३४ तीरथबरततपयज्ञयोगसाधनकैयम
औनियमसाधिहियेनललाईके । श्रुतिऔपुराणशास्त्रशोधियेअ
नेकअंगअमितउपायकरिलेशहूनपाईके ॥ बनादासअपरनरन
कीचलावैकौनमुनिमनअगमसुगमताहिगाईके । शङ्करभुशुण्डि
हनोमानकोप्रमानजामैंरामतत्त्वआयोहाथतुलसीगोसाईंकैं ३५
खासवासहियदासतुलसीकेरामजूकोजानकीसमेतलषणअतिही
प्रकासहैं । भुजापैंनिवासहनोमानज्ञानधाममहाउपमासकलथो
रिवेदैंबनादासहैं ॥ सुकृतकोसागरउजागरजगतमाहिंताहिके
प्रसादकरिपूजीममआसहैं । रोमरोमऋणीऔकसूरबन्दश्वास
श्वासकालहूकित्रासकटिदियेअनायासहैं ३६ काटेकर्मजालज
गजीवनबेहालदेखिबालबोधविशदरमायणबनाईजू। अतिहीअ
गाधसाधलोगनकोप्राणधनरूँधीयशधामडगरउपमानपाईजू ॥
बनादासगांसीचवरासीकालफांसीगर मौतहूकोदासीकरिदरिद्र
तादेवाईजू।सज्जनसुरबन्दतअनन्दतसबकाहूकोकलिकालहिये
शालदियेश्रीगोसाईंजू३७छन्ददोहासोरठकबित्तपददण्डकजेउ
पमानपाईकहूँएककहूँचौपाईको । श्रुतिऔपुराणदेवबानीतेसयानी
जानीमानीमनसबकोनिशानीमुक्तिदाईको ॥ हिन्दूऔतुरुकअँग
रेजहूप्रमाणदेतहियेमाहिंराखैषटदरशनबड़ाईको।बनादासचारि

खूटफैलीफलचारिदेतहेतमनकामनानराखैदुचितमईको ३८ का हेकोपढ़तकाव्यकोशऔपुराणवेद शास्त्रमतबादमरैविद्याकीबड़ाईहै । मन्त्रयन्त्रजादूटोनाधावतरसायनहेतबशीकरणआदिलागिघूमतललाईहै ॥ कोकशास्त्रज्योतिषऔतन्त्रहूअनेकजानैयमनीअंगरेजीमाहिंजनमकोबिताईहै । बनादासगाइयेगोसाईकृतअमृतमानिछोरैंजड़चेतनगिरहरामप्रेमछाईहै ३९ मुक्तिकीनिशेनीबरंदेनीऔत्रिबेनीसरिसीसीतारामधामश्रीगोसाईजूबनायोहै। कैधौंरघुनाथजूकी करुणाउफलायचलीकैधौंगंगधाराघरघरमेंधसिआयोहै ॥ बनादासकैधौंकालजालकोजलावैआगिकैधौंकलिकालऊपरकृत्तिआचलायोहै । कैधौंकलिसाधुहेतसुकृतकीबेलिफलीकैधौंअनुरागगलीभलीभांतिभायोहै ४० कैधौंवेदशाषाभयोभाषाश्रीगोसाईजूको पूजैअभिलाषासोरिसाषासहितसत्तिहै । कैधौंअनुरागआकरकैधौंकलिसाकरहेतकैधौंज्ञानखेतकैधौंगत्तिहूकिगत्तिहै ॥ कैधौंहैबिरागबेलीकैधौंपुनिचमेलीभक्तिकैधौंबिज्ञानढेलीसुकृतसम्पत्तिहै । बनादासबासनाबिनाशहेतंकैधौंआगिकैधौंमेरीभागिकैधौंमुक्तिआवैमत्तिहै ४१ . कैधौंकलिसिंन्धुहेत वोहितबिवेकसात कैधौंउश्वासपवनरवन · त्रिषमबादरहै । कैधौंआलबालभक्तिकैधौंरामशक्तिशक्तिकैधौंभ्रमसैनाभरिकीनेकामकादरहै ॥ कैधौंअमृतधाराकैधौंपापहेतआराकैधौंपैनपैनासेचलावैपीटिगादरहै । बनादाससांचीहैकीरतिरघुनाथजूकी जानैसबकोई बहुसन्तकरैं आदरहै ४२ कैधौंबौरशास्त्रकै.पुराणनकेपल्लव हैं कैधौं धर्म्मशास्त्रलतालपकीसबऔरहै.। कैधौंराजनीतिचतुराईकेचरणचारिकैधौंसन्तोषबूटकैधौंसुकृतमोरहै ॥ बनादासकैधौंहैत्रिकाण्डहूकितिलकनीकी केधौंरघुनाथजीकीफैलीकृपाकोरहै । कैधौंलोहअन्तःकर्णचुम्बकनजानोजातकैधौंइन्द्रीवशीकर्णसांचेहूबरोरहै ४३ कैधौंमंनटोनाकैचित्तहूकेचोरयामेंकैधौंविशेषिअहंकारहरनहारहै। कैधौंका

ब्यतुलसीनिशेनी परधामसातकैधौंपितुमातसारिससाधुसुकृतसा
रहे ॥ बनादासकेधौंहैअनन्दकेसदनसुठिकाब्यकोमलाईकैधौं
आवतबिचारहे । कैधौंमुक्तिरानीकेशृंगारसर्बअंगनकेकैधौंयु
क्तिखानीकैबिचारकेअगारहै ४४ कबितागोसाईंभवसरिताकी
सेतकैधौंकैधौंत्रिगुणगासैंहेतप्रकटीप्रबलहै । कैधौंबोधखानि
जानिघरतसबकाहूकोकैधौंमुक्तिरानिकैबिवेकहूकोदलहै ॥ कैधौं
बिचारबिधिकीन्हींजगहेतजानिजामेंकलिकालहूको बैठतनसल
है। बनादासकैधौंबिथरानीभक्तिभौनभौनरामदियेराजपैबिलोके
जगबिकलहै ४५ कैधौंनैनअंजनबिभंजनजगतजालहेतकैधौं
अघगंजनकोगंगजूकोजलहै । कैधौंसन्तभूषणकेदूषणकोदल
नहारकैधौंभक्तबंचककीबोलतनकलहै ॥ कैधौंअज्ञानकालकैधौं
भालभागमेरेकैधौंहोबिरागवृक्षकैधौंज्ञानबलहै । बनादासनास
चवरासीकीकरनहारअतिहीअपाररामकीरतिअमलहै ४६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापविभञ्जनोनाम
उभयप्रबोधकरामायणेप्रथमगुरुखण्डेद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

कैधौंब्रह्मदानीकेनिशानीकैवल्यहूकीकैधौंसुखखानीदुखहूंकी
दलनहारहै। कैधौंराममारगकोसम्मलसकलअंगकैधौंभवभंगहे
तलीन्हींअवतारहै ॥ बनादासकैधौंविषयबेलिकीजलनआगिके
धौंघरंघरनलागिकरतीउबारहै। कैधौंकामक्रोधलोभमोहमानमा
रैहेतअन्तरनिकेतकाव्यचोखीखड्गधारहै ४७ कैधौंकामधेनुकल्प
तरुकैगोसाईंबानीरामभक्तिहेतमनमानीसबकाहूको । विरतिकी
दानीबरदानीकैज्ञानहूकीशांतिरससानीमूर्खमानैमनताहूको ॥ ब
नादासकैधौंबिश्रामकीनिवासनीकी कैधौंविषयफीकीहेतनिरणैनि
बाहूको । कैधौंभयहरणकैधौंशरणकोसमूहसुखकैधौंममहेतअव
शिमेटेउरदाहूको ४८शांतिसुधाआकरकैदिवाकरकेकिरणिआछी
अद्भुतप्रतापपृथ्वीमण्डलमेंलसी है। कैधौंकर्मकाण्डबिटपकाटन
कोकुंठारधारकैधौंकालजालकलिकरालमुखमसीहै॥कैधौंसाधु मं

डलीमेंमण्डलपरिपूरचन्दकैधौंइन्दहरनहेतघरघरमेंधसीहै । ब
नादासबानीश्रीगोसाईंजूकीमहिमाअति कहीकापैजायसकलस
ज्जनउर्बसीहै४९ मेरीप्राणजीवनसजीवनभवरोगहेतकैधौंअति
चेतनकोपहरूपुकारेहै ।जागुजागुजालिमजवानीमोहनींदखोय
अबहूंजपुरामनामनरतनसकारेहै।जाहुगेचौरासीचारिपंहरमाहिं
चौपटह्वैकोऊनाहिंसुनैधर्मराजधरमारेहैं । बनादासआलसीजंगा
यकोटिंकोटिभांतिअतिहीसरसातिकलाभेजतिहरिद्वारेहै५० सुर
सरिकीधारांकपटकाटिबेकोआराकैधौं कैधौंसारासारकेविचारको
अंगारहै। कैधौंवेदक्षीरनिधिमथिकेनिकारेअमीतुलसीगोसाईंस
बेदेवअवतारहै॥ मन्दरगिरिज्ञानकोपुरन्दरसेकोटिबलसूरतिकी
जेवरीबनायेबारबारहै। बनादासकैधौंहरिरूपह्वैकेकृपाकीन्हीसन्त
सुरपियायेरोगहरेभवभारहै ५१ कैधौंमोहमूलशूलकैधौंअनुकूल
बोधचित्तकोनिरोधकरनहेतकैधौंयोगहै । कैधौंकवितुलसीकीला
गैअतिप्यारीसबहिमूरिहैधन्वन्तरिकीनाशैमनरोगहै ॥ कैधौंज्ञा
नगोलासर्वसंशयकीकोटढाहै बनादासकैधौंभक्तिसकलअंगभो
गहै । कैधौंहैविवेकभौनकैधौंसाधिराखेमौनभाषेनहिंदेतिअषर
भाषाकहैलोगहै ५२ कैधौंश्रुतिजाईकैधौंस्मृतिसोंआईकैधौंशि
बकीनिपुणाईकैगनेशजूकीगाईहै । शेषबकताईकैधौंशारदसहा
ईकैधौंदेवचतुराईकैउपनिषदकीमलाईहै ॥ प्रीतिसरसाईशूरता
ईकोबढ़ांइदेतसबकोशितलाईसंतहीमेंअतिभाईहै।ज्ञानसोंकमा
ईकैविरागहूसेछाईबनादासउरभाईकैसीतुलसीकविताईहै ५३ ॥
सवैया ॥ संतशिरोमणिश्रीतुलसीहुलसीसबकेहियमेंअतिनीं
के। अंगगुरुत्तुकोमानौंसबैअतिमूरतिहैयेईभावतजीके॥ जानौं
सगाईअनेकनजन्मकीजानतकौनबिनासियपीके । दासबनानब
नायकहैगुरुइष्टकेपायबिनावितबीके ५४ हैजबतेंतुलसीकृतज
क्तमेंभक्तिहृदयअतिहीरँगेभीना । रामकोनामजपैजनजानिकैजर
यभयेहरिकेपदपीना॥ बैठतसूतनहींयमदूतकोघूमिचलैघरहोत

नकीना। दासबनाअसपायसँयोगजोमेटेनहींभवरोगमलीना५५
जाकेयहांनितहोतरमायणमारुतनन्दनकोतहँबासा। चौकीरहै
चहुँओरतेचौंकसतातेफिरैयमदूतउदासा॥ दासबनाबसिलो
भजोआवहितौहनुमानदेखावैतमासा। फांसीकोतोरिभरोरिभु
जादोउदेतचपेटचलैउर्द्धश्वासा ५६ नामअनन्यकोहैतुलसी
समआपुतौ धन्यअनेकनतारे। जोअवतारनहोतोगुसाईंको
कोजगजानतोरामबेचारे॥ सम्यकबोधदियेविधिपूर्बकशोकसँ
देहअनेकनेवारि। दासबनाद्युतिचन्द्रप्रतापबढ़ेतेहिकारणनाथ
कृपारे ५७ बासनालेशनहींजिनकेउरताहीतेदेशभयासबचेला।
कामनाकालबसैजिनकेहियताकोमिलैजगमांगेनढेला॥ गोपद
सेगयोनांघिनदीभवपीछेसेजातचलासबमेला। दासबनाजेहिके
परसादसेआठहुयामभयाब्रह्मबेला ५८ मूरतिश्रीतुलसीहुलसी
हियतातेभयासकलौश्रमछीना। प्रीतिप्रतीतिपरीयकद्यरूपैतीनि
हुलोकलखेजनुदीना॥ प्रौढ़भयोक्रमहीक्रमतेरमतैप्रदरामकेनै
हनवीना। दासबनाश्रीगोसाईंअनुग्रहबोधकोविग्रहहोतमली
ना ५९॥ घनाक्षरी॥ उद्यमकोदाहैलोकलाभकोनिबाहैदेतभव
निधिमेंथाहैओसराहैसबसन्तजू। ज्ञानीजनमानैप्रौढ़पण्डितपि
छानैकरैकहांलैबखानैरसजानैहनुमन्तजू॥ होतेमुदितायनरमा
यनमेंपरायनजेशोभासरसायनचौरासीकोअन्तजू। बनादासरा
मप्रेमनेमकोनिबाहनहारगुणकोअगारकोऊपारनलहन्तजू ६०
साधुनकोछानैपुनितत्त्वकोपिछानै भेषसबहीकोमानैजगजानैअ
तिबिशदहै। सुखकोसरसावैपरमारथकोबढ़ावैअतिहीकोहुल
सावैओसयानीकरैरदहै॥ सन्तगुरुसेबोधैनहिंत्रोधतहियेमेंबि
षयदम्भऔपखण्डकपटनाशैमोहमदहै। बनादासभासैउरअ
तिहीप्रकाशैभारीबाखीश्रीगोसाईंपतितपावनकोबिरदहै ६१ भ
क्तिरसभूषणसबदूषणकोदलनहारपोषणप्रकाशकालजालकोज
लावतिहै। ज्ञानबोधआकरओसाकरकलिकटुकरालशीतलसु

धाकरसेरामगुणगावतिहैं ॥ भावतिसबकाहूनशावतिमनरोगशो
गतावतिगुणतीनिऔअनुरागअरसावतिहै । बनादासखासहैनिवा
ससीतारामजूकोभागिभूरिताकीअतिजाकेहृदयआवतिहै ६२
मुक्तिकीनिशानीभक्तिभूषितसयानी रसबिरागसरसानीज्ञानखा
नीसबजानीहै । प्रेमसुधासानीमनमानीसबकाहूकोचारिफलदा
नीऔसराहैसबज्ञानीहै ॥ बनादासमेरीभवभानीनअनायकहौंचे
तनजड़छानीधर्मनेतिकोपिछानीहै । बोधरजधानीमतिबिकानी
सबसन्तनकीबानीश्रीगोसाईंजूकीमेरीमहरानीहै ६३ ज्ञानसरसा
वतिऔबिरागकोबढ़ावतिएकरामगुणगावतिरसप्रेमबरसावतिहै
सबकेमनभावतिरिझावतिकलिकालहूकोमोहकोनशावतिरमावं
तिगुणपावतिहै ॥ बनादासहीकोहरषावतिहजारोंबारआवतिउर
जेहिकेजरबिषयकीजरावतिहै । तावतितृष्णाहूकोनलावतिनेह
काहूसनसबकोमूलनामयामआठौफरमावतिहै ६४ सुगतिकी
शृङ्गारऔबिचारसारासारहूको महिमाअपारश्रीगोसाईंजूकीगा
ईको । शारदासराहैननिबाहैमुखसहसशेषकोबिदकबीश्वरअप
रपारपाईको ॥ बनादाससुईमुखसुमेरुकिमिसमाइसकैसातहूस
मुद्रसातकाण्डउपमाईको । मेरीमतिपपीलटीलदेखिबलसबभां
तितातेदिनरातिअतिपावैदुचिताईको ६५ कौनवेदजानतऔ
पुराणनकोभेदसारोशास्त्रमतबादसकलदूषणदवाईजू । पापनते
सानेऔकिकानेलोमलालचकर भक्तिमुक्तिभेदकैसेपरतोलखाई
जू ॥ ज्ञानऔबिरागअनुरागकीअनूपगतिरामकोस्वरूपबोध
सम्यकबताईज । बनादासकैसेभवसागरकोपारहोतो जोपैक
लिकालमेंनहोतेश्रीगोसाईंजू ६६ पढ़ैकोउपढ़ावैपुनिगावैश्रव
णलावैकोऊ हियेमाहिंभावैतासुहोतोभलेभलहै । लाभसबदे
शमेंमहेशजूकोमानसयह आलसनराखैध्रुवधामसेअचलहै ॥
बनादासकाशीकेसमानमुक्तिखानिजानी सन्तनमनमानीमुख
मसिलावैखलहै । बिनयगीतावलीदोहावलीअनेकग्रंथकैसीक

बितावलीनशखैमनमलहै ६७ आसघासआगिनासतृष्णा कीकरनहारअनुभवअगारपारपावननयोगहै। पापशापभरनि तरनिमोहरातिहूकोकोऊएकजानैयोगनाशतसबरोगहै॥ कृपं टपखण्डदम्भदावनिनशावनिश्रम मोदसरसावनिजलाव्रनिभय शोगहै। बनादासकाव्यश्रीगोसाईंकीभलाईअमृतसृतकजिया येजीवजानैसबलोगहै ६८ महामोदरासीअतिअविचलक्षमा सीसदापापनिःशुम्भदलनजानियेउमासीहै। चन्द्रसेप्रकासीग लीगांसीचवरासिहूकीसन्तनउरबासीशिवसिन्धुकोरमासीहै॥ खलंनउरखासीमुनिसंशयबिनासीफांसी कालहूकीनासीबानीतु लसीमहिमासीहै। मुक्तिहेतकासीदासीडारैकरिमीचहूकोबनादा सहियेसूमसम्पतिजमासीहै ६९ कंजहिअविकासीपंचबिषयन कोत्रासीअसिरामअविनासीचरणपंकजबिलासीहै। कलियुग कीहासीधासीकामक्रोधलोभहूकोबनादासभासीसे जअनन्दकी डासीहै॥ निगड़भवखलासीजीवबासीबैकुण्ठकीनेअंशांकरि दासीसन्तहृदयबोधरासीहै। सबकोसावकासीचपलासीचमक चारिओरनाशतउदासीकाव्यषोड़शकलासीहै ७० ॥ सिंहाव लोकनि॥ पापकीपराजयतापतीनिहूअकाजैकामक्रोधलोभभा जैलीजेकलियुगकुचालीजू। चालीसुभगसाजैछबिछाजैसाधुस भांमध्यसिंहसमगाजैटेकनामप्रतिपालीजू॥ पालीपथभक्तिअ मितशक्तिकौनपारजायबनादासआसपूरकीनेजिनहालीजू। हा लीसेपढ़ैकृततुलसीसुजानलोग योगजपयज्ञत्यागिकोऊनजात खालीजू ७१ तारनकोअवतारउद्धारहरेभवभारहजारनको। जारनकोविषयाबनबेगहिमोहमनोजहिमारनको॥ मारनकोमन मूढ़मनोरथदासबनालहपारनको। पारनकोपढ़िकैतुलसीकृत तातेबिशेषिबिचारनको ७२ बिचारनकोवसुयामयहीतुलसी कृतप्रेमसुधारसपीजें। पीजेसदाप्रभुनामहियेपदपंकजपैनितही चितदीजे॥ दीजेनहींमनकूरनकोकहदासबनाजगसेयशलीजे।

क्षीजेनितेकरकोजलजीवनितातेरहौहरिकेरँगभीज़े ७३ ॥ सवै
या॥फैलिरहीजबसेजगमेंतुलसीकृतमानोंकरैश्रतिछाया। दम्भ
पखण्डकोदाबिदिमागहरैकलिकामहुमोहश्रौमाया॥ प्रीतिप्रती
तिहियेजिनकेतिनकेउरश्रावतिबोधनिकाया । दासबनाश्रसबू
झिमेंश्रावतहैजनपैरघुनाथकीदाया ७४ दारुणकालबेहालसबै
जगबुद्धिभैमन्दपढ़ैकोपुराना। वेदकोभेदश्रहैश्रतिगूढ़श्रौशास्त्र
नमेंमतवादनिदाना ॥ हीनभईश्रद्धासबकेहियहोतनहींश्रनुभव
करिज्ञाना । दासबनाहमरेमतसेतुलसीकृतसाधुकोजीवनप्राना
७५ खण्डनकेसबसाधनकोश्ररुमण्डनरामकोनामकियेहै ।: चा
तकटेकयथाजलस्वातिकोश्रौजलमीनसेप्रीतिहियेहै ॥ ज्योंपंति
देवतियागतिदेखियेजन्मपर्यन्तनिबाहिदियेहै । दासबनाश्रस
जानिपरैयमद्वारतेजीवनकाढ़िलियेहै ७६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापबिभंजनोनाम
प्रथमगुरुखण्डतृतीयोऽध्यायः ३ ॥

घनाक्षरी ॥ पाहनसेहृदयपघिलिजातप्रेमरामजूकेदेखियेबि
चारिकैसोबानीमेंश्रसरहै । बूझैश्रौबिचारैहियेधारैजोगोसाईं
कृतहेरिहेरिश्रन्तरकीकाढ़तकसरहै ॥ कामकोहलोभमोहमान
हूकोमथिडारैसारैसबकाजखोदैकलियुगकीजरहै ॥ बनादास
श्रोटोखोटोमोहिंनविचारकियेबातनबनायकहौंदिये बाँछिलबरहै
७७॥ सवैया ॥ सेवेसकामजोदामकेहेतसचेतकरैतेहिकोश्रति
नीके। धामधराधनपूरपरैयशगावतहीनितहीसियपीके ॥ देवनु
दुर्ल्लभभोगकरैसबकामसरैयशभावतजीके । दासबनाचहैमान
बड़ाईसोलेयंश्रघायसमानश्रमीके ७८ ॥ घनाक्षरी ॥ रामरूप
चाहैतौनिबाहैभावतुलसीकोलिखौंकोरकागजपैपावतनदेर है ।
सियाकेसमेतकरैहियेमेंनिवाससदाश्रतिहीप्रकाशउरकाटतश्रँधे
रहै ॥ चाहैनिराकारनिर्बिकारहोयभलीभांतिप्रीतिसरसातिनाम
नेकनश्रबेरहै । बनादासधारणागोसाईजूकीगूढ़श्रतिहोतहीश्र

रूढ़लागैकठिनकरेरहे ७९ मनक्रमवचनस्वप्नमेंनआनगतिबास
नाबिरतिएकरामहींसोंरतिहै । स्वादओशृंगारभारनामहीअधा
रजाकेबांकेसरदारसन्तअद्भुतमातिहै ॥ लोकवेदमतवादसकल
कुस्वादजाहिचातकीटेककस्वातिबुन्दसीअपतिहै । बनादासस
कलअसङ्गरँगेनाथरँगहारेकबिकोबिदप्रभावजासुअतिहै ८० कृ
पाश्रीगोसाईंजूकेभांसैभावजाकेउर तिनुकासमानतिहुँलोकसुख
जाकेहैं । चाहतशरीरनोचिनोचिफेंकारामहेतअतिहीसच्चेतन्नाम
धाराउरवाकेहैं ॥ चलतअखण्डखण्डखण्डचाहैटूटैतनभूलेहून
कथ्रहूँजग्दतआशजाकेहैं ॥ बनादासकाकेहियहुलसैगोसाईदशा
लह्योफललाहजन्मलियेबसुधाकेहैं ८१ ॥ सवैया ॥ जाकेहियेहु
लसैतुलसीगतिसोसबअङ्गसेसाधुसयाना। छोरिहैसोजड़चेतन
गांठिभलेबिधिवेदपुराणकोजाना ॥ पायस्वरूपकोज्ञानभलीविधि
भौरजनीकरबेगिबिहाना। दासबनानअनन्दअमातकरैमतकाहू
कोफेरिनकाना ८२ जाकोनकामसरोयहिकालमेंमानिगोसाईं
कोभावअनूपा । सोपछितायभलीबिधितेकलिकालदिनौंदिनना
इहैकूपा ॥ शोचिसबेरचलैतुलसीपथदासबनामिलैकौशलभूपा।
बादिकहौंलिखिकागजकोरपैकैसेनपावैपुराणस्वरूपा ८३ चातें
कटेकयथातियपीगतियों मतिआइहैराहगोसाईं । जाझ्हैसो
वहिदेशभलीबिधिनिर्गुणसर्गुणपायसफाई ॥ कालहुकीडरनेरन
आवतपावतधीरबिवेकबड़ाई । दासबनाबनिजायसबैनिधिजो
श्रद्धाउरमेंअतिआई ८४ मानबमुख्यगुरूपददोशतकानफुँकावे
हजारनबारा । स्वादकछूनहिंआवतहाथमेंजोनहिंवाकीकरैअंगी
कारा ॥ जाकोगहैउपदेशभलीबिधिताहीकोरूपसोहोतबिचारा।
दासबनाज्योंदियासोदियाबचोकोऊकहूँकहूदेशनसारा ८५ दत्त
दिगम्बरलैमतचौबिससिद्धिभयेसद्ग्रन्थपुकारे । काहूकिवाक्य
सुनेनहिंकानसेंआपनीबुद्धिसेकारजसारे ॥ ग्रन्थपढ़ैजेहिकोमन
लायकेभावगुरूउरमेंदृढ़धारे । दासबनाउपदेशगहैलहिरूपसोई

निजकोभवतारे ८६ कानफुँकायनळूटतजक्तसबैंजगकानफुँकाव
नहारा । देहधरैतबैकानफुँकावतकाहेनहोतसबैभवपारा ॥ हैविधिवेदकरैसबकोयसोएकैबारनबारहिबारा । दासबनाबिनज्ञानगुरूऔमशक्तिहीनबहैमैंभ्रधारा ८७॥ घनाक्षरी॥ मेरीआसपूजै
दासतुलसीगोसाईंभलेअबउरमाहिंरहीकछूनकसरिहै। तातेगुणगावतनआवतसन्तोषहियअतिउमगावतस्वरूपकोनिदरिहै।कोटिमुखनाहिंकरौंकहांलौं बड़ाईनाथयहीअवकातिकंजपायँरहौंपरिहै।बनादासकृतनाशैताकोवेदइमिभाषैमुखदेखैपापरहैकुम्भीननिकरिहै ८८ जैसेतियपियकोसम्बन्धहोतएकबारसेंदुरनचढ़ैदूजीशदूजेकैसेबरिहै । त्योंहींसतसंगकरैपढ़ैलिखैभलीभांतिमान्योदृढ़करिफिरिगुरूनाहिंकरिहै ॥ रामउरबासीसोकपटकैसेचलिसकैपरैनेकफेरफिरमनसेउतरिहै । रामइष्टदेवसबैऊपरगोंसाईंगुरूबनादासमेरेभालरहीभागिभरिहै ८९ ॥ सवैया ॥ मानेबिना
गुरुबाक्यनसिद्धिअसिद्धिफिरैंकितनेजगचेला । रोटीलँगोटीलियेसम्बन्धरहैंजहँजायकरैंतहँमेला ॥ देहनिबाहऔजोउरकांमनासोईहैईश्वरनेकअकेला । दासबनाजेहिहेतगुरूबहुरामहुँसेइकैचाहतढेला ९० ॥ घनाक्षरी ॥ मंत्रगुरूमरयादभयोबालकालहीमेंमोकोकछुख्यालनाहिंपितुआज्ञालहेहै । रामभक्तिभाजनमहेशकैकृपालकियेतातेरामतत्त्वगुरूशिवहूकोकहेहैं ॥पुनिबहुभांतिसंतसंगभयोसन्तनकोमानेसतगुरूएकहियेदीठगहेहैं । मैंबितुलातौलिदेखीसबसेगोसाईंगरूतातेबनादासकैप्रचारनिरबहेहैं
९१ गुरुकेप्रसादरघुनाथसोंसफाईजानोतबप्रश्नउत्तरहियेहीमाहिंहोतहै । गुरुपरमातमऔचेलाजीवआतमभोमेलाछूटिगयोसोअकेलांतौंनिसोतहै ॥ भयोब्रह्मबेलावसुयामबनादासब्रदेतबदोऊरूपभयेभलेओतपोतहै । भारीपरम्परायाँहीसबहीसेदेखिपरैजाकोहोनहारजसताकोसोउदोतहै ९२ ॥ सवैया ॥ जोपरमातमआतमएकरह्योनअनेककरैकोबखाना । शांतिभयोतन

हुमनबुद्धिश्रौइन्द्रीविकारतजेसबनाना ॥ दासबनानाहिंबासना आशबिनाशभयोतबहींभवभरना । सन्तकोभूषणशांतिसनातन सन्तकृपातेलहैनाहिंआना ६३ बरबसशान्तिदबाइलियेतबसाध नसर्वभलीविधिलीना । बीचीबिनानिधिज्योंअवलोकियेसुकृत सर्बफलेयशकीना ॥ लीनभयोजलमीनस्वरूपमेंहोतदिनोंदिन हीअतिपीना । बाणीऔबुद्धिपरेसुखसोयनगोयरहैपहिचानप्रवी ना।६४॥ घनाक्षरी॥ जौनेजौनेसमयमाहिंजैसोहोनहाररहयोतैसो तैसोयोगलागरामकीरजायजू । अवशनगांठीनीरजाहितेफकीर भयोबनादासलेनजायकाकीसम्प्रदायजू ॥ ब्याहनबरेखींजाति पांतिसेनकाजकछूरामराहन्यारीयहसदाचलिआयजू । मनबुद्धि चित्तअहंकारपरेमेरोवासतहांजोईचलैतातेजोरियेबनायजू ६५ सवैया ॥ शांतिसमासुखलोकतिहूंनहिंहैअपवर्गपरेसबहीके। सन्तकोभूषणदाहकदूषणपोषणसेपरकाशलहीके॥ जापरसन्त करैकरुणागुरुदेवकृपाऔभईसियपीके। कोटिनमध्यकोउंयक पावतफेरिअहंकरिनाउरधीके ६६ ॥ घनाक्षरी ॥ वैषरीशिथिल दिलरहैद्रवीभूतअतिमतिगतिथकितछकितवसुयामहै । पक्षी पंखहीनजैसेपंचौएकठौरपरकुरुमसिमिटिअभ्यन्तरआरामहै ॥ पलकनलागैहालबालबुद्धिसेअनन्द गयोदुखद्वंदकहांजातसुब् शामहै । दिशिऔबिदिशिदेशकालकोनख्यालजहांब्रह्ममेंबिहा लसोईशांतिसुखधामहै ६७॥ सवैया ॥ दारुबिहायसोंआगि भईपुनिधूमतजेनिरधूमकहावै । पावकहीनभईतबभस्मअहैसो इशांतिनबुद्धिमेंआवै॥सोईस्वरूपअहैशुचिसन्तकोअन्तसमय कोउकोटिमेंपावै।सन्तशिरोमणिश्रीतुलसीसेलहैकितनेनिजमूरि गंवावै६८॥ घनाक्षरी॥रागद्वेषरहितनविधिऔनिषेधरहैवहैगुण वृत्तिनऔबिनापरवाहजू । अतिहीअचाहअपवर्गहूकिइच्छाना हिंलहैकोपरीक्षासिन्धुसमअवगाहजू । देहबुद्धिनाशवासकियेप रधामजायसुखसरसायहरिहाथहौनिबाहजू । राहपरमारथकी

स्वारथरहितसदातुलसीगोसाईंलहैंऔरकाहिलाहजू ९९ कामि
निसमानकाठकनककुधातुजैसे मानऔप्रतिष्ठाविष्ठाऋद्धिसिद्धि
धूरिहैं । रावरंकएकदृष्टिरहीनअनेकमननाहिंचलबेकइन्द्रपदपा
पमूरिहैं ॥ बादबकबदितनस्वादनविषादहर्षज्ञाननअज्ञानध्या
नधारणासेदूरिहैं । सन्तसरदारभवभारकेहरनहारतुलसीसमा
नकोऊदेतफन्ददूरिहैं १०० चारिमुक्तिमाटीसमडाटीकालमृत्यु
हूकोसन्तपरिपाटीयहसदाचलिआयजू । ईशसेअचाहतासुपा
वैकौनथाहगुणअतिअवगाहबाणीरहैंमुँहबायजू ॥ शेशऔमहे
शनगणेशपारजानयोगचतुराननहूकीनएकहूपोसायजू । विष्णु
मुखगावैंचारिवेदहूनथाहलावैं तातेसंतपायपरसदाबलिज़ायजू
१०१॥सवैया॥ऐंड़अनोखीहैश्रीतुलसीहुलसीहियमेंमनबुद्धिपरे
हैं। बाणीविषेनहिंआइसकैंतेहिकौनकहैअहंकारदरेहैं ॥ विघ्नअ
नेकनहारिगयेअवलोकिजिन्हैंकलिकालजरेहैं। दासबनाविगरी
सुधरीभवसिन्धुअथाहमेंथाहकरेहैं १०२ ज्योंऋतुशर्दमेंगर्दअ
काशननिर्मलहोतबिहायकैबादर। सन्तहृदयतिमिहीनप्रपंचते
दीनभयेदशहूदिशिकादर ॥ ज्योंकलईबिनशीशासफाअतिलो
कहूवेदकोहोतनिरादर ।सन्तसेऊँचानहींतिहुँलोकमेंश्रीमुखजा
हिसराहतसादर १०३ ॥ घनाक्षरी ॥ रोमरोमबेधिगेगोसाईंबा
णीसर्बअंगसमोसमोपररहैंसदातदाकारहैं । पहरुरखावैंजिमि
नेकबिसरावैंनाहिंजोनमतमाहिंमिलैत्यागैकैबिचारहैं ॥ प्रीति
औप्रतीतितामेंकमीकधीपरैनाहिंरामउरबासीसबभांतिजानहार
हैं । कृपाकोप्रसादताकोभावकलुऐहैंबेगि पीलतजैकनकापपी
लकोअपारहै १०४ ॥ सवैया ॥ आधियेअकिलसारेजगत्तमें
पूरिलखैअपनीसबकोई । ऐसोकुरोगलगोअभ्यन्तरतातेगईस
बैकीमतिखोई ॥ बुद्धितेभिन्नभयेजनसन्तपुकारतवेदपुराणनगो
ई । दासबनाहैकृपाकोप्रसादमिलैजेहिकोभवपारसोहोई १०५
मांगतहौंकरजोरियहीरघुनाथसियाश्रीगोसाईंसेनीके । चंचल

तासिगरीतजिकैरहौस्थितशांतिसमानश्रमीके ॥ पूतरीकाठकी
हाथनहींकछुप्रेरकहौतुमहींसबहीके । दासबनानफुरैउरमेंअब
काव्यकलायहीग्रन्थसोंठीके १०६ बांचैसुनैजोगोसाईंमहत्तुब
ढ़ैउरसत्तुसन्देहनकोई । भावगुरुत्वफुरैउरमेंपुनितत्वबिचारको
पावैगोसाई॥ रामसनेहसहीउपजैऔरमायणमेंदृढ़तांअतिहोई।
दासबनागतिमोरिबिचारिकहौकाहिपरैनहिंआंखिनजोई १०७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापविभंजनोनामउभय
प्रबोधकरामायणेबनादासकृतेप्रथमगुरुखण्डेचतुर्थोऽध्यायः ४ ॥

गुरुखण्डसमाप्तम् ॥



अथ उभयप्रबोधकरामायण

द्वितीय नामखण्ड प्रारम्भः ॥

घनाक्षरी ॥ बन्दौंरामनामकामधेनुकामतरुकोटिक्कोटिमति
तातेकहाउपमासोलाइये । उतपतिपालनप्रलयहेतसारोजगज्ञा
नऔविज्ञानभक्तिशांतिजातेपाइये ॥ सारोशब्दकारणअशब्द
हूकोप्राप्तिंकरैआदिमध्यअवसानहीनकिमिध्याइये ॥ बनादास
जीवनऔमुक्तिकरैजानिजनकरमबचनमनताकोगुणगाइये १
बड़ोब्रह्मरामसेनकामकामदारसदावेदनकोप्राणसबजाकरपसार
है ॥ साधनशिरोमणिऔसिद्धिसर्बसिद्धिनकोविद्धिऔनिषेधरा
गद्वेषहरणहारहै ॥ बनादासपावनपतितरामनामअतिअमति
कोगतिनिराधारकोअधारहै । तीरथबरततपयज्ञयोगव्याजसेनं
गुणातीतगूढ़बर्णसारोसरदारहै २ उभयप्रबोधकहरणसबशोध
कबिनाशनविरोधकअगमगतिनामकी । कामकोहजारनऔमद
मोहमारनबिवेकबिस्तारननभानसुबूशामकी ॥ लोभकोनिवारन
बिदारनजगतज्वरतारनतरननगोसायकलिबामकी । बनादास
बासनाबिनाशहेतमानौआगिआशभागिभभरि निशेनीपरधाम
की ३ नामकोअनन्यधन्यसोईतीनिकालहूमेंसर्बविलक्ष्यनअंग
सकलअरामहै। नामअनुरागीभूरिभागियुगचारिहूमेंजागीकल
कीरतित्रिलोकमेंनषामहै ॥ बनादासपागीमतिरामजलजातपद

आगीकोनक़ामजलपियतनमांगी हैं । त्यागीसर्बभोगकोबिरागी। ऋद्धिसिद्धिहूसेल्लागीअतिलगनकरैकाकलिबाम हैं ४ जीतेसर्ब साधनकरालकालआयोकलिजगतबेहालरह्योनामबलशाल्हैं। अतिबुद्धिबालजेकरतऔरस।धनकोछोड़िकर्म जालरामनामनव हालहैं॥ बड़ेहीनमालजोनआवैहरिशरणमेंमरणजनमसदाफारे कालगालहे । बनादासबिगरीसुधारैनिजदिशिदेखिकोशलकृपा लुसुनेंअतिहीदयालहैं ५ नामकोउपासककरोरिनमैंकोऊएकरा मकोउपासकअनेकभेषपेखे हैं । नानावृत्तिधारिकाजसारिलाज आंवतनकोशलेशजूकृपालुऔगुणनदेखेहैं ॥ नामकोअनन्यग तिदूजीनस्वपनमाहिंपूजापाठआदिजलदूसरोनलेखे हैं।चातकं समानटेककियेहैंप्रमानउरबनादासकर्मकाण्डकाटतबिशेखे हैं ६ शुभऔअशुभकर्मत्यागिअनुरागिनामपागिप्रेमपरिपूरबसुयाम रजे हैं। बासनाविनासआसत्रासऔधधामकियेदियेमनगुणमेंन ऐसोसाजसजेहैं॥ रूपमेंबेहालख्यालनहींधनधामदिशिंजालिनं जमातिपरिपंचअतिभजे हैं॥ बनादासदामजोरिखोरिनिधरतशी शत्रीसबिस्वानितबुरेकामनसोंलजे हैं ७ नामगुणजान्योहैगणे शऔमहेशशेशलोमशभुशुण्डिहनुमानहियगेहहैं । शुकसन कादिआदिकबिनारदादिजानेमानेदृढ़तातेब्रह्मसुखभोगिरहेहैं॥ युगयुगजपेसाधुतपेभवतापनाहिंमहिमाअमितकोऊपारनाहिंल हेहैं । सेतभवसागरअचेतहूकोमातुपितुबनादासप्रीतिकेंजोअ ननतनबेहेहैं ८ सृष्टिकोबनावैत्रिधिरुद्रहूसंहारकरैंशेषमहिभार धरैंएकबलनामके । प्रथमगणेशपूज्यगरलमहेशपियेयमनहरा मकहिभोगीपरधामके ॥ पाहनकोसेतुसिन्धुदीनबन्धुनामजाते गावतपुराणगतिअजामीलबामके । ध्रुवप्रहलादअहलादगज गतिदेखिअर्द्धनामकहेगोदलहेजिनरामके ९ भवनबिभीषण कोजरोनाहिंनांसबलंनामकेउचारेघण्टअण्डपेगिराये हैं । गणि कात्रिमानचढ़ीशबरीकोमहामाननामबलसिन्धुकोकपीरजूहटाये

हैं ॥ द्रौपदीकीराखीलाजनामहीउचारकियेपीपानसमुद्रडूबेछापा जिनलाये हैं । बनादासकहिनाममहिमाकोपारजायिछीपीनामदे वत्रेगिगऊकोजिआये हैं १० पुहुमिदुखारीभारीभारभयोशीशपर जायकैपुकारीशोकबिधिसुरसारेजू । साधुद्विजदेवदुखीसुखीकोऊ कालमेंनब्याकुलबेहालसबैनामहीउचारेजू ॥ जबेजबेभीरपरी कल्पकल्पचारियुगसुनिकैकृपालुधरेदशअवतारेजू । बनादास नामहीसोंसिरोसबहीकोकामतातेरामबसुयामजीवनहमारेजू ११ सवैया॥ नामजपेकोअहैफलभक्तिसोप्रेमापराअरुज्ञानबिज्ञाना। जातेलुहैपुनिसम्यकबोधभईसमदृष्टिसोमानपमाना ॥ दासबे नामिलैधीरबिचारसुराईकोपावतसींवसुजाना । अन्तमेंशांति लहैजपिनामकोजातेछुटैबिधिसाधननाना १२ ॥ घनांक्षरी ॥ लोकपरलोककोनिबाहकरैरामनामसुबूशामपलक्षणगुरु पितुमा तसे । हितूनात्रिलोकऔत्रिकालयुगचारिहूमेंबदैचारिवेदनाम समभूलोजातसे ॥ सकलसगाईत्यागिरहुअनुरागिरामकामतो हिंदूसरेनंजहांजोरैनातसे । बनादासचतुरशिरोमणिहैसोईजग निशिदिनभजैजोसनेहतजिगातसे १३ सकलप्रपंचत्यागिरहै अनुरागिरामनिशिदिनभजनसँभारैश्वासउवासहै । बिरतिबिवे कधीरध्यानऔबिज्ञानज्ञानमहाशूरहोयसबकटैभवपासहै ॥ सा धनअनेकमाहिंजनमप्रयन्तपचै बिनारामनामकौनकाटैकालत्रा सहै । बनादासबिनाहिंबिश्वासरामदासभयेजौनजगआशगईमा नौखोदैघासहै १४॥सवैया॥अङ्कयथानवकोनिर्बाहतआदिसोअ न्तलौंहोतनन्यारा । तैसेहिरामकरैप्रतिपालनिशङ्कभजेमनला उनहारा ॥ नामसेपूजिहैकामसबैबिधिफेरिबिहैनाहिंसोभवधारा । दासबनाश्रुतिसन्तपुकारतहैकलिमेंयुगआखरसारा १५ ॥ घ नाक्षरी ॥ कामनकरतब्रह्मरामकोऊनामबिनबिनबहुबीतेभव फिरतलोभानहै । नानादुखसहतनलहंतकिंदारकहूब्रह्मरसए कसबठौरमेंसमानहै ॥ रामदीनबन्धुदयासिन्धुऐसेनामबहुपा

वनपतितदुखदावनबखानहैं । बनादासबूभिपरैभजनजोकरै नाहिंकहांकेहिकालजगकेकरहेरानहैं १६ अनेगनेतीनिजनेठ हरैकदापेकोऊभजनकेकियेसबहोतभवपारहैं । कोऊअर्द्धकोऊ पूरकोऊअतिभयेशूरनामकेबहानेकोऊछूटेभवधारहैं ॥ बिनाक रतूतिकधीजगतनजायसकै रामसमदृष्टियहीआवतबिचारहैं । बनादासऔरख्यालसारोपरित्यागकरि जकलायवसुयामरहैत दाकारहैं १७ कामीज्योंनवीननारिक्षुधितसुनाजजैसेलोभीधन प्रीतियहिभांतिभजैनामजू । तनहूकीनेहत्यागिरहैअनुरागि नितकहांदिनरातिजातिऔरसुबूशामजू ॥ बासनाबिहायआश दासनकोयहीकामलिखौंकोरकागदपेक्योंनमिलैरामजू । बना दासधनधामनिमकहरामभूलेशूलेसहैअमितभले हैंबिधिबामजू १८ कंचनकुधातुकाठसमदेखैकामिनिकोमानऔबड़ाईरोगजा कोबसुयामहैं । आगिसमइन्द्रलोकबिषसमबिधिलोककारागार केसमानऔरदेवधामहैं ॥ नरकरूपतनमनबाघदेखैवसुयाम ऋद्धिसिद्धिसांपपरिवारतपातामहैं । वेदऔपुराणमतबादबेस बादसदाबंदाबनादासजानीताहिप्रियनामहैं १९ चन्द्रचुवैअ नलतुहिनश्रवैभासकरशीतलकृशानुकच्छपीठिजामैंबारहैं । प तिदेवप्रीयतजैदीपहीपतंगजरै गोपदअगस्त्यडूबै ऊबैशेषभार है ॥ तिमिरतरनिगिलैमिलैनभबारिधरउरगजोकरैखगकेतुको अहारहै । बनादासक्षमातजैपृथिवीकदापिकालतौहूकर्मभोगन हींक्योंहूजानहारहै २० उवैभानुपश्चिमकमलगिरिशृंगफूलैं प्रचलितमेरुध्रुवधावैकोऊबारहै । लागैनभबाटिकाशृगालहू सोसिंहभागैमीचमरैमेघासेपिपीलिगिरिभारहै ॥ बनादासकी चमिलैसातहूस्वरगआयतौहूनकरमभोगक्योंहूजानहारहै । प्री तिऔप्रतीतिकरिजपतजोरामनाम करमकीजरसुठिकरैजरक्षार है २१ करिकैभजनऋद्धिसिद्धिसुखवृद्धिचाहैमानमर्यादमानौ महामतिहीनहै । रामनामजपिचारिफलहूकिचाहतजैलजैका

लकर्मताहिकलिहूमलीनहै ॥ देवकोबिघनदवैजउवैउरकामना नदेखियेबिचारितौअचारुपदपीनहै । बनादासशास्त्रऔपुरा णश्रुतिकहिथकेजीवनस्वभावतजैक्षणहीमेंदीनहै २२ रामनाम जपेतेकटतकर्मसञ्चितकोक्रियमाणलागतनआवतबिचारहै । प रारब्धभोगबिनक्षीणगातपीपरसेशुभऔ अशुभबीजभूजेमानो भारहै ॥ बनादासबदतप्रचारकरिबारबारजीवनकोमुक्तिहोत लागतनबारहै । ऐसेरामनामसेनप्रीतिऔप्रतीतिजाकोताको भलानहिंतीनिकालहोनिहारहै २३ ॥ सवैया ॥ कोटिकृशानुसे जानुरकारऔकन्नुनलाखनभानसमाना । सोमसहस्रनमानुमको रकोऊमहिमाहरिनामकिजाना ॥ दासबनाउरबूझिबिचारिकैता हातेमैंबिनदामबिकाना । चातकज्योंनपियैजलआनतेही बिधि तेनितहौंप्रणठाना २४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेनामखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामप्रथमोऽध्यायः १ ॥

घनाक्षरी ॥ नामकेप्रतापतेनिबाहनेमहोतसदाप्राणअन्तल गिएकयहीटेकमेरी है । करमवचनमननामहीकिहठसद्यामति कोटिपैरगांठिसकैकोनिबेरी है ॥ बकैआवबावसबमतबादजहां तककाहूदिशिभूलिनस्वपनमाहिंहेरी है । बनादासउरबासीराम सेनचलैचोरीकाटिफैंकौजीभजायजपैऔरकेरी है २५ कालजा लआगिनामभागिहैअभागिहूकि दागिडारैतीनिगुणरहैअनुरा गिहै । जागिहैजगतयशमांगिहैनआगिपानीखांगिहैनकबूनित रहैप्रेमपागिहै ॥ लागिहैनकलिकालजगतबिहालकियेबनादास द्वारद्वारदीनह्वैनबागिहै । त्यागिहैनकथरीकरमकीकदपिकालक रमवचनमनआशऔरत्यागिहै २६ आरतहरनेनामऔढरढर नसुखभरतसरनकोपरनतीनिकालजू । जनममरणनाहिंफोकट फरनअभरनकोभरनभूलिमायाकोनख्यालजू ॥ दारिददरनदेत

बाञ्छितबरनहोततारनतरनश्रौहरनकलिजालजू । जगउधर नसारोसङ्कटहरनसबकारनकरनबनादासप्रतिपालजू २७ का लहूकोकालबुद्धिबालकोविशालबल दलकलिकालहूकोकरतबि हालजू । जाहिनामख्यालभालभागिहैकमालताकीरालसेगल तदेवबिघनकरालजू ॥ दूजोनत्रिकालमेंसमानश्रालबालभक्ति हालनपरतजानिमहिमाविशालजू । बनादासगालफारैकामक्रो धलोभहूकोबड़ेहीनमालताहिभजेनचंडालजू २८ नामसुखरा शीशोकसंशैबिनाशी मुक्तिहूकीहेतकाशीसदाशंभुउरबासी है। ज्ञानकोप्रकासीकरैबिषैसेउदासीचरण प्रीतिदेतखासीरीभैराम श्रबिनासी है॥ ऋद्धिसिद्धिदासीश्रासबासनाउमासीएकद्वारही कोश्रासीलहैमुक्तिश्रामखासी है। बनादासभासीहियधासीमो हमानहूकोत्रासीगुणतीनिबोधभूलेहूनभासी है २९ जानिहैउ पासीसूमसम्पतिजमासीहिये सुबूशामश्राठौयामकियेजेखवासी है। कलियुगकीहांसीकालकंठहूकिफांसीनित्यबोधकोबिलासी कैवल्यहूकीरासी है॥ मुक्तिचपलासीचमकिचूरनचौरासीकिये भूलेहूनभूलचूकश्रावैश्रासपासी है। उपमामहिमासीबनादास बिपत्तिनासीरागद्वेषकोविनासीनामपूरोश्रविनासी है ३० कैधौं दीनदाताकैधौंजक्तपितुमाता मनजाकोश्रतिरातातातेदूसरोन नाताहै। करैसर्बज्ञाताकैत्रिदेवकोविधातानामउपमानसिराता कहिपारकौनजाताहै॥ बुद्धिनसमातानाहिंबैनहूमेंश्रातांबिख्या तातिहुंकालचारिवेदगुणगाताहै। ऊंचोस्वर्गसाताकमाताहरषा तागातबनादासजानैवसुयामजौनकाताहै ३१ कोटिकश्रघगंज नदुखभंजनमनरंजनहैश्रंजनहियनैनकोविभंजनभर्मजालजू। सुमिरतहीभावतहर्षावतउमगावतउरपावतगुणंजावतनशावत कलिकालजूं॥ वेदहूबतावतफरमावतषटश्रष्टदशहुध्यावतनहिं ताहूपरऐसेनरनमालजू। सतगुरुसेबोधतसबशोधतहैनिरोध तमनबोधतनहिंबिषैबनादासभागभालजू ३२ भक्तितियभूष

एसबदूषणकोदलनहारपोषणजगतहेतनामजनकोसुखधामजू। ज्ञानबोधआकरसुधाकरसेकोटिगुना सुनासंतआणीअतिसबको अभिरामजू ॥ कैधौंमृगराजकरिसाधनकोदिमाकदलैंज्ञानबिज्ञानअतिदाहिनलेबामजू । बनादासआलसीअभागीकोअलम्भसदामेरेहेतकृपाकोऊकालमेनखामजू ३३ जागैयशलोकवेदभागेभैमहिमासुनिध्यावैमुनिहीमेंगुनिनितहीसुबूशामहै । आलसअनखशोकहरषउचारकरैलाखनवरषकोकरमताहिखामहै। बनादासबूझैमनसूझैनअबूझलोगशोगऔसन्तापवशऐसेनरबामहै । निमकहरामखोटकामकरैवसुयामलागतनदामतापेभंजतनरामहै ३४ तीरथबरततपयज्ञयोगपूजापाठनेमऔअचारकरैकोटिनजोदानहै । यमऔनियमकूपतालहूखनावैबहुबागफुलवारीद्विजसाधुसनमानहै ॥ मन्दिरबनावैऔपुराणवेदलावैमनसव्यकोनिबाहितियएकव्रतमानहै । बनादासदयाक्षमाआश्रमवरणधर्मपावनपतितरामनामसेनआनहै ३५ अधमउधारनअतारनकोतारनसुयशबिस्तारनकोनामकेसमानहै । कामकोहजारनऔलोभमोहमारन पखण्डदम्भटारनसुनीनआनकानहै ॥ बासनाबिदारनऔआशकोसँहारनगुमानकोनिवारनअनेकनप्रमानहै । ज्ञानभक्तिकारनविसारनजगतजालबनादासतापतीमिहूकोनकसानहै ३६ नारदगणेशऔमहेशशेशशारदादिकोटिकोटिमुखकरैंमहिमाबखानहै । चारिश्रुतिशास्त्रषटअष्टहूपुराणदशकोटिनकलपलगिकरैगुणगानहै ॥ सुरनरमुनिपारलहैनकदापिकालजैसेनभअंतनहिंपावैपंखवानहै। बनादासनामयशकहैकविकोविदक्यों सोईमुखकैसेहूसुमेरुनसमानहै ३७ कोटिजपकोटितपतीरथबरतकोटिपूजापाठ कोटिनअचारकरैदानहै । कोटियज्ञकोटियोगयमऔनियमकोटितालबागकूपधर्मकोटिनविधानहै ॥ कोटिहोमकोटिशौंचकोटिकरैआचमनकोटिविधितर्प्पणसमाधिकरैध्यानहै । बनादासविरतिविज्ञानज्ञानको

टिभांतिकोटिविधिसाधनननामकेसमानहै ३८ ॥ छप्पै ॥ तारा
प्रतिगणनाथताहिप्रतिशारदकोटी।शारदहूप्रतिशेशकोटिबैठहिं
यकगोटी ॥ शेशनप्रतिमुखकोटिमुखहुप्रतिरसनाकोटी । बुद्धि
बिशदअतिबलीनेकलावैनहिंखोटी ॥ कोटिकोटिकरिपैशेरमको
टिकल्पलगिजोबकै । रामनाममहिमातबौबनादासनहिंकहिसकै
३९ औरकहनकोयोगनामकोमहत्वअपारा । जिमिखगउड़ैअ
काशथाहकोलावनहारा ॥ निजनिजश्रद्धाभक्तिशुद्धहितकरनेवा
नी । निजनिजमतिअनुसाररामयशमुनिनबखानी ॥ सन्तनको
अवलम्बलैबनादासभीकछुकहै । नहिंगुणज्ञानमलीनमतिराम
निबाहेनिर्बहै ४० ॥ घनाक्षरी ॥ छींकतजम्हातअलसातहूकह
तरामऐसोकोऊकामनाहिंसुखीवसुयामजू । सुबूशामसुमिरतना
मनितनेमकरिनेकहूसँदेहनाहिंलेतसुरधामजू ॥ प्रीतिऔप्रतीति
युतविरतिभजनकरैधरैउरकामनानलहैरूपरामजू । बनादासज्ञा
नऔविज्ञानहूकोभागीहोत जागीकलकीरतिहैमुक्तिमेंमुकामजू
४१ रामहूसोंप्रियनामताकोसबकामभयोबामहूसोंदाहिनदयाल
नहिंदेरहै । हटैकोटिबिघनकटैगोकर्मजालभूरिलटैगोनकधीलहै
बोधकोसुमेरहै ॥ धीरऔबिवेकवृद्धिसाधुसरदारसोईचेतनऔ
जड़गांठित्रिगुणकोफेरहै । बनादासकुशलसकलकलाभांतिअ
तिहियआंखिहेरिताहिछोरतनदेरहै ४२ रोवैकलिबामकामसक
लबिगारैनामपरीशोचवसुयामकरैहायहायजू । यमदूतजंतधाम
हहरिहहरिहियकालकेलगाममुखचलैनउपायजू ॥ मौतहूचकि
तचितजिततितधाईफिरैकाकेघरजाईसमैनामहैसहायजू । बना
दासदफ्तरनोचतगोपित्रचित्र गाजैसाधुजनरहैनामललायजू
४३ दुरैकामकोहलोभमानमतसरमोहकपटपखण्डदम्भछलभू
रिपापहै । देवकोबिघुनदबैमायामुँहफेरिबैठेनशैआशबासनाजो
करैनामजापहै ॥ तृष्णाकोतरंगतीव्रनाशहोयभलीभांतिइन्द्रिन
चलायमानदहैतीनितापहै । रागद्वेषमेखमारैविधिऔनिषेधजा

रैबनादासदेखौकैसोप्रबलप्रतापहै ४४ हारेधर्मसकलविकलक लिकालडरतेऊआयबसेपासजापकजोनामजू । दयाक्षमातोष धीरशीलऔविज्ञानज्ञानविरतिसमाधिध्यानकरतमुकामजू ॥ती रथअटनतपयोगयज्ञरहैकहा पूजापाठनेमऔअचारकियेधाम जू । बनादासआश्रमबरणधर्मसत्यआदियमऔनियमदिनकाटे बसुयामजू ४५ जापकअनन्यअनुरागिसुमिरतनामपायकेहवा लकलिकालहूबिकलभो । शशिधुनिरोवैऔबिगोवैउरबिललाय हायहायखायमेरीदेखीदेखाभलभो ॥ हेरतउपायकहूंमिलतस हायनाहिंअतिहीललायराजउथलपथलभो । मायामुँहबीयमो हसैनगैपरायबनादाससकुचाययमधामखलभलभो ४६ कालं कम्पमानयमदूतकोगुमानगयोकलिहूकहतमेरोबैठतनशलभो । दम्भऔपखण्डसबसेनपसिरायरहे मोहमुँहकूटेकेहिलागिमेरोद लभो ॥ कामक्रोधमानलोभअरकजवासजरेछलहूकपटनामपा वसकोजंलभो । बनादासदेवकोबिघनबिललायरहेरामदासभये भलेजनमसुफलभो ४७ जापकअनन्यनामडरैनत्रिलोकहूको सदहिसहायजाकोसुतदशरत्थभो । बासनाबिनाशआशंनाशन करतदेरलोभमोहकोहमानध्वंसमनमत्थभो ॥ बिघनत्रिकटबली कूदतनदेरलागैबांकोबीरपौनपूतदूतसमरत्थभो । बनादासमृत्यु कालयमकीहवालकौन कलिबिकरालदलबलल्लत्थपत्थभो ४८ जनमिजनमिबहुयोनिनबिहारकिये अबौनभजतजेहिहेतनरतन भो।पुत्रनातिपरिवारतियकेगुलामभयेबिषयसलिलमाहिंमीनजा सुमनभो ॥ दानयज्ञसाधुसेवागुरुकेनसेयेपायँदीनपैदयालनाहिं नाहकसोधनभो।बनादासबिगरीसकलअङ्गभलीभांतिमानुषश रीरजोनरामजूकोजनभो४९ रामनामहीकीगतिरामनामहीसोंम तिरामनामहीसोंरतिअतिभूरिभागभो।करमवचनमनआशऔं भरोसनामतासमात्रिलोकमेंनदृढ़अनुरागभो॥ युगयुगजागैयश बिषैरसनिरसजोनहींकछुकामनाअचाहपदजागभो।बनादासंब

ञ्चकभगतभयेरामजूकेतिहूंलोकमाहिंताहिलीलकैसोदागभो ५० ह्वैकैनिःकामंजपैरामऐसोनामतासुभयो पूरकामअतिमनअभिरामभो।रामकोगुलामसबसुकृतकोधामकोऊहोतेनहिंबामअन्तलांभपरधामभो ॥ बनादासवामनपरतपरतीतिप्रीतिज्ञानहूविज्ञानबोधसम्बकमुकामभो । कहासुबूशामनहिंदामहूसोकामकल्लूकृपारामजूकीब्रह्मबेलांवसुयामभो ५१ ॥ सवैया ॥ प्रतिश्वासहिश्वासउठैहरिनामरहैवसुयामसदालवलाई । चातकटेकबिषेकलैहंसकोमीनकीप्रीतिहियेठहराई ॥ आतुरताईपतङ्गकिलेयमरैतेहिकीअंतिपूरिकमाई । दासबनासियबामदिशारघुनाथरहैंतबहींउरंछाई ५२ ॥ घनाक्षरी ॥ रामनाममातुपितुरामनाममहाहितुरामनामंचितहूकोचूरकरिडारे हैं । रामनामधनधामरामनामपूरकामरामनाममोहमूलनीकेसेउखारे हैं ॥ रामनामसारोसुखरामनामटारोदुखरामनामआसत्रासबासनानेवारे हैं । बनादासऐसोनामजानिकैबिसारैंनररामनामकामक्रोधलोभमानमारे हैं ५३ रामनामभक्तिहेतरामनामश्रुतिसेत रामनामज्ञानखेतजगउजियारे हैं । रामनामबोधखानिरामनामब्रह्मदानिरामनामभवभानिअधमउधारे हैं ॥ रामनामगूढ़गतिरामनामदेतमतिरामनामराखेपतिवेदनपुकारे हैं । रामनामउभैबोधरामनामसर्वशोधबनादासरामनामजीवनहमारे हैं ५४ रामनामसर्बसिद्धिरामनाममहानिद्धिरामनामसेनंबिद्धिकोऊजनजाने हैं । रामनामराखेकानिरामनाममहादानिनामरीतिपरैजानिसोईअतिमाने हैं ॥ रामनामगुणखानिरामनाममनमानिबनादासपरीजानितातेभवभाने हैं । रामनामसेवैंसन्तजातेजगहोतअन्त नामजपेउमाकंतअतिहरषाने हैं ५५ रामनामसर्बवेदरामनामहरैखेदरामनामदहैभेदरामनामनीकहै । रामनाममन्त्रमूलरामनामहरैशूलरामनाममिटैभूलतिहूंकालनीकहै॥ रामनांमबरबिलासरामनाममिटैत्रासरामनामहरैत्रासतातेसबफीकहै । रामनामअतिप्रकासरामनामबिषयनास

बनादासहद्दैभासदियेमनठीकहै ५६ शिवकोप्राणजीवनगणेश जूकोमानमूलशेषभारहरनहारविथिकीनिपुणाईहै । प्राणप्रहला दअहलादभोगइन्द्रहूकोज्ञानसनकादिआदिशारदबकताईहै ॥ बनादासरामनामरक्षकविभीषणभौन कारणसिन्धुसेतसदासन्त नसहाईहै । सोमशितलाईभासकरहूकोभूरितेज मारुतसुतबूत नामपतितनगतिदाई है ५७ ॥ सवैया ॥ विष्णुहुकीअहैपालन शक्तिऔंकारनरुद्रसंहारकोनामहै । मृत्युकोजीतिलियेजपिकै शिवपानकियेविषजारिनिकामहै ॥ कागभुशुण्डिहिकालनब्याप्त तशेषहुकीबकताईकोधामहै । दासबनागतिमोहिंनदूसरितेते भलाअजहूंपरिणामहै ५८ ॥ घनाक्षरी ॥ योगिनकोयोगभवरो गिनकोमूरिनामशूरनकिशूरताईदीननकोदानी है । सत्तज्ञानोस तिनकोमतिमतिमाननकीकिपण्डितकिपण्डिताईसाधुभवभानी है ॥ शक्तिसबशक्तिनकीभक्तिहरिभक्तनकीनामहीकोजपिमुनि लोगगूढ़ज्ञानी है । रूपरूपवाननकोधनधनवाननकोबनादास मोहिंपरधामकिनिशानी है ५९ त्यागसबत्यागिनकोभागभूरि भागिनकोरागअनुरागिनकोनामसेनआनजू । बरबरदेशिनको धीरहैकलेशिनकोअस्तुतिविशेषिनकोवेदनकोप्रानजू ॥ गुणगु णवाननकोधर्मधर्मवाननकोधीरधीरवाननकोमुक्तिकोनिशानजू । तपिनकीतपशक्तिजपिनकीजपशक्तिबनादासरामनामव्यापकज हानजू ६० आशनिराधारनकोदण्डअपकारनकोजनभवतारन कोनामहीप्रमानहै । कामक्रोहजारनकोलोभमोहमारनकोबासं नाबिदारनकोएकहीठेकानहै ॥ हियेबोधधारनकोआलससँहार नकोबिपतिपछारनकोऔरकौनआनहै । देवनउबारनकोअधम उधारनकोबनादासदूसरोसुनीनकहूंकानहै ६१ ज्ञानबोधआक रसहायकरैसांकरमेंशीतलसुधाकरसेकोटिगुणानामिभो । हाथ पांवपांगुरेकोआंधरेकोआंखिनाम मायबापभूखेकोसुनीहैवसुया मभो ॥ दीननकोकामधेनुखीननकोसुरतरुभवतमतीव्रकोतरु

णसुठिधामभो। गुणगुणहीनकोमलीननकोगङ्गजलबनादासज
ननकोमनअभिरामभो ६२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनाम
उभयप्रबोधकरामायणेनामखण्डेद्वितीयोऽध्यायः २॥

सवैया॥ जाकोअधारभयोयुगआखरताकरकामसदाबनि
आयो। सींवकोचापिसकैतिनकीततकालहिचक्रसुदर्शनधायो॥
नेकनिगाहभईजिनपैरघुवीरभुजाबलजाहिबसायो। गाजतदास
बनानितासिंहसेकौनसकैतेहिआंखिमिलायो ६३ जापपरापरिता
पहरैसबजीवनमुक्तकरैनहिंदेरा। बैखरीबिघ्नबिनाशकहैअरुभ
क्तिकोभाजनहोयसबेरा॥ मध्यमामूलहरैभवकोप्रतिकूलभयेसो
उहोवतचेरा। दासबनादुसरीद्वितिआदहैचारिउजापसोपापनि
बेरा ६४ सेवतभूतभवानीभलीविधियंत्रओमन्त्रनमेंमनलावै।
दिक्षाविभूतिअनेकनबांटतभैरवपूजिकैजन्मनशावै॥ वैदिकतं
त्रिकज्योतिषजानिकैमारनमोहनकोकोउधावै। दासबनाहतभा
गिभलीविधिरामकोनामसुधाबिसरावै ६५ माहुरखायरहेरुचि
सेदिनरातिबिषयमहँजन्मगँवावै। धामधराधनहेतमरैनितका
तिकश्वानसेमूरुखधावै॥ दामओचामगुलामभयेफँसिमानब
ड़ाईमिंऊँचकहावै। दासबनाहियआंखिकेआंधररामकोनमिनहीं
लवलावै ६६ मातपिताकुलकोमरयादतजैविधिवेदकिमूड़मुड़ा
वै। साधुकोवेषबनायलियेतिनकेहियमेंकछुलाजनआवै॥ राम
हिंरोमरमेपरिपंचमेंतोषनहींधनधामसेपावै। दासबनाबिगरेदो
उओरसेनामसुधारसजाहिनभावै ६७ भूलिगईयमकालहुकीड
रस्वादश्रृङ्गारगुलामभयेहैं। आशकरैनितहीजगकीधनयांचत
हीजेहिजन्मगयेहैं॥ आठहुयामभजेनहिंरामसोनाहंकसाधुको
वेषलयेहैं। दासबनागरकाटिमरैकिनआनहिंघालतआपगये
हैं ६८ रामपियारलगैजेहिकोतेहिऔरपियारलगैनहिंकोई। सिं
हसियाररहैबनमेंयकसन्तअसन्तकोभेदसोजोई॥ पाजीकोका

मक्रैजोइजानिकैराजीरहैतेहिसेनबनोई । दासबनाकृतभूलिहै रामकोनिन्दितहैतिहुँलोकमेंसोई ६९ ॥ घनाक्षरी ॥ अगुणस गुणदोऊरूपनकोबोधकरैएकरामनामनहिंदूसरेकोकामजू । अ गमअनादिदोऊअकथअनूपअतिमतिनसकतिकहिमहासुखधा मजू ॥ जानैजिनपायेकछुगायेयथायोगबलकहतसुनतसुठिदेत अभिरामजू । सहजस्वरूपलहिभलेकृतकृत्यंभयेबनादाससाध नसिरान्योवसुयामजू ७० ॥ सवैया ॥ पावकएकअहैगतिदारु औएकप्रत्यक्षसबैकोउजाना । एकअहैघृतक्षीरकेभीतरदेखतए कसबैंमतिमाना ॥ तेलअहैतिलकेगतअन्तरएककरैपकवानसु जाना। दासबनाहिमबोरायथाजलयाविधिहैयुगब्रह्मविधाना७१ दारुकेभीतरहैपुनिपावकपाकबनायसकैनहिंकोई । दूधसेनाहिं सरैघृतकारजऔतिलमेंतरकारीनहोई ॥ ऐसहिजौलौंनहींपरत्य क्षहैकैसेसकैदुखदारुणखोई । दासबनामतवादअनेकनकानकि सेनुकसानहैसोई ७२ ॥ घनाक्षरी ॥ युगलचरणपुनिपङ्कजवर णजगतारंणतरणऔशरणसुखधामजू । नखनकोभासजनुतारा कोप्रकासध्वजअंकुशकुलिशकंजमनअभिरामजू॥जानुयुगपीन कांमभाथछबिक्षीनकटिकेहरिमिलीननाभिस्वधाकोमुकामजू।बना दासत्रिवलीत्रिवेणिहूसेपापहर आवैउरजाहिकेकरतनिशिंकाम जूं ७३ तूणपटपीतधरधनुशरउभयकरगरमुक्तमालबरअतिमन भाई है । यज्ञउपवीतचितहरतकनकद्युतिपटतरलघुद्विजचरण निकाई है ॥ कारजललितकरकंकणकेयूरभुजहरिकन्धकम्बुकंठ महाछबिछाई है । बनादासशरदमयङ्कमुखशोभासुठिमन्दमुस क्यानिअतिमेरेमनभाई है ७४ कीरतुण्डनासिकादशनद्युतिदा ड़िमकीअधरअरुणजनुअमीकोमुकामभो । बङ्कअवलोकनिक मलदगरातेअतितिलकविशालभालशोभासुखधामभो ॥ कुण्ड लकनकलोलमकरअकारवर धनुषसीभौंहंभवहंरणकोबामभो। बनादासकाकपक्षकनकमुकुटशीश कामकोटिनिन्दनकोमानोरूप

रामभो ७५ शोभारतिकोटिनकिअङ्गअङ्गवारिडारैंबामदिशिरा
जितहैंरामजूकेजानकी। जगजायमानकरिपालतहरतपुनिशुचि
रुचिप्राणप्रियकरुणानिधानकी ॥ रमाशचीशारदाभवानीको
टिअंशजेहिहोयरूपलाभमूलहरैमोहमानकी । शङ्करविरंचिवि
ष्णुचाहतनिंगाहनेकबनादासताहिनेवछावरिहैंप्रानकी ७६ श्या
मघनलज्जिततमालहूकि द्युतिफीकीमरकतनीलकंजउपमानयो
गहैं । दामिनिकनकसियभामिनिसेकहौंकिमिपीतजलजातपेखि
भयेवशशोगहैं ॥ शोभाकेसदनजानुछबिकोचिरागबरैदम्पति
स्वरूपशुचिसूरतिकोभोगहैं । बनादासशारदगणेशशेशसकुचा
तऔरकविकहैंकौनमानुषनिरोगहैं७७शोभाकेसमुद्रअङ्गछबिको
तरंगउठैरोमरोमतोपीकोटिविधिनिपुणाई है । शारदढंढोरिहारी
उपमाकरोरिबेरमिलैनत्रिलोकमाहिंकरैकाबड़ाई है॥ दम्पतिस्व
रूपकहिशेषऊसहमिजातनहिंगणनाथहूकेबुद्धिमेंसमाई हैं। औ
रकविकोविदकिबातकोचलायसकै अतिमतिहीनबनादासकिमि
गाईहै७८अचलअखण्डआदिमध्यअवसानहीनब्रह्मरसएकस
बठौरपरिपूरजू । सतचिदआनँदसघनचारिवेदबदेंकोटिनप्रका
शशशिपावकऔसूरजू ॥ मनबुद्धिचित्तअहङ्कारपरेदेखिपरैबना
दाससदाइननैननसोंदूरजू। लाखनमुनीश्वरमेंएकनकोलखिपरै
जाहिकोप्रकटताहिबरषतनूरजू ७९ स्वतःप्रकाशनिराकाशअ
तिगूढ़गतिवेदऊबदतनहिंजाननकेयोगहैं । अजउत्कृष्टजगदे
खतसमिष्टदिष्टबनादासयहीज्ञानमाननकोभोगहैं ॥ त्रिरुजबि
लक्षणनिरीहआवरनबिननिराकारनिरद्वन्दयोगनबियोगहैं। अ
कलकूटस्थअवछिन्नसबहीसोंभिन्न शुद्धनिरवध्यनितपायेतेनिरो
गहैं ८० ऐसोयुगब्रह्मदानिरामनाममहामणिफणिजगजालकिये
सकलबेहालहैं। सूझैनउपायकलिकालगालफारेडारैमणिलिये
फणिदुखसहतनमालहैं ॥ कालहूकोकालनामताहिनकँगालभ
जेबनादासरहैंनितब्रह्ममेंबहालहैं । कालगतिविकरालतातेसब

सालसहैंश्रोंड़िगङ्गधारकोनहायजायतालहै ८१ बालबुद्धिसाध नअपरबहुकालकरैभूलेइन्द्रजालजनुसहतकसालजू । गांठिला लन्नांधेश्रौदुकालहूकिसालसहै मिलेनविशालगुरुतातेपरेजाल जू ॥ भालभागताहिकेललामनामजानेजिनकालहूकित्रासगई ब्रह्ममेंबहालज । बनादासलालकोशलेशकोनख्यालजेहिबड़ेहैं नमालदुखसहैंबिकरालजू ८२ अधमउधारनपंतितनामतारन सुयशबिस्तारनबिवेककोजहाजहै । मायामोहमारनविज्ञानज्ञान कारनजगतज्वरजारनबटेरकलिबाजहैं ॥ वासनाविदारनसमूह दुःखटारंनहरतभूरिभारनसुगातिशिरताजहै । बनादासविरंचिवि शेषवेन्नसाधुनकोऐसोनामभूलैताहिश्रावतनलाजहैं ८३ जगतं गुलामकामताहिविधिबामसदाजोनभजैरामतियधामधनफंन्दहैं। चलैजोसुराहवाहवाहकहैंसबैकोऊ कटतकटतकटिजातदुखद्वन्द है ॥ साधुकाहेत्यागतभजनकोबिवेकहीनताहीहेतभयेसबभांति सेस्वच्छन्दहै । बनादासतापैनिजकरनसोपावँकाटैकौनसमुभावे ताहिअतिमतिमन्दहै ८४ पापजलमीनश्रौमलीनज्ञानबुद्धिहूसे विद्याबलहीनगांठिदामहूविहीनजू । साधननकीनव्रततर्तीरथश्रो यज्ञदाननेमनअचारगयापिण्डहूनदीनजू ॥ वचनप्रवीननाहिं खीनचतुराईअङ्गतनहूक्षीनरहेविषयअधीनजू । बनादासऐसेपैं नेवाजेमहाराजनामनिजदिशिदेखिमोहिंसाधुनमेंकीनजू ८५ पा येनकरोरिमुखतातेभागिखोरिमानौहारेटकटोरिकैसेनांमगुणगाइ ये । शारदकिबुद्धिनसहायकगणेशशेशविधिसेनपहिंचानकाके हारजाइये ॥ वेदनपुराणपढ़ेशास्त्रनमेंगतिनाहिंमतिउमलीनउर ताहीतेललाइये । बनादासपेटभरिकौनीविधिभाषैयशहहरिहह रिहियहीमेंरहिजाइये ८६ देखियेविचारिगतिमतिमुनिनामैतक जोनकछुप्रेरतसोसुयशसुनाइये । जुरैनिजघरमेंकरोरिमनमानै खोईऔरनकोधनमनकाहेललचाइये ॥ कंपटनचलैउरबासीसे कदपिकालबनादासस्वपनजोदूजोदेवध्याइये । साखिशिवसंत

जीभकटतनंलागैदेर करमवचनमनरामकोकहाइये ८७ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापबिभंजनोनाम उभयप्रबोधकरामायणेनामखण्डतृतीयोऽध्यायः ३ ॥

घनाक्षरी ॥ नामहीसोंरामभक्तिनामहीसोंज्ञानशक्तिनामही तेबिरतिबिज्ञानशान्तिपाइये। नामहीसोंसर्बबोधचित्तऊनिरोध होतनामहीसोंसर्बसुखदुखबिसराइये ॥ नामतेसमाधिध्यानना महीतेसनमाननामहीतेसाधुताकोसारोअङ्गलाइये। नामही सोंतनरक्षानामहीसोंमिलैभिक्षा बनादासओरद्वारभूलहूनजा इये ८८ नामकेप्रतापआगिशीतलनहोतदेरनामकेप्रतापजल सागरमेंथाहजू। नामकेप्रतापकरिगरलअमृतहोतनामकेप्रता पहरिहाथसेनिबाहजू ॥ नामकेप्रतापगिरिश्रृंगहूपैकंजफूलैंनाम केप्रतापपदमिलतअचाहजू। नामकेप्रतापकरिशत्रुहूमिताई करैनामकेप्रतापबनादासरूपलाहजू ८९ नामकेप्रतापकच्छ पीठहूमेंबारजामेंनामकेप्रतापशुद्धहोतनहिंदेरहै। नामकेप्रताप करिगोपदअगस्त्यडूबै नामकेप्रतापपंगुचढ़तसुमेरहै ॥ नाम केप्रताप आकफलकामभूरुहूको नामकेप्रतापतूलदहैआगि ढेरहै। नामकेप्रतापकरिदिनहीमेंरातिहोति नामकेप्रतापकरि निशिहूसबेरहै ९० नामकेप्रतापकरिकामधेनुखरीहोतिनामके प्रतापबिषरहितफणीशहै। नामकेप्रतापकरिदारिद्रमहीशहो तनामकेप्रतापकरिरङ्कअवनीशहै ॥ नामकेप्रतापमीचहूकोमू समारिडारैनामकेप्रतापकरिबहैगोनदीशहै। नामकेप्रतापकरि गिरिऊअकाशउड़ैबनादासअचरजनाहिंबिस्वाबीशहै ९१ ॥ सवैया ॥ इन्द्रकोबज्रऔकालकोदण्डऔशङ्करशूलचलैदिन राती। मेघप्रलयनितवृष्टिकरै अरुशेषकीआगिनितेसरसा ती ॥ लोकपऔदृगपालकरैंऋषिकोयहिशक्तिसबैबहुभांती। दासबनासुमिरैंनितनामजोरक्षकरामननेकपोसाती ९२ कोप करैचतुराननकोटिकृशानुऔभानुसबैऋषिआहीं। सर्पजहां

लगिळांड़ेसबैबिषबाघहुसिंहधरैललचाहीं ॥ सृष्टिबिरोधकरै सिगरीरघुनाथगहैजेहिकीदृढ़बाहीं । दासबनासुमिरैनितनाम नहींकछुकाहुकोनेकपोसाहीं ९३ नामभजेक्यहिकीनबनीपुनि नामतजेसबकीबिगरीहै । नामजपेउलटेकबिआदिसोब्रह्मस मानप्रमानपरीहै ॥ नामप्रभावविचारिकैदेखियेअर्द्धकहेतेकरी उबरीहै । दासबनासुमिरैजबनामतौवातेनउत्तमआनघरी है ९४ कामसेसुन्दरभोगपुरन्दरऔरधनेशहुसेधनवाना । ऊँचे बड़ेचतुरानननसे अरुभानुकृशानुसोंतेजनिधाना ॥ शुक्रसेप ण्डितधीरअखण्डितपौनहुतेअधिकीबलवाना । दासबनान कछूबनिआयजोरामकोनामनहींपहिंचाना ९५ बुद्धिबिनायक औसबलायकशारदकोटिभईचतुराई । भीमसेआकरशीलस्व धाकरशेषहुसेअधिकीबकताई ॥ दानीबड़ेबलिसेनृगसेहरिचन्द औकर्णहुतेअधिकाई । दासबनानकछूबनिआयजोरामकोनाम नहींलवलाई ९६ शूरशिरोमणिरावणसेपुनिगावनगन्धबतेअ तिभाई । मुनिमेंशुकनारदऔसनकादिकबासवसेधनविद्याबड़ा ई ॥ योगमेंगोरखदत्तसेज्ञानऔजीवनलोमशतेबड़िपाई । दास बनानकछूबनिआयजोरामकोनामनहींलवलाई ९७ हाथीहज़ार नह्वारपैंभूमतघोड़ेनकीनरहीसमवाई । भूपअनेकनजोरिखड़े करसेनपशूरमहाकटकाई ॥ धामधराधनकौनकहैतरुणीरतिसे बहुसुन्दरिपाई । दासबनानकछूबनिआयजोरामकोनामनहीं लवलाई ९८ सेठबड़ेशाहूकारबड़ेसबबस्तुकिबैठिदुकानलगा ई । उद्यमकोप्रमाननहींमणिमाणिकद्रव्यअनेककमाई ॥ सा खिबड़ीसनमानबड़ोकहिकौनसकैअतिहीप्रभुताई । दासबना नकछूबनिआयजोरामकोनामनहींलवलाई ९९ वेदपुराणहुके बक्ताअरुशास्त्रनमेंकोउपारनपाई । जातिबड़ीऔमहत्वबड़ीज पयज्ञऔकर्मनकीअधिकाई ॥ मन्त्रऔयन्त्रकरैबहुतन्त्रऔदे वअनेकनपूजतधाई । दासबनानकछूबनिआयजोरामकोनाम

नहींलवलाई १०० मूड़मुड़ायजटाकोरखायत्रिभूतिलगायकैबा
हँउठाई। ठाढ़रहैजलसैनकरैपुनिभांतिअनेकनवेषबनाई॥ अ
न्नतजैफरहारकरैअरुबांधिकैपेड़मेंपावँझुलाई। दासबनानक
छूबनिआयजोरामकोनामनहींलवलाई १०१ द्रब्यकेहेतफिरैज
गधावतद्वारअनेकनपेटदेखाई। तीरथबर्तकरैतपयोगऔसाध
नभांतिअनेककमाई॥ नेमअचारकरैबिधिकोटिनऔमहिको
परदक्षिणलाई। दासबनानककछूबनिआयजोरामकोनामनहींल
वलाई १०२ तापतआगिऔकांपतशीतमेंजाइकैपर्बतंखोहस
माई। जातिजमातिअनेकनजोरतशून्यमेंआसनबैठिलगाई॥
पूजाऔपाठकरैबहुभांतिसेघण्टाघरीदिनरातिबजाई। दासब
नानककछूबनिआयजोरामकोनामनहींलवलाई १०३ नामभजैकि
भजैंभजनानँदऔरतजैसबसाधनभूरी। काहेकोलोनबरीबरीनाव
तयाहीतेबातपरैसबपूरी॥ आंखिउमूंदिचलैमगजोयहिनेकझुकै
नहिंपूरिमजूरी। प्रीतिप्रतीतिकरैउरमेंदृढ़दासबनाभवबन्धनतूरी
१०४ नामजपेकरहैफलरूपऔहैफलरूपस्वरूपकोज्ञाना। ज्ञान
हुकोफलहोयबिज्ञानबिज्ञानतेभक्तिपरापरमाना॥ जानोपराफल
पूरणशांतिऔशांतिपरेनहिंहैकछुआना। दासबनाबिरलेजनजा
निहैंसन्तशिरोमणिबोधनिधाना १०५ बीजतेवृक्षऔवृक्षतेबीज
हैऔसिधिसाधननामहिजानै। जोमतबादअनेकपरैसुनिताको
नहींभटकोमनमानै॥ शारदहूमतिफेरिसकैनहिंनामबिशारदजोह
ठानै। दासबनारहैनामैसमायसोज्योंसरिसिन्धुकोहोतमिलानै
१०६॥ घनाक्षरी॥ नामगतिअकथअथाहऔअनादिअतिमतिब
रणतकोटिशारदकीहीचींहै। शेशहूगणेशऔमहेशपारपावैनाहिं
नारदबिरञ्चिसिन्धुसीपीज्योंउलीचींहै॥ शास्त्रऔपुराणवेदनेतिकै
निरूपैजाहिकबिकोबिदादिबनादासबुद्धिनीचींहै। युगयुगजागेथ
शतीनिकालतिहूँलोकमानोद्युतिचंदजनकृपाबारिसींचींहै १०७॥
इति श्रीनामखण्डे चतुर्थोऽध्यायः ४ समाप्तमिति॥



उभयप्रबोधकरामायण ॥

अयोध्याखण्डतृतीय ॥

कवित्त घनाक्षरी ॥ गाइयेगणेशबिष्णुबेशऔकलेशहरशेश
शारदादिजासुउपमानयोगहै । बुद्धिकेनिधानदानदीजेरामयश
गावोंमङ्गलऔमोददेनहारभक्तिभोगहै ॥ शोभाशीलसागरउ
जागरकोजानगतिरामजनमनअतिकरतनिरोगहै । बनादास
तातेपदबन्दियेअनेकबारआकरबिज्ञानज्ञाननाशैबिघ्नसोगहै १
बन्दौंमेघबरणचरणजलजातयुगरमाकेसमेतबिष्णु करोउरधाम
जू । अङ्गकोटिकामछबिबामभागसिन्धुजाहैरतिउनब्याजसम
शोभाकोमुकामजू ॥ क्षीरसिन्धुबासीबुद्धिबोधकोप्रकासीमोहमू
लकोबिनासीजनकरैनिशिकामजू । बनादासदीनपैदयालप्रति
पालप्रणवेदउबदतदेतजनअभिरामजू २ बन्दियेमहेशभक्ति
भाजनबिज्ञानधामकामरिपुममहितबारेतेकृपालहै । प्रथमहिसे
येशिवकरमबचनमनतनधनधामनेवछावरिनजालहै ॥ आदि
मध्यअन्ततातचाहतनिगाहनेकऔढरढरनरामदासनदयालहै।
बनादासदियेबरूशीशसोनिबाहकरोरामपदप्रेमनेमबढैबिधुबाल
है ३ बन्दौंशिवभामिनीसमस्तलोकस्वामिनीजगतअभिरामि
नीऔदामिनीसेगातहै । शुम्भनिःशुम्भदलेखलेजीत्रिलोकहू
कोगणपतिगुणधिषडाननकीमातहै ॥ देवनउबारकरितरिदुख
दुसहसोबेदऔपुराणगुणगायेनसिरातहै । बनादासरामभक्ति

हेतकोनिहोरोतोहिंदीजियेदयालुकैमनललचातहै ४ बन्दिये
समीरसुतधीरबलीबांकोअति शाकोतीनिकालमेंजगतजोरजा
कोहै। काकोऋणीरामआकोदूसरोनचारियुगप्रेमपरिपाकोपद
कंजरसछाकोहै॥ बनादासताकोअवलम्बहैबचनक्रमबिघनह
रनहेतदेतहठिहाकोहै। महिऔपतालनाकोवाकोपटतरनाहिं
लहेजिनलाहजन्मलियेबसुधाकोहै ५ बन्दौंश्रीशारदअलाय
ककिअवलम्बअम्बसमकृपानबिलम्बनेकलाइये। कीजेमति
बिमलअमलरामगुणगावोंपावोंबोधवर्णअर्थअरजलगाइये॥
बिद्यावेदहीनबलपीननमलीनबुद्धिसुद्धिबसुयामहूँननेकबिसराइ
ये। बनादासचाहैरहाअन्तसकरनपारताहूकिउपायकरिकृपाठ
हराइये ६ बन्दौंसन्तपायँधूरिमूरिभवरुजहेतकरतसचेतअति
काटतअँधेरजू। बोधबिधिआकरदिवाकरप्रतापजासुशीतल
सुधाकरसेमहिमासुमेरजू॥ ऊँचेहूतेऊँचेकरैंनीचेहूपैकृपावेगि
स्वारथरहितपरहितकोनदेरजू। बनादासबिनासाधुकरुणानछूू
टैजगलूटैकलिमायापरैंसदाकालफेरजू ७ बन्दौंचारिवेदषटशा
स्त्रऔपुराणअष्टदशहुप्रणामकरौंजातेउजियारेहैं। बन्धनऔछो
रैंहेतजानतसचेतकोऊदोऊअधिकारमुनिनायकपुकारेहैं॥ बना
दासहरियशबदतसकलकालजातेजनसन्तउरअतिमोदभारेहैं।
हेतपरनिरतसुनीहैंश्रुतिश्वासहरि तातेहरिरूपछोड़िकहैकिमि
न्यारेहैं ८ बन्दौंबिधिसुरसिधिलोकपालदिशिपालयंमकालसू
रशशिचराचरसारेजू। बन्दियेवशिष्ठमुनिजातेमुनिज्ञानलहौं
शुकसनकादिव्यासआदिकबिभारेजू॥ सम्बतनक्षत्रप्रेतपितर
औनागनरद्विजउदैतअरुदशअवतारेजू। रामजनजानिकैं
अनुग्रहविशेषिकरौबिनवतबनादासपदशिरडारेजू ९ बन्दौंअ
वधेशमिथिलेशग्रामभागीयुत पुरजनजातिजनपरमप्रवीनजू॥
भरतलषणरिपुदमनचरणबलिसरयूअवधसुरसारिपापखीनजू।
मिथिलासरितसरिधरिशिरबारबाररामकेउपासकपुराणऔनवी

नजू । बनादासकरजोरिमांगैसबहीसोबरदृद्धिरामप्रेमनितरहो रँगभीनजू १० बन्दौंसियपायँयुगजलजलजायजाहिसकैजोसरा हिजगऐसोकविकौनहै । ज्ञानबोधदातातुहीजगतकिमातामन रातापद जाहिताहिभयोभवदौनहै ॥ सुधाशान्तिमूरतिनसूरति बिसारुमोरिखोरितजिबनादासदीजेमांगौंजौनहै । दयाक्षमाआ करसहायकरैसाकरमें अन्तसकरनपारपावोनितभौनहै ११ बन्दौंश्रीगोसाईंजूकेचरणचारुचित्तलायजलजलजायधूरिमूरि भवरोगको । नैनूतेनरमभरमजालकोदलनहारफलआदिकार चारिसोखैसर्बसोगको ॥ बनादासनामलियेज्ञानकोप्रकाशहिये अतिहीसहायकभगतिभूरिभोगको । रामनामप्रीतिपरतीतिस रसातसदातीरथबरततपखण्डैमखयोगको १२ बन्दौंसतगुरु पाँयपुनिपुनिरघुरायबारबारशीशनायधूरिधरिनैनजू । कृपाकरु णाकेऐनहैनपटतरकोऊतिहूँपुरमाहिंसबैचाहैनिजचैनजू॥बहुरि अखण्डअजअचलअरूपब्रह्म करतप्रणामजोअगमबुद्धिबैन जू। बनादासनिगमपुकारैनेतिनेतिजाहिनातोकलुमोहतेपरतल खिसैनजू १३ बन्दौंरामनाममहादानिअनुमानिपरैअगुणसगु णदोउरूपहेतजानिये । सारोगुणखानिसबओगुणाकिहानितिहूँ गुणनकोभानिताहिसमकाहिमानिये ॥ दूजोनपियतपानिस्वा तिबुन्दहीकीकानिजाकीपरीऐसीबानिएकप्रणठानिये । बनादास करमबचनमननामगतिधन्यवाकी भाग्यऐसोकाहिउरआनिये १४ भूतऔभविष्यबर्तमानमेंजहांलौंजगचौरासीलक्षचराचर ब्रह्मसारे हैं । आदिमध्यअवसानचारियुगमेंनदूजाअन्तमाहिं चहूँवेदऐसनपुकारे हैं ॥ देखैब्रह्मबादीएकब्रह्मकरितिहूँकालजा कोजैसोभावकियेतैसोनिरधारेहैं । बनादासदृष्टिभेदखेदकेहरै यारामकामतरुनाममतिकहैवारवारेहैं १५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनाम उभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेप्रथमोऽध्यायः १ ॥

अगुणसगुणजाकेनबिबाकेविधिनिधिगईहाथसेपरमसाधु
माने हैं । चितकीखभारभवभारनटरतनेकभयोनबिबेकतातेसं
शयमेंसाने हैं ॥ बड़ेपक्षपातीखंडेएकएकभलीभांतिएकएकप्रति
पादिकैसनअयाने हैं । बनादासकारणओंकारजविचारैनाहिंस
दावस्तुएंककोऊसंतपहिंचाने हैं १६ ॥ सवैया ॥ निरगुणसरगु
णब्रह्मस्वरूपअगाधअनूपकरैकोबखाना । जाहिजनावतसोजन
पावतआवतकोटिउपायनध्याना ॥ नांमअधीनउभयतिहुंकाल
मेंपूरणप्रेमहृदयठहराना । दासबनानहिंलागतदेरसबेरंहितत्त्व
परैपहिंचाना १७ ॥ घनाक्षरी ॥ हीनसबअंगसेमलीनज्ञानबुद्धि
बेषरेषपापपीनमेंनकहतबनायजू । कोशलेशकृपाकोरनिजओर
करैकछुताकोअचरजनाहिंसदाचलिआयजू । पावनपतितनाम
अधमउधारनहैवारनविदितगतिअगणितपायजू । बनादासकर
मवचनमनबुद्धिकरिदूजोनसहायसुतदशरथरायजू १८. बसौं
अवधधामनामलैलैपेटपालौंनिति मितिनअनीतिकीबिदित
गतिमोरिहै । बिरचिसुबेषसाधुशारदूलकोसुआगज्ञानओंबिरा
गहीनभगतिनतोरिहै ॥ पञ्चमेंप्रमाणननिपटिमनमानीभयेबना
दासतापैप्रभुमानतनखोरिहै । समुभ्किकृपालुकृतचित्तनपरतचै
नमैंनगुनगायसकौंमुखनकरोरिहै १९ प्रथमकरमहरिहेतकरि
नानाभांतिताहिपुनित्यागिकैउपासनामुकामहै । नामलवलावै
मनबुद्धिकरिध्यावैअनुरागसरसावैहियआवैरूपरामहै ॥ तत्त्वन
कोशोधमनबोधकहूँआतमाकोलाभभयेहोतज्ञानधामहै । बना
दासअन्तसकरनपरेसरेकाज नाशेमनोराजनहींकोऊसूधबामहै
२० करमवचनमनसत्यलिखौंकागजपैरामनामछोड़िमोहिंदूस
रीनगतिहै । धूरिकेसमानसबसाधनहैंमेरेमतस्वातिबुन्दनामाजि
मिचातककिरतिहै ॥ जानैउरबासीरामकरैदुहुँकैसोकामलागत
अनैसोसबैऐसीदियेमतिहै । बनादासआजकेउपासकहँसतमोहिं
तोहिंपरीआयेराखिआयेसाधुपतिहै २१ मैंहूँबालबुद्धिजानिका

ननकरतकछुप्रौढ़जनजानिहैंविचारभावहीकोजू ।.निन्दतसकलजगबन्दतसोजानिपरैजोपैरघुनाथउरपरतनफीकोजू ॥ ब्याहपूतनातिकोननातोनातनाथहीके तातेहरषातगातदियेमनठीकजू । बनादासबलऔबिवेकबुद्धिरावरोहैवचनकरममनखाचोभक्तिलीकजू २२ जलहिमऔराएकनेकनसँदेहयामेंजंनहितअगुणसगुणसदाहोतहैं ॥ बीजतेबिटपपुनिबिटपतेबीजजैसेयाहीबिधिदौऊरूपसदाओतपोतहैं । वेदमेंप्रमानऔजहानमेंनजानैकौनव्यांहभयेतियपतिहीकीभईगोतहैं । बनादासपीवबिछुरेसे.जीवनामधस्योमिलतनदेरलहैप्रीतिजौनसोतहैं २३ गङ्गधारैमिलतेगंगोदकमिटतनामपरैखेतसम्भरसोसम्भरनदेरहै । सिंधुसरिगिईनामरूपऊविनाशहोतपाहनकीजातिमेरसेरऔसुमेरहै ॥ब्रह्मजिमितूलसूतभयेतेपुरुषनामप्रकृतिसँयोगजगबसनकोढेरहै । बनादासमथिछाछसबैकोऊछांड़िदेतशुद्धहैसरपिपुनिछोनवकेरहै २४ ईशदशपांचनपुराणशास्त्रश्रुतिकहैबहैपरवाहमेंअनेकलोगभले हैं । त्यागिविस्तारजोसिमिटिजातज्ञानदृष्टिसोईलहैशांतिअहंआगिमेंनजले हैं ॥ ज्योंज्योंबुद्धिबढ़तकढ़तउरबोधत्योंत्योंटूटतनजगतअमितशोकसले हैं । बनादासजबमुहूँकौरजलआयगयोतदपिनफिरैचलेजातचोपिहले हैं २५ ॥ छप्पै॥
भरद्वाजकियेप्रश्नपायमुनियाज्ञवल्क्यप्रति । कौनरामसोअहैजाहिशिवंजपतएकगति ॥ दशरथसुतसोकहेदहेताकोसंदेहा । रघुपतिपदजलजातभयोअतिहीनवनेहा ॥ रामब्रह्मकोभेदगतसोप्रसंगसादरकहत । बनादासजेहिहेतुतेसहजस्वरूपहिजिवलहत २६.पार्बतीकियेप्रश्नशंभुसोंजेहिहितलागी । पाछिलमोहबिचारिरामपदअतिअनुरागी ॥ ब्रह्मबुद्धिनाहिंभईप्रभुहिनरस्नपकरिमाना । पुनिशंकरउपदेशनेकछुकियेनकाना ॥ सीतारूपबनायकैजायपरीक्षाकोलई । कहबनादासपतिसेविमुखबहुरिखाकजरिबरिभई २७पायोफलपरिपाकप्रीतिबाढ़ीतेहिकारण।छायापा

छिलमोहशंभुसोकीननेवारण ॥ ब्रह्मसच्चिदानन्दनिगमजेहिने
तिनिरूपा। ब्यापकबिरुजअखण्डअचलअजअलखअनूपा॥
दशरथसुतममस्वामिसोइकहेईशअतिहितसहित। कहबनादा
सनरदेहधरिभक्तहेतकियेबहुचरित २८ गयोगरुड़जेहिहेतब
सैंजहँकाकभुशुंडी। ज्ञानीगुणआगारभक्तिपथपरमअखंडी॥
तिनभाषीनिजमोहब्रह्मअवतारसुनाजग। सोप्रभावकछुनाहिं
बुद्धिअज्ञानगहीमग।नाशकियेसंदेहतिनकहीकथारघुबंशमनि।
कहबनादासर्सपनेहुंविषेरामब्रह्मदुइकहेउजनि २९ रामब्रह्मअ
वतारकहेविधिनारदपाहीं। शौनकप्रतिकहेसूतब्रह्मकोशलपति
आहीं॥ नृपतिपरीक्षितसभामध्यशुकदेवसुनायो। महापुरुषप
रब्रह्मइष्टनिजरामबतायो॥ चहुंश्रुतिचहुंयुगकालतिहुंरामब्रह्म
सबमुंनिकहे। कहबनादासप्रभुप्रेरणानिजअनुभवसोईलहे ३०
रामब्रह्मदुइकहेताहिकेमुखमसिलागै। नहिंछूटैसंसारजगतबहु
योनिनबागै॥ अज्ञअकोविदअधमसंतसँगजाहिनलागा। राम
ब्रह्ममेंभेदकरहिंतेलोगअभागा॥ कपटीपाखण्डीपतितपापीम
तिकुंठितअतिहि। कहबनादासकृतबुद्धिनरसपनेउनहिंपावैंग
तिहि ३१ जोकेवलनृपकहैगिरैरसनातेहिचाही। लहिहैंतनया
तनासरैगीतबसुखमाही॥ सम्भाषणनहिंकरैहोयकोउअतिहि
महामुनि। मुखदेखेतेपापताहित्यागियेहृदयगुनि॥ धरेतेसुठि
मंनुजादतनओढ़िलियेनरखालहैं। कहबनादासनरकहुनथलह
रिविमुखीबाचालहैं ३२ अगुणसगुणसेप्रथकरामजोकोउअस
गावै। ताकीमतिसामानितत्त्वकोथाहनपावै॥ अगुणसगुणदुइ
रूपकहतश्रुतिशास्त्रपुराणा। चहुंयुगतीनिउकालसंतमुनिकरत
प्रमाणा॥ तिसराआयोकहांतेकल्पितबातविचारिये। कहबना
दाससंगतितेजीवचननहींउरधारिये ३३ ब्रह्मपृथककोउऔरता
हितेहरिअवतारा।जोकोउऐसाकहैचहीउरकीनबिचारा॥ ईश्वर
नहिंदशपांचएकईवेदबतावै।कारजकारणपायअगुणतेसगुणक

हावै॥ जलओराहिमआननहिंयामेंन्यूनाधिककहा।कहबनादास
बसिभक्तिकेब्रह्मभूपसुतह्वैरहा ३४ रामायणशतकोटिब्रह्मकरि
सबकोउभाखा । बाल्मीकिहनुमाननेकसंशयनहिंराखा ॥ कलि
मेंहितकल्याणगोसाईंविरचेसेता । रामब्रह्मसबकहेमहामुनिऊर
धरेता॥ तामेंजोशंकाकरैतेहिमुखमसिलागैसही । आगमनिगम
पुराणकहमहींअनोखीनाहिंकही ३५ ॥घनाक्षरी॥ हिमऋतुअग.
हनमांससितपंचमीहैरामजूकोब्याहदिनजगतविदितहै। सम्बत
सहस्रनवशतकोप्रमाणजानोतापैएकतिंसपुनिबरषलिखितहै॥ब.
नादासरघुनाथचरितप्रकासकिये बुद्धितौमलीनपुनिलागोअति
चितहै । उभयप्रबोधकरामायणहैनामजाकोसातखण्डसातछंद
सारोजगहितहै ३६ प्रथमहिंगुरुखण्डदूजेनामखण्डभयोतीजे
औधखण्डअतिमोदकोनिधानभो । चौथेहैविपिनखण्डविविध
चरितकियेरावणकोखण्डदेवविपतिविहानभो ॥ पंचमविहारख
ण्डउभयलंकगौनराम लाखनकिरुचिपालीजानतसुजानभो ।
षष्ठमहैज्ञानखण्डभवखण्डखण्डजामें सतयेंमेंशान्तिखण्डबना
दासकानभो३७॥ सवैया॥ छप्पैघनाक्षरीओरसवैयाहैकुंडलिया
अतिहीसुखदाई । दण्डकभूलनाऔपुनिरेखताजामेंरहैमनब्रेगि
लोभाई॥शान्तिनिशानीहैसातहूछन्दतेहीकरिकैभयेसातसोहाई।
काव्यकोग्रंथविलोकेनस्वप्नेहुदोषबनाप्रभुकीप्रभुताई३८॥छप्पै॥
नामभवहरणकुंजअवधपुरमध्यसोहाये । तेहिआसनआसीनच
रितरघुपतिकोगाये ॥ प्रभुलीलाअतिविशदधेनुसुरसुरतरुअ
धिका । कामक्रोधमदलोभमोहअघखगगणबधिका ॥ लोकहु
माहिंप्रसिद्धहैश्रुतिपुराणसबकोउकहै । कहबनादासबलबुद्धिल
घुरामनिबाहेनिरबहै ३९ रामायणशतकोटिमुनिनिंबहुविधिहुब
खाना । महिमाकोटिसमुद्रपारकोउलहतनजाना ॥ निजनिजम
तिअनुहारिभावभक्तीकेगाये । वचनबुद्धिमनशुद्धहेतसरधाअ
धिकाये ॥ जिमिपिपीलिकासिंधुकोकरतमनोरथपारहित । कह

बनादासतिमिमोरिगतिलागोभांतिअनेकचित ४० नहिंविद्या बलबुद्धिपढ़ेनहिंवेदपुराना। किमिजानोइतिहासचरित्तप्रभुको टिविधाना। बांधेप्रथमहिंसेतमहीपतिजनुसरिमाहीं। तेईमहा मुनिमोहिंपारकरिहैंगहिबाहीं॥ रामनाममहिमासुमिरिप्रभुसुशी लसरदारहे। कहबनादासनहिंमनहटततातेकरिहैपारहे ४१ उभयब्रह्मकोरूपअगमसतसिंधुसमाना। तासुनिरूपणकरबक ठिनसबकोऊजाना॥ शीलधामश्रीरामजानिजनकरहिंसंहाई। सगुणरूपहितकथनलेहिंगहिबाहँउठाई॥ अगुणअमितउतकृ ष्टहैकहबकठिनसमुझबकठिन। कहबनादासनहिंआनिगतिपार करिहिकोरामबिन ४२ वचनकरममनबुद्धिमोहिंगतिस्वपनन दूजी। नामहिकेअवलम्बजवनिकलुआशापूजी॥ करिहैंअज हूँकृपाशीलनिधिरामउदारा। जासुसाहिबीसकुचिकहतश्रुतिशे शहिहारा॥ चारिउयुगतिहुँकालमेंमुनिनविदितगुणगाथहे। क हबनादासकरिहैंकृपासुठिसुशीलरघुनाथहे ४३॥ सवैया॥ दे तविभीषणबैरीकोबन्धुकृपालुकृपाकरिकैअपनाई। लंककोराज दियेसकुचाइकेगावतवेदपुराणबड़ाई॥ बांदरभालुसखाजिनकी ननिबाहतहैंअतिशीलसगाई। दीनदुखीनदुनीमेंसुकंठसेदास बनासीकपीशबनाई ४४ मानदियेशवरीगृहजाइकेसिद्धिमुनीश अनेकबिहाई। प्रेमअधीनभयेतेहिकेफलखातसराहिअनेकमि ठाई॥ पांवरगीधकीकीनकृपानिजरूपबनायकेधामपठाई। ब्या धनिषादबनायेसखाअसदासबनाप्रभुकीप्रभुताई ४५ कोलकि रातघनेबनकेतिनकेसंगशीलसनेहबढ़ाई। संगमेंनानाकरैंब्यव हारकियेसमतागतिजानिनजाई॥ चक्रवतीकोस्वरूपबिसारिकै ईश्वरतातेहिंकालविहाई।ऐसोस्वभावकृपानिधिकोसुनिहैधृगप्री तिप्रतीतिनआई ४६ औधनिवासीअधीनरहेपनबालहितेताजि कैप्रभुताई। खेलतखातसखासंगमेंरुचिपालतुहैंसबकीसकुचा ई॥लेतेहैंदांवऔदेतभलीविधिराखतुहैंडरचेतसदाई। दासबना

जेहिमेंलरिकेकोउजानिनपावहिंकीनरजाई ४७ जाइमुनीशकी यज्ञरखाइकेभांतिअनेककियेसेवकाई । भयअरुप्रीतिलियेदोउ भंयपलोटतपायँसदामनलाई ॥ ताड़कामारिसुबाहुबिदारिहते सबराक्षसकीकटकाई । दासबनातेहिकीसुधिनाहिंनितैंमुनिकी डरहैउरछाई४८दुःखमयीघरणीमुनिकीतिनतत्क्षणदिव्यस्वरूप हिपाई।दारुणशापतेतारिअहल्यहिचरणछुयेकीरहीपछिताई॥ सोईस्वभावभरोउरमेंतेहितेमनमोरनहींडरखाई । दासबनाविर दावलिहैंकेतनेबलहीनकोपारलगाई ४६ बेड़ोस्वभावपरोमन कोनहिंमानतुहैकितनोसमुझाई । मन्त्रनजानतबीछिहुकोअरु सांपहिकेमुखमेंकरनाई ॥ जानिनपाइतकासेनिशंककिधौंध्रुवबं ककिकोरसहाई । दासबनातजिहैंनहिंमोहिंसदैबलहीनकोराम रमाई ५० ऐस्योपैनामप्रभावनजानिहैताकेहियेकोमसालजरा वै । दीरघह्रस्वकोभेदनजानतअक्षरपैभरिमात्रालगावै ॥ पंख सोहीनउड़ातअकाशमेंदासबनासोदशालखिपावै । नामप्रताप चहैसोकरैनाहिंतातेहियेकछुताजुबआवै ५१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनामउभय प्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

घनाक्षरी ॥ रामयशभवआगिभागिहैअभागिहूकिसातख ण्डसुठिप्ररधामकीनिशेनीहै । कालिकाकरालसाधुसुरप्रतिपाल हेतशुम्भतापपापहूकिहरणत्रिवेनीहै ॥ भाटभूरितिहुँपुरसुयश प्रचारनकोभक्तिऔबिरागज्ञानहूकीसुखदेनीहै।बनादासनामकी अनन्यताअनेकलहैजाकेउरबसैआगिपानिहूनलेनीहै ५२ आ करबिवेकबोधसांकरकरमजालमोहको दिवाकरसुयशरघुनाथभो सुरतरुअनुरागआलबालज्ञानहूको भालकेकुअङ्कहरतालयुत पाथभो ॥ पढ़ैलिखैधारैउरचलैकोविचारकरैरामहूसहायगुरुको ननसनाथभो । हाथपांवपांगुरेकोआंधरेकोआंखिसदाबनादास हेतसबकालदेतसाथभो ५३ दूषणदलनगुणभूषणभोरामयश

पोषणप्रकाशउरकरतनदेरहै । क्षमाकोपुहुमिधीरहेतकोसुमेरस
दाशूरताकोशेरपापहरतसबेरहै ॥ शांतिकीसहायकअलायककि
अवलम्बमायामोहकलिकालकाटतअँधेरहै । बनादासबिरतिबि
ज्ञानहूकोकामधेनुशीलकोसमुद्रतोषकारणकुबेरहै ५४ परउपका
रऔबिचारहेतकामतरुज्ञानऔभगतिहूकिआकरसदाईहै। बंधु
परमारथकोस्वारथकिमातुपितुजनमअकारथकिसदहिंसहाई है।
बनादासदम्भऔपखण्डहूकोकालरूपकलिकालखलनकेमुखम
सिलाईहै । छलऔकपटअहिभरनीसमानसदाबरणिकोसकैल
घुबदनबड़ाई है ५५ कामक्रोधलोभमोहमारनकोअसिधारबास
नाबटेरहेतरामयशबाजभो । आसघासकोकृशानुभानुभवखामि
नीकोकलिकालबिघनबिटपहेतगाजभो ॥ चारिफललियेदानि
महाअनुमानिपरैसुखखानिबसुयामसाधुकेसमाजभो । तृष्णाके
तरङ्गहेतनिरवातदिनरातबनादासमेरेहेतमहामहराजभो ५६ रा
गद्वेषमूषककोमारजारकेसमानविधिऔ निषेधकरिमहामृगराज
भो । आलसअनखशोकसंशयअपारधारसाधुहेतसदाहिंबिवेक
कोजहाजभो ॥ दीनतादुकालहेतसमयसुकालनितकायरऔकू
रभक्तबञ्चककोलाजभो । बनादासदुर्जनदनुजसाधुनिन्दकजेअ
तिअबिचारिनकोशोककोसमाजभो ५७ रामदासदाहिंनदया
लदीनलोगतपैरोगदोषदारिदकोकरतअकाजभो । क्षमादयास
त्यशमदममनसंयमकोप्रजाकेसमानसबकालमेंसुराजभो ॥ ज्ञा
निनकोमोदऔबिज्ञानिनकोसुखसेज बिरतिकेकारणबिचारशिर
ताजभो । निन्दककोमुखमसिबन्दकसुकृतअसिबनादासमेरेहे
तरामकेसोराजभो ५८ ॥ सवैया ॥ याचकताकोजलाविनिआगि
किधौंममभागिबिचारपरैजू । संग्रहकारणधारकुठारऔकादरता
असिबाढ़िधरैजू ॥ जातिजमातिहिबोरनिसिन्धुसीबन्धुअसङ्गहि
पारकरैजू । दासबनाधनधामधरातलस्वादसिंगारपैगाजपरैजू
५९ रामकथामतिभाषीयथासबपारतथापिनहींकोउजाई । को

टिनसिन्धुकहेउपमालघुकैसेपिपीलसकैसमुहाई ॥ नाममहत्व बिचारिकछुगुरुसाधुसदानिरहेतसहाई। दासबनारघुबीरस्वभा वसुनेमनताहितेनाहिंडेराई ६० बालकज्योंबलहीनगिरैजलमा तुपितातेहिधाइउठावै। सोअटपट्टचलैनितहीवोहूझटपट्टहिस ङ्गहिधावै ॥ ताकेनहींअपमानऔमानतेहीकरिकैसुखंकालगँवा वै।दासबनायोंस्वभावपरयोनिशिबासरसोइसनचन्धरखावै६१॥ घनाक्षरी॥साधुतासकलअङ्कुतरुहेतजलधारमोहमूलखनैकोकु दारिनितनईहै । बिरतिबिज्ञानज्ञानआगिहेतदारुभूरिसंशयस रिसबलकोतरणीसीभईहै ॥ पक्षपातपावककोपाथधारबसुयाम रामंगुणगाथकोनवीनबीजबईहै । बादबकबादअभिमानबेलि कोतुषारबनादाससुगतिकिजरिपासिदईहै ६२ हँसीमसखरीके हलालहेतछूरीधारनानामतबादखगगरकाटिदई है। सूधेसाधु लोगनकोमातुपितुसेसहायखलखोटखरहेतमानोभारमईहै॥ अ तिसेअचेतनकोगुरुसेसचेतकरै रामपथपथिककोसम्मलसीभ ईहै।बनादासबिपतिविटपहेतपाहनसीनिजरूपबोधहेतमानोश्रु तिजईहै ६३ शोकुसिंधुसोखनकोकुम्भजसीरामकथासाधुमण्ड लीमेंचंद्रमण्डलसीभई है । आनँदसरोजभूरिभासकरकिरण सीत्रिगुणकीगांठिछोरैमानोडीठिनई है ॥ आलसगलानिहिम नितूलकोकरालपौनइन्द्रीदुखदलनकोमहामारीमई है । बनादा समनरोगमेटनसजीवनिसी कलहकुचालभेषसौंपिनिसीलई है ६४ नैनदोषअंजनविभंजनजगतजालपापिनकेमज्जनकोगंगं जलधारभो। दोषदुखदूषणनिशाचरसेगंजनकोलालचसीलंक हिप्रभंजनकुमारभो ॥ सतऔअसतदलभंजनकोमहारुद्रसारो भारसंजनकोशेषअवतारभो।बनादाससाधुजनरंजनकोसुखमूल मेरेहेतरामजूकेपंजनउबारभो६५कैधौंअज्ञानकालकैधौंभालभा गमेरेकैधौंजक्तजालमंहिषदलैहेतशक्तिहै।कैधौंरोगसंशयकोमहा मूरिदेखिपरेकैधौंतीनिकालआलबालरामभक्तिहै ॥ मोहनिशिसो

वतकोपहरुप्रमाणकैधौंकैधौंअतितनहूतेकरतीविरक्तिहै। कैधौं चारित्रअंतसकरनकिमरनमीचबनादासकैधौंसारेसन्तअनुरक्तिहै ६६ रामभक्तजीवनिकैज्ञानिनकोमोदमूलकैधौंव्यग्रचित्तनकोधी मविसरामहै। कैधौंसबजगतकीहरतसकलशूलकैधौंखलप्रातिकू लसाधुकोअरामहै॥कैधौंहैविरागिनकोरागकोहरणहारकैधौंमस रक्षाकोकरतबसुयामहैं। पायेनकरोरिमुखमहिमाबखानौंकिमिब नादासरामकथाआनँदकिधामहै ६७जोतौमनवचनकरमह्वैहौंरा मजनशिवजीकेचरणमेंवारेहीविकानजू। जबलगिरहैतनतबल गिनाभैधनभूलेहूस्वपनमेंदेखौआशआनजू॥ कोऊअंगकरिर घुनाथसियजानैंनिजतौतौग्रंथसंतनमेंपरिहैंप्रमानजू। बनादास प्रीतिऔप्रतीतिकरिधरैउर ताकीकछुभवरातिहोइगीबिहानजू ६८ रामखोटचोजनकोवचनप्रतिपालकरैबालबुद्धिकोबिशेषिम ननडरतुहै। स्वामीकोस्वभावशीलसमियाईदेखिकरिकरणी नदेखै निजमोदकोभरतुहै॥ बनादासलोकपरलोकहूकिशो चनाहिंरहतनिशंकनाहिंकालहुडरतुहै। युगयुगजागैयशज नकोनखँगैकछु आलसीअभागीकूरकायरतरतुहै ६९ मोको अभिमानसदालेहौललचैहौ जाहिपावतहौंतातेढीठवचनकहतु हौं।भवकेदरेरकोदलकउरआवैनाहिंतातेभूलिआशऔनबा सनाबहतुहौं॥ तीनिकालतीनिलोकमेंनदूजोदेखिपरैरघुना थजानकीकोचरणगहतुहौं। भीतरनहोतीजगहआवतभरोस किमिबसुयामरामकेनिबाहेनिबहतुहौं ७० कोटिकामधेनुकाम तरुगुणारामनामसुनासाधुलोगनसेग्रंथमेंप्रमानहै। अनुमानहू मेंआवैऊंचीदृष्टिवालेनकेताहिकरिमनबिनदामहीबिकानहै॥यम नगयन्दप्रहलादसेप्रमाणकेतेतातेअहलादउररामनामप्रानहै। बनादासशीलैरघुनाथकोनढीलपरै येतीउरलालसानदिनराति आनहै ७१ सन्तगुरुउपदेशरामनामतनआनश्रुतिउपुराण शास्त्रकरतबखानहै। सोईरामनामआयपरयोभोड़ीबाणिनमें

नामनातेकौनऐसोकरैजोनकानहै ॥ ऐस्योपैनमेरोंभैनआनैरघु
नाथउरसाधुजनमानैनाहिंमेरीकृतजानहै । मेरेमनभूलेहूनकि
यानिरमानमेरोप्रेरकजोप्रेरतसोकरतबखानहै ७२ दूषणहमा
रोगुणभूषणहैरामजूकोदूषणकरोरिगुणाकरणीबिचारेहैं । नार
दगणेशशेशशारदनपारजाहिंसोईरघुनाथसन्तजनउरधारे हैं॥
तबौकलुशोचनाहिंभालभागिपोचपरीरामयशभाषतनमानेहिय
हारेहैं । बनादासअफलनह्वैहैश्रमकेहूभांतिअबैमहामोदउरउ
ठतहमारेहैं ७३ देततत्तकालफलपीछेकिचलावैकौनजोमराम
गुणगावैताकोमुखभेकभो । श्रवणनसुनैतरुखोढ़रसमानश्रुति
होतनरोमांचतनकांटसोअनेकभो ॥ नैनसोबराटसुनिचलैनप्र
बाहधारकंठननिरोधमानौजनमअलेखभो । बनादासदेनकेकु
ठारयोगसांचेहूसोद्रवैजोनहृदयमुखनाहिंदेखबेकभो ७४॥ सवै
या ॥ सुनिकैयशरामननैनबहैजलरोमखड़ेनहिंभेसबअंगा ।
कंठसेबाकनबन्दभईमनगहवरनाहिंभयोसरबंगा ॥ जौनद्रवो
हृदयातेहिकालनहींउपजीउरप्रीतिअभंगा । दासबनातनसोके
हिकामनहाननजोअनुरागकिगंगा ७५ ख्यालगयोनदिशाबि
दिशानहिंमौनभयोमनमूढ़गँवाई । भावनभूलिगईतनकीअनु
रामकहौकवनीबिधिपाई ॥ अंगनमेंशिथिलाईनहींजनुप्रीति
किरीतिमैंदागलगाई । दासबनासुखजानसोईजनबैनऔबुद्धि
नहींमनआई ७६ तौलौनसन्तसराहतभक्तिदशाअसजौलगि
नाहिंनपाई । आठहुयामरहैरँगभीनमनौउनमत्तलखाकिमिजा
ई ॥ साधनकोटिकरैबिनधायकैकर्मअनेकनभांतिकमाई । दा
सबनायमयोगबिरागकरैमखधामअनेकनधाई ७७ पूजाऔ
पाठअचारबिचारऔसंयमनेमअनेकबढ़ाई । शमऔदमदा
नकरैतपबर्तकोसाधनवेदजहांलगिगाई ॥ हैसबकोफलरामस
नेहकहूँकोउंकोटिनमेंयकपाई । दासबनाउपजोअनुरागफलौं
सबसाधनकोतरुआई ७८ हैअनुरागदशाअतिगढ़नहींतेहिकी

कोउहद्दबताई।नृत्यतगानकरैंकतहूँकहुँमौनधरैंगतिजानिनजाई फेरिठठायहँसैंकबहीं जगमाहिंबिलक्षणदेतदेखाई। जक्तपवित्र करैंजनसोतिहुँलोककोतारनग्रंथनगाई ७९ पारसपायडरैंनंद रिद्रहिताकेहियेनहिंमोदसमाई। चाहेंकँगालकहैंसबलोगसुनैं उरमेंअतिसोहरषाई॥ दासबनाअनुरागलहेपरिगैंतेहिकीअ तिपूरिकमाई। पोढ़ीहैंपैड़मिलैंप्रभुकेहितभांतिअनेकपुराणन गाई ८० रामसनेहनहींउपजीनरकेतनकोफलतौनहिंपाई। भूलिपरेजितहीतितहीमतबादअनेकनमानबड़ाई॥ दासबनान इहांसुखपावतअन्तचलेपुनिमूरिगवांई। भागिकेहीनमिलेगु रुपूरणतातेपरीनहिंपूरिकमाई ८१ प्रेमबिनानहिंपारकोऊयुग बारहिंबारबहैंभवधारा। सूझतनावनबेड़ानकेवटजाकरिकैंसत संगबिसारा॥ होयभलाकवनीबिधितेफललागेकहांमहिबीजन डारा। दासबनाचतुरातिहुँकालमेंजोईभजैदशरत्थदुलारा८२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापबिभंजनोनामउभय प्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेतृतीयोऽध्यायः ३॥

सेयेबिनासतसङ्गसनाथनकोटिउपायकरैंकिनकोई। बासना बीजकिभूजनआगिऔमुक्तिकिआकरजानियेसोई॥ कामधुका सुरपादपकेटिनहींमहिमातिहुँलोकमेंगोई। बन्दीहैंवेदपुराण चहूँयुगदासबनानिजनैननजोई ८३ कौनकहैसतसंगमहत्त्वको शारदशेशगणेशथकेजू। चारिउवेदनगाइसकैं कबिकोबिदभां तिअनेकबकेजू॥ कौनअहैचतुराजगमेंअसजोसतसंगप्रभाव अकेजू। सिन्धुसमीपखड़ीअवलोकिहिभांतिसेपारहिजायसकैजू ८४ सम्भरखेतसेहैसतसङ्गपरेसोइसम्भरहोतनबारा। शुकनारदऔसनकादिअगस्त्यभुशुण्डिअनेकनबारपुकारा॥ सूरकबीरगोसाईंकहेसबसन्तनकीनयहीनिरधारा। दासबनाप रमानअनेकबिनासतसंगनहींभवपारा ८५ भूधरभूमिकृशानु नदीतहँसोमऔरसूरकियेनिरधारा। ज्योंजगहेतसदाइनकीग

तितानिधिसन्तनकोअवतारा ॥ जेनिजस्वारथभूलिनदेखतनि
त्यकरैंउपकारविचारा । दासबनाउपमानतिहूँपुरतेईकरैंजगसा
गरपारा ८६ पैजड़ताकोसुभावधरेसबसन्तहैंचेतनरूपअनूपा।
कोटिगुणाकरहैंइनतेबरकैसेकैजानियेसन्तस्वरूपा॥ जोसतसंग
करैमनलायकैवेगिमिलावतकोशलभूपा । दासबनानिजरूपल
हैजिउजातेपरैनहिंसोभवकूपा ८७ धनधामधराधनदेतकोऊप
टभूषणअन्नओपात्रबिचारा। मणिमाणिकहाथीऔघोड़ेकोऊज
लआगिऔदारुअनेकप्रकारा॥विद्याबड़ाईऔतन्त्रहुमन्त्ररसा
यनराजऔस्वर्गकोद्वारा । दासबनाजनसन्तसोदेतनहींजेहितें
जगआवनहारा ८८ विद्याऔवेदपुराणहुशास्त्रपढ़ेबहुभांतिअ
नेकबिधाना । तपतीरथव्रतऔयोगहुयज्ञअचारबिचारऔनी
तिनिधाना ॥ यमऔनियमादिकपूजाऔपाठकरैकोउतींनिउ
लोककोदाना । दासबनासतसंगबिनाकबहींनमिटैजगकोभर
माना ८६ यासबकोकबहींनकरैअरुसन्तकीसंगतिमेंलवला
वै । सर्वबिकारकोधोइसोडारतलैहरिकेपदमेंठहरावै ॥ हंसकरै
बकसेतत्कालहिश्वानहुसद्यमेंबाळाबनावै । ऊँचऔनीचबिचार
बिहाइकैएकहिघाटमेंलैनहवावै ६० तपयज्ञऔदानअचारबि
चारऔभांतिअनेकनतीरथधावै । साधनवेदकहैंजहँवांलगि
आगिहुतापिकैगङ्गनहावै ॥ हाथपसारिकैदेखैतेहीक्षणहोयक
छूतबतौलखिपावै । प्रीतिप्रतीतिसेधावतहैजगकैहैभलाकबहीं
असआवै ६१ सतसङ्गतिसद्यहिकालफलैकरिदर्शनसाधुको
बैठिबिचारै । जोकछुबातसुनैतेहिऔसरबूझैलहैतेहिकोनिरवा
रै ॥ तापमिटैउरकोतत्कालहिहोयसुबुद्धिऔशीतलधारै । दा
सबनाजेसकामीअहैतिनहूँकोअनेकनकारजसारै ६२ जौनिस
कामकरैसतसंगतिऔश्रद्धाउरमेंअतिआवै । सद्यशृगालतेसिं
हकरैपुनिकाकहिकोयलबेगबनावै ॥ शङ्कानहींतेहिमेंकोउभां
तिपुराणहुवेदअनेकनगावै । दासबनानिजनयननदेखिकैकाग

जकोरपैअंकबनावै ९३ जोसुखहैक्षणकोसतसंगमेंताकोकहूं उपमाठहरावै। इन्द्रकुबेरदशादिग्पालजहांलगिलोकपबुद्धि थहावै॥ ऊंचोबड़ोबिधिकोदरजानहिंब्याजहुसेउरमेंकछुआवै। दासबनान्नपसेठमहाजनदुखरूपसोकौनगनावै ९४ मुक्तिउ नाहिंतुलैतेहिकोजेहिकारणहैबिधिकोटिउपाई। तातेबड़ोसबसे सतसंगसोईचतुराजेहिबुद्धिसमाई॥ ज्ञानबिरागहुभक्तिकोआ करताकेसमीपनएकबड़ाई। दासबनापितुऊंचसदासुततेबहु भांतिसबैकोउगाई ९५ मातपितागुरुसन्तसबैकछुरामहितेअ धिकीनसँदेहा। जासुअधीनभयेसबभांतिसेनित्यकियेजिनके उरगेहा॥ ताहीकेद्वारामिलैसबकोसबसंतनकोमतजानियेयेहा। दासबनामहिमाअतिसाधुकितातेकरीनितहीनवनेहा ९६ नाहिं नवस्तुतिहूंपुरमेंजनसंतकेयोगसबैठहराई। रोमहिरोमऋणीसब कालमेंशीशरहैपदकंजनवाई॥ दासबनाकिमिगायसकैमहिमा अतिआननएकहिपाई। तापरबुद्धिहुज्ञानमलीनसदाजनसंतहै मोरसहाई ९७ यावतधर्मबतावतवेदतुलैनहिंसन्तनकीसेवका ई। ब्याजहुसेनतुलैबिधिकोटिनतातेतनौधनऔमनलाई॥ दा सबनाहमरेमतसेपरिगेंतेहिकीअतिपूरिकमाई। कामनाकारण हैजनसंतकल्पतरुकोटिनकामदगाई ९८ निंदाकरैंजनसन्तन कीमुखताकेपरैंकृमिबारहजारा॥कोटिनकल्पलौंनरकपरैंनिकरैंतब तामसकोतनधारा॥ बाघऔबीछीभयेपुनिसांपऔकूकुरकाकह जारनबारा। दासबनाजेहितेपुनिनर्कनजाइपरैकबहींनउधारा ९९ सेवाकरैंनितहीजोइसंतकिऔरनिरादरकैंसबधर्मा। ताते नहींधर्मज्ञहैदूसरपूरणभेतेहिकेसबकर्मा॥हैंतेहिकरतलमेंफलचा रिरह्योउरमेंनहिंदूसरमर्मा। दासबनायकरामसनेहसबैबिधिजा नहुँऔरकुकर्मा १०० जीवनिहैंजगमेंजनसन्तकिऔरभयेमुरदा समसारे। धामधराधनबामगुलामसदाजिनरामकोनामबिसारे॥ श्रायमरेधनहेतललायकैअन्तसमययमधामसिधारे। दासबनान

कछूबनिआयकहानरधैतनकारजसारे १ सन्तसेऊंचानतीनि
हुलोकमेंकोमहिमाकहिपारहिजाई। शंकरबिष्णुबिरंचिबखानत
तेऊनहींपुनिपारहिपाई॥ कौनसकैकबिकोबिदगायसुईमुखनाहिं
सुमेरुसमाई। दासबनामतिहीनकहैकिमिबन्दतपंकजपायँसदा
ई २॥ घनाक्षरी ॥ जैसेबिनबारिदजगतजलदेयकौनऐसेजन
सन्तरामयशभलपायेहैं। मृतकजिआयेजीवधानपानदादुरिसे
अनुभवसागरसेभरिभरिलाये हैं ॥ सलिलकोपायमहिसाहज्यों
अमितहोतज्ञानऔबिरागभक्तिभावउपजाये हैं। बनादाससंतन
कोगुणनबखानिजातकोटिनकलपलगिशारदजोगाये हैं ३ जैसे
कृषीकरममेंकुशलकिसानहोतत्योंहींहरिमारगमें सन्तहूसुजान
हैं। लोहमेंलोहारऔसोनारलोगसोनमाहिंवणिजमेंबणिकऔ
बरईज्योंपानहैं ॥ बनादासऐसेसाधुलोगनानासाधनमेंध्यानऔ
समाधिज्ञानबिरतिबिज्ञानहैं। लहेबोधसम्यकऔभक्तिशांतिभे
दजानैंसहितकैवल्यजैसेपण्डितपुरानहैं ४ पुहुमिसीक्षमापुनिध
रमेंसुमेरुजैसेसोमशितलाईअरुसिन्धुसेअगाधजू।शूरंतामेंसिं
हपुनिनभसेनअन्तमिलैगुणकेनिधानाजिनकाटेभवबाधजू ॥ ज्ञा
नऔबिरागभक्तिभूषितहृदय नित्यहरिजूकोचरणनभूलैपलआ
धजू।बनादासबासनाऔआशकोबिनाशकियेकौनगुणगायसकै
ऐसेजनसाधजू ५ ॥ सवैया ॥ बैरीबिदारितिहूँपुरकेंनिशिबासर
सोवतशांतिपरेजू । संशैसमुद्रकोशोषिगयेउरसम्यकबोधसँभा
रिभरेजू ॥ भूलिनहींगुणवृत्तिवहैपुनितोषुतृषत्तमैपायअरेजू ।
दासबनागतिअन्तसकर्णसदातिनचर्णप्रणामकरैजू ६ जिनके
उरमेंउपजैनकछूअतिशुद्धीलहेरघुबीरभजेते । रामस्वरूपतेईज
गमेंबहुरागऔद्वेषविशेषतजेते ॥ भिन्नभयेसकलोपरपञ्चसेजाइ
कैशांतिकेसेजपरेते । कौनकरैविधिऔरनिषेधकोदासबनाभव
सिन्धुतरेते ७ रामकहावतसोसबगावतजैसनिबुद्धिसोंबूझिहैलो
गा। भाग्यकहाअसभालबसीजेहितेइनभोगकोंभोगिहैभोगा॥

ऐसनैसन्तकृपाकरिहैंतबकोंनिहुँरीतिसेलागिहियोगा ॥ दासब नानकभीदरबारमेंकाकोनकाटिदियेभवरोगा ८ जाबिधिचन्द्र अकाशरहैंजलजीवकहेहमरेसँगबासी । ऐसहिसन्तटिकेपरधां ममेंदेखतजक्तयहांउपहासी॥ सन्तनकीगतिकोऊनजानतमानि येसंन्तसदाअबिनासी । दासबनापहिंचानतसोयहियेजिनकेह रिरूपप्रकासी ६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयो ध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामचतुर्थोऽध्यायः ४॥

सरयूसरिसेसरिनाहिंत्रिलोकहुशोकनशावतिहैंसकनाहीं। ती निहुँतापजरावतिहैंउरभावतिहैंगतिजानिनजाहीं ॥ रामकोरूप मिलैकरुणाजेहिमानहुँसौंपतिहैंगहिबाहीं । दासबनातेहिकीश- रणागतिछोड़िकैऔरकहांफिरिजाहीं १०॥ घनाक्षरी॥ आनीब शिष्ठज्ञानीजानीतीनिलोकमानी मुक्तिकीनिशानीसदासद्यभवमा नी है। चारिफलदानीबरदानीरामभक्तिहूँकीपराप्रेमसानीकर्मका टतसन्तजानी है ॥ सारीगुणखानीपहिंचानीप्रौढ़पण्डितजनसं शयखनिखानीराखैसाधुकुलकानी है। कामक्रोधहानीबनादासब दैबानीऐसीसरयूउरआनीनित्यमेरीमहरानीहै ११ मानसरसे जाईआयअवधरहीछाईनरनारिसकलधाई पापमेटतअधिकाई है। वेदयशगाईसेवैसाधकमनलाईदेतसबकोशितलाईपरंतपूरी कमाईहै ॥ शोभाअधिकाईपुरअवधकीनिकाईरहीअतिहीछबि छाईकरैकहांलौंबड़ाईहै । सिद्धसुरआईनित्यबन्दतशिरनाईजो रिबैठतअथाईबनादासहियेभाईहै १२ सोहतधवलधारापाप काटिबेकोआराभवनउन्नतकिनारानादकरतअतिगँभीरहै। बत्त चक्रवाकहंसबिपुलबिहारकरैंमहिमाअपारभारीभीरतीरतीरहै॥ रामप्रेमआकरओसांकरकलिकालहेत शीतलसुधाकरतीरतीर मेंफकीरहै । बनादासज्ञानीजनयोगीध्यानधारिबैठेरामभक्तभा रीजेफकीरमेंअमीरहै १३ मुक्तिकीपताकातीनिलोकमाहिंशाका

बहतअवधपुरनातापापहरतहाकीहाकाहै । देवनगुणआकाय
शगावतनितजाकाफलपावतपरिपाकादेत मानौभंरिढाकाहै ॥
बांकाबिरदवाकाकबिकोबिदगाइथाका पारनाहींमहिमाकाकहींप
टतरनाहिंजाकाहै । बनादासताकानहिंफाकापरतशरणमाहिंदे
तहैनिसाकासुखमूलबसुधाकाहै १४॥ सवैया ॥ मानसनन्दनि
हैजगबन्दनिकाटतफन्दनिसन्तनगाई। कामहुक्रोधहुलोभनिक
न्दनिमन्दनिमोहहुकेमसिलाई ॥ आलसनासनिपापबिनासनिं
तापनिकासनिसाधुसहाई । दासबनाकबिकौनकहैकरैनारदशार
दवेदबड़ाई १५॥ घनाक्षरी ॥ पापकीपराजैतापतीनिहुअकाजै
कामक्रोधलोभभाजैसरयूप्रबलप्रतापजू । भक्तिसाजसाजैसन्त
सभातटबिराजैकरैं कलियुगकीअकाजैदलैदम्भहूकोदापजू ॥
बीचीछबिछाजैऔबिराजैदिशिउत्तरमेंसुखकीसमाजैअवधअवि
चलमिलापजू।बनादासजीवनमुकुतनकरतदेरप्रीतिऔप्रतीति
लाइकरैनामजापजू १६ ॥ सवैया ॥ जक्तसमुद्रभरोजलपापसे
लक्षणकुण्डयथाबड़वानल । बुन्दकरोरिमिनेकरएकपरैनिशिबा
सरनाशतसोजल ॥ भांतिअनेकसहायकियेतेहितेनहिंबैठबहैक
लिकोशल । दासबनाअस्नानऔध्यानकोभूलतजेपलतेईअहैं
खल १७॥ घनाक्षरी ॥ सरयूसुखराशीशोकसंशयबिनाशीज्ञान
उरमेंप्रकाशीअतिकीन्हेंजलपानते । सकलकलुषनासीभक्तिरा
मजूकीभासीतापतीनिहूँनिकासीनित्यकियेअस्नानते ॥ सर्बबो
धबासीहियआशाकोगासीअतिसबबिधिसावकासीबनादासजा
केध्यानते । कैधौंमोदमालाकैधौंजगतभागभालाबीचीसरयूबि
शालाबिपतिनाशैअनुमानते १८॥ सवैया ॥ रामकिगङ्ककरैमु
खभङ्गजोअन्तसमैयमकेगणआवै । पापबिनाशिकैशुद्धकरैतट
जोईमरैसोबिमानचढ़ावै ॥ कूरमकाकबिगोवतगातलियेसरयूज
लमेंसुखपावै । दासबनातेहिकीअतिभागिकहामहिमाचतुरानन
गावै १९। घनाक्षरी॥कुरुमऔकाकश्वानमीनऔशृगालगीधसर

यूकेजलमेंकलहकरिकिरिकबखाहिंगे।अतिहीभुखाहिंऔहुआहिं
मेरीदेखीदेखांएकनतेएकलीनिलीनिलैजाहिंगे॥बनादासऐहैदिन
मेरोकबभागिवालाकालकलिकालधर्मराजपछिताहिंगे।बैठेबिमा
नपैनिशानकोबजावैंदेव फिरिफिरितनदशादेखिराममिलनजाहिं
गे २० मुरछलकोकरैंसुरकरतेशिरबारबारअस्तुतिरघुनाथजूकी
श्रवणमेंसुनावैंगे।सरयूअयोध्यासंतगुरुनाममहिमाकोआनँदउ
रउमगिप्रेमबिह्वलकबगावहिंगे ॥ बनादासभालभागिमेरीअल
गैहैतबसुनिसुनिआनँदअतिहिउरकोउमगावहिंगे। सञ्चितप्रार
ब्धकींअमानकर्मफूँकिसकहिंबिघ्ननिनशिरपावँदाबिरामधामधा
वहिंगे २१ जहांसोमसूरऔपावककोप्रकाशनाहींवेदचहुँनेति
नेतिनितहींजेहिगावतहै । जाकेलियेसिद्धमुनियोगीनानायुक्ति
करैंसाधकऔज्ञानीसबजाकोललचावतहै ॥ मानुषतनलाभको
प्रशंसाहोततहीहितअतिहीहतभागियलताकीबिसरावतहै। भ
क्तिभावकरिकैउतकएठाउरबारबार बनादासमहिमानामजीवत
जनपावतहै २२ गङ्गाऔयमुनासरस्वतीनर्मदाआदिसरयूसमा
नधेनुमतीनत्रिवेनीहैं।सफराकावेरीनारायणीअनेकसरिसरयूबि
शेषिरामधामकीनिशेनीहै ॥ सेवैकरिप्रीतिमनभावतसोपावतहै
गावतंपुराणफलचारिकीबरेनी है । औरोअभिलाषमनलाखन
सोपूरकरैबनादासबदैसरयूरामरूपदेनीहै २३॥ सवैया ॥ औध
प्रभावअपारसनातनशारदवेदपुराणनगाये । तीनिउलोकतकें
शरणागतिजाकरिकैसबपापगँवाये ॥ दर्शनहोतसबैदुखभागत
शङ्करहूबहुभांतिगनाये। शारदशेषविरञ्चिबखानतरामपुरीसुख
धामसुभाये २४ जन्मधरेजहँब्रह्मपरात्परऔधसेऔधिरहीन
हिंदूजी।तेंतिसकोटिबसेसुरजामहिंआशभलीबिधिसेसबपूजी॥
तीरथकीनरहीगनतीमहिमण्डलकेरहेआयपसूजी । दासबना
तिहुँलोकपरेहैस्वरूपतहांप्रभुराजहिभूजी २५ सहस्रयकादश
कोपरमानप्रभावकहाकोउजाननहारा । चारिवखानिकेजीवतजे

तनजन्मनहींजगदूसरिबारा ॥ साधककोमनभावतिदेतिमिलैं करुणाकरिराजकुमारा । दासबनाउरप्रीतिप्रतीतिटरैंकोउभांतिसेकोटिनटारा २६ तीनिहुँताषकोबेगिबिनाशतगासतसञ्चितकर्मनजाई । दूरिकरैंप्रारब्धहिबेगिनहींक्रियमानहुँलागनपाई ॥ शुद्धकैदेतस्वरूपकोज्ञानऔपापहिज्योंभरनीअहिखाई । दासबनामहिमातबजानिहैरामसियाउरमेंरहैछाई २७ मस्तकसातपुरीकोप्रमाणहैजेजगमेंअतिहीगतिदाई । निरगुणरूपमहेशबखानतराघवकीमहिमाअतिगाई ॥ सरगुणहैसरयूसरिसर्वदाजाकरिऔधरहीछबिछाई । दासबनाजगन्नाथस्वरूपसबैपुरवासीकरैंकोबड़ाई २८ बासकियेतेबिनाशकरैंतिहुँतापनकोनहिंबारलगाई । अंतमेंमुक्तिधरीकरमेंसुखपूर्वकराखतछोहबढ़ाई ॥ प्रीतिप्रतीतिहियेजिनकेनिशिबासरनामरहेलवलाई । दासबनाउरत्यागिविरागकरैंतेहिजीवनमुक्तिसदाई २९ भरैबनायकैंकोल्हूमेंपेरतअल्पाहिकालबड़ोदुखपावै । काशीपुरीगतिदेतमरेपरऔधमेंजीवनमुक्तिकहावै ॥ तीरथराजपचीसहजारसोसम्वतस्वर्ग्गमेंबासकरावै । दासबनायहिभांतिसुनीलखिऔधप्रभावनख्यालमेंआवै ३० ॥ घनाक्षरी ॥ काहेकोजातऔरधामनकोधायधायद्वारकाकेदारबद्रीनाथमनलाये हैं । नीमषारकाशीऔप्रयागहूमेंबासकरैंऔधफलमेरेमतब्याजहूनपाये हैं ॥ हरद्वारमथुराकुरुक्षेत्रजातपुष्करकोबनादासदेखौकैसेघूमतमुहँबाये हैं । सबकोमूलऔधमृषातातप्रतिकूलभये रामरूपसगुणजहांजियतमुक्तिपाये हैं ३१ ॥ सवैया ॥ सेइयेजन्मलौंजन्मकीभूमिजहांरघुनन्दनहोतनन्यारा । गच्छतिएकउपायनहींकहुँऔधसेकौनेहुँकालविचारा ॥ प्रीतिप्रतीतिबिनानहिंसूझतदासबनाकरतेमणिडारा । गुंजागहेअपनीरुचिसेतेहिकोपुनिकोसमुझावनहारा ३२ ॥ घनाक्षरी ॥ औधधामआयऔरधामकौनकामजायरामनामछोड़िऔरनामकाहेलेतहैं । पायनरदेहकियेअचलनउभैनेहबनादासमेरे

शिवकामकियेयशगावोबसुयामहैं। सातहूसेआठनाहिंपस्योमेरी छठीमाहिंछोड़िछलभाषतछिपावोकेहिकामहैं॥ मानैकृत्यनाहिंकृतनिन्दकहैनामताकोपापमुखदेखेवाकोभलेबिधिबामहैं। बनादासऔउरआसीबिनजानैकौनमानमनैनाहिंप्राणहूतेप्रियरामहैं ४६

इतिश्रीमद्रामचरित्रेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापविभंजनोनामपंचमोऽध्यायः ५॥

शास्त्रऔपुराणलोकवेदहूविदितबातरामभक्तिदानीकौनाशिवकेसमानहैं। सेवैंक्रमबचनजोहरहियलायसदाबनादासहायप्रभुप्रेमकेनिधानहैं॥ औढरढरनदेतबांछितबरनशोकसंकटहरनप्रणपूरेभगवानहैं। तारनतरनदुखदारिददरनकूलसरयूअवधमेंनगेश्वरप्रमानहैं ४७ दीनपैदयालभालचन्द्रसेनदूसरोहैखूसरोमरालकरैअमितप्रमानहैं। सेयेबिनशंकरनपूरीरामभक्तिहोतिभवरुजमूरिमोददेनकेनिधानहैं॥ वैष्णवप्रथमरेखकालकर्ममेखमारैंहारैंश्रुतिशारदकोपारजायआनहैं। बनादासमेरेहितअवशिदयालभयेनाथनाथनकेनाथमेरेजानहैं ४८ भोलानाथभूतनाथभैरवभवानीनाथकाशीनाथगिरिनाथनाथहैंअनाथके। दीननाथषीननाथगणनाथनागनाथरुद्रनाथजगन्नाथकहैंगुणगाथके॥ वेदनाथविद्यानाथवाहनवृषभनाथमायानाथसुरनाथदूजोऐसोनाथके। बनादासमन्त्रनाथयन्त्रनाथतन्त्रनाथनाथनकेनाथकरैंसन्तनसनाथके ४९ कालकूटअसनब्यसनभांगभोगीबड़ेनागरहवेकिरुचिशुचिगौरगातहैं। भस्मअंगसारेअरधंगमेंजगतमातआकऔधतूराप्रियअतिबेलपातहैं॥ दशपंचनैनरिपुमनपंचगातबरदशभुजविक्रममें अधिकसोहातहैं। डमरुत्रिशूलचर्मअसिधनुबाणशक्ति जाकीकृपाकोरसुरसिद्धललचातहैं ५० शोभितकमण्डलुबिभूतिगोलाअनमोलाबोलारामनामभोलाप्रणदीनदानहैं। रामरूपहियकंजहेरतसकलकालदारिदकोबित्तजैसेअतिललचानहैं॥ दूजोकोदयालहैत्रि

लोकमेंबिशालऐसोबनादासकाशीजासुमुक्तिकोनिशानहै। चा
रिवेदगावैंशेशशारदनपारपावैं चतुराननहूहारिमानैंकेबखानहै
५१ जटाजूटशीशमृगराजैरजनीशगंगपारबतीअरधंगअंगमें
बिभूतिहै। कण्ठकालकूटगौरगातमेंअनूपछबिकबिकोसराहिस
कैसांपअजगूतिहै॥ नगनअमंगलसुमंगलकोमूलशिवभोगप्र
तिकूलफलचारिकोप्रसूतिहै। बनादासजाकेकृपाकामसबपूर
होतप्रबलप्रतापसकैकलहूनधूतिहै ५२ कामकोहमारनमनो
जबपुजारनत्रिपुरकोबिदारनसकलसुरदेवहैं। ज्ञानऔविज्ञान
धामबिरतिमुकामसदारामभक्तिभाजनकोजानिसकैभेवहै॥बल
वानभटमारिरेखमहिमाअलेखसकैकोसराहिबेषबिकटकुटेवहै।
परमदयालभालभागहैविशालवाको बनादासबदतजोशिवपद
सेवहै ५३ नरमुण्डमालधरनागउरहारधरबिषबिकरालधरसु
ठिशूलधरहै। चन्द्रमासभालधरशीशगङ्गधारधरमृगराजखा
लधरदेतदीनबरहै॥ शक्तिधनुबाणधरचर्मऔकृपाणधरडमरू
सुजानधररामजनहरहै। भांगऔधतूरधरबेलपातभूतधरब
नादासशिवनसनेहनरखरहै ५४ डाकिनीसाकिनीभूतप्रेतऔ
पिशाचगणकृत्यआवैतालमहामारीयातुधानहैं। मन्त्रयन्त्रत
न्त्रजादूटोनासिद्धिसाबरहैबिद्यावेदज्ञानध्यानभक्तिकेनिधानहैं॥
बिरतिबिज्ञानशांतिसावधानसर्बज्ञभोगीकैवल्यरामनामप्रियप्रा
नहैं। बनादासईश्वरस्वतन्त्रऔअकाशरूपाचिदाकाशचेतन
अमलभगवानहैं ५५ त्रिपुरदलनकामकदनअसनबिषबसन
बघम्बरऔअम्बरमेंलीकहै। शूलअग्रनिरमूलनृत्यप्रलैकाल
समैशत्रुउरशालभालबालबिधुनीकहै॥ महाबिकरालबेषशेष
नसराहिसकैतकेसुरशरणसदहिंश्रुतिठीकहै। बनादासबिरद
बिदितलोकवेदहूमेंरामरसरसिकसकलजाहिफीकहै ५६ गुणा
तीतगूढ़गतिमतिनसकतिकहिअतिहीअचेतजोनऐसोदेवमान
ते। रामनप्रसन्नहोततासनकदपिकालचन्द्रभालचरणनरति

उरआनते ॥ ब्याकुलत्रिलोककालकूटज्वरजरेजातपरमकृपाल करिलियेबिषपानते । बनादासऐसोउपकारीकोत्रिकालमाहिं त्रिपुरबिनाशकियेपरहितजानते ५७ सुवनगजाननषड़ाननप्र तापअतिबुद्धिकेनिधानसुरसेनपसुजानजू । शक्तिपार्बतीभ क्तिरामकेनिरतचितहितकियेदेवहतेशुम्भवलवानजू ॥ चण्ड मुण्डरक्तबीजमहिषनिशुम्भदलेसारोपरिवारपरहितमेंसयानजू। बनादासपांवरपतितनीचपोचअतिमानतबिरोधअतिमूरुखअ यानजू ५८ शङ्करबिरोधीसुखलहैंतीनिकालहूनश्रुतिऔपुरा णमेंअनेकनप्रमानहैं।रामभक्तचिह्नअनुरागमहादेवपदभक्तिहि तभावताहिकामनानआनहै ॥ होहिंजोप्रसन्नरामप्रेमतौअभंग देहिंजातेभवभंगफिरिरहतनभानहैं । ज्ञानऔबिज्ञानजातेशां तिहूकोभागीहोतबनादासदूजोकोमहेशकेसमानहै ५९ देवन केदेवमहादेवजूदयालुबड़े बैष्णवमेंअग्रतजीसतीअसिनारी है । शिवतेबिशेषप्रियकोउनरघुनाथजूको नामरूपधामय शप्रीतिजासुन्यारी है ॥ इष्टदेवरामजाकेदूसरोनकामकछूनिशि दिनभजनकिसूरतिसँभारीहैं । बनादासमेरेमतअतिहीसचेत सोईछोंड़िछलजाहिशिवप्रीतिअतिप्यारी है ६० बिष्णुहैंगणेश साखिप्रगटपुराणमाहिंगीताकृष्णकहेषटमुखहरहमहैं । सातपु रीअहैमोक्षदायकजगतमाहिंसाढ़ेतीनिसाढ़ेतीनिन सिवायकम हैं ॥ ऐसनप्रमाणकोनमानतअजानलोगदेखिपरिस्यांगकरैंजो नमानैसमहैं । बनादासनरतनपायकाबिचारकियेपियेलाजधो यताहिरामरूपयमहैं ६१ गरलअसनदिगबसनदिनेशतेजसु वनगणेशऔकलेशहरहदभो । मुण्डमालचन्द्रभालडमरूक पालकरब्रेषबिकरालजासुबाहनबरहदभो ॥ परमकृपालकालहू कोकालशत्रुशालदीनपैदयालबरदेनकोमरहदभो । बनादासचा रिफलकरतनिहालताहिध्यानहरहियेदोष दारिदगरदभो ६२ काशीमुक्तिदायकअलायककोअवलम्बतापहरैहेत शशिमानहुँ

शरदभो । सिद्धसुरबन्दतअनन्दतसकलभांतिअकलअना
दिवेदबिदितबिरदभो ॥ बनादाससेवतमहेशकामक्रोधलोभक
पटपखण्डदम्भसाधुनकोरदभो । पायनरदेहनसनेहजाहि
शिवजूसोंबातबिपरीतिताहिमायामोहमदभो ६३ रामतत्त्वगु
रुशिवमानैमनबारबारभारीउपकारममकियेवृषकेतुहै । जाते
जगरुजनाशबासपरधामहोत ऐसनकृपालुभूलैअतिहीअचेतु
है ॥ शोचकोबिमोचनत्रिलोचनसमानकौनपोचनकोपरिता
पतिहूँकालदेतुहै । बनादासबिरदबिदितलोकवेदहूमेंशङ्करकृपा
लुतासदहिंभवसेतुहै ६४ सुवनप्रभंजनसकलदुखगञ्जन
सुजनजनरंजनअमितबलबांकोहै । ज्ञानबोधआकरदिवाकरप्र
तापजासुशीतलसुधाकरसेरामप्रेमछाकोहै ॥ बुद्धिमेंबिनायकंअ
लायकसहायसदाप्रभुगुणगायकशृंगारबसुधाकोहै । बनादास
बाँदरऔभालुकियेसबैकामएकहनुमानफलपायेपरिपाकोहै ६५
दैत्यदलदाबिकैलषणहेतमूरिलायेजानकीहवालरघुनाथकोंसुना
येहैं । फूँकिलंककरिउतपातपुरबारबाररावणगुमानमथिअक्षयन
शायेहैं ॥ गोपदसेनांघिसिन्धुनानाबिधिकामकियेखीशकरिबाटि
कामधुरफलखायेहैं । कालनेमिमारिलायेकुधरउपारिसेतहेतअग्र
कारबनादासमनभायेहैं ६६ बिरहपयोधिकाढ़ेभरतकिबांहगहि
रामआगौनऔधजलवृष्टिदियेजू । धानपानकेसमानजरेपुरलो
गसबशोककोनेवारिताहिहरेहरेकियेजू ॥ नृभराअनन्दनृत्यरा
जगादीमहामोदरामप्रेमकोशृंगारआवैंसुठिहियेजू । बनादासभ
रतलषणरामजानकीसोधनिककहायनिजऋणीताहिकियेजू६७
उपमानती निलोकहनुमानकेसमानदुखसिन्धुडूबतसुकण्ठताहि
सेतभो । पीठपैचढ़ायरामलषणमिलायदियेकारणमिताईकरबा
लिबधहेतभो ॥ सेनअग्रकारकियेरामउपकारजिनबालपनमाहिं
बालरबिलीलिलेतभो । बलकोनिधानज्ञानभानकेसमानसदारा
मकोदेवानराजऔधकोसचेतभो ६८ इन्द्रचोटचूरकारिमहाअ

भिमानमथेबंधेदुखदुसहबिभीषणसहायभो । भौनकेसमेतह्वैसु
खेनकोउठायलायोमेघनादवधहेतकरतउपायभो ॥ जबजबयुद्ध
मेंथकितकीशभालुभयेतबैतबैंदैत्यनकोअतिदुखदायभो । महि
माकहतहारैंशारदासहस्रमुख बनादासरामदासहितअधिकाय
भो ६९ तेजकोनिधानगानगन्धबतेकोटिगुणामहाबलवानधीर
वानहिमवानजू । बज्रनखदशनबिकटबिकरालबेषभृकुटीकराल
कालकुलयातुधानजू ॥ चण्डमुञ्जदण्डपिङ्गनयनबिशाललूम
लीलाअतुलितवेदरीतिमेंसुजानजू । बनादासस्वपनमेंगतिजा
हिदूसरीनरामयशश्रवणऔनामप्रभुप्रानजू ७० रामयशसुनत
पुलकतनरोमसारेशिथिलशरीरजललोचनढरनहै । पोचनकोप
रितापपापतीनितापनाशैसाधुनकेहेतजासुसदहिंपरनहै॥बनादा
सबिदितजगतगुणनाथजाकोराखैसुष्टुरूपगतिजाहिकेशरनहै ।
बिग्रहमहेशकोकलेशमेंसहायकरै दीनहितकारीपुनिऔढरढरन
है ७१ अर्जुनपराजैव्यालसूदनकोमथेमानसुरसापछारिलंकिनी
किघातकरी है । सिन्धुकासँहारियातुधानकेतमारिडारेअवनिप
छारिलङ्कउतपातपरीहै ॥ बन्दीछोरबिरदबिदुषबरदेशसुठिअञ्ज
नीसुवनसदासाधुश्रमहरीहै। केशरिकुमारयशगायकौनपारजाय
बनादासतासुबलअवलम्बधरी है ७२ आननअरुणयातुधान
वनधूमध्वजसन्तजनकञ्जभास्करकेसमानभो । महाबलीकच्छ
पीठिगोड़नकिगाड़ैपरीत्यागीमियनाकबिसरामकोनकानभो ॥ ध
सकतधराकटिशेशकिमिसकिजातभूमितल पांवकोपिदेतहनुमा
नभो। कम्पदशशीशदैत्यदेखिदवकतमहिबनादासदलिमेघनाद
बलवानभो ७३ नांघिकैसमुद्रदियेमुद्रिकासपदिजायसियाशोच
बिटपनिपातहेतगाजभो। अतिहीनिशंकघूमिघूमिदाहेलंकजिन
रावणकटककरिमहामृगराजभो॥बनादासमूरिरिखवारनचपेटिमा
रेकालनेमितीतिरसेहनुमानबाजभो। कोटिकोटिकामकियेरामको
रहितमानकपिदलदूलहसोमेरोसुखसाजभो ७४ पापिनीपिशाच

चिनीजोजानकीदेखायेत्रासशीशकेशकरषिकैंशोककोसमाजभो। गर्जिकैंगवनगर्भपातसारीलङ्कतिय निजदलमिलोअतिआनँद कोसाजभो ॥ कपिराजबाटिकाकोखायेफूलबेगिजायचूड़ामणि दियेमहामोदमहराजभो । बनादासकलिकालजगतबेहालकिये साधुजनरक्षाहेतरामकैसोराजभो ७५ औधरजधानीराममुक्ति कीनिशानीसदामानीमनजाहिताहिअतिअभिरामभो । सकल भरोसआसतजिदृढ़बासकियेलियेफलजनमकोतासुपूरकामभो। आयोकालकठिननसाधनकरतकामबनादासनामअवलम्बपरि णामभो । प्रीतिऔप्रतीतिकरिजोईलवलायरहैंमेरेमतजीवनमु कुतबसुयामभो ७६ ॥ सवैया ॥ रामसेनामअयोध्यासेधामरहै बसुयामयहीजकलाई । गानकरैंनितहीप्रभुकोयशदासबनापद ध्यानलगाई ॥ चातकसेजलऔरतजैंजहँबातकसाधनवेदबता ई । कागदकोरपैंबादिलिखौपरिजायभलीबिधिपूरिकमाई ७७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयो ध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामषष्ठोऽध्यायः ६ ॥

घनाक्षरी॥रावणबिभीषणऔकुम्भकर्णमहाबीरकियेतपदुष्कर सोबरणिनजायेहैं । एकहीअँगुष्ठकेबलखड़ेभूमिकालबहुपवनअ हारउभैबाँहकोउठाये हैं ॥ बनादासरबिदिशिदेखितननैनफेरैंशंक रबिरंचिअनुरागबशआयेहैं । माँगोबरकेहहमकाहूकेनमारेमरैंबाँ दरमनुजयुगजातिकोबरायेहैं ७८ एवमस्तुकहिपुनिआयेकुम्भ कर्णपासदेखिबिकरालबेषबिधिशोचकियेहैं । जोपैखलकरिहिअ हारप्रतिबारखरविश्वकोबिनाशतबउरठीकदियेहैं ॥ शारदकोप्रे रिपुनितासुमतिफेरिदईमाँगेषटमासनींदसुखीनिजहियेहैं । बना दासबहुरिबिभीषणकेपासआयेमाँगो बरदानतातभावतजोजिये हैं ७९ सजलनयनतनपुलकमगनमनकंठगदगंदकरसम्पुटको कियेजू । करमबचनमनभक्तिभगवंतपदयेहीबरदीजैऔरबास नानहियेजू ॥ एवमस्तुकहितासुभागिकोसराहिपुनिद्वैप्रसन्नदोऊ

देवभौनमगालियेजू । बनादासपायबरदानबड़हरषानरावणकट
कजोरिमिहामोदजियेजू ८० सिन्धुमध्यगढ़लङ्ककनकखचितम
णिदुर्गरजधानीदैत्यदेवथान्हाकियेहैं । यक्षपतिरक्षककरतरक्षान
गरकेरिरावणहवालजानिजायघेरिलियेहैं ॥ प्रबलप्रतापीजानि
जीवलैपरायगयेगयोपुरमध्यदेखिसखिअतिभये हैं। बनादास
निजतुल्यजानिरजधानीकियेरावणसबहि यथायोग्यभौनदियेहैं
८१॥सवैया ॥ मयतनयाकोबिवाहिदईमयदानवलङ्करचीजेहिके
री। पायसुनारिसुखीदशकंधरबंधुबिवाहिसिदोयनदेरी ॥ पूतऔ
नातिउबढ़ोपरिवारमनोघनभादवँघेरिअँधेरी।दासबनाबरणैकवि
कौनलहैरसनासहसाननकेरी ८२॥ घनाक्षरी॥ सुतमेघनादकुम्भ
करणसेबंधुजाकेप्रबलप्रतापप्रथमहिभटरेखहैं। इनसेअमितचि
तबसतनदयाभूलिमहावीरबिकटकठिनकूरबेखहैं ॥ बनादासब
सतअशंकलङ्कमध्यसदातीनिलोकअहतंककम्पमानशेखहैं ।
जाकेभारकोलअरुकूरमकचरिजातजबैकोपकरि सैनसाजतअ
लेखहैं ८३ अनीअतिकायअरुत्रिशिराप्रहस्तआदिप्रबलम
होदरअकम्पनसेबीर हैं। धूम्रकेतुकालकेतुखरकेतुश्वानकेतुदु
र्मुखकुलिशरदमकराक्षधीरहैं ॥ सिंहनादबज्रदंतरक्तनैनमहाबल
सुरघातीदेवघातीहेतपरपीरहैं । बनादासद्विजघातीनरघातीग
ऊघातीताम्रअक्षलक्षलक्षधरेधनुतीरहैं ८४ जीतेलोकपालदि
शिपालनिजबाहुबलबिष्णुसेसमराकियेबैकुण्ठजायकै । धर्मराज
कोपरास्तकरिनर्ककुण्डपाटेकठिनकठिनपारलहैकोगनायकै ॥
भानुसोबोलायहारिमारिमारिजीतेसुर मेघनादनिजबशइन्द्रकिये
जायकै । बनादासशिवशैलसहजउठायलईपुष्पकबिमानलायो
धनदकोधायकै ८५ महिऔपतालनाकनाकनमेंदम्भकियेखल
हुलसतअतिबलनितनयोहै । अजयभईचारिजंघबलिद्वारा
बावनपैबूढ़िएकश्वेतद्वीपासिंधुनाइदयोहै ॥ धरेहैंसहस्रबाहुताही
दुखपायबहुजायकेपुलस्त्यमुनिसोंछोड़ायलयोहै ॥ बनादासब

लिकौंखमासषटबासकियेदियेहैंकुवेरशापअतिभीतभयो है ८६
बैठेसभाएकबारकोपिदशशीशकहेमेघनादआदिसबसुभटहँकारे
हैं । सदासुरबैरीसोंपरायजातनामसुनियुद्धकरैंसामनेनकायरबे
चारेहैं ॥ होमऔशराधयज्ञजीवनहैंदेवनकीकरोधर्मभ्रष्टतबम
रैंबिनामारे हैं । बनादाससहजमेंकैहैंबशआयसबचाहौंसोचला
वोराहकितौमारिडारे हैं ८७ चलेउतपातीजीवघातीमेघनाद
आदिसकलजगतनिजबलजेरकिये हैं । होमयज्ञतर्पणऔपूजा
पाठनाशंकरैंसाधुविप्रमानैंजोईताहिमारिदियेहैं ॥ बेदजेपुराणप
ढ़ैंगढ़ैंताहिअंगअंगगुरुपितुमातुकोऊमानतनहियेहैं । बनादास
कम्पमानसकलजहानभयोआपुधायधायधर्मनाशकरदियेहैं ८८
चौदहभुवनबशकियेनिजबाहुबल उथलपथलसबवोरअहतंक
भो । आगिपौनयमआदिमृत्युहूकोकाबूकियेभानुसोमत्रासमा
नजबैध्रुवबंकभो ॥ महाउतपातगातसूखिगयेजीवतजेनिशिदि
नइन्द्रलोककम्पितसेपंकभो । महाभीरपरीधीरधरतनकहूंको
ऊबनादाससमयएकरावणनिशंकभो ८९ जपतपयोगव्रतमख
नकरतऋषिकेतिकनिशाचरनमारिमारिखाये हैं । तीरथगवमने
मकरैनअचारमुनिसुनिपरैंहरिकथाकहूँनसुभाये हैं ॥ तालकूप
बावलींनधोखेखँदैपावैकोऊबाटिकाऔबागकहींजातनलगायेहैं।
बनादासग्रामपुरनगरलगावैंआगि बिनहिंकसूरनरनारिजारिना
येहैं ९० गऊद्विजकरतअहारखलमारिमारिपरत्रियरमतबधत
बालघनेहैं । शारदऔशेशनसराहिसकैंपापमितिअतिहिअनी
तिकविकहांलौंगनाये हैं ॥ नरनागदेवकन्याबरतबजोंरीकरिचो
रीतेबचतनाहिंकरैंकौनमनेहैं । बनादासज्वारीचोरलम्पटलबार
बाढ़ेमदपियापापीजगहूमेंबहुजनेहैं ९१ मेघकरैंसफापुरलंकग
लीघूमिघूमिनिशिहुदिवसपौनभाड़ूबरदारभो । यंमंकोतवाली
करैंपरैनेकफेरनाहिंआठहूपहरमेंकृशानुपाककारभो ॥ चन्द्रमंद
बुद्धिकिमिबोलतसभानइन्द्ररुचिमनघामभानुदसवदेनहारभो ।

बनादासनितहीपुजावनमहेशत्र्प्रावैं पावैंनबिलम्बउरसदाहिंखभा
रभो ९२ भृकुटीबिलोकैंलोकपालदेवबारबारदिगपालकम्पित
सदाहिंडरजाकेहैं । पढ़ैंवेदब्रह्माद्वारजाकोरुखराखिराखिमाखिज
निउठैउरत्र्प्रतिभीतताके हैं॥ बनादासत्र्प्रतिहीप्रतापदशशीश
बढ़योउपमाठटोरिकविजनयहिथाके हैं। कहैगोप्रभावकोऊराव
णकोकहांतकब्रह्मनरभूपभयोत्र्प्रायहेतवाके हैं ९३ वेदबिधिवि
गतभोधर्मनिरमूलजगसाधुमुनित्रसितनिशिदिवसशंका । योग
जपयज्ञतपदानंब्रतनेमनहिंसर्बहियेहर्षहरेभूपलंका ॥ भंक्तिबैरा
गत्र्प्ररुज्ञानबिज्ञानभेभोरकेनखतसेत्र्प्रतिमलीना । कन्दराखोह
निर्जनविवेकतहुंकोउत्र्प्रतिसशंकितरहतसाधुदीना॥ भूमित्र्प्रति
भीतसंतप्तसुठिशोकबशलोकत्रैत्रसितरावणाबिरोधा।धेनुद्विजद्रो
हबशमोहउतपातकृतसुवशकरिचतुर्दशभुवनशोधा॥ साधुमुनि
सिद्धसुरसकलबहुबिकलभेकहाप्रभुबुद्धिबलहेरिहारे । ईशउपदे
शतेतुष्टमनपुष्टभोतबैजैजैतिब्रह्माउचारे॥जोरित्र्प्रंजुलिबिनयकर
तगदगदगिरापुलकसर्बांगहगनीरधारा। पीरपरजानिसुखखानि
करुणाभवनश्रवणाकियेबेगिदेवनपुकारा । गगनगम्भीरबानी
भईताहिक्षणडरौमतिदेवमुनिसिद्धिलोगा । तुमहिंलगिमनुज
त्र्प्रवताररघुकुलधरौंसद्यहीहरौसबजगतशोगा ॥ भालुमर्कटब
पुषधरोसुरसर्बमिलिजोरिकैकटकमहिरहौपूरी । महात्र्प्रानन्ददु
खद्वन्दतेबिगतसबप्रगटभेभूमिबलतेजभूरी ॥ कन्दराखोहगि
रिगुहाकाननभरेचिन्तवनकरतत्र्प्रतिदिवसराती । बनादासके
हिकालत्र्प्रवताररघुबंशमाणि सकुलदलसहितरावणनिपाती ॥
मासमधुनौमिसितभौमबासरशुभमध्यदिनत्र्प्रवधत्र्प्रवतारलीना।
सहितत्र्प्रंशनप्रगटभूपदशरथभवन नृपतियुतनारिकृतकृत्यकी
ना ९४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेत्र्प्रयोध्या
खण्डभवदापत्रयतापविभंजनोनामसप्तमोऽध्यायः ७ ॥

छप्पै॥मुकुटशीशद्युतिभानुकनकनानामणिभ्राजै।मेचककुंचि
तकेशजाहिअवलीअलिलाजै॥ मनहुँअहिनिकेबालअमितल
पटेलटकेहैं। कुण्डलमकराकारकनकअतिहीचटकेहैं॥ अधर
दशनबरअरुणघनविम्बाफलदाड़िमकदन। कहबनादासमुख
शरदशशिमर्कतद्युतिशोभासदन ९५ नासाचारुकपोलकंजदृग
भ्रूसुठिबंका। पटतरदीजैकाहिकामधनुलागतरंका॥ शोभितभा
लविशालतिलकतामेंयुगरेखा। केशरिकनकलजातअचलदामि
निजनुदेखा॥ बंकविलोकनिमनहरनिमन्दमन्दविहसतबदन।
कहबनादासविद्युल्छटाकोटिकोटिउपमारदन ९६ वृषभकंधहरि
सरिसचिबुकधरग्रीवबृहदउर। मुक्तमालबनमालरेखलक्ष्मीपद
भूसुर॥ कनकबरनमनहरनयज्ञउपवीतसोहाये। भुजअजानुबर
चारिपीनकरिकरहिलजाये॥ गदाचक्रधरपदुमयुतकरकंकणअं
गदसुभग। कहबनादासबहुमणिजटितजाम्बूनदअगणितसुनग
९७कटिकिंकिणीरसालरटतअतिमुखरसोहाये।मनहुँकमलकेम
ध्यरहेअवलीअलिछाये॥उदरनाभिगम्भीरअधिकात्रिबलीचित
चोरै। जामाझीननवीनकनकद्युतिदमकतकोरै॥ पीताम्बरकटि
जनुतड़ितचंचलतातजिकैरही। कहबनादासनहिंकोटिमुखशो
भाकवनीविधिकही ९८ पीनजानुमनहरैलसतरोमावलिशोभा।
कमलचरणकोध्यानभागभाजननहिंकोभा॥ नूपुरध्वनिमनहरै
तरैभवनिधिजेहिदेखे। तेहिपदसेयेविमुखतासुगिनतीक्यहिले
खे॥ अंगअंगबहुकामछबिअद्भुतरूपनिहारिकै। कहबनादास
जननीचकितरहीनसुद्धिसँभारिकै ९९ मन्दमन्दमुसुकायपूर्वकीक
थासुनाई। कौशल्याकरजोरिरहीचरणनलपटाई॥ केहिविधिअ
स्तुतिकरौंनाथमहिमातवभारी।नारदशारदशेषवेदचहुँनेतिपुका
री॥ममसुतजोआचर्यबड़जगउपहासीबातयह।कहबनादासप्र
भुप्रेमबशसमुझाईसंक्षेपमह १०० पुनिबोलीकरजोरितातताजिये
यहरूपा।कीजैबालविनोदयहैसुखपरमअनूपा॥ सुनिजननीकेव

चनबालक्कैरोदनठाना। जोयोसुतकौशलाभौनभीतरसबजाना॥ धाईदासीद्वारपरसुनिनरपतिश्रानन्दश्रति। कहबनादासपुरबा जनेमंगलगानश्रनूपगति १ तुरितबोलिमुनिरायनन्दिमुखश्राद्ध कराये। सौमित्राकेकयीयऊसुन्दरसुतजाये॥ राखेगुरुगुणिनाम रामलक्ष्मणरिपुसूदन। भरतश्रमितपरभावकहतश्रतिथकितस हसफन॥ श्यामगौरजोड़ीयुगलजननीनिरखतमनहरन। कह बनादासपुरजनसुखी मेरेजीवनप्राणधन २ दियेद्विजनबहु दानयाचकनकियेश्रयाची। लेनहारजनुधनदबातमानोंयहसां ची॥ हयस्यन्दनश्ररुनागदियेबाहनविधिनाना। धेनुवसनपु निश्रन्नश्रवनिकिमिजायबखाना॥ मणिमाणिककंचनरतनमन भावतभूपतिदिये। कहबनादासपटतरकहासबनेवश्चाचरिजोकि ये ३ कीरतिश्रमलश्रनूपश्रमिततिहुँपुरमेंमाची। कोपटतरक बिलहैमातुजौनीविधिराची॥ कबहूंगोदविनोदकबहुंपालनेभु लावैं। कौशल्यायुतमोदपौढ़िपयपानकरावैं॥ पीतझीनझँगुली लसतकुञ्चितकचगभुवारबर। कहबनादासजेहिस्समगनकागभु शुण्डीश्रोरहर ४ कबहुँभूपलैगोदकबहुँजननीबलिजावै। हलरा वैदुलरायमगनमनसोहिलगावै। छबिनिरखततृणतोरिचोरिचि तजालसुभाये। करपदचूमतबदनकबहुँउररहातिलगाये॥ कौ शल्यासेसुखश्रवधगावहिंशारदसहसफन। कहबनादासकिमि पारलहशिवचतुराननश्रगममन ५ रातेकरपदश्रधरकुलहिया पीतसोहाई। हरिनखसजतश्रमोलकंजदृगश्रतिछबिछाई॥ कु टिलकेशगभुवारशीशटोपीसुठिराजी। तोपीशोभाकामश्रगश्र गणितछबिछाजी॥ दुइदुइदशनसोहावनेतोतरिबोलनिमनहर नि। कहबनादासप्रभुबालगतिसकैनशारदश्रुतिबरनि ६ क टिकिङ्किणीश्रमोलपायँपैंजनियांबाजै। करिकेशरिकोतिलकभा लश्रतिहीछबिछाजै॥ श्रँगुठामेलतबदनकिलकिकहुँबांहउठा वैं। सुभगपहुँचियाकरनकहांपटतरकबिपावैं॥कबहुँभुलावतपा

लनेगावतसोहिलमनहरण। कहबनादासमातामगनउरलावत
अशरणशरण ७ सुखसमुद्रमेंपरीज्मतनिशिदिननहिंजानै। प
यँप्यावतउरलायबाललीलाकरगानै ॥ बहुमाणिकमणिखचित
अजिरशोभाजनुजागे। सुभगरामसुखधामघुटुरुवनधावनला
गे ॥ करगहिकौशल्याकबहुँपगनसिखावतमहिचलन । कहब
नादासपाटीपकरिखड़ेदेखिभूपतिमगन ८ नृपउछंगलियेराम
समययकअधिकदुलारे । गोदकौशलालषणलगेप्राणहुतेप्या
रे ॥ कैकेयीरिपुदवनलायहियसुखसरसावै। सौमित्रालैकांखभ
रतमनबहुविधिभावै ॥ सुखशोभाभूपतिभवनमौनलईशारदनि
रखि. । कहबनादासआनँदसमयहियहुलसतकोसकपरखि ९
केशभँडूलेभीटिकबहुँअतिहीमचलावै । लखिरुखभूखदुला
रिदौरिजननीउरलावै ॥ पियतपयोधरचोपिचपलचितवनिति
रछोहै । कबहूंचलतपरायठुमुकिनूपुरमनमोहै ॥ श्यामगौर
जोड़ीयुगलबिहरतनृपआंगननितै । कहबनादासआसनकम
लमनहुँदेतमहिअतिहितै १० अजिरमणिमयीखचितचरणवि
चरतचहुँभाई। पगपगपूजाकंजदेतअतिहीछबिछाई॥ नखशि
खशोभाधामपीतभँगुलीपहिराये। अनखाअतिहिअनोखबघ
नहाचितहिचोराये ॥ घुँघुवारेगभुवारकचरचेमातुमनलायकै।
कहबनादासटोपीकलितकौनसकैकबिगायकै ११ सुठिशोभाअ
वलोकिरहततनसुधिनाहिंमाता । मगनअतिहिबसुयामकहांनि
शिऔदिनजाता॥ खेलनलागेखेलबंधुचहुँआंगनमाहीं । तृ
णतोरैंलखिमातुचरणपुनिपुनिबलिजाहीं ॥ कनकखटोलीप्याय
पयकौशल्यापौढ़ावती। कहबनादासछबिअगममनजबपटपीत
ओढ़ावती १२ अम्बरअमितविमानरहतनितहीसुठिछाये । दे
खतबालबिनोददेवबारिधिपटलाये ॥ ब्रह्मादिकतेहिसमयच
हतदशरथगृहबासा । उत्कंठाउरअमितभयेनाहिंदासहुदासा ॥
छद्मज्योतिषीशम्भुह्वैविपुलबारभूपतिभवन । कहबनादासउर

प्रीतिबशबारंबारकरतेगवन १३ कौशल्यापगनायकमलकररा
मदेखावै। परसतशिवचितलायकहतलक्षणसुखपावै॥ मुनिम
खराखनकहेबहुरिऋषिबधूउधारण। तोरिशरासनईशसीयब्यां
हबजेहिकारण॥ इनहिंसुमिरियोगीशसिधिभवसंकटमेटतसदा।
कहबनादासमहिभारयेहरिहैंसंक्षेपैवदा १४॥ घनाक्षरी॥ मांगै
चंद्रखेलनकोजननीबुलावैकरभावैनाहिंमचलावैहठकैअरतुहैं।
पात्रभरिपानीआगेधरेमातुआनी तातंलीजैचन्दाचोपिधायकर
पकरतुहैं॥ आवतनहाथमुखबावतसोखानहेतअतिहीसमीपदे
खिकबहूँडरतुहैं।बनादासऐसेनानाचरितकरतप्रभुजननीसकल
पितुमोदकोभरतुहैं १५ छोटेछोटेकरपायँजाहिकंजसकुचायछो
टीछोटीकरजनखनद्युतिनोखी है। पांयपैंजनीकटिकिंकिणीमुखर
अतिभँगुलीनवीनभीनपीतछबिपोखीहै॥ मातुरचेचिकुरति
लकसुबनायेभालमानोंप्रतिअंगमेंअनंगद्युतिसोखीहै। बनादा
सअनखाअनोखेहरिनिखउर सूरतिसँभारिनखशिखरूपजोखी
है १६ पावतनपारशेषशारदसमुद्रबुद्धिमशककेफूंककहूँउड़त
सुमेरहै। दांतीदुइदुइदमकतहँसनिहरतमनकलबलवचनसुन
तसुखढेरहै॥ ताकैंतिरछोहैंबंकभौंहैंसुठिनीकलागैबालकस्वरू
परूपधनकेकुबेरहै। बनादासदूरिकिहेताहिसदादूरिजानोकहेजो
समीपताहिनिपटहिनेरहै १७ कंजपायँकंजकरकंजनैनकंजमुख
नीलकंजदेहद्युतिमर्कतफीकहै। तुलैनयमुननीरबारिधिगँभीर
नाहिंउपमासकलमानौकहनकिलीकहै॥ समनतमालतरुगग
नकिगनैकौनकामहैनकामयातेकोटिगुणानीकहै। बनादासमा
नौजीवजरनिकिमहामूरिकहैकोऊकोटिमेरेमतयहीठीकहै १८
आजुमचलावैरोवैपियतनक्षीरनीकेकाहूदुष्टनारीकीनजरिपरिग
ईहै। अतिअनरसेनेककलनपरतलालयुगुतिकरतमोहिंबड़ीबे
रभईहै॥ धाइकैसुमित्रालोनराईलैउतारेशीशतुरितअनलमा
हिंताहिनाइदईहै। बनादासकौशल्याअमितदुचित्तदेखिगुरुहि

हँकारवेगिभेजेकैकेईहैं १९ आइकुशहरेमुनितुरितअनन्दभयो सिद्धिमंत्रनरसिंहटरतनटारे हैं । किलकिहँसतठुनकतपयपीवैं हैंतजननीसचेतगोदराखिकैंदुलारे हैं ॥ पियेरामक्षीररसबहीकि पीरदूरिभईकहतहमारेमुनिनाथरखवारे हैं । बनादासभानुकुल विघनहरणहारसदहिँसँभारकैंअनेकदुखटारे हैं २० दियेदान द्विजनकोजननीअनन्दयुतभूषणबसनमणिमाणिकअमोलेहैं । रजतकनकअन्नधेनुमनभांवतजे भूसुरअशीशबरआननसोंबो लेहैं ॥ चिरंजीवसुतदशरत्थचारिचिरकालजबलगिमहिनसुमे रुगिरिडोले हैं । बनादासनेवतिजेवांयेबहुब्राह्मणकोषटरसभो जनअशीषौंहियखोले हैं २१ ॥ छप्पै ॥ एकसमयविधिइन्द्रआदि सुरगवनकिये हैं । मिलनहेतकैलासशिवहिसुठिमोदहिये हैं ॥ कीन्हेबन्दनविनयहर्षिबोलेवृषकेतू । कारणकहौबुझायअमर आयोकेहिहेतू ॥ सकलकहेदर्शनलियेअंतर्यामीआपुहर । कह बनादासशिवकृपाकरिकहेचरितप्रभुकलुकबर २२ रामलियेअ वतारअवधपुरदेवनलागी । ब्रह्मसच्चिदानन्ददरशपावहिंबड़ भागी ॥ कबहुँगयोकोउनिकटकरतप्रभुबालबिनोदहि । बिहरत भूपतिअजिरकबहुँजननीसुठिगोदहि ॥ कहेसकलसुरहरषिउर तुमअनुरागीरामके । कहबनादासभूलेविषयहमसबनहिंकोउ कामके २३ महादेवनिजकथासुरनसोंसकलसुनाई । जेहिविधि आवतअवधरामदरशनललचाई ॥ उत्कंठाउरबढ़ीपरैबिनलखे नचैना । ब्रह्मधरेतनुभूपसफलकीजैनिजनैना ॥ रामप्रेमजागो हृदयगईलाजसंकोचसब । कहबनादासअभिमानगतप्रबलला लसालखबकब २४ ब्रह्माशिवगणनाथइन्द्रसबअवधसिधाये । आयेभूपतिद्वारप्रेममनमगनसुभाये ॥ सुरसमाजकोदेखिनृपति सुठिअचरजमाना । धाइकियेपरणामहेतमनकोसबजाना ॥ तुरि तलयायोभूपगृहसकलसुरनसनमानिकै । कहबनादासआसन दियेयथाउचितपहिंचानिकै २५ पुनिलायेरघुनाथसंगमेंतीनि

उभाई। पांचबर्षबयबालरामअतिहीसुखदाई ॥ ब्रह्माआदिक देवदेखिसबकीनप्रणामा । भूपतिनायेचरणसुरनकेकहिकहिना मा॥ भागिसराहतअवधपतिअपनीदेवनिहोरिकै । कहबनां दास सुरमगनमनबिनयकरतकरजोरिकै २६ यकटकरहेबिलो किमोदनहिंहृदयसमाये । रूपराशिरघुबीरकामकोटिनछबिछा ये॥ प्रेरकसबकेहृदयरामगतिजानिनजाई । विघ्नहरणगणना थकहेब्रह्माहरषाई ॥ करौवेगिअभिषेंककुशलजेहिभूपतिबारे। गणपतिशुण्डउठायलगेफेरनअँगसारे ॥ रोयउठेभयखायकै किलकिलायरघुबंशमणि । कहबनादासयहिचरितकोरसजानै तेहिभागिधनि २७ रूपखानिचहुँबन्धुदेखिसुरअतिहरषाने। पुनिपुनिरामहिंहेरिभागिबड़िआपनिमाने ॥ धनिधनिदशरथ भूपधन्यकौशल्यारानी । धन्यप्रजापरिवारअवधधनिधनिरज धानी ॥ कोकहिसकैप्रभावकोब्रह्मधस्योजहँभूपतन । कहबना दासश्रुतिनेतिवदअगमध्यानयोगीशमन २८ पुनिपुनिकियेप्र णामशम्भुआदिकसुरसारे । सहितभूपदशरत्थसकलआयेनृ पद्वारे ॥ देवसराहतशिवहिकृपातवदर्शनपाये । मानबड़ाईभू लिनहींप्रभुदेखनआये ॥ तुरितसकलआदृश्यह्वैनिजनिजलो कनकोगये । कहबनादासभूपतिभवनरामचरितकृतनितनये २६ बड़भागीअतिकागलागसँगआंगनखेले । जोजूठनिमहि परेहरषिमुखमेंसोमेले॥ लघुबायसधरिदेहबरषकृतपंचनेवासा। कोजानैबिननाथपूरकरिमनकीआसा ॥ पुनिगवनतनिजबासक हँसुकृतभूरिकोपारलह । कहबनादासतेहिदशाकीउत्कंठाबिधि शम्भुपह ३० बालसंगकृतगवनगलिनमहँरामकृपाला। अनु जनसंगैखेलसुभगखेलतनृपलाला ॥ बेरकलेऊहेतजायभूपति धरिलावैं। दूधभातमुखलागसमयलखिफेरिपरावैं ॥ धन्यसुकृ तबासीअवधधनिधनिरानीभूपबर । कहबनादासहौंधन्यपुनि लागोमनजेहिचरितपर ३१ ॥ घनाक्षरी ॥ भयोश्रुतिछेदनअ

वेदनअनूपअतिमुण्डनसुचारिबन्धुघरीसुखदाई हैं । छोटेछोटे मोतीश्रुतिदेखिदुखदौनकोटि मोटिमतिबनादासकौनभांतिगाईहैं ॥ गुरुपितुमातुमोदसुखदबिनोदबालहलकझलकअति मेरेमनभाईहैं । उपमाढंढोरिहारेशारदगणेशशेषशंकरभुशुण्डि जिनचितहिचोराईहैं ३२ दियेद्विजदानघनयाचकनसनमाना सकलअशीशैंचिरंजीवचारिभाई हैं । अतिहिअयाचीभयेनाहिं औरद्वारगयेरामजन्मदानभरिजन्मजिनखाईहैं ॥ पुरजनपरिवारकहेंकोअपारसुखआनँदअमितमहिमण्डलमेंछाईहैं । बनादासलंकअहतंकहोतबारबारमहूंवरभक्तितेहिऔसरमेंपाईहैं ३३ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामअष्टमोऽध्यायः ८ ॥

चौपरिगंजीफासतरंजनृपनानाखेलचकईभवँरघूमिबीथिननंचाईहैं । कन्दुकलोकावतउड़ावतपतंगकहूंकहूंकोऊडोरिनतेडोरीकाटिनाईहैं ॥ जीतैंकहूंआपुकहूँबहुरिजितावैंबन्धुऐसेसुखसिन्धुमेंनमानसरमाईहैं । बनादासबादिजगजन्मगयोभलीभांतिताकेदिनरातिबिधिलेखेमेंनलाईहैं३४॥दंडक॥बालबिनोदअतिमोददायकबिपुलकरतजननीजनकहेतलागी । अवधबासीयुवावृद्धनरनारिसबबालगणअतिमगनपरमभागी ॥ पांयजूताजरीतरकसीकटिकसेपीतपटहरनमनकोनमोहै । हाथपगछोटछोटीकमनियाँकरेगरेमणिमालसँगसखासोहै ॥ अवधबीथिनफिरतकरतनानाचरित्रबन्धुयुतश्यामबरगौरजोरी । शम्भुसनकादिनारदगवनबारबहुलखतछबिसबिलृणजननितोरी ॥ जाइबिधिधामलीलाबदतबालपनअतिहिनारदमगनशिथिलबानी । पुलकतनसजलदृगदेखिबिधिदशाकहँसुनतचितलायउरमोदमानी ॥ तृप्तनहिंलहतबरणतसुनतभांतिबहुचहतपुनिपुनिसुनाशुचिबिधांता । बनादासधिकारहैबारहीबारतेहिजोनजलजातपदरामराता ३५ ॥ सवैया॥पदपंकजजूतीजरीछबिछाजतपीतपटाकिछटासुठिसोहै । छो

टीलियेधनुहीअरु तीरकछोटीकसेउपमानाहिंकोहै ॥ छोटीलसैक
टितूणसुहावनछोटाहैबैसनकोलाखिमोहै। छोटीभईछबिकोटिनका
मकिदासबनासरयूतटजोहै ३६ बिहरैंजेहिबीथिनरामकृपालहैं
जनुचित्रसेलोगघनेरे। बालयुवाअरुवृद्धबिलोकतरोकतहैंपट
नयननकेरे॥ भाईसमेतसखागणसंगमेंरंगभरेसोइजानजोहेरे।
कोटिनकामबिकैंबिनदामहीदासबनातेहिचरणकोचेरे३७॥छप्पै॥
भयेकुशलहयकेलिपेलिबाजीदौरावत । श्यामकरणबरबिशद
कौन्तकबिपटतरपावत॥जीनजरकसीलसीबसीकलँगीशिरसोहै।
किङ्किणिललितलगामदामहीबिनमनमोहै ॥ मुखपट्टापुनिपूजहैं
जेरबन्दगोड़नकड़े । कहबनादासकसितंगकोद्युतिरकाबलखि
चितअड़े ३८ गंडाबरगरबसैलसैंदुमचीछबिछाई। जेरकड़ेअ
तिरूरदेतममरेजदबाई॥ तरफरातअतिकानभूमिटापनतेफालै।
उभकिउभकिअसमानअश्वमारुतगतिचालै ॥ आलपूँछमो
तीलसैकसेजानुजनुजातकढ़ि। कहबनादासउरजोहईमनहुँबेग
तेजातबढ़ि ३९ लदेसुभगगजगाहराहनहिंतुरैंनिहारत। मनहुँ
गगनमगचलतचपलप्रभुचितहिसँभारत॥ परेजालपचरंगभंग
कृतकामअश्वगति । कोकबिउपमालहैभईशारदहुपंगगति॥
किधौंबाजिमनमथभयोरामहेतजगमोहई। कहबनादासकोटिन
कलाललानृपतिसुठिसोहई ४० शिरटोपीशुचिटँगीरँगीसबजी
मनभाई। लसतकनकबरकोरमनहुंदामिनिदमकाई॥ अलकें
अहिनिकेबालक्षुधितलपटेलटकेहैं । मेचककुञ्चितअतिहिअव
लिअलितेचटकेहैं ॥ युगलश्रवणबालासुभगहलकभलकही
कोहरत। गतिबनादासकासोंकहैनहिंचितसेटारेटरत ४१ आन
नजनुशशिशरददरदजानैजेहिखटकै। अधरअरुणंद्विजसघनम
न्दबिहँसनिमनअटकै ॥ दृगसरोजरतनारबंकअवलोकनिभा
वै। भ्रूजनुकामकमानवहुरिउपमैलघुआवै ॥ तिलकभालसु
बिशालहैउभयरेखकासोंकही । कहबनादासदामिनिअलपजनु

चञ्चलतातजिरही ४२ कीरतुण्डनहिंतुलतनासिकासुठिमनह रणी। मर्कतबरणकपोलसकैछबिकबिकोबरणी ॥ चोरतचित क्रोचिबुककम्बुकलग्रीवसोहाये । वृषभकन्धअतिपीनकन्धहरि लघुउपमाये ॥ भुजप्रलम्बकरिकरसदृशबलनिधिअगमअपा रहे। कहबनादासदशग्रीवसेभटबहुबूड़नहारहे ४३ करकंक णकेयूरमुद्रिकाकरजबिराजे । कोड़ेपंकजपानिएकवरछाछबिछा जे ॥ जामाझीननवीनंकमरपटपीतसुहाई । कसिअसिअद्भु तउभयचर्मपीठीअतिभाई ॥ पीनजानुजूतीजरीतुरैपीठन्नभुरा जते । कहबनादासअँगअंगपैअगणितमनसिजलाजते ४४ भ रतलषणरिपुदवनपवनगतिअश्वबिराजे । कोकबिबरणैयोग अतिहिप्रतिअँगछबिछाजे ॥ नखशिखशोभासींवकनकमर्कतयु गजोरी। श्रुतिशारदसकुचातमनहुँप्रतिअंगठगोरी ॥ विंपुलम हीपकुमारहैंरामसखासँगसोहते । कहबनादासअसवारबरबा जीमनसिजमोहते४५बिहरतबीथीअवधअवधिसुखमानहुयाते। जोदेखेचहुँबन्धुगगनमगसुरललचाते ॥ आवतसरयूतीरबीरं चहुँसखासमेता । पुरवासीलखिमगनकहैंकोआनँदजेता ॥ स मयजानिआयेभवनसखासाहितभोजनकिये । कहबनादासअव सरनिरखिरघुकुलमणिजूठनदिये ४६ एकबारयुतबन्धुसरयुत टखेलबनाई। गनिगनिग्वैयांबांटिलियेसुखतेदोउभाई ॥ लषण भरतयकओरभयेसबभांतिसचेता। रिपुसूदनरघुनाथएकदिशि केलिकेवेता ॥ हैचढ़िचढ़िखेलननलगेकन्दुकबाजीलाइकै । क हबनादासपुरजनलखतअतिउरमोदबढ़ाइकै ४७ गगनबिमान नदेवदेखिआनँदकोलूटैं । जलदपटलकोलायअमितकुसुमाव लिछूटैं ॥ एककहैंजैरामकहैंयकभारतभैया । निजनिजदावँबि चारिबातबोलतसुखदैया ॥ शीलसिन्धुरघुबंशमणिकहेजीतिभै भरतको। कहबनादासयहप्रीतिगातिकबिउपमाअनुहरतको ४८ भईभरतकीजीतिरहेमहिनयननवाई । सकुचशीलअस्नेहथा

हकोउकैसेपाई ॥ अतिप्रसन्नरघुनाथदियेबाजीजोहारे। भरत
जीतिकीखुशीबेगिसेवकनहँकारे॥ लावहुस्यन्दननागबरअश्व
चर्मअसिभूषने। कहबनादासलायेतुरितवस्तुअनूपमअनगने
४६ दियेसखनबरुशीशअश्वगजमोतीमाला। कंकणअरुकेयूर
पीतपटविपुलदुशाला॥ काहूकोधनुबाणचर्मअसिकाहुहिदीना।
काहूकोरथदियेबस्त्रपुनिकाहुनबीना॥ हीराहेमअनेकमणिअपर
याचकनकोदिये। कहबनादासभायपभलीरहतटिकीहरदमहिये
५० अवधगलिनयहिभांतिकरतप्रतिदिननवलीला। मगनर
हतपुरलोगसराहतप्रभुगुणशीला॥ चतुर्व्यूहअवतारभयोपर
ब्रह्मअनूपा। जेहिसेवतमुनिसिद्धवेदपुनिनीतिनिरूपा॥ शिव
चतुराननसूरशशिजासुअंशतेअनगने। कहबनादासपूरणस
कलब्यापकसचराचरघने ५१ अचलअकलकूटस्थरूपजाके
नहिंरेखा। अलखअगोचरअगमबुद्धिमनवचननलेखा॥ नि
रालम्बनिरपेक्षआदिमधिनहिंअवसाना। शुद्धनित्यनिर्बंध्यनि
रूपमनिगमबखाना॥ अजउत्कृष्टअनीहशुचिपुरुषोत्तमपावन
परम। कहबनादासनिर्गुणनिरसकबहुँनकोउजानतमरम ५२
सर्बरूपसबरहितसच्चिदानन्दअभेदा। परिपूरणचैतन्यएकरस
गावतवेदा॥ अतिसूक्षमअनुरूपपरात्परप्रेरकसर्बा। अन्त
र्यामीसकलअयोनिप्रहारकगर्बा॥ सोदशरथसुतभक्तिबशबा
सुदेवनरतनधर्‌यो। कहबनादासभवतरणकोजनहितबहुलीला
कर्‌यो ५३ एकबारकियेगवनसरयुतटहितअस्नाना। चारिउ
भाईसंगमरमभूपतितबजाना॥ दानदेनकेहेतबस्तुभेजीबहुपा
छे। धनदोमोहनयोगअपरकेहिदेवैंसाछे॥ करिमज्जनरघुबंश
मणिविपुलखेलजलखेलते। कहबनादासवैथोरिगतिएकएकग
हिमेलते ५४ अमितसखाप्रभुसंगद्विजनदियेदानघनेरे। हय
हाथीगोवत्सविपुलअन्ननकेढेरे॥ भूषणबसनबिचित्रबिबिधम
णिमाणिकदीन्हा। कनकरजतअरुताम्रअयाचीभूसुरकीन्हा॥

बहुतदानदियेयाचकनमनभावतरघुनाथजू । कहबनादासको
पारलहशुचिस्वभावगुणगाथजू ५५ चहुँदिशिदेतअशीशमो
दमनब्राह्मणभाटा । चिरंजीवचहुँबन्धुबढ़ैदिनप्रतिनृपठाटा ॥
नभबिमाननगिचानाबिपुलसुरमोदबढ़ावैं । लखिलखिचरितबि
चित्रचित्रनिजहृदयबनावैं ॥ काकपक्षसुखवतखड़ेमनिपानिनिर
घुवंशमणि । कहबनादासचहुँदिशिसखाबन्धुसकैकोकबिबरणि
५६ सकैंनशेषसराहिशारदापंगुअतिहिमति । अपरकौनकहिस
कैथकैगणनाथहुकीमति ॥ अंगअंगमनहरैटरैचितसेनहिंटारे ।
सुखजानैजनसोयजौनयहिभांतिनिहारे ॥ कामकोटिशतवारिये
तदपिनबनिआवतकहत। कहबनादासकृतकृत्यतेमगनध्यानजे
यहिरहत ५७ भईबेरतेहिबारभूपमगबैठिनिहारे । भोजनहित
अतिकालवेगिआपुहिपगुधारे॥ पितुआवतप्रभुदेखिशीलसंको
चअमितचित। करगहिचलेलेवाइरामयुतबंधुसाहितहित ॥ नृप
तिसंगभोजनकरतजननीनिरखतमुदितमन । कहबनादासरघु
बंशमणिमेरेजीवनप्राणधन ५८ धनुविद्यामेंकुशलकलाअसिप
रमप्रवीना । देखिनवानितचरितभूपमनजिमिजलमीना॥ क्षमा
शीलशुचि सरलक्रोधजितइन्द्रीरामा । अतिउदारउपकार
करतसुठिपरहितकामा॥ पितामातुबन्दतगुरुहिंनितहीसहजस
नेहकरि। कहबनादासअनुजनबिषेअतिअस्नेहनसकतटरि५९
भूसुरभक्तिविशेषिसंतमुनिजनसनमानत। पूर्वाभाषिवाणिप्रजा
पुरजनसुठिजानत ॥ सकलौविद्याकुशलबेदमगरुचिसरसाती।
राजनीतिअतिनिपुणअमितगुणगणकीपांती ॥ गुरुपितुमातु
प्रजानगरबन्धुबिप्रसेनपसाचिव । कहबनादासगुरुज्ञातिगण
रामैसबकेप्राणजिव ६० रामरूपजलमनहुँभयोसबकोमनमीना॥
तृप्तलहतनहिंकोऊदिनौदिननेहनवीना ॥ नवानवानितचरित
सकलमनमोहनहारा। घरपुरबीथीमाहिंकरतचहुँबन्धुउदारा ॥
भूपमोदकोपारलहकहिनसकहिंसहसहुबदन ।.कहबनादासपट

तरनहींशिथिलमनहुँशारदहुमन ६१ फणिमणिज्योंजलमीनक
मलरबिप्रीतिबिशेखी । जैसेचन्द्रचकोरऔरकेकीघनपेखी ॥
लोभीधनअस्नेहबिबिधइतिहासपुराना। कहतसुनतसबकोऊज
हांतकजाकरजाना ॥ नृपदशरथसोहदहैसबहिनकेशिरमौरज
नु। कहत्रनादासऐसहुकहतजानिपरतसकुचातमनु ६२ ॥ द
एडक ॥ अलपहीकालमेंसकलगुणधामप्रभुरामगुरुमातुपितु
भक्तिभूरी । सकलसंतुष्टमनपुष्टलखिप्रीतिगतिबुद्धिसनतनहु
कीनेहतूरी ॥ बन्धुयुतसखासाजिनागस्यन्दनतुरैबिपुलनृपतनय
बरबीरबाँके। सचिवसुतसैनकोसाजिसरदारसुठिदेशऔनामन
हिंपारजाके ॥ साहनीशूरसेनपसकलमोदयुतरुचिअहेरहिक
बहुंबिपिनजाहीं । कुहीऔबाजजुर्राविपुलबाहरीलगरसिकरा
अमितसाथमाहीं ॥ भांतिअनेकडोरीगहेडोरियासकलसंभारि
कुत्ताकुदावें। परमचोखेचपलवेगमनपवनगतिदेखतहिमृगाध
रिधाइखावें ॥ कुशलखेटककलारामभाइनसहितजाइबनमध्य
मृगयाकराहीं । रीछबाराहबहुव्याघ्रमारतमृगामोदसरसातसु
ठिहृदयमाहीं ॥ बधेनिजबाणजेहिरामसुरधामगेविपुलतपयज्ञ
कृतजाहिलागी । तेईपदलहतपशुयोनिपुनिसहजमेंअतुलम
हिमानुरिततनहित्यागी ॥ मृगापावनकरतघातकरुणायतनअ
परजीवननहींहततकोपी । व्याघ्रअरुसिंहजेजीवघातीबिपुल
बचतनहिंहेरिकैबधतचोपी ॥ अवधपूरुबदिशासघनकाननपर
मकोशद्वैपंचपुनिसरयुतीरा। बिपिनबिहारकरिबिबिधमनभावते
समययकगयेरघुबंशबीरा ॥ समयतेहिमहिषमारेबिपिनजाइय
कतुरिततनत्यागिभोदेवरूपा । जोरिकरकरतअस्तुतिबिबिध
भांतिसेजयतिरघुबंशमणिअवधभूपा ॥ योनिपशुलहेबशशाप
करुणाभवनभयोउद्धारप्रभुबाणलागे । जातनिजधामश्रीराम
परसादकरिदेखबहुलोगजनुनींदजागे ॥ समयसन्ध्यानिराखिगौ
नपुरदिशिकियेरामसुखधामकरिविपिनलीला। सरयुतटचलेस

बलोगनिर्भरहरषपरखतेचरितयहमननशीला ॥ आइपदबंदि
पितुअग्रबहुमृगधरैव्यग्रचितचकितजनुप्रकृतिरीती । भूपउर
मोदकोपारपावैबरणितरणिकुलकेतुबसिजाहिंप्रीती ॥ नवानित
चरितअवलोकिपितुमातुपुनिनगरबासीअहोभागिमानैं । बना
दासअस्नेहसुखदेहकीनेहकह दिवसअरुरातिनाहिंजातजानैं
६३ ॥ घनाक्षरी ॥ तिहूंलोकतिहूंकालचहूंयुगचहूंवेदरावण
सेभयोनाहिंनहिंहेनिहारजूं । ह्वैहैतबैरावणनदूजोआनिभांति
कोऊजाकेहेतलियेरघुनाथअवतारजू ॥ रावणसेरावणऔरामस
मरामएकउपमानकहूंकरैकोटिनविचारजू । बनादासबशभयो
सकलकटाहअण्डदण्डमुनिदियेनाहिंबोलोएकबारजू ६४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयो
ध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामनवमोऽध्यायः ९ ॥

सवैया ॥ वेगिसिधाउनदूततहांअतिभीरमहामुनिहैंजेहिठाँ
ई । लावहुदण्डचुकायसबैसनकेंगिरिखोहनजाहिंपराई ॥ शीश
नवायचल्योदशशीशहिखोजतुहैंऋषिकेरिअथाई । दासबनाह
रिकीमरजीसबकाहूकोएकहिठौरहिपाई ६५ ॥ घनाक्षरी ॥ विश्वा
मित्रअंगिरामरीचिभरद्वाजमुनिचमसअगस्त्यजहँलोमशअसी
नहे । अत्रिअरुचन्द्रमापुलस्त्यवामदेवऋषैरहेयाज्ञवल्क्ययोगे
श्वरप्रबीनहे ॥ शृंगीऋषिगौतमऔगर्गबालमीकिभृगुप्रागमध्य
गयोदूतरावणमलीनहे । बनादासशीशनायकहेलंकईशचरपूँछ
तकुशलसबबोलोबैनदीनहे ६६ कुशलसिरानीनाथउरअनुमा
नीनिजमांगतुहैदण्डतुमसनबरजोरीजू । कितौंगिरिकन्दरापरा
यजाहिंबेगिसबजानैंनप्रतापभूरिबसैंमहिमोरीजू ॥ सुनिकैप्रसंग
मुनितुरितमँगायेकुम्भसबैमिलिदियेनिजशोणितनिचोरीजू । ब
नादासघटउघरतलंकपति नाशहोययहीबातकह्योमतिमन्दभई
तोरीजू ६७ ॥ सवैया ॥ लैघटगौनकियेगढ़लंकहिजाइदशानन
शीशनवाई । सारोप्रसंगकहेतबदूतसमैंतेहिभयउरमेंअतिआ

ई ॥ धीरसँभारिकिहेदशकन्धरलैअबहींदिशिउत्तरजाई। पर्बत
केढिगगाड़िमहीतलदासबनाचरवेगिसिधाई ६८ आइदुकाल
पस्योमिथिलापुरबृष्टिबिहीनप्रजाभेदुखारी। अन्ननहींउपजैकोउं
भांतिसेपण्डितबोलिबिदेहबिचारी ॥ ब्राह्मणलोगकहेहलय
ज्ञकरौतबहींबरषैजलभारी। दासबनासोउपायकियेउतसाह
समेतमहीपतिसारी ६९ ॥ घनाक्षरी ॥ चामीकरहलमणिजटि
तबनायेबेगिकपिलबरणयुगवृषभमँगाये हैं। हंसकैसीजोड़ीअति
शोभानबरणिजातउभयविषाणशुचिकंचनमढ़ाये हैं ॥ रजतते
रचेखुरबसनओढ़ायेदिब्यमोतीमणिमंजुलसोंपूँछकोगुन्हाये हैं।
बनादासपुंगीफलकदलीरसालरोपे ध्वजऔपताकतोरनातेछबि
छाये हैं ७० मंगलदरबिपटभूषणमँगायेभूरिदाधिदूर्बरोचनऔ
लाजांअधिकारजू। पानफूलस्रगनानाभांतिकेमँगायेभूपसुरभी
सरपिनयबेदिबहुभारजू ॥ कंचनकलशमणिदीपकबिराजमान
बनादासदेखेबनैकहैकोबहारजू। शुद्धकरि भूमिथलरचे हैंविचि
त्रचौककंचनरजतमणिविविधप्रकारजू ७१ हवनकुण्डकलित
त्रिकोणकोबनायेशुद्धबिपुलसाकल्यकरिहोमनृपकियेहैं। महिसु
रसाधुमुनिअमितजिवांयेभूपब्यंजन बखानैकौनस्वादसुठिहिये
हैं॥ रचेपकवानजिनतिनसेसयानकौनअमीकेसमानबहुदक्षिणा
कोदियेहैं। बनादासकरजोरिसबहिनिहोरिनिमिपाइपानपरमप्र
सन्नसबजियेहैं ७२ उत्तमबैशाखमाससितपक्षनौमीतिथिउभय
यामआयोदिनभूपहलनहेहैं। गणपतिगौरिगुरुभूसुरमनायाशिव
कंचनकिमूठितबकंजकरगहेहैं ॥ बनादासअतिहीप्रकाशचहुँपा
सभयोसीताबाफ्कोसीताघटचकितसेरहेहैं। खोलेकुम्भऋषयकु
मारीदेखी दिब्यद्युतिपरमअनन्दनिजसुतानृपकहे हैं ७३ मोद
नसमातउरद्विजनकोदानदियेधेनुमणिमाणिकबसनबहुजातिजू।
दियेभूमिभाजनऔबाहनअनेकबिधि याचकअयाचीभयेभलेभ
लेभांतिजू॥जनकसेजायमानजानकीसुनामधस्योआयोभूपभौन

भागिकहिनसिरातिजू । बनादासरूपतेजबलबुद्धिऋद्धिसिद्धिरा
जकाजमर्यादनितैसरसातिजू ७४ पायसमाचारमुनिनारदगवन
कियेभूपतिबिदेहधायअग्राशिरनायेहैं । धारेधूरिशीशाऋषिअव
शिअशीशदियेसादरसहितशुचिआसनकरायेहैं ॥ अहोभागि
आजुतवदरशबिकारनाशाचरणपखारिसबभवनसिंचायेहैं । ब
नादासबिधिसुतबिबिधप्रशंसाकिये निमिराजसमनृपऔरकौन
जायेहैं ७५ करजोरिअमितनिहोरिऋषिबारबारनृपतिभवनलाय
सुतापदनायेहैं । जानकीदरशपायमुनिउरमोदमहासीताऐसोना
मकहिकथाकोसुनायेहैं ॥ शक्तिनकीशिरमौरआदिशक्तिसुतातव
निगमपुराणनीतिजाकोयशगायेहैं । अहोभागिभूपजेहिगृहअव
तारभयोसुकृततुम्हारकहिपारकौनपायेहैं ७६ पुरुषपुराणपरधा
मब्रह्मरामनामऔधनृपदशरथगृहअवतरेहैं । देवनउबारमहिभा
रकेहरणहेतसाधुद्विजधेनुकोदुसहदुखदरेहैं ॥ कीरतिकलिततति
हुँलोकमेंप्रकाशह्वैहैतिहूँकालचहूँयुगगायजनतरेहैं । बनादासम
हामहाभूपनकोमानदलितेईतवपुरआयजानकीकोबरेहैं ७७ सु
निमुनिबचनमगननृपबारबारमानो ब्रह्मानन्दतेअधिकसुखपाये
जू । भामिनीभवनमोदजानकीबिनोदबालततकालसमयतेहि
नारदसिधायेजू ॥ पुरजनप्रजासुखीभयोजलमहावृष्टिसीताजू
कीप्रापतिपरमसुखछायेजू । बनादासभूपतिभवनशिशुखेलक
रैंदिनप्रतिनयेनयेकबिकौनगायेजू ७८ मातुपितुपरिजनजान
कीचरित्रदेखिपरमपवित्रसबसुखीनिशिबारहे । मातुदुलरावैंप्रि
यपालनेभुलावैंनानारीतिकोसिखायअतिकरतपियारहे ॥ दिन
प्रतिचन्द्रमाकिकलासीसयानिहोतिनानागुणखानिरूपखानि अ
धिकारहे । बनादासकछुकालबीतेपैबिदेहउरसमयएकआवतभो
ऐसनबिचारहे ७९ निजसुताजाहिकोबिवाहैतातेमीच होतब्या
हैननतौबेदविधिपरतबिरोधहै । धरममेंबाधासारीसृष्टिकीप्रजा
ययहीचहूँयुगतिहूंकालचहूँश्रुतिशोधहै ॥ तातेऊंचीबातयहआप

नेतेअतिबड़ाताहिकन्यादानकियेहोतमनबोधहै । सर्बअंगप्रब
लप्रतापहोयभलीभांतिबनादासतातेयहीचितकोनिरोधहै ८०
सवैया॥ भारीशरासनशंकरकोयुगखण्डकरैसोइसीयबिवाहै।
होइस्वयम्बरयाहीप्रकारतेजामेंसबैजगलोगसराहै॥ कन्याते
जोवरहोयबिलक्षणसर्बप्रकारमिटैउरदाहै। दासबनाप्रणकीन
हृदैहठहैअबईश्वरहाथनिबाहै ८१॥घनाक्षरी॥ जानकीप्रताप
गुणशीलबलजानिकरिजनकनरेशसबभांतिसेसयानहै। ऐसीह
ठप्रबलप्रतिज्ञातेहिहेतकियेसुकृतकेसींवब्रह्मलीनमेंप्रमानहै॥
शूरधर्मवानधरिबीरनमेंमहाबीरसाधुतामें दूजोनाहिंजानतजहा
नहै।बनादाससूत्रधरप्रेरकसकलहियबीसबिश्वायेहीमेरेउरअनु
मानहै ८२ माघमाससितपक्षद्वितियाऔशुक्रबारसम्बतभरेको
सुठिसकलपलाये हैं। गुणीबोलियज्ञथलरचनाबिचित्रकियेकं
चनकेमंचचहुंपासमेंबनायेहैं॥ एकऊंचऊंचेहूतेएकनीचनीचेहू
तेचारिबिधिचितहरैबरणिनजायेहैं। बनादासबैठेतहांयथायोग
नारिनरउपमाकहनकोनकबिजनपायेहैं ८३ सफलरसालरम्भा
तरुवरपुंगीरोपेमणिनकेभांतिभांतिलखानहिंजायेजू। मणिके
नेवारबन्दमदनकेफन्दमानोतनेहैंचंदेवाचारुचितहिचोरायेजू॥
ध्वजाऔपताकभूरिफहरात दूरितकगुणिनअनेकभूपप्रतिमाब
नायेजू। कोउधनुतोरतउठावतधरतकोऊकोऊकरलियेकोऊभं
गकरिनायेजू ८४ तम्बूऔकनातआसपासमेंअनेकखड़ेऋतु
ऋतुमाफिकबनावबहुभयेहैं। उपमानलहैकहैकौनभांतिकबिको
ऊबड़ेवीतरागिनकोमनहरिलयेहैं॥ ताहिमध्यशंकरशरासनको
आसनहैजासननकोऊयोगतोरनकेभयेहैं। बनादासभानुबंशभू
षणकरैंगेभंगनारदसेमहामुनिआगेकहिगयेहैं ८५ रचेबरबा
हनतुरंगनागभांतिभांतिशूरबीरभारीभटसजगसदाईहै। सैनच
तुरंगिणीअपारकोबखानिसकैकोटचहुंपासअतिचौकसबनाईहै।
भारीभारीतोपैं तापैलागीहैं बिबिधभांतिदगैंसुबूशामनहिंकान

दीनजाईहै। बनादासजंगीठाटसकलबनायभूपजहांत्तहांदेशदेश
पत्रिकापठाईहै ८६ महलमकाननानासकलसवाँरेभूपबाहेरऔ
भीतरअनेकनप्रकारजू । सचिवमहाजनऔधामशूरबीरनकेब
नयेविचित्रजनुदेवनअगारजू ॥ शहरबिलोकिसुरनायकसहमि
जायँबनादासशोधेसबभांतिसेबजारजू । विधिकीनिपुणताईमा
नोसबतोपिगईकहैकौनजहाँजानकीकोअवतारजू ८७ मिथिला
निवासीमानोमहासुखरासीलाजैंदेवलोकबासीकौनउपमाकेयोग
है । धंनदसुरेशजासुसम्पतिसिहातदेखिनीचनकोभौनसुरदुर्ल
भभोगहै ॥ रूपवानतेजवानशीलवानगुणवानधीरवानबुद्धिवान
बलबानलोगहै । बनादासपण्डितप्रवीणपरमानवालेभूलेहुस्व
पनमेंनकाहूशोगरोगहै ८८ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयो
ध्याखण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामदशमोऽध्यायः १०॥

कौशिकबसततटगंगघनकाननमेंजपतपयोगमखकरैंमनलाय
के। रहैंचित्तब्यग्रअतिपावतकलेशमुनिराक्षसकरतबहुबिघनको
आयकै ॥ यज्ञसमयरक्तकेसमज्यानखवृष्टिकरैंत्वचाअस्थिनाम
बहुसकैकोगनायकै । बनादासहृदयबिचारकियेएकबारब्रह्मअ
वतारभयो औधलावो धायकै ८९ प्रीतियोगपातकीनशापंदि
येमहापापतापआनिभांतितेनमिटैगोमिटायेजू । बर्षाब्यतीत
मंनोराजउरबारबारचलेमासक्कारनहिंबारनेकलायेजू ॥ जाकेहे
तयोगयज्ञनेमतपकोटिभांतिवेदचहुँनेतिनेतिजाहिनितगायेजू ।
शम्भुउरबासीबसैमानसभुशुण्डिजोईबनादासकठिनसेकोईध्या
नपायेजू ९० अहोभागिअमितउदयममआजुभईआनँदकोसि
न्धुरामदेखिहौंसुभायेहैं । जनदुखहरनपरनजासुसबकालता
हीहेतधरेनरतनसुनिपायेहैं ॥ मेटैंगेबिशेषिशोचसंकटसकलभां
तिअतिहिअनंदमनऔधपुरआयेहैं । बनादासरामघाटकियेअ
स्नानमुनिनृपदरबारकाहूखबरिजनायेहैं ९१ मुनिआगमनसुनि

बिप्रवृन्दसंगलियेनृपदशरथलेनअग्रहीसिधायेहैं।करिकैप्रणाम
पदकंजऋरिशीशधरेकौशिकहरषिउरनृपहिलगायेहैं॥ मंगलकु
शलबूझिभवनकोलायेभूपअतिहीबिचित्रशुचिआसनकरायेहैं।
बोलेयुतबंधुरामआयेहैंरजायसुनि अनुजसहितमुनिपदशिरना
येहैं ९२ दियेहैंअशीशरामदेखिकैबिशेषसुखनखशिखहेरतनि
मेषबिसरायेहैं। शोभाकेसमुद्रप्रतिअंगकोटिकामवारैंकबिजन
कहतसकुचतबोपायेहैं॥ परमक्षुधितजिमिमुदितसुनाजपायेभो
जनकरतत्योंत्योंभूखअधिकायेहैं।जैसेकंजभानुउदयबारिधिमयू
रपेखिजोनीबिधिचन्द्रमाचकोरडीठिलायेहैं ९३ सजलनयनतन
पुलकनबाणीआवैनीलबारिधरमर्कतद्युतिफीकजू।श्यामकंजउप
मातमालतरुकौनदेयरघुवीरतनकांतिइनहूंतेनीकजू॥ रातेदीर्घ
नेत्रभ्रुवबंकहैंबिशालतिलकरसालबनादासछबिलीकजू।अंगअं
गशोभाकाहिशारदलजायजात रोमरोमपरकामवारिएकतीकजू
९४ असितकुटिलकेशकाकपक्षकेअमोलमानोअलिअवलिसघ
नअतिबसेहैं।कैधौंनागिनीकेछौनाक्षुधितकृशितबहुलपटिलपटि
रहेम्पटतरनसेहैं॥कीरतुण्डनासिकादशनबीजदाड़िमसेअधरअ
रुणमानोअमीरसरसेहैं।बनादासचन्दमुखमंदमुसकानिलखिकौ
नऐसोधीरवानरहैमनकसेहैं ९५ कंधहरिकम्बुग्रीवमोतिनकेमाल
उरभुजहैंबिशालयज्ञपीतछबिछाईहै।मर्कतशिखरसेकैधौंगंगधा
रधसीकैधौंहंसपांतिघननिकटउड़ाईहै॥ कैधौंधनुइंद्रउदयभयो
श्यामघटाबीचपीतपटाछटाकबिउपमानपाईहै।बनादासकंकणक
रनहेकेउरचारुकामकरिकरहूंकोनिंदतसदाईहै९६ नाभिआलिय
मुनकीत्रिबलीअतीवछबिकबिकोसराहैकटिलाजैमृगराजकी।जा
नुपीनकामभाथपारगुणगाथकौनरोमघनसजे सुठिशोभाशिरता
जकी।पंकजचरणपृष्ठअतिहीबरणश्यामजीवनिहैप्राणसदामुनि
नसमाजकी। धनादासउमँगिउमँगिउरहीमेंरहैकहैंमुनिकौशिक
घरीहैधन्यआजकी ९७ नखद्युतिकमलदलनजनुमोतीबैठीकै

धौंतारागणआयकियेपायधामहैं । श्यामगौरजोड़ीशोभाकहि पारजायकौनतामेंशिरमौरसबभांतिन्नसेरामहैं ॥ मानेकृतकृत्य गाधिनन्दनअनेकभांतिऋषिगतिदेखिभूपउरअभिरामहैं । ब नादासपितुपासबैठेचारिभाईजाय इनतेरहितप्रीतिताहिबिधिबा महैं ९८ षटरसभोजनकरायेभूपभलीभांतिपायतुष्टभयेमुनिअ तिहीसुखारेजू । बैठेशुचिआसनमहीपअस्नेहयुतसुधासानिज नुमृदुबचनउचारेजू ॥ हमसदासेवकसकोचउररावीजनिकही ऋषिरायकौनहेतुपायँधारेजू । बनादासबेगहीकरतनहींबारला वोंअहोभागिआजुममदरशतुम्हारेजू ९९ राक्षससतावैंमोहिं जपतपयज्ञमाहिंयाचनकेहेतनृपआयेतवद्वारेहैं । दीजैरघुनाथ जूकोजातेपूरकार्यपरैनिशिचरबधयोगबालकतुम्हारेहैं ॥ सुनेब ज्रसमगिराहियेनसंभारभईराजनकेराजमानोमरेबिनामारेहैं । ब नादासचौथेपनपायेप्रियप्राणपुत्र मुनिकैसेबचनकहतअविचारे हैं१००॥सवैया॥जैसेजवासेपैपावसनीरपस्योअरबिंदतुषारज्यों भारी।चन्द्रमलीनभयोजनुबासरलोभायथानिजसम्पतिहारी॥ ज्योंबिनपंखभईखगकीगतितैसीभईनृपकीअनुहारी ॥ दासब नानकहेबनिआवतबोलतधीरसँभारिकैभारी १ मांगहुधामधरा धनकोशऔधेनुतुरैरथऔगजभारी । राजकोकाजकहोतुजिला जकोदेतबिलम्बनसम्पतिसारी॥ प्राणकहोमुनिदेउँक्षणैमहँराम संनेहनजातसहारी । दासबनागतिदेखिनरेशरहेउपमाकबिको बिदहारी २ ॥ घनाक्षरी ॥ कौशिकमहीपगतिदेखिकैबिचारि बोलेडरहुसनेहबशअतिअबिचारेहैं । बूझोगुरुदेवबामदेवतौ स्वरूपकहैतुम्हैंपुत्रभावनहिंतातेजानहारेहैं ॥ बनादासआयकै बशिष्ठशोचदूरिकियेबोलेबामदेवरामदेवदेवसारेहैं । मंगलकु शलसेभवनबेगिआवहिंगेतदपिनलहैंतोषधीरधरभारेहैं ३ अ ज्ञाभईभूपकीभवनरघुनाथगयेमातनसोंबिदामांगिपायँशीशडारे जू । जननीअशीशदईबहुरिलगायउरलषणसहितरघुबीरआ

येद्वारेजू ॥ पुनिपुनिहृदयलगायभेंटेभूपअतिमुनिहिसौंपिकरक हेबारबारेजू । बनादासप्रितुकेसमानआपुआननाहींजानियेवि शेषिप्राणजीवनहमारेजू ४ कसिकटितूणपटपीतनीलशोभा अतिश्यामगौरजोड़ीसिंहठवनिलजायेहैं । भारीभुजदण्डचण्ड धरेधनुबाणबीरकमलनयनमुखचन्दभलभायेहैं॥तिलकबिशाल भालकाकपक्षमोतीश्रुतिजानुपीनपायँनकोजलजलजायेहैं। समै समभूषणाबिहायसबदूषणकोसाधुदुखहरणपयादेपायँधायेहैं५॥ सवैया ॥ सरितासरदेखतकाननबागऋषैसँगलागचलेदोउभा ई । मोदअमातनहींउरकौशिकमानौंदरिद्रमहानिधिपाई ॥ हे तहमारेतजेपितुमातुसखाअरुसेवकऔधबिहाई । दासबनाज नदुःखनिकंदनरामहिंवेदपुराणनगाई ६ जातहिदीनदेखायसो ताड़काएकहिबाणमेंप्राणगँवाई। रामस्वभावप्रसिद्धसनातनजा निदुखीनिजधामपठाई ॥ प्रेमसमेतदियेफलहारसोपायकैतुष्टभ येदोउभाई। अस्त्रऔशस्त्रसमर्पणकैमुनिविद्याअनेकनभांतिपढ़ा ई ७ औषधीयुक्तिदियेबिधिकोटिनजातेलगैनहिंभूँखपियासा । तेजघटैनबढ़ैबलभूरिकरैउरमेंसुठिबुद्धिप्रकासा ॥ आलसनींद बिनाशकरैकहदासबनासकलौरुजनासा । सोमुनिसर्बदियेरघु नाथहिजाभृकुटीकरिजक्तबिलासा ८ कैतपदुष्करपायेमहेशसेसो मुनिसर्बदियेअनुरागे। रामरजायभईजबहींरुचिसेऋषियज्ञकरै तबलागे॥ आपुखड़ेरखवारीभयेदोउबंधुभुजाबलसोक्तजागे। दासबनाप्रभुऐसेकृपालभजैंनहिंपावँरलोगअभागे९॥घनाक्षरी॥ जानेयज्ञकरतमरीचऔसुबाहुधायोमहादलदैत्यकीनकछूवारपा रहे। रावणकेसुवानामदारबड़ेबीरनमेंथानेदारपारसिंधुसमरजु झारहै ॥ सावनकेयटासमआश्रमकोघेरिलियेशोणितकीवृष्टि करिदियेतेहिबारहे। थोरीथोरीबयसमहीपकेकुमारउभयबनादा सरहेतेईमखरखवारहै१०॥ सवैया॥ श्यामशरीरमनोगिरिमर्कत शोणितकेकणकासुठिराजे। मानोलसेबहुबीरबहूटीमहारणधीर

समयछबिछाजे॥ कैधौंतमालपैलालमुनीधनिदासबनाउपमैजनु लाजे। यज्ञथलीमेंभलीबिधितेदोउबीरस्वरूपसँभारिबिराजे ११ घनाक्षरी ॥ खींचिकैशरासनसपदिबाणमारेरामतुरितसुबाहुमा रिमहिमेंगिरायेहैं । धायोहैमरीचकोपिपिबिनाफलतीरहनेएकशत योजनसमुद्रतटआयेहैं॥ कोपकरिलषणकटकसारीनाशकियेधो खेकहूंसीलोमिसुबचननपायेहैं ॥ बनादासगगनबिमानदेवजैजै भनेंअस्तुतिअमितभरिसुमनलगायेहैं १२ मुनिमहामोददुख दुसहैगलानिहानिहरेरघुबंशमणिलोकवेदगाईजू । कछुदिनत हँरहिऋषिनसनाथकियेनृपतिबिदेहपातीएकदिनआईजू॥ सहि तसमाजहर्षिचलेतबगाधिसुत अतिहिसनेहसंगलियेदोउभाई जू । बनादासआयभागिखुलीमगलोगनकीकैरेनैनसुफलबिलो किरघुराईजू १३ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामएकादशोऽध्यायः ११ ॥

छप्पै ॥ अतिनिर्जनरमणीकभूमिदेखेमगजाता । बूझेमुनि सेवेगिकहेकारणयहताता ॥ ऋषिगौतमकीनारिभईपाषाणशाप बस। चरणकमलरजचहतफेरिआइहिनसमयअस ॥ बिहँसि रामकरुणाभवनपरसेपंकजपाँयसे । कहबनादासअतिदिब्यत नप्रगटीसहजसुभायसे १४ पहिंचानीप्रभुसद्यभूरिभागीअति भांमिनि। पुलकगातदृगनीरकंठगद्गदगजगामिनि ॥ धाय परीपदकंजबोलिमुखआवनबानी । सम्पुटपंकजपाणिकरतअ स्तुतिहर्षानी॥ जयजयरघुकुलकुमुदबिधुदृगचकोरसियशरदश सि। कहबनादासभवरुजकेदलिनामसदातुवकठिनअसि १५ जयताड़कासुबाहुकदनमुनिमखरखवारे । जयजयकृपानिकेत सनातनपतितनतारे ॥ जयखण्डनशिवचापदापभूपावलिदाह क। जनकशोकसंहरणसदासन्तननिर्बाहक ॥ जयमिथिलापुर मोदनिधिभृगुनंदनसंशयशमन। कहबनादासबल्लभसियामेरे

जीवनप्राणधन १६ पितावचनप्रतिपालत्रानबिनबनहिंसिधा
रन। अनुजजानकीसहितपितरकेवटहठतारन ॥ चित्रकूटआ
सीनसुगतिदायकशरभंगा॥बनबिचरतयुतमोदसुतीक्षणप्रीतिअ
भंगा ॥ जयजयप्रभुकरुणायतनदण्डकबनपावनकरन। कह
बनादासआनन्दमुनिसकलशोकसंकटटरन १७ बधिबिराध
बिरदैत्यभगिनिरावणकुदरूपा। साजिशरासनधायकनकमृग
देखिअनूपा ॥ खरदूषणअरुत्रिशिरप्रबलमारीचबिदारण। कृ
पासिंधुरघुबीरगीधशवरीउद्धारण ॥ बालिबधनशरएकहीपुनि
सुकंठकपिराजकृत। कहबनादासरघुबंशमणिजोरिकटकप्रभु
हितसहित १८ लंघिसिंधुसुतपौनदौनलंकारजधानी। मर्दिनि
शाचरचमूदलितरावणमदमानी ॥ पायजानकीखोजचलत
नहिंबारलगाये। प्रबलभालुकपिसैनसेतुपाथोधिबँधाये ॥ जय
तिबिभीषणअभयप्रदलिदूषणजनगुणगहित। कहबनादास
अनुरागउरशम्भुथापिबिधिवतसहित १९ महाकटकयुतअनुज
लंघिसद्यहिवारीशा। जोरिअनीअतिरूरनगरगरसितदशशी
शा॥अतिकरालरिपुदनुजभालुकपिमर्दनकीना।प्रबलपराक्रमबी
रलङ्कराक्षसकरिहीना॥कुम्भकरणघननादपुनिजयतिरामरावण
हनें। कहबनादाससुरमोदयुतआयअमितअस्तुतिभने २०
जयतिपुष्पकारूढ़जानकीअनुजसमेता। भरतबिरहसंतप्तमिले
प्रभुकृपानिकेता ॥ अवधपुरीआनन्दजीतिलङ्कागृहआये। जय
तिभालअभिषेकचमरअरुछत्रसोहाये॥ जयतिजयतिअवतार
बरब्रह्मभारअवनीहरन। कहबनादासकरुणायतनमोहिंअवाशि
पावनकरन२१यहिप्रकारमुनिकहेमोहिंऐसेरघुबीरा। धरितनपर
सैपावँपाइहैशुद्धशरीरा ॥ शापदीनहितकीनअनुग्रहमैंअतिमा
ना। परसेपावनचरणकवनजगमोहिंसमाना॥ रामकृपादहिदुसह
दुखगइनिजगतिहिअनन्दयुत। कहबनादासप्रभुलषणसँगगव
नतभेतब्रगाधिसुत२२ आयेसुरसरितीरमुनिहिंबूझेरघुराई।कहे

सकलपरसङ्गगङ्गजैसेमहिआई ॥ कीन्हेऋषिअस्नानबन्धुदोउ
मज्जनकीन्हा । बोलेबिप्रअनेकदानअवसरसमदीन्हा ॥ हर्षिच
लेतबजनकपुरअवलोकतनरनारिमग । कहबनादासदोउकुवँर
कहँकहतनपटतरकतहुँजग २३ आयेमिथिलानिकटदेखियक
सुन्दरिबागा । सुखप्रदअतिरमणीकदेखिमुनिमनअनुरागा ॥ र
घुनन्दनरुखजानिटिकेतबसहितसमाजा । गाधिसुवनआगमन
सुनेतबहींनिमिराजा ॥आंयेअगमनलेनकोबिप्रवृन्दनृपसाथहैं।
कहबनादासअतिप्रीतियुतमुनिपदनायेमाथहैं २४ ऋषिलिये
हृदयलगायबूझिमंगलकुशलाई । यथायोग्यसबकाहुनृपहिंआ
सनबैठाई ॥ अहोभागिममआजुकमलपददर्शनपाये । करसम्पु
टकैभूपभांतिबहुबिनयसुनाये ॥ आयेतबरघुबंशमणिबंधुसहित
लखिबागबर। कहबनादासप्रभुदेखिकैउठिसबकोसत्कारकर २५
जनकलखेमुखचन्द्रभयेचखमनहुंचकोरा । पानकरतजिमिभृंग
कमलरसपटतरथोरा ॥ सबसमाजभैसुखीदेखिदोउबन्धुअनूपा।
कौशिकऋषिहिनिहोरिकेहेतबहींनिमिभूपा॥ श्यामगौरसुकुमार
सुठिकेहिमहीपमणिकेतनै । कहबनादासमुनिकुलतिलकतबहुँ
कहतमुखनहिंबनै २६ कहहुनाथसतिभायकुवँरकाकेदोउआ
हीं। खोजेसकलटटोरिमिलतिछायाकहुंनाहीं ॥ उभयरूपभयो
ब्रह्मकिधौंऔसरकोपाई । आतमसुखकरित्यागप्रीतिअतिही
उरछाई ॥ सहजबिरागीमोरमननिकरिगयोनिजहाथजू । कह
बनादासइमिलखिपरतकरिहौंविश्वसनाथजू २७ ॥ घनाक्षरी॥
पुनिपुनिपूछतसनेहबशनिमिराजकौनेबड़भागीकेसुकृतफलपाके
हैं । तिहूंकालतिहूंलोकचहूँवेदचहूंयुगमतिअतिथकीकहूंउपमा
नजाकेहैं ॥ सहजसलोनेश्यामगौरकामकोटिछबिउमगतअंग
नशृंगारबसुधाकेहैं । बारबारहेरतनिमेषतजिबनादासभूपतिबि
देहतौबिदेहताबिवाकेहैं २८ सजलनयनतनपुलकमगनमनभे
शरीरशिथिलसुधासनेहछाकेहैं । आईजोसमाजनिमिराजसंग

भोरीमतिअतिहीबरोरीरामलषणहिंताकेहैं ॥ धनुषस्वयम्बरसो यामिनीसेभोरभयोरामयोग्यजानकीकेहियेसबआंकेहैं। बनादा समरमनकहैकोऊकाहूसननिजउरठीकदेतजैसीरुचिजाकेहैं २६ बचनतुम्हारनचलनयोग्यमहिपाल चौदहभुवनमाहिंप्रियनहिं काकेजू। नृपतिमुकुटमणिदशरथऔधराजसुकृतकोसाजकुवँरो टायुगताकेजू ॥ बनादासशोभाकेसमुद्रकोसराहिसकैशारदगणे शशेशपैरिपैरिथाकेजू। निजकाजलागिमांगिलायेमखरक्षाक्रिये राक्षसनिपातेभूरिभारीबीरबांकेजू३०॥सवैया॥ बेगिलिवांयचले मिथिलापतिबाहेरनग्रबिलोकिनिकाई।मानोंचहूँदिशिमेंछलकैछ बिसागरबाटिकाऔअमराई॥सारसहंसचकोरपपीहरानाचतमो रमहासुखदाई। कोकिलाकीरकुहूँकोयलदासबनामनलेतचोराई ३१॥घनाक्षरी॥बत्तचक्रवाकखगाबिपुलबिहारकरैंकुक्कुटपरेवाबक खंजनबटेरहैं। सारसकीशोरजोरतीतरबरोरबोलैंहारिलऔसारि काकोकहैंनामढेरहैं ॥ रातपीतसितऔअसितकंजफूलेबरकूजत अनेकखगभांतिभांतिमेंरहैं। बनादासगुंजतभवँरचोपिचाखैंरस भाखैंकबिकिमिलहैआशयसबकेरहैं ३२ जहांतहांपरीदलनृपन किठौरठौरधनुषस्वयम्बरकेहेतजौनआयेहैं।गाजैंगजमत्तबीरबा जेहैंअखाड़नमेंस्यंदनशुतरतुरैसकैकोगनाये हैं ॥ आयुधअने कधारिशूरबीरबादकरैंबनादासलरैंजहांतहांअतिभाये हैं । पटे बाजपूरेरणशूरेदेशदेशनके अतिअभिमानीजेहैंमुखमसिलाये हैं ३३ अतिसुखप्रदजानिजनकनिवासदियेकरजोरिकौशिकसों सद्यहीसिधायेजू । भोजनकोपायमुनिसहजस्वभायसोयेजागे दिनयामरहेबन्धुदोउआयेजू ॥ लखिउत्कंठारामलषणकीकहे वेगिदेखापुरचाहतरजायकाहपायेजू। बनादासपरमप्रसन्नह्वैके कहेमुनिसुखीकरोलोगरूपसुन्दरदेखायेजू ३४ सिंहकटितूणक सिनीलपटपीतधरबयसकिशोरश्यामगोरचितचोरहैं। भुजहैंअ जानुधनुबानुधरेवीरबरधीरनरहतजेहिंलखेमनभोरहैं ॥ दीरघ

बिलोचनविशालभालटेढ़ीभौंह तिलकरसालछबिकामकोटिथो
रहैं। बनादासकाकपक्षकुंचितअसितकचकरैंहियघायशीशचौ
तनीकिकोरहैं ३५ कंकणकलितकरमुद्रिकाकरजनोखीपंकजल
जातउरआयतअतीवहैं। शोभितकेयूरमुक्तमालउरभ्राजमान
तुलसीप्रसूनयज्ञपीतकम्बुग्रीवहैं॥ दशनअधरअरुणारेमुसका
निमन्दकाकोनहरतमनसुखमाकेसींवहैं। कीरतुण्डनासिकाश्रवण
कलकुण्डलहैंबनादासकोनिजोहिजूभैऐसोजीवहै ३६ आननश
रदंसोमकन्धजुवाकेहरिसेजानुयुगपीनकामभाथकोलजायेजू। व
सनसुरंगप्रतिअंगशुचिभूषणहैं अमितअनंगनिजरंगनदबाये
जू॥ नीलपीतजलजातसुठिबरगातसोहैंजोहैंजौनमोहैंऐसोकौ
नजगजायेजू। बनादासप्रथमहिंबालगणसाथलागेयुवावृद्ध
नारिनरपीछेसुनिधायेजू ३७॥ सवैया॥ त्यागिसबैगृहकाजच
लेजनुजन्मकेदारिदलूटनसोना। एकनएकसोंबूझतधायगये
कितसांवलगोरसलोना॥ फैलिगईपुरबातचहूँदिशिदेखेतेमा
नोभयेवंशटोना। दासबनाजोनआवनयोगमलैंकरदोयकहैंजि
यबोना ३८ प्रेममेंमत्तभयेसबलोगलगेसँगजातनदेहसँभारा।
कोहमकौनकहानाहिंजानप्रमाणकरैंनहिंलोगगवाँरा॥ मानोंबि
देहभयेसगरोपुरदासबनामनहाथपरारा। बालकछैबशप्रीति
बुलावतराखतुहैंरुचिबारहिंबारा ३९॥ घनाक्षरी॥ झांकती
झरोखेतिग्ररामरूपअनुरागि भामिनीजनकपुरअतिभूरिभागि
हैं। चन्दमुखकियेहैंचकोरनैनचैनधाय चंचलचकितचितमैन
उरदागिहैं॥ कहतपरस्परसखिश्यामगौरकैंसेजागिजियबिरह
लगनअतिलागिहैं। बनादासतनमनबावरीसीभईजनुकहतन
बनतसनेहसुधापागिहैं ४० कुलकानिटारिटारिवारितनमनप्रा
णरामहिनिहारिशुचिसुमनझरतुहैं। पुरजनगुरुजनपरिवारभे
षभारकबहुंडरतकहुंलाजकोकरतुहैं॥ बनादासदामिनीसीदम
कतचारिओरऊँचेअटाचढ़िआछेमोदकोभरतुहैं। कहैंएकएक

नतेजीतेकोटिकामछबि निजनिजमतिअनुमानकोकरतुहैं ४१ बिधिमुखचारिपंचबदनपुरारिसखि बिष्णुभुजचारिऔरदेवका हिगनेहैं। सोमसुठिशीतलतपतभानुसबकाल गणपतिगजमु खइन्द्रअक्षघनेहैं ॥ मदनअनंगकहांशोभाऐसीनरनमेंइनसम येईकहूंदूसरोनजनेहैं । अहोभागिआजुनिजनैननसुफलकरो बनादाससबैकोऊऐसीउरठनेहैं ४२ ॥ सवैया ॥ बोलीतबैस खीएकसयानियईमुनियज्ञरखावनहारे। ताड़कामारिसुबाहुविदा रिनिदैत्यनकोदलसबैसंहारे ॥ गोरेसेगातसुमित्राकेतातऔसाँ वलसीकौशल्याकेबारे । दासबनाअबआयेइतैकरिहैंमिथिला पुरलोगसुखारे ४३ जानकीयोगअहैंबरसांवलबावरभूपकिये हठभारी। एककहैंशिवचापकठोरअहैंअबहींसुकुमारविचारी ॥ एककहैतृणसेधनुतोरिहैंतूनप्रतापकोजानगँवारी । एककहैंबन येजिनसीयतेईबरसुन्दररामसँवारी ४४ एककहैप्रणत्यागिवरैं सियलायेबिदेहइन्हेंपहिंचानी । एककहैयहबातअलीकहैएक कहैसँगमेंमुनिज्ञानी ॥ एककहैलहेजन्मकोलाहबिलोचनमार गमेंउरआनी । एककहैमिथिलापुरधन्यजहांपगधारेयहीअनु मानी ४५ जोप्रणत्यागिवरैंसियरामहिंतौनृपजन्मकोलाहलहैं जू। ह्वोयसुखीतिहुँलोकसखीअरुलोगभलासबभांतिकहैंजू ॥ हैंसुकृतीमहिपालभलीबिधिजानिपरैंशिवक्योंनचहैंजू । दासब नासियभागिकीभाजनतातेसबैबिधितेनिबहैंजू ४६ जोअनहो नीधरेमहितेतनलोकहुंवेदसुनीकहुंनाहीं । तौअनहोनीलहैंब रसाँवरो हैपरतीतियहीउरमाहीं ॥ याबिधिकोटिकरैंउरकल्पना एकनएकगहैंतियबाहीं । खांचतरेखनटारेटरैंयहदासबनाचित चोनोचाहीं ४७ ॥ घनाक्षरी ॥ यहिबिधिकरतमनोरथकोदे खिदेखिकहतपरस्परप्रेममेंमगन है । भूलेगृहकाजकोसकलपुर नारिनरसबहीकिलागिसुठिरामसोंलगनहै ॥ ब्रह्मजीवकोसनेह समयपायजागिपस्योबनादासबालगणघूमतसगनहै। जहांतहां

भेदकोव्रतायकैलेवायजातजलजलजायचोपिचलतपगनहै४८।
सवैया ॥ आयेस्वयम्बरभूमिजहांअनुरागिकैबालकलागिदेखा
वैं । बन्धुदोऊअतिहीरुचिपालत जाततहांतहँमोदबढ़ावैं ॥
मायारचैपलमेंजगजासुमुनीश्वरध्याननहींजेहिपावैं । तेशिशुसं
गसखाकरिघूमतयज्ञथलीलखिकैहरषावैं ४९ आश्रमकोगवने
करुणाकरसांझसमयगुरुत्रासजनावैं । शीलसनेहभयेशिशुसे
बशदासबनानकछूबनिआवै ॥ कैसेभजैनहिंऐसेकृपालुहिजन्म
तहींनहिंसोमरिजावै । भोगनकोभवकोदुखभूरितेहीकरिकैबिधि
ताहिजिआवै ५० भांतिअनेकप्रतोषिकैबालकफेरेतबैरघुबीरगो
सांई । बंधुसमेतचलेहर्षायऋषयपदपंकजपैशिरनाई ॥ पाय
रजायकियेकृतनित्यकोसंध्यानिबाहिगयेदोउभाई । दासबनाइ
तिहासपुराणसमयलखिभाषेकछूमुनिराई ५१सैनकियेपुनिकौशि
कजायपलोटनपायँलगेदोउभाई । शीलसनेहसबैगुणसेयुतपूजी
जबैगुरुकीसेवकाई ॥ पायरजायकियेप्रभुसैनतबैपदचापतबंधु
सोहाई । दासबनाकहेसोवहुतातगईरजनीयुगयामसिराई ५२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयो
ध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामद्वादशोऽध्यायः १२ ॥

छंप्पै ॥ उठिप्रभातरघुनाथचरणगुरुबन्दनकीन्हा । लक्ष्म
णसहितबिलोकिमहामुनिआशिषदीन्हा ॥ बहुरोनित्यनिबाहि
बन्धुयुतआयसुपाई । चलेसुमनकेहेतबागपैठेनृपआई ॥ र
खवारनतेबूझिकैलगेलेनदलफूलशुचि । कहबनादासबरबाटि
काबाढ़ीदेखिबिशेषरुचि ५३ गिरिजापूजनहेतजननिपठईवै
देही । सङ्गसहेलीसुभगसप्तनवअंगनजेही ॥ गावतमङ्गलगी
तबागभीतरसियआई । कोकबिबरणनयोगजायमनतहँलोभा
ई ॥ जनुबसन्तऋतुटिकिरहीद्वादशमासनगवनकर । कहबना
दासकैलोकसुरपरिहरिआयेवृक्षवर५४ चम्पकवकुलतमालपन
सअरुकदमसोहाये । श्रीफलकैथरसालचिंचिनीजम्बुनिकाये ।

मौलसिरीसहतूतिफालसेदाड़िमसोहैं। नारंगीजंभीरसरीफाकम
रखरे हैं॥खिन्नीबदरअंजीरबरपुंगीफलरम्भासुतरु।पारिजातआ
मलकशुचिचन्दनधूपप्रकाशकरु ५५ नीमऔरअम्बारतारखज
जूरिसोहाये । पाटलसुभगअशोकशोकनाशतसतिभाये ॥ ला
चीलौंगअमोलपिप्पलीकालीमिरची । जानिपरतमनहरतकाम
मालीकरबिरची॥ दाखछोहारेबिबिधबिधिमेवातरुकोनामलह।
कहबनादासपावनपरमसमवसोत्रिबिधंसमीरबह ५६ लागेतरु
कचनारहारशृंगारसुहाये । कदइलकलँगाकलितबसंतींजुहील
गाये ॥ सुरजमुखीसुखदेतमुखीशशिचितहिचोरावै । दुपअरि
हाकीदमकगमकअतिहीमनभावै ॥ कुंजअपरमन्दारशुचिअ
रुगुलाबबरकेवड़ा । कहबनादासकैसेकहैजहँगिरिजाकोकबि
बड़ा ५७ चोखेबेलाचारुचमेलीअतिचितहरणी । गेंदानाना
भांतिनामकहँलैकबिबरणी ॥ गुलाचीनसेवतीसहजहीसुखसर
सावै।गुलसब्बोगमरूरसुगन्धीअतिमनभावै॥ गुलमेंहदीगुल्दा
वदीगुलखैराकुंदीबिमल । कहबनादासकरनाकलितललितल
गीतुलसीअमल ५८ नानाबूटीजरीसजीवनिकौनगनावै । मू
लीमूलअनेकसागस्वादितमनभावै ॥ सकरकंदमहिकंदबिबिध
बिधितामेंसोहैं। तरकारिनकोनामकहैऐसोकबिकोहै॥नादंवोंपद
वनादमकबहुबिधिऊखपियूखसम । कहबनादासअगणितल
तानिरखतसुखलागतपरम ५९ झालीआलीसघनकामकोजनु
बिहारथल । समुझेदेखेबनैबिलोकेजाहिभावभल ॥ सकलबिटप
पल्लवित सुमनफलभारनयेहैं । यथाबोधबुधपायअधिकगरु
आयगयेहैं ॥ परसतमहिबल्लीलतापतानपावैकोउदुरे ॥ कहब
नादासअतिबालबुधिनहिंउपमाउरमेंफुरे ६० कूजतकोकिलकी
रसारिकाअरुचकोरबर । नीलकंठकलकंठपपीहापीवपीवकर ॥
तीतरहारिलशोरमोरनाचतअतिसोहैं । बहुखगबोलतबोलच
हूंदिशिमनकोमोहैं ॥ जनुमनसिजसेनापरीबहुप्रकारचतुरंगिनी।

कहबनादासजीतनलियेतिहूंलोकअतिशयघनी ६१ सावकास चहुंपासचहूंदिशिअतिरमणीका । तामधिशोभितबागबागमधि पुंनिसरएका ॥ बांधेमणिसोपाणिचहूंदिशिअधिकसोहाये । रात पीतसितअसितहरितअतिहीमनभाये ॥ नीरपरमगम्भीरबरबि कसेसरसिजरंगबहु । कहबनादासतहँलखिपरतमीनमनोहरक हूंकहु ६२ पानकरतमकरन्दमत्तअतिगुंजतभृंगा ॥ बीतरागम नहरतकूजतेबिबिधबिहंगा । चक्रवाकबकहंसपरेवाखंजनना ना । सारसरवरमणीकसुनतछूटहिंमुनिध्याना ॥ कुक्कुटपुनिकल हंसकलवत्तबिपुलखगकोगनै । कहबनादासवहिसमयसुखदेख तअरुसुनतहिबनै ६३ तटगिरिजागृहबनोधवलसुठिधामसुहा वा । नानामणिनगखचितअमितचित्रामबनावा ॥ शोभितकु लिशकपाटठाटकौनीविधिबरणै । जगजननीशिवशक्तिअसुरसुर नरमुनिशरणै ॥ करिमज्जनसियसखीसँगहरषिचलींदेवीभवन । कहबनादासगावतिअलीभलीभांतिकहकबिकवन ६४ सुमनसु भगनैवेद्यचारुचन्दनशुचिथारी । अक्षतनानागन्धधूपशुभआ रतिबारी ॥ गिरिजापूजाकीनजानकीअतिमनलाई । नारदबचन प्रसिद्धसमयपरसोसुधिआई ॥ बरमांगेरघुवंशमणिबारबारवन्द नकिये । कहबनादासगौरीबरदचाहतफलसद्यहिदिये ६५ सखी सुमनकेहेतगईसियसंगबिहाई । गहरभयोअतिताहिप्रेमाबिह्वल ह्वैआई ॥ पुलकगातदृगनीरबेगिमुखबोलिनआवै । सखिबूझत कामिल्योतोहिंसोसत्यबतावै ॥ आयेदेखनबागकोसाँवलगौरकि शोरवर । कहबनादासकोउनृपसुवनकारणजानहुँहर्षकर ६६ कैधौंकोउसुरअहैंधरेयुगमनुजशरीरा । मधुमनसिजकैअहैलखे उररहतिनधीरा ॥ नरनारायणकिधौंकिधौंशृंगारओशोभा । भयोभू पकोरूपजाहिलखिअतिमनलोभा ॥ किधौंब्रह्मभोउभयबपुजा निसकैकोलोगहै । कहबनादासकिनदेखियेअवशिदेखनेयोग है ६७ तासुबचनसुनिसियहिभयोउत्कंठाभारी । दरशलागिमन

ललकअपरसखिबचनउचारी ॥ आयेनृपसुतकाल्हिउभयकौ शिकऋषिसाथा । आगेलीन्हेभूपजाहिलखिभयेसनाथा ॥ सुबशकियेपुरनारिनरजिननिजरूपदेखायकै । कहबनादासदेखिय अवशिचलीसियासुखपायकै ६८ नूपुरध्वनिमंजीरकिंकिणीचूरी बाजैं । बिछुआपुनिपैंजनीकामकरिचालहिलाजैं ॥ सुनिबोलेर घुनाथलषणसोंबचनसुहाये ॥ जनुजगजीतनहेतकामदुंदुभीब जाये ॥ तातजनकतनयासोईहोतस्वयम्बरजासुहित । कहबना दासआवतिइतैदेखतबागलगाइचित ६९ सीताऐसोनामधाम तेजननिपठाई । गिरिजापूजनहेतसखीबहुचलींलिवाई ॥ करैं कृपाजोदेविमिलैसुन्दरबरयाको । उतकण्ठाउरमातुयहीआश यहैताको ॥ लतापटलकेओटमेंसियहिदेखाईरामसखि । कहब नादासरघुबीरमुखरहीचकोरीजनुनिरखि ७० लगेललकिदृग चारिलहेपारसजनुरङ्का । निमिहुतजेथलपलकलाजभैयआई शङ्का ॥ सजलनयनतनपुलकबचनकहिआवनताही । अतिश यप्रेमअधीररहीतनकीसुधिनाही ॥ गयोअपनपौहाथसेरामरूप हियमेंलह्यो । कहबनादासरहिमौनधरिछैतलेशनाहींरह्यो७१ सियमुखसुभगसरोजमधुपरघुबरदृगलागे । चाखतछबिमकर न्दमनहुँसोवतनहिंजागे ॥ नखशिखशोभानिरखिकहनकीरु चिउरआई । राखेमनहींमाहिंखोजिउपमानहिंपाई ॥ कहतअ नुजसोंविहँसिप्रभुरघुबंशीकुलरीतिअस । कहबनादाससपनेहुँ विषेजाकोपरतियतकबकस ७२ सत्यबचननितकहैंदानप्राणैंदे डारैं । कालहुतेनहिंडरैंखेतरणकोऊप्रचारैं ॥ ऐसेनरननिकाय कतहुँजगथोरेथोरे । परत्रियहेरनहेतअधिकनिश्चयउरमोरे ॥ मुखमयंकसीतानिरखितृप्तनमानतमोरमन । कहबनादासग म्भीरगतिउतरदेतनहिंसहसफन ७३ पुनिबोलेरघुनाथसुभग अँगफरकततातां । सगुनसुहावनहोतहेतसोजानबिधाता ॥ करतलषणसोंबातकञ्जमुखसियमनपागा । नहिंटारेतेटरतपर

तकहिकिमिअनुरागा ॥ कहतकछूकहिजातकछुचंलतइतैउत पगपरत। कहबनादासरघुबीरगतिमतिपटतरनहिंअनुहरत७४ रामरूपअवलोकिकामशतकोटिसुभगतन । मनहुँठगोरीअंग अंगलखचातअतिहिमन ॥ निरखिनिरखितनदशाभईसखिय नकीभोरी। रह्योअपनपौनाहिंसमयसुखकौनकहोरी ॥ थकितबु द्धिमनवचनकरिमनहुंनागकालेडसी । कहबनादासरोमांचतन प्रेमपंकबाणीधसी ७५ लक्ष्मणरघुपतिदासयतिनमेंप्रथमहिरे खां । तिनलीलाबहुभांतिभूलिकहुँनैननदेखा ॥ कहँसीताकहँ सखीकहांरसबागबिलासा । महाशूरबरधीरहृदयकछुनेकनभा सा ॥ कुलस्वभावप्रथमहिंकहेरघुपतिरूखेबिषयरस । कहब नादासतेहिसमययकरामअनुजरहशान्तरस ७६ सखियनहो शसँभारिजानकीदशाबिचारी । परबशपरमअधीरसकतिनहिं सुरतिसँभारी ॥ करगहिबोलतव्यंगसुवननृपदेखनआई । ताहि नदेखतनेकगौरिकोध्यानलगाई ॥ सकुचिसियाखोलेनयननहिंदे खेरघुवंशमणि ॥ जैसेजलबिनमीनगतिबिकलमनहुँफणिरहित मणि७७चितवतचहुंदिशिचकितथाकितअतिहीसबगाता। बिन देखेरघुनाथकल्पकोटिनपलजाता ॥ बैदेहीलखिबिकलसकलस खिखोजनलागीं। लेतसुमनदलरामलषणलखिअतिअनुरागीं॥ लतापटलतेबिलगभेनीलपीतजलजाततन। कहबनादासजनु उभयबिधुभईसखीतबमुदितमन ७८ सखिनदेखाईसीयललाकि लोचनअतिजागे। भैगतिचुम्बकलोहचारिचखसुठिअनुरागे ॥ रामरूपछबिधामकामशतकोटिलजावन । कोकबिबरणैयोगका हिकीमतिअतिपावन ॥ सुभगचौतनीशीशशुचिअलकअहिनि केचालमनु । क्षुधितकृशितलटकेलपटिअलिअवलीसकुचातज नु ७९ आननशरदमयंककंकमर्कतद्युतिलाजे। बालाश्रवणअनूप भालशुचितिलकबिराजे ॥ अक्षअरुणअरबिन्दबङ्कभ्रूअतिम नभाई। अवलोकनिचितचोरहेरिपटतरनहिंपाई ॥ मन्दमन्दबि

हँसतबदनदाड़िमद्युतिबिम्बाकदन । कहबनादासनासासुभग रघुबरमुखशोभासदन ८०. चिबुकचारुसुकपोलकन्धहरिकम्बु कग्रीवा । उरआयतमणिमालभुजायुगबलनिधिसीवा ॥ कर कङ्कणकेयूरबामकरराजितदोना । कटिकेहरिपटपीतकुवँरसांव लसुठिलोना॥ जानुपीनयुगमनहरणचरणकमलजलजातजनु। कहबनादासमहिमाअमितबसतजहांयोगीशमनु ८१ नखशिख शोभासींवगौरतनलषणसुहाये । जोड़ीसुभगबिलोकिसियास खिअतिसुखपाये ॥ रामरूपअवलोकिपिताप्रणसुमिरणकीनां । नहिंकहुँचितथितलहहिजानकीभइअतिदीना ॥ बहुरिसुमिरि नारदवचनउरधीरजकरतीभई । कहबनादासगतिकोकहैप्रीति पुरातननितनई ८२ इतउतघूमतिबागमृगाखगबिटपनिहारति। लगीसुरतिरघुबीरमुरतितेनेकनटारति ॥ सीताबूझतिसखिन नामतरुलताबिटपकर । चहतिननेकबिछोहप्रीतिपथदृढ़अति तत्पर ॥ कहूँकहूँप्रगटतदुरतप्रभुसीताजनुसूरशसि । कहबनादा सबल्लीलताजलदपटलपटतरसुअसि ८३ रामबामकरसुमन गिर्‍योधोखेसोंभूतल । रह्योनपूजायोगलेनपुनिलगेफूलदल ॥ अन्तर्यामीसकलसदाजनकीरुचिराखैं।शारदशेशगणेशनिगम नारदअसभाखैं॥ प्रीतिरीतिपहिंचानिबोत्रिभुवनतीनिउकालम हैं। कहबनादासरघुनाथसमकबहूँकोउनकतहुँकहँ८४सियाराम हियमध्यरामसियकेउरमाहीं। थप्योपुष्टतेहिकालतुष्टआयोदोउ पाहीं ॥ नखशिखदेखतरूपउभयजनुमुकुरहिछाया। तदपिनमा नततृप्तकालअतिअलिलखिपाया ॥ युक्तिवचनसखियनकही येऐहैंयहिबेरनित। आजुतेप्रतिदिननेमकरिगिरिजापूजियलाय चित ८५ कछुसकोचउरमाहिंबहुरिजननीभयलागी । तदपिन हींचलिसकतजानकीप्रभुपदपागी ॥ बरबसचलींलेवायसखीत बहींबैदेही। मानहुँमृगीसभीतचितवहितरामसनेही ॥ देवीपू जाहेतकोलेनलगीफलफूलसिय। करसरोजमालारचततनइत

हीजहँरामजिय ८६ पार्वतीकेभवनबहुरिगवनीबैदेही । उरबा
ढ़ीअतिप्रीतिमिलैंरघुपतिहिततेही ॥ सङ्गसखीसुकुमारिसकल
मिलिगावहिंगीता । कोकिलबयनीबामचहैंमनक्रमहितसीता ॥
पुलकिगातअस्तुतिकरतगद्गदगिरासोहावनी । कहबनादास
बाणीमधुरअतिगिरिजामनभावनी ८७ जयजयजयजगजननि
बिश्वपालनिलैकरणी।उद्भवइस्थितहेतवेदगतिसकतनबरणी॥
जयजयशिवमुखचन्द्रकान्तिकररसिकचकोरी । जयदामिनिद्यु
तिदेहनेहपतिपदनहिंथोरी॥ सकलसुरासुरमुनिनमितपदपंकज
जगयशधवल। कहबनादासबांछितबरदकबिकीरतिगावतनवल
८८जयजयजयगजबदनअम्बहेरम्बसुशीला।जयमहिषासुरद
लनिखलनिखँदिखोदनिलीला॥जयबाहनमृगराजशूलअसिच
र्मशरासन। तूणकुशलरणकेरिहरतसबदिनसुरत्रासन॥जयजय
जयहिमगिरिसुताजयतिजयतिकरुणाभवन। कहबनादासमहि
माअमितदुखदूषणदारिददवन८९ जयमृगशावकनैनचंदचम्प
कबरबदनी। चंडमुंडनिशुंभशुंभशोणितबियकदनी ॥ जयपतिदे
वपुनीतजयतिशक्तिनाशिरमौरी। अंतर्यामीसकलदानिमनबांछि
तगौरी॥कारणप्रकटनकरतिसियबारबारपदशिरधरी। कहबना
दासबंशहिमसुताखसीमालपासापरी ९० हँसिबोलीतबदेविसि
यामनबांछिततोरा। अबपूजिहिसबभांतिबचनअन्यथानमोरा॥
सादरधर्योप्रसादशीशसीताअभिलाषी । उरहीउरअतिमोदभा
गिआपनिबड़भाषी॥मनप्रसन्नअतिजानकीसखिनसहितगवनी
भवन। कहबनादासयुतबंधुप्रभुमुनिसमीपकीन्हेगवन९१जायबं
दिगुरुपायँरामलक्ष्मणसुखपाये।सुमनपायऋषिरायकरतपूजाम
नलाये॥समयजानिरघुनाथकथाकौशिकयहभाखी। सरललेशछ
लनाहिंहृदयकछुगोयनराखी॥ह्वैप्रसन्नआशिषदियेरामलषणमन
कामना॥कहबनादासपूजिहिसकलतुवसुकृतअतिशयघना९२॥
इतिउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेत्रयोदशोऽध्यायः १३॥

सवैया ॥ भेजेबिदेहसतानँदकोमुनिकौशिकलावहुबेगिबुलाई। आयरजायकहेमहिपालकिबैठतआसनभेशिरनाई ॥ बोलेऋषे तबहींदोउबंधुकोदासबनापदबंदेनिआई। तातचलोमखदेखनहै तकहेनिमिराजकिआयसुआई ९३ बेगितयारभयेदोउबंधुचलेमु निमण्डलीमध्यसुभाये।साजिशरासनबाणकसेकटिपीतपटासुठि तूणसुहाये॥सांवलगौरकिशोरमनोहरठौनियुवामृगराजलजाये। दासबनापुरलोगसुनेसबबालकवृद्धयुवाउठिधाये९४ पुरुषनारि बिसारिसबैगृहदेखनेकोअतिहीललचाये । आवतुहैंमखपेख नकोदोउराजकुमारशृंगारबनाये ॥ काहुँनकीनसँभारकोहूकर बालहुवृद्धनसंगमेंलाये । दासबनानखसेशिखलौंछबिधामक रोरिनकामलजाये ९५ ॥ दण्डक ॥ जनकपुरनारिनरसकल मोहेनिरखिरूपरघुबीरशतमारलाजे । सुभगसर्वांगयुतअनुज कोदण्डधरनीलपटपीतकटितूणराजे ॥ बाहुआजानुउरवृहद मणिमालवरतुलसियुतसुमनमुखचन्दशोभा । मन्दमुसकानि भ्रूबंकराजीवदृगरामछबिधामलखिकोनलोभा ॥ चौतनीशीश कचअवलिअलिकुटिलअतिआहिनिकेबालजनुलपटिलटके । क्षुधितअतिहीकृशितकहां पटतरमिलेकवनअसहृदयजेहिनाहिं खटके ॥ रंगमहिआयअतिभीरभारीभईतुरितनृपकहेसेवककहें कारी । सकललोगनयथायोग्यबैठारिकैंसजगह्वैरहौकरवेतधा री ॥ तुरितउपायकरिकियेसबशांतिअतिआयनिमिराजमुनि चरणबन्दे । सुभगआशीशलहिदेखिबरबीरदोउमनहिंमनभूप अतिहीअनन्दे ॥ सकलमखशालमुनिबरहिदेखरायकेंसहित रघुबंशमणिबीरबांके । कहेऋषिरायअतिसुभगरचनाबनीला यचितचारुचहुँओरताके॥ देखिदोउकुवँरनृपमण्डलीमलिनभै दिवसजिमिचन्द्रद्युतिअवशिनासी । यथामृगराजलखिनाग बिनप्राणभोआपहीआपहियहहरित्रासी ॥ सकलहियमाहिंपुनि पुनिफुरतबातयहरामसियबराहिंसंदेहनाहीं । बिनहिंधनुभंगजय

मालनायहिगरेभूपप्रणतजेभलसबकहाहीं ॥ मंचसुठिवृहदम
हिपालआसनदियेसंगदोउबन्धुराजितमुनीशा । बनादासउडु
गणविधेमनहुँरजनीशयुगउदयभूपालबलतेजखीशा ९६ ॥ स
वैया ॥ जैसनभावरहाजेहिकेउरतैसनतेतसरामहिंदेखा । शी
शारहैरसएकसनातनजानिपरैजसजाकरभेखा ॥ ऐसहिशुद्धस
नातनहैंप्रभुभाषतशारदओश्रुतिशेखा । दासबनाद्युतिराजकु
माररत्रिलोकेनलावनयोगनिमेखा ९७ पायरजायसुभूपसुसेवक
मंदिरबातजनायनिजाई । साजिसखीनवसप्तसुअंगनभांतिअ
नेकशृंगारबनाई ॥ मध्यअलीमिथिलेशललीकरिगावतकोकि
लकंठलजाई । दासबनाबहुभांतिकेमंगलजोसुनिकैमुनिध्यान
बिहाई ९८ मानहुँभारतीभूरिधरेतनखोजिकहांउपमाकविपाई ।
चालजिन्हेंकरिकामलजावतदेतमनोरतिरूपदबाई ॥ कंकण
किंकिणिनूपुरबाजतचूरीमँजीरकहांलौगनाई । दासबनाजनुका
मनिशानमनोजगजीतनहेतबजाई ९९ रूपअनूपसबैअलिउ
त्तमतामधिजानकीसोहतिकैसे । ज्योंछविमण्डलमेंछबिराशिकि
येउपमाकविभूँठअनैसे ॥ ताराकेमध्यनिशाकरपूरणतौहूँकहैम
नभावतजैसे । दासबनासियछायानहींतिहुँकालमेंआवतुहैचि
तऐमे १०० ॥ घनाक्षरी ॥ यहिविधिमैथिलीगवनरंगभूमि
कियेशोभासिन्धुनारिनरपैरिपैरिथाकेजू । जानकीचकितचित्त
चोपिचारिओरेहेरेकहांप्राणप्रीतमकुवँरबरबांकेजू ॥ देखेमंचउन्न
तमुनीशआसपासबैठेश्यामअंगसुन्दरनजरिभरिताकेजू । बना
दासनैनमगरामहिसयानीआनीरहीशांतिसखिनमेंगूढ़गुणजाके
जू १ ॥ सवैया ॥ लोगकहैंमनमाहिंसबैअबयज्ञकरैनृपकारणके
ही । ब्याजलियेकतमूरिगवाँवतरामहिंक्योंनबरैबयदेही ॥ जो
धनुभंगभयोकरऔरकेतौतिहुँलोकतपैदुखयेही । दासबनासिय
साँवरोयोगहैसिंहकोभागशशाकरदेही २ रामनहींधनुतोरनयो
गअहैंलघुबैसअबैदोउभाई । याअसमंजसमेंनरनारिकहैंविधि

कीगतिजानिनजाई ॥ शंकरगौरिमनावैंगणेशहिभूपहृदयकिन
फेरहुजाई । दासबनामतिहोयसबैकसजानीभयेकुलदेवसहाई
३ सीयस्वरूपविलोकिमहीपतिबन्धुदोऊतनकेरिलोनाई । नि
इचयकियेबरिहैंयईजानकीयामेंनहींकछुसंशयहैभाई ॥ आयेको
हैफललोचनलाभसोलेहुभलीबिधिआजुअघाई । दासबनाम
तिमानबिचारतकायरकूरकपूतबिहाई ४ पापीजेहैंअयशीऔ
मलीनअलीकप्रलापीहृदयगतिबोधा। भांतिअनेककरैंमनोराज
कहैंहमसेजगऔरकोयोधा ॥ तोरिशरासनशंकरकोसियबेगि
बरैंमनकोअतिशोधा । दासबनाहैंअभागिकेभाजनरामप्रताप
नहींउरबोधा ५ याबिधिआपनआपनभावबिचारकरैंसबलोग
लोगाई । बंदीबुलायबिदेहकहेप्रणगूढ़सुनावहुभूपनजाई ॥ रा
यरजायसोशीशधरेतबदासबनागवनेशिरनाई । हर्षहृदयअति
भाटभयेपुनियज्ञथलीमहँबाँहउठाई ६ ॥ छप्पै ॥ सुनहुसकल
महिपालकहतभूपतिप्रणगूढ़ा । धीरबीरनृपशूरहोहुनिजपक्षअ
रूढ़ा ॥ कच्छपीठपविकूटअतिहिशिवचापकठोरा । बड़िसमाज
सुठिलाजआजयहिअवसरतोरा ॥ सुरसुरेन्द्रपुनिअसुरनरराव
रंकसीताबरैं । कहबनादासनिमिविरदइमिभाटसमयतिमिउच्चरैं
७ उठेशूरबरबीरनृपतिकटिपरिकरबाँधे । बारबारशिरनाँयइष्ट
देवनआराधे ॥ करतदण्डमहिकोऊभुजापुनिजानुमरोरत । को
ऊधूरिलगायअंगअंगनतेतोरत ॥ जायधरतकोदण्डशिवन
हिंतिलभरिटारेटरत । कहबनादासनिजनिजदिशाकोटिकोटि
श्रमकोकरत ८ पतिव्रतापतिवाक्यसन्तजिमिधर्मनत्यागत ।
चूरचूरकटिजातशूररणभूमिनभागत ॥ जिमिसिपुरुषकोबच
नचलतनहिंतीनउकाला । एकतियाव्रतपुरुषयथाआपनप्रण
पाला ॥ यथाधामध्रुवअचलहैगिरिसुमेरुसेद्वैरह्यो । कहब
नादासकोदण्डशिव सकलनृपनकोबलदह्यो ९ ज्योंपंकज
निशिसमयदिवसजिमिशशिद्युतिहीना । बैठहिंनिजथलजाय

ताहिबिधिभूपमलीना । कुलहिकालिमालायबहुरिनिजमुखम
सिलावत ॥ नहिंपावतसन्तोषसुभटपुनिपुनिउठिधावत ॥
अरुणउपलजिमिगहतखग अमिषअहारबिचारिकै । क
हबनादासचूरणभयोचोंचचलततिमिहारिकै १० दशलागेक
रिक्रोधबीसतीसहुपुनिलागे । चालिसलगेपचाससाठिपुनिल
गेअभागे ॥ लागेसत्तरिअसीबहुरिनब्बेसौधरेऊ । कीन्हेअ
मितउपायनेकटारेनहिंटरेऊ ॥ पुनिसौसौबढ़नेलगेलगेहजारौ
धायकै । कहबनादासबलसकललैबालिभयोगरुआयकै ११
लगेसहसदशभूपटरतकोदण्डनटारा। कहँउपमाकबिलहैसेनसा
रापचिहारा ॥ रहेबिबेकीभूपशरासननिकटनआये । देखिदेखि
दोउबंधुअधिकउरमोदबढ़ाये ॥ पुरजनअतिनिन्दाकरतसाग
खायजननीजने । कहबनादासपितुअशनकियेमनहुँखरीकोदौ
कने १२ जनकहृदयतेहिसमयभयोपरितापघनेरा।शोकसिंधु
मेंमगनलहतनाहिंबोहितबेरा ॥ धनुतोरनप्रणकियेजानुसोसक
लजहाना । सुनिसुनिआयेभूपद्वीपद्वीपनकेनाना ॥ तानबतोर
बलेबकरकाजकछूनाहींसख्यो । कहबनादासबिधिगतिकठिनन
हिंतिलभरिटारेटख्यो १३ कुलहिकालिमालायसकलनिजनिज
गृहजाहू । पृथ्वीबीरबिहीनकहाबैदेहिबिवाहू ॥ धरिनरन्नृपको
वेषदैत्यदेवोबहुआये । काहूकरनहिंटख्योमनहुँमहिसंगहिजाये ॥
हिमगिरितेअबिचलभयोसकलसुभटकीपतिलई । कहबनादा
सबिधिबामताकाहकियेकैसीभई १४ सुकृतजायप्रणतजेनतरु
सियरहैकुवाँरी । असमंजसअसपख्योदोऊबिधिबातबिगारी ॥
कैधोंमेरोपापसियाकेभाग्यबिहीना । भूपहृदयसंतप्तवचनबोलत
अतिदीना ॥ जनिमाखैकोउबीरबरखोलीधनुकलईसबै । कह
बनादासअपमानअतिवचनकाहतुमकोअबै १५ तिहूँलोकनिर्बी
जप्रथमअसजानिनपाई। नहिंकरतेप्रणकठिनजगतकिमिहोतहँ
साई ॥ सुनतजनककेवचनलजारुविटपसमाना । सकुचिदिये

शिरनायबीरकछुकियेनकाना ॥ भूपबचनबिलखानसुनिशोकासि
न्धुपुरजनमगन । कहबनादासअवसरनिरखिअतिसरोषबोले
लषन १६ कुटिलभौंहदृगअरुणअधरफरकतमुखराते।लैलैंऊ
रधश्वासबीररसतेसरसाते ॥ भूपावलीबिलोकियथाकरिगिणमृ
गराजू । अहिगणमेंखगकेतुलवहिअवलोकतबाजू॥ जनकवृद्ध
बोधिकपरमभोगीजोनितब्रह्मरस।कहबनादासयहिसमयमहँकहे
वचनअबिचारकस १७ भानुवंशजेहिठौरतहांअसकहैनकोई ।
रघुकुलकमलदिनेशबीजतहँअनरथबोई।मष्टकरहुभोअत्तिकहां
तकक्रोधनिवारैं। उठतअंगमेंआगिलागिरघुबीरसँभारैं॥ तुमपा
लकश्रुतिसेतुकेक्षमाउचितअनुचितसबै। कहबनादासरघुबंशम
णिजोआज्ञादीजैअबै १८ मीचमलौंजिमिमूसकालमेढुकसममा
रौं।मूलीसमगिरिमेरुउखारतनेकनवारौं।सातरसातलस्वर्गकर
तलावोंनहिंबारा । सातस्वर्गपातालपलकमेंपठवनहारा ॥ जैसे
सीसीकांचकीपटकौंअण्डकटाहइमि । कहबनादासपलटौंप्रुहुमि
छीनोपीपरपातजिमि १९ क्यायहतुच्छपिनाकपुच्छवम्भनीस
मतोरौं। कंजनालसेदशनसकलदिगपालदरोरौं ॥ छत्रदण्डसम
धरौंसहसयोजनलैधावों।क्षणकमाहिंरघुनाथरावरीआज्ञापावों॥
यहब्रापुरापिनाकशिवपलकमाहिंयहिबिधिदलौं । कहबनादास
जनुमत्तगजनिजअंगनमशकहिमलौं २० सकुचानेसुनिजनककु
टिलनृपअतिभयमाने। बाजझपटतेलवामनहुंजहँतहांलुकाने ॥
रघुनन्दनउरमोदसुखीभैसियमहतारी । सीतापरमानन्दहरषस
बपुरनरनारी॥सनमानेतबगाधिसुतअतिदुलारकरिलषणकह।
कहबनादासडूबतमनहुँअवलम्बनसबकोऊलह २१॥ सवैया॥
रामउठौशिवचापबिभंजहुगंजहुशोचमहानृपकेरी। ठाढ़भयेसह
जैरघुबीरबिदेहकहेमुनिकौशिकटेरी ॥ आज्ञाभईरघुनन्दनकोउ
रताहीतेआवतशोचघनेरी। दासबनाअसमंजसहैदोउभांतिन
पावतउत्तरहेरी २२ ॥ छप्पै ॥ सीतारहैकुवाँरिशम्भुधनुजोन

हिंटूटै। अयशतीनिहूँलोकशोकपावकतनभूटै ॥ अतिकोमल सुकुमाररामलघुवयससलोने। नहिंधनुतोरनयोगरचीविधिअ बकाहोने॥ नहिंपावतअवलम्बकहुँधरमधुरंधरधीरबर । कह बनादासउपमाकहांतेहिअवसरनृपदशाकर २३ महाभूपशिर ताजनृपतिदशरथबड़वारे । जासुबड़ाईअवधिकवनकहिपावै पारे॥ बनैनकोईबातमोहिंसबजगकहपोचू । सीतारहैकुमारि अधिकतातेयहशोचू॥ आगेनहिंआशारहीकोऊआयधनुभंज ई। कँहबनादाससरिशोकमेंबारबारनृपमंजई २४ ॥घनाक्षरी॥ लेतकनसुईसुहाचाहीहोतजहांतहां कानासानीकरैंसबकैसीयह बातहै । कहैनबुझायकोईहठताकेवशभयेभूपतिविदेहकीसया नपसिरातहै॥ कहांशिवचापपविकूटतेकठिनअतिकहांरामको मलसलोनेसुठिगातहै । भारीअसमंजसमगनपुरनारिनरबना दासजानिपाईजानकीकीमातहै २५ कैसोबिपरीतकालआयो हैविदेहकर समुझिपरतसारीसभाभैअचेत है । प्रणपरित्या गिसियब्याहतनरामजूको जानतनमणितजिगुंजागहिलेतहै॥ भूपदशसहसनजाकहँचलायसके तौनधनुकैसेराजकुवँरकोदेत है । बनादासखीझैपुरनारिनरजहांतहांदेखौनिमिराजकैसेहठ कीनकेनहै २६ रामअनुरागबशमगनसकललोगसजलनयन अतिपुलकशरीरजू । औरकोहवालकोऊकैसेपहिंचानिसकैज नकमहीपतिपैअतिभारीभीरजू॥ जौनधनुटूटैतौबिवाहरहोजान कीकोउतौरहैरामकीनतरुमहापीरजू । प्रणपरित्यागकियेसुकृ तकोनाशहोतजगउपहासतातेधरतनधीरजू २७ दनुजमनुजदे वहारिगयोतीनलोकभारीभारीबीरनकीबाहुँबलहईहै।भूपद्वीपद्वी पकेउपायकोटिकोटिकियेसुईअग्रचलोनाहिंऐसीगातिभईहै॥ रा वणऔबाणदेखिगवैंसेपयानकियेतौनधनुकैसेराजकुवँरकोदईहै। बनादासयुगसमपलकब्यतीतहोतसियामातुउरअतिभईबिकल ईहै२८सीतामातुअतिअकुलातउरबारबारदेखोमतिभूपतिकीकै

सीकटिगईहै।सचिवपुरोहितनसेनपसुभटकहैंकौनेदेवबुद्धिसबही
किहरिलईहै॥छोटेरामकोमलकठोरधनुतोरनकोबनादासकाहूभां
तिधीरजनलई है।सकलकहावैहितूसमौपैनकामकरैसतानन्दभा
मिनिकहतअसभईहै २९ छोटोतिलआंखिकोसकलजगदेखिपरै
सारोहैशरीरनाहिंपेखनकेकामको।छोटीहैसंजीवनीहरतमहारोगन
कोछोटोमणिमाणिकबढ़ावैकेतेदामको। छोटीकैसीगाजसोपताल
हूकोफोरिजातछोटीअतिलेखनीबड़ाईकेतीनामको।बड़ोभवदाप
पापतापतीनिकालहरैबनादासनामछोटमानौमतिरामको ३० छो
टोअतिअंकुशमतंगनकोकाबूराखैसारोजगजेरकियेछोटोधनुका
मको।छोटोरबिमण्डलप्रकाशसबलोकनमेंछोटेघटयोनिसिंधुशो
षिलहेनामको॥ छोटोपुनिमन्त्रसर्बदेवनकोबशकियेबावनसेछोटे
इन्द्रपायेसुरधामको। छोटेबूँदबापीसरसरितातलावभरैबनादास
रानीछोटजानोजनिरामको ३१ खड़ीसियशोचतिबिलोचनतेमो
चैबारिरामहिनिहारिहियअतिदुचितईहै।हायतातबातकोबिगार
तअनेकभांतिकियेहठदारुणकठिनसोइभईहै॥अतिसुकुमारशि
शुकोमलसलोनेगाततातेधनुभंगचाहेबिषबीजबईहै।बनादासपु
रनरनारिपरिवारदुखीहेरतनरामओरकहाचितठईहै३२सेयेभानु
गौरिगणपतिऔमहेशदेवतेऊसमौपायजनुसुधिबिसरायेहैं।मानो
सेवकाईतौसहायरामभुजहोहुनातौकाहूभांतिबातबनैनबनायेहैं॥
पितुपोतिलागिखोयेदेतहैअमोलमणि काहूभांतिकाहूकिनसुनत
सुनायेहैं।बनादासजानकीहियेकिरघुनाथजानैकबिकेहिभांतिको
ऊपटतरपाये हैं ३३ पलकपलकबिकलपऔसंकल्पहोतकाहूभां
तिकहँथितिलहैनसयानीजू । निमिषनिमिषकोटिकलपब्यतीत
जाहिरामदशाहेरिहेरि हियअकुलानीजू ॥ जहांनीतिप्रीतिऔ
प्रतीतिरघुनाथजूकीतहांकीनगतिजानिसकैअनुमानीजू । बना
दासजानिहैजोपायेकछुताकोस्वाद ताहिबरबादलोकवेदकुलका
नीजू ३४ ॥ छप्पै ॥ लषणलखेरुखरामवचनबोलेगम्भीरा।

सजगहुमानिरजायधरहुसबकोऊधीरा ॥ दिगदंतीअरुकोलक
मठपुनिसँभरहुशेशा । धरहुधरणिबरजोरमानिसबमोरनिदेशा॥
पवनकालबिक्रमसकललोकपालजनिकोउचल्यो । कहबनादा
सरघुवंशमणिअबचाहतशिवधनुदल्यो ३५ लषणवचनसुनि
लोगकछुकअवलम्बहिपावत । नरनारीजहँतहांपितरसुरसुकृत
मनावत ॥ जोकछुपुण्यप्रभावहोयहमरेभरिजन्मा । सोभुजरा
मसहायकहतमनबचअरुकर्म्मा ॥ जोसुकृतीमहिपावलीसुरमु
निसाधुसबैकहत।कहबनादासरघुनाथकरधनुषभंगपुरजनचहत
३६ सीयदशाकिमिकहैंमीनजनुसूखेउपानी । ज्योंफणिमणिबि
नबिकलभांतिअतिहीअकुलानी ॥ सजलनयनतनपुलकभयो
मनगङ्करभारी । शिथिलभईसबअङ्गअतिहिमिथिलेशकुमारी॥
करमबचनमनठीकदैअन्तर्यामीप्रभुनितै । कहबनादासदूजीन
गतिकरिकरुणादेहैंचितै ३७ घटघटबासीरामसबनउरकीगति
जानी । जनकहृदयपरितापजानकीअतिअकुलानी ॥ कीनेउर
अनुमानबारनाहिंलावनयोगा । कौशिकपदशिरनायमुनिनसों
लियेनियोगा॥ चलेयुवामृगराजगतिमत्तनागलज्जितअतिहि।
कहबनादासखरभरहृदयबिकलपपलपलसबमतिहि ३८ जान
हिंरामंस्वरूपरहेतेशान्तसयाना । देवपितरनिजसुकृतनिहोरत
बिबिधबिधाना॥ युगसमनिमिषब्यतीतहोततेहिअवसरमाहीं ।
काहकरिहिकर्तारकालगतिजानिनजाहीं ॥ गयोरामकोदण्डढि
गतेहिक्षणमनपटतरनहीं । कहबनादाससमुझेबनै नाहिंआव
तमुखपैकही ३९ लेतेपाणिपिनाकचढ़ावतलखानकोई । चप
लाकैसीचमक लक्षकौनींबिधिहोई ॥ भयोशब्दसुठिघोरडगो
सारोब्रह्मण्डा । चौंकेशम्भुबिरञ्चिपरयोभूतलयुगखण्डा ॥ मा
रतण्डथहरातपुनिअउवभभरिमारगचल्यो । कहंबनादासधस
कतधराजबहिंरामशिवधनुदल्यो ४० दिगगयन्दलरखर्योशे
षकच्छपकटिकरकी । कलमलातअतिकोलधकाधकसबउरधर

की ॥ उछल्योसप्तसमुद्रसेरुभूधरहिमिदलक्यो । सरसरितान
दनारकूपबापीजलछलक्यो ॥ कम्पमानलोकपसकलबिकलकु
टिलमहिपालमनु । कहबनादासजयजयतिजयरामदल्योजब
शम्भुधनु ४१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या
खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामचतुर्दशोऽध्यायः १४ ॥

कच्छपीठितेकठिनकूटपविअधिककठोरा । कालदण्डतेबिक
टसकलअवनिपबलतोरा ॥ सुम्मेरहुतेगरूअचलध्रुवधार्मसमा
ना॥बिदितवेदयुगचारिहारितिहुँलोकहुमाना॥मानहुँनाथिपताल
गोमहिसँगरच्योबिरंचिजिमि । कहबनादासरघुबंशमणिभंज्यो
पंकजनालतिमि ४२ भोत्रिकूटतेकठिनमनहुँमैनाकसमाना ।
रावणसेदियपावनहीं अरस्योकरबाना॥देवदनुजकैमनुजजनकपुर
सबकोउआये। सुईअग्रनहिंचल्योगयेसबलाजलजाये ॥ सप्त
द्वीपअवनिपमुरेतेहिउपमाकबिकहेकिमि । कहबनादासरबिकुल
तिलकतोरयोछत्रकोदण्डजिमि ४३ मिथिलापुरजयजयतितिहूँ
पुरबजीबधाई। बन्दिबिरदउच्चरतवेदबिप्रनभरिलाई ॥ देतह्नि
जनकोदानबिबिधसम्पदालुटावत । सुमनबृष्टिसुरकरतसुयशर
घुपतिकोगावत ॥ देवनटीनृत्यतविपुलपुरप्रमोदचहुँपासअति।
कहबनादासतेहिसमयकरपटतरनाहिंकबिलहतिमति ४४ जन
कमोदकोकहैलहेकहँमुखसहसानन । पुरजनअतिआनन्दजान
कीकोतनभानन॥ रामशरदराकेशगाधिसुतसिंन्धुसमाना।पुल
कावलीअतीवबढ़तबीचीविधिनाना॥ लषणलखतरघुबंशमणि
जनुदरिद्रपारसलह्यो । कहबनादाससियमातुसुखउपमाकिमि
शारदकह्यो ४५ जयजयध्वनिचहुँदिशातिहूँपुरमङ्गलभारी।
रामशम्भुधनुदल्योबरीमिथिलेशकुमारी ॥ बिधिआदिकसुरमु
दितचरितरघुपतिकोगावत। अतिमुनिसाधुअनन्दकहांउपमा
कबिपावत॥ याचकभयेधनेशजनुदेनहारगृहखँगतनाहिं । कह

बनादाससियरामकीमहिमाअमितकोसकतकहि ४६ ॥ घना
क्षरी ॥ जानिरुखजनकरजायदियेसतानन्दसखीसुठिमोदमनम
ङ्गलकोगायेजू । भामिनिकेमध्यगजगामिनिजगतमातुस्वामि
निसजतकबिउपमानपायेजू ॥ जाकेप्रतिअङ्गरतिअमितनव्या
जतुल्य करकञ्जजयमालअतिछबिछायेजू । बनादासगवनी
मरालबालरामपास अवनिपअमितलजारुसेलजायेजू ४७
आईप्रभुनिकटनिकाईकीनिबाहेकहि लसततमालजनुकनक
किबेली है । उरमहामोदओढ़ेबाहेरसकोचसारीदम्पतिमनहुँ
छबिजगतसकेली है ॥ लाजैकंठकोकिलाकेछूटैंसुनिध्यानमुनि
मंगलमुदिततियगावैंअलबेली हैं । बनादासअमितसनेहकोसैं
भारकरिसियजयमालपियउरमाहिंमेलीहै ४८ जयमालरामउर
सुरझरैंसुमनकोपुरनरनारिमोदमंगलकोगाये हैं । नटैंकलकि
न्नरीसुनावैंरघुबीरयशअमितमुदितदेवदुन्दुभीबजाये हैं ॥ श्या
मगोरजोड़ीहारीशारदटटोरि उररहीटकटकालायउपमानपाये
हैं।नीलघननिकटज्योंचपलाअचलरहीबनादासपटतरतदपिन
भाये हैं ४९ लखिद्युतिदम्पतिकीनारिनरमहामोदपायेमनभाव
तजोदेवनमनाये हैं । सियाकोस्वरूपपेखिबिकलविशेखिभये
कुटिलमहीपबहुगालकोबजाये हैं ॥ निजबलतोरेंधनुजानकीसो
ब्याहैंभूपजादूगीरबालककोजानिहमपाये हैं । टोनाकरितोरेधनु
बनादासेबकैंसबसुभट समाजमेंअनीतिकोमचाये हैं ५० बा
जीगरकोनकामजानकीबिवाहिबोहै तातेलेहुछोरिअबबेरक्योंल
गाये हैं । भारीभारीसुभटननेकहूचलाइसकेताहिनृपबाललघु
कैसेतोरिनाये हैं ॥ जनकरिसायजोसहायकरैकोऊभांतिसैनस
हितजोतिबांधहुसुभाये हैं । बनादासत्राहित्राहिकरिकरकानदेत
धार्मिकभूपउरक्रोधअतिपाये हैं ५१ बूड़िनमरहुभरिगगरीमें
बालूगरेबांधिऐसेबचननजीभजरिजायेजू । नाकगैपिनाकसाथ
आकतरुकाहेहोतपावसकोजलनलषनलखिपायेजू ॥ मुखम

सिलायकिनअवाशीघराहिजात बशबिधिकछुहोनहारऔरआये
जू । बनादासपुरनरनारिदेतगारिबहु जहांतहांशोचतअतिहि
नीचजायेजू ५२ पचिपचिमरेधनुसाथमेंनकीनभयोअबरघुनाथ
सोंकलहचहैकियेहै । करैंगेलषणक्रोधबोधसबदूरिकै हैएकहीनि
मेषमेंलपेटिचोटदिये है ॥ कैसेपितुमायऐसोजायेपापवंतपूतकर
णीसमुझिनिजलाजनाहिंहिये है । बनादासचाहीडूबिमरैचिल्ल
पानीमाहिंनानीकेमरेसेमुखकौनीभांतिजिये है ५३ जैसेललचा
तमृगराजगजयुत्थदेखिबाजज्योंबटेरअहिगणखगकेतुहै । त्यो
हींभ्रुवबंकरक्तनैनमुखरातेअति चैनडरलहतनसहैरामहेतु है ॥
हियबाहनहीनआंखिअतिहीमलीन सारेबलऔप्रतापपेखिभूल
तअचेतु है । बनादासरघुबीरओरबारबारहेरिलषणसकोपअ
तिऊर्ध्वश्वासलेतुहै५४॥सवैया॥ ताहीसमयशिवकोधनुभंगसुने
भृगुनन्दनकोपिसिधाये। मानोशरीरधरेरसबीरफुरेरदकेपटजात
नगाये ॥ तूणकसेकटिदोयमहाभटरातेसेनैनकुठारउठाये.। दा
सबनासजिबाणशरासनभालबिशालत्रिपुण्ड्बनाये ५५ गोरेसे
गातबिभूतिसोहातमनोकरिकोपकोशंकरआये । शीशजटापटहै
मृगचर्मकहाँउपमाकबिखोजतपाये ॥ क्रोधसेआननरातेअतीव
शरासबदूसरकाँधमेंनाये । दासबनासकुचेमहिपालमनोलखि
बाजलवादबकाये ५६ ॥घनाक्षरी॥ धायधायपाँयपरिपितुकेबता
यनाममानोंबिनामारेमरेकम्पतशरीरभो । चितवतकृपादृष्टिमा
नोताहिमरनसेभारीभीरदेखिदेखिधरतनधीरभो ॥ कहतजनक
दिशिकारणसुनाउबेगिदेखेयुगखण्डधनुअतिउरपीरभो । बना
दासकहतकुठारपाणितोरेधनु शठनबताउबेगिकहाँतोनबीरभो
५७ उलटिसकलराजशोककोसमाजदेउँसूनेनस्वभावमोरकाहे
तेअशंकभो ।बेगहीसमाजतेबिहायकैदेखावैमोहिंनातोदलौंसा
रीसैनअतिभ्रुवबंकभो ॥ पुरनरनारिबशशोचभेपरस्परकहतन
बातबनैमहाअहतंकभो । बनादासभारीभारीबीरनकीधीरछूटी

कम्पतकरेजबारबारजनुपंकभो ५८ ॥ छप्पै ॥ कीन्हेजनकप्रणा
मजान।कहिमुनिपदनाये । पायेसुभगअशीशबहुरिकौशिकतहँ
आये ॥ बोलेरामहुलषणतिनहुंपदबंदनकीन्हा । श्यामगौरअव
लोकिमुदितह्वैआशिषदीन्हा ॥ सप्तद्वीपकेमहिपजेक्रोधवन्तभृगु
देखिकै । कहबनादाससहमेसबैज्योंगजमृगपतिपेखिकै ५९ डा
रिडारिहथियारबिबिधबिधिबेषछिपाये । केतेबीरअधीरनारिके
रूपबनाये ॥ केतेब्राह्मणबनेभूपकेतनेभयेभाटा । केतरूपकुरूप
बिलानीअवनिपठाटा॥ बहुयाचकभिक्षुकघनेबिपुलमजूरह्वैगये।
कहबनादासबहुबजनियाँउथलपथलनृपदलभये ६० केतेकिंगि
रीलियेसारंगीबिपुलबजावैं । बिबिधनृत्यकीबेषरागनानाबिधि
गावैं ॥ नाऊबारीबनेघनेजोलहाअरुदरजी । पायेफलततकाल
यहीभगवतकीमरजी ॥ भूपबिबेकीधार्मिकशूरधीरतेरहिगये। क
हबनादासउपमाकहाँलत्थपत्थबहुबिधिभये ६१ कहेकोपिभृगुना
थजनकजोशिवधनुतोरा। सहसबाहुशतगुणाताहिरिपुमानहुंमो
रा॥लखिबिदेहकीदशारामबोलेमृदुबानी॥काहकहीभृगुनाथमोहिं
सेवकनिजजानी॥सेवकह्वैसेवाकरैरीतिसनातनयहीहै कहबनादा
सरिपुरीतिकृतअतिहीपरमअनीतिहै ६२ बोलेतबहींलषणमहा
मुनिधरियेधीरा । टूटोहरकोधनुषभईतुम्हरेउरपीरा ॥ जोत्तोरा
शिवधनुषकवनतातेबड़पापी । मुखदृगरातेक्रोधअधरदशनन
सोंचापी ॥ सोबिलगायसमाजतेक्योंपरोक्षबातैंकरै। कहबनादा
सपलकलनहींभलकुठारअबहींमरै६३ अतिहिपुरानपिनाकपरा
दैविंककोखायो । नयोजानिलियरामछुवतहीआपुनशायो ॥ कौ
नकियेअपराधमृषामुनिदोषलगावै । धरेसाधुकोबेषछमाउरने
कनआवै ॥ बदतबातबिपरीतिअतिबालकजानेमोहिंनहि । कह
बनादासलक्ष्मणकहेजानेब्राह्मणलेतसहि ६४ मृषाधरहुधनुबाण
काहिलगिपाणिकुठारा । नवगुणकीन्हेत्यागिअमितशरबचनतु
म्हारा ॥ करिश्रुतिअबिहितरीतितेहूपरसाधुकहावत । ताहूपरपु

निकोपिमोहिंसुठिआंखिदेखावत॥ सोईस्वरूपबिचारिकैजोकछु
कहौसोसबसही।कहबनादासशस्त्रौधरेकहँलगिरिसिरोकेरहीं६५
रेनृपबालकपोचबचननहिंकहतसँभारा। शिशुबिचारिसहिरहौं
सुनेनहिंमोरकुठारा॥महियकबिंशतिबारछत्रतेकीन्हेहीना। को
टिकोटिनृपशूरकाटियातेबलिदीना॥ सहसबाहुबिनकरकियेसो
अबलगिनाहींसुने। कहबनादासशठमंदमतिमोहिंकेवलसाधु
हिगुने ६६ अरुणनयनभ्रुवबंकलषणउरअतिरिसब्यापी।की
न्हेमुनिकोबेषबचनबोलतजनुपापी॥ लायेअंगबिभूतिभयेोपट
मृगकोछाला। पायेंचहीबिशेषिलियेकरमेंजयमाला॥ काटन
हारजोबेणुबनतासुबड़ाईआपनी। कहबनादासगोवतकहाया
हीतेजननीहनी ६७ कौशिकबालकमन्दचहौजोयाहिउबारा।
तौसमुझावहुसद्य भाषिबलतेजहमारा॥ तबसकोचसेबचा
अबहिंतकअधमअभागी। गयोकालनगिचायभयोकुलघात
कटांगी॥ सुनिसरोषनिर्भयबचनतनमनजनुजरिबरिगयो।
कहबनादासभृगुवंशमणिबलबिहीनअतिहीभयो ६८ सुनिस्व
भावभृगुनाथलषणकीदशाविचारी। अतिहीजनकसभीतकम्प
तनपुरनरनारी॥ सियामातुउरशोचकहतशिवसकलबनाई।
अबधौंकाहोनहारकालगतिजानिनजाई॥ भईदुचितअतिजा
नकीकुटिलभूपहर्षितघने। कहबनादासजहँतहँकहतअबसँयो
गबिधिबशबने ६९ फरफरातसुठिअधरलषणउरधरसेनधीरा।
अतिहिनिदरिभृगुनाथकहतपुनिगिरागँभीरा॥ हमहूँअबलगि
सहेजानिब्राह्मणकुलतोरा। मुनिकोवेषविचारिकियेउरअमितनि
होरा॥सबक्षत्रिनकोबैरजोकाटिशीशलेहौंअबै। कहबनादासभृगु
वंशमणिकरकुठारतान्योतबै ७० कीन्हेहाहाकारतबैजेलोगसया
ने।नयनतरेरेरामलषणतबहींसकुचाने॥गाधितनयभृगुपतिहिअ
मितनिजओरनिहोरा। बोलेरामसुजानबचनजनुअमृतघोरा॥
सुनियमहामुनिधीरबरभृगुकुलपंकजभानहो। कहबनादासबाल

कबचनकरतकवनबिधिकानहों ७१ हेशिशुपरमअजाननहींम
हिमाप्रभुजाना । क्षत्रीजातिस्वभावबीरलखिसोरिसिआना ॥
क्षंमियेताकीचूककाजकछुतेइनबिगारा । अपराधीमैंनाथशीश
तवअग्रकुठारा ॥ बारबारबिनतीकियेपाणिजोरिरघुवंशबर ।
कहबनादासशीतलकछुकरामशीलतेपरशुधर ७२ बड़पापीतव
बंधुकहतकिमिबालकयेही । निपटनिरंकुशनिठुरयोगहोनेयमगे
ही ॥ कुलकलंकयहजन्योजंननियोबनतरुघाती । नाहिंतोहिंअनु
हरतअधमअतिहीउतपाती ॥ छांड़ततुम्हरेशीलतेनाहिंरहतेबध
कियेबिन । कहबनादासश्रमथोरेहीगुरुहिबेगिहोतेउँउरिन ७३
पाटेपितुऋणभलेमातुनिजकरबधकीना । रहाएकऋणगुरूमाथ
सोहमरेल[illegible]ना ॥ आनहुधनिकबुलायतुरितमैंदेउँपटाई । महूँ
देवऋणऋणीतोहिंबधिछुट्टीपाई ॥ लषणबचनसुनिक्रोधअति
जरतअनलजनुघृतपर्यो । कहबनादासपुनिपरशुधररामदिशा
अतिरिसकर्यो ७४ ललकारेनिजबंधुउतैकटुबचनकहावत ।
बड़ोसेवराराामइतै पदमाथोनावत ॥ तोर्योशिवको धनुषप्राण
अबअतिप्रियलागे । तातेभांतिअनेककरतछलबलअनुरागे ॥
तेहूंपरमकलंककुलधनुषधारिबिनतीकरत । कहबनादासमुनि
मानिमोहिंकेवलनहिंतातेडरत ७५ मैंक्षत्रीकुलकालभालमेंदया
नमेरे । तेहिनिदरैंद्विजजानिकपटजानेसबतेरे ॥ धरुअबहीं
धनुबाणकुलहिमतिलाउकलंका । शंकरकोधनुखण्डिभयोखल
अमितअशंकी ॥ तुष्टकरैकिनयुद्धमेंनतरुरामनामहिंतजे । क
हबनादासकैधनुषधरिअबैसामनेतेभजे ७६ बोलेगिरागँभीर
रामउररोषजनायो । भईबंकभ्रुवकछुकअरुणताकछुदृगआयो ॥
सुनहुपरशुधरबचनअसतकबहूँनहिंबोलैं । भानुबंशकीरीतिका
लतेरणहिंनडोलैं ॥ जोहमनिदरैंअबतुम्हैंतौत्रिभुवनकोबीरअ
स । कहबनादासस्वपनेहुबिषेभयबशनाइबमाथकस ७७ लेहुसँभ
रिधनुबाणसुधारहुबेगिकुठारा । सुनहुजमदग्गिनिपुत्रआइगोकाल

तुम्हारा॥ अबलगिजोकछुकिह्योरह्योधोखेमतिताके।पलटैअब
हिंबिराटक्रोधआयेउरजाके॥ताहिप्रचारेईशत्रशअबबिलम्बका
रणकवन।कहबनादासमतिपरशुधरपटलगयोटरिताहिक्षन ७८
लेहुरमापतिधनुषचढ़ावहुरामउदारा। लेतहिकररघुबीरचढ़त
लाग्योनहिंबारा॥ पुलकप्रफुल्लितगातसजलदृगकंठानिरोधा।
सम्पुटपंकजपाणिकरतअस्तुतिश्रुतिशोधा।जयतिजयतिरबिकु
लतिलकप्रणतपालसंशयशमन। कहबनादासपावनपतितअ
तिअपारभवदुखदमन ७९ जयतिजयतिसुखसिंधुबंधुदेउक्षमा
निकेता। क्षमहुअमितअपराधनमितनितऊरधरेता॥ जयरघु
कुलबरकुमदरामशशिशरदसोहाये।नेतिनिरूपतनिगमअगम
गुणजातनगाये॥जयतिजयतिभुवभारहरगोद्विजसुरसंकटशम
न। कहबनादासजनकल्पतरुतिहूंकालखलबलदमन ८० जय
सीतापतिश्यामरामछबिकोटिअनंगा। आसत्रासबासनाकरनदु
खदारिदभंगा॥जयतिजनकदुखदलनशंभुकोदंडबिभंजन।जय
बिदेहपुरमोदहेतभूपनमदगंजन॥जयमखरक्षकदक्षप्रभुगाधिसु
वनसंकटटरन। कहबनादासताड़ुकाबधिहतिसुबाहुअशरनशर
न ८१ जयजयकटितूणीरपीतपटशरधनुधारण। पापतापसंत
प्तजबतिमुनिबधूउधारण॥ जयतिवचनवरविशदवाक्यरचना
अतिचातुर। जयजयपरमकृपालुहरतदीननदुखआतुर॥जय
जयआननशरदशशिपंकजलोचनबंकभ्रुव। कहबनादासआग
मनिगममहिमालहतनपारतुव ८२ जयतिव्रहदउरबाहुमालमु
क्ताबरधारी। पीतयज्ञभृगुचरणरेखलक्ष्मीअतिप्यारी॥ दशन
अधरसुठिअरुणनासिकाकीरतुण्डबर। काकपक्षशिरमुकटश्र
वणकुण्डलअतिसुन्दर॥ बृषभकंधकेहरिठवनितिलकभालशो
भासदन। कहबनादासमर्कतबरणनीलकंजद्युतिश्यामघन ८३
जयकंकणकेयूरमुद्रिकाकरजसोहाये। कम्बुकण्ठकलधौतकहा
पटतरकबिपाये॥ नाभीउदरगँभीरअधिकत्रिबलीछबिछाई।

कामभाथयुगजानुरोमावलिचितहिचोराई ॥ कमलचरणनख
द्युतिउदितजहँबसमुनिमनअलिअवलि। कहबनादाससोइपद
शरणदेहुरामनिजभक्तिभलि ८४ माँगिसुभगबरबनहिंगयेभृगु
पतितपहेतू। बारबारमनमगनराखिउररघुकुलकेतू ॥ महामोद
पुरभयोगयोसारोसंदेहा। कौशिकपंकजपायँधायनृपधरेबिदेहा ॥
नाथकृपाकृतकृत्यअबसकलकाजपूरणभयो। कहबनादासबूड़त
उदधिकाढ़िदोऊभाइनलयो ८५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचदशोऽध्यायः १५ ॥

घनाक्षरी ॥ होयजोरजायसोकरतनाहिंबारलावोंसमयसिखा
पनसोसबहीसिखाइये। कौशिककहतधनुटूटतबिवाहभयोअब
कुलरीतिवेदबिधिउकराइये ॥ भेजोचरअवधपुरनेकनअबेरक
रौभूपदशरत्थकोसबेरहीबुलाइये। बनादासदूतबोलिनृपतिकह
तभयेपातीकरदयेपुरकोशलसिधाइये ८६ सचिवमहाजनसक
लकामदारबोलिभूपतिबिदेहअतिमोदतेकहतभये। बोलिपरिचा
रकबितानकोविचित्ररचौनगरबजारगृहरचनाबनावोनये ॥ शी
शधरिआयसुकरतनिजनिजकाजउरअभिलाषतातेकोऊनबिल
म्बलये। बनादासहाटबाटबीथीबागबाटिकाजेमानोघरबरहेरमें
आनँदकोबीजबये ८७ रचेचारुमाड़वनशारदसराहिसकैंकद
लीरसालबेणुमणिकेबनाये हैं। मणिमयीआलबालसफलबनाये
सारेध्वजऔपताकभूरिअतिछबिछाये हैं ॥ मोतिनकेदाममणिम
यीहैंनिवारबंदकंचनकलशमणिदीपकधराये हैं। बनादासमणि
केबिचित्रचौकचारुपूरेप्रतिमाबिबिधबिधिदेवनसोहाये हैं ८८
रातपीतसिंतऔअसितमणिकंजकिये चोखेचारुचीरिकोरिभां
तिबहुरचे हैं। प्रतिमाअनेकनानामंगलीकबस्तुलियेशोभाजा
हिदेखिरतिकामहूकेलचे हैं ॥ पचरंगमणिकेअवनिअतिगचकि
येजहांतहांकंचनरजतकरिखचे हैं। बनादासपुंगिऔतमालछबि

चुंगिलियेसुरपुरबिटपकेऐसीबिधिजचे हैं ८९ दुलहिनिजहांभ
ईजानकीजगतमातुरघुनाथदूलहबितानबिधिकहैको । रचेजन
गुणीपुनिशोभाऐसीआयभरीबिधिकीनिपुणताईउपमानलहैको॥
छलकतछबिकबिअपरबखानैकौन शारदकिहटैमतिपुनिनिरबहै
को । बनादासदेखेतेबहारजानेभलीभांतिलिखीसुनीबातनकोद
ढ़करिगहैको ९० आयेचरआतुरनबारलायेमगमाहिंचातुरपर
मराउसभामेंजोहारे हैं । भूपमहामोदपातीसुनिरामलषणकीछा
तीभरिआईधायआपुकरधारे हैं ॥ बांचतपुलकगातअश्रुपातबा
रबारभीजेतनबसननिकटबयठारे हैं । बूझतकुशलक्षेमऔधप
तिप्रेमअतिबनादासबारेदोऊनैनसोंनिहारेहैं ९१ सांवलगौरउ
भयकौशिककेसंगगयेकहौन्टपजनककवनबिधिजानेजू । दूतकर
जोरिकहेमहराजबातएकदीपलैदिनेशदेखैसुनीनहिंकानेजू॥राम
औलषणनहिंपूँछेपहिंचानैयोगभूपतिबिदेहपुनिपरमसयानेजू ।
महासिंहपुरुषनकोऊपटतरताहिबनादासकौन ऐसोदेखिनबिका
नेजू ९२ मुनिमखराखिपुनिताड़कासुबाहुबधिभारीभारीराक्षस
कोरणबिचलाये हैं । गौतमकितियापियाशापतेपषाणभईबेगही
उधारिपुरजनकसिधायेहैं ॥ भूपद्वीपद्वीपनकेआयेहैंस्वयम्बरमें
तिलभरिधनुकोऊभूमिनचलायेहैं । बनादासक्षणमाहिंन्टपनको
मानदलिताहिरामकंजनालसमतोरिनाये हैं ९३ बुद्धिबलरूपते
जकेनिधानबंधुदोऊशिवधनुभंगसुनिभृगुपतिआयेहैं। ताहिअव
लोकिदलभूपबिललायगईरामहुलषणडाटिआंखिसोदेखाये हैं ।
प्रबलप्रतापलखिअस्तुतिबिशेषकरि दियेधनुआपुबनतपहिसि
धाये हैं । बनादासकौशिकरजायपायनिमिरायपातीकरदैकेहमें
इताहिपठाये हैं ९४ धावनकोदेतनेवछावरिसोलेतनाहिंकानमूँ
दिपुनिपुनिमाथमहिनयेजू । ताहीसमयआये हैं भरतदोऊभाईसु
निपातीआईकहांसेकहतअसभयेजू ॥ बहुरिमहीपबांचीसांची
प्रीतिमहामोददूतनदेवायबासगुरुगृहगयेजू । मुनिपदबंदिबां

चिपत्रिकासुनायेनृपबनादासहृदयबांशिष्ठप्रेमठयेजू ९५ भूपहि
प्रशंसतअनेकबारमहामुनितुमसमसुकृतीनतिहूँकालभयेजू ।
जाकेअवतरेरामअंशानसहितआयताकरप्रभावपुण्यपारकोनल
येजू ॥ सजहुबरातरघुबीरब्याहैचलोबेगिपदशिरनायकैभवनभू
पगयेजू । बनादासपातीरनिवासनसुनायेबांचि निमिषनिमिषउ
पजतसुखनयेजू ९६ बोलेबहुब्राह्मणकोभोजनकरायेभूरिबिबि
धप्रकारपुनिदक्षिणाकोदियेजू । रजतकनकमणिभाजनबसनअ
न्नधेनुभूमिभूसुरमगनअतिहियेजू ॥ याचकनबोलिबकशीशकि
येनानाभांतिअश्वगजस्यंदनसराहैसुठिजियेजू । बनादासस
कलअशीशदेतबारबारचिरंजीवचारिसुतमातुमोदलियेजू ९७
यथायोगसम्पदालुटावैपुरनारिनर करिअनुरागरामहेतसुखपा
येहैं । जहांतहांजुरिकैसहेलीसबगानकरैंघरघरपुरबहुबाजनेब
जायेहैं ॥ मानहुँअनन्दचहुँओरउफनायचलो लघुपुरसुखभू
रिसकैनसमायेहैं । बनादासमोदनअमातदोऊभाइनकोभूप
तिकिदशासकैकौनकबिगायेहैं ९८ आज्ञाभैसुमंतसेदिशामें
चारिन्योतभेजोंआवैंसबकोऊतजिमोहमानमदहै । चक्रवर्तीगा
दीऔधबादिनजहानमाहिंरामजूकीशादीउतसाहयातेहदहै ॥
लोकवेदबिदितइक्ष्वाकुबंशचहूँयुगकोशलेशसदा निजपालतबि
रद्दहै । सुरपतिसखातासुकहांलोबड़ाईकहीजोनआवैऐसेकाम
ताहीकीअसदहै ९९ गृहपुरगलीभलीभांतिसेबजाररचो बी
थीनानागंधसेसिंचावोकैबिचारहैं । ध्वजाओपताकाचारुतोरणा
कलशहेमदीपमणिमाणिकअनेकनप्रकारहैं ॥ तुरैनागस्यन्दनब
नावोयाननानाभांतिसेनपसुभटसजैंशूरसरदारहैं । बनादासब्रा
ह्मणमहाजनऔयाचकनसेवकबजनियांकहारभारदारहैं १००नृ
पतिरजायसुनिनिजनिजकाजलागे गलीगलीअवधबनायेभली
भांतिहै । कंचनकलशसबसाजिद्वारद्वारधरेतापैमणिदीपअति
छबिसरसातिहै ॥ सफलरसालऔतमालरम्भातरुपुंगीकहतब

नावजाहिभारतीलजातिहैं । रचेहैंनेवारबन्दमनहुमनोजफन्द घरघरसुखकन्दबनादासख्यातिहैं १ पूरेचौंकचारुनिजकरतेसु मित्राारूरेकंचनकलशमणिदीपछबिछाजेहैं। कोकिलबयनिकल मंगलकोगानकरैंलैलैनामसीतारामबाजेबहुबाजे हैं॥ अवधसो हावनिसदहिकोसराहिसकैअबअमरावतिअनेकबिधिलाजे हैं। बनादासतुरेशालेगजशालेशोधेभलेजहांतहांबीरबरमत्तगजगा जे हैं २ मंगलदरबिभांतिभांतिकेमँगायेभूरिदधिदूर्बरोचनऔ पाननानाफूलजू । सृगचन्दनादिलाजापूजतगणेशगौरिरामको बिवाहमोदमंगलकोमूलजू॥ कहैंपुरनारिनरबातएकएकनसेभ येभलीभांतिहैसुकृतअनुकूलजू । बनादासअवधछबिकबिको सराहिसकैरचनाबिलोकिबीतरागीमनभूलजू ३ समयअनुकूल देवपितृपूजायथायोगनारिरितियपुरुषकेनामलैलैगायेजू। कुलरी तिवेदरीतिलोकरीतिकरैंनिति सीतारामनामरागअधिकसोहाये जू॥मंगलकोचारघरघरपुरएकभांतिआनँदमगनकहादिनराति जायेजू । बनादासनारिनरउरमनोराजकरैं रामब्याहमाहिंतिहूँ भाईब्याहिलायेजू ४ संगहीजनमभयोखेलेएकसंगहीमेंयज्ञउप वीतसंगमुण्डनभीभयेहैं। ऐसेचारिभाईजबसंगमेंबिवाहिजाहिं जानीनिजसुकृतकेलागेफलनये हैं॥ कोऊकहैजौनीभांतिसंगेस बऔरभयोसोहींसंगेब्याहबिधिभलेनिरमये हैं। बनादासअवध अनन्दकोनपारलहैशारदसहमिजानिपरैमौनलये हैं ५ भरतबुला येभूपबेगहीरजायदियेचलहुबरातरामकरिकैतयारीजू । तुरतहि साहनिनसकलहुकुमदियेसाजहुतुरंगनागरथपदचारीजू॥बाहन अनेकभांतिसकलबनावकरोशुतुरसुधारिभारदारभारीभारीजू । बनादासधायनिजनिजकाजलागेसबकरतसजावअंगअंगन्यारी न्यारीजू ६॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या खण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामषोड्शोऽध्याय : १६ ॥

चीनीश्यामकरणसुरंगजोतुरंगबर कसेतंगजोरजंगपूजपट्टा
ल्लालेजू । नोकरेनवीनपैजड़ाऊजीनजानिधरेकलँगीकलितजे
रबन्दहैंदुशालेजू ॥ सिरगासमुदगर्राकाठीपीठकच्छिनकेगोड़
नमेंकड़ेबड़ेकुम्मयतश्रौकालेजू। बनादासललितलगामलक्खी
लाखौंमुखयमतजकन्दिश्रासमानकोउछालेजू ७ केहरीबदामी
महुआदहियलसंजाफरंगहैकलहमेलगंडापेशबन्दबसी है । प
चरँगजालपरेअबलखलाखनपैकुल्लाअनमोलापीठिधारिजामेंक
सी हैं ॥ चालसुठिचंचलपैलादे हैंशिकारगाहमुशकीमुजन्नसपै
गजगाहधसी हैं । बनादाससुरखसबुजकीगुँधायेचोटीमोटेमोटे
मोतीलरअगणितलसीहैं ८ खाकीखुरचालतरकाबरूरशोभा
खानिजेरकड़ेजालिमकेलायेमसरेजहैं । अतिमुखजोरकोनहा
रीनोर्खानईदियेउड़तअकाशमानोंघोड़ेबेकरेजहैं ॥ नामजोक
ल्याणपांचमानोंबिनाआंचजरें जीनपोशजापैमानोंशूलीकेसीसे
जहैं । हहनातफहनातजहांतहांबनादासदाबतदिमाकभानुतुरँ
गतेतेजहैं ९ कुखुमकखावरिहदावलिश्रौछत्रभंगगोमदोमजानु
आनहड्डावालेकामके । सिंहिनिश्रौसांपिनिकरमखनिखायल्लेत
भूमवालेआवैंघरभयेबिधिबामके ॥ अकरबतक्कीनसरबघूटचक्की
राखैश्यामताडुबूरेआंसूढारेबसुयामके। कमरकेलचेघनेसेगदोष
जूड़बूढ़बनादासयेतुरंगनतबेलेरामके १० काशीकाश्मीरखुरा
सानमुल्तानचीनमहाचीनचहुँदिशिकेआयेमहिपालजू। बम्बई
विलायतक्कवायदकरनवाले काबुलकालिंगपुरपट्टनबिशालजू ॥
श्वेतद्वीपकुशद्वीपशालिमलसिंहलादि सातहूसमुद्रवारपारगये
हालजू । बनादासरामब्याहजानिउतसाहअतिधायेसबकोऊ
मानेभूरिभागिभालजू ११ देशदेशकेनरेशभूरिपरेजहांतहांबाहे
रनगरअतिभईभीरभारीजू । भूपद्वारपरतपषाणसोपिसानहो
तजहांतहांठौरठौरक्कैरहीतयारीजू ॥ आपनपरारतेहिसमयपाहिं
चानैकोनशारदसहमिजातकरैकोशुमारीजू । बाजेबहुबाजतन

कानदीनजातकहूँबनादासलाजेघनधूमधामन्यारीजू १२ फा
टतफणिन्द्रफणिकाटतकमठपीठ कलमलातकोलचिकरतदिग
पालहै। चौंकतसुरेन्द्रमहिताकतचकितचित्तधसकतधराधरि
धरतनकालहै॥ कम्पहिमवानकबिकहांलौंबखानकरैटूटिकैपि
सानहोतपाहनबिशालहै। बनादाससंख्याहेतबिधिऊर्ध्वश्वास
लेतसाजतबरातदशरत्थमाहिपालहै १३ अमितमतंगनपैदुन्दु
भीबजतघोरडंकाऊंटपीठिनपैअतिघहरातहै। सिंहाबीणतुरही
बजतसहनाईभूरितासाढोलडफलानकानदीनजातहै॥ पणव
नफेरिडिमडिमीशंखशब्दअति कहांलौंगनावैघनजाहिसकुचात
है। अतिभारीभीरदेखिभूपतिरजायदियेबाहेरनगरयोगचलन
बरातहै १४ बाहरसेआयेपुरभीतरनआयेतौनकहाँसमबाईद
लमहाबरजोरहै। देवताअकाशमेंबरातदेखैंरामजूकीजहांतहां
अतिगजघंटकोटकोरहै॥ तुरगनचावतकुरंगसेनिशानगतिड
गतनतालजोरजंगअतिघोरहै। बनादासउरअभिलाषहोतबा
रबारकबहिंकुवँरदेखैंदोऊश्यामगोरहै १५ गाजेमत्तनागदिशि
कुंजरलजातजाहिकलितअम्बारीभूलभालरिललितहै। मोती
मणिमाणिकजड़ाऊज्योतिजगमगै भगैमेघवानमदछबिउछलि
तहै॥ बारबारदाबतदिमाकऐरावतकोदूषणदलितलाखौंलक्षण
फलितहै। बनादासकंचनकेहौदापीठपाठनकेउपमाटटोरिशोक
शारदसलितहै १६ शत्रुंजयबिदितगजउपमानजाकोजगअति
हीबिशालहिमशृंगकेसमानहै। औधमहाराजजोईहोतहैसवार
सोईसजोसबअंगकरैकहांलौंबखानहै॥ जाहिलखिलालचसुरे
शहूकेहियेहोतबनादासकोतलबरातअगवानहै। भूपतिकेअस्त्र
शस्त्रसाजधरेनानाभांति कसीहैअम्बारीतापैएकपीलवानहै १७
रेशमकेरस्सेश्वेतघंटाघहरातघोर मदकेपनारेगिरिभरनासेभरे
जू। दीरघपलकदंतघनहंसपांतिमानौंचमाचमीचपलासीपटत
रलरेजू॥ शुण्डकोउठायरथरबिकोलपेटोचहैभूतलधरतपायँ

कच्छकोलदरेजू । बनादासकरतचिकारघोरबारबारसुरकरका
नदेतआसमानअरेजू १८ लाखौंलाखौंसिंधुरकेहलकाहजारों
चलेभारीभारीसांकरपगनमाहिंपरेहैं । भालेबरदारआसपासच
ढ़ेअश्वनपैअनीकोलगायेतबौनाहिंकाबूतरेहैं ॥ एकदन्तउभय
दन्ततीनिदन्तचारिदन्तदशनबिहीनकौनसंख्याकबिकरेहैं । बना
दासश्यामश्वेतभूरेभांतिभांतिनकेमानहुँधतूरेखायनशामदभेरे हैं
१९ बैठेसरदारक्षोणीपतिसुतबांकेबीरछयलछबीलेअस्त्रशस्त्रब
हुधारेजू । कटिकरवालैपीठढालैऔमंदीरैशीशपागटोपीचीरारं
गसमलाउदारेजू ॥ परिकरकसेमनबसेतनतेजभूरिधरमधुरीण
सुठिसमरजुभारेजू । बनादासउरउत्कंठाहोतबारबारकबैरघुना
थनीकेनैनतेनिहारेजू २० काबुलीखंधारीखेतजंगलकेघोड़ेबहु
मंगलकेदेनहारेलक्षणतुरंगहैं । सिंधुजासलोनेसोनेमणिनकेभू
षणहैंदूषणरहितअंगअंगजोरजंगहैं ॥ दक्षिणीपछाहींहरद्वारी
सिंधुसातहूकेफांदिबेकोनदनारउरमेंउमंगहैं । बनादासजलमा
हिंथलकेसमानचलैंभानुअश्वकोदबायदेतऐसेढंगहैं २१ मोर
गीपहाड़ीददरीकेबहुदामवाले टाँघनटट्टूआताजीतुरकीअमोल
हैं । घनपगधरतअवनिमेंअनूपगति मानोंपरैआगिमाहिंअति
हीफफौलहैं ॥ टापनतेजनुशेषहूकिकटिकूचिजातफूटतकमठपी
ठदबकतकोलहैं । बनादासधमकतेधराअकुलातबहुजाकेजोरजं
गनतेडोलतअडोलहैं २२ ॥ छप्पै ॥ तुरयकाठियावारअरबके
अश्वघनेरे । पवनबेगउड़िजातगरदकहुँमिलतनहेरे ॥ चपला
कैसीचमकमनहुँघनमाहिंसमाई । अरबखर्ब्बलैगिनवदामकहु
कौनेपाई ॥ बहुवनिबनिकोतलघनेसोजनुथलछोड़ेचलैं । कह
बनादासअतिबक्रगतिसुठिलगाममुखमेंमलैं २३ लाजैंभानुतुरं
गरंगरंगनकेबाजी । नहिंहयशालेइन्द्रघनेतुरकीऔताजी ॥ चो
खेचांड़ेचपलचकितअसमाननिहारैं । तरफरातअतिकाननाक
बहुबारनमारैं ॥ कबिकोबिदकीगतिकहांशारदहूमौनेधरै । कह

बनादासकोकहिसकैरामतबेलेजोतुरे २४ ॥ घनाक्षरी ॥ पोल
दबिजातठौरठौरमाहिंभूमिहूकिनटकैसेकलाजनुकूदतकुरंगहैं।फ
फदतफदतनथँभैथापीमारेहूतेबारबारभरतअकाशकोउमंगहैं ॥
मनबेगपौनबेगनटतमयूरगतिजानुकोदबायेकरैमहाजोरजंगहैं।
बनादासपटतरहेरेनमिलतकहूँमानहुँतुरंगबहुरूपभोअनंगहैं २५
बाजीछबिछाजीसुठिराजीराखेमनबेग हहनातफहनातजोरतेजम
तुभो। बारबारकावाफिरैघिरैमहिदौरिदौरिलौरिमिंपरतजनुअति
उछरतुभो ॥ ताजिनमेंशिरताजीगाजीमर्दकोगुमानझांकैआस
मानरविअश्वनिदरतुभो। बनादाससैकड़ौंहजारोंलाखौंकोटिको
टिएकतेअधिकएकलेखाकोकरतुभो २६ रंगरंगकेतुरंगअबलख
जोरजंगउरमेंउमंगदौरिकरतदलेलहैं। मुसकींमुजन्नसमयूरगति
मनबेगकुमयतकुल्लाबहुचलेबगमेलहैं॥सिरगासुरंगगर्रापर्राजोरि
भांतिबहुभारीभारीनदनारमारिजातहेलहैं। बनादासभूमिभूमि
टापनतेफालैंभूमिकूदतकुरंगगतिकरतकुलेलहैं २७ चालचालुच
पलचलतचितचोरिलेतसुरखासबुजमनमौजकोसँभारेहैं। खाकी
खुरथारभरैंकच्छीहैंकुरंगगतिनोकरानवीनउड़िजातबारबारेहैं ॥
केहरीबदामीनटकलासेकरतजनु झांकैआसमानआलपूँछझुकि
झारेहैं। बनादासलक्खीपेलिकामकरैंलाखनमेंदहियलदाबतदि
माकजनुसारेहैं २८ ताजीतरफरैंकानतुरकीउमंगभरैमहुआहरत
मनकरतकलोलहैं। हहनातफहनातझुकिझुकिभूमिफिरैंशोभि
तसंजाफमानोंअतिहीअमोलहैं ॥ सिंधुजासलोनेजनुचलतअ
काशमगकाबुलीकुलाचिफोरिदेतमहिपोलहैं। बनादासजंगली
जुलुमअतिजोरकरैंघनपगधरैंजनुपरतफफोलहैं २९ मोरगीपहा
ड़ीभारीभारीरणकामकरैंददरीकेरिपुदलमाहिंदबिजातहैं। टां
घनटट्टूआसुखदेतअसवारनकोअतिहीअरामाबिछीसेजसेसोहात
हैं ॥ देशठेदवंगअंगअंगनतेबज्रमानोंटेढ़ीनीरवालेबहुकीमतके
गातहैं। बनादासउपमानकबिकहूँपायसकैघोड़ेरामजूकेकहिशारद

सिहातहैं ३० जीनहैंजड़ाऊमोतीमणिज्योतिजगमगैजीनपो
शरंगरोषकोषछबिछरेजू । लादेहैंशिकारगाहगजगाहरूरेअति
पँचरंगजालबहुपीठिनपैपरेजू ॥ आलिपूँछमोतीलसैकलितकलं
गीशीशललितलगामऔहमेलगंडागरेजू । बनादासपट्टापूजपे
शबन्दजेरबन्दरँगीहैंरकाबअंगअंगशोभाभरेजू ३१ सोहतसवार
बाँकेभूपकेकुमारअंगअंगछबिखानिरामसखासरदारहैं।नखशिख
भूषणसवांरसबअंगकरिअस्त्रशस्त्रधारेकहिजायकौनपारहैं ॥ लो
टैंकाकपक्षकांधपीठपैसिपरपरीकटिकरवालैछूरीखंजरकटारहैं।कम
रपटूकेपरतलेटाटबाफीबरबनादासशिरपागटोपीचीरासारहैं ३२
ताज़िनमेंबाजीबरछाजीछबिअंगअंगनोकरेनवीनपैजड़ाऊ जीन
कसीहैं । पूजपुट्ठापेशबन्दजेरबन्दगोड़कड़ेललितलगामऔक
लंगीशिरबसीहैं ॥ आलिपूँछमोतीलरहैंकलहमेलगररूरेहैर
काबजालगजगाहलसीहैं । बनादासमानोंबिधिहाथसेसवांरेनि
जभरतसवारशोभाकामहूकिनसींहैं ३३ तिलकबिशालभालशी
शचीरामुखबीरासांवलसलोनेगातअतिअनमोलजू । काकपक्ष
चन्दमुखअरुणअधरद्विजकंजनैनबंकभ्रुवअतिप्रियबोलजू ॥
उरभुजभारीजानुपीनपायँजरीजूतीकंकणकेयूररामप्रेमकोअडोल
जू ॥ कटिकरवालैपीठिढालैअनुहारिप्रभुबनादासअंगअंगछबि
हैअतोलजू ३४ तुरगनधावतअधिकमनभावतउड़ावतअका
शकोसोअतिमनमेलहैं । घनपगधरतमनहुँआगिपरतकलासों
नटकरतउठावतकुलेलहैं ॥ फफकिफफंदतजकंदतजुलुमकरिभ
रिखुरथारछटाचलतअकेलहैं । बनादासफिरतमनहुँमहिघिरत
हहकिहिंहिंकरतबछेड़ाकरैजेलहैं ३५ शीलकेनिधानऔसुजान
सर्बअंगनमेंसैमैसमयथायोगजोहसबलेतहैं । करतसँभारसार
भारकेधरैयाबड़ेभरतसमानदूजोकवनसचेतहैं ॥ मनबसुयामरा
मकंजपायभृंगभयोनयोनयोमोदहोतहृदयनिकेतहै । बनादासबा
लबुद्धिसुद्धिकेलैवेयाभलेभलीसमैपायमनभावतकोदेतहै ३६ मु

स्कीतुरङ्गबारबारहीउमंगभरैं छबिछबिअंगअंगकाठीपीठिपरधरे हैं। आलिपूँछमोतीलसैकलितकलंगीशीशललितलगामश्रोहमे लगंडागरेहैं॥ पुट्ठापूजपेशबन्दजेरबन्दगोड़कड़ेजालपंचरंगश्रौ शिकारगाहपरेहैं।बनादासतापरसवारशत्रुसूदनहैंपांवधैरकाबपै जोरिपुरणदरेहैं ३७पागअरबंगीशिरजंगीठाटबाँकीअतिलोटैंका कपक्षकाँधपीठपैसुढालजू। उरभुजभारीकरकङ्कणकेयूरबरनेजा करफेरतश्रौकटिकरबालजू॥ पीनजानुजरीजूतीजोहैसोईजानै जनगोरेसुठिगातउरमणिनकेमालजू। बनादासचन्दमुखबंकभ्रु वकंजदृगश्रवणमेंबालाभालतिलकबिशालजू ३८ रामकेदुलारे पुनिभरतकेप्यारेलषणहुसुखसारेरिपुहृदयकोशालहैं। शोभासु खसागरउजागरअमितगुणनागरनिपुणसुठिबलकेबिशालहैं॥ श्राज्ञाअनुबर्तीतिहुंभाइनकोभक्तियुत बनादासयुद्धभूमिमानोम हाकालहैं। तुरगकुदावतसोभावतहमारेमनदेखेतेबनतमानोमृ गाकुरछालहैं ३९ बारबारदाबतदिमाकसोमतंगनकोअकनिनि शानअतिउड़तअकासहै। जमतजकंदतफफंदतफरकिजातअ लमलातसुठिनहिंदेतसावकासहैं॥ घूमिघूमिभूमिभूमिटापनते फालैंभूमिभरैंखुरथारथहरातबेहवासहैं। थथकिथथकिथलछाँड़ि कैचलतजनुपटतरपावतनकहूंबनादासहैं ४० केहरीकुरंगगति तंगचारजामेकसिजीनपोशरंगदेतसुठिसुखसारभो। ललितल गाममोटीमोतिनसोंचोटीगूंधीअंगअंगभूषणअनेकनप्रकारभो॥ जहाँतहाँकरतसँभारसोअनेकभाँतिभागिकोअगाररामसखासर दारभो। अश्वअलबेलोमनमौजकोनिगाहकरैंबनादासचढ़तसु मंतकोकुमारभो ४१ शीशपैसुरंगपागकाकपक्षलोटिरहीढालपी ठिपरीकटिकसेतरवारिहैं। छुरीश्रौकटारीटाटबाफीपरंतलेकटिनै जाकरफेरततुरंगकोसँभारिहैं॥ भरैंखुरथारउभकारबारबारबेग उपमाकोकहैंजोरमानहुबयारिहैं।तुरगसवारदोऊबनेहैंबहारदार बनादासदेखैंलोगदेतमनवारिहैं ४२ साजेसुखपालतामदानया

नभाँतिभाँतिपीनससुखासनशुतुरकेततारे हैं। परीउरतकैंजरक सीजोरजगमगेचारिबसुद्वादशऔषोड़शकहारे हैं ॥ बनादासज हाँतहाँबिप्रवेदऋचापढ़ैंबन्दीसूतमागधसुयशकोउचारे हैं । स चिवमहाजनसुभटशूरसाजिचले अवधनिवासीकोऊरहतनसा रेहैं ४३ ब्याहउत्साहऔदशरघुनाथजूकोकाहिनहिंभावतको ऐसनमलीनजू । चढ़िचढ़ियाननपैयथायोगचलेलोगब्राह्मणऔ कबिप्रौढ़पण्डितप्रवीनजू ॥ मागधऔसूतबन्दीजनबहुभाँतिच लेतबहिंसुमंतपुरयतनकोकीनजू। सेवकसुभटसबभाँतिसेप्रमाण वालेटोपटोपऔधरक्षाहेतआज्ञादीनजू ४४साजेयुगस्यंदननशा रदसराहिसकैंतुरगश्यामकर्णतामेंचारिचारिनहे हैं । लाजितसुरे न्द्ररथभानुजानुशोभाहरैंतबैकरजोरिकैंमहीपतिसोंकहे हैं ॥ एक पैचढ़ायेहैं वशिष्ठकोनृपतिबन्दिगुरुहिअरूढ़देखिमहामोदलहे हैं । मुनिहिंप्रणामकरिदूसरेपैआपुचढ़ेसुनासीरगुरुसंगमानो सोहिरहेहैं ४५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामसप्तदशोऽध्यायः १७ ॥

रामउरआनिशिवगवरिगणेशबन्दि दशरथभूपचलेशंखको बजाईजू । भयेशुभसगुनसमयअनुकूलआयदधिमीनदिशाशु भदरशनपाईजू ॥ विप्रकेकुमारकेयुगपुस्तकउदारकरलोमालो नीबारबारपरी हैंदेखाईजू । सघटसबालदिब्यरूपतियदेखिप रीचाराचाखलेतबामदिशामेंसोहाईजू ४६ श्यामाबामआमपर खेमकरीक्षेमकहैनकुलनिहारिनृपअतिसुखलहे हैं । जानेअ नुकूलईसबीसविस्वाभलीभांति सकलप्रकारशुभकाजनिरबहे हैं ॥ सगुनहुँधन्यमानेआपुकोहजारगुणारामकेबिवाहमेंबड़ाई हमगहे हैं । बनादाससगुनबरम्भजासुतनयभयोसगुनकोसगु नसोआपुसबकहे हैं ४७ दीरघदशनदरकतदिगदंतिनकेदबक तबारबारबड़ेसमरत्थजू । लचकतशेषकटिकिच्छपकचरिजात

भचकतशूकरअमितगुणगत्थजू ॥ दलकतमेदिनिउछलकत सिंधुजलफलकतनदनारअतितिहिअकत्थजू । बनादासथहरात मारतण्डछांड़ेपथजबहींबरातरामचलेदशरत्थजू ४८ फूटिफू टिपाहनपिसानहोतमारगकेधूरिआसमानमाहिंभूरिअंधकारहै । बाजेअतिबाजतनकानदीनजातकहूंसमय तेहिचीन्हैकौनआप नपरारहै ॥ मत्तगजगाजतलजितघनसावनकेतुरँगशुतरनादक रैंबारबारहै । बनादासदिशिऔबिदिशिकोनभानकहूंमहाअंधधुं धकहैकौनवारपारहै४९बेसरमहिषगाड़ीशुतुरकेतारभूरिभारबर दारनानाभांतिभांतिकेसिधायेजू। भरिभरिकावँरिकहारकोनतार टूटैयाचकअमितदेशदेशनकेआयेजू॥नृत्यगानवालेजनुगंधरब केसमानकलानटकरैंबहुस्वाँगकोबनायेजू।बनादाससेवकसकल चलेबाहनपैंनिजनिजअधिकारकहाँलौंगनायेजू५०॥छप्पै॥स्य न्दनप्रतिदशनागनागप्रतिशतहैंभारी । चोखेचौंड़ेचपलतुरग प्रतिदशपदचारी॥शतपदचरप्रतिशुतरशुतरप्रतिएकमियाना। तेहिप्रतिगाड़ीएकभेदबिरलाकोउजाना ॥ महिषवृषभबेसरबि पुलनाहिंकहारटेटुआकहत । कहबनादासइमिबनिचलीप्रभुब रातउरहीरहत ५१ स्वांगीनटकोकहेंकलानानाबिधिकरहीं । बि प्रपढ़तकहुंबेदबिरदबन्दीउच्चरहीं ॥ याचकनृतकअपारबजेनि यांबिबिधप्रकारा । सेवकभांतिअनेकसखाजहँलगिसरदारा॥ आतशबाजीअनगनीबहुमशालबरदारहै।कहबनादासमिथिला अवधमनहुंनटूटेउतारहै ५२ ॥ सवैया ॥ मिथिलेशलखेअवधे शकोआवनोबासअनेकरचेमगमाहीं। ऋद्धिऔसिद्धिअनेकनस म्पदातामेंधरैंजोधनेशलजाहीं ॥ जातेसुपासबरातीलहैंतेहिहेत अनेकबिचारकराहीं।लैलैकहारचलेबहुभारलहैंउपमाजेहिकीक बिनाहीं ५३ पकवानऔमेवाअनेकनजातिदहीचिउराबहुभां तिमिठाई।संयमभूरिभयोप्रथमैयहपीछेसेभूपबिदेहपठाई ॥ दी रघऔलघुजेसरितासरितामेंभलीबिधिसेतुपटाई । दासबनाको

बनावकहैंसमुझैमहिमानिमिदातखटाई ५४ बासकरैंसबभांति
सुपाससेभूलिगेभौनबरातिनकेरे । पावतहैंसुरदुर्लभभोगऔ
आसनबासयथारुचिजेरे ॥ जोजेहिलायकताकोतेहीबिधिऊंच
हुनीचहुमध्यघनेरे । दासबनाइमिकैमगबासकोजायबरातजुटी
पुरनेरे ५५ साजेतबैमिलनेकोसमाजतुरङ्गमऔरथनागघनेरे। पै
दरकीनरहीपरमानश्रृंगारकियेसबलोगसबेरे ॥ बाहनभांतिअ
नेकबनायचलेबगमेलदोऊंदिशिकेरे। दासबनादशरत्थकिभेंट
पठायेबिदेहनजातगनेरे ५६ भांतिअनेकनकेपकवानमिठाईऔ
मोदकजातिअनेका । भूषणबाहनऔमणिमाणिकभाजनयानभ
योयकठेका ॥ बस्तुअनेकनभेजेबिदेहलियेमहिपालकहैकोबिबे
का॥दासबनापुनिभैबकशीशचहीतेहिअवसरजोजसजेका५७पाँ
वड़ेबस्त्रबिचित्रपरैंजनवासाहिलैचलेभूपलेवाई । सर्बसुपासतहां
दियेबासगयेअगवानसुआयसुपाई ॥ राजतभेपतिऔधतहाँपु
रमाहिंप्रमोदरह्योअतिछाई। दासबनाकहैंएकहिएकबरातभली
बिधिअग्रसिधाई ५८॥घनाक्षरी ॥ पितुआगवनसुनिउरउत्कंठा
अतिकौशिकसंकोचसेनकहैंमुखबातजू । जानेरघुनाथगतिमुनि
हुमुदितमनशीलऔसङ्कोचहियहीमेंउमगातजू ॥ बिश्वामित्रक
हेश्रुतिसैतपालरामतुमचलहुअवशिपितुमिलनकोतातजू । रा
मऔलषणयुतगाधिसुतबेगिचलेभूपतिसमीपबारभईनाहिंजात
जू५९सुतनसमेतमुनिआवतबिलोकिनृपचलेप्रेमसिंधुमाहिंजनु
थाहलेतजू । बन्देऋषिपायँलियेहृदयलगायमुनिपितुपायँपरे
रामलषणसमेतजू ॥ गईमणिफणिकमनहुंफिरिआयमिलिसुत
नलगायेहियभूपतिसहेतजू । बनादासभरतसहानुजप्रणामकि
येरामउरलायालियेकृपाकेनिकेतजू ६० मिलेलक्ष्मणहरषायदो
ऊभाइनसोंरिपुदौनभरतमुनिहिंशिरनाये हैं । लषणसहितरघुना
थगुरुपायँबन्देरामलक्ष्मणमुनिहृदयलगाये हैं ॥ बूझेक्षेमकुश
लसकलनिजनिजओरअनुजसहितबन्देद्विजनसोहाये हैं । बना

दासदोऊभायमिलेओधबासिनको यथायोगसबउरमाहिंतोषपा
येहैं ६१ रामहिंबिलोकिअतिमुदितअवधबासीसकलबरातीउर
तोषसुठिमाने हैं । पितुकेसमीपचहुंबन्धुभेबिराजमानजनुचारि
फलभयेभलेरूपवाने हैं॥ आनँदअवधयातेउपमानआवैउरकहाँ
निशिदिनकोऊजातनाहिंजाने हैं। बनादासमिथिलानिवासीसुख
रासीअति मानहुंअनन्दकोउदधिउमगाने हैं६२देहगेहब्यवहार
कोसनेहसूखिगयोपुरलोगसुठिरामप्रेमपीनभये हैं। जैसेजलपाव
सतेदादुरलहतमोदधानपानकेसमानसुखनितिनये हैं॥ देखेचहुं
बन्धुतेकहतएकएकनतेबनादासउरजनुनेहबीजबये हैं। जैसेराम
लषणकुमारयुगतैसेआयेभूपसंगमाहिंलखिचितचोरिगयेहैं ६३
कहतसुनतसबब्याहैंचारिभाईइहाँजानीसखीतबअनुकूल बिधि
अतिहै । एककहैंमनसमुझायेतेनधीरलहैं कैसेह्वैहैभूपकीहमारी
ऐसीमतिहै ॥ एककहैंजिनदेवप्रथमलगायेयोगसोईयहपूरकरैं
कहैंहमसतिहै । एककहैंयुगलमहीपसेनआनजगबनादासपूर
ह्वैहैपुण्यवानअतिहै ६४ हिमऋतुअगहनमासनसेंशिरमौरधेनु
धूलिबेलाबिधिलगनबनायेजू । परमचतुरचतुराननबिचारकरि
नारदकेकरपुरजनकपठायेजू ॥ सोईइहाँजनकगणकगुणिगनि
राखेदोऊएकघड़ीतातेमोदसबपायेजू । बनादाससोईदिनआयो
कछुकालबीतेभूपतिबिदेहसतानन्दकोपठायेजू ६५ औधपतिपा
सआयसकलप्रसंगकहेनृपदशरथजायगुरुहिसुनायेजू । कहैंमु
निहरषिकरहुकुलबेदरीतिहोनलागोसोईजैसीआज्ञाभूपपायेजू॥
सकलबरातिनबनावकियेबहुभांति बाहनऔयानसबअङ्गनबना
येजू । बनादासबनेचारिभाइनबरणिजातबाणीमनसकुचातकबि
किमिगायेजू ६६ परेचोपडंकनपैकम्पतकरेजधौरबाजैंघोरदुंदुभी
नकानदीनजातहैं । सिंहाबीणतुरहीऔतासाढोलबाजेभूरिडफ
लाडिमिडिमीकीशोरसरसातहैं ॥ पणवनफेरिनृत्यगानताननना
नाबिधिकलाकरैंस्वांगीकेतेगणिनसिरातहैं । साजिसुखपालनृप

प्रथमचढ़ायेमुनिमानोंसुरगुरुइन्द्रअग्रमेसोहातहैं ६७ शत्रुंजैग
यन्दपैअम्बारीकसेभलीभांति झूलजरकसीजगमगीअतिजोर
जू । मोतीमणिमाणिकझलकसुठिझलमलातबाजतघमण्डक
रिघंटअतिघोरजू । दीरघदशनदिशिकुंजरलजातजाहिंमानोंऐ
रावतकोडारेकरिथोरजू ॥ बनादासमदकेपनारेगिरिझरनासेता
पैदशरत्थचढ़ेभूपशिरमोरजू ६८॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमेलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या
खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामअष्टादशोऽध्यायः १८ ॥

घनाक्षरी ॥ अश्वअलबेलाहैंतबेलामेंअकेलाछटाहेलामारिजा
तभारीनदीनदनारजू। सिंधुजासलोनाटापबूड़तनजलमाहिंभूमि
पगधरैंमानोंपरतअँगारजू॥ भानुरथबाजीमातकरतपलकमाहिं
मानोंथलछोड़ेचलैंकहेकोबहारजू । बनादासबाँकोमनमोजजो
हैबारबारउपमानजाहितहिकिये हैं शृंगारजू ६९ जगमगजीन
जरकसीसरकसीछबिमोतीमणिलसीचवरासीपगरसीहैं । हीरा
मणिचोटीचारुललितलगामलसै किंकिणीकलितऔकलंगी
शीशबसी हैं ॥ पूजपुट्ठापेशबन्दजेरबन्दलालशुचिदुमचीदली
लकरैंगजगाहकसी हैं । परेपँचरंगजालरंगीहैरकाबरूरेहैकल
हमेलअरुगण्डागरलसीहैं ७० तापरसवाररामशोभाकेसरा
हिसकैश्यामघनलाञ्जिततमालतरुफीकोजू । नीलकंजमरकत
द्युतिव्याजंहूसेनाहिंनीलहैयमुनजलउपमानठीकोजू ॥ मौरहैस
लोनेशिरलोनेबरअंगअंगबसनसुरंगकोरभावतसोनीकोजू । ब
नादासमोतीश्रवणधोतीशुचिहेमवर्ण जूतीपगजरीअतिसोहैसि
यपीकोजू ७१ आननशरदशशितिलकविशालभालकाकपक्ष
कलितसोजांनेजिनदेखे हैं। बंकभ्रुवकमलनयनकजरारकोरबंक
अवलोकनिकरतहियरेखे हैं ॥ हरिकंधकम्बुग्रीवछबिसींवबना
दासकोमलकपोलश्रमबिन्दुघनपेखे हैं । शारदगणेशशेशरूपन
सराहिंसकैंजानतमहेशकबिऔरकौनलेखे हैं ७२ मन्दमुसका

निमनहरतकरोरिनकोअधरअरुणद्विजनासिकानिकाई है।उर
भुजभारीबरकंकणकेयूरकररातेजलजातपाणिदेखतलजाई है।
मरकतशिखरसोकैधौंगंगधारधसीकैधौं हंसपांतिघननिकटउड़ा
ई है। बनादासउपमानमिलतटटोरिशुद्धदेखेतेबनतमुक्तमाल
अतिभाई है ७३ तुरगनचावतथिरिकिथहरातनभथलहिनआ
वतउमंगकोभरतुहै। मोरहिलजावतकुरंगकुरछालभरैकरतकु
लेलबारबारउछरतुहै॥ घनपगधरतमनहुँमहिमालापोहैभरै
खुरथारनटकलाकोकरतुहै। बनादासआसनदबायेजनुकढ़िजा
तबढ़िजातमनवेगधीरनधरतुहै ७४ मानहुँसवांरेविधिशारद
शृंगारकियेकैधौंमनसिजवाजिबेषकोबनायोहै। रामहेतनिज
रूपबुद्धिबलमोहैजगमिथिलानिवासीकोबिशेषिअपनायोहै॥इ
न्द्रकेतबेलासेकिआयोअलबेला अइवफिरतअकेलाकबिउपमा
नपायोहै। अतिमनमेलारबिरथत्यागिआयोकिधौंप्रभुअसवार
बनादासमनभायो है ७५ मोहेविधिविष्णुनमहेशहूकीधीररही
इन्द्रअवलोकतअमितसुखपायोजू। अपरसुरनगतिअतिनब
खानिजातपारसकोपायजनुरंकललचायोजू॥सुरतियउरकीहवा
लनबखानैकविबूझेतेबनतपटतरकहँपायोजू।बनादासमिथिला
निवासीकीचलावैकौनआगेहीकेमूड़ेपरेऐसोउरआयोजू७६ सुर
खातुरंगबारबारहीजमतजोर अंगअंगशोभाजाहिचितचोरिजा
तहै।काबिलीकुलांचमारिभूमिखुरथारभरैमानौरबिबाजिहेतगग
नउड़ातहै॥ हहनातफहनातभूमिभूमिघूमिघिरैनटतमयूरग
तिअतिसरसातहै। बनादासनखशिखभूषणअनेकलसैंभरत
सवारद्युतिमदनकिमातहै ७७ कसेचारिजामेतंगबेलबूटारंगबहु
जीनपोसरोसकोसअतिघनीमनीजू। गामचीसकीमखामपीठि
गरलामीलोनीपगचवरासीऔलगामसुठिबनीजू॥घुंघुटअमोल
घनपगधरैंभूमितलचोटीमणिमाणिकसोंगुणीजनठनीजू। पूज
पेशबन्दजेरबन्दगण्डालाललसैं बनोहैहमेलऔकलंगीशीश

जनीजू ७८ समलासलोनेशशिलोनेलोनेअंगसबरंगश्यामराम
अनुहारिप्राणप्यारे हैं । चन्दमुखबंकभ्रुवलोचनकमलदलमो
चनविपतिभवशोचननेवारे हैं ॥ कुण्डलश्रवणकाकपक्षकचघुंघु
आरमानोअलिअवलिअतिहिछबिन्यारे हैं । अरुणअधरद्वि
जनासाकीरतुण्डलाजैतिलकललाटकंधउरभुजभारे हैं ७९ क
म्बुग्रीवमुक्तमालकंकणकेयूरबरबसनसुरंगजानुपीनजूतीजरीहै।
शोभाकेसमुद्ररूपसकैकोसंराहिकवि शूरवीरधीरशीललोचनमें
भरी है ॥ पीतपटकसिकटिराजितचरमअसिगुणकेनिधानराम
प्रीतिबांटेपरी है । बनादासबारबारताहिकीसराहैभागिबुद्धिऔ
विवेकऐसोरूपउरधरी है ८० लालतुरैताजीतेजतीक्षणतरंग
भरैंलालीहैलगामऔकलंगीलालिलसी है । लालेपेशबन्दजेर
बन्दगंडालालगरेलालेचारिजामेंपूजलालीमुखबसीहै ॥ चोटी
लालिगूंधीजीनपोशजाललालपरे लालेगोड़कड़ेध्यानकाकेउ
रधसीहै । बैठेलाललषणतुरंगपीठिबनादास लाखनमेंलोने
लालजनहियफसीहै ८१ लालीशिरपागऔललितकरकोड़ेला
लगोड़ेलालिजूतीउरलालेफूलमालहैं। लालेपटकसेकटिलाली
करबालतटलालेकरभालाअरुलालीपीठढालहैं ॥ लालीप्रीति
लालीरीतिलालीनीतिपालीनितबनादासलाले रामसेवामेंविशा
लहैं । लालचलगतसबलालैलाललेखिलेखिजामालाललसै
दशरत्थनृपलालहैं ८२ लालेकंजलोचनबिमोचनबिपतिजनु
अधरदशनलालनासिकानिकाईहै । आननशरदशशितिलक
बिशालभालकुण्डलश्रवणंसुठिकण्ठछबिछाईहै।।उरभुजभारीक
न्धमणिमालप्यारीअतिकङ्कणकरनबरअङ्गदसोहाईहै । बनादा
सजानुपीनजोहैतेईजानैंजनु लालदशरत्थजूकेभायेचारिभाईहैं
८३ तुरंगउड़ावतकुदावतकुरङ्गगतिआवतनथलेथहरायथिर
कतुहै। घूमिघूमिभूमिभूमिटापनतेफालैभूमिउमँगिउमँगिनटक
लासेकरतुहै॥अश्वअलबेलामनमेलाहैतबेलामध्यकरतफुलेला

अतिजोरतेजमतुहै । जक्कतजमक्कतफफन्दतजकन्दतअटेरन
अटतबारबारउछरतुहै ८४ मुशकीमुजन्नसतुरंगखेतजङ्गलको
मङ्गलकेदेनहारछठोबरबाजीहैं । फांदिजातनदीनारफारिजा
तसैनशत्रुमारिजातहेलाबगमेलामनराजीहैं॥ नाँघतमतङ्गनको
अङ्गनअमितबलजङ्गनमेंजोरकरैऐसोमर्दगाजीहैं। शोभाहैउमं
गनमेंरङ्गनसेमोहैजगजोहैंमनमालिकसोशत्रुदौनसाजीहैं८५किं
किणीलगामलसैघूँघुरपगनमाहिंदुम्मअालमोती दुमचीकीद्यु
तिन्यारीजू । काठीपरीपीठजाललालऔशिकारगाहचढ़ेजेरक
ड़ेममरेजअतिभारीजू ॥ रूरहैरकावपेशबन्दजेरबन्दलालला
लीमुखपूजऔकलंगीशीशप्यारीजू । बनादासटारीछविसकल
तुरङ्गनकीशोभाअँगअङ्गजानिपरैअनियारीजू ८६ बाँकेशत्रुसू
दनदलैयाबीरबैरिनिकेभैयाचारिमाहिंप्रियकाहूनाहिंखामजू। शी
शपैमँदीरैंकाकपक्षकांधलोटिरहीबसनसुरंगअङ्गशोभासुखधाम
जू ॥ बङ्कभ्रुवदीरघबिलोचनबिशालभालतिलकरसालश्रुति
बालाअभिरामजू । चन्दमुखनासिकाअधरद्विजनीकेअति
कलकण्ठबनादासशोभाकोमुकामजू ८७ कन्धउरभुजभारीक
ङ्कणकलितकरअङ्गदअमोलअरबिन्दकरपायजू । जानुपीनजू
तीजरीकटिकरबालैपरीछूरीऔकटारीखरेखञ्जरसोहायजू ॥ को
ड़ाकरढालपीठनेजानोकदाररूरमहाशूरबनादासतुरँगनचायजू।
भरतकोप्यारेरामलषणदुलारेदशरत्थजूकेबारे कहिशारदलजा
यजू ८८ घूँघुटबनायेपुनिपूँछकोउठायेहहनातबारबारधायधर
णिचलतुहै । महिखुरथरैधीरधरैनकदपिकालआलअलबेली
औलगामकोमलतुहैं॥ कानतरफरैउभ्भकरैआसमानमध्यबना
दासअरिदलखलहिखलतुहै। थिरिकिथथक्कतथैंभायेनाहिंथम्भ
तजकन्दतजमतपुनिपुनिउछलतुहै८९॥छप्पै॥तुरयकाठियावार
खेतजङ्गलकेघोरे। दरियाईदक्षिणीदामजिनकेनहिंथोरे॥ काबु
लऔरकन्धारसोरगीददरीकेरे । आरब्बीबहुखेतगनैकोअल

लबछेरे ॥ सकलपीठिकाठीपरीजीनजवाहिरजगमगै । कहबना
दासपटतरकहामेघवानहुँकोमदभगे ६० कुल्लाकरतकुलेल
कुम्मयतकोटिकुलाचैं । कच्छीभरिकुरछालमोरगतिघोड़ेनाचैं ॥
महुआमनकोहरैसुरतिसंजाफसँभारै । सब्जासिरगासमुदकला
नटकैसोमारै ॥ आलिदुम्ममोतीलसैंकलँगीललितलगामहै ।
कहबनादासउपमाकहांबाजिबेषजनुकामहै ६१ लक्खीलाखौंदा
मकेहरीकुवँरकुदावैं । गर्रापर्राजुरेबदामीचितैचोरावैं ॥ सुरखामु
श्कीसुरँगनोकरारंगघनेरे । खाकीभरखुरथालत्रालपटतरनाहिं
हेरे ॥ दहियलदामअनेककेनखशिखसुठिभूषणसजे । कहबना
दासदेखेबनैउपमाकबिखोजतलजे ६२ जेरबन्दकसितङ्गपूजपु
ट्ठामुखसाजी । गण्डागरेहमेलपगनचवरासीबाजी ॥ परेजालपँ
चरङ्गलदेगजगाहअमोले । घूँघुटघनेसँभारिश्रवणक्षणहींक्षण
डोले ॥ जीनपोशरँगरोसहैकोसलगीहीराकनी । कहबनादासदेख
तसुखदयुगरकाबअतिहीबनी ६३ रामसखासरदारसुवनक्षोणी
पतिकेरे । अङ्गअङ्गछबिछजेरूपजनुकामघनेरे ॥ टोपीसमलापाग
मँदीलैचीराशीशन । जुलुफकांधपरपरीबसनरातेराजिततन ॥
छुरीकटारीअसिकमरपीठिढालनेजाकरन । कहबनादासजूती
पगनकोड़ेकरनानाबरन ६४ तुरयपीठिसबचढ़ेबढ़ेमनरामकृपा
ते । छरेछबीलेछैलसङ्गप्रभुसोहतजाते ॥ नृत्यतअमिततुरंगच
लतमनकेंगतिबाजी । टाँघनटेटुआघनेनहींमितितुरकीताजी ॥
जमतजकन्दतजोरतेफफदतफँदततुरङ्गहैं । कहबनादासउछर
तअवनिकरतजोरबहुजङ्गहैं ६५ बामदेवऋषिआदिगाधिसुत
अतिहिमहामुनि । चढ़िचढ़िआननचलेआचरजकरैनकोउसु
नि ॥ तामदानसुखपालमिआनेपीनसभारी । मुनिगणब्राह्मण
वृन्दचलींइनकीअसवारी ॥ बन्दीमागधसूतजेसरदारनसेवक
भले । कहबनादासनृपसङ्गमेंयथायोगसबकोउचले ६६ मत्तद
न्तबहुसजेपरीनानाअम्बारी । हौदापाठनपीठहेमहरिहालसवा

री॥ झूलजरकसीलसीलगीझालरिमुक्तामनि। दीरघदन्तम
तङ्गकेहेशोभानसकैबनि॥ मदकेबहतपनारहैंमनहुँगिरिनझर
नाझरत। कहबनादासध्वानिघंटगजसावनघननिन्दाकरत ९७
मानहुँगिरिकेशृंगअसितसितअगणितभूरे। करतघोरचिकार
खातजनुमननधतूरे॥ बिनदन्तादुइदन्तएकदन्ताचौदन्ता। नि
दरतजनुदिशिमत्तकहतकबितबहुँनवन्ता॥ भालनकीलागीअ
नीबहुसांकड़पाँयनपरे। कहबनादासकैतेप्रबलतदपिनहींकाबू
तरे९८पदचरसंख्यानास्तिलगेबहुशुतुरकेतारे। स्यन्दननाना
यानचलेसजिचारदुआरे॥ अम्बरभरेबिमानाबिष्णुबिधिशम्भु
बिलोकत। रामरूपअवलोकिमगननैननपटरोकत॥ इन्द्रादि
कजेसुरसकलदशरथसुकृतसिहातहैं। कहबनादासप्रभुदिशि
निरखिललकिललकिललचातहैं ९९ शक्तिसहितसबदेव
देखिअतिमोदबढ़ावत। नटतकिन्नरीगानतानदुन्दुभीबजा
वत॥ बिप्रबेदध्वनिकरतबिरदबन्दीउच्चारत। भैअतिभारीहे
रिउपमाकबिहारत॥ नभअरुनगरअनन्दअतिइतमङ्गलगा
वतअली। कहबनादासबहुबाजनेआईशुभअवसरभली १००
धरिब्राह्मणकोबेषसकलसुरभूतलआये। देखनरामबिवाहप्रेम
अतिहीउरछाये॥ प्राकृतिनारिस्वरूपचलींसबदेवबधूटी।
प्रभुदरशनकेहेतआयरनिवासनजूटी॥ गजगामिनितियसंगमें
चलीसुनैनाचारुमति। कहबनादाससजिआरतीरामहिंपरछि
नप्रेमअति १ सजेसप्तनवअंगचारुबरचम्पकबरनी। करत
सुमंगलगानकंठकोकिलमदकदनी॥ चीरचारुशुचिअंगकिं
किणीनूपुरबाजत। कंकणचूरीझनकबिछूआधुनिछबिछाजत॥
तनद्युतिरतिमदमोचनीमृगलोचनिललनाघनी। कहबनादास
करिकामकीलजितचालबहुबनठनी २ रामरूपअवलोकि
प्रेमबशसखीसयानी। अतिउमगीअस्नेहलगींपरछिनतबरा
नी॥ कोटिशारदाशेशकल्पकोटिनजोगावैं। हृदयमातसियमोद

तदपिकोउपारनपावैं ॥ दूलहब्रह्मबिलोकिकैरौंकिरहीअस्नेह
जल । कहबनादासकबिकोकहैअतिहिसुनैनीभावभल ३ लोक
बेदकुलरीतिसहितप्रभुआरतिकीन्हा । सखिनमध्यतबरानिभवन
भीतरमगलीन्हा ॥ पुरप्रमोदचहुँपासरंकमानहुंनिधिपाई । रामा
कारएकाग्रभईमतिसहजहिआई ॥ मंगलगाननिशानघनकानदी
ननहिंजातहैं । कहबनादासपरिवारगृहकामनकछूसोहातहैं ४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या
खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामएकोनविंशोऽध्यायः १९ ॥

छप्पै ॥ मिलेदोऊमहिपालप्रीतिकछुबरणिनजाई । कबिको
बिदसुरसिद्धखोजिपटतरनहिंपाई ॥ शंकरविष्णुबिरंचिराजसु
रसुरहरषाने । समधीलखेसमानआजुसबकरतबखाने ॥ लौकि
कबैदिकरीतिकुलकियेजनकदशरथदोऊ । कहबनादासजहँतहँ
कहतइनसमसुकृतननिधिकोऊ ५ लोकबेदबिधिसहितद्वारको
चारकरावत । दोउकुलगुरुअनुरागिस्वस्तिपढ़िदेवपुजावत ॥
नेगयोगविधिसहितदियेसबभूपसुजाना । अरघपांवड़ेदेतराम
मण्डफतरआना ॥ दशरथआदिवशिष्ठमुनिबिपुलबरातिबलै
गये । कहबनादासबिधिवतसहितपलपलसुखउपजतनये ६
निजकरआसनदियेवशिष्ठहिप्रथमविदेहा । पूजेइष्टसमानअ
मितउरबढ़ोसनेहा ॥ दैआसनसनमानिगाधिसुतकीन्हेपूजा ।
बामदेवऋषिआदिजनकसमकोजगदूजा ॥ सिंहासनदशरथ
हिदैमानेईशसमानजू । कहबनादाससबकोकियेसकलभांतिस
नमानजू ७ माड़वकंचनमध्यरामसिंहासनसोहैं । लखिदूलह
बरबेषसकलसुरनरमुनिमोहैं ॥ श्यामअंगअनमोलबसनतन
सोहसुरंगा । शारदहूमतिथकितछकितछबिकोटिअनंगा ॥ तब
बशिष्ठअनुरागिउरसतानन्दआज्ञादई । कहबनादासआनहु
कुवँरिबहुदासीधावतभई ८ सीतहिकियेशृंगारसखीप्रतिअंग
सोहाई । शृंगारहुशृंगारजानकीकबिउरआई ॥ साजेषोड़शभां

तिब्याजुसेजेहिरतिकोटी । उमारमाशारदाशचीसबअंगनछो
टी॥ गजगामिनिसुरभामिनीसंगअलीसियलैचली । कहबना
दासकलकंठदलितियगावतिमंगलभली ६ आईमण्डफमध्य
देवमुनिबन्दनकीन्हा। जगतमातुजियजानिमरमकोउकाहुनची
न्हा ॥ बाजहिंनभदुंदुभीविविधसुरवर्षहिंफूला ॥ रामजानकी
ब्याहसकलसुखमंगलमूला ॥ भवनकोलाहलभांतिबहुगानता
नपुरबाजने।कहबनादासआनन्दमहानहिंउपमाआवतमने १०
उमारमाशारदाशचीसुरनारिसियानी । प्राकृतनारिस्वरूपसिया
संगशोभाखानी ॥ शिवब्रह्माइन्द्रादिविष्णुबरब्राह्मणवेखैं। मा
ड़वसकलौदेवब्याहरघुपतिकोदेखैं ॥ पुरनरनारिसयानजेभरे
सकलभूपतिभवन । कहबनादासबरबेषप्रभुनिरखिदेहिउपमा
कवन११जनकसमानबिदेहसमयतेहिसबनरनारी। दूलहब्रह्म
बिलोकिंअपनपौसबनाबिसारी ॥ बिप्रवेदध्वनिकैरैंस्वस्तिकुल
गुरुउच्चारैं। गणपतिगौरिपुजायविविधकुलरीतिसंभारैं॥ मंग
लद्रव्यअनेकबिधिपरिचारकनिजकरधरे । कहबनादासठौरहि
ठक्रकनककोपरनमेंभरे १२ चाहैजोजेहिसमयपुरोधनकरसो
देहीं।गणपतिआदिकदेवप्रकटपूजासबलेहीं॥ शाखोच्चारबिचा
रिकरैंदोउकुलगुरुदेवा। ब्रह्माआदिकप्रगटब्याहकोभाषतभेवा॥
तेहिअवसरकीरीतिजोलोकवेदविधियुतभई । कहबनादासतब
हींमुनिनसीतहिंसिंहासनदई १३ लावहुसीतामातुकहेतबकुल
गुरुज्ञानी। धायसुवासिनिगईभूपतियसद्महिआनी॥ देशकाल
अनुकूलजनकढिगसोहसुनैना । दोऊभागिअतिभूरिसोहजनु
हिमगिरिमैना ॥ कनकथारयुतगंधजलआनिरामआगेधरे।
कहबनादासधोवतचरणसुरनसुमनबरषाकरे १४ समयसमय
अनुकूलदेवदुन्दुभीबजावैं । नटतअप्सरावृन्दरागनानाविधि
गावैं॥ घरपुरमंगलगानबिबिधबिधिबाजनबाजे । कहपटतर
कबिलहैंजाहिघनसावनलाजे ॥ जनकपखारतपांयप्रभुसुरनर

मुनिसबकोउकहे।कहबनादासभाजनसुकृतजीवनकोफलभरिल
हे १५ ॥ सवैया ॥ ध्याननपावतज्ञानबिहायकैयोगीलियेजेहि
योगहित्यागी । ध्यावततीनिउकालमहामुनिजाहितहोतहैंभूप
बिरागी॥ सेवतजाहिभुशुण्डिसदाहियशंकरजापदकेअनुरागी।
दासबनापदतौनपखारतकौनबिदेहतेहैबड़भागी १६ जापदते
प्रगटीतटनीजोतिहूँपुरकेअघकोखँदिखायो । जापदतीनिनिभो
तिहुँलोकसजीवनिजोभवरोगकहायो ॥ जाहितकोटिकरैंऋषि
साधनहाथयहीमनभावतआयो । दासबनासुरसिद्धसिहातबि
देहभलीबिधिधोवनपायो १७ जापदपंकजमानसभृंगमहामुनि
ज्योंजलमीनभये हैं । ज्योंमकरन्दधरेशिवशीशपैताकेबिनाधृग
जन्मगयेहैं ॥ सृष्टिकरैंबिधिआश्रितजाहिकेइन्द्रहिभारीजोभोग
दयेहैं । दासबनाउपमानकहूँसोबिदेहसनेहसुधोयलये हैं १८॥
छप्पै ॥ लोकबेदविधिसहितचरणरघुबीरपुजायो । दोउकुलगुरु
अनुरागिसुताकोदानकरायो ॥ पाणिग्रहणकियेरामकामशतको
टिसुभगतन । प्रमुदितसुरमुनिसकलभलेनरनारिमिगनमन ॥
होमसमयपावकप्रगटिआहुतिलीनसबैकहै । कहबनादासभांव
रिफिरतमनहुँउमगिआनँदबहे १९ रामजानकीरूपप्रगटमणि
खम्भनमाहीं । आवतउरअनुमानजगतकहुंपटतरनाहीं ॥ दर
शनतृप्तनलोगभीरभारीप्रभुहेरे । अन्तर्यामीनाथभयेतबरूपघ
नेरे॥ सियशिरसेंदुरदेतजबउपमाकोशारदथकी । कहबनादा
समूरतिदोऊदेखिदेखिमनहींछकी २० शिवासमर्पीशिवहिजौन
बिधिगिरिहिमवाना । विष्णुहिलक्ष्मीसिंधुकीन्हजौनीविधिदा
ना ॥ तेहिबिधिसीतहिदीन्हजनकसबकाहूभाषा । जोड़ीसांवलि
गौरपूरितिहुँपुरअभिलाषा ॥ बरदुलहिनियकआसनहिंबैठन
तबकुलगुरुकहे । कहबनादासदशरथसुखहिकबिकहिकैसेनिर
बहे २१ ॥ सवैया ॥ दूलहरामसियादुलहीअवलोकतलोगअ
नन्दनथोरे । कंचनमाड़वरत्नसिंहासनशोभाकहैकवनीबिधिको

रे ॥ श्यामघटातटदामिनिज्योंरहीचंचलतातजिकैबरजोरे ।दा सबनाकितमालकेतीरलताबरकंचनभावतमोरे २२ ब्याहअभू षणअंगबिराजतमोरमनोहरसांवलगोरी । चीरसुरंगसुअंगसु अंगसुहावनिमर्कतकंचनकीद्युतिथोरी ॥ सुवरणबल्लीकिधौंय मुनाजलमाहिंसोहातकहैमतिभोरी । दासबनाचितमानतनाहिं थकीउपमातिहुँलोकटटोरी २३ जन्मकोलाभभलहेसोइजक्तमें जोअवलोकतुहैअजहूंरे । भागिकेभाजनभूरिरहेपरतक्षलखेअ तिसुकृतपूरे ॥ दम्पतिजाहिमिलैंस्वपन्योंमहँआंखितरेनहिंऔर बिसूरे । दासबनाजेहिनैनमेंऐननचैनपरेबिछुरेपलहूरे २४ द म्पतिसम्पतिरूपकुबेरसलोनेसेअंगलगैंअतिनीके । ब्याहसम यकेअभूषणउत्तमदूषणदाहकगाहकजीके ॥ नाहकमूढ़भयेबिष यारतनेहभिगेनकहूंसियपीके । दासबनाभयेकूरकुठारसोपादप जानौयुवाजननीके २५ दुल्लहश्रीरघुनाथबनेदुलहीसियकौनक हैउपमाई । सुन्दरताछबितीनिहुँलोकबिरंचिकिधौंशुचिराशिल गाई ॥ मर्कतकंचनसेबरअंगमनोरतिकोटिअनंगदबाई ।दास बनाजेहिभावैहियेजगजीवनकोफलसोभलपाई २६॥ घनाक्षरी॥ दुलहिनिसियरामदूलहसलोनेगात लोनेलोनेभूषणसकलअंग सोहे हैं । सुरसुरतियनरनारिजेबिदेहपुरवारिवारि देतनिजकोन ऐसोमोहे हैं ॥ कहैंसबकोऊऐसीघरीफिरिऐहैनाहिंभरोहियरूप जातेऔरजनिजोहे हैं । बनादासभरोकुम्भशब्दनकरतफेरिफ णिमणिकरोजातेफिरिनबिछोहे हैं २७॥ सवैया ॥ सीयबनीउप मानतिहूंपुररामबनाहमरेमनभावै । दम्पतिआसनएकबिराज तजोरतिकोटिमनोजदबावै ॥ सांवलगोरसोगातमनोहरतोष नहींजेहितेशिवपावै । दासबनाधृगजीवनहैअसिमूरतिसेजोस नेहनलावै २८ जोबनरारघुवीरबिलोकेहैंऔबनरीसियदेखनपा ये। तुच्छलगैतिनकोतिहुँलोकनहींउरमेंकछुचाहजनाये ॥ भा गीभयेपरधामहुकेयहिलोकमेंजीवनमुक्तकहाये । दासबनामिथि

लापुरबासीमहासुखरासीकहाकबिगाये २९ रामसियाअवलोक
निचारुबिचारुकियेनकोऊलखिपावे । गूढ़सनेहनजातलखोसु
ठिशीलसंकोचहियेमेंदुरावे ॥ दोऊपररुपरभावबढ़ावतताकोक
हांउपमाकबिलावे । दासबनाअतिभाग्यकेभाजनजाकेहियेयह
मूरतिआवे ३० ॥ घनाक्षरी ॥ चूनरीसुरंगपीतअम्बरसलोने
गातलोनेलोनेभूषणसुअंगनसुहायेजू । भयेहैंबिदेहदेवतियन
समेतसारेबूढ़ेबारेयुवानारिनरमनभायेजू ॥ नेहकोसँभारीपुरबा
सीकेहैंबारबारएकनतेएकबिधिकैसनबनायेजू । सुकृतकेरासीतौ
बिदेहपुरबासीभयेसांवलगवरजोड़ीजातेलखिपायेजू ३१ जाव
कसमेतचारिचरणहरतमनप्रतिमाअनेकभांतिगुणिनबनायेजू ।
शीशमौरमोतीश्रवणधोतीकलहेमवर्ण दामिनिकिद्युतिफीकीको
रसुठिभायेजू ॥ पीतहैउपर्णाकाखासोतीमोतीआचरणनिरख
तलेतजनुचितहिचोरायेजू । जामालाललसतकिनारीदारमो
तीहारबनादासहेरिकिबिउपमानपायेजू ३२ आननशरदशशि
मर्कतफीकीद्युतिदीरघअरुणनैनकजरारकोरहैं । बंकभ्रुवतिलक
बिशालभालउभयरेखदामिनिअचंचलसेचोरेचितमोरहैं॥ दशन
सघनबीजदाड़िमकीक्रांतिनाशैअधरअरुणजनुनासाकीरठोरहैं।
बनादासकाकपक्षकाकेनहरतमनहरिकंधकम्बुग्रविबोल थोरथोर
हैं ३३ कामकरिशावककेकरसेअजानुबाहुउरसुठिब्रहदंशुयज्ञ
पीतधारी है । राजैभुजअंगदओकङ्कणकनककरजटितमणिनमु
द्रिकाकिछबिन्यारी है ॥ रातेअरबिन्दकरजानुपीनकामभाथसघ
निरोमावलीसोलागैअतिप्यारी है । बनादासकटिसिंहचरणक
मलचारिश्यामगौरजोड़ीअंगअंगशोभाक्यारी है ३४ ॥ सवैया ॥
भाग्यसराहैंसबैअपनीजोसमयतेहिमेंअवलोकनहारे । सांवल
गौरबनीबरजोरीबसैंनिशिबासरनैनहमारे ॥ सुकृतपूरेसबैभली
भांतिसेदासबनाउरमाहिंबिचारे । ताकेसमानअहैअजहूँप्रभुके
यशलागतजाहिपियारे ३५ ॥ छप्पै ॥ आज्ञालियेवशिष्ठकु

वँरितिहुँजनकबुलाई। श्रुतिकीरतिउर्मिलामाण्डवीमंडपआई॥ जोकन्याकुशकेतुभरतकोभूपबिवाही। लषणलालउर्मिलालोक बिधिबेदनिबाही॥ श्रुतिकीरतिरिपुदमनकोन्टपबिदेहब्याहतभ ये। कहबनादाससुकृतअवधिजगतधवलयशजिनलये ३६ ब्याहेतीनिउभायजवनिबिधिरामबिवाहू। उपमानहिंतिहुँकाल रहाभरिभुवनउछाहू॥ बर्षहिंनभसुरसुमनघनीदुंदुभीबजावहिं। नटतअप्सराबृन्दरामकलकीरतिगावहिं॥ घरपुरमंगलबाजने अमितकोलाहलन्टपभवन। कहबनादासआनन्दइमिभयोनअब आशाकवन ३७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्या खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामविंशोऽध्यायः २०॥

छप्पे॥ दायजदियेसमूहकवनकरिसकैबड़ाई। धनदसुरेश सिहातअपरकहँपटतरपाई॥ मणिमाणिकबहुजातिहेमहीरा मुक्तागन। रजतअभूषणबसनभांतिभांतिनकेभाजन॥ पाटम्ब रकम्मरकलितललितबरणबहुजातिहै। कहबनादाससंक्षेपही नाहींबरणिसिरातिहै ३८ धनुषबाणअरुतूणचर्मअसिनानाजा ती। शूलशक्तिपुनिकवचादियेबस्तरबहुभांती॥ जिरहटोपअ रुजिरहदियेनानाशिरकुंडी। दियेशतघ्नीभूरिजमुरकाअमित भुशुंडी॥ छुरीकटारीजातिबहुपेशकबृजखंजरखचित। कहब नादासउपमाकहाँदियेसिलहखानेअमित ३९ समलाचीराचा रुचौतनीनानाभांती। पागमैंदीलैंशीशरङ्गजामाबहुजाती॥ कटिपटभांतिअनेकबिबिधश्रवणनकेबाला। कंठाकलितअनूप कहैंकोदामाबिशाला॥ कुण्डलकंकणमुकुटशिरमुक्तामणिमाला घनै। अंगदअरुकरमुद्रिकानामकहांलगिकोउगनै ४० स्यन्द ननागतुरङ्गशुतरनानाबिधियाना। तामदानसुखपालअनेकन भांतिमियाना॥ दासीदाससमूहमृगाखगजातिअनेका। बहरी बाजअनूपश्वाननाहींगनबेका। वृषभधेनुमहिषीअमितभूमिभू

रिसंख्याकवन॥कहबनादासदायजदियेजोबिदेहकोकहतवन४१
जौंनसमयअनुकूलभरेमाइवतरआनी। मनमेंकरिसंकल्पअपर
राखेगुणिज्ञानी ॥ नाऊबारीभाटबजनियाँनानाजाती । नेवछाव
रिलहिरामभयेजनुधनदकीपाती ॥ कुवँरकुवँरिराजितभयेसिंहा
सनमाड़वमहें।कहबनादासमतिमानकोजौंनसमयउपमाकहै४२
पुलकप्रफुल्लितगातदशरथहिमोदअनूपा । जनुचहुंश्रुतिकीसि
द्धिलहेफलचारिउभूपा ॥ पुनिपुनिउमगतहृदयफलेसुकृततरु
देखत। बारहिबारनिहारिरामजीवनिधनिलेखत ॥ सुरसमाज
मुनिमण्डलीसकलछकितचितह्वैरहे । कहबनादासनिजनिजहृ
दयभाग्यभूरिभूपतिकहे ४३ जनकजोरिकरकंजरहेकोशलपति
आगे। सजलनयनतनपुलकहृदयअतिहीअनुरागे॥ महाराज
सम्बन्धभयेहमबड़सबभांती । लियेअवशिअपनायभागिनहिं
बरणिसिराती ॥ सेवककरिमानबसदामोहिंयोग्यआज्ञाचही ।
कहबनादासतामेंघटैबारबाराबिनतीयही ४४ तबहींनृपदशरथ
कियेनिमिराजबड़ाई। तुमसम्बन्धसुशीलईशअनुकूलसेपाई॥
ज्ञानसिंधुगुणधामकवनजगआपुसमाना।भूपभक्तिबशकियेबंच
नहमकहहिंप्रमाना ॥ इहाँवहाँदूसरकहाँजोईअवधमिथिलासो
ई। कहबनादाससमधीउभयबिनयपरस्परहीभई ४५ बस्तुअ
नेकप्रकारयाचकनदशरथदीन्हा।नाऊबारीभाटअयाचीसबकहँ
कीन्हा॥ हुलसतहृदयअनन्दबचाजनवासपठाये। पुनिपुनिनि
मिहिनिहोरिअवधपतिसहजसुभाये ॥ सकलबरातीहरषयुत
जनकसराहतहियभये। कहबनादासमुनिमण्डलीसहितनृपति
निजथलगये४६ अरघपाँवड़ेदेतरामकोहवरतियलाई।रूपसिंधु
चहुंबन्धुदेखिभामिनिसुखपाई ॥ नानालौकिकरीतिकरहिंउरमो
दबढ़ाय। वोहगतिजानैंअलीभलीविधिकबिकिमिगाये॥ चतुर
नारिसिखवनलगींगवरिलहकवरिरामसिय।कहबनादासबिधुबद
नलखिउमँगिउमँगिहरषातहिय ४७ टारोबातीलालबालबोलत

मुसकाई। कीलागतिश्रतितातिबहिनिकैमायसिखाई॥हमरेकुल कीदेबिसिद्धिबड़िलागहुपाये। चारिउफलभलदेतउचिततुमकश्र इहँश्राये॥ तबहिंलषणबोलतभयेमधुरबचनमुसकायकै। कहबं नादासकसिदेबियहबैठीबदनदुरायकै ४८ मूरतिदेखेबिनाकवन बिधिकरहिंप्रणामा। अबहिंध्यानमेंश्रहेकहैंहँसिहँसिकैबामा॥ नानाहासबिलासमोदनहिंसकतसंभारी। गूढ़बचनतियकहैंश्र बहिंश्रतिलालश्रनारी॥ रामकामशतकोटिछबिश्रंगश्रंगशोभा भरे। कहबनादासश्रवलोकिहँसिसकलतियनमनबशकरे ४९ होतजानिश्रतिकालचतुरसखिमनाहिंबिचारे। कुवँरकुवँरिकेस हिततबहिंजनवाससिधारे। आयेतबपितुपासबधुनयुतचारि उभाई॥ श्रवलोकेमहिपालमोदश्रतिहीउरछाई। पुत्रबधूचारि उसुवनकोशलेशकेपासजू। कहबनादासश्रानंदसुठिउमँगिर ह्योजनवासजू ५० बिबिधभांतिजेवँनारभईतबभवनबिदेहा। तबहिंपठायेबोलिश्रवधपतिसहितसनेहा॥ तामदानसुखपाल मियानापीनसभारी। बिबिधतरहकेयानभईजनवासतयारी॥ सुतनसहितभूपतिचलेजेवनभवनबिदेहके। कहबनादासपटतर कहाँदोउमहिपालसनेहके ५१ निजकरपावँपखारिश्रवधपति मिथिलाभूपा। कंचनपीढ़ापरेमणिनतेजटितश्रनूपा॥ बैठारेम हिपालरामपदपंकजधोये। भूपतिपरमसनेहचरणजोहरहिश्र गोये॥ तिहूंबन्धुकुशकेतुतबनिजकरपादपखारेऊ। कहबनादा सचहुंबन्धुकोतबपीढ़नबैठारेऊ ५२ सकलबरातीउठेपरेसुन्दरप नवारे। सुपबोदनगेपरसिसहजमेंचतुरसुश्रारे॥ फेरेसुरभीसर पिसुगन्धितश्रतिश्रनुरागे। पंचकवलकरिसबैप्रीतिसोंजेवनला गे॥षटरसभोजनचारिबिधिएकएकमेंश्रनगने। कहबनादासपर सतसुघरस्वादनहींबरणतबने ५३ गारीसुन्दरिदेहिंमधुरसुरजो रिसमाजा। जेंवतकरतबिलम्बमुदितहँसिपुनिपुनिराजा। दोऊ दिशाकोनामपुरुषतियलैलैगावैं॥ हावभावकरिबिपुलबचनब

हुब्यंगसुनावैं । कौशल्यागोरीसुतियगोरेनृपशिरमौरजू । कहब
नादाससुतसाँवरोबनतनयहसुठिडौरजू ५४ गोरिभरतकीमा
तुउनहुंसुतजायेकारे । गोरलषणरिपुदवनयहीआचरजहमा
रे॥ शृंगीऋषिसंगदोऊरानीमनराँची । जायेसाँवरपुत्रखबरिह
मपाईसांची ॥ सौमित्रापतिदेवतियथायोगबालकभये । कह
बनादासअचरजबड़ोनृपद्मादमुनिद्वैगये ५५ जेहिकुलकीयहै
रीतिपुरुषनारीद्वैबर्ती।तहांकिकवनअचर्यसखीशंकाकिमिकर्ती॥
स्यन्दनजावैपुत्रभूपघरभयेनिखट्टू । अटपटिकुलकीरीतिनारि
ताहीतेचट्टू ॥ यहिबिधिबोलतब्यङ्गबरमुदितभूपद्वारेगये । कह
बनादासअचवनकियेबहुरिपानपावतभये ५६ सुतनबरातिन
सहितगयेजनवासहिराजा । अतिहीउरआनन्दबिराजतराजस
माजा॥ बिश्वामित्रबशिष्ठबामदेवादिऋषीश्वर । याज्ञवल्क्यमुनि
आदिबिराजतअमितकबीश्वर ॥ बन्दीमागधसूतजनबिपुलबि
प्रबरमण्डली । कहबनादासतेहिसमयमहँनृपसमाजबैठीभली
५७श्वेतद्वीपकुशद्वीपशाल्मलिसिंहलद्वीपा । आदिकजम्बूद्वीप
बिराजतबिपुलमहीपा ॥ खुराशानमुल्तानरूमअरुसामभुवा
ला । काबुलऔरकालिंगचँदेरीबहुमहिपाला ॥ कैकयमागधका
शिपतिमहाचीनपुनिचीनहैं । कहबनादासबहुदेशकेबैठेनृपतिप्र
वीनहैं ५८ बांधौगढ़गुजरातकाठियावारकमिक्षा। खंधारीमारष्ट्र
देयकोघनेपरिक्षा ॥ उदयअस्तलौअवनितहाँकेभूपतिनाना ।
काकेहैंमुखसहससकलजोकरैबखाना ॥ चक्रवतीदशरत्थनृपबेद
बिदितगुणगाथहै । कहबनादाससुरपतिसखापुनिबिवाहरघुना
थहै ५९ तातेअतिउत्साहबरातअमितनृपआये । देखिबन्धुयु
तरामसकललोचनफलपाये।जुरीसभातेहिसमयनृत्यकीभांतिअ
नेका । गानतानसुठिनिपुणतुलततुम्मरनहिंजेका॥ बजतपखाव
जसारँगीमंजीरातबलाघने । कहबनादासमुरचंगमुखबहुमृदङ्ग
भावतमने६०बाजतबीणसितारढोलबहुबिधिसहनाई।नृत्यगान

अतिघनेठौरहीठौरअथाई॥ रामब्याहउत्साहकहाँउपमाकबिपा
वै। जैसेभरोसमुद्रचोंचजलपक्षीलावै॥बहुरौकबिजनकीयुगुतिक
छुकबार्तासुनिलई। कहबनादासपीछेपुनःपण्डितकीचर्चाभई ६१
परमारथपथमुनिनकछुकबूझेअनुरागे। जोजोउत्तरलहेहृदयअ
तिहीसुखलागे॥ गुरुपदमस्तकनायशैनतबदशरथकीना। जा
गेप्रातःकालनिबाहेनित्यप्रवीना॥ सबप्रकारतेस्वच्छह्वैगुरुहि
जायबन्दनकिये। कहबनादासआशिषलहीबारबारहर्षितहि
ये ६२ महाराजपरसादकार्यसबपूरणभयऊ। कछुकहृदयअभि
लाषचहतप्रभुआज्ञालयऊ॥ मुनिबिप्रनयाचकनसमयकछुचा
हीदीन्हा। तबमुनिवरहर्षायभूपदिशिआज्ञाकीन्हा॥ सवालक्षमां
गीगऊसबप्रकारमनभावनी। कहबनादासदीन्हेद्विजनलहिकी
रतिअनपावनी ६३ बन्दीमागधसूतयाचकनबहुरिबुलाये।
सुनिसबभूपरजायहरषयुतआतुरआये। शुतरनागरथतुरगया
ननानाविधिदीना। मणिमाणिकपुनिरजतकनकअरुवस्त्रनवी
ना॥ सकलअयाचककरिदियेकहतबन्धुचिरंजीवचहु। कहब
नादासपुरजनककेनेगीबोलतभयेबहु ६४ बूझिबूझिदियेसबहिं
जाहिजोरुचिसोंमांगा। चक्रवतीदशरत्थहृदयअतिहीअनुरा
गा॥ मणिमाणिकअरुरजतकनकपटभूषणनाना। स्यन्दनअ
रुहयनागबिबिधबिधिबाहनयाना॥ सबहिसुष्ठुकरिअवधपति
बारबारप्रमुदितहिये। कहबनादासअतिप्रीतियुतकौशिकपद
बन्दनकिये ६५ करिसम्पुटकरकंजवचनबोलेमहिपाला। प्रभु
तवकृपाप्रसादलहेआनन्दबिशाला॥ हमअनुचरसुतसहितजा
निजनकरवरजाई। जेहिअवसरजोकार्यघटहिसेवककीनाई॥
हौसबलायकअवधपतिसुकृतासिंधुतुमसमकवन। कहबनादास
संकोचवशतनयभयेभवदुखदवन ६६ दिनप्रतिसेवाअधिकबु
द्धिमानहुंसंक्रांती। धनुविद्याज्योंतीरबढ़ततेहिबिधिबहुभांती॥
चलनचहतपतिअवधरहतबसिनेहबिदेहू। कहँउपमाकबिलहै

बढ़तजेहिभांतिसनेहू ॥ नृपदशरथतबहींकहेकौशिकमुनिहिंद दायकै। अबकिनबिदाकराइयेजनकनृपहिसमुझाइकै ६७ भूपंपहुनईकरैऋधिसिधिनानाभांती। जबसेआइबरातदशानहिंबरणिसिराती ॥ जनकविभवऐश्वर्यसबैकोउकरतबड़ाई। उदयअस्तकेभूपरहेमिथिलापुरछाई ॥ सियमहिमाजानैकवनबिनाजनायेजानकी। कहबनादाससबकछुलखैमूरतिकृपानिधानकी ६८ गाधिसुवनतबजायबहुतजनकहिसमुझाये। बारहिंबारनिहोरिअवधपतिबिदाकराये॥ सतानन्दप्रतिकहेभवनमहँकरहुतयारी। मुनिबिदेहकेबचनमहलतुरतहिपगधारी ॥ उपरोहितजबउतगयेगाधिसुवनआयोइतै। कहबनादासरघुनाथदिशिबिदाहेतनृपकहचितै ६९ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामैकविंशोऽध्यायः २१ ॥

छप्पै ॥ प्रगटभईपुरबातचलनचाहतअवधेशा। रामप्रेमबशभयेबिपुलनरनारिकलेशा ॥ कहहिंएकसनएकरूपउरधरहुसँभारी। रामपरमसुखधामसलोनेनृपसुतचारी ॥ उरसम्पुटकरिराखियेमूरतिचहूँकुमारकी। कहबनादासआशाकवनिअबहेदूजेबारकी ७० नारिअटारिनचढ़ीगईंकोउभवनबिदेहा। मगबीथिनगृहगलिनलगींउरसहजसनेहा ॥ कहहिंपरस्परबातहृदयबिरहितदृगनीरा। अबबिछुरतरघुबीरसखीधरिबैकिमिधीरा ॥ जन्मरङ्कपारसलहेरोगीपरमसजीवनी। कहबनादासबिधिवशगईअबअवसरऐसीबनी ७१ तामदानसुखपालरामचढ़ेबन्धुसमेता। बिदाहोनकेहेतगयेनिमिराजनिकेता ॥ देखिकुँवरबरचारिमोदउरसियमहतारी। बन्देनृपसुतचरणदीनसुठिआशिषभारी ॥ रामकमलकरजोरिकहअबभूपतिचाहतचलन। कहबनादासहितबिदाकेहमहिंअबैपठयेसदन ७२ भूषणमणिबहुबसनकनकनेवछावरिकीन्हा। आसनअतिहिबिचित्रबन्धुचहुँबैठनदीन्हा॥ तुम

प्राणहुँकेप्राणजानकिमिकहियेताता। लोकरीतिपुनिप्रबलकरम
गतिकठिनबिधाता॥ बहुरिउबटिअन्हवायकेंबिबिधतरहभोजन
दिये। कहबनादासतेहिसमयमहँबोलिचहूँकुवँरिनलिये ७३ वि
विधभांतिउपदेशकरनतबलगींसयानी। नारिधर्मकुलरीतिजग
तगतिभाषतरानी॥ सिद्धिकुँवरिनिजभवनगईलैचारिउभाई।
भरींअधिकअनुरागसुभगआसनबैठाई॥ उत्तमकुलपुरनारि
जेआयआयतहँसबजुटैं। कहबनादासपटतरकहांमनहुँरङ्कपार
सलुटैं ७४ अतिकोमलप्रियबचनकहेतबसरहजप्यारी। लाल
लगतसंकोचबिनययकसुनहुँहमारी॥ जबसेदर्शनलहेगहेतुम
मनबरिआई। आपुबिनाकलपलनकरौंकछुतासुउपाई॥ केस
ह्वैमैंलैचलोंकैजीवनकीबिधिकहौ। कहबनादासमृगनैनेनिजलभ
रिकैंपुनिमौनहिगहौ ७५ रामकहेमुसुकायसुनोभामिनियकबाता।
लोकबेदमेंबिदितकमलरबिकैंसोराता॥ कहांकंजकहँभानुरहैता
हीतेसुखिया। बिछुरतसम्पुटहोतसकलजगजानतदुखिया॥
कहँचकोरचन्दाकहांबातबिदितयहखलकमें। कहबनादासदे
खेबिनाकलनहिंपावतपलकमें ७६ तेहिबलभखैअँगारजगत
मेंबिदितकहानी। जासेजाकीप्रीतिदूरिसोनाहिंसयानी॥ जो
हमसेकरनेहप्रगटवाकेउरहोवै। रोमरोमभरिजायकछूनहिंता
सेगोवै॥ बोधमिलोदृष्टान्ततेतबहींउरधीरजलयो। कहबनादा
सप्रभुयाहिमिसुसकलतियनकोसिखदयो ७७ हमतौप्रीति
अधीनबातजानौंयहललना। ज्ञानयोगवैराग्यप्रेमबिनमोहिं
प्रियपलना॥ जोलावैमनमोहिंताहिसनबीचनराखौं। चहुँयुग
तीनौंकालबिरदबहुवेदनभाखौं॥ सबगुणसाधनखानिजोयोग
बिरतिविज्ञानहू। कहबनादासयकप्रीतिबिनस्वपननपावैध्यानहू
७८ भरतकहेमुसुकायअहैलक्ष्मीनिधिनारी। जानिपरतरघुनाथ
भईसबअङ्गतुम्हारी॥ कालिहअवरकीहोहिकवनइनकोहैखाढ़ा।
याबिधिहासबिलासमोदसबकेमनबाढ़ा॥ कहेसिद्धिहँसिवचनतब

तुमतौसाधुकहावते । कहबनादासयहबुद्धिकहँनेकसंकोचनला
वते ७९ बोलेलक्ष्मणबिहँसिबर्गयकपूरुषनारी । ताहीकरिकैकि
हिनिआयरघुपतिसोंयारी ॥ नारिनारिनाहिंपटतऔरसोंप्रीति
नकरिहै ।हमकोहैपरतीतिलाजगुरुजनकीडरिहै ॥तुम्हरेकुलकी
रीतियहभगिनीमुनिसँगमेंगई । कहबनादासतातेलखतसबजग
मेंऐसीभई ८० भराभवनअतिमोदतियनतनदशाभुलानी ।मृगच
न्दनअरुपानधीरधरिलाईरानी॥अतरअरगजालायबन्धुचहुँरु
चिसेभामिनि । निजकरदीन्हेपानबिनयकीन्हेगजगामिनि ॥ बहु
रौदरशदेखायबैबिपुलबड़ाईकोकरी । कहबनादासरघुबंशमणि
सासुभवनपुनिपगधरी ८१ कुवँरनसौंपेकुवँरिबिबिधबिधिबिनती
कीना । लाजबहीसरिनेहप्रीतिपलहीपलपीना ॥ सजलनयनतन
पुलकरानिमुखआवनबानी । गद्गरहृदयअतीवरामचरणनलपटा
नी॥अन्तर्यामीताततुमसबउरप्रेरकमुनिकहै । कहबनादाससिय
प्राणममनृपहूकीजीवनिरहै ८२ क्षमाकरबअपराधतातदासीनि
जजानी । ममशिरधरिसबखोरियहीबिनतीकहरानी ॥ बिसराय
हुजनितातकछुकसुधिराखेहुमोरी । चहुँयुगतीनिउकालजगत्तग
तिकरतलतोरी ॥ रामअमितसमुझायकैसासुहृदयधीरजदये ।
कहबनादासयुतबन्धुकेतबबिदेहआवतभये ८३ धायधायलपटा
यमिलतसखियनबैदेही । भगिनिनसहितसनेहतजैधीरजनहिंके
ही॥ पुनिपुनिभेटहिंमातुबिदाकरिपुनिलपटाहीं । पुनिधीरजपरिह
रैबत्सजिमिधेनुलवाहीं ॥ करुणाबिरहपयोधिसममनहुंभयोभूप
तिभवन । कहबनादासबूझैबनैबाणीनहिंआवततवन ८४ लिये
सियाउरलायबिरहकरुणारसछाके । ज्ञानऔरवैराग्यजनकतेहि
समयबिवाके ॥ जोजानैरसभक्तितिन्हैंकछुसंशयनाहीं । जलबी
चीनहिंभिन्नचहूंश्रुतिसंतकहाहीं ॥ मिलीकुवँरिकुशकेतुकहँबहुरि
बहुरिलपटायकै।कहबनादासमिथिलेशतबशिथिलसनेहअघाय
कै ८५ सतानन्दयुतसचिवअमितइतिहासनभाखे । नानाजग

दृष्टान्तनृपतिउरधीरजराखे ॥ शिविकाचारिविचित्रसजीसबअ्रं
गसोहाई । नानाविधितियधर्मभूपबहुभांतिसिखाई ॥ जानिसु
अवसरघरीशुभकुवँरिचढ़ाईपालकी । कहबनादासपटतरकहां
तेहिअवसरगृहहालकी ८६ दासीदासअनेकदियेजेप्रियसियके
रे। मणिपटभूषणबस्तुपालकिनभरेघनेरे ॥ पुस्तकअमितप्रका
रपढ़ीजोकछुवैदेही । सीतहिजोप्रियबस्तुभूपराखीनहिंतेही ॥ बि
पुलपेटारिनमेंभरेजिनासिनामकोगनिसकै । कहबनादासकविवि
दुषबरतेऊतेहिवर्णतथकै ८७ रामशीलसुखधामसासुदिशियुग
करजोरे । मातुबालनिजजानिनेहछांड़बजनिभोरे ॥ बन्देपदच
हुँबंधुदीन्हबरआशिषरानी । गवनकीन्हजनवाससुनैनासुठिबि
लखानी ॥ करुणाबिरहसमुद्रगृहमगनभईरनिवासहैं । कहबना
दासरघुबंशमणितबआयेपितुपासहैं ८८ जोदायजसंकल्परहा
मनजनकसँभारा । कविकोविदमतिथकितअपरकहिलहैकोपा
रा ॥ मत्तनागबहुसाजिचलेगजहलकाभारी । पर्राघोड़ेनकेरस
कलबिधिअंगसँवारी ॥ लागेशुतुरकेतारहैंवारपारटूटतनहीं ।
कहबनादासमहिषीवृषभनहींधेनुसंख्यारही ८६ साजेस्यन्दन
भूरिअस्त्रशस्त्रनसेपूरे । लागेतीखेतुरयछटाजिनकेअतिरूरे ॥
धनुषविविधविधिधरेतूणबाणनभरिनाना । शक्तिशूलबहुभांति
बिबिधबिधिचर्मकृपाना ॥ बख्तरजिरहअनेकबिधिजिरहटोप
कूँड़ीघनी । कहबनादासबरछाबिबिधअतिचोखीजांकीअनी ६०
दस्तानेबहुधरेबिपुलबरछुरीकटारी । लदेजमुरकाभूरिलदीह
थिनालैभारी ॥ अमितभुशुण्डीलदीरथनपरनानाभांती । विवि
धवरणकेमृगाचलेनहिंटूटतपांती ॥ सौसौगोईबैलकीचलींशत
घ्नीभांतियहि । कहबनादासपीछेलगेमत्तदन्तबलअमितजेहि
६१ गाड़िनलदिलदिचलेब्याघ्रकेपिंजरनाना । पक्षीजातिअ
नेककवनकरिसकैबखाना ॥ औरौजिनसिअनेकराजसीसाजअ
मोले । तीतरकीरचकोरमोरवरमैनाबोले ॥ बहरीसिकराबाजब

हुवाजदारलैलैचले । कहबनादासबहुभांतिकेउवानलियेडोरि
याभले ६२ यहिबिधिसकलसँभारिअवधपुरदीन्हपठाई । को
कबिबरऐयोगकहांशारदमतिपाई ॥ चलीसम्पदाबिपुलजहाँ
जहँबसेबराती । बहुमेवापकवानभारदारनकीपांती ॥ महिषवृष
भगाड़ीबिपुलबहुबेसरटेटुआभले । कहबनादाससकुचाहिंधनद
यहिबिधितेलादिलादिचले ६३ कहेअवधपतिबेगिसुमंतहिकरौ
तयारी । हुकुमपायनरनाहिसाजसबभांतिसँभारी ॥ स्यन्दनना
गतुरंगशुतुरबहुरंगसजाये । बनेबरातीसकलसद्मनहिंवारलगा
ये ॥ चोपदारचहुँदिशिफिरतअबकोउलावहुबारजनि । कहब
नादासबाजाबजेबिबिधभांतिकोसकैगनि ६४ मत्तदन्तकेपीठि
दुन्दुभीबाजतभारी । लादेडंकाशुतुरचोपतापरगहिमारी ॥ भे
रीपणवनफेरिबिपुलबाजींसहनाई । तासाडफलाढोलतुरंहीबीण
सोहाई ॥ बजेन्नासिंहाडिमडिमीझांझअमितझनकारहे । कह
बनादासघनलाजतेकोकहिपावेपारहे ६५ स्यन्दनगुरुआरूढ़
तुरगचहुँकुवँरसँवारा । गणपतिगौरिमहेशनरेशहुतबशिरडारा ॥
गुरुमहिसुरकोबन्दिमहीपतिशंखबजाये । कैरथपैआरूढ़चले
अवधहिचितलाये ॥ बिदाकरनकेहेततबचलेसंगमिथिलानृप
ति । कहबनादाससँगसचिवद्विजसतानन्दयुतप्रीतिअति ६६
चलीबरातअपारभारतेमेदिनिदलकत । सरसरितानदनार
सिंधुकोनीरउछलकत ॥ उड़ीधूरिनभपूरिभभरिबाहनरबिभाग
त । दिग्गयन्दलरखरतधकाउरमेंसुठिलागत ॥ डिगतमेरुमग
उपलरजकच्छकोलअहिकलमल्यो । कहबनादासदशरत्थनृप
रामब्याहिअवधहिचल्यो ६७ फेरहिंदशरथजनकप्रेमबशफिर
बनभावतं । सजलनयनतनपुलकबचनमुखबेगिनआवत ॥
अवधनाथरथउतरिबिदेहहिबहुसमुझाये । अवघूमियमहि
पालदूरिआतिहीचालिआये ॥ करसम्पुटकरिजनकनृपबारबारबि
नतीकिये । कहबनादाससेवकसदामोहिंमोलबिनबितलिये ६८

नृपदशरथपरितोषकियेबहुभांतिबिदेहू । कोकबिबरणैयोगबढ़ो
जेहिराहसनेहू ॥ मिलेपररूपरदोऊकहैउपमाकोसुन्दर । कैधौंउ
भयदिनेशामिलतहैकिधौंपुरन्दर ॥ जनकआयपुनिरामपहँबोलें
वचननिचोरिकै । कहबनादासश्रुतिसन्तमतमनहुँप्रेमरसबोरि
कै ६६ गुणातीतगुणगूढ़परेबुधिमानसबानी । आदिमध्यअव
सानहीनकोउसकतनजानी ॥ अचलअखण्डअनीहएकरसस
बउरबासी । ब्रह्मसच्चिदानन्दभेदगतअजअबिनासी ॥ बिरुज
बिलक्षणबिगतसबअलखअगोचरअमितअति । कहबनांदास
चेतनअमलपरिपूरणपुनिअजितगति १०० पुरुषोत्तमपरधाम
स्वतन्त्रसनातनद्रष्टा । निष्कलंकनिरपेक्षअयोनीसकलहुसृष्टा॥
योगबियोगबिहीनअचरचरबिश्वनिवासा। अनारम्भअनिकेत
सेतभवस्वतहप्रकासा ॥ अगुणसगुणसागरअगमअतिअतर्क
शिवशेषबिधि । कहबनादासमुनिसिद्धसुरशारदपारनचरितनि
धि १ शुद्धनित्यनिरबध्यनिगमनितिनेतिनिरूपा । निष्कलं
ककूटस्थअकलनिरुपाधिअनूपा ॥ निराधारनिरलेप्यद्वंद्वगत
महद्रुअकासा । निराकाशअँडसूक्ष्मअनलजलथलमेंबासा ॥
नयनबिषैमोकहँसोईअहोभागिममअमितअति । कहबनादा
सहारैकहतनारदअमितगणेशमति २ चाहतकेवलप्रीतिरीति
यहसदातुम्हारी । तातेछूटैंनचरणबारबहुबिनयहमारी ॥ बहु
प्रकारपरितोषकियेनृपकोरघुनाथा । सम्पुटपंकजपाणिजनकप
दनायउमाथा ॥ भूपतिदीन्हअशीशपुनिभरतहिमिलिआशिष
दये। कहबनादासलक्ष्मणबहुरिरिपुसूदनचरणननये ३ नरप
तिदीन्हअशीशमण्डलीमुनिपुनिबन्दे। पदशिरनायबशिष्ठराउ
बहुभांतिअनन्दे ॥ मुनिपुनिदईअशीशबिशेषननृपकोंकीन्हा।
धन्यजनकजगजन्मलाभनीकेकरिलीन्हा ॥ नृपकहकृपाप्रसाद
तवबिदामांगिगवनतभये । कहबनादासकौशिकचरणतबबिदे
हसुठिशिरनये ४ ॥ घनाक्षरी ॥ आपुकेप्रसादतेमहेशधनुभंग

भयोशोकसिंधुडूबतसमयथाहपाई हैं । आपुकेप्रसादसियाबरीर घुनाथजूकोआपुकेप्रसादपुनिब्याहेतीनिभाईहैं ॥ आपुकेप्रसाद सम्बन्धकोशलेशजूसोंकीरतिकलिततिहुँलोकनमेंछाईहै ॥ कहे निमिनन्दनमुदितगाधिनन्दनसेआपुकेप्रसादकछुकमीनलखाई है ५ सेवकबिचारिकृपादृष्टिसबकालचहीकौशिककहततुमअ तिभूरिभागीजू । ब्रह्मविदजासुगृहजानकीजनमलियेरामसेजामा तध्यानदुर्लभबिरागीजू ॥ पंदबन्दिजनकगवनपुरदिशिकियेदश रथनेहरामपायमतिपागीजू । बनादाससतानन्दआदिबन्देचहूंब न्धुदशरथबिदाकियेसबैप्रेमत्यागीजू ६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामचतुर्बिंशतितमोऽध्यायः २४ ॥

चलेपतिऔधमगबासीरामदेखिदेखिभाइनसहितबिनबित हिबिकानेहैं । बीचबीचकरिमगबासमहामोदयुतशुभदिनघरी पुरअवधनेराने हैं ॥ बनादासघंटाघंटीबाजतनिशानघनआइगेब रातपुरलोगसबजाने हैं । निजनिजकाजलागेजहाँतहाँभलीभांति मङ्गलकोचारशुभसाजतसयानेहैं ७ दुन्दुभीधुकारकीअपारघन शब्दहोतसिंहबीणतुरहीबजतसहनाईजू । पणवनफेरिभेरिडफ लाऔतासाढोलझांझडिमडिमीनहिंकानदीनजाईजू ॥ घहरा तचाकारथबाजेगजघंटघोरघंटीघहनातनृत्यगानअधिकाईजू । देशदेशकेनरेशजहाँतहाँडेरापरे बाहेरनगरकौनसंख्यापारजाई जू ८ चम्पकबकुलऔरसालरम्भापुंगीरोपेआदिकतमालआ लबालमणिमईहै । बनेहैंनेवारबन्दमानहुंमनोजफन्दध्वजऔप ताकसुठिशोभासरसईहै ॥ कनककलशद्वारपल्लवरसालशुचिम णिनकेदीपमानोद्युतिनितनईहै । बनादासघरघरमंगलकोचारइ मिभूपभौनमानोंमहामोदबीजबईहै ९ साजेमातुआरतीकनक थारमंगलीकबस्तुनानाभांतिनाहिंबरणिसिरातिहै । दधिदूबरो चनतमालफूलनानाजाति मंजरीऔलाजागन्धधरेभांतिभांति

है ॥ चन्दनासिंदूरशुचिरुचिसेबनायेदीपकर्पूरगूगुरधरेजेधूप
रूयातिहै । बनादासमङ्गलकोगावैंकलकंठबैनिउपमानमिलैंजे
सीनेहसरसातिहै १०बोलैंअटपटेबैनपायँडगमगपरैंशिथिलशरी
ररामरूपहियभरेहैं। औधपुरशोभासमयकबिकोसराहिसकैबना
दासशारदमनहुंमौनधरेहैं ॥ बूझैकुलगुरुहिमुनीशजूरजायदये
भूपदशरत्थपुरमध्यगौनकरेहैं।नारिवृन्दवृन्दचोपिपालकीबोहार
टारिहेरैंमुखबधूलोकरीतिअनुसरेहैं ११बाजैंबहुबाजनेनकानदीन
जातपुरगावैंतियमंगलउमंगिअतिहियेजू । भारीभीरअमितको
लाहलसनेहसुठिमातुबारबारबरआरतीकोकियेजू॥ पाँवड़ेअरघ
देतभीतरभवनलाईंबिबिधप्रकारनेवछावरिकोदियेजू।मणिपटभू
षणकनकवारिवारिभूरियाचकअशीशैंजाहिअतिसुखजियेजू१२
ब्राह्मणनबोलिदानअमितप्रकारदिये अन्नधनधेनुबस्त्रनामकोग
नायेजू। कनकसिंहासनजटितमणिधरेचारिकुवँरकुवँरितापैआस
नकरायेजू॥स्वस्तिद्विजपढ़तसुमनसुरवृष्टिकरैंनृत्यतबधूटीदेवदु
न्दुभीबजायेजू।मङ्गलकोगावैंतानतुम्मरभरतअतिभाइनसाहित
रामब्याहिघरआयेजू १३पूजैंदुलहिनिबरवेदबिधिकुलरीतिअर्घ
धूपनैवेद्यआरतीकरतुहैं । सुमनकेहारगरडारतमुदितचित्तमुख
अवलोकिमातुमोदकोभरतुहैं ॥ मङ्गलकोगावैंतियहर्षहियबार
बारप्रेमतेअधीरमातुधीरजधरतुहैं । बनादाससमयसुखशेषहूस
हमिजातकोबिदऔकबिकहिपारनसरतुहैं १४ जनमदरिद्रजैसे
पारसकोपायसुखीशूरलहिबिजयमूकबाणीमुखआयेहैं।महारोगी
मूरिपायगईमणिफणिभेटैनीरतेबिलगभईमीनजलनायेहैं । नार
कीसुगतिलहैसाधकपरमतत्त्वगयोप्राणतनतेबहुरिठहरायेहैं । ब
नादासयातेकोटिगुणामोदमातुउरकवनिप्रकारकोऊकविताहिगा
येहैं १५ सम्पदासकलपुत्रबधुनकोआगेराखिकरजोरितबगुरु
सननृपकहेहैं । आपुकेप्रसादसेसकलकार्यपूरभयोनाथकीबिभू
तियहमुनिमोदलहेहैं ॥ नेगअनुकूललैकेभवनसिधायेबेगिबना

दासमनबुद्धिरामरूपनहे हैं । शास्त्रऔपुराणवेदसन्तसदागानक
रैंजाकेनामकरिभावदापभूरिदहे हैं १६ दियेदिव्यआसनबहुरि
गाधिनन्दनकोब्राह्मणअमितबोलिभूपतिजेवाँये हैं । दक्षिणाऔ
पानदैअशीशलहेसबहीसोंसहितबरातीसुतयुतआपुपाये हैं ॥ ब
नादासतासुपीछेभीतरभवनगये ब्याहउत्साहकथारानिनसुनाये
हैं । बहुरिबिदेहगतिबारबारकहेभूपतदपिनकाहूभांतितोषउर
आये हैं १७ कुवँरिनबोलिबहुभांतिसेदुलारिनृपनानाविधिउपदे
शरानिनंसिखाये हैं। लरिकाअजानजानोंआई हैंपरायेघरराख्यो
पटपूतरीसेअतिमनलाये हैं ॥ जातेवहघरभूलिजायअल्पकाल
ही मेंयहीतुम्हैंयोग्यबेगिशयनकराये हैं। आंतहीउनींदजानिभूप
आपुशयनकियेबनादासजागेतियलोकरीतिगये हैं १८॥ छप्पै ॥
प्रातकालउठिनृपतिनित्यनिबहेसबभांती । जबैसभामहँबैठिजो
हारेआयबराती ॥ रामबन्धुयुततबहिंपितापदबन्दनकीन्हा । म
स्तकसूँघिमहीपबेदबिधिआशिषदीन्हा ॥ सचिवसुभटपुरजन
प्रजानृपहिजुहारेआयसब । कहबनादासजेभाटनटलेनहारलह
बेरकब १६ अज्ञादीन्हेसचिवसबनदीजैपहिरावा । भूषणबसन
बिचित्रचीरबहुचारुमँगावा ॥ यथायोगदियेसबहिंकाहुकोतुरय
देवाये । काहुहिमहिषीधेनुवृषभपुनिकाहूपाये ॥ काहुहिदीन्हेंच
मेंअसिकनकरजतबहुद्रब्यजू । कहबनादासपायेसबैगनतीअ
बेनखर्बजू २० सखीसुआसिनिघनीबिपुलतियबिप्रनकेरी । या
चकभिक्षुकनारिबिपुलकुलमानिजठेरी ॥ सबहिंदईपहिरावरही
जाकेरुचिजैसी । बिपुलतियनकोदियेअमितगाईऔभैंसी ॥
बहुरिदियेनृत्यकनकोनानाबिधिबखशीशहैं । नाऊबारीबजनियां
बहुबिधिदेतंअशीशहैं २१ पायघरीशुभदिवससहितबिधिकङ्क
णछोरे । नेगयोगदैसबहिंनृपतिबहुभांतिनिहोरे ॥ रामब्याह
उत्साहकवनकहिपावैपारा । तापैएकैबदनबालबुधिअतिहिग
वारा ॥ मोदकशक्करघीवकोटेढ़ोलागतमीठअति । कहबनादा

सप्रभुयशबिशदसँगवानिउकीरहिहिपति २२ देशदेशकेभूप
द्वीपद्वीपनकेनाना। हुकुमदीननरनाहमासभरिकाहुनजाना॥
ऋद्धिसिद्धिसम्पदापठावहुडेरेडेरे। स्वपनमाहिंनहिंखँगैबस्तुक
छुकाहूकेरे॥ कामदारसेवकघनेठौरठौरदेखतरहैं। कहबनादा
समांगैजोयकदशदेनेकोहुकुमहै २३ घृतऔतेलतलावभरेपुर
बाहेरनाना। चावरदालिपिसानढेरजनुगिरिहिमवाना॥ पत
रीदोनापात्रसमधिकीकवनिबड़ाई। छोटापर्बतमनहुँलोनकोपट
तरपाई॥ हरदीमिरचाशृंगगिरिकेसरिअरुकर्पूरहैं। कहबना
दासलाचीलवँगमिरिचआदिपरिपूरहैं २४ सतुआचिवराच
नामिठाईबिबिधप्रकारा। जनुपर्बतसामान्यलगेजहँतहँअम्बा
रा॥ मनुषहेतजोचहींनामगनिपारकोपावै। चहुँदिशिपाटापरा
लेयजाकोजोभावै॥ कोतोलैमांगैकवनकोकेहिदेवैमितिनहीं।
कहबनादासठौरेठौर परिपूरणजोजेहिचही २५ सुतनसहि
तदशरत्थसभाबैठेहरषाये। गुरुबशिष्ठसुतगाधिबामदेवउतब
आये॥ भूपहृदयअनुरागिजनककीकथाचलाई। नहिंकोउऐ
साभयोअजहुँनहिंदेतदिखाई॥ करतभोगमेंयोगजेजलजपात्र
समनितरहैं। कहबनादासनाहींलिपैजगजलसिद्धिसबैकहै २६
धीरवानधुरधरमशूरबिदवेदबिबेकी। अतिउदारनैनिपुणटेकनहिं
टरैजोटेकी॥ तबबशिष्ठकहेसत्यनहींकोउजनकसमाना। गाधि
सुवनतबकहेकवनजगतुमसमआना॥ रामभरतअरुलषणसे
शत्रुदवनजाकेतनै। कहबनादाससीतालहेपुत्रबधूकोयशभ
नै २७ धीरधार्मिकशूरनीतिजगजाकरलीका। कियेइन्द्रउपका
रसोऊबिनदामहिंनीका॥ सुरमुनिसेवीसाधुबिप्रपदनेष्ठाभारी।
कौशल्यादिकभवनमाहिंताहींबिधिनारी॥ रामब्रह्मब्यापकबि
रुजजासुभक्तिबशतनधरे। कहबनादासतेहिध्यानलैजनकबड़ा
ईसबकरे २८ गाधिसुवनप्रतिकहेभूपदशरथहरषाई। रामदेत
अतिकठिनलगोमोकहँमुनिराई॥ आपुरहेकलुब्यग्रकथानहिंता

तेभाखी । जीवनदरशअधीनरामकहौंशंकरसाखी ॥ बीतो
जबहींचौथपनअतिगलानिमनमेंभई । कहबनादाससंततिबिना
जनुजीवनिनाहकगई २९ जैसेदलबिनपीलयतीबिनबिरतिबि
हूना । दीपबिनाजिमिभवनपुत्रबिननृपतिकछूना ॥ विद्याबि
नाबिबेकयथासरिताबिननीरा । धर्मशीलबिनडीलदूधबिनजैसे
खीरा ॥ सकलभारकुलकोधरैपुनिपरलोकसुधारई । कहबना
दाससुतधार्मिकसबसेवाअनुसारई ३० मंत्रीअष्टप्रसिद्धअवध
गादीसबकाला । तामेंश्रेष्ठसुमंतअधिकउरबुद्धिबिशाला ॥ दे
खिबिशेखिउदासमोहिंबूझेशिरनाई । तिनभाषेनिजहालजौन
नारदसोंपाई॥ब्रह्मपुत्रआयोइतैकहसुमंतसतिभायसे । ममनृपके
सन्ततिनहींकहियेकछूउपायसे ३१ तबनारदइमिकहेसुनीबिधि
सभाकिबानी । चौथेपनसुतचारियत्नकरिहैंहैंज्ञानी ॥ रूपतेजब
लबुद्धिधीररणशूरसुशीला । क्षमादयाछलहीनअमितकरिहैंशु
भलीला ॥ अतिउदारधर्मज्ञशुचिसुरगुरुसेवीपितुभगत । कह
बनादासगुणधामसुठिकीरतिअतिजागिहिजगत ३२ गयेबहु
रिगुरुगेहकथानिजकहेसुनाई । राजकार्य्यऐश्वर्य्यलहेसबभांति
बड़ाई ॥ चाहीसोसबकियेधर्मजेभूपनकेरे । यज्ञदानदिग्विजय
जितेरणशत्रुघनेरे॥ अबआयोममचौथपनयहसबकौनेकाजको ।
कहबनादाससंततिरहितकेहिशिरधरीसमाजको ३३ गुरुकृ
पालुकियेतोषधीरउरधरहुसँभारी । अवशियत्नहमकरबपुत्रबर
ह्वैहैंचारी ॥ भेजेतुरितसुमंतरहेशृंगीऋषिजहँवां । धरिमुनि
आज्ञाशीशसद्यहीपहुंचेतहँवां ॥ भाषेसकलप्रसंगतबचलेबेगि
हर्षायकै । कहबनादासआयेइतैमुनिअनुशासनपायकै ३४
जोजोआज्ञाकियेयज्ञकेहेतमुनीशा । सोसबसंयमाकियेसूतमजीं
धरिशीशा ॥ सरयूउत्तरदिशानदीमनवरकेतीरा । उत्तममास
अषाढ़भईमुनिसज्जनभीरा ॥ बेदविहितमखभैतबैपुत्रहेतसुठि
लायमन । कहबनादासपावकप्रगटभैपायसकरदिव्यतन ३५

रानिनभागलगायबेगहीदीजैराजा। असकहिभयेअदृश्यबिलो
कतसकलसमाजा॥ रामजननिदियेअर्द्धउभयपुनिअर्द्धमेंकीन्हा।
तामेंलैकैएककेकयीकरमेंदीन्हा॥ रहासोयुगलबनायकैदोउरानि
नकरमेंदई। कहबनादासपुनिदोऊलैसौमित्रहिदेतीभई ३६ पाय
गईजबभागगर्बसबतियनजनायो। रूपतेजपरकाशअधिकप्र
तिदिनसरसायो॥ राजकाजऐश्वर्य्यबलसुखनूतनबाढ़तगयो।
कहबनादासदिनपायकैरामजन्मयहिबिधिभयो ३७ चहूंपुत्रको
जन्मभयोगुरुदेवप्रसादा। अवधमहाआनन्ददूरिभेसकलविषा
दा॥ रघुबरब्याहउछाहसहिततिहुँभाइनकेरा। सोतवकृपाप्रसा
दलहेआनन्दघनेरा॥ कबहुँउऋणनहिंआपुसेबारबारदशरथ
कहे। कहबनादाससुनिगाधिसुतअतिहिमगनमनह्वैरहे ३८॥
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचबिंशतितमोऽध्यायः २५॥

छप्पै॥ किमिगावोंयशभूरिएकमुखअधिकप्रशंसा। बारबारमुनि
सुयशभनेरबिकुलअवतंसा॥ लियेदोऊघरमोलआपुअवधौऔ
मिथिला। कोकबिबरणनयोगहोयविधिबचननशिथिला॥ बामदे
वदशरथगिरासुनिबोलेसांचीअहै। कहबनादासकुलगुरुबदेतिहुँ
पुरगतिमांचीअहै ३९ सुतनबरातिनसहिततबहिंनृपभोजनकी
ना। दिनप्रतिबढ़तअनन्दकहैकबिकवनप्रबीना॥ विश्वामित्रवशि
ष्ठबामदेवादिऋषीश्वर। औरोआवतअवधरामहितअमितमुनी
श्वर॥ बैठसभादशरत्थनृपसुनतेकथापुरानहै। कहबनादासपट
तरकहांलजितदेखिमघवानहै ४० द्वीपद्वीपकेभूपपरेपुरचारिहुपा
सा। एकछत्रक्षितिराजकहूंरिपुरुजनहिंभासा॥ आइजोहारहिंभूप
यथाविधिबैठकपाई। नृत्यगानऔतानननिरखितुम्मररुकुचाई॥
अमरावतिनहिंअवधसमकहतपरस्परनृपतिसब। कहबनादास
सुरपतिसभानहींतुलतदशरथहिअब ४१ लाखौंसिंधुरसजेपरी
पीठिनअम्बारी। तुरैकिसंख्यानाहिंसजेलाखौंरथभारी॥ धनुष

बाणअसिचर्मजिरहबख्तरबहुभांती । शूलशक्तिअरुगदाकहै
किमिइनकीख्याती ॥ छुरीकटारीअनगनीदस्तानेकूँड़ीघनी ।
कहबनादासउपमादियेनहींसुरेशहुकीबनी ४२ कङ्कणकरकेयू
रअमितमोतीमणिमाला । कुण्डलमुकुटसमूहघनेश्रवणनकेबा
ला ॥ पटभूषणबहुजातिभांतिबहुरंगदुशाले । पाटम्बरअनमोल
असितसितहरितहुलाले ॥ मासएकबीतोजबैयथायोगभूपनद
ये । कहबनादासदशरत्थनृपबिदासबहिकरतेभये ४३ जेपाहुन
प्रियपूज्यज्ञातिबहुभांतिसजाती । पुरजनलोगअनेकदियेपीछेबहु
भांती ॥ अइवनागमणिबसनबिभूषणगिनैकोनाना । अस्त्रशस्त्र
बहुबस्तुकहैकोबिबिधबिधाना ॥ आदरयुतकीन्हेंबिदाशीलसि
न्धुनृपमुकुटमणि । कहबनादासपटतरकहांसबैबदतदशरत्थध
नि ४४ सेनपसचिवदिवानसेनबख्शीबुलवाये । महारथीभटभू
रिगजाधिपअगणितआये ॥ अइवनकेअसवाररहेजहँलगिपद
चारी । बन्दीमागधसूतविदुषजनभूसुरभारी ॥ सेवकसेवकनी
घनीसनोमानसबकोकिये । कहबनादासदशरत्थनृपजोजैसातेहि
तसदिये ४५ जेरघुपतिकेसखाअतिहिप्रियसबहिबुलाये । बूझिबू
झिनृपदियेजवनिजोवस्तुबताये ॥ रथमतङ्गअरुतुरँगधनुषपुनि
बाणकृपाना । चर्मशक्तिमणिबसनअभूषणगनैकोनाना ॥ श्रुति
कुण्डलबालाबिपुलमुक्तामणिमालाघनें । कहबनादासकङ्कणक
लितकरजमुद्रिकाअनगने ४६ दीन्हेकरकेयूरकंठकेकंठाभारी ।
चीरासमलाशीशलगीपटगोटकिनारी ॥ जुलुमजरकसीज्योति
किंजलकबसनसुरंगा । दयेसखनरघबीरभूपउरअतिहिउमं
गा ॥ जनकजवनदायजदयेइहांसकलबिधितेपटे । कहबना
दासदशरथनृपतिदेतदेतनहिंमनहटे ४७ दिनप्रतिसेवासहस
भांतिकौशिकअधिकानी । करतनृपतिसुतसहितआदिकौश
ल्यारानी ॥ मनजोगवतनिशिबारनजरिअवलोकतरहहीं । दश
रथनृपशिरताजकबहुँमुनिबरकछुकहहीं ॥ नित्यचलाचाहतऋ

षयरामबिषयमेंमनफस्यो। कहबनादासछूटतनहींजनुदिनप्रति
लासालस्यो ४८ कस्योअमितयकबारबस्योऐसोउरआई।
कालिहचलैंगेअवशिआजहीनृपहिजनाई॥ उठिप्रभातसुतगा
धिचलनकोकीनबिचारा। भूपसहितपरिवारआइपदमस्तकडा
रा॥ रानिनसहितमहीपमणिलियेचरणकीधूरिहैं। कहबनादा
ससुठिशीलनिधिनेहसकतनहिंतूरिहैं ४९ हमसेवकसबभांति
सहितपरिवारगोसांई। राजकाजसम्पदाआपुकीसकलबड़ाई॥
जोलागैकछुकाजहमारेयोगमुनीशा। सोसबदेवरजायकरौंजाते
धरिशीशा॥ कृपादृष्टिजनजानिकैफेरिदरशजातेलहैं। कहब
नादासतुमप्राणप्रियदैआशिषमुनिइमिकहैं ५० कृपासिंधुरघु
नाथबंधुयुतपठवनहेता। चलेऋषयकेसाथमुदितमनदयानि
केता॥गयेदूरितकसंगजोरिकरपदशिरनाये। अभिमतआशि
षपायअनुजयुतसदनहिआये॥ रामरूपगुणशीलनृपहृदयबि
सूरतजातहैं। कहबनादासतनगाधिसुतबारबारपुलकातहैं५१॥
सवैया॥ नितहीनवमंगलऔधपुरीजबतेघरब्याहिकृपानिधि
अयि। लोकपआदिकइन्द्रकुबेरबिरंचिसिहातहैंजाहिसुभाये॥
भेपुरलोगसुखीसबअंगसेसंगहिब्याहचहूँलखिपाये। दासबना
अभिलाषयहीबिधिरामकेराजकोयोगलगाये ५२ ऋद्धिऔसि
द्धिबड़ाईबिभवअतिहीप्रतिबासरबाढ़तजाई। जैसेबढ़ैप्रतिला
भतेलोभतिहूंपुरमेंदशरत्थबड़ाई॥ अर्थऔधर्मऔकामहुमो
क्षउभयकरभूपतिचारिउपाई। पुत्रबधूसियआदिकभौनमेंकौन
लहैउपमाचहुँभाई ५३ रामकोजन्मऔबालबिनोदकुमारचरि
त्रमहासुखदाई। ब्याहकोलीलाबिशेषअनन्दनहींश्रुतिशारद
पारहिपाई॥ भाषैयथामतिसंतसनातनभक्तिकोभावहियेअधि
काई। दासबनाअतिबालकबुद्धिकहामुखएकसकैंतेहिगाई५४॥
घनाक्षरी॥ आयोबिकरालकालकलिकालकारोमुखसारोसुख
सोखिलियेजीवदुखदरेहैं। तिहूंतापतपतलपतलोभलालचमें

कामक्रोधप्रबलनधीरकोऊधरेहैं ॥ अतिबिपरीतिज्ञानध्यानन समाधिबनैइन्द्रीमनअजितफजीहतिमेंपरेहैं। बनादासहमरेबि चारयहीसारआयोपरमचतुररामयशगानकरेहैं ५५ बिरतिबि चारसारबासनाबिदारिडारे तनदृढ़नाहिंतपतीरथक्योंकरे हैं। शीतउष्णक्षुधाप्यासत्रासअतिपीसिडारे मनोराजप्रबलसुरति शुचिहरेहैं ॥ रागद्वेषमेषमेंबिशेषरोमरोमबँधेलदेसबअंगतमर जग़रेपरेहैं। बनादासहमेंरेबिचारयहीसारआयोपरमचतुरराम यशऔणभरेहैं ५६ पुलकतअंगअंगआंसूदृगपातहोतकंठऊ निरोधसुखसोईजनजानेहैं। मनबुद्धिचित्तअहंकारकोहटतबल गोगणअबलजगसहजहेरानेहैं ॥ रामसियारूपछहरतआयआं खिआगेजागेनिशिमोहतेनकहूंलपटानेहैं। बनादासबासनाऔ आसनदेखाईदेतएतोगुणचरितमेंपरेंपहिंचानेहैं ५७ सारोबो धशोधतनबोधतहियेमेंबिषयरागद्वेषबिधिऔनिषेधऊभुलानहैं। शीतउष्णक्षुधाप्यासद्वैतामेंकछुकालबादबकबादलागै जहरस मानहैं ॥ मानऔप्रतिष्ठावहांकहांधुआंधौरहरधनीऔगरीबबु राभलाकोनभानहैं। बनादासयाहीहितसाधनअमितचितसोई सिधिचरितमेंमेरेअनुमानहैं ५८॥ सवैया ॥ रामचरित्रसोहातजि न्हैंनहिंसोहतभागिबिचारहमारे। भालसुअंकलगैंकलिक्कैघुनफे रिकुअंकबनावनहारे ॥ संतसमाजनिरादरभाजनतासुभलान हिंकोनेहूंद्वारे। लोकउभयबिगरैयहिबुद्धिसेकोटिउपायटरैनहिं टारे ५६ प्रेमतेभक्तिनऔरिअहैसोबिचारकियेतेचरित्रअधारे। तातेमहामुनिगावतहैंयशजक्तकोतापमिटावनहारे ॥ जोयहिसा गरमज्जनकीन्हनतासुभयोनरजन्मबथारे। दासबनानहिंजाहि सुहायलगैंमुखमेंमसिकौनभलारे ६० ॥ घनाक्षरी ॥ नामरू पलीलाधामचारिहूस्वरूपरामसंतनप्रमाणकियेकमनसेवायजू। एकतेअधिकएकटेकीटेककोऊजन मनअभिरामभयोअभिमत पायजू ॥ एकहूअगमप्रभुकृपातेसुगमहोतचारिहूसुलभसोऊरा

मरूपआयजू। बनादासपायेबिनास्वादकैसेजानिपरैआवतनजा
केबूभ्रूअतिहीमधायजू ६१ तीरथबरततपदानऔअचारनेम
योगयज्ञपूजापाठकर्मकाण्डबहौना । बादबकबादतनस्वादऔ
बिषादहर्षबिधिऔनिषेधरागद्वेषमाहिंदहौना ॥ आयोहैकठिन
कलिकालबिकरालकूरबनादासरामयशगायगायरहौना । मन
क्रमबचनस्वपनमेंनआनगति सीतारामसीतारामसीतारामकहौ
ना ६२ बसिऔधधामरामनामजपोबसुयामश्यामरूपमाहिंनि
तसूरतिरमावना । आशऔउपायऔरप्रीतिपरतीतित्यागिनि
शिदिननवायशरामजूकोगावना ॥ संतनकोसंगभंगभवकोकर
नहारताहिकरिसेवननऔरद्वारधावना । बनादासबारबारब्रह्म
कोबिचारसारयातेबड़ोसिद्धिपदकाहिठहरावना ६३ जहँलगिसा
धनबतावैश्रुतिकरैंजगमोसोंकछुकामनाहिंखारीकेसमानहै। खाँड़
खायऐसोकोअभागामुखतीतकरै पय्योमेरीपातरीनकहतप्रमान
है॥साधनऔसिद्धिसबबिद्धिएकरामनामऋद्धिसिद्धिसोनकामसा
रोनुकसानहै। बनादासधनीऔगरीबकोबिचारैकौनरोटीमिलाक
रैसेरआधकपिसानहै ६४ ॥ सवैया ॥ मानैबिरोधजोब्रह्मबि
चारमेंरामउपासकआपुबनेहैं । हालीनहींतेहिबुद्धिमेंआइहैशु
द्धिलहैउरमाहिंघनेहैं॥सिद्धिउपासनाद्वैहैजबैतबैदासबनाभलेबैठे
मने हैं । चाहीकमाईकिआसवकोमतप्रीतिप्रतीतितेजातगने
हैं ६५ हैंतोमलीनऔखीनसबैअँगदीनकहौपैनदीनभयोहै ।
जानिनजायरजायकृपालुकीतानेकहांकहँतीरगयोहै ॥ प्रेरतजो
उरभाषोंसोईलिखिकागज़कोरपैपारलयोहै । संतस्वरूपसदानि
रपक्षहैदासबनानहिंआजुनयोहै ६६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेअयोध्याखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामषड्विंशतितमोऽध्यायः २६ ॥

अयोध्याखण्डसमाप्तः ॥



उभयप्रबोधकरामायण ॥

बिपिनखण्डचतुर्थ ॥

कबित्तघनाक्षरी ॥ रामरीतिदेखिपुरलोगनकोमहामोदनृपदशरथजलमीनमनकियेहैं । चहीजौनकरनकोसबकरिआयचुकेबासनानकोईरहिगईकछुहियेहैं ॥ राजकाजकुशलसकलकामयोगरामअबअभिषेकहेतकाहेबारलियेहैं । बनादासतनक्षणभंगुरभोचौथपनमनबुद्धिआजितनचायेजगहियेहैं १ ऐसोकैबिचारमहिपालगुरुभौनगयेकरिकैप्रणामशुभआशिषकोपायेजू । बैठेमुनिनिकटयुगलकरजोरिबोलेनाथएकलालसासोप्रगटजनायेजू ॥ आपुकेप्रसादसेसकलकाजपूरभयो चौथपनबीतोजातमृषाश्रुतिगायेजू । बनादासश्वासअवकातिजलअंजलिकोटूटतनतारचुकैसहजसुभायेजू २ पुरजनप्रजापरिवारअरिमीतजेतेसचिवमहाजनसुभटशूरबीरहैं । सबकेहियेकिगतिदेखीहैबिचारकरिप्राणहूतेप्रियलागैंसबैरघुबीरहैं ॥ शीलऔस्वभावगुणशोभासत्यदेखिदेखिअबउरमाहिंकोउधरतनधीरहैं । बनादासचाहैंअभिषेकरघुनाथजूकोमेरेउरमाहिंयाकीबारबारपीरहै ३ स्वामीसर्बज्ञतिहुँकालगतिजानहारसेवकधरमदेखिबिनयसुनायेजू । जैसीहोयमर्जीसोकरोंकरुणायतनकहेगुरुऐसेकाजवारनलगायेजू ॥ सुकृतकेसींवतुमसकलप्रकारनृपफलअनुगामीतवचहीउरआयेजू । बना

दासबारबारबंदिकैबशिष्ठपदपरमअनन्दयुतसभाकोसिधायेजू ४
बोलिकैसुमन्तअसकहतमहीपभये रामअभिषेकहेतआज्ञागुरु
दये हैं। सचिवअनन्दरोमरोमउफिलायचलोमहाराजअबनेकबा
रजनिलये हैं ॥ ऐसोअभिलाषसबहीकेउरमाहिंसदासुनिलोग
धानपानपानीभीजिगये हैं। बनादासतबहींरजायदियेसूतनृपआ
ज्ञाजोमुनीशदेहिंकरोशिरनये हैं ५ जायमुनिपासशिरनायकैसुम
न्तबोलेमहाराजअतिबड़काजआज्ञादये हैं। मर्जीमहीपतिकीमु
निकीरजायकरोहोयजोहुकुमताहिबारनाहिंलयेहैं ॥ कहेगुरुसक
लसुतीरथमँगावोजलबहुभांतिसेवकतुरितधायगयेहैं। बनादास
नगरबनावकरोभलीभांतिनानापटभूषणमँगावोनयेनयेहैं ६ मंग
लीकबहुबस्तुभूपअभिषेकयोग बिबिधप्रकारकोबशिष्ठजूबताये
हैं। साजोरथनागअश्वसकलबनावोयानकंचनकलशचारुचउ
कपुराये हैं ॥ कदलीरसालपुंगीफलऔपताकध्वजतोरननिशान
पूजाग्रामदेवगाये हैं। बनादासयाहीभांतिकहेहैंअनेकबिधि राम
अभिषेकबस्तुपारकौनपाये हैं ७ मुनिकीरजायपायआयकैसुम
न्तबेगिसकलप्रकारकामदारनबुलायेजू। निजनिजमाफिकंहुकु
मसबहीकोदियेनानाबिधिप्रथमहिंअवधबनायेजू ॥ बनयेबजार
चारुचौहटअनेकभांतिकहैकबिकौनमानोमहाछबिछायेजू। बना
दासबीथीअरगजासेसिंचायेसब गलीगलीमानहुंअनन्दउमगा
येजू ८ अश्वरथनागसेनसाजेसबअंगकरिसुभगशृंगारछुहेसिंधुर
अनेकहैं। नानाबिधिभूषणतेतुरयतयारकियेमानोंकामहरिभेष
कौनकहबेकहैं ॥ ध्वजऔपताकघंटाघंटीरथरचेरूरेशूरसरदार
सबशोधेएकएकहैं। बनादासबिबिधबसनपहिरावादियेअस्त्रश
स्त्रभांतिभांतिकौनगनबेकहैं ९ सेवकसुआसिनिनभूषणबसनदि
येसकलशृंगारकियेमहामोदहिये हैं। कदलीरसालऔतमालबर
पुंगीरोपेमाणिमयीआलबालनानाबिधिकिये हैं॥तोरणपताकध्वज
चामरब्यजनसाजेकंचनकलशमणिदीपधरिदिये हैं। बनादास

चौकचारुपूरेहैंसुमित्रारूरेठौरठौरकामदारबारनाहिंलिये हैं १०
द्विजनकोदानबकशीशबहुयाचकनराममातुदेवपितृपूजैंमनलाये
जू।भूपतिअनेकबिधिसाधुद्विजसेवैसुरउमँगिउमँगिउरउपमाको
पायेजू॥ घरघरमंगलकोचारपुरद्वारद्वारशोभाऔधबरणतशारद
लजायेजू । बनादासबाजेघनबाजनबिबिधभांतिलाजैंमेघवान
अमरावतिहिदबायेजू ११ मङ्गलकुशलसेतिलकरघुनाथहोयताके
हेतुमातुपितुनानाबिधिकिये हैं ।मन्त्रयन्त्रतन्त्रसुरपूजाबिप्रवृ
न्दकरैंभरेप्रेमसारोबिघ्नबाधाशांतिलिये हैं॥ याहीभांतिपुरजनप्र
जापरिवारसबदेवपितृसेवतमनायनिजहिये हैं । बनादासमहा
उतसाहनबरणिजात निजनिजअबकातिअतिदानदिये हैं १२॥
सवैया ॥ जादिनबातप्रचारभईरघुनाथकोमाथदुखातभयोजू ।
भांतिअनेकउपायकरैंसबपीरक्षणैक्षणहोतनयोजू ॥ बातभरत्थ
कीमातुसुनीतबहींउरमेंपरितापजयोजू । दासबनाआईदेखनछो
हसेशीशकृपालुकेहाथदयोजू १३ कौनिप्रकारतेजायब्यथाक
हौबेगिहियन्नकरौकिनसोई । मातुअधीनअहैंतुम्हरेअसमंज
सभांतिअनेकनजोई ॥ चौदहबर्षकोदेहुहमैंबनजाइहैपरिसैं
देहनकोई । दासबनाउतपातबड़ोपरितापहियेतुम्हरेअतिहो
ई १४ पुत्रबिरोधपरेभरिजन्मबिधौपनलाभनटारेटरैगो ।.निन्दा
तिहूँपुरमेंपसरैअरुसौतिनबैरअनेकपरैगो ॥ गारीचहूंयुगकेजन
देहिंगेतौउरभांतिअनेकजरैगो।दासबनातुमहोहुप्रसन्नहमारोको
ईफिरिकाहकरैगो १५ मातुप्रसन्ननक्योंहमहोहिंसहीइतनोसब
कारणमेरे । देबरबेगिगईभवनेयहबातप्रसिद्धभईचहुँफेरे ॥ को
टिउपायनपीरगईसोभरत्थकीमायनेआयनिबेरे । दासबनायह
बातयकांतकीऔरकोईनहिंजानतहेरे १६ मङ्गलसाजसजोसब
भांतिसेरातिदिनाकहँजातनजानै । आनँदमग्नसबैपुरलोगजहाँ
तहँएकनएकबखानै ॥ लग्नघरीबिधिऐहैकबैबिनदेखननेककहो
मनमानै।दासबनाजनुबैठसिंहासनरामसियाउरमेंसबआनै १७॥

घनाक्षरी ॥ गुरुहिंबुलायनृपरामधामभेजेतबाशिषदेनहेतमुनिवे
गिहीसिधायेहैं।जानेआगमनरामशीलसिंधुसुखधामधायकरुणा
यतनवन्देआयद्वारे हैं ॥ बहुरिसिंहासनपैआसनकरायेजायमाथ
नायपाँयसियवेगिहीपधारे हैं। बनादासषोड़शप्रकारपूजेरघुनाथ
जोरिकरकंजअरबचनउचारे हैं १८ हुकुमनदीननिजसेवकसमान
प्रभुकीनयेतौपरिश्रमभूरिभागिमेरेहैं।प्रभुताकोत्यागिआजुअति
हीसनेहकियेदोषदुखपापदूरिसकलसबेरेहैं ॥ छोटोसोसदनमोद
मोटोनसमायसकैवहोउफिलायबनादासचहुंफेरे हैं। आज्ञाकाहध
रौंशिशकहौंप्रभुबारबारजातेकरौंवेगहीनहोयनेकदेरे हैं १९ तुमश्रु
तिसेतुपालशीलसिंधुगुणधामसारोपूरकामरूपऐसनविचारेजू ।
साजेअभिषेकसाजतुवयुवराजहेत मोतेकहेबोलियाहीहेतकोसि
धारेजू॥नृपकीरजायकरोसकलसमाजसाजजोपैमनोराजपूरविधि
गतिन्यारेजू । बनादासकरिउपदेशमुनिभौनगयेरामउरशोचयह
अचरजभारेजू २० जनमकरमश्रवणछेदनऔचूड़ाकर्णयज्ञउपवी
तसंगब्याहउतसाहभो । कुलरीतिदिब्यनअनीतिकोहैलेशजामें
बन्धुकोविहायअभिषेकवेशलाहभो ॥ सचिवसयानेमहिपालवृद्ध
गुरुदेवतहांआज्ञायोग्यममहेतनिरबाहभो । बनादासशोचकेबि
मोचनसशोचभयेभरतसेबन्धुनाहिंकाहयामेंलाहभो २१ चिंतव
नचित्तमेंजोआयजाहिबन्धुदोय समयसँयोगतबौबातशुठिनीकी
है। भूमिभारहरणकोधारेतनकैसीभईमेरेशीशभारचढ़ैयातोनाहिं
ठीकीहै ॥ बनादासबारबारकहेप्रतिजानकीसेठकुराईत्यागिबनै
चलौरुचिजीकीहै। स्वामीसर्बज्ञआज्ञाशीशपैसरबकालप्रभुउर
भावैनसोमोहिंअतिफीकीहै २२ पुरलोकजहाँतहाँकहतपररुपर
भरतसहानुजनसभैयहिभयेजू। कोऊकहैईशअनुकूलअबौआ
यजाहिंभलीभांतिलोचनकोलाहतबौलयेजू ॥ रामसखासंगदश
पांचसोउमङ्गउरआवैंरघुनाथपासआदरकोदयेजू। जातदशआ
वैंबीसबनादासबारबारप्रभुअभिषेकसुनिसुखनयेनयेजू २३ ल

क्ष्मणआयेतेहिसमयअनुरागभरे जानैंअभिषेकदिनकाल्हिशुभ घरीहै। जानिशुचिबन्धुशीलासिन्धुपरितोषेरामजानकीसमेतरहे आनँदसोंभरीहैं॥ नगरकोलाहलकहतसबनारिनरबीतैकबराति कोऊधीरनाहिंधरीहैं। सियाकेसमेतप्रभुरतनसिंहासनपैकबअव लोकैंमुनिटीकाभालकरीहैं २४ देवअपस्वारथीकुटिलकोटिकोटि शोचैंताहिचोरचाँदनीसेअवधअनंदभो । रामअभिषेकभयोरा वणकोबधगयोनिशिहुदिवसपुनिद्वद्विदुखद्वंदभो ॥ सुरराजगु रुदेवसबैमिलिरचिपाचिशारदबुलायकैकहतानिजफंदभो । ज इयेऔधपुरहेतकहतसचेतह्वैके याहीलागिनरतनब्रह्मसुखकंद भो२५ पाछिलबिचारिकाजयाकोनअकाजलखीराजरसभंगहेत औधपुरआईहै। घरघरमोदपुरभोरहीतिलकरामदेवकीकुचाल कोऊकैसेजानिपाईहै॥मंथरामलीनमतिचेरीप्रियकेकयीकिशार दसँभरितासुबुद्धिबदलाईहै। बनादासदेखतअनन्दपुरजहाँतहाँ मानोम्रगीदावादेखिअतिदुखदाईहै २६ करतबिचारउरबारबार कोटिबिधिराजलवाबाहरीसेचाहतनसाईहै। महामोदमूषकमँजा रीसेलगाईध्यानचाहतनिदानरातिहीमेंधरिखाई है॥ कुटिलकंल पिलाखौंयुगुतिकुचालकरिकेकयीसमीपबलिचारासमआईहै। ब नादासअतिहीउदासऊर्द्धउवासलेत दशादेखिरानीहियमाहिंडर खाईहै २७॥सवैया॥ बेगिकहैकुशलातमहीपकीलक्ष्मणरामअहैं सुठिनीके। काहेउदासभईअतिमंथरात्योंत्योंबढ़ावतभेदनजीके॥ डारतिआँसुउसासभरैउररानीकेहैनखरातजुतीके । दासबना सबकीकुशलाततुम्हारीनसातसोंहैदुखहीके२८ ॥ कुण्डलिया॥ रामछोंड़िकाकीकुशलऔकौशल्याकेर। जाकोटीकादेहिंगेनरपति होतसबेर॥ नरपतिहोतसबेरभइउदूधेकीमाखी। सत्यकहौंकरिगै जबहुरिदैशंकरसाखी॥ कार्य्यसुधारोजोचहौतौपुनिकरौनदेर। रा मछोड़िकाकीकुशलअरुकौशल्याकेर २९ जेठस्वामीलघुसदासे वकरबिकुलरीति। ताहितिलकजोहोतहैक्योंदेखैबिपरीति॥क्योंदे

खैबिपरीतिसत्यजोतेरीबानी। मनभावैसोदेवकहीतबऐसीरानी॥ बनादासघरफोरिकैभाषतबचनअनीति। जेठेस्वामीलघुसदासेव करबिकुलरीति ३० खावापहिराराजतवदेखिनजातअकाज। जार नयोगस्वभावहैपरीलोनकीलाज ॥ परीलोनकीलाजचेरितजि होबनरानी। कोऊराजाहोयकवनिहैहमकाहानी॥ बनादासकुलरी तितवमहूंकहतमहराज । खावापहिराराजतवदेखिनजातअका ज ३१ कौशल्याकबहूंनहींकियेसवतियारोष। मिलैपतोहूसियासेपु त्ररामनिरदोष॥ पुत्ररामनिरदोषलहेसोजीवनलाहू। कोतासमसं सारतिहूंपुरभागिसराहू॥ बनादासपरचैलईमोहिंकृपाकोकोष। कौ शल्याकबहूंनहींकियेसवतियारोष ३२ रहेप्रथमदिनतेगयेअबवै बातैंनाहि । रबिपङ्कजरक्षाकरैबहुरिजरावैताहि ॥ बहुरिजरावै ताहिपायअवसरकरप्रीती । समयफिरैरिपुफिरैसदागावतअस नीती॥ कद्रूबिनतादितिअदितिकथापुराणनमाहिं । रहेप्रथम दिनतेगयेअबवैबातैंनाहिं ३३ सुरमायाअतिहीप्रबलफिरीकेक यीबुद्धि। पुनिपुनिपूंछतिताहितेरहीतनिकनहिंसुद्धि॥ रहीतनि कनहिंसुद्धिकथापापिनिबहुबरणी । बनादासतरुकलपनिपाते मानहुँकरणी॥ ताहिजीतिनिजबशकियेभईकपटकीयुद्धि । सुर मायाअतिहीप्रबलफिरीकेकयीबुद्धि ३४ मंगलसाजसजतभयेए कपाखसुनुरानि। पायेआजुहवालतुमतापैपरतनजानि॥ तापैप रतनजानिबानिअतिकपटनरेशा। तुम्हराभोरस्वभावपुत्रपठये परदेशा॥ कार्य्यसुधारोकौशल्याभलोसमयपहिंचानि। मंगल साजसजतभयेएकपाखसुनुरानि ३५ अबयहिअवसरमेंकोऊ हितूनदेखौंआन। एकमंथराहैतुहींजोउपदेशैज्ञान ॥ जोउपदे शैज्ञानमरौंबरुमाहुरखाई । पावककरौंप्रबेशनतरुजलमाहिंस माई॥ नैहररहिहौंजन्मभरकोदुखसहैंनिदान। अबयहिअवसर मेंकोऊहितूनदेखौंआन ३६ कपटसयानीसानिकैबहुसमुझाई रानि। हरिइच्छाभावीप्रबलसुरमायाबौरानि॥ सुरमायाबौरानि

अतिहिकुबरिहिपतियानी । कहैनचिन्ताकरौदिनौदिनतोहिंसुख
रानी ॥ बनादासजोहमकहैंसोईकरौहितमानि । कपटसयानी
सानिकैबहुसमुझाईरानि ३७ दुइबरथातीनृपतिसेराख्योहैसुधि
ताहि । भरतराजबनरामकहँलीजैबैरनिबाहि ॥ लीजैबैरनिबाहि
दांवऐसोनहिंपैहौ । तीरछूटिगोहाथजनमभरिपुनिपछितैहौ ॥ रा
मराज्यनायबलषणभरतबंदिगृहमाहि । दुइबरथातीनृपतिसेरा
ख्योहैसुधिताहि ३८ सुनिसहमीरानीपख्योमानहुँकंजतुषार । बे
लिनिकटदाबायथाकाहकीनकरतार ॥ काहकीनकरतारसखीका
करीउपाई । कहेसिकोपगृहपरौसहजकारजसधिजाई ॥ दृढ़कै
साधेहुकाजकोनृपकानाहिंअतिबार । सुनिसहमीरानीपख्योमान
हुँकंजतुषार ३९ राजायोगीकौनकेकहपुराणश्रुतिनीति । अति
स्वतन्त्रसमरथसदाइनकीगतिबिपरीति ॥ इनकीगतिबिपरीति
सदाताहीतेडरिये । नहिंकीजैबिश्वासकार्य्यआपनोसुधरिये ॥ अ
पनेकरतरवारिजिमितनिकनराखैप्रीति । राजायोगीकौनकेकह
पुराणश्रुतिनीति४० कार्य्यसुधारौसजगह्वैफिरिनबिचारौआन ।
रामशपथभूपतिकरैतबमांगौबरदान ॥ तबमांगौबरदानजाहिंते
पलटैनाहीं । चहैछूटितनजायरह्योदृढ़निजमतिमाहीं ॥ प्रबल
गुरूजिमिशिष्यकोपुष्टकरतहैज्ञान । कार्य्यसुधारौसजगह्वैफिरिन
बिचारौआन ४१ चलीकेकयीकोपगृहबिधिगतिअतिबलवान ।
बलिपशुदानाखातजिमिमृत्युनहींनिजजान ॥ मृत्युनहींनिजजा
ननीचसंगतिबौरानी । तातेसदाप्रमाणबड़ेनकोलघुसँगहानी ॥
संगतिकरियेऊंचकीलहियेऊंचाज्ञान । चलीकेकयीकोपगृहबिधि
गतिअतिबलवान ४२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिन
खण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामप्रथमोऽध्यायः १ ॥

कुण्डलिया ॥ त्यागिसकलभूषणबसनपहिरेंफटापुरान ।
भूमिशयनप्रथमैमनोंपराबिधौपनजान ॥ पराबिधौपनजान

युगुतिबहुमनठहरावत । खानपानसुखसेजनींदकछुताहिनभावत ॥ कौनीबिधिकारजसधै यहीकरतअनुमान । त्यागिसकलभूषणवसनपहिरेफटापुरान ४३ सांझसमयआनन्दनृपगयोकेकयीधाम । समयपायमारयोहृदयसुमनबाणतबकाम ॥ सुमनबाणतबकामबामबिधिगतिकठिनाई । भवनभयानकमनहुँभूपदेखतभयखाई ॥ जायदशादेखीयुवतिमानहुँमहाबेराम । सांझसमयआनन्दनृपगयोकेकयीधाम ४४ शक्तिशूलअरुबाणपुनिसहबेयोगकृपान । अँगेजाहिसुरपतिकुलिशतियगतिदेखिमलान ॥ तियगतिदेखिमलानगयोसोसहमिसुखाई । मानहुँसंध्यासमयगयोसरसिजकुम्हिलाई ॥ बनादासमनमथप्रबलचहुँयुगकोनहिंजान । शक्तिशूलअरुबाणपुनिसहबेयोगकृपान ४५ बारबारनृपहँसिकहतकाहेरानिरिसानि । अतिदुलारिप्रियवचनकहिशिरपरपरशतपानि ॥ शिरपरपरशतपानितकेनागिनिजनुकारी । लैलैऊँधीश्वासनाहरीमृगहिनिहारी ॥ तिमिअवलोकतिभूपदिशिकहनरपतिअनुमानि । बारबारनृपहँसिकहतकाहेरानिरिसानि ४६ कैप्रसन्नकहुउरमरमकेहिनृपकरौंभिखारि । केहिदरिद्रअवनिपकरौंप्रियाबचनउरधारि ॥ प्रियाबचनउरधारिमारिडारौंसुरनायक । केहिजाम्योदुइशीशभयोजोतवदुखदायक ॥ अवसरअनअवसरलखौसजोशृंगारसँभारि । कैप्रसन्नकहुउरमरमकेहिनृपकरौंभिखारि ४७ देवदनुजअरुमनुजतनकोबैरीसंसार । नामकहौतिहुँलोकमेंअबेझोकावोंभार ॥ अबेझोकावोंभारबारनहिंलागैनेको । करतेयतीपैजवचनबोलतनहिंएको ॥ मनभावतमांगोजोईदेतनलावोंबार । देवदनुजअरुमनुजतनकोबैरीसंसार ४८ धीरबिबेकऔशूरताचलैननीतिबिचार । चतुराईचौपटभईमारबड़ोबरियार ॥ मारबड़ोबरियारबारबहुतियमुखदेखत । जातेहोयप्रसन्नयतनउरबहुबिधिलेखत ॥ कालबलीअतिकठिनहैपुनिगतिसिरजनहार । धीर

बिवेकऔशूरताचलैननीतिबिचार ४९ मांगुमांगुसबदिनकह
तलहतनकबहूंएक । देनकहेबरदानदुइबीतेबर्षअनेक ॥ बी
तेबर्षअनेकहरषउरकपटजनावत । मनहुँकिरातिनिफन्दअंग
शृंगारबनावत ॥ ऊपरकरतकटाक्षबहुभीतरकठिनकुटेक । माँ
गुमाँगुसबदिनकहतलहतनकबहूंएक ५० सबदिनतुम्हहिंकोहा
वप्रियदोषनकछूहमार । थातीराखेआपुहीबड़स्वभावबरियार ॥
बड़स्वभावबरियारमाथअपराधहमारे । लेहुनदुइकेचारिकवन
हितलावतबारे ॥ रामशपथतोहिंसत्यकहौंराखौंउरअतिबार ।
सबदिनतुम्हहिंकोहावप्रियदोषनकछूहमार ५१ हौंबरमनमा
नैनहींऔरैबरकीचाह । अबहौंहूंदूजीत्रियाहेरैहँसिकहनाह ॥
हेरैहँसिकहनाहचाहरसब्यंगसुनावत । वाकोकठिनदुरावभूप
कहुंथाहनपावत ॥ बनादासमूधेनृपतिनारिकपटअवगाह । हौं
बरमनमानैनहींऔरैबरकीचाह ५२ राजभरतकोदीजियेप्रथमै
यहबरदान । बर्षचारिदशरामबनदूजोपुनिपरमान ॥ दूजोपुनि
परमानबानसमनृपउरलागे । मर्मठाँवगोबेधिजाहिकरिफेरिन
जागे ॥ बनादाससुनतैभयेमानोमृतकसमान । राजभरतकोदी
जियेप्रथमैयहबरदान५३धनुबिद्यागुरुमंथरातरकसबुद्धिअनूप।
अमितयुक्तिशरभरिदियेउभैबानबरखूप॥ उभैबानबरखूपबचन
रानीधनुबंका। मारेनृपतिकुरङ्गमरणहितरहीनशंका॥बनादाससु
ठिधीरधरिबचनकहतभेभूप।धनुबिद्यागुरुमन्थरातरकसबुद्धिअ
नूप५४किमिकुभांतिबोलतिबचनप्रियानकहेसँभारि । तूबरमांगे
जवनिबिधिसबजगहोयउजारि॥सबजगहोयउजारिमरणममसं
शयनाहीं । रामंदरशलगिप्राणबिदितसोहैसबपाहीं ॥ रिसपरि
हासनिकारिकें मांगेबुद्धिसुधारि । किमिकुभाँतिबोलतिबचनप्रि
यानकहेसँभारि ५५ मांगुमांगुकेहिबलकहेसुनतलगेजनुबान ।
मनमानामांगैसोई फेरिकवनअनुमान ॥ फेरिकवनअनुमानघे
रौंदानहिंशिशुकेरा । बनवैताहिसुधारिबिगारतबहुरिनदेरा ॥

देहुकितौनाहींकहौ लहौकलङ्कनिदान । मांगुमांगुकेहिबलकहे
सुनतलगेजनुबान ५६ बोलेभूपतिक्रोधतजि कहैरामअपराध ।
जेअरिअनहितनाकरैं तहूंसराहैंसाध ॥ तहूंसराहैंसाधकिये
किमिमातुबिरोधा।लागतअतिबिपरीतिभाँतिकोटिनतेशोधा ॥
प्रियाबेगिरिसपरिहरै सुखनलहबपलआध । बोलेभूपतिक्रोध
तजिकहैरामअपराध ५७ तुमअपराधनयोगहैनहिंकौशल्या
राम । कार्य्यबिगाराहमसबै भलेबिधाताबाम ॥ भलेबिधाताबा
मकाहकरवौतेहिराजा। देनकह्योबरदानतुम्हैंउरधरमनलाजा ॥
अबलगिबनियाईसबै किमिखोवतपरिणाम । तुमअपराधनयो
गहौ नहिंकौशल्याराम ५८ सत्यसराह्योभाँतिबहु अबकाहेल
लचात । तुम्हैंजानितबकापरी लेइहिमूरीपात ॥ लेइहिमूरीपा
तनहींगाजरसोसूखी । निधड़कअतिकटुकहैचितवजनुबाघि
निभूखी ॥ देहुकितौनाहींकहौ दोऊलोकनसात । सत्यसराह्यो
भाँतिबहुअबकाहेललचात ५९ शिविदधीचिहरिश्चन्द्रनृपर
घुदिलीपमहिपाल । भागीरथआदिकसहेधर्म्महेतबहुसाल ॥
धर्म्महेतबहुसालसदारबिकुलचलिआई । धरणिधामधनप्रा
णतजैपुनिबचननजाई ॥ तुमकलङ्ककाहेलहत सूझीकाहभुवा
ल । शिविदधीचिहरिश्चन्द्रनृप रघुदिलीपमहिपाल ६० अति
उत्तमइक्ष्वाकुकुल श्रुतिपुराणयशगाव । शूरकृपानौदानमें सम
तानहिंकोउपाव ॥ समतानहिंकोउपावनृपतिसमभौमनमाहीं ।
तुमकलङ्कोलहौमोरिहठिजीवननाहीं ॥ देहुकितौनाहींकहौमो
हिंप्रपञ्चनभाव।अतिउत्तमइक्ष्वाकुकुलश्रुतिपुराणयशगाव ६१
दूतपठावोप्रातही आवैंदूनौंभाय । मनप्रसन्नकरिदीजिये भरत
हिराजबजाय ॥ भरतहिराजबजायदूसराबरजोमाँगा । यहअन
र्थकोमूलप्रियाकरुताकरत्यागा ॥ जोरिपाणिपाँयनपर्‍यो भूपअ
तिहिबिलखाय । दूतपठावोप्रातही आवैंदूनौंभाय ६२ रामबि
रहजनिमारुमोहिं तोहिंकहौंपरिपांय । दीनबचनभाषेबिबिध

ताहिनकछूसोहाय ॥ ताहिनकछूसोहायनिठुरताकीमहतारी । कैधौंकुलिशकरेजकूबरीरचेसुधारी ॥ बनादासनिश्चयकियेनृप तियनीचस्वभाय । रामबिरहजनिमारुमोहिं तोहिंकहौंपरिपां य ६३ किमिनखरातियसमकरौ दानकृपणतासङ्ग । दोऊकौनि उबिधिबनै बहतआपनेरङ्ग ॥ बहतआपनेरङ्गदिवसानिशिको किमिसङ्गा । लावहिकुलहिकलङ्ककवनबिधिमतिकरभङ्गा ॥ म मेवचनभेद्योहृदय रानीअवशिउमङ्ग । किमिनखरातियसमक रौ दांनिकृपणतासङ्ग ६४ भूपबिचारेहुबारबहु निश्चयलीन्ह्यो प्रान । रामबिरहव्याप्योहृदय बिधिगतिअतिबलवान ॥ बिधि गतिअतिबलवानकहेटरिनिकटसेजावै । जबलगितनमेंप्राणत हांतकअबनबोलावै॥ पापिनिपछितैहैभलेजबलगिजियैजहान। भूपबिचास्योबारबहुनिश्चयलीन्ह्योप्रान६५बाजझपेटैजिमिल वाकरिदपटेमृगराज । पङ्कजपरयोतुषारजनुदशाभूपशिरताज॥ दशाभूपशिरताजगाजतेजिमितरुदाह्यो।गिस्योधरणिधुनिमाथ शोकसरिपस्योअथाह्यो ॥ प्राणजानबाजीलगीसाजेतिलकस माज । बाजझपेटेजिमिलवाकरिदपटेमृगराज ६६ अतिब्याकु लभूपतिपस्योमनहुंकंठगतप्रान । बैठिभयानकभवनमेंजागतिम नहुंमसान॥ जागतिमनहुंमसानकेकयीभईकिराती । मारेमृगन रनाहजनहुंजोगवसिबहुभाँती ॥ रामरामहारामकहिबोलिउठत अकुलान। अतिब्याकुलभूपतिपस्योमनहुंकंठगतप्रान ६७कोटि कोटिबिधितर्कणाभूपकरतबहुबार । काहकरतकांक्षैगयोदुस्तरग तिकरतार॥दुस्तरगतिकरताररामजोकछुनमानै।भवनमाहिंरहि जायबनैसबहीबिधिबानै ॥ कितौप्राणछूटैनिशिहिंनहींहोयभिनु सार । कोटिकोटिबिधितर्कणाभूपकरतबहुबार ६८ उठिप्रभातदे खबकहाश्रवणसुनबकाबात । लैलैऊरधश्वासनृपहाथमींजिरहि जात ॥हाथमींजिरहिजातउदयजनिहोहिंदिनेशा।मानैबिनयबि शेषनतरुसबभांतिकलेशा ॥ कितौकेकयीजातिमरितौभीअति

कुशलात। उठिप्रभातदेखबकहाश्रवणसुनबकाबात६९॥ छप्पै॥
शिवप्रेरकसबहृदैंकरौयहिसमैसहाई । निकसैकोईउपायजाहिते
जरनिनशाई॥रामबिलगजनिहोहिंनयनतेकौनेहुकाला।बिछुरत
छूटैंप्राणमनावतईशभुआला॥यहिबिधितेभिनुसारभोगानतान
बहुबाजने। कहबनादासद्विजवेदध्वनिबन्दीबिरदावलिभने ७०

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखराडे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

छप्पै॥सुनतलगेजनुबाणकहांउपमाकबिपाये॥जिमिखगपंखबि
हीनबारबारहिअकुलाये ॥ प्राणत्यागनहिंकरतभरतपुनिऊरध
श्वासा।ब्यापीबाँकीपीरकवनिजीवनकीआसा॥सुभटशूरपुरजन
प्रजासचिवमहाजनसमयलखि।कहबनादासआयेसबैतिलकका
र्यकरनेहरखि ७१ कहैंउदयरबिदेखिआजअचरजबड़लागे।उठ
तयामनिशिरहेनृपतिअजहूँनहिंजागे॥सबकोउकहैसुमंतजगाव
हुभूपहिजाई । निजनिजकारजकरैंसबैकोउआयसुपाई ॥ घरघ
रपुरमंगलमहायहकुचालकोजानई । कहबनादासभूपतिभवन
चलतसचिवभयमानई ७२ महाभयानकभवनकियेजनुप्रेतनि
वासा। यथातथाधरिधीरगयेभूपतिकेपासा ॥ देखानिपटकुसा
जनृपतिगतिबरणिनजाती । पंखरहितद्वैपर्योअवनिमानहुस
म्पाती ॥ तबहींबोलीकेकयीरामहिंलावोबोलिअब । कहबनादा
सउततेपलटिआयजगायहुभूपतब ७३ सचिवपरमगम्भीरबु
द्धिसागरमतिधीरा । जानीरानिकुचालिभईतासेउरपीरा ॥ आ
येद्वारहिबहुरिनयनजोरेनहिंकाहू । वाहीपगबढ़िचलेजहांराव
णशशिराहू ॥ देखिसुमन्तहिरामतबकरिप्रणामआदरदये। क
हबनादासदशरथसदशसूतबचनबोलतभये ७४ संक्षेपहिमहँ
कथासकलरघुपतिहिसुनाये।शीघ्रउठेरघुनाथसचिवसँगसहज
सिधाये॥ देखिसुमन्तउदासरामअनअवसरजाहीं । काहकीन
करतारलोगजहँतहँपछिताहीं ॥ जायदशादेखेनृपतिसुठिश्रीह

तभूतलपर्‍यो।कहबनादासप्रभुधीरधुरजातनहींधीरजधर्‍यो ७५
करिप्रणामपितुमातुबहुरिबोलेरघुराई । जननीपितुदुखहेतबेगि
किनकहैबुझाई ॥ करौंसोसच्यउपायजाहितेहोयनिवारण । भर
तमातुतबकहीतातजानौयहकारण ॥ देनकहेबरदानदुइजोरु
चिसोंमांगेसही । कहबनादासभूतलपरेहांनाहींनहिंकछुकही ७६
तुमपरअधिकसनेहयहीसबदुखकरमूला । चहौंनिवारणकीनमि
टैंसहजेसबशूला ॥ नृपहिंचौथपनभयेतुमहिंऐसोसुतपाये । तात
यतनसोकरौजाहिकरिधरमनजाये ॥ भरतराजकाननतुम्हैंसुन
तैबिनमारेमरे । कहबनादासहारामकहिरामरटतभोरहिकरे ७७
भूपउठायेसचिवकहतरघुपतिपगधारे । चातृकजनुजलस्वाति
लहेतबनैनउघारे ॥ बोलेरघुकुलकेतुबातलघुलगिदुखपावा ।
तातनप्रथमैमोहिंकोऊकरिचेतजनावा ॥ बड़भागीसोइतनयजग
मातुपिताजेहिसुखलहै । कहबनादासपालैबचनश्रुतिपुराणमु
निसबकहै ७८ मोकोमहाअनन्दमिलनमुनिजनबहुभांती । भर
तबन्धुशुचिराजलहैंअतिशीतलछाती ॥ पुनिसम्मतपितुमातु
भालबड़िभागहमारे । जोनकरौंबनगौनचढ़ैशिरदूषणभारे ॥ स
मयपायअसचूकईतासोंजगतनअधमकोउ । कहबनादासअनु
कूलबिधिममहितमोदकहाथदोउ ७९ नहिंबिषादकरसमयनेक
अबशोचनकीजे । ह्वैकेअवशिप्रसन्नतातआज्ञामोहिंदीजे ॥ लै
जननीसेहुकुमबनहिंचलिहौंपदलागी । चरणबंदिरघुबीरउठेतुर
तहिअनुरागी ॥ नगरफैलिगैबातयहधनुबिद्याशरवृद्धिजिमि । क
हबनादासयकतेसहसलाखनबढ़तकरोरिरितिमि ८० जहाँतहाँशि
रधुनैंलोगबहुबिधिबिलखाहीं । कहहिंपरस्परबातकालगतिजा
निनजाहीं ॥ काहरह्योकाभयोपापिनिहिकाउरठयऊ । दियेबि
श्वपरितापतिलकहोतैबनदयऊ ॥ एककहैंखोयेनृपतितियप्रती
तिकीन्हेवृथा । कहबनादासएकैकहैंरबिकुलकीकरणीयथा ८१
रघुदिलीपहरिचन्द्रकहौंशिविसगरकहानी । भयेभगरिथआदिस

दाकुलधर्मनिशानी ॥ कैसीकरीदधीचिमहाधार्म्मिकभेभूपा।त्या
गेतनधनधामराजलहेसुयशअनूपा॥एककहैंसम्मतभरतसुनत
एकशिरधुनिरहे। कहबनादासकरदैंश्रवणआहिआहिपुनिपुनिक
हैं ८२ बिगरिजायपरलोकभरतकोदोषबिचारे। बड़ेधीरधर्मज्ञ
रामजेहिप्राणपियारे॥कालकर्मअतिप्रबलकोऊकरकाहुनखोरी।
बिधिगतिंअतिबलवानकहैंआवतमतिमोरी ॥ कौशल्यासुठिसा
धुमतिसवतिरीतिकबहुंनसुनी। कहबनादासएकैकहैंयहपापिनि
काउरगुनी ८३ केतेगारीदेहिंअधिकनिन्दाउच्चारैं। भईबेणुबनआ
गिबारबारैंधिक्कारैं॥ जरिहैजन्मप्रयंतकियेकरणीकैकेई । क्वैहैन
हिंकछुसिद्धिमृषाजगअपयशलेई॥तृणसमनृपतनत्यागिहैकहत
जहाँतहँलोगसब । कहबनादाससीतालषणकैसेरहिहैंभवनअ
ब ८४ रामकरहिंबनबासभरतभोगैंपुरराजू।कहैंकवनअसअधम
परैकीरामुखआजू ॥ रघुबरबिरहबिशेषजरहिंप्रतिदिनपुरबासी।
बनाआयअसयोगजगतकोसुखपैनासी ॥ सुखकेसुखरघुबंशम
णिताहिपापिनीदुखदिये। कहबनादासकेकैसुताबिकलसकलभू
तलकिये८५ दुखितसकलनरनारिबनैबिधिबातबिगारे। गुंजाकर
गहिलियेकेकयीपारसडारे॥ प्रथमदेखावाअमीदियेपीछेबिषभा
री॥बिधिगतिअतिबलवानकहैंयकएकबिचारी॥ पुरजनबिलपत
जहाँतहँजननिहिबन्देजायकै। कहबनादासरघुबरनिरखिमोदम
नहुंनिधिपायकै ८६ तातकरहुअस्नानखाहुजोकछुमनभावे।
होतअवशिअतिकालबालजननीबलिजावे॥ जायहुपितासमेत
चित्तचाहहितबभैया। बारबारइमिकहेतनिकरुचिराखहुमैया॥
कबहिंलगनआनँदमयीसिंहासनआसननिरखि । कहबनादास
फलसुकृतलहिसकललोगहर्षहिंपरखि ८७ पितादीनबनराजका
जजहँसकलहमारा। जननीदेहुरजायजातजेहिहोयनबारा॥मधु
रबचनरघुबीरलगेशरसमअकुलानी। जनुजवासपरआयपर्यो
पावसकोपानी॥ थरथरकम्पितगातसबपरस्योकंजतुषारजिमि।

कहबनादासअतिधीरधरिकौशल्याकहबचनइमि ८८ राजदेनके हेतसुभगदिनमङ्गलसाजा । तातकवनअपराधजानिबनभाषेरा जा॥किमियहभयोअनर्थअर्थसबभाषहुताता।होतनधीरजहृदय क्षणैक्षणकम्पितगाता ॥ तबसुमन्तसुतसबककहेसंक्षेपैमहँजानिक रि।कहबनादासजननीकहेअतिधीरजउरआनिकरि ८९ बिधिबु धसुठिबिपरीतिकालकीगतिकठिनाई । दीजैकाकोदोषबातयहि बिधिबनिआई ॥ अन्तनृपहिबनवासअनौसरकरिदुखभारी । काहकीनकरतारबिसारेहुजनिमहतारी ॥ भरतभूपपुरजनप्रजा तुमबिनअतिदुखपाइहैं । कहबनादासकैसीकरौंबनतनएकउपा यहैं ९० समाचारअनुमानिजानकीतबउठिआई । बन्दिसासु पदबैठिहृदयशोचातिअधिकाई ॥ सीयदशाअनुमानिकौशला पुनिअकुलानी । सीतासुठिसुकुमारिबहुरिबोलीमृदुबानी ॥ सङ्ग कीनचाहतगवनतवरजायरघुपतिकवनि । कहबनादासमैंजान किहिदेहुबिचारिकैसिखतवनि ९१ बोलेरघुकुलभानुसुनौभामि नियहबाता । हैअवसरउतपातवृद्धमेरेपितुमाता ॥ रहौअवध सहिकठिनकरौइनकीसेवकाई । पतिआज्ञाअनुकूलधर्मयातेंन बड़ाई ॥ श्रुतिसम्मतपरलोकसुखजगतसुयशबिस्तारजू । कह बनादासतुमरहौगृहमानोमतोहमारजू ९२ कहसीताअकुलाय प्राणपतिभलसिखदीन्हा । मैंहूँउरअनुमानअमितभांतिनसों कीन्हा ॥ श्रुतिसम्मतअरुलोकतियहिएकैपतिदेवा । यातेअप रनधर्मकरैस्वामीकीसेवा ॥ पियबियोगसमदुखनकोउसुरपुरनर कसमानहैं । कहबनादासस्वामीसबलचहैकहीसोज्ञानहैं ९३ अतिहीतनसुकुमारिविपतिकाननकीन्यारी । तुमहिंजाउँलैसङ्ग जगतमेंअपयशभारी ॥ कुशकण्टकनदनारगहनबनकठिनप हारा । ब्याघ्रसिंहवृकभालुरूपइनकोबिकरारा ॥ घोरशब्दगर्ज हिंबिपुलजर्जहिंशूरजेधीरबर । कहबनादासनिशिचरप्रबलभष हिंजेआमिषमनुजकर ९४ लागहिपानीअवशिबिषमहिमघाम

बयारी। नहींपगनमेंत्रानभयानकमारगभारी॥ अशनकन्दफ
लमूलसोऊअवसरसंयोगा। प्रतिदिनप्रापतिनाहिंबिबिधबिधि
योगबियोगा॥ बनकेहेतकिरातिनीरचीबिरंचिबिचारिकै। कहब
नादासकाननबिपतिबीरनसकहिंसँभारिकै ९५ नाथभयेतपयोग
मोहिंसुकुमारिबिचारी। यऊबचनउरसहेबिपतियातेकाभारी॥ प्र
भुबिहायतनरहेपरैजोअसपहिंचानी। राखीमोकहँभवननहींयामें
कछुहानी॥ भानुबिनादिनजाहिबिधिप्राणबिनातनजानिये। कह
बनादासजलबिननदीपतिबिहीनतियमानिये ९६ धरणिधाम
परिवारप्रजाजहँलगिजगनाता। पियबिहायतियहेतसकलतर
णिहुतेताता॥ जवनकठिनताकहेतवनसबराउरयोगा। हमहिं
उचितबसिअवधकरीनानाबिधिभोगा॥ जानाबिधिबिपरीतिग
तिखण्डखण्डउरनहिंभयो। कहबनादाससुठिदुसहदुखसहिहैं
हियनितनितनयो ९७ हरिहौंश्रममगकेरचापिपदजलजसमा
ना। बैठिडोलैहौंबायुकवनयातेसुखआना॥ देखिदेखिबिधुबद
नपलकसमदिवससिरैहै। प्रभुबिनपलजोएककल्पकोटिनसम
जैहै॥ वृकबराहकरिरीछअहिव्याघ्रसिंहकोउकाकरै। कहबना
दासप्रभुसङ्गमेंकालहुकोमननहिंडरै ९८ कन्दमूलफलअशनमो
हिंसोसुधासमाना। प्रभुबिहायबिषअमीभांतिकोटिनतेजाना॥
नाथसाथसाथरीसदापैफेनसेनीका। आपुरहितसुखसेजकोटि
पावकशोधीका॥ अन्तर्यामीतेबहुतकहबजानियेहानिअति।
कहबनादासतनरहिसकैदेखियहृदयबिचारिगति ९९ चलहुहर
षिहियबनहिंबेगिजननिहिंशिरनाई। पायेसुभगअशीशमातुलि
यहृदयलगाई॥ जनिबिसरायहुतातसकलघटबासतुम्हारा। मा
निमातुकोनातदरशपावोंयकबारा॥ पुनिआयोनिजभवनप्रभुहँक
रायेसेवकसबै। कहबनादासजेनिजसखाशूरबीरलावोअबै १००॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामतृतीयोऽध्यायः ३॥

छप्पै ॥ गऊजहांतकरहींहुकुमदीन्हेंसबआवै । ब्राह्मणभिक्षु
कभाटबुलायेजोजहँपावै ॥ याचकनानाभाँतिजहाँतकसबहँकरा
ये । स्यन्दनऔगजबाजिसकलरघुबीरमँगाये ॥ मणिमाणिकक
ञ्चनरजतभूषणबसनअपारगति । कहबनादासमाँगेसबैकोकबि
बरणैअगमगति १ सीतहिआज्ञादियेबसनतनलैबिलगाहू ।
आजुसर्बकोदानयोगराखबनहिंकाहू ॥ धनुषबाणअसिचर्मतु
रैरथनागअनेका । शूरबीरनिजसखनदियेचाहीजसजेका ॥ म
णिमाणिककञ्चनरतनबिपुलयाचकनकोदई । कहबनादासकोटि
नगऊअन्नअमितब्राह्मणलई २ कुण्डलकंकणमुकुटघनेमोतिन
केमाला । भूषणबसनअनेकदियेबहुरङ्गदुशाला ॥ करमुद्रिका
अनूपजटितमणिगणबहुतेरे । दीन्हेंभाँतिअनेक कनककेयूरघने
रे ॥ निजसेवकनबुलायकेअमितसम्पदाप्रभुदई । कहबनादास
बरणैकवनकबिकोबिदजैसीभई ३ पाटम्बरकिंजलककलितक
म्बलबहुजाती । दीन्हेंमहिषीबृषभबरणबहुअगणितभाँती ॥जो
जेहिलायकहोयतवनसोताकहँदीना । दानीरघुपतिआजुकहेंस
बलोगप्रवीना ॥ युत्थयुत्थब्राह्मणकहैंयाचकजहँतहँअनगने ।क
हबनादासरघुबीरजैआजुसबैबानकबने ४ जोसम्पतिसियपास
सकलब्राह्मणकोदीना । नानामणिऔकनकरजतकोकहैप्रवीना॥
भूषणबसनबिचित्रजवननिजअंगनकेरे । जोजेहिलायकदिये
सखिनसेवकनिघनेरे॥ द्विजभामिनिनबुलायकैसकलसम्पदासि
यदई । कहबनादासासिधिबिबिधबिधिजासुअनुचरीनितनई ५
समाचारसुनिलषणसद्यआयेप्रभुपासा।मानहुंतुहिनसरोजपरयो
सुठिबदनउदासा॥बंदेपंकजचरणशरणरघुपतिसबंगा । बारबार
उरडरतमनोरथहोयनभंगा ॥ जहँलगिशीलसनेहजगदेहगेह
तृणसमतजे । कहबनादासमनबचनक्रमरामसंगसबबिधिसजे
६ दशादेखिरघुबीरतबैबोलेमृदुबानी । तातकालगतिकठिन
कहतश्रुतिमुनिबरज्ञानी ॥ भूपवृद्धममबिरहभरतयुतबंधुबिदे

शा। प्रजामातुपरिवारपस्योसुठिसबहिंकलेशा॥ तुमसबकेअ वलम्बयकअनअवसरधीरजधरौ। कहबनादासहमरेमतेसब सँभारसबकोकरौ ७ प्रजाराजजेहिदुखीपापयातेनाहिंदूजा। क रमबचनमनचहीमातुपितुगुरुपदपूजा॥ सबपुराणऔवेदशा स्त्रकरसम्मतयेहा। सबकरकरहुसँभारअवधिभरिबसिकैंगेहा॥ तुम्हहिंसंगलैचलौंबनद्वैहैसबैअनाथअति। कहबनादासयहि समयमहँचाहीदृढ़तातातमति ८ सहमिगयेसुठिहृदयकम्पतन आवनबानी। पुनिबोलेधरिधीरकालअवसरअनुमानी॥ नाथ दीनसिखनीकठीकउरमहूँबिचारा। मोरेधरमननीतिएकप्रभुच रणअधारा॥ पितामातुपरिवारगुरुसुरसाहेबयकतवचरण। कहबनादासमनबचनक्रमसोवतजागतप्रभुशरण ९ कीरतिबि जयबिभूतिभुक्तिनहिंमुक्तिकिआसा। अंतरयामीनाथसदाप्रभु प्रेमपियासा॥ डरौंनवेदबिरुद्धहँसैजगसोभयनाहीं। मातुपि तागुरुकहाभाननहिंममउरमाहीं॥ स्वधानेहप्रतिपालकियवा रेहिसेरघुबंशमनि। कहबनादासअबयहिसमयत्यागेनाथनस कतबनि १० प्रभुसेवाकोभारसुमनसेमोहिंसबकाला। सोई जीवनप्राणबिचारेअंकितभाला॥ धर्मनेतिबिधिवेदमातुपितु गुरुसेवकाई। राजकाजमर्यादजगतकीमानबड़ाई॥ मंदिरमे रुसमानमोहिंचरणशपथसांचीकहै। कहबनादासप्रभुबिनभव नप्राणकवनिबिधिसेरहै ११ भूपभयोपनचौथबामबिधिमतिहरि लीन्हा। कैकेनारिअधीनआपुकोजिनबनदीन्हा॥ अतिआर तस्वारथीहोयजोपरबशकोई। कामीक्रोधीअघीअवशिअयशी जोहोई॥ बातुलअरुरोगीऋणीइनकोबचनप्रमाणनहि। क हबनादासश्रुतिसाधुमतभांतिअनेकननीतिकहि १२ नृपतिक हेबनगवनआपुकबहूंनहिंकीजे। सिंहासनपरबैठिमोहिंप्रभुआ ज्ञादीजे॥ जोबदलेमहिपालअवशिसेवैबँदिखाना। भरतक छूउरगुनैहतौसानुजमैदाना॥ सुभटशूरसेवकसचिवजोआज्ञा

नहिंअनुसरे । कहबनादासअवनिपअमितसोसयहिममकरम
रै १३ कीजैराजस्वतंत्रमंत्रजोयहमनभावै । सकलौकरौसम्हा
रकृपानिधिसुठिपतिआवै ॥ राजनीतिइमिकहैराजकीन्हेतेहोई ।
नृपतिरीतिअतिगूढ़काहप्रभुलेहैंगोई ॥ निजरुचिहोयतौवन
चलीनाथनत्यागोमोहिंछिन । कहबनादासजीवनकहांजियेमी
नबरुबारिबिन १४ जानेनिश्चयरामलषणफिरिमिलहिंनराखे ।
लावहुआज्ञामातुचलहुबनप्रभुअसभाखे ॥ महामोदउरभयो
गयोसारोसंदेहा । बिदाहोनकेहेतगयेनिजजननीगेहा ॥ हृदय
सशंकितबंदिपदकियेबिनयलक्ष्मणजबै । कहबनादाससुनतैबि
कलभईसुमित्रासुठितबै १५ कीन्हेपापिनिकाहअहोबिधिगति
बलवाना । अनअवसरदुखदीनकीनसबजगहैराना ॥ कोत्रि
भुवनअसअहैजाहिप्रियरामनसीता । धरिधीरजउरकठिनकहे
पुनिबचनविनीता ॥ तातखुलीतवभागिअतिमोहिंयुतयशभाज
नभयो । कहबनादासजगजन्मकोलाभसकलभांतिहिलयो १६ ध
न्यजन्मजगतासुलगैंजेहिरामपियारे । रहितरामपदप्रेमजुबातन
जननिकुठारे ॥ पुत्रवतीसोइमातुसुवनरघुपतिजनहोई । न
तरुकाटिबलिदेयबिमुखहरिसरबसुखोई ॥ धन्यदेशमहिग्राम
गृह जहँउपजैंभगवतभगत । कहबनादासकुलधन्यसोदेवप्र
शंसतहितसहित १७ जोहरिकोजनहोय ताहिचहुंवेदसरा
हैं । शारदशेशगणेशभागि तेहिलहतनथाहें ॥ करैंपुराणब
खानशास्त्रपरशंसयताहीं । कबिकोविदयशभनैंकवनसमताजग
माहीं ॥ तिहुँपुरमस्तकतिलकसोमनक्रमबचनजोरामको । कह
बनादासभगवतनजनसुरतनकौनेकामको १८ जहांरामसुख
धामतहांशतअवधसमाना । बैदेहीतुवमातुजनकरघुपतिसुठि
जाना ॥ करमबचनछलछोंड़िकिहेउनिशिदिनसेवकाई । कामक्रो
धमदलोभदम्भअरुकपटबिहाई ॥ रागरोषईर्षातजेहुआसनक
हुँउरआवई । कहबनादासबिनबासनासोजनरामकहावई १९

मदमत्सरअभिमानतजेहुमनबचअरुकाया। सांचीप्रीतिलगा इभक्तिसुतकिहेउअमाया ॥ रामसियासुखलहैंताहिअतिनिज सुखमानेहु । जोतनमनदुखपरै सुखहुकोसुठिसुखजानेहु ॥ नीचाअनुसन्धानकरियलक्षणरुखनिरखेहुसदा । कहबनादास आशिषदईभक्तिहेतुबहुबिधिबदा २० गुरुभामिनिद्विजना रिबिपुलजेज्ञातिसयानी । युत्थयुत्थमिलिआयसबनउपदेशी रानी ॥ कहहुरामअपराधकाहकौशलांबिगारा । राजदेतबन दनिबज्रसकलौपुरडारा ॥ रघुपतिप्राणसमानतव सर्वतिद्रो हकोउनहिंसुनी । कहबनादासयहिसमयमहँकाहेऐसीबिधिगु नी २१ राजभरतकहँदेउरामनाहींबनयोगा। देखहुहृदयबिचा रिकहहिंकातुमकहँलोगा ॥ पुनिदूसरबरलेहु भूपसनजोमन मानी। रामजानबनतजौकरमअरुमानसबानी ॥ सबनसिखा पनदीनतेहिजाकरिकैसबबिधिहितै । कहबनादाससुठिक्रोधब शजनुकालीनागिनिचितै २२ तुम्हैंकीन्हकोपअसबैनिजनिज गृहजाहू। बिनबूझेउपदेशकरतनहिंलाजलजाहू ॥ हँसैसकल जगमहमैंतुम्हैंसोंकाहपरीहे । तुमपरशंसायोगभालबिधिभागह रीहे ॥ बिषमदृष्टिश्वासाउरधमानहुँमृगीनिहारई । कहबनादा सबाघिनियथाक्रोधननेकसँभारई २३ रामगवनबनकरतनृपति तृणसेतनत्यगिहैं। लक्ष्मणसीतादोऊसङ्गरघुपतिकेलगिहैं॥ भ रतहेतलियेराजखाकतपकरिकरिहैं हैं। यहसारीबिपरीतिकेकयी आंखिनज्वैहैं ॥ अयशपेटारीदुखउदधिरहिहैजन्मप्रयंतभरि। क हबनादासनहिंकछुसरिहिगवनीगृहकहितोषकरि २४ गुरूमंथरा गूढ़नेइअबिचलउरदीन्हा। सोकैसेचलिसकैपरिश्रमबहुबिधिकी न्हा॥जैसेउकठाकाठकुपाठनघूमनयोगा ।बसीकृपणताप्रथमउ दारनफिरिसोलोगा॥ जिमिस्वभावमूरुखप्रबलसत्यसंधसंकल्प जिमि । कहबनादासकेकयीउरकहानबेधैअल्पतिमि २५ जोपथ रोगीचहैवैदसोअवशिबतावै । भईलषणगतिसोयनहींआनन्द

समावै ॥ बन्देजननीचरणसुभगसुठिआशिषपाई । मानहुँमृग बनकेरचल्योपगबंधतुराई । आयेप्रभुजहँजानकीबन्देपंकजपा यँपुनि ॥ कहबनादासलक्ष्मणकहेकथारामआनन्दसुनि २६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामचतुर्थोऽध्यायः ४ ॥

छप्पै॥सीतालषणसमेततुरितरघुनाथसिधाये। देखिबिकलपुरलोगबेगिभूपतिपहँआये ॥ बन्देदशरथचरणसचिवतबनृपहि जगावा। रामजानकीलषणसहितलखिअतिदुखपावा॥अवशिक ठिनउरधीरधरिनृपतिबचनबोलतभये । कहबनादासउपमाकहाँ प्रेमबिरहजानहुंजये २७ जनकसुताअवलोकिभयोअतिशयदु खभारी । काहकरतकरतारबोधनहिंमिलतबिचारी ॥ पुत्रीसुठि सुकुमारिकठिनमगकाननकेरा। चरणकमलतबदेखिहदैनहिंलेति दरेरा॥मानिकहाममरहहुगृहसासुश्वशुरपरिवारसब। कहबनादा सपुरजनप्रजातुमसबकहँअवलम्बअब २८पितुगृहकबहूंरहेउक बहुंपुनिरहससुरारी। बारबारनृपकहैंयहैजसिरुचिअनुसारी॥चि त्रकेरकपिदेखिडरतिनहिंधीरजआवै । सिंहब्याघ्रवृकभालुनिशा चरभयउपजावै॥ महाबीरदेखततजैंधरिशूरतासमयतेहि। कहब नादासतुमजातबनकोउनसकतकोउभाँतिकहि २९ सियामउत्तर देतिअपरजेनारिसयानी। गुरुत्रियवृद्धजठेरिसकलबोलींमृदुबा नी॥तुमहिंकवनबनदीन्हरहहुघरअवसरदेखी। सासुश्वशुरजोक हैंधरौसोहृदयबिशेखी ॥ कवनअङ्गबनयोगतवकाहकहहिंमगलो गसब । कहबनादासअतिअवशिकरिमानहुँकहाहमारअब ३० बनहितरचेबिरंचिभाँतिबहुजातिकिराती । कैमुनितियबनयोग भोगतजितपअतिराती॥सियहिनभावतकछूचरणरघुपतिचित राता। लागतबिषसमताहिकहतसबकोमलबाता ॥ अतिहीमन कादरभयोसमुझायेमानैंनहीं । कहबनादासप्रभुसंगतजबसब दुखतेअधिकीयही ३१ अन्तर्यामीरामकहहिंपुनिश्रुतिऔसंता।

बचनबुद्धिमनथकतबलीअतिगतिभगवंता ॥ कोउकालकोउक
र्मकोऊकरताकरिभाखैं। कोउसांख्यकोउन्यायकोऊमुनिजत्तहि
नाखैं॥कर्मकरैयाऔरकोउभोगऔरकेशीशहै।कहबनादासदशर
थकहेअनहोनीगतिईशहै ३२ देखिराममुखचन्द्रबहुरिलक्ष्मणबै
देही।मुरछिमहीतलपर्योरहीतनसुधिनहिंतेही॥ बोलेरामसुजा
नतातबिनतीसुनिलीजै।दीजैहर्षिरजायआपुविस्मयकतकीजै॥
अहोभागिममअमितअतिपितुआज्ञासुखमूलहै। कहबनादास
बनमुनिमिलनजननीमतिअनुकूलहै ३३ कैकेयीतबतमकिबस
नमुनिभाजनआनी। धरिआगेरघुबीरबचनपुनिबोलीरानी॥ ध
रमधुरन्धरत्तनयरामसबकोउजगजाना।चौथेपनमैंतातचहतपि
तुसुयशनशाना॥ जायलोकपरलोकदोउसहितप्राणयाहीक्षनै।
कहबनादासकबहुँनकहैनृपतिजानतुमकहँबनै ३४ भूषणबसन
उतारिराममुनिबेषबनाये। लषणसहिततेहिसमयमनहुँअतिश
यछबिछाये॥ पितुकहँकीन्हप्रणामबिरहबशबोलिनआवा। मा
तहिमाथनवायउचितसमसबहिंमनावा॥ अतिप्रसन्नरघुबंशम
णिबेगिचलेसुरभयहरण। कहबनादासमहिधेनुद्विजसन्तसदा
जाकेशरण ३५ राजमनहुँरजुसबलकुरँगसमरघुकुलकेतू। बर
बसचल्योतुरायभारभुवहरणेहेतू॥ काननदिशिकुरछालिचलत
जिमिमोदनथोरा। ताहीबिधिकियेगवनअवधपुरचहुँदिशिशो
रा॥ लषणसियागतिअतिअकथपायसंगजनुपरमनिधि। कह
बनादासदारिदमहासुखसमातनाहिंताहिबिधि ३६ प्रजाबिकल
यहिभाँतिमनहुँमणिबूड़जहाजू। जिततितधावहिंबिकललखहिं
सबशोकसमाजू॥ जीवनकोधिक्कारगयेबनरघुकुलकेतू। कहहिं
एकसनएकरहबगृहअबकेहिहेतू॥ प्रेतलखहिंपरिवारप्रियस
म्पतिबिपतिसमानसब। कहबनादासरघुबीरबिनकेसेरहिहैंप्राण
अब ३७ भूपतिकरवँटलीनजबहिंमूर्च्छातेजागे। तुरितबुलाय
सुमन्तकहतअसबशअनुरागे॥ रामजानकीलषणतातरथपर

लैजाहू । सुठिकोमलसुकुमारहोतहियदारुणदाहू ॥ गङ्गनहाय
देखायबनबसिदिनदशपुनिइतफिस्यो । कहबनादासहारामकहि
फिरिमूर्च्छितभूतलपस्यो ३८ माथनवायसुमन्तसाजिरथसुन्द
रघोरे । चोखेचञ्चलचपलदामजिनकेनहिंथोरे ॥ लैरथच
ल्योतुरन्तमिलेरघुपतिगुरुद्वारे । भाषेभूपरजायमुनिहुँरुखराख
नहारे ॥ यथायोगपरितोषकरिसबहीकोगुरुपगधरे । कहबना
दासरघुबंशमणिअवधबन्दिगवनहिकिये ३९ पुरजनसचिवसया
नशूरसेनपसबआये । भूपतिबेगिउठायभवनकौशल्यहिलाये ॥
निजनिजमतिअनुसारसबैनृपकोसमुझावत। मानहुंज्वरकोअश
नसुनतएकौनहिंभावत ॥ दिनाचारिकीलालसाअवधिसूतआव
नरह्यो । कहबनादासताहीलियेनृपतिप्राणराखतचह्यो ४०
आयेबहुरिबशिष्ठसमयलखिदशरथगेहा । बामदेवमतिधीरभूप
ऊपरसुठिनेहा ॥ जानेगुरुआगमनकीननृपदण्डप्रणामा । अमी
रहितजनुचन्दउबासऊरधहारामा ॥ मणिबिनफणिकरहीनकरि
मीनबिलगजलतेयथा । कहबनादासअवकातिलघुदशरथनृप
जीवनतथा ४१ बैठिसमयअनुकूलसुभगआसनमुनिदोऊ । ज्ञा
नसिंधुसुठिअवधिजाहिजानतसबकोऊ ॥ बोलेबचनबिनीतसा
धुसम्मतश्रुतिसारा । अभ्यंतरअनुमानहोयकछुनृपाहिअधारा॥
कालकरमकर्ताप्रबलसबकोउकरतउपायहै । कहबनादासनहिं
कछुचलैहोवैजसबिनिआयहै ४२ भानुबंशभेभूपएकसेएकउदा
रा । सत्यब्रतीअतिधीरसमरमेंपरमजुझारा ॥ तिहुंपुरमेंगुणगा
थसुयशसद्ग्रंथनगाये । चहुंयुगतीनिउकालनहींकबिपटतरपा
ये ॥ तुमनृपसबकेशिरमौरबेदनिरूपतनेतिजेहि । कहबनादास
निजभक्तिबशपुत्रबनायेजानितेहि ४३ रामब्रह्मअवछिन्नभारस
हिटारनहेता । धारेनरकोरूपप्रगटतबभयेनिकेता ॥ निजकार
णकेहेतगयेबनदूनौभाई । आदिशक्तिजानकीजक्तयहाजिनउप
जाई ॥ गोद्विजमहिसुरसन्तहितचरितकरहिंगेबिबिधबिधि ।

कहबनादासजेहिगायसुनिजनउतरहिंभवअगमानिधि ४४ ताते
काहुनदोषसकलप्रेरकहरिजानौ । यावतजगतप्रपंचहाथकाहू
मतिमानो ॥ पवनअगिनिशशिसूरशंभुबिधिआज्ञाकारी । लो
कपालयमकालमृत्युइन्द्रादिकभारी ॥ सरसरितागिरिबनसपति
सप्तसिंधुसबचरअचर । कहबनादासबर्ततसकलमर्यादातिलभ
रिनटर ४५ जगब्योहारअपारसिंधुगुणदोषनशाना । जन्मम
रणसुखदुःखहानिऔलाभप्रमाना ॥ ऊंचनीचमध्यस्थजानियेयो
गबियोगा । प्रियअप्रियबिधिअविधिकर्मबशभोगतलोगा ॥
पापपुण्यशुभअशुभफलगुणस्वभावपरवाहअति । कहबनादा
सतनधरिसहतजीवईशकीअगमगति ४६ तुमसुकृतीधर्मज्ञधी
रपुनिशूरसुजाना । राजनीतिसुठिकुशलबेदबिददयानिधाना ॥
यथाउचितसबकियेचहीजोनृपतनपाई । एकएकशतभांतितिहूं
पुरकीरतिछाई ॥ सत्यधर्मनिबह्योसकलसर्बोपरिलहिरामसुख ।
कहबनादासअबसमययहिमानहुँतुमजनिकछुकदुख ४७ वि
द्याबुद्धिबिबेकधीरऔज्ञानसुराई । सबअसमयकेहेतमुंनिनबहु
कीनबड़ाई ॥ अस्त्रशस्त्रकोबांधिशूरबड़बीरकहावा । समयकिये
नहिंकाममनहुँश्रमहीफलपावा ॥ तातेसंशयपरिहरौबारबारगु
रुबहुकह्यो । कहबनादासरघुबरबिरह अचलसमाधीमनर
ह्यो ४८ गुरुकेबचनअनूपसुनतकछुसुखउरआवा । सँभरिबै
ठिनरनाहथाहबूड़तजनुपावा ॥ बामदेवतबकहेसुनहुँदशरथम
हिपाला । नहिंबिषादकरसमयशोचकतकरीबिशाला ॥ धाव
नपठवोबेगिहीरिपुसूदनआवहिंभरत । कहबनादासअवसरनिर
खिकरिहैंसबमनअनुहरत ४९ जैसेलक्ष्मणरामतथाभरतौरि
पुसूदन । सबलायकसमरत्थधरौसंतोषआपमन ॥ बीततचौ
दहबरषकछूलागिहिनहिंबारा । भरतनलेहैंराजबचनमानियेह
मारा ॥ आवतहीरघुपतितिलकहोइहिजैजैकारसब । कहब
नादासयहसमुझिउरआपशोचपरिहरियअब ५० थोरेदिनमेंरा

मकामअपनोसबकरिहैं । सुरमुनिसंतउबारिभारभूतलकोहरि
हैं ॥ बहुरिअवधकोराजबंधुसबआज्ञाकारी । तिहुँपुरसुयशअ
नूपआपुधीरजउरधारी ॥ अनअवसररविअस्तज्योंसबजगको
अतिहीबिपति । कहबनादासपुरजनप्रजापरिवारहुजीवननृपति
५१ यद्यपिईश्वररामकामपूरणभगवाना । पुत्रनेहचितचुभ्यो
चलतनहिंएकौज्ञाना ॥ सूरतिशीलस्वभावचलनिअवलोकनि
बोला । गुणआचरणअनूपमीनमनजलअनमोला ॥ बिछुर
तप्रीतमंनीरकेधोखेहुजियतनएकछन । कहबनादासयहकठि
नताप्राणरहैंतनरामबन ५२ मणिबिछुरतफणिमरैलोकबेदहुप
रमाना । चितवतचन्द्रचकोरदृष्टिदिशिकरतनआना ॥ चातक
जीवनस्वातिबुंदतेलागीटेका । गंगयमुनजलआदिदृष्टिमेंनाहिं
अनेका ॥ यहजड़जीवनकीदशाप्रीतिरीतिकसपीनहै । कहब
नादासदशरथकहेप्रीतिदेशसुठिभीनहै५३ रहैनतनक्षणभंगएक
दिनमरनासांचा । देहधरेकीदशाकालशिरऊपरनाचा ॥ प्री
तिकिपरमितिजायजियबशतनरकसमाना । कोटिपुरंदरभोग
रोगकोटिनसमजाना ॥ मीनजियैबरुबारिबिनफणिहूमणिबिन
किनरहै । कहबनादासदशरथजियेरामरहितइमिकोकहै ५४
हाहारामसुजानप्रानअबहींतनमाहीं । क्षणक्षणलहतकलंकका
हकरतबबिधिआहीं ॥ जानानिश्चयमुनिनप्राणतृणसमपरिह
रिहैं । रहिगेअवधिसुमंतनेकफिरिधीरनधरिहैं ॥ समययोग
परितोषकरितबहींगुरुकीन्हेगवन । कहबनादासदशरथनृपति
बिलपतकौशल्याभवन ५५ भोजनपानबिहीननींदनिशिभूप
तित्यागा । ऊर्ध्वश्वाससहबिरहरामरटअतिअनुरागा ॥ धर
णिधामधनतियातनयतनतृणसमलेखे । तिहुँपुरमेंअस्नेहभूलि
दशरथनहिंदेखे ॥ रघुपतिरूपसमाधिसुठिबिलगनचितपलएक
है । कहबनादासतिहुँकालमेंराखेअनुपमटेकहै ५६ इहांसचि
वसियलषणरामतमसातटबासा । चढ़िस्यंदनपुनिचलेभानुको

होतप्रकासा ॥ रहेगोमतीतीरसईबसिचौथेबारा । आयेगंगा निकटधवलअवलोकेधारा ॥ बिबिधनदीमहिमाकहतकरिमज्ज नजलपानकिय । कहबनादासरघुबंशमणिबारबारआनन्दहि य ५७ ॥ सवैया ॥ पायहबालचलोहर्षायगुहामिलनेअतिही अनुरागा । रामहिंदेखिपयोधरणीतलदण्डसमानसराहतभा गा ॥ बूझतक्षेमकृपालुनिषादहिदेवसिहातकहैबरबागा । दा सबनायहितेजगधन्यकोअगणितसाधनकोफललागा ५८ ॥ घनाक्षरी ॥ देखिपदकंजअबकुशलकृपालुभईभयोजनलेखेप्र भुकृपापरसादजू । आपुपदाबिमुखसुरेशहूसमाजनरकहौंतोअ तिनीचपोचपाँवरनिषादजू ॥ बन्देसियलषणसचिवपदअनुरा गिकहेधारीपायँकरिजनहिंअवादजू । बनादासचौदहबर्षपु रजावोंनाहिंमोहिंपितुआयसुसुनतभोबिषादजू ५९ गंगतटतरु तरआसनबिचारिभलेमांगिकैरजायबेगिसदनसिधायेहैं । ना नाभांतिमूलफलअंकुरमँगायेभूरि दूधदधिघृतयुतभूसुरबनाये हैं ॥ खासीकुशसाथरीसकलसाजसाजिलायोसुठिचोपिचितला यआसनलगायेजू । बनादासकोमललतिपातबृक्षनकेअति अनुरागिचुनिचुनिकैबिछायेजू ६० सियाबंधुसचिवसहितफल हारकरिरघुनाथआसनपैकियेबिशरामहै । बोलेबेगिपाहरूनि षादराजशूरबीरकरिकैसजगसबराखेठामठामहै ॥ कसिकैनिषंग धनुबाणलैतयारभयोबनादासजागनकेहेतचारियामहै । बैठोपा सलषणफरकरघुनाथजूसेभूमिशैनदेखिकहेबिधिगतिबामहै ६१ मणिमयीखचितसुरेशहूसेऊँचोभौन अतरअरगजाअमोलसुख साजहै । हेमपरयंकपयफेनसेसुभगसेजतनीचारुचांदनीकहत कबिलाजहै ॥ जाहिदेखिरतिकामहूकोललचातचितललितउ सीसीमहामोदकोसमाजहै । बनादासतापैरघुनाथसियाशैनकरैं महितलसाथरीपैसोयेसोईआजहै ६२ केकयीकुटिलसुखसमय दुखदानिभईऐसीमतिठईकियोजैसननकोईहै । कालहूकरम

बिधिहूकिगतिबलवानकहैंमतिवानदेखेआंखिनसेसोई है ॥ औ
धराजसुखशोचिइन्द्रहूसहमिजात धनदलजातकबिउपमानजो
ई है।ताकेप्रियप्राणहूसेरामसीयसोयेभूमिचक्रवर्त्तीसुतदशरत्थके
नगोई है ६३ बिरहबिषादबशअवशिनिषादभयोबचननआवैमु
खअक्षिआंशूपातजू। बारबारहगदेखिहृदयनबिदरिजातकुलिश
निदरिजातकैसीभईबातजू ॥ बिधिसेनचलैबशउरनप्रबोधहोत
होतोदुखदानिआनिदेतेकरिघातजू। बनादासश्रुतिसन्तसम्मत
बिचारिउरलषणकहतशोचत्यागिसुनोतातजू ६४ रामब्रह्मबिरु
जबिलक्षणसकलसुरपक्षपातरहितकहतमतसाधुजू। आदिमध्य
अवसानजाकरनजानैकोईकहैंश्रुतिनेतिअतिअगमअगाधुजू ॥
अचलअखण्डपरिपूरणसरबदेश चेतनअमलयोगीजनअवरा
धुजू। बनादासएकरसतीनिकालमेंसमानजाकेपहिंचानतेकटत
भवबाधुजू ६५ अजअवछिन्नपुरुषोत्तमपरमधामनिराधारनि
र्विकल्पनिःप्रपञ्चघनहै । सतचितआनँदनिरीहनिइशङ्कनित्य
जीवहूकेजीवपरेबुद्धिचित्तमनहै ॥ सूक्षमअस्थूलगतिकारणस्व
रूपजासुबनादासबदेसोईनभकेगगनहै। जाकेहेतसाधनविहित
वेदकोटिकोटिकोटिनकेमध्यकोऊएकभोमगनहै ६६ महिअपते
जऔगगनबायुथूलदेहइन्द्रीदशपंचप्राणअन्तसकरनहै । सूक्ष
मशरीरसोईकारणयहूतेगूढ़बासनाअमितवोहीजीवकोजरनहै॥
आतमसकलभिन्नबिषयबिलासीभयो प्रकृतिसँयोगकरिजनम
मरनहै । बनादासछूटिबेकिऔरनउपायकोईबचनकरमसिया
रामकीशरनहै ६७ कहबसुनबअरुदेखबबिचारैजौनतनमनइ
न्द्रीभोगगुणमायारूपहै । बिधिऔनिषेधरागद्वेषअपमानमान
हानिलाभभिन्नएकआतमाअनूपहै ॥ जगतप्रवाहमाहिंपरेबुद्धि
मन्दभईअन्तरकीखोजगईबाह्यदृष्टिखूपहै । बनादाससकल
प्रपंचमोहमूलजानोयातेप्रतिकूललहैसहजस्वरूपहै ६८ अम
नअप्रानतत्त्वरहितशरीररामकोटिकामसुन्दरजगतअभिरामहै।

आनँदकोसिन्धुजाकेसीकरतेलोकतीनियोगनबियोगअतिदूरि तातेश्यामहै ॥ वरणअकारतेरहिततीनिकालहूमेंसगुणस्वरूप सोईसुठिसुखधामहै । बनादासइनकेसनेहतेरहितजौनधरेतन नाहकसोभलेबिधिबामहै६९ ताहिदुखलेशनबिचारतसनेहबश भलेसियारामरतहोहुबसुयामजू।जगतीनिकालमेंनसकलप्रपंच मायाकरिकैंभजनसन्तहोतनिष्कामजू ॥ भवनींदसोवैजगखोव तस्वरूपनिजबिषयबिलासत्यागजागेंकोमुकामजू । बनादास वचनकरममनरामगतिमतिनफुरतआनअतिसुखधामजू७० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिन खण्डेभवदापत्रयतापविभंजनोनामपंचमोऽध्यायः ५ ॥

घनाक्षरी ॥ जागेहोतप्रातप्रभुनित्यकोनिबाहिबेगि मांगिबट क्षीरशिरजटाकोबनायेजू । अनुजसहितपुरलोगबिलखातदेखि तबहिंसुमंतजललोचनमेंछायेजू॥ बोलेरघुनाथदिशिअवशिनि होराकरिनृपकोमरणभलीभांतिजानिपायेजू।भूपकीरजायदेखरा यबनलायोरामगङ्गअन्हवायादिनदशबसिआयेजू ७१ तातपितु तुल्यकुलतरणिप्रभावजानौशोधेमगधरमकोतुमबारबारजू। अ बनउचितबिनचौदहबरषबीते अवधबिलोकवहमारअधिकार जू।पुरजनप्रजागुरुसाहेबसकलमिलिकिहेउउपायसुखीजाहिते भुआरजू॥बनादासभरतकेआयेपैसँदेशकह्योराजपदपायजाय नेतिनबिचारजू७२ मातुपितुसेवागुरुप्रजनकोप्रतिपालरिपुहेत दाँवकोदेखायेसबकालजू। मंत्रमाहिंगूढ़निजधरमअरूढ़सदासा धुबिप्रसेइबनराखैउरकालजू॥ बिषयनिरसईशभजनमेंतदाकार याहीरीतिभयेजेतेभारीमहिपालजू । बनादासनीतिहीननृपतिन कामकछुसकलप्रकारतेनरहैंभागिभालजू७३ बारबारजोरिकरक हतसुमन्तरोयजीवननृपतितवदरशअधीनहै। जानौभलीभांति फणिमणिगतिरहीभूपजलतेबिलगरहिसकतनमीनहै ॥ फेरिये जोमैथिलीतौप्राणअवलम्बकछु सीताउपदेशैबहुरामजू प्रवीन

है । बनादासकहैतनछोंड़िछांहजायकैसे जानकीबिचारैहोतका
हूकोनकीनहै ७४ कहेउप्रणामसासुश्वशुरसेमोरिबदिमोहिंसुख
काननमेंअवधसमानहै । सेवासमयभयोबिपरीतविधिकैसीकरै
बहुरिकहतभयेभानुकुलभानहै ॥ पितासेप्रणामकह्योजननीस
मेततातममहेतचिन्तानेकउरमेंनआनहै । बनादासदिवसनजा
तकछुबारलागैऐहौंदिनपूरकरिजौनपरमानहै ७५ सचिवकोशो
ककोऊकैसेकैबखानकरैमानहुँजहाजडूबिसिन्धुमँझधारहै । श्रव
णनसुनैदृष्टिलोचनकीमन्दभईसङ्गहेतशोचतअनेकनप्रकारहै ॥
रघुनाथजानकीलषणपरणामकरि चलेगङ्गनिकटकोउतरनपार
है । बनादासमुरछिअवनिपस्योसूतसद्यसुधिबुधिरहीनशरीरकी
सँभारहै ७६ घोड़ेहिहिकरैंबारबाररामओरहेरिअतिहिबिकल
मानौजलबिनमीनहै । आयेतटगङ्गप्रभुकेवटसोंनावमांगेकहत
कृपालुद्वैहैमेरोनाहिंकीनहै ॥ पाहनतेकठिननसुनाकाठकानकहूँ
परसतपदभईनारिसोनवीनहै । बनादासताहिसमतरणीतरकि
जायफेरिकहांपैहौंदीनदामतेबिहीनहै ७७ ॥ सवैया ॥ शारद
नारदशम्भुबिरञ्चिऔवेदहुभेदतुम्हारनजाना । जोतरणीघरणी
मुनिहोयमरैपरिवारबिनासबदाना ॥ याहीतेपालौंकुटुम्बसदाज
गउद्यमकोनाहिंऔरठेकाना । पावँपखारनमोहिंकहोंचहोंद्वासब
नावहिपारजोजाना ७८ बन्धुसियादिशिहेरिहँसेप्रभुप्रीतिकिरी
तिकोऊयकजाना।सोईउपायसेपारउतारहुजातेमिलैघरलोगको
दाना ॥ हर्षिहृदयभरिलायोकठौतासोदुर्लभकोजलगङ्गसमाना।
दासबनापदपङ्कजधोवतदेवसिहातकोयासमआना ७९ ॥ घना
क्षरी ॥ चारिवोरघेरिघेरिबैठोपरिवारसबफेरिफेरिमुदितचरणबा
रिपियेजू । योगीजनध्यावैंध्यानकष्टकरिपावैंकोऊजीवनभुशुण्डि
कीमहेशगोयेहियेजू ॥ जाहिकरितीनिलोकतीनिपगभयेनाहिं
अतिभूरिभागीजोजनकधोयलियेजू । बनादासपितुयुतआपुभ
वपारभयोपीछेरामलषणसियहिपारकियेजू ८० ॥ छप्पै ॥ सि

याकअकरजोरिअतिहिसुरसरिहिनिहोरी। पतिदेवरयुतआयक
रौंजेहिपूजातोरी॥ पुरवहुममअभिलाषदेविमहिमाश्रुतिगावैं।
सुरनरमुनिजेहिसेयसकलअभिमतकोपावैं॥ रामलषणयुतजा
नकीपुनिपुनिकियेप्रणामजू। कहबनादासप्रागहिचलेगुहासहि
तसुखधामजू ८१ निशितरुतरकरिबाससमैसमभयोनिबाहू।
गवनेप्रातःकालउमगिउरअवशिउछाहू॥ महिमातीरथराजकह
तदिशिलषणहिंसीता।आयत्रिबेणीलखेसितासितनीरपुनीता॥
करिप्रणामरघुबंशमणिहर्षिहृदयमज्जनकिये। कहबनादासल
क्ष्मणसियासखासकलप्रमुदितहिये ८२ पसरोप्रागहवालयुग
लअवधेशकुमारा। कीन्हेंमुनिकोबेषराजतीरथपगधारा॥ रूप
शीलगुणधामअङ्गशतकामलजावे। सङ्गनारिसुकुमारिकहांपट
तरकबिपावे॥ बैषाननतापसगृहीबटुअनेकदेखनचले। कहब
नादासजनुरङ्कनिधितेहिअवसरलूटतभले ८३ आश्रमभारद्वा
जगयेबेगिहिरघुराई। कीन्हेंदण्डप्रणामलियेमुनिहृदयलगाई॥
कुशलक्षेमकोबूझिसुभगआसनबैठारे। लक्ष्मणसियानिषादच
रणमुनिमस्तकडारे॥ दीन्हेसुभगअशीशतबपुनिपुनीतबोलेब
चन। कहबनादासरघुकुलतिलकसन्तनजीवनप्राणधन ८४
आजुधन्यतपयोगसफलजपयज्ञबिरागू। धन्यनेमआचारआ
जुअतिपूरणभागू॥ रामतुम्हहिंअवलोकिसिद्धिसबसाधनआ
जू। शमदमतीरथबासफलेसबसुकृतसमाजू॥ भारभूमिकोहर
णहितप्रगटभयोदशरथभवन। कहबनादाससियबन्धुयुतचल्यो
सन्तसुरदुखदवन ८५ संक्षेपैमहँकथासकलरघुबीरबखानी। द
शरथबिरहबिषादयथामांगेबररानी॥ अहोभागिमुनिआजुकम
लपददर्शनपाये। भयोराजरसभङ्गसुकृतममप्रकटसुभाये॥ पि
ताबचनसम्मतजननिभायभरतसेरायभो। कहबनादाससन्तन
मिलनमोहिंअतिईशसहायभो ८६ कन्दमूलसुठिस्वादतबहिंमु
निराजमँगाये। सियालषणरघुनाथगुहासुठिप्रेमसोपाये॥ प्राग

निवासीअमितदशरघुनन्दनआवैं । देखिदेखिदोउबन्धुसकल लोचनफलपावैं ॥ रातिसमैंप्रभुशैनकरिप्रातप्रागमज्जनकिये । कहबनादासपदबन्दिमुनितबहिंचलनचाहतहिये ८७ नाथकव नमगजाहिंकहेतबमुनिमुसकाई । सुगमकरनमगसन्तकुशलब टुचारिबुलाई ॥ रामसाथकरिदीन्हखुलेतिनकेबड़भागा । पहुँचा वनरघुपतिहिचलेउमगतअनुरागा ॥ गवनाकियेरघुबंशमणिदे खततरुवरबागबन । कहबनादासयमुनाउतरिबिदासबनकिय मुदितमन ८८ रामचलेबनजातकथामगकाननछाई । देखिदेखि दोउबीरथकितपुरलोगलोगाई ॥ सङ्गनारिसुकुमारिकहहिंजल भरिभरि नैना । चलतपियादेपायँयोगमारगये हैना ॥ धन्य देशधरणीनगरमातुपिताजायेइन्हैं । कहबनादासपुनिधन्यहम भयेकृतारथलखिजिन्हैं ८९ तिनमहँकोऊसयानकथाकछुजिन सुनिपाये । मातुपिताबनदीन्हकहहिंदशरथनृपजाये ॥ कैसीज ननीताततसमययहिकाननदीना । एककहहिंबलवानकालगतिअ तिहिमलीना ॥ एककहहिंधनिभागिममभयेबिधातादाहिने । कह बनादासकिमिदोषतेजोपैंनहिंजातेबने ९० ॥ घनाक्षरी ॥ सूखि गयेअधरमलीनमुखकांतिभईजानकीअमितजानिबैठेबटछाहँजू । लायेजललषणसियाकेहियामोदसुठि बनादासनिजहेतलखेउर नाहजू ॥ अञ्चलतेभारतचरणरजबारबारकरतसमीरनतृप्तमन माहँजू । आननशरदश्रमबिन्दुसारेलोपभयेप्रीतिरीतिअतिकहि जायकौनपाहँजू ९१ ॥ सवैया ॥ जानिबिलम्बकोग्रामबधूललल चायहियेललनाबहुआई । शीलसँकोचभरोअभिअन्तरचाहतु हैपुनिबूझिनजांई ॥ देखिसनेहसियाभइसन्मुखबोलतुहैतबहींमु सुकाई । सांवरगौरसोरावरकौनहैदासबनाकिनमोहिंबताई ९२ गोरेसेगातलजावतकञ्चनपङ्कजकोमलतासकुचाये।देवरसोसखि जानोसगेकटितूणकसेधनुबाणचढ़ाये।नीलसरोजबिनिन्दितमर्क तअङ्गनशोभाअनङ्गदबाये। दासबनामुसुकायतकैंसियनैनकेको

रतेनाहबताये ९३ ग्रामबधूटीभरींअतिमोदमनोंनिधिलूटीदरि
द्रनआई। रूपअगारदोऊसुकुमारबिलोकतहीचितलेतचोराई॥
जानोसगाईअनेकनजन्मकीनयननहींकोउभांतिअघाई । दास
बनासुठिसानीसनेहकहैंकिनआजुबसोयहिठाई ९४ जोसेबका
ईकरैसोभलीबिधिदुर्लभहैसुठिदर्शतुम्हारे । देशकुठावँकुगावँब
सैनाहिंजानीकहाबिधिआजबिचारे ॥ जन्मअनेकनसाधनकैमु
निध्यानहुजाहिनजोवनहारे। दासबनीअतिभागिकेभाजननयन
नतेप्रत्यक्षनिहारे९५॥ घनाक्षरी॥ तारणतरणकैवल्ययोगलोगभ
येदुखभवमगकेबिनहिंश्रमदहेहैं। सुरमुनिसाधकसिहाततासुभा
गिदेखिबारबारशिवासोंमहेशकहिरहेहैं॥ बनादासग्रामग्रामयाही
बिधिमोदहोतकौनेदिनघरीबसेऐसोलाभलहेहैं। चलनचहतरघु
बंशमणिताहिक्षणसारेनरनारिसाथनेहनदीबहेहैं ९६॥ सवैया॥
रामचलेउठिअग्रसियापुनिपीछेतेलक्ष्मणबीरसोहाये । लक्षण
छीनिलियोमणिमाणिकलोगनताबिधितेदुखपाये॥ पंथबतावन
सङ्गचलेबहुफेरेफिरैंनाहिंरूपलोभाये । जाउजहांतहँवांपहुँचा
यकैलौटेंगेदासबनाइमिगाये ९७ पीछेसेआयसुनेकोउहालबि
हालमनोंतुरितैंउठिधाये। जोसमरत्थनमींजिरहैंकरकोसनजाय
कैदर्शनपाये ॥ दूरिकछूतकफेरिचलेसँगतोपुनिरामकृपालुबुझा
ये । दासबनामगलोगमिलैंबहुसाथमेंघूमिचलैंललचाये ९८
छाहँकरैंघनबारहिंबारसमीरबहैंअतिहीसुखदाई । मारगऔनि
भयोजनुपंकसेकाँकरीकाँटसोभूमिदुराई॥ चर्णकीरेखबचायचलैं
सियलक्ष्मणबानिप्रदक्षिणलाई। भक्तिऔज्ञानविरागचलेजनुदा
सबनातपकोमनलाई ९९ कोईकहैंविधिकैसोकठोरकुअवसरमा
हिंदियेबनजेरे । बाहनयानतजैरथनागरचेकेहिकारणआंखिअँ
धेरे॥ शयनकरैंमहुवेतरुकेतरसुंदरिसेजललियेकेहिकेरे । दासब
नाधनधामऔभोगवेनाहकभोसकलौमतमेरे १०० ॥ छप्पै ॥
नीलपीतजलजातकनकमरकतबरजोरी । मध्यनारिसुकुमारिस

खीनिरखहुतृणतोरी ॥ सिंहठवनिकटितूणकसेमुनिपटदोउबीरा।
जटामुकुटशिरसोहपाणिलीन्हेधनुतीरा ॥ दीर्घविलोचनबंकभ्रुव
सोहातिलकसुठिभालहै । कहबनादाससुकुमारदोउविधुबदनीब
रबालहै १ भारीउरभुजअवशिअङ्गप्रतिमनहुँठगोरी । शोभित
बिनहिंशृंगारलखतसखिमतिभइभोरी ॥ चलतपयादेपायँकमल
तेकोमलनीके । मुखकहिआवतनाहिंजौनविधिभावतजीके ॥ चि
तवतचौंधीसीलगीनाहिंदेखैंभरिनैनजू । कहबनादासचितलैग
येप्राणनंपावतचैनजू २ ॥ सवैया ॥ देखेसखीजबसेदोउबीरबि
मोचतनीरननैनसुखाहीं । बाहरभीतरनीकनलागतकाहकरैंकछु
सूझतनाहीं ॥ पक्षीसमानअधीनभईपरज्योंपिंजरागृहबंधनमा
हीं । दासबनागयेप्राणउतैतनछूटैनहींविधिसेनबसाहीं ३ कोउ
कहैहमप्रातहिजाबगयेजहँसांवरगोरबटोही । रैनिननींदनहींदि
नभोजनमानैनहींमनरामबिछोही ॥ गांवहिंगांवदशायहछैरही
खानऔपानसोहातनकोही । दासबनायकएकबुझावतआवैंगे
वेगियहीमगजोही ४ कोऊकरैंव्रतसाधननेमलिखैयहिमारगजा
करिरामा । पितृऔदेवमनावैभलीविधिबेधिगयोउरमेंबसुयामा ॥
रूपऔशीलसँकोचविचारतबोलनिचालनिसंयुतबामा । दास
बनामगबासीभयेसबजीवनमुक्तमहासुखधामा ५ ग्रामसमीपनि
वासकियेजहँमानोंभयेसबऔधकेबासी । बैठेजहांक्षणएकछहां
नकोताहितुलैनहिंप्रागऔकासी ॥ तीरथधामसिहातकलपतरु
छैगेसबैसहजेसुखरासी । दासबनाधरेपावँजहाँजहँभेफलदायक
कामदुहासी६ ॥ छप्पै ॥ अमरावतिउसिहातजहांजहँरामधरेंपग।
कोकबिबरणैयोगलहैउपमासोकहांजग ॥ जिनजिनदेखेजातराम
लक्ष्मणऔसीता । अनायासमिटिगईसकलविधिलेभवभीता ॥
नहिंऐसोवहरूपहैदेखेफिरचितसेटरै । कहबनादासजानैसोईतन
मनसुधिबुधिसबहरै७ ॥ घनाक्षरी ॥ कैसेकैसेसाधनकियेहैंकौनेकौने
जन्मताकेफलभोगनकोभयेमगलोगहैं । देवतासिहातमुनिसिद्ध

बारबारतेहिंश्रबकछुदेखिनपरतजपयोगहै॥देखेभरिलोचनविमो
चनजोभवरोगबसौंउररूपशुचिसुरतिकोभोगहै। बनादासकौनी
घरीसाइतिसुग्रामबसेकैसेदिनजामेंतरुजातेभेनिरोगहै॰सवैया।
दूरितेश्रावतदेखिकृपालुनवीनलियेकलशाभरिपानी । श्रानिध
रेबटछांहभलीविधिसाथरीपातबिछायनिजानी॥धायगयेफलहा
रकेहेतजहांतहँकोश्रद्धाश्रधिकानी । दासबनाप्रभुबासकरीकर
जोरिकहैंनिजसेवकजानी ९ कीननिवासतहांरघुनंदनमूलभले
फलसुंदरश्राये । कैफलहारविराजतश्रासनपांयपैलोटतबंधुसु
भाये॥ ग्रामकेलोगरहेबहुघेरिभयेवशप्रेमनभवनसुहाये । दास
बनाइतिहासकथाशुचिलक्ष्मणजानकीरामसुनाये १० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामषष्ठोऽध्यायः ६ ॥

सवैया॥ कीनबिदापुरलोगनकोप्रभुशैनकियेरजनीसरसानी।
तूणकसेकटिबाणशरासनजागतभायहियेसुखमानी॥ प्रातहिजा
गिनिबाहिकैनित्यकहेरघुबीरतबैमृदुबानी। दासबनाकौनेमगजा
हिंपचासनधायचलेश्रगमानी ११ संगगयेबहुदूरिलौंलोगबिदा
सबहीकियेरामसुजाना।बंधुसियायुतजातविलोकतबाटिकाबाग
लताद्रुमनाना ॥ कामकिधौंमुनिवेषकियेरतिश्रौऋतुराजपरैन
हिंजाना॥दासबनापुरलोगजहांतहँभांतिश्रनेककरैंश्रनुमाना १२
पर्णकुटीकरिहौकेहिठावँकहैंसियकाननहैकितदूरी। कैसनहोतन
देखेकहूंबनदासबनातरुहैघनभूरी॥ सिंहश्रौव्याघ्रकरैंसुठिनाद
मृगानरधेनुहिखातजेतूरी । रामकहैंनगिचायगयेमिलैकाल्हिहि
भामिनिश्रानुसबूरी १३ तादिननिर्जनमेंभईशामरहेबटछाहँबि
छायकैपाता। बारिश्रहारभयोतेहिबासरनित्यहुतेश्रतिहार्षितगा
ता॥ शैनकियेप्रभुपूरणकामचराचरकेसोइश्राहिंबिधाता। दा
सबनासियबंधुसमेतलियेमगकाननहोतप्रभाता१४॥घनाक्षरी॥
दूरिहिसेगिरिश्रृंगबनहिंदेखायेसीय बालमीकिमहामुनिजहांपै

असीनहैं । पल्लवितविटपसुमनफलयुतसोहैंचीकनहरितपात अतिहीनवीनहैं ॥ सिंहव्याघ्रमृगागऊनानाजीवकाननकेचरैंएक संगमाहिंबैरसेबिहीनहैं । बनादासमध्यदिनगयेरघुवंशमणिबंद तचरणमुनिलायउरलीनहैं १५ बूझेक्षेमकुशललषणसीयधरे पायँमहामोदबालमीकिकविकिमिगाये हैं । दियेशुचिआसनबि राजमानरघुबीरवेगिहीसेमूलफलभांतिभांतिआये हैं ॥ करिफल हारतुष्टह्वैकेबैठेमुनिपाससकलप्रसंगरघुनाथजूसुनाये हैं । बना दासहँसिकहेबाल्मीकिलीलातवजाकहँजनावतसोकोऊजानिपा ये हैं १६ शिवचतुराननगणेशशेशशारदादिनारदादिमुनिगुनि गुनिनितध्याये हैं । जैसेखगअम्बरउड़तनाहिंअंतलहैं चहूंवेद नेतिनेतिकरिज़ाहिगाये हैं ॥ पैरिपैरिथाकतस्वरूपसिंधुमतिमान बनादासकाहूभांतिपारनाहिंपाये हैं । मनबुद्धिवचनकेपरेकहिआ वतहैंजानतपैसोयजाहिकृपाकैजनाये हैं १७ आदिशक्तिजानकी जगतजायमानकरिपालनऔथितिजासुकरुणाकेकोरजू । बाल कघेरौंदासमखोयडारैपलमाहिं जबैकहूंहोतभ्रुवसहजमरोरजू ॥ निजलीलाकरिउतपत्तिभैजनकभौन ऋद्धिसिद्धिदयाक्षमाशील सरओरजू । बनादासतवरुखराखतसरबकालभईभलीभांतिसु रसाधुनन्दीछोरजू १८ क्षीणपातपीपरसेपीठिपैकटाहअएडसक लअधारलक्ष्मणमुनिगायेजू । आननसहसयशगावतजपतना मतिहूँकालमाहिंतोषकदापिनपायेजू ॥ अतिअनुरागीभूरिभागी भयेकिङ्करसोभुवभारहरैंहेतसाजकोबनायेजू।बनादासचलेचोपि दैत्यदलदलैंहेतऐसोतिहूँरूपआपअवशिजनायेजू १९ रहेशिर नायरामकहिनसकतकछुबूझेमुनिसनहमबसेकेहिठांवहैं । आपु निर्विघ्नरहैंऔरकोनविघ्नहोयऐसनबिचारकरिकहियउपावहैं ॥ ऐ सीबिधिबसेतुमउजरौनकोऊकालतापैफिरिबसाचाहौखालीनाहिं गांवहैं । बनादासहेरिखोजिकहतनिवासनीकबूझेहुतौरहौतहांज हँमोहिंभावहै २० ॥ छप्पै ॥ तपतीरथव्रतनेमकरैंजेतुम्हरेहेता ।

योगयज्ञब्रतदानमानतजिरहैंसचेता ॥ तुम्हरेपूजापाठप्रदक्षिण नितहीलावै।तुम्हरोभोगलगायसदाजेजूठनपावै॥पटभूषणअर्प णकरैंधारणमानिप्रसादहै । कहबनादासतेहिउरबसौराखौसदा अवादहै२१सत्यवचनजोकहैंगऊब्राह्मणकोमानै। परधनऔपर नारिसदाजेबिषसमजानै ॥ भावैनहींअनीतिवेदआज्ञाकोपालै। परहितमेंचितनिरतत्यागिसबअङ्गकुचालै ॥ सीताअरुलक्ष्म णसहितरामबासतेहिउरकरौ । कहबनादाससुठिनीकहैतातेज निकबहूँटरौ २२ सेवैंजेतवसाधुवचनअरुमानसकर्मा। ताहीमें दृढ़प्रीतिअवरनहिंदूसरधर्मा ॥ छायाभोजनबस्त्रतोयश्रद्धासे देवै। परिक्रमादण्डवतप्रसादीजलपदलेवै ॥ तनधनतेअर्पण सदाराखैकछुनदुरावहै। कहबनादासतेहिउरबसोसुठिपवित्रसो ठांवहै २३ मंत्रतुम्हारोजपैसदायशतुम्हरैगावै । सुयशतुम्हा रोसुनैकबहुँसंतोषनपावै ॥ तवचरचादिनरातिवचनमिथ्यानहिं भाखै। जगब्योहारबिहायसंतसङ्गतिमनराखै॥ तिनकेअभिअ न्तरबसौरामलषणसीतासहित । कहबनादासअतिनिरबिघन करहुरुचैतातेकहित २४ जातिपांतिधनधामतजैंजेतुम्हरेहेता। मातुपितातियतनयबन्धुकोउसङ्गनलेता ॥ जाकेरागनद्वेषगहै बिधिनाहिंनिषेदा । जानैपापनपुण्यडरैनहिंलोकहुबेदा ॥ एकतु म्हहिंकोलैरहैरामनामगहिलीकजू ।कहबनादासतेहिउरबसोसो ग्रहसबसेनीकजू २५ स्वातिबुन्दतवनामरहैंजैसदापपीहा। आ शतजैत्रैलोक्यनाहिंजाकेउरईहा ॥ नहिंदूसरोभरोसआपनाकर तबत्यागा। अर्पणकियेशरीरहृदयअतिदृढ़अनुरागा॥ तेहिउर तवनिजभवनहैतितिहूँकालमेंलखिपरै । कहबनादासबसियेतहां पलक्षणहूजनिपरिहरै २६ दुखसुखमेंरसएकहानिलाभौसमदृ ष्टी। नहिंनिरखैनानात्वभावनाएकसमिष्टी॥ धनीगरीबसमानन पापीपुण्यीलेखै। अस्तुतिनिन्दाएकमोरमैकबहुँनदेखै॥सोराउ रभलभवनहैबासनिरन्तरतहँकरै। कहबनादासमुनिवरबदैयेअ

स्थलमोहिंलखिपरै २७ सममृदहेमपषाणकाठकामिनियकभां
ती । उदासीनसंसारनाहिंकाहूकीपांती ॥ वर्णाश्रमतेरहितदेहन
हिंगेहसँभारा । दयाक्षमासन्तोषशूरधुरधीरउदारा ॥ बोलहि
बचनबिचारिकैशमदमनहिंटारेटारैं । कहबनादाससियलषण
युततेहिमानसबासाकरैं २८ पराबुद्धिकोप्राप्तिएथकदेहीसोदेखै।
थावरजङ्गमतुमहिंअपरकछुभूलिनलेखै ॥ तिहूंगुणनकोत्याग
ज्ञानविज्ञाननिधाना । विरतिविष्णुकोविभवगलितसारोअभि
माना ॥ लोचनचातकस्वातिजलसदातुम्हारोरूपहै । कहबना
दासयुतजानकीबसौहृदयगृहखूपहै २९ कहौसमयअनुकूलराम
तहँकरौनिवासा । सबप्रदसुठिअस्थानदेहुसबमुनिनसुपासा ॥
चित्रकूटरमणीकअवशिगिरिकाननचारू । वहपयस्विनीसमीप
सदामृगबिहगबिहारू ॥ कंदमूलफलसंकुलितआकर्षणचित
कोकरै । कहबनादासमहिमाअमितश्रुतिपुराणयशविस्तरै ३०
आजुघरीदिनधन्यदरशदुर्लभतवपाये । सुनहुरामसुखधामच
रितनिजकछुकसुनाये ॥ रहींविप्रकीदेहनिरंतरनीचसँघाती । त
मोगुणीआचरणभांतिसबहींउत्पाती ॥ कामीलोलुपकुटिलता
संततिजायेसुठिघने । कहबनादासदारिद्रअतिकियेजायबासाब
ने ३१ रक्षाहेतुकुटुम्बकर्मनितकरतकिराता । मारैंबनकेजीवम
नुषहिंसामनराता ॥ भोजननहिंभरिपेटबस्त्रआदिकसेदीना । अ
तिपापीआचरणतनौमनबुद्धिमलीना ॥ जोकछुमिलैसोआनिकै
तियसुतादिरक्षाकरै । कहबनादासयमयातनानहींवेदआज्ञाडरै
३२ सप्तऋषयतबआयमिलेकाननयकबारा । अतिप्रकाशको
देखिभयोहियहर्षअपारा॥धायेलैधनुबाणबधनकोताहिबिचारे।
मुनिबोलेमुसकायपासकाअहैहमारे ॥ मेरोयहनितकर्महै बिनमा
रेछांड़ैंनही । कहबनादासतबतिनकहेएकबातमानोंकही ३३ बू
झौनिजगृहजायतुम्हारेतनसम्बन्धी । हींसालेहैंपापकिभैंतेरीम
तिअन्धी ॥ आयोमेरीबुद्धिजायबूझेसबकाहू । तबतिनदियेज

घावपापहमलोहिंनलाहू ॥ हमजानैंअपनोगुजरपापतुम्हारातव शिरे। कहबनादासतबआयकेंअतिसभीतमुनिपदगिरे ३४ मे रोनहिंउद्धारहोनअबयोगमुनीशा। तबसबकरुणाकियेहर्षहिय दियेअशीशा॥ सतसंगतिभैप्राप्तिप्रभावनखालीजैहै। ह्वैहैतव कल्याणकहेमेंजोममऐहै॥ करिकौशिकउपदेशकियेसोउलटार टनाकहे। कहबनादासआखरउभयताहीक्षणदृढ़करिगहे ३५ मरामराकेकहेहोतसोरामैरामा। जपतजपतकछुदिनहिंमनहुंपा येसुखधामा॥भैतवकृपाबिशेषऔरकछुमोहिंनभावै।बाहजवृत्तिगै भूलिहृदयजगभाननआवै॥ बीतोकालअसंख्यजबसप्तऋषैबहु रेतबै। कहबनादासबिनउठिलगीभैशरीरमृतिकासबै ३६ रहि गोसत्वामात्रऋषैआयेतेहिठाई। उच्चारणसुनिनामगयोअतिही नगिचाई॥ तबहिनिकासेमोहिंतेजमयरूपप्रकाशा। अतिप्रस न्नतबभयेकहेसबकल्मषनाशा॥ बाल्मीकिभाषेबहुरिकहेजन्मत वदूसरो। कहबनादासतुममहामुनिअबमरालभयोखूसरो ३७ असमहिमातवनामरेणुकोनेगिरिभारे। आजुपूरअभिलाषकृपा निधिदरशतुम्हारे॥ औरचहीकछुनाहिंजानकीलषणसमेता। रामश्यामसुखधामबसौनितहृदयनिकेता॥ तबहिंबिहँसिरघुपति कहेआजुबसनकोहैनही। कहबनादासपदबंदिकैचलेचित्रकूटै सही ३८॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामसप्तमोऽध्यायः ७॥

छप्पै॥ आयदीखबनगहनजीवगणकरहिंबिहारा। गिरिस मीपपयस्विनीबहतशुचिधनुषअकारा॥ लागतअतिरमणीक रामसियलषणहिंभाये। अतिबिशालबटएकताहितरप्रभुचलि आये॥ अनुजजानकीकेसहितकीनेसुथलनिवासतब। कहबना दासदेवनलखेरमोराममनभांतिसब ३९ धरितनकोलकिरातस कलदरशनहितआये। अनुजजानकीसहितरामलखिसुरसुख

पाये ॥ रचेपर्णतृणशालकछुकलक्ष्मणअसकीना । लघुविशाल अतिललितदेवआश्रमछबिछीना ॥ ज्ञानऔरविज्ञानतपजनु तनधरिआयेतपहि । कहबनादासशोभासमयअतिअनूपकोपा रलहि ४० रामआगमनसुनेमोदअतिहीमुनिवृन्दा । अत्रिआ दिसबचलेविलोकनसुनिसुखकन्दा॥ मुनिमण्डलीविलोकिउठेस हजेरघुराई । बन्देसबकेचरणरेणुपदनैननलाई ॥ सियालषणप रणामकियसकलऋषिनआशिषदये । कहबनादासरघुबंशम णिमुनिनसंगबैठतभये ४१ चितवतसबचितलायलखतजिमि चन्दचकोरा । कमलदेखिरविसुखीविलोकतजनुघनमोरा ॥ बो लेरामसुजानआजुबड़भागहमारे । मिटेपापपरितापदेखिपदक मलतुम्हारे ॥ सतसंगतितेसुखअवधिभवनिधिसुठिबोहित्तसब ल। कहबनादासतबहींमिलैपुण्यपुराकृतअतिप्रबल ४२ राम कसनअसकहहुसदापालकश्रुतिसेतू । जाकरसहजस्वभावजन नपरअतिशयहेतू ॥ जातरहेसबकोऊऋषैछोड़ेबनआना । आप आगमनपायहर्षसबकाहूमाना ॥ कछुककालतेरजनिचरकरतउ पद्रवजानिकै । कहबनादासरघुबंशमणिअबनजाहुभयमानिकै ४३ कीन्हबासभलिठांवयहांनितरहबसुखारी । हमसबभयेस नाथसकलभयसंकटटारी ॥ विविधभांतिपरितोषमुनिनकोरघुब रकयऊ । रामरूपउरराखिऋषयनिजनिजथलगयऊ ॥ पर्णकुटी करिदेवगणबिनयभाषिसबकोउगये । कहबनादासगतिसुरनकी अपरनकोउजानतभये ४४ आयेकोलकिरातमूलफललैलैदो ना । अंकुरभांतिअनेकचलेजनुलूटनसोना ॥ भरेहृदयअनुराग करैंरघुपतिहिप्रणामा ।स्वादभेदगुणसहितसराहहिंसबकेनामा॥ हमसेवकपरिवारयुतजोमर्जीसोसबकरब । कहबनादासपुनिपुनि कहैंजनिसकोचकछुउरधरब ४५ काननगुहापहाड़सकलपगप गहसजानै । चलबैसंगअहेरजबैप्रभुकोमनमानै ॥ रामप्रेमपहिं चानगयेमिलिसबमहँकैसे। भावतसबकेहृदयसगेसम्बन्धीजैसे॥

वचनसुनतसादरसहितऐसेशीलनिधानहैं । कहबनादासअस प्रभुबिमुखपशुबिनपूंछबिषानहैं ४६ शिवनलहेसंतोषआजुलगि जाकेध्याना। साधनकरतमुनीशजासुहितकोटिविधाना ॥ मन बुधिबाणीपरेनिगमजेहिनेतिनिरूपा । खगनलहैनभअंततताहि विधिअगमस्वरूपा॥ कोलकिरातनसंगमेंतेप्रभुसुखमानतभले। कहबनादासनरनहिंलखतसोस्वभावमायाछले ४७ कीन्हेजबते बासमूलफलसंकुलकानन । बिगतबैरसबजीवचरहिंसँगगजपं चानन ॥ भईबिषमतानाशरामदर्शनकेपाये । शोभितभोबनअ वशिमनहुंऋतुराजलगाये ॥ प्रकटीमणिगिरिआकरनअमितप्र कारसजीवनी । कहबनादासरघुपतिबसेतेहिमहिमाअतिशयघ नी ४८ जेकाननजगअहैंमोक्षदायकपरमाना। नन्दनबनसुरलो कपुराणनजाहिबखाना ॥ प्रभुबनकीअतिमहतुसकलबरणैनिज ओरा। बसाहिंरामसियलषणजवनकछुकहियसोथोरा ॥ शैलहि माचलआदिजेउदयअस्तसुम्मेरुहूं । कहबनादासबन्दतसबै चित्रकूटसमनहिंकहूं ४९ सरसरितानदनारसिंधुसातौपरमाना। गंङ्गयमुननर्मदाधेनुमतिजेसरिनाना ॥ कावेरीसरस्वतीपुराणन जाकहँगाये। मन्दाकिनीबखानकराहिंसबसहजसुभाये ॥ कोल भिल्लबनबसतजेब्रह्मादिकसुरआदरत। कहबनादासजेहिसंग मेंरामचरितनानाकरत ५० राजितपर्णनिकेतरामसियलषणस मेता। मानहुंरतिऋतुराजमदनआयोतपहेता ॥ सेवहिंसीताल षणप्रभुहिक्रममानसबानी। जिमिप्राकृतजनदेहनेहकोसकैबखा नी ॥ सीताअरुलक्ष्मणसहितजौनीविधितेसुखलहत । कहब नादासरघुबंशमणिसोईकरतअरुसोइकहत ५१ यमुनातकपहुँ चायबहुरिगोपुरहिनिषादा । देखीदशासुमंतभयोअतिहृदयबि षादा ॥ नैनदृष्टिभैमन्दवचननहिंसुनतपुकारा । तुरगपियेंनहिं नीरनहींतृणकरहिंअहारा ॥ हेरिहेरिदक्षिणदिशाबारबारहिहि नातहैं। कहबनादासअतिशयबिकलनैननआंशूपातहैं ५२ रा

मञ्च अश्वअवलोकिलहेउदुखकेवटभारी। कहहिंसकलनरनारिरिजियहिंकिमिपितुमहतारी ॥ जेहिबियोगतेदशाभईऐसीपशुकेरी। पुरजनप्रियपरिवारसकहिंकिमिशोकनिवेरी॥ चतुरचारिचरसङ्गकरिसचिवअवधभेजेतुरित । कहबनादासअतिहीबिकलनाहिंकतहूंचितलहतथित ५३ लायकौनमुखजावैंअवधकाकहबसँदेशू। आयेबनपहुंचायमरेहुतेअधिककलेशू ॥ सहिहैंपामरप्राणअजहुंनाहिंकरतपयाना । धृगजीवनबिनरामशीशधुनिपरयो सुजाना॥ कहुंकहुंमुर्च्छितचेतकहुंरामविरहअहिकोडस्यो। कहबनादासक्षणक्षणलहरिनहींरहततनमनकस्यो ५४ अतिहीहानिगलानिहनेजनुब्राह्मणगाई। कियेमनहुंगुरुद्रोहशोकउरनाहिंसमाई॥ जैसेशूरकहायसमरसेसुठिबिचलावै । भगैचितातेसतीनाहिंमुखकाहुदेखावै ॥ यतीधीरबरसाधुसुठिजिमिकुसङ्गतेबिगरई। कहबनादासतिमिसाचिवउरशूलनकैसेहुनिकरई ५५ बुझिहैजननीरामधायकिमिउत्तरदेहैं। नृपतृणसेतनतजहिंतनिकधीरजनहिंलेहैं॥ मुखदेखतपुरलोगमोरअतिशयदुखपैहैं । आयेरामपठायश्रवणविधिकवनसमैहैं ॥ यहिदुखतेदुखकोअधिकतंजतनतनकोप्रानहैं । कहबनादासकाबशचलेविधिगतिअतिबलवानहैं ५६ सेवकफिरेनिषादअवधनिकटहिपहुंचाई । तरुतरकरिरथखड़ारह्योदिनतौनगवाँई॥ कीनेनगरप्रवेशसूतअतिहीअँधियारे। मनहुँभयानकरूपभूपरथराखिनिद्वारे ॥ कौशल्याकेभवननृपजानितहांयात्राकरी । कहबनादासनहिंपगपरतगयोबहुरिधीरजधरी ५७ बैठ्योकहिजयजीवनृपतिगतिदेखिनजाई। सचिवआगमनभाषिमातुरघुबीरउठाई ॥ कहहुसखाकहँरामकहांलक्ष्मणबैदेही। लायहुअवधहिफेरिगयेकैप्राणसनेही॥ बिलखिवचनबोलेसचिवअतिहिकठिनधीरजकरी। कहबनादासरथपैचढ़ेतवआज्ञाशिरपरधरी ५८ प्रथमहिंतमसातीरकियेरघुबीरनिवासा। बसेगोमतीतीरसमयसमभयोसुपासा॥ बहुरिसईतट

बासप्रातहीकियेतयारी। शृंगबेरपुरगयेदेखिअतिगुहादुखारी॥
करिमज्जनगंगानिकटबासकियेरघुबीरतब। कहबनादाससुठिप्री
तियुतकीननिषादसम्हारसब ५६ प्रातहिनित्यनिबाहितुरतबट
क्षीरमँगाये। अतिप्रसन्नयुतबंधुतबहिंशिरजटाबनाये॥ बिनती
विविधप्रकारकीनदीनतासुनाई। तबसँदेशसबभांतिकहेरघुपति
हिंसुभाई। ममनैंजलिनाहिंकछुचलीपरमधीररघुबीरबर। कहबना
दासफेरीसियहिअवलम्बननृपप्राणकर ६० समुझायेरघुनाथ
सियामननेकनमाना। बनशतअवधसमानकीनसोकछूनकाना॥
सबसनकहेसँदेशरहैंजेहिभूपसुखारी। सोईकरबउपायलहैंजनि
दुखमहतारी॥ मुनिनायकपुनिभरतसनपुरजनप्रजासमाजजू।
कहबनादासजातेसुखीरहेंअवधमहराजजू ६१ सुनिरघुबरबरब
चनलगेशरबिषमसमाना। पर्योअवनिअतिमुरछिशिथिलसुठि
इन्द्रीप्राना॥लैलैऊरधउवासगयेबनरामसनेही। कहतअवशिबि
लखातप्राणछोड़तनहिंदेही॥ धरिउरधीरसुमन्ततबसमुझावत
महिपालसनि। कहबनादासअसमयपरमभयेअधीरनपरतबनि
६२जगजसभाजनमीननीरबिछुरतलनत्यागा। मणिहुँबिलगतेफ
णिकमरैतातेबड़भागा॥ सहिअपयशजगजियेतासुजीवनकहि
लेखे। अबतकरहोशरीरबिनारघुनन्दनदेखे॥ परमसनेहीराम
बनलनछोड़तनहिंप्राणशठ। कहबनादासनरपतिकहेअबकेहि
कारणपराहठ ६३ दशरथदशाबिलोकिकहतकौशल्यारानी। म
हाराजबिदसर्वआपुसुठिपण्डितज्ञानी॥ रामबियोगसमुद्रधीरते
लहियेपारा। नातरुनिपटअनर्थआपुसबकेआधारा॥ अन्धशाप
आईसुरतिरामसातुसोसबकही। कहबनादासअतिबिरहबशभ
ईबिकलताउरसही ६४ सासुससुरसेंकहेजानकीदण्डप्रणामा।
बहुरिकछुकरजोरिदण्डवतकीनेरामा॥ सूतबचनसुनिनृपतिदिये
पुनिनयनउघारी। यथामीनजलबिलगताहिकोउसींचतबारी॥
रामलषणसियनावचढ़िबहुरिगङ्गपारहिगये। कहबनादासदेखे

खड़ेखण्डखण्डनहिंउरभये ६५ प्रागराजकैबासबहुरिकिरियमु
नापारा । अतिशयबिरहबिषादनिषादहुपुरपगधारा ॥ मोहिंदे
खेपुनिआयतुरतसेवकनहैंकारी । बरबशपठयेअवधसंगकीन्हे
चरचारी ॥ सुनिसुनिरघुपतिकीकथाबिथाबिरहबाढ़तनई । कह
बनादासदशरथदशाजाबिधिफणिकीमणिगई ६६ यथामीनज
लबिलगभईभूपतिअनुहारी । जान्योनृपतिपयानसांचुरघुबरम
हतारी ॥ भयोप्राणगतकंठपीररघुबीरकठोरा । धीरजकछुकसँ
भारिरानिनिरनाहनिहोरा ॥ रामरामकहिरामकहिनरपतितनत्या
गतभयो॥कहबनादाससुकृतअवधिदशरथपरधामाहिंगयो ६७॥
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामअष्टमोऽध्यायः ८ ॥
कुण्डलिया ॥ रुदनकरतरानीमहलनामरूपयशभाखि । रो
वैंदासीदासबहुदैंदैंअगणितसाखि ॥ दैंदैंअगणितसाखिबिकल
अतिपुरनरनारी । करैंकल्पनाकोटिदेहिंकैकेयीगारी ॥ आयेप्रात
वशिष्ठमुनिअतिउरधीरजराखि । रुदनकरतरानीमहलनामरू
पयशभाखि ६८ बामदेवआदिकऋषयसमभायेसबकाहु । नृप
तनराखेनावमेंतेलभरेतामाहु ॥ तेलभरेतामाहुबहुरिचरचारिबु
लाये । कहिकैसकलप्रसंगताहिपुनिसुठिसमभाये ॥ नृपसुधिक
तहूंजनिकह्योवेगिभरतपहँजाहु । बामदेवआदिकऋषयसमुभा
येसबकाहु ६९ याहीभाष्योभरतसेगुरुबोलेदोउभाय । सद्यच
लौममसंगमेंगवनकियेशिरनाय ॥ गवनकियेशिरनायतिन्हैंन
हिंमनबिश्रामा । मगजहँतहँकरिबासगयेकैकयनृपधामा ॥ भर
तचरणबन्दनकियेकहिप्रसंगसमुभाय । याहीभाष्योभरतसेगु
रुबोलेदोउभाय ७० सुनतभरततुरतैंचलेरथचढ़िदूनौंभाय ।
उरखनमण्डलविविधविधिचितनकहूंथितिपाय ॥ चितनकहूं
थितिपायकुआगमप्रथमैजाना । देखिस्वपनबिपरीतिकरहिंको
टिकअनुमाना ॥ पुनिचरकीबाणीसुनीअटपटपरीलखाय । सुन

तभरततुरतैंचलेरथचढ़िदूनौंभाय ७१ नगरनिकटआयेजबैंम
हाभयानकलाग । सरसरिताबिपरीतिगतिकुम्हिलानेबनबाग ॥
कुम्हिलानेबनबागविविधअसगुनअवलोकत । होतनहींहिय
धीरभांतिबहुमनकोरोकत ॥ बनादासउरमेंगुणतप्रकटोकैंसोभा
ग । नगरनिकटआयेजबैंमहाभयानकलाग ७२ खरशृगालअ
रुकाकगणबोलहिंसुठिप्रतिकूल । देखिदेखिबिपरीतिगतिहोत
भरतउरशूल ॥ होतभरतउरशूलशत्रुसूदनबिलखाहीं । मनहीं
मनउतपातकहैंनहिंकोउकोउपाहीं ॥ काहकरिहिकरतारदहुदे
खिपरतदुखमूल । खरशृगालअरुकाकगणबोलहिंसुठिप्रतिकू
ल ७३ पैठतपुरभीतरबिषेजानिपरतधरिखाय । पुरजनजोको
ऊमिलैंगवैंजोहारैंआय ॥ गवैंजोहारैंआयअतिहिश्रीहतसबको
ई । सम्भाषणनहिंकरैंदेखिदुखदारुणहोई ॥ कैकेयीसुनिआगम
नसजीआरतीधाय । पैठतपुरभीतरबिषेजानिपरतधरिखाय ७४
द्वारेआयेभरतजबभवनभयंकरलाग । मानहुंश्रीसगरीगईकेकय
उरअनुराग ॥ केकयउरअनुरागभेंटिभवनहिंलैआई । बूझति
नैहरकुशलभरतसंक्षेपबताई ॥ कहुजननीइतकीकुशलदेखार
हितसोहाग । द्वारेआयेभरतजबभवनभयङ्करलाग ७५ यहांकु
शलबूझतकहासकलसुधारीतात । भैमन्थरासहायसुठिपूरिपरी
सबबात ॥ पूरिपरीसबबातकछुककर्तारबिगारा ॥ भूपगवनपर
धामभरतसुनिरुदनअपारा ॥ अतिहिमुर्च्छिभूतलपर्‌योबारबार
अकुलात । यहांकुशलबूझतकहासकलसुधारीतात ७६ तात
तातहातातकहिबिलपतदोऊभ्रात । चलतनदेखेनैनभरिप्रबल
आंशुद्दगपात ॥ प्रबलआंशुद्दगपातनहींसौंपेगहिबाहीं । मोहिं
लैकररघुबीरधीरआवतिउरनाहीं ॥ कहबनादासपितुमरणकोहे
तुकहैकिनमात । तातताताहातातकहिबिलपतदोऊभ्रात ७७
आदिहितेकरणीसकलबरणीकुटिलकलंक । तातशोचसबपरि
हरौराज्यकरौनिःशंक ॥ राज्यकरौनिःशंकसुनतदुखदायकबानी ।

मानहुंजरथ्योजवासपरसतहिपावसपानी ॥ रामगमनबनसुनिभ
रतअतिहीउरअहदंक । आदिहितेकरणीसकलबरणीकुटिलक
लंक ७८ भरतबिलोकतकेकयीनागिनिसीउरलागि । अरेपापि
नीहोसिकेसबजगबोईआगि ॥ सबजगबोईआगिभागिसुठिमो
रिसिरानी । रामबिरोधीकीनमोहिंविधितवसुतजानी ॥ बनादास
पटतरकहारामनेहाहियजागि । भरतबिलोकीकेकयीनागिनिसी
उरलागि ७९ कुलकलंकजायेवृथाजन्मतहतेनमोहिं । बनपठये
सियरामकहँसमुझिपरयोकातोहिं ॥ समुझिपरयोकातोहिंसरयो
मुखपरयोनकीरा । नहींगिरीगलिजीभिलिहेवरधरिउरधीरा ॥ ब
नादासकाट्योनहियअनहितरघुपतिजोहि । कुलकलङ्कजायेवृ
थाजन्मतहतेनमोहि ८० धिकधिकधिकधिक्कारतोहिंमातपिता
धिकतोर । जहँजन्मीसोठांवधिकधिककुलसम्मतमोर ॥ धिक
कुलसम्मतमोरगांवधरणीधिकसोई । धिकसोदेशजवारतहांके
धिकसबकोई ॥ अनहितलागेरामजेहिताहिनरकअघघोर । धि
कधिकधिकधिक्कारतोहिंमातपिताधिकतोर ८१ मोहिंधिकबारें
बारहैजठरजन्मतवलीन । जेहिलगिरघुनंदनदुखितकोमोतेअ
घपीन ॥ कोमोतेअघपीनभयोकुलभानुकलंकू । भयेलाखगुण
नीकमोहिंतेबेनत्रिशंकू ॥ घरपरिजनसुखकलपतरुजेहिकुठारवि
धिकीन्ह । मोहिंधिकबारहिबारहैजठरजन्मतवलीन्ह ८२ राम
लषणसियगमनबनमरणनृपतिकोकीन । शोकसन्तपितुसकल
जगआपुबिधवपनलीन ॥ आपुबिधवपनलीनप्रजापरिवारदु
खारी । अपयशभाजनभईमिलीजेहिअसिमहतारी ॥ मुखदेखे
पातकलगैसोसुखहमकोदीन । रामलषणसियगमनबनमरणनृ
पतिकोकीन ८३ यहिबिधिकोटिककल्पनाभरतकरतबिलखाय ।
तेहिक्षणआईमन्थराअँगनवसत्तबनाय ॥ अँगनवसत्तबनायदे
खिरिपुहनरिसिबाढ़ी । मारेकसिकैचरणपीरपाईअतिगाढ़ी ॥ फू
टोकूबरटूटमुखआहिआहिबिललाय । यहिबिधिकोटिककल्पना

भरतकरतबिलखाय ८४ दलितदशनशोणितबमनपरीधरणिमु
रभाय । लगेघसीटनकेशगहिनिपटदयाबिसराय ॥ निपटदया
बिसरायलखेनखशिखसुठिखोटी । मारेपुनिपुनिलातउखरिश्रो
ईकरझोटी ॥ भरतबिचारीनीतिउरदीन्हेतुरतछुड़ाय । दलितद
शनशोणितबमनपरीधरणिमुरभाय ८५ मैंकीनेसबभांतिहित
सोअनहितफललाग । विधिकरणीविपरीतिकैकैधौंमोरअभाग॥
कैधौंमोरअभागसुनाअसदीखनकाऊ । तबहुंबदेकटुबैननारिअ
तिखोटसुभाऊ ॥ राममातुपहँगेतुरतभरतभरेअनुराग । मैंकीन्हे
सबभांतिहितसोअनहितफललाग ८६ ॥ छप्पै ॥ बंदेजननीचर
णभरतसहबंधुसुभाये।मातुलियेउरलायरामलक्ष्मणजनुआये॥
सजलनयनतनपुलकस्रवतपयप्रभुमहतारी । भरतकुशलसुठि
बूझिलायउरअधिकदुलारी ॥ रुदतबदतदोउबंधुअतिराममा
तुधीरजकरी । कहबनादासकाशोचियेविधिगतिकैऐसीपरी ८७
बोलेभरतसप्रीतिकुशलकाकहियेमाता । मोरिकुशलसबकाल
चरणरघुपतिजलजाता ॥ सोसुखसुरतरुमोरकरनिकेकयीनिपा
ती । दईबिषमदुखनेयजरैजातेनितछाती ॥ जेहिलगितुवऐसी
दशामातुकुशलताकीकवनि । कहबनादासगतिमोरिअबभैची
ताकेसीनवनि ८८ जनिजियकरहुगलानितुमहिंरघुनाथपियारे।
तुमप्रियरामहिंसदाकौनयहटारनहारे ॥ काहुहिदोषनदेहुकाल
गतिकठिनबिचारी । रामसरिससुतबनहिंजियेताकीमहतारी ॥
अनुरागीसियरामपदअमितबुझायेनहिंरही । कहबनादासगति
लषणकीताहीविधिजानौसही ८९ पितुसमीपसबतजेबसनभूष
णरघुबीरा । पहिरेबल्कलचीरसमुझिउरकाहिनपीरा ॥ सीतासु
ठिसुकुमारिधरीतापसकोबेखा । तातकठिनउरभयोसकलइनन
यननदेखा ॥ नृपआज्ञातेसचिवसँगरथलैगयेचढ़ायकै । कहबना
दासतटगंगतेलौटेअतिदुखपायकै ९० आयकहेसबकथासुनत
दुखकहदुखलागा । अतिहीविकलमहीपतुरततृणसेतनत्यागा॥

कुलिशहुसेउरकठिनसहेसबयहउतपाता । मरणजियनभलनृप
तिलहेधिकमोकहँताता ॥ भरतप्रबोधेमातुबहुश्रुतिपुराणइति
हासकहि । कहबनादासनिजगतिकहतअभिअंतरनाहिंसकतस
हि ९१ मातुपिताद्विजगुरूगऊशिशुत्रियबधिडारे । नृपद्वैचले
अनीतिवचनमिथ्याउच्चारे ॥ ब्राह्मणबेचैवेदसुरावेश्यारतहोई ।
भैषज्जीहलग्रहीमसीचक्रीहैजोई ॥ कृतनिन्दकमधुहापिसुननि
न्दारतपरधनहरे । कहबनादासजोमोरमतजननीसोअघशिरप
रै ९२ जोपालैबहुगऊबनैसेवासोनाहीं । कहवावैजोपंचकरैप
रपंचसदाहीं ॥ देखिऔरधनधामपुत्रउरआपनजारै । कहैपरावा
पापसदापरनारिनिहारै ॥ करैघातबिश्वासजोमित्रद्रोहपरद्रोहर
त । कहबनादासअघमोहिंसोजोजननीयहमोरमत ९३ गायगो
ठद्विजधामदहैनृपमाहुरदेई । करैअगम्यागमनबमनकरिकैसो
इसेई ॥ तंत्रीज्वारीचोरकपटपाखण्डपसारै । मारैनानाधातुअ
वशिहिंसाउरधारै ॥ पापीतीर्थरसायनीसदादम्भछलसेभरै । क
हबनादासजोमोरमतजननीसोअघशिरधरै ९४ क्षत्रीकोतनधा
रियुद्धतेत्रिचलैसोई । सतीचितातेभगैतासुमुखलखैनकोई ॥ प
तिबंचकजोनारिपायताकोअतिपीना । साधुबिप्रकीवृत्तिहरैनि
जवापरदीना ॥ हरिबासरआदिकबरतताादिनजोभोजनकरै । क
हबनादासजोमोरमतजननीसोअघशिरपरै ९५ मांसभखैद्वैबि
प्रयतीनिजधर्महिंत्यागै । करैसाधुकोबेषअसतमेंसुठिअनुरागै ॥
शिष्यकहावैजोयनआज्ञागुरुकीमानै । सुतह्वैभूलैजोयमातुपितु
भक्तिनजानै ॥ विहितधर्मनिजजोतजैबरणाश्रमहोवैकोई । कह
बनादासजोमोरमतसोजननीअघममशिरसोई ९६ शिवनिर्मा
यलभखैसदापरमठजोसेवै । होयधनीजेलोगद्रब्यसंचैनहिंदेवै ॥
निजनारीकोत्यागहोयपरत्रियरतजोई । ऋणलैकैनहिंदेयमनुष
तनपोषकहोई ॥ कामीक्रोधीलोभरतश्रुतिआज्ञामानैनहीं । कह
बनादासजोमोरमतजननीअघममशिरसोई ९७ जोहरिहरपद

त्यागमशाननभूतनसेवै। निजआतमकोघातसदाऔरनदुखदेवै॥ जोहन्तागौबीर्य्यनग्ननारीअवलोके। पंडितसुजनकहाय पापतेमनहिंनरोकै॥ परमैथुननिरखैजोईगुरुआसनपरपगधरै। कहबनादासजोमोरमतजननीसोअघशिरपरै ९८ कौशल्याबिलखायलियेसुठिहृदयलगाई। जनिगलानिजियकरहुतुम्हैंमैंजानसदाई॥ तुम्हैंसदाप्रियरामकर्ममानसऔबानी। जोकोउतात सुगायलोकपरलोकहुहानी॥ जागतहीभिनसारभोआयेगुरुपुरजनसबै। कहबनादासमुनिआगमनभरतजानिआयेतबै ९९॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामनवमोऽध्यायः ९॥

छप्पै॥ बन्देगुरुद्विजपायँसबैकोउआशिषदीन्हा। करौसमयसमकाजराजमुनिआज्ञाकीन्हा॥ सेवकसचिवसयानकामनिजनिजसबलागे। पितुकरणीकेहेतभरतअतिशयअनुरागे॥ वेदबिहितअन्हवायकैनृपतनरचेबिमानहै। कहबनादासतापरकियेकोकरिसकैबखानहै १०० चन्दनअगरसुगन्धअमितबहुभारभँगाई। सुरभीसरपिसमूहसमधिशुचिबहुविधिआई॥ सरयुतीरचितलायअचशिवरचिताबनाये। जनुसीढ़ीसुरधामताहिपरनृपतनलाये॥ दग्धकियेश्रुतिरीतिसेभरततिलांजलितबदिये। कहबनादासविधिवतसकलकरिभवनहिंगवनहिंकिये १ कृपारीतिप्रतिदिवसवेदविधितेचितदीन्हा। यहिविधिसकलनिबाहिभरतदशगात्राहिकीन्हा॥ हयहाथीरथयानविविधभांतिनकेदीन्ही। भूषणबसनबिचित्रअयाचीभूसुरकीन्ही॥ कनकरजतगोबृषभमहिभाजनभांतिअनेकके। कहबनादासदी हेभरतउपमामिलैनएकके २ जहांवेदयशकहैसहसभांतिनसोंकीना। दियेद्विजनबहुदानयाचकनबस्तुनवीना॥ भरतभक्तिजेहिभांतिकहाउपमाकबिपावै। तुल्यनतीनिहुंकाललोगसबयहिविधिगावै॥ पितुहितजसिकीन्हींकृपापारलहैकहिकोनहै। कहबनादासअतिअगम

गतिशारदसाधतमौनहै ३ सावधानजबभयेसभामुनिनायकत्र्या
ये। मंत्रीमीतपुनीतमहाजनसुजनबुलाये ॥ जुरेजबैसबलोगत
बहिंगुरुभरतबुलावा । आयेदूनौभायचरणपङ्कजशिरनावा ॥
सकलद्विजनबंदेभरतबैठेआयसुपायजब । कहबनादासप्रभुमा
तुकोपठयेऋषयबुलायतब ४ प्रथमरामअभिषेककहेजेहिविधि
नृपठाना। बहुरिकेकयीकथालियेजेहिविधिबरदाना ॥ सियाल
षणअनुरागकहेपश्चातबखानी। रघुनन्दनबनगमनकहेपुनिमु
निवरज्ञानी ॥ भूपतिविरहविषादकहिकीनेसङ्गसुमन्तजिमि। क
हबनादासपहुँचायप्रभुसचिवआगमनअवधतिमि ५ नृपतिम
रणबिलखायकहेबहुभांतिमुनीशा । सुनहुभरतगतिईशसदास
बहीकेशीशा ॥ पापपुण्ययशअयशजन्मऔमरणजहांलों । हा
निलाभगुणदोषकर्मआधीनतहांलों ॥ आवतजबहोनहारजस
लागततैसोयोगहै। कहबनादासबशकालकेकरतजीवसबभोग
है ६ नृपसुकृतीजेहिभांतिशेशशारदकहिहारे। धर्मशीलगुणभो
गकौनकबिपावैपारे ॥ सुरगुरुसेवीसाधुप्रजाप्रियप्राणसमाना।
भयोनहैहोनहारकौनदशरथसमआना ॥ शूरधीरअरुवेदविंद
नीतिनिपुणपुनिरिपुदवन । कहबनादाससबकेमतेभूपमरणसंश
यकवन ७ नृपतिमरणबनरामप्रजापरिवारमलीना । भूपराजप
ददियेतुमहिंचाहीसोकीना ॥ पालनअरुपरितोषभांतिसबसब
करकरहू। श्रुतिसम्मतजगरीतिनेकुमनबुद्धिनडरहू॥ सौंपेहुआ
येरामकेसेवाकिहेउलगायचित । कहबनादाससुनिबनसुखीरघु
पतिमनिहैंपरमहित ८ सचिवकहेभलअवशिभूपआज्ञागुरुम
र्जी। प्रजाऔरपरिवारशूरबीरौसबगर्जी । भरतनउत्तरदेतराम
जननीमृदुबानी। कहेजौनमुनिकहततातकरियेहितमानी ॥ तु
मअवलम्बनसबहिकेकीनमहाउत्पातविधि। कहबनादासकदरा
तइमितातबातकिमिहोयसिधि ९ बोलेयुगकरजोरिभरतगुरुस
भानिहोरी। आरतकोनसम्हारनमानबतातेखोरी॥मातपितागुरु

वचनकरीविनकियेविचारा । लोकवेदमरयादसकलधर्मनमेंसा
रा ॥ केकैसीजननीभईदियेसकलजगशूलहै । तुमसबस्वारथब
सिभयेअतिबिरञ्चिप्रतिकूलहै १० लषणरामसियविपिनत्राणम
गाविनपदचारी । कोजायोसंसारजोनसुनिहोयदुखारी ॥ सत्यप्रे
मप्रणपालिनृपतिपरधामपधारा । सबअनर्थकोमूलएकमैंभले
विचारा ॥ मोरजन्मजगदुःखहितबहुरिलषणसियरामको । मो
हिंसेअधमकोराजदैचाहतसबनिजकामको ११ निजनिजस्वार
थवश्यदशाममकोउनबिचारा । राजरसातलजातनेकलागैनहिं
बारा ॥ मोरेजीकीजरनिजानकोविनरघुनाथा । सूझतकोउनउ
पायचरणलखिहोबसनाथा ॥ शीलसिन्धुरघुबंशमणिनिजदिशि
तेअनुरागिहैं । मैंअघअवगुणकोसजौंतबहूँकदपिनत्यागिहैं १२
सवैया ॥ प्रातहिकालकरौंबनगौनकल्पशतसेपलमोहिंबितीता ।
दाहबुझातनहींअभिअन्तरजौलौंनदेखिहौंरामओसीता ॥ ध
न्यभरत्थकहैंसबकोयसराहतहैंसुठिप्रीतिपुनीता । दासबनासब
अवधनिवासीसुखीउपमानमनोजगजीता १३ ॥ छप्पै ॥ उप
ज्यौमहाअनन्दजहांलगिपुरनरनारी । होतैप्रातःकालमिलनरघु
बीरतयारी ॥ गेसबनिजनिजभवनगवनकोकरहिंबनावा । धन्य
भरतधनिभक्तहरेदारुणदुखदावा ॥ युवावृद्धिअरुबालगण
राखेरहैंनधामजू । कहबनादासअसकोअवधप्रियनजाहिसिय
रामजू १४ सेवकसुभटविचारिभरतराखेरखवारी । इन्द्रधनदध
नदेखिजासुमतिटरैनटारी ॥ देशकोशपुरसौंपिसुभगपालकीस
जाये । करिकैसकलसम्हाररामजननीपहँआये ॥ भाषेसबनिज
उरमरममातुप्रातकीजेगवन । बोलेसेनपसाहनीकामदारजहँल
गिजवन १५ साजहुस्यन्दननागतुरैबरबहुबिधिजाना । पदचर
पुनिअसवारगजाधिपरथीसयाना ॥ अबहींभेजहुजायचलैंमग
शोधनहारे । मारगरचैंसुधारिनेकलावैंनाहिंबारे ॥ तिलकसाजली
जेसकलतीरथतोयअनेकहैं । कहबनादासमुनिमनबसैवनहिंकरै

भिषेकहैं १४ तेहिनिशिपरीननींदसबैप्रभुपदअनुरागे। प्रातच
लेमुनिनाथबामभागीयुतआगे ॥ शिविकाजननीसकललोगस
बनिजनिजजाना। चलीअवधदलअगमकौनकबिकरैबखाना॥
चलेपयादेबन्धुदोउसबैचलायदियेजबै । कहबनादासगतिभर
तकीराममातुजानीतबै १५ कौशल्यागुरुदेवबहुतभरतहिसम
झाये। रामबिरहकृशलोगनहींमगयोगसुभाये ॥ रथचढ़िचलि
येतातसकलपुरजनहितलागी। मानेभरतरजायमातुगुरुपदअ
नुरागी ॥ अनुजसहितस्यन्दनचढ़ेचित्रकूटकियेगौनहैं । कहब
नादासतनसकलसँगमनजहँजानकिरौनहैं १६ प्रथमैतमसाब
सदूसरोगोमतितीरा। तीजेसईसमीपपरैदलतहँअतिभीरा॥ तप
व्रतधारणकियेजबहितेरामसिधाये । अवधपुरीनरनारिप्रीतिक
हिपारकोपाये ॥ शृंगबेरपुरनिकटगेचौथादिवससबलोगहैं। कह
बनादासकेवटसुनेसबप्रकारसंयोगहैं १७ फरकतरदपटअवशि
कुटिलअतिशयभयभवहे । भरतहिनिदरिबिशेषबचनसुठिकह
तरिसौंहे ॥ अहैकेकयीसुवनकछुकआश्चर्यनतासू। अतिहीकी
रतिविशदतिहूँपुरपसरीजासू ॥ बिषतरुअमीनफरिसकैतिहूँका
लविपरीतिहैं । कहबनादासआश्चर्य्यकाउरआनीनृपनीतिहैं
१८ मैंअतिशयजननीचभरतभाईजगजाना । रामकाम्नयशल्ले
उबादिमारौंमैदाना ॥ जानेप्रभुअसहायचलेदललैदोउभाई ।
समुझिपरिहिसोआजुपैजकरिभुजाउठाई ॥ शूरधीरसम्हरहुस
कलआजुकाजरघुबीरहैं। कहबनादासमरनोसमरपुनिसुरसरिको
तीरहैं १९ लीजेसन्मुखलोहगङ्गजनिउतरनपावैं। बीरबादबहुबदै
भटनउत्साहबढ़ावैं ॥ मांगेतरकसधनुषकवचकूँड़ीअसिचर्मा।
युद्धठाटकोठाटिबीरबोलतनिजमर्मा ॥ रुण्डमुण्डमैंमेदिनीकर
तनलावैबारजू । कहबनादासनिजतेजबलबीरकरतपरचारजू
२० महारथीगजअधिपतुरङ्गनकेपतिमारैं। कायरकूरबिहायभू
लिपदचरणनिहारैं ॥ धनुषबाणअसिचर्मकवचकूँड़ीशिरधारैं।

शूलशक्तिअरुपरशुधारिजयशब्दउचारैं ॥ लायकबीरबिलो
किकैगुहाराजआदरकरत । कहबनादासलैनामकोएकएकअङ्क
नभरत २१ देखिसुभटसमरत्थहृदयअतिचौगुनचाऊ । कहँबि
लम्बकेहिकाजढोलकिनबजैजुझाऊ ॥ अहोभाग्यअतिआजु
रामकारजतनआवै । मनमेंसुठिउत्साहमारिसबसैनचलावै ॥
घाटघाटबोरहुतरणितीरतीरमुरचाकरौ । कहबनादाससजुगेसु
भटगुहरजायशिरपरधरौ २२ गुहासचिवकरजोरिभांतिबहुबि
नतीकीन्हा । अनुचितउचितबिचारिहुकुमचाहीतसदीन्हा ॥
जेहिनहोयपछितावबहुरिपीछेकोउभाती । अपनेचूकेजरैजन्मभ
रिआपनिछाती॥लेउमर्ममिलिभरतकरबैरप्रीतिकैसेढुरै।उचित
होयसोकीजियेमेरेउरऐसीफुरै २३ हर्ष्योंअवशिनिषादमन्त्रतुम
नीकविचारा।तुरतहिसेवकबोलिमिलनकोसाजसँभारा॥ मांगे
खगमृगमीनबस्तुबहुनानाभांती।लायेबिपुलकहारकहांसंख्याक
हिजाती॥सजगरहौसबजहांतहँलेउँमर्ममैंजायकै।कहबनादास
करतूतिलखितबतसकरिहौंआयकै २४ गनेलोगलैसंगभरतदि
शिमिलनसिधाये । प्रथमहिंचरणबशिष्ठदूरितेमस्तकनाये ॥ क
हिरघुपतिजननीचआपनोनामबतावा । रघुपतिसखाबिचारिल
षणसमनिकटबुलावा॥दीन्हेसुभगअशीशमुनिभरतत्यागस्यन्द
नकिये । कीननिषादप्रणामतबधायअङ्कतेहिभरिलिये २५ भेटे
लषणसमानप्रीतिनहिंहृदयसमाई। बूझेमङ्गलकुशलकहेतवपद
कुशलाई ॥ मिलेबहुरिरिपुदवनसकलजननिनशिरनावा । सुत
समजानिअशीशदियेअतिउरसुखपावा ॥ सुरमुनिताहिसिहात
सबकहँवशिष्ठरघुपतिअनुज । भेटेअङ्कलगायतेहिनीचव्याध
माफिकदनुज २६ अपनावैजेहिरामऊँचसबहीसनसोई । चहुँयु
गतीनिउकालनहींश्रुतिचारिउगोई॥समुझिमोरिकरतूतिभजैन
हिंरामउदारा।तेहिकोसिखवैज्ञानगुहाकहबारहिंबारा॥सनकारे
सेवकसबैभरतसखाकरकरगहे।मीनबिलगजनुनीरतेशोचतशी

तलतालहे २७ आयेसुरसरितीररामघाटहितबबन्दे। मनहुँमि
लेरघुनाथभरतयहिभांतिअनन्दे॥ जननीसबअन्हवायआपुप्र
भुघाटअन्हाये। करिसुरसरिस्नानटिकेसबजेहिजहँभाये॥ आ
येजहँकीन्हेशयनरामलषणअरुजानकी। कहबनादासबन्देभर
तजरनिगईकलुप्रानकी २८ चरणचिह्नकहुँदेखिनैनरजअञ्जन
लाये। पैकरमाबहुभांतिभरतकीन्हेअतिभाये॥ समाचारपुरलो
गपायदर्शनकेहेता। धायेसबजहँतहांकहैकोलहसुखजेता॥ क
रतदण्डवतलोगसबरजपदनैननलावते। कहबनादासप्रभुमि
लनसमसबैकोऊसुखपावते २९ भरतपहुनईकीन्हसखाअतिही
मनलाई। कन्दमूलफलअशनअनेकनभांतिमँगाई॥ सबकोउ
करिफलहारशयनकीन्हेनिशिमाहीं। घाटघाटकीनावअमितआ
ईनिशिताहीं॥ प्रातकालजागेभरतजननिचढ़ाईनावतब। कह
बनादासतरणिनचढ़ेलोगभयेहैंपारसब ३० प्रागहिकीन्हपयान
प्रथममुनिरायचलेहैं। शिविकाचढ़िचढ़िमातुचलींसबभांतिभ
लेहैं॥ सारीसेनचलायभरतपीछेदोउभाई। चलेपियादेपायँकहै
कबिकिमिकठिनाई॥ सहजेसादेबेषसुठिशीशनहींछायाकरत।
कहबनादासगतिभरतकीलोगनलखिधीरजधरत ३१ झलका
पङ्कजपायँपानहिंउकीन्हेत्यागा। रामराममुखरटतभरेउरअति
अनुरागा॥ स्यन्दननागतुरँगसँगमेंकोतलजाहीं। कहसेवक
करजोरिचढ़तबाहनकतनाहीं॥ रामगयेबनत्रानबिनमोहिंशिर
बलजानाउचित। कहबनादाससबकोउचलहुनाहकमनकरतेदु
चित ३२ पहुँचेसबयुगयामगयेहैंलोगप्रयागा। आयेतिसरेपह
रशिथिलतनवशअनुरागा॥ भरतसितानीरदेखिकरपङ्कजजो
रे। बोलतबचनविनीतप्रीतिरसमानहुँबोरे॥ रामचरणपदपङ्क
रुहसलिलचहौंमनमीनहैं। कहबनादासपुनिपुनिकहतक्षैद्वारेअ
तिदीनहैं ३३ आरतकेचितचेतरहैनहिंतीरथराजा। दानकरन
कोमोहिंभीखमांगतनहिंलाजा॥ अबअपनीदिशिदेखिदेहुमन

भावतमोहीं। याचकजोफिरिजायबाततौअवशिनसोहीं॥ ऋधिसिधिसम्पतिचाहनहिंनहींस्वर्गअपबर्गरुचि। कहबनादासगरजीसदादेहुरामपदप्रेमशुचि ३४ भैंत्रेणीबरबागधन्यतवजन्मजहाना। तुमरामहिंप्रियप्राणबचनमानहुँपरमाना॥ शिवब्रह्माइन्द्रादिविष्णुत्रैभवबैरागी। तुमसेतीनिहुँकालनाहिंरघुपतिअनुरागी॥ धरहुधीरअवसरनिरखिसबबिधिमङ्गलमूलहै। कहबनादासकदरातकितसदारामअनुकूलहै ३५॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनिखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामदशमोऽध्यायः १०॥

छप्पै॥ सुनित्रेणीबरबागभरतअतिआनँदपाये। अवधनिवासीसकलहृदयअतिशयहर्षाये॥ करिमज्जनदोउबन्धुदानबहुबिप्रनदीन्हा। याचकबिपुलबुलायतोषसबहीकरकीन्हा॥ भरद्वाजपहँआयकैकमलचरणबन्दनकिये। मुनिभेंटेउरलायतबद्भैप्रसन्नआशिषदिये ३६ रिपुसूदनपदबन्दिबैठिअनुशासनपाई। मुनिवरकियेबिचारबचनबोलेसुखदाई॥ जनिउरकरहुगलानिभरततुमसेतुमएका। सदारामप्रियप्राणकीनअतिभलाविवेका॥ मानेरामरजायकेअवशिभलासबभांतिहै। कहबनादाससाहेबसबलल्लघुसेवकअवकातिहै ३७ नाहिंकेकयीदोषगिराताकीमतिफेरी। पायेसुरपुरशोधशोचसबभांतिनिवेरी॥ तापसतीरथबासबचनमिथ्याकिमिकहहीं। रामचराचरईशसदालीलातनुगहहीं॥ जपतपमखसाधनकियेसोफलदर्शनरामहै। ताकीसिद्धीदरशतवभयोमोहिंपरिणामहै ३८ भरतकञ्जकरजोरितबहिंबोलेबरबानी। शीलधर्मअरुनीतिविरतिरसप्रीतिमेंसानी॥ भूपगयेपरधाममातुभैअपयशभाजन। मैंअनरथकोमूलभूलिसोआवतलाजन॥ बिगरिजायपरलोकबरुलोकसकलनिन्दाकरै। कहबनादाससांचीबदतताहूकोनहिंमनडरै ३९ रामलषणअरुसियात्राणबिनपगबनचारी।यहिदावाउरदहैयतनखोजतहियहारी॥

रामदुःखकेहेतजन्ममममधिगधिगमोही । रामबिरोधीजोयभयो सोत्रिभुवनद्रोही ॥ राखिकहौंकलुसाखिशिवअतिहिपीरबांकीभई । कहबनादासऔषधनकोउवृद्धिहोतदिनप्रतिनंई ४० भरद्वाजतबकहेतातधरियेउरधीरा । ह्वैहैसकलौशान्तिमिलतहीसियरघुबीरा ॥ तुमकहँअवशिकलेशसुजनमनसुठिउपदेशा । रामभक्तिरसअगमथकितशारदश्रुतिशेशा ॥ अतिथिपूज्यप्रियआजुतुमयहमोहिंमांगेदीजिये । कहबनादासभाषेभरतआज्ञाशिरधरिकीजिये ४१ अतिअसमञ्जसपर्योधर्मयाहीदृढ़चीन्हा । गुरुरजायसुठिशीशशोचमुनिवरतबकीन्हा ॥ नेवतेपाहुनवृहदचहीतेहिविधिपहुनाई । आयखड़ीभइसिद्धिकहेमरजीप्रभुपाई ॥ रामबिरहब्याकुलभरतआजुकरौयहिकाजको । कहबनादासहरिसकलश्रमकरियेसुखीसमाजको ४२ महिमाअगमबिचारिबन्धुरघुपतिसेवकाई । अहोभाग्यउरमानिचलीमुनिपदशिरनाई ॥ प्रथमबनायेबासजाहिसुरसदनलजाहीं । दासीदासअनेकसकलसम्पतितेहिमाहीं ॥ सेजसुभगपयफेनसेमणिदीपकभ्राजितभवन । तनेचँदेवाचारुसुठिकबिउपमापावैकवन ४३ नानाविधिपकवानदेवकोदुर्लभजोई । स्रगचन्दनबहुगन्धसुमनसबरङ्गसमोई ॥ देवाङ्गनाअनूपजहांतहँभवननराजैं । रतिउतुलैनहिंरूपमेनकारम्भालाजैं ॥ कामधेनुभवननविषेद्वारद्वारसुरतरुलगे । कहबनादासऐश्वर्यसुठिदेखनवालेजेहिठगे ४४ नचतअप्सरावृन्दतानतुम्बरुबहुभरहीं । बाजाबिबिधप्रकारशब्दजाकोमनहरहीं ॥ पंखामुरछलचमरपानभौराकरलीन्हे । बहुसोंटेबरदारखड़ेपलक्षणरुखचीन्हें ॥ तुरयनागस्यन्दनसुभगसजीसवारीअनगनी । कहबनादासबरणैंकवनबदतनशारदसोंबनी ४५ वापीकूपतड़ागबागदेखतमनमोहैं । फलिपाकेनिजभारनयेबरणैंकविकोहैं ॥ सुधासरिसअतिस्वादखातमनतृप्तनहोई । सुमनबाटिकाबिबिधकहांउपमाकबिजोई ॥ शीतलमन्दसुगंधतेहिसमयसु

भगमारुतबहै । कहबनादासअमरावतीसमयनआनँदकोलहै ४६ इक्षुविकारअनेकस्वादसुठिसुधासमाना । नानाबिधिऋतुपक्कसुरसफलकवनबखाना ॥ दालिपिसानअनूपचनाचिउराकीढेरी । तंदुलभांतिअनेकख्यातितरकारिनकेरी ॥ दूधदहीघृतसस्तपुनितेलतलावभरेघने । लौंगमिर्चलाचीअमितकूराकेसरिअनगने ४७ श्रीपासाअम्मारमुकुरकीलागींढेरी । नानाभूषणबसनलेयजसरुचिजेहिकेरी ॥ कहिंगीताभागवतबिबिधबिधिहोतपुराना । पण्डितपरमप्रवीणकरहिंरामायणगाना ॥ तिहुँपुरदुर्लभबस्तुजोठौरठौरपरख्यातिहै।कहबनादासआश्चर्यअतिमतिबर्णतसकुचातिहै ४८ मीनमांसकेढेरकहैकोअकथकहानी । शोणितकेबहुकुण्डसुराकेअगणितजानी ॥ अतुलितवैभवदेखिआ-श्चर्यविलोकनहारे । कहैंपरस्परलोगदीखनहिंकतहुंसुनारे ॥ चकितहोतचतुराननहुजाहिनिरखिअतिशयहिये । कहबनादासतपतेजबलभरद्वाजऐसाकिये ४९ मुनिवरऋधिसिधिसबैसमयतेहिचम्पकफूला । कीन्हेबिबिधबिलासभरतमनभवँरनभूला ॥ भरतपंकरुहपातसकलसुखसम्पतिनीरा । भयोअरुपरशनाहिंमहामहिमारघुवीरा ॥ जैसेज्वरकेजोरतेभोजनकीरुचिजातहै । कहबनादासब्रह्महियथातरुणीविषदरशातहै ५० चक्रवाकनिशिसमयसहजहीयथावियोगा । जैसेसरुजशरीरकाजकेहिनानाभोगा ॥ जाहिरामपदप्रीतिताहिकोसकैलोभाई । सुरपतिसुखजनुवांतसाखिनिगमागमगाई ॥ प्रातकालमुनिचरणगहिचित्रकूटगवनेभरत । नहिंपगत्राणनछांहशिरमुनिअखण्डव्रतआचरत ५१ छांहकरैघनविपुलबहैसुखदायकबाऊ । कहतरामसियरामभरतबिस्मितचितचाऊ ॥ ग्रामग्रामयहकथासकलमगकाननछाई । धन्यभरतपुनिधन्यकवनभायपअसपाई ॥ राज्यदीनपितुताहितजिराममनावनजातहैं । शिरपगनांगेकरततपकंदमूलफलखातहैं ५२ रामबासथलबूझिनिषादहिकरतप्रणामा । नैननल

वतधूरिमिलेजनुजानकिरामा ॥ बन्दतमुनिद्विजसाधुदेवआश्रम जहँपावैं । रटतश्वासप्रतिनामसजललोचनपुलकावैं ॥ कतहुंबिरहबशहोतसुठिलैलैऊरधश्वासजू । कहबनादासअनुरागजनुउमँगिचलतचहुंपासजू ५३ भरतदशाकोदेखिसाधुमुनिसिद्धसिहाहीं । धन्यभरतजयभरतकहैंसबनिजनिजपाहीं ॥ हमबनबसिकाकीन्हरामइमिलगेनर्माठे । लगीकल्पनाअबशिनहींबासनाउबीठे ॥ कालिन्द्रीकोउतरितबवासकियेवहिपारहै । रामबरनबरबारिलखिचलेहोतभिनसारहै ५४ जहँतहँमगनरनारिकिहैंसबसीयनसंगा । वेषनसोंलखिपरैसेनसंगैचतुरंगा ॥ उरमेंनाहिंउत्साहप्रसन्ननआननदेखैं । कहतपरस्परलोगभेदयाहीसुठिपेखैं ॥ भरतशत्रुहनबंधुदोउकोउकहबनकीन्हेगवन । हेतमनावनरामकेअनुरागीइनतेकवन ५५ जानैंतेइमिकहेजातयहिबिधिदोउभाई । संगैसखानिषादप्रीतिकबिसकतनगाई ॥ इन्द्रहिशोचअपारभरतबनगवनबिचारी । अबधौंकाहोनिहारबनैंविधिबातबिगारी ॥ रामकनौड़ेप्रेमबशभरतसोप्रेमजहाजहै । जोरघुबरधूमहिंअवधअबबिगरोसुरकाजहै ५६ शारदबोलेबहुरिकरैकिनबेगिउपाई । कैफेरैमतिभरतमिलैंकैनाहिंरघुराई ॥ तिनजानेमतिमन्दराखिसुरराउसकोचू । कहेबारहींबारअमरपतिकरीनशोचू ॥ सीपउलीचेसिंधुकिमिसूखिसकेसुरराजहै । कहबनादासहरिजननकोकोकरिसकैअकाजहै ५७ जहांभानुतहँतिमिरशीतढिगअनलनजाई । मेढुकलेइनमेरुउरगखगकेतुनखाई ॥ सिंहशशाकीसमरकहौंकैसेबनिआवे । चिन्तामणिकीपोतिकबहुंसमतानहिंपावे ॥ तबकीन्हेरुखरामकेअबअकाजकैहैसही । कहबनादासगुरुचरणपरितबसुरपतिऐसीकही ५८ कीजैबेगिउपायहोनअबचहतअकाजू । सहसौलोचनअंधलखेगुरुसुठिसुरराजू ॥ मायापतिकोदासताहितेकीजैमाया । होयमूरिमेंहानिनफाकीकोनचलाया ॥ रामसदासमदृष्टिहैंश्रुतिपुराणसबकोउकहै । कह

बनादासतिहुकालमेंजासुरीतिऐसीअहै ५९ सेवकबैरसोंबैरप्री
तिसेवकसेवकाई। कोउजनजाननहारजानिसबकाहुनपाई ॥ दु
र्वासागतिबिदिततिहूंपुरठौरनपाये । अम्बरीषकेशरणभयेतब
चक्रबचाये॥ हरिभक्तनकोसेयकौनहरिबशनहिंकीन्हा । चहुंयु
गतीनिउँकालबदतबहुभांतिप्रवीना ॥ कार्यकीन्हजोनिजचहौ
भजौभरतमनलायकै । कहबनादासयहिभांतिगुरुकहसुरपति
समुझायकै ६० होहुभरतकेशरनपरनकरिकैसबदेवा । रामब
श्यबसुयामजाहिअसजानहुभेवा॥ भरतभागवतपरमकरहिंकि
मिदेवअकाजा। परहिततनपरिहरैसंतगुणइमिसुरराजा ॥ सो
दधीचिगतिविदितहैबहुरिगिरलशंकरपिये । कहबनादासगुरु
बचनसुनिसुरपतिसुरहर्षितहिये ६१ छाकेसुधासनेहचलतपग
डगमगडोलहिं। मनजहँसीतारामकुम्भजनुभरेनबोलहिं ॥ भर
तगहेकरसखाकहतरघुपतिगुणगाथा । चलेजातमनमगनबंधु
लघुशोभितसाथा॥ सायंकालसुकामाकियनींदपरीनहिंरैनतेहि।
राममिलनकीलालसामनोराजयशभावजेहि ६२ चलेहोतपर
भातरामगिरिगुहादेखाये। त्यागेबहुजनजानसबैकोउमस्तकना
ये ॥ भरतहृदयसंकल्पबहुरिबिकलपबहुभांती । सुमिरतशील
सनेहरामगुणगणकीपांती ॥ पुलकप्रफुल्लितगातअतिपरतउ
ताहिलअवनिपग । कालकरमजननीदशासुरतिभयेनहिंउठत
डग ६३ सुनतआगमनमोररामउठिअनतनजाहीं ॥ ताहीक्ष
णतनत्यागप्राणकिमिरहघटमाहीं ॥ सम्भाषणनहिंकरैंमोहिंत्या
गैंकरिक्रोधा। परारहौंतेहिठावँनिरादरकोबहुबोधा ॥ जायोजठ
रकुमाततेभागिहीनयहसबउचित । कहबनादासइमिशोचिकै
होतहियेअतिशयदुचित ६४ जगयशलीन्हेलषणरामपदअति
अनुरागी। मातुपिताधनधामसुहृदतिनुकासमत्यागी॥ हरदम
सेवानिरतसमयजेहिसङ्गनकोई । सहतदुसहतनतापनाहिंजेनि
जदिशिजोई ॥ देहधरेकोफललह्योवनहितरघुपतिजन्ममम ।

कहबनादासतिहुँकालमेंकोमोतेदूजाअधम ६५ धन्यसुमित्रा
मातुउदरजेहिलक्ष्मणजाये । करिनानाउपदेशसङ्गबनरामपठा
ये ॥ कैकेसीममजननिअयशभाजनदुखदायक । सकलभुवन
बनबसेजाहिकरिसियरघुनायक ॥ आतपहिमजलवातसहिनां
गेपगबिचरतबनहिं । हृदयनहोतदरारकिमिकुलिशनिदरिगेया
तनहिं ६६ निजदिशिकरिहैंख्यालनीतिमयशीलनिधाना । है
हौंतुरितसनाथकरतइमिउरंअनुमाना ॥ प्रभुस्वभावरसएकबा
लपनसेंरुचिपाली । भयोअमितउत्पातरामकिमिगहाहिंकुचा
ली ॥ यहिबिधिकोटिकुतर्कउरकरतजातक्षणक्षणभरत । उमँ
गिउठतनिजभक्तिबलकबिछायाकिमिअनुहरत ६७ केवटकहेब
होरिदेखियेबिटपबिशाला ।नीलपातबटसुभगलगेसुंदरफलला
ला॥तेहितरबेदीदिब्यसियानिजहाथबनाई।नवतुलसीकेवृक्षसु
मनकरलषणलगाई॥ताहीतरप्रणकुटीप्रभुबैठवेदिकाकृपानिधि।
कहबनादासआनन्दयुतआसपासमुनिसाधुसिधि ६८ परेलकु
टसेभरतकरतदण्डवतसप्रीती । कोकबिपटतरलहैंप्रेमलीन्हेज
नुजीती॥इहांरामनिशिकछुकस्वपनसीताअसदेखा।आयेभरत
समाजसहितसबसासुकुवेखा ॥ जागिकहेरघुनाथप्रतिकहास्वप
ननाहिंनीकहै।कहबनादासमेटैंकवनजोखाँचीबिधिलीकहै ६९ ॥
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनामउभयप्रबो
धकरामायणेबिपिनखण्डेएकादशमोऽध्यायः ११ ॥

छप्पै ॥ नित्यनिबाहेरामबैठिशुचिआसनआई । देखेउत्तर
दिशाधूरिनभमण्डलछाई ॥ भागेबहुबनजीवमृगादिकसहज सु
भाये । कहेकिरातनआयभरतकाननहिंसिधाये ॥ सेनसङ्गचतुर
ङ्गअतिवारंपारनहिंलखिपरै । कहबनादासरघुबंशमणिउरबिचा
रलागेकरै ७० केहिकारणकाननहिंभरतआयेदोउभाई। ताहूप
रसँगमाहिंलियेअतिशयकटकाई ॥ चितथितिलहैंनरामहृदयग
तिलषणविचारा । रदपुटफरकतअवशिबङ्कभ्रुवदृगरतनारा ॥

सुनहुनाथकरुणाभवननिजसमप्रभुजानतसबहिं । कहबनादा
सजेकपटमयतिनहिंनपतिआईकबहिं ७१ जेबिषयीजगजीवज
बैप्रभुताकोपावैं। लोकलाजपरलोकवेदमर्यादमिटावैं ॥ भरतक
हावतसाधुतेऊअधिकारहिपाई । करैंयकएटकराज्यबनहिंआये
दोउभाई ॥ कुटिलकुअवसरताकिकैरामनिरादरकोकिये । कहब
नादासकेकयसुवननहिंअचरजआवतहिये ७२ सुतकीयहकुटि
लईजननिसारोजगजारे । नाथसाथधनुहाथकहांतककोउरिस
मारे ॥ अनुचितक्षमबकृपालुकहौंबूझेबिनबाता । आजसकल
फलदेउँलेहिंनीकेदोउभ्राता ॥ कसिपरिकरकटितूणजटाजूट
बांधतभये । कहबनादासभाषतबलहिकरिप्रमाणसुठिउरठये
७३ प्रभुसेवकयशलेउँकरैंबिधिशम्भुसहाई । मारौंसेनसमे
तसमरसोवहिंदोउभाई ॥ लवादलैंजिमिबाजकरिहिंमृगराजप
छारैं। भेंड़ीकेदलमाहिंपरेवृकयथाबिदारैं ॥ तमकिप्रतिज्ञाकीन
तबबन्धुदुहुनकोबधकरौं । कहबनादासप्रभुपदशपथतौनधनुष
शरकरधरौं ७४ लोकपालदिग्पालसशङ्कितसकलजहाना । ल
क्ष्मणकोपकरालचहतजनुभभरिभगाना ॥ गगनगिरागम्भीर
अवशिबलतेजबखानी । अनुचितउचितबिचारिबातकरियेअ
नुमानी ॥ करिसहसापछितातपुनिबुधनसराहैंतासुमति । कहब
नादासनभगिरासुनिगुनिआयोसंकोचअति ७५ सनमानेरघुबी
रताततुमनीतिबिचारा । कठिनराजमदसदाबुद्धिकाकीनबिगा
रा ॥ भरतअलौकिकपुरुषअवशिमैंजानौंनीके । कहौंप्रीतिपर
तीतिरीतिभावतनिजजीके ॥ बिधिहरिहरइन्द्रादिपदपायभरत
मतिनहिंहलै। कहबनादासमेरेमतेजोकदापिपृथिवीचलै ७६ ॥
घनाक्षरी ॥ गिरिशृंगफूलैकअगोपदअगस्त्यडूबैक्षमाछोंड़ैक्षो
णीकच्छपीठजामैंवारजू । तिमिरतरणिगिलैमिलैनभबारिधर
पतिदेवत्यागिपीवदूजोभरतारजू ॥ चन्द्चुवैअनलकृशानुबरु
स्रवैहिमउरगजोकरैउरगारिकोअहारजू । बनादासभारतजैसे

षहूकदपिकालतौहूराजमदनभरतहोनिहारजू ७७ फूलेनभ
वाटिकाकृशानुसिन्धुतूलदाहैजियैमीनबारिबिनअचरजअतिहै ।
शशाशीशसींगजामैंमूसमारैमीचहूको बनादासफणिकरैमणिसे
बिरतिहै ॥ कालकूटअशनतेअमरकदपिकालअमीतेमरणलहै
पातकीसुगतिहै । भानुउवैपश्चिमनशावैमोहज्ञानहूकोराज्यपावै
भरतनतबौहालैमतिहै ७८ ॥ सवैया ॥ लोगअन्हायरहेसरिती
रभरत्तचलेतबहींप्रभुओरा । बन्धुउभयपुनिकेवटसङ्गमेंशीलस
कोचसनेहनथोरा ॥ नैनसेनीरखड़ेतनुरोमलखेपदअङ्कितभूमि
कठोरा। दासबनारजनैननलावतकौनलहैउपमाबरजोरा ७९ ना
थनिषाददशाअवलोकिबिदेहभयोमगकौनसँभारैं।सिद्धितपोधन
योगीलजातअकाशतेदेवअनेकनिहारैं ॥ दासबनाकहैंधन्यभर
त्तलखावतमारगबारहिंबारैं । अग्रहिअग्रझरैंकुसुमावलिपन्थय
हीउरमाहिंबिचारैं ८० ॥ छप्पै ॥ जटाजूटकटिकसेलियेकरधनु
ओबाना। आवतदेखेभरतलषणकीन्हेअनुमाना ॥ साहबसेवा
उतैइतैप्रियबन्धुसकोचू । असमञ्जसअसपरयोकख्योताहितपु
निशोचू ॥ स्वामिधर्मअतिशयसबलरहीताहिपरटेकहै । कहब
नादासखींचेचितहिचङ्गसेचारुबिवेकहै ८१ ॥ सवैया ॥ श्याम
लगातजटामुनिकेपटदीर्घबिलोचनपङ्कजलाजे । बेदीपैसाधुस
माजसुहावनतामधिमेंरघुबीरबिराजे ॥ दासबनाउपमानलहैक
बिभावैहियेअतिशयछबिछाजे। अग्रखड़ेप्रभुलक्ष्मणबीरमनोह
रधीरशरासनसाजे ८२ ॥ छप्पै ॥ परेलकुटसेअवनिलषणरघु
पतिहिनिहारे । भरतकरतपरणामउठेप्रभुकृपाअगारे ॥ धाय
लियेउरलायछोहअतिशयरघुबीरा । रहयोकहींकटितूणकहींछू
टेधनुतीरा ॥ मिलेपरस्परबन्धुदोउमनबुधिचितअहमिततजे ।
कहबनादासउपमासमयहेरिहेरिकबिजनलजे ८३ कबिकोबिद
किमिकहैथकैशारदसहसानन । रघुपतिभरतसनेहअगमशङ्कर
चतुरानन॥गणनायकसनकादिशुकादिकऊरधरेता। नारदादियो

गीशमहामुनितत्त्वकेबेता॥कहतकठिनसमुझतकठिनबन्धुदुहुन
अनुरागजू। कहबनादासतिहुँकालमेंकोकरिसकैविभागजू ८४
रिपुसूदनप्रभुमिलेभरतलक्ष्मणदोउभाई। कीन्हनिषादप्रणाम
कुशलबूझैरघुराई॥ शत्रुदमनअरुलषणभेंटिउरमाहिंअनन्दे।
भरतसहानुजजायजानकीपदरजबन्दे॥ सीताआशिषदीन्हशु
भसुठिप्रसन्नदेखेभरत। कहबनादाससंशयसकलदूरिभईउरते
तुरत ८५ ॥ सवैया ॥ कुम्भसमानभरोअभिअन्तरबैनकोबो
लबकाहुनभाये। धीरसँभारिनिषादकहेप्रभुमातुगुरूपुरकेजन
आये॥ सीयसमीपरहेरिपुदौनतबैकरुणाकरबेगिसिधाये। शी
लनिधाननरामसमानपुराणऔवेदमहामुनिगाये ८६ आयगहे
गुरुपङ्कजपायँमुनीशलियेउरमाहिंलगाई। बन्धुसमेतअशीश
दियेशुभविप्रनबन्देसबैरघुराई॥ दासबनापरणामकियेप्रभुमातु
भरत्तकिनेहबढ़ाई। भाईसमेतमिलेजननीनिजऔद्विजनारिजि
हांतकआई ८७ हर्षबिषादसमयतेहिकोयकमाहिंसनोकछुजात
नगाई। कौनबिभागसकैकरिसोमतिशारदशेषहुकीसकुचाई॥
दासबनापुरलोगनभेंटिचलेजननीगुरुदेवलिवाई। औरौगने
गणसङ्गलियेमुनिनायकजाकहँदीन्हरजाई ८८ आयेसबैरघुबी
रकेआश्रमसासुनधायमिलीबैदेही। तापसबेषबिलोकिकैजान
किधीरसँभाररह्योनहिंतेही॥ बेषबिलोकिकैसीयदुखीसबदेहिं
अशीशअतीवसनेही। दासबनान्रृपकोपरधामकहेमुनिनायकभो
बिधिजेही ८९ भांतिअनेकबिलापकरैंसबमानोमहीपअकाजेउ
आजू। हेतसनेहबिचारिकैमर्णअधीरभयेअतिहीरघुराजू॥ रो
वतदासीऔदासघनेतेहिअवसरमानहुँशोकसमाजू। दासबना
समुझायेमुनीशबिषादअनौसरकेरअकाजू ९० ॥ घनाक्षरी॥
रामघाटमाहिंअस्नानसबकोऊकियेदियेहैं तिलाञ्जलिसमयतेहि
रामजू। कियेहैंनिरम्बुब्रतगतभयोबासरसोआज्ञामुनिदियेपुनि
कियेतैंसोकामजू॥ बनादासबीतेदिनउभयप्रभुशुद्धभयोकरतबि

शुद्धतिहुँलोकजासुनामजू।श्रुतिसेतुपालककलुषखलघालककर
तबहुचरितजननमोदधामजू ६१॥सवैया॥ दिनभोजनरैननींद
भरत्तहिकल्पनाकोटिउठैउरमाहीं। कौनप्रकारफिरैंरघुबीरबिचार
कछूठहरैहियनाहीं॥मातुमतेगुरुबातबनैसोकहैरुखराखितौकाह
पोसाहीं । दासबनाजिमिकीचकेबीचमेंमीचनजीवनिमीनलखा
हीं ६२ मातुमतेमहँमोकहँमानिकैत्यागकरैतौकछूनबसाई । से
वकजानिसुनैबिनतीनिजओरचहूँयुगरामबड़ाई ॥ मैंकेहिभांति
कहौंघरघूमियेवाकेपितासुरकार्यनशाई । दासबनामतमुख्ययही
सबकेशिरऊपररामरजाई ६३ आयेमुनीशभरत्तसमीपमहाजन
मंत्रियमीतबुलाई । सेनपशूरसखासमरत्थजुरीपुरलोगनकेरिअ
थाई ॥ रामसुशीलसहैंसुठिसङ्कटमानिकैनीकेसनेहसगाई । कौ
निप्रकारचलैंपुरऔधहिदासबनासोकहौसमुझाई ६४ ॥ घना
क्षरी ॥ सुनिमुनिबचनबिलोकतभरतमुखदशादेखिसबहीकिक
हेगुरुज्ञानीजू । सुनौतातभरतउपायसोबिचारोआजुजौनीभां
तिरघुबीरचलैंरजधानीजू ॥ बनादासकरजोरिबिचनकहतमृदुबू
झतकृपालुमोहिंकाहअनुमानीजू । दीजियेरजायसोअवशिशिशि
रराखिकरौंयाहीमेरोबिहितधरमपरैजानीजू ६५ ॥ सवैया ॥ का
ननगौनकरौंदोउबन्धुफिरैंरघुनन्दनलक्ष्मणसीता । आनँदमग्न
भयेदोउभायमिलैंउपमानमनोजगजीता ॥ जानहुँआछतभूप
तिकेभयोरामकोराजसबैदुखबीता। दासबनाभरिदेहबसौबनया
सममोरनदूसरहीता ६६ आयेसबैरघुबीरकेतीरउठेगुरुपायँन
पैशिरनाये।बोलेवशिष्ठसुनौरघुनन्दनभूपतितौपरधामसिधाये॥
शोकसमुद्रमेंमग्नसबैअवलम्बभरत्तइहांकोलैआये । कैसेजियैं
परिवारप्रजासबदासबनासोकहौसतिभाये६७॥घनाक्षरी॥रबिकु
लरक्षककृपालुसबकालआपुसोतौविद्यमानमोहिंशोचकौनपरीहै
प्रथहिंमोहिंजोरजायदीजै महाराजसकलप्रकारधरिशीशसोईक
रीहै॥ जाकहँउचितजसताहिपुनिकहीतसअतिहितमानिमानिस

बैंअनुसरीहै। बनादासयातेनपरमश्रेयदेखिपरेकहिरघुबीरइमिपु
निमौनधरीहै ९८ भरतकीप्रीतिनाहिंशोचिकहैरघुनाथमेरीमति
अवशिभगतिवशभईहै। कहैजोभरतताहिसुनीपरमाणकरिपरम
प्रसन्नह्वैकैरामआज्ञादईहै॥धन्यभागभरतकोगुरुअनुरागइमिमे
रेमतजगतजनमफललईहै। बनादासकहैंसोकरतनाहिंबारलावों
कहेमुनितातत्यागिसारीदुचितई है ९९ कहौंनिजरुचिबातशोच
औसकोचछोंड़िरामकीरजायगुरुकहेबारबारेजू।सजलनयनतन
पुलकमगनमनभरतसमयसमवचनउचारेजू ॥ सारोउत्पातभेकु
मातुद्वारमेरेहेतभूपपरधामगयेजारेजगसारेजू।ताकोनसकोचशो
चसांचोसाखिशिवयाकोरामवनगौनसुनिमरेबिनामारेजू १००
जगपोचकहैपरलोकहूकिशोचनाहिंकेकईसुवनकोटिकुम्भी अधि
कारीहै। कमलचरणत्राणबिनसियारामबनलषणसहितजाकेहे
तपदचारी है ॥ धिगधिगमोहिंजगबादिहिजनमलियोप्रभुदुख
कारणकोयातेपापभारी है। बनादासयाहीदाहदहैउरआवांइवऔ
षधनसूझअतिहेरिहियहारीहै १ स्वामीकोस्वभावशीलसकुचि
सनेहशोचिमातुपितुगुरुवैनपेलिइहांआये हैं। हारीखेलमोकहँ
जितावेबालपनमाहिंकोपअपकारीपैनकोईजानिपायेहैं ॥ सुनें
जौनकाननसोनैननसेदेखेआयहृदयकठोरनदरारभोसुभाये हैं।
विधिकलाकुशलविचारेउरबनादासकेकई सुवनताजिकाहिकोसु
हाये हैं २ यहूनिजमुखमोहिंकहतनबनैआजुमातुजोअसाधुसुत
साधुकहीभयेहैं। बोवैविषवेलिफलैअमीफलकौनभांतिवचनसु
नतलोगबिलखायगयेहैं॥ बनादासशीलासिंधुबोलेरघुवंशमणि
अतिहिविनीतवैनअमीजनुजये हैं। भयोनाहिंअहैहोनिहारनतु
म्हैंसमानविधिनिजकलामाहिंकाहिनिरमये हैं ३म्हषानगलानिक
रौतातममवैनमानितुमसमतुहींतिहुंलोकमेंनआनजू। पालनऔ
पोषणसकलजगतोरेहाथकहतप्रमाणऐसोमारेअनुमानजू ॥ पु
ण्यवानलोकसबबसतअधीनतव लियेकरअमीकोऊमीचहिडेरा

नजू । बनादासबंधुलघुमुखपैबड़ाईकरैंतदपिनरघुनाथनेकसकु
चानजू ४ बातुलविवशभूतअवशिअकोबिदजेजननिहिंदोषदे
तसहजअयानहै । कियेसंतसंगनाहिंहियेनप्रकाशकछुबनादास
सुनेनाहिंश्रुतिनपुरानहै॥ पूंछओविषाणहीनओढ़िलियेनरखाल
ईश्वरअधीनजगजानतजहानहै । कालकर्मसबहीकेशीशबर्तमा
नहोतदोषदेयकाहिकौनऐसोबलवानहै ५ भरतनमित्तचित्तजो
रिकरकंजकहेमोहिंसहबंधुबंनभेजीरघुनाथजू । जानकीलषण
युतआपुओधगौनकरीप्रजापरिवारकीजेसबहिसनाथजू॥ यातो
बनजाहिंतीनोंभाईआपघूमैंघर बनादासकहिनायेकंजपदमाथ
जू । नातौप्रभुगुरुसंगभेजियेलषणबेगिदीजियेरजायमोहिंचलौ
बनसाथजू ६ नातौवर्षचौदहकोओधइहैथापैंआपकीजैअंगीका
रजोतिलकसाजआयोहै । समैसमैमाफिकरजायमोहिंदीनकरी
सारीसेवकाईकरौंऐसोउरभायो है ॥ गुरुमातुप्रजापरिवारजाको
जहांरुचैतहांवासकरैंकछुशोचनजनायोहै । बनादासआपुकृपा
काजसारोपूरकैहैधन्यधन्यभरतसकलसुरगायोहै ७ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनामउभयः
प्रबोधकरामायणेविपिनखण्डेद्वादशोऽध्यायः १२ ॥

सवैया ॥ शोचविचारकरैंकरुणाकरतत्क्षणउत्तरदेतनभाये।
सारीसभाउरमाहिंखँभारकहैअबधौंबिधिकाहबनाये ॥ ताहिसम
यमिथिलेशकेदूतउभयरघुनंदनकेढिगआये । दासबनाकैप्रणा
मकहेनृपआवनबेगिवशिष्ठबुलाये ८ ॥ घनाक्षरी ॥ कहेमुनिरा
जनिमिराजकीकुशलकहौंकुशलतौओधराजसंगहीसिधायेहैं ।
नृपतिहवालसुनिओधचरचारिभेजे भरतकोभेदलेनबेगिपुरआ
येहैं ॥ चलेचित्रकूटकोभरतउतदूतगयेसकलप्रसंगमिथिलेश
कोसुनाये हैं । बनादासभरतसराहिबहुभांतिनृपचलेचित्रकूट
दिशिबारनाहिंलायेहैं ९ बिश्वामित्रआश्रमसुकामकियेएकबार
कौशिकसहितबाराणसीपुनिआयेहैं । बहुरिप्रयागबसियमुनाउ

तरिरहेआजुप्रातकालअग्रहमाहिंपठाये हैं ॥ दूतबिदाकियेहाल भूपतिकोमुनिराजआयगेसमीपरामसद्यहीसिधायेहैं । गनेलोग संगयुतभरतलषणप्रभुसुठिशीलसिंधुकोऊजनजानिपाये हैं १०
रामशैलदेखिनृपबाहनकोत्यागकिये मुनिद्विजसंगमाहिंचलेमि थिलेशजू । प्रभुपदप्रेमनेमकियेप्रणपूरोजनसकलसमाजकोनम गकोकलेशजू॥ मत्तअनुरागपगडगमगपरैमहिऐसोकविकौनल हैउपमाविशेशजू । बनादासज्ञानयोगबिरतिविज्ञानबोधसबसे विलक्षणसोजानीप्रीतिदेशजू ११ जहांरामलषणलगनमनत हांलगीमगनअतीवतनछूछपरिगयोहै । सारोमनकारनबिगार नउबारनकोजारनअनेकज्वरअंतठावैंठयोहै॥श्रुतिउपुरानपरमा नअनुमाननिजताहिबिनदुखसुखकहौकाहिभयोहै । बनादासबि नामनदियेकाजकाकोभयेदेखोबशभावरामअग्रआयलयोहै १२
कियेहैंप्रणामरामनृपतिअशीशदिये नमतपरस्परभावआनभयो है । बन्देमुनिमण्डलीबहुरिरघुबंशमणिभरतलषणभूपउरलाय लयोहै ॥ करुणाबिरहकूलभरीप्रेमपाथसरिज्ञानऔविरागधीर तरुढाहिदयोहै । आश्रमपरमपदसिंधुरामालियेजातहरषबिषा दनारजहांतहांजयोहै १३ मिथिलानिवासीऔधबासीएकठौरभ येमिलिभेंटिकरतविलापभांतिभांतिहैं । भयोहैपरस्परानिनको समागमबिनहिंअहारसबरहेतेहिरातिहैं ॥ भोरभयेआयसबजु रेरघुनाथपाससचिवमहाजनसुजनगुरुज्ञातिहैं । बनादासशता नन्दकौशिकवशिष्ठआदिनृपतिबिदेहजासुज्ञानिनमेंख्यातिहैं १४
शोकसरिमगनसकलजनभलीभांति मुनिनविवेकबहुबोहितल गायेजू । श्रुतिऔपुराणशास्त्रनानाइतिहासकहिलोकगतिबि बिधसबहिसमुझायेजू ॥ बोलेरघुबीरगुरुदिशिअतिकालभयो बिनहिंअहारउभययामदिनआयेजू । बनादासरामघाटसबैंअ स्नानकियेकोलऔकिरातबहुमूलफललायेजू १५ जहांतहांटि कीनिमिराजकीसमाजबहुतरुअनूकुलसबकाहुनतकायोहै । का

मताकल्पतरुभयोतेहिकालमाहिं कामधेनुकोटिगुणाकाहकबि
गायोहै ॥ सकलप्रकारमिथिलेशपहुनाईकरैंशीतलसुगंधमन्द
पौनअतिभायोहै । बनादासकन्दमूलफलनानाअंकुरलैसचि
वसयानडेराडेरापहुँचायोहै १६ आयेमुनिरायपहँरामकरुणाय
तनचरणकमलबन्दिबैठेशुचिठौरजू । जोरिकरकञ्जकहेगुरुहिनि
होरिनाथलोगदुखीदेखिबनैएकहूनगोरजू ॥ कन्दमूलफलकोअ
हारकरिपावैंश्रममातुकृशगातमनमानतनओरजू । बनादासआ
यमिथिलेशजूकलेशसहेबनहूमेंथोरथोरबसेसबजोरजू १७ भूप
परधामआपइहांतातेधारीपायँ बहुतढिठाईहोतउचितसोकीजि
ये । रामहिप्रशंसिगुरुकहतबहोरिभयेसबहीकेओरकोनिहोरसु
निलीजिये ॥ जैसेदशदिशामेंदवारिनसँभारिजायआयेह्वैकेबिक
लकछुकतोषदीजिये । बनादासदरशपियासेनतृपतलहेसबउर
माहिंबिनरामकैसेजीजिये १८ जहांआपुतहांओधसबसुखभली
भांतितुमहिंबिहायभौनभावैबिधिबामहै । कन्दमूलफलदेतअमी
तेसरिसस्वादकाननलगतसतगुणओधधामहै ॥ सबहीकेहिय
माहिंसंगबनवासकरीरामहिंबिहायभौनमाहिंकौनकामहै । तांति
दिनाचारिदेखिचरणकोपैहैंसुख बनादासबन्दिगुरुगयेथलराम
है १६ करिफलहारसबकोऊबिसरामपायेजनककेआयेओधलो
गसुखीभयेहैं । रहिदिनचारिऔररामकोदरशह्वैहैमज्जनकरत
पयस्विनीमोदलयेहैं ॥ रामपदअंकितअवनिबनदेखिदेखिस
कलविषादशोकसबहीकेगयेहैं । काननकीशोभासहसाननथकि
तहोतबनादासकौनकविपटतरदयेहैं २० ॥ सवैया ॥ करिकेहरि
व्याघ्रबराहशशाखगहाम्रृगमर्कटबैरबिहाई । रीछबराहघनेबन
जीवचरैंवनमेंनकहूंबिषमाई ॥ बैलगऊमहिषाबहुजातिलगीस
बहीकहँरामरमाई । दासबनायहदेखिदशानसुभावतजैनरदेह
हिंपाई २१ ॥ घनाक्षरी ॥ मुनिमखजपतपसाधनकरतभूरिध्या
नऔसमाधिमाहिंसहजमगनहै । भयेभीतरहितस्वछन्दसब

अङ्गनसेतरुतरशिलनपैंसोहतनगनहै ॥ भयोसुखसिन्धुचित्र
कूटरघुनाथआयेसबहीकिलागीसुठिरामसोंलगनहै । बनादास
मिथिलानिवासीऔधबासीसारे अद्भुतलीलाघूमिदेखतपगनहै
२२ ॥ सवैया ॥ फलमूलऔअंकुरदोननमेंलिहेऔधनिवासि
नकोमुखजोहै । कोलकिरातनकेसुनिबैनमुनीशनकेसहजेमनमो
है ॥ तूप्रियपाहुनआयेबनैनहिंसेवाकेयोगकोऊबिधिकोहै । दास
बनायहलीजैकृपाकरितौहमपावैंअनन्दघनोहै २३ पापपरायण
बासकरैंबनजीवकेघातकआमिषभोगी । पेटभरैंनलहैकटिकोप
टभांतिअनेकरहैंनितशोगी ॥ धर्मकिबुद्धिकिशुद्धिनहींपशुसंगी
सनातनमानसरोगी । दासबनाप्रभुदर्शप्रभावभईमतिउज्ज्वल
याबिधियोगी २४ मानहुँद्वादशमासबसन्तबसैहरिकाननभूलि
नजाई । शोभितवृक्षअनेकनजातिरहेफलिफूलिकैभूमिनेराई ॥
कूजतपक्षीअनेकप्रकारकेदासबनामनलेतचुराई । कोकिलकीर
चकोरपपीहरानाचतमोरमहाछबिछाई २५ हारिलतीतिरसारस
शोरलहैकबिकोनिबिधाउपमाई । मानहुदेवधरेबहुदेहरहेरघुन
न्दनकेयशगाई ॥ भांतिअनेकझरैंझरनागिरिशृंगनतेजलस्वाद
सोहाई । दासबनाबनऔगिरिदेखिकैभूलेनहींगृहकीसुधिआई
२६ जानिनजातकहांनिशिऔदिनरामहिंदेखिबिशेषिसुखारी ।
ईशदिनेशहिनारिनिहोरिकैयाचतुहैंबरकोछपसारी ॥ रामकेसङ्ग
सदाबसियेबनयातेनहींसुखस्वर्गहुभारी । दासबनाकहैपूरुषपे
लिकैहौंरहिहैबिधिअङ्कहिटारी २७ ॥ घनाक्षरी ॥ समयपाय
आयोहैबशिष्ठनिमिराजपासकरिकैप्रणामशुभठौरबयठारेहैं । क
हेनृपमरणकलुककैकेयीकथादेशकालसमयसमबचनउचारेहैं ॥
महाराजकरीसोईजातेरामऔधचलैं श्रुतिऔपुराणनेतिबिदआ
पुसारेहैं । बनादासबारबारमनमेंमहीपगुणैंबनोनबिचारइहांका
हेपगधारेहैं २८ रामसत्यसिन्धुपितुभक्तश्रुतिसेतुपालस्वबशस
नातनपुराणश्रुतिगायेहैं । तिहूँकालचहूँयुगचहूँवेदबिधिमिलै

रामकीरजायशीशसबकेसुभायेहैं ॥ उतपतिपालनप्रलयथिति
शम्भुविधिपानीपौनपावकनसकतचलायेहैं । बनादासदिग्पा
ललोकपालयमकालमरणजनमसारोजालजानिपायेहैं २९ भ
गतिअनन्यबशरामतीनिकालमाहिं भरतसोसींवाआपुदेखिये
बिचारिजू । रामकीरजायभूलिभरतनपेलैयोगसकलप्रकारमन
हीमेंरहेहारिजू ॥ सत्यप्रीतिपालिकैमहीपपरधामगयेआयेइहां
बनोनाहिंरहेनसँभारिजू । बनादासघूमबबड़ाईलैकेभलेभवनब
नतेंपठायबनसकैकौनटारिजू ३० रामकहनृतिसबनृपहिसुनाये
मुनिजनकसमेतपासभरतसिधायेहैं । आयकैप्रणामकियेप्रीति
युतभाईदोयसमैसमआसनदैसबैबैठायेहैं ॥ भरतसमीपआई
अवधसमाजसारीयथायोगसबकोऊमाथपदनायेहैं । बैठेनिज
निजठावँबनादासभारीभीरभरतनिहोरिनृपबचनसुनायेहैं ३१॥
सवैया ॥ चाहैंसबैकोउरामचलैंघरतातउपायकहौसोबिचारी ।
शीलसकोचसेभीररहेसहिभाईप्रजागुरुहैंमहतारी ॥ शूरसचि
वसबहीकरसम्मतहैतुमसेनकोऊअधिकारी । केवलभक्तिअधी
नसनातनवेदपुराणसबैनिरवारी ३२ धीरसँभारिभरत्तकहेसब
अंगसेबातबिरञ्चिबिगारी । बिश्वबिरोधीकियेबिधिनीकेसेकेकै
भईजेहिकीमहतारी ॥ जानकीलक्ष्मणरामबसैंबनत्राणबिनानि
तहीबनचारी । दासबनापरधामगयेनृपसारोअनर्थकोमैंअधि
कारी ३३ ॥ घनाक्षरी ॥ ज्ञानअम्बुनिधितापैबूझतउपायआपु
पितुकेसहशनिजहृदयबिचारीहैं । तीनिकालगतिजाहिआमल
कसमकरकरवरअमितसदहिजिनटारीहैं ॥ बनादासभानुकुल
रक्षाकेकरनहारतेऊशिरभारधरैंबातअनिआरीहैं । मेरोईअभा
गयहसकंलकहावतहैबिधिबिपरीतिकोईसकतनटारीहैं ३४ बि
द्यमानराममातुगुरुमिथिलेशजहांकौशिकादि बामदेवऋषयअ
नेकहैं । तहांमोसेकिंकरकीबातकोपोसायसकैदीजियेरजाययोग्य
मोहिंकरबेकहैं॥ आपुसेसमर्थअर्थसारोकरतलजासुसकैकोचला

यकरिठानीजौंनिटेकहै।बनादाससारीसभादेखैमुखबारबारकहैंहि यमाहिंधन्यबुद्धिऔबिवेकहै ३५ मुनिमिथिलेशजासुसामनेनमि तचितऔरकीहवालकौनभरतसेभाईको।जनकनरेशसबअंगस नमानिकहेभायपभगतितातऐसीकहांपाईको॥ बिरतिबिज्ञानज्ञा नकरमकुशलनेतिरामअनुरागतुवमतिनसमाईको।बनादासशा रदादिशेषहूसहमिजातप्रीतिसिंधुमाहिंथाहसकतनपाईको३६॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रैतापविभंजनोनामउभयप्र बोधकरामायणेबिपिनखण्डेत्रयोदशोऽध्यायः १३॥

सवैया॥ सारीसभाउठिसद्यचलीरघुबीरसमीपसबैकोउआ ये। दण्डप्रणामयथाबिधिसर्वसमयसमआसनकोतबपाये॥या ज्ञबल्कमुनिऔसुतगाधिशतानँदआदिमुनीशनिकाये। दासब नामातिशोकसनीउरमाहिंबिचारकरैंसतिभाये ३७ मानौंसमा धिरहेसबसाधिनहींचितकीथितिपावतकोई। बोलेतबैरघुनाथ कृपालुअनौसरमेंरबिअस्तजोहोई॥ कौनकलेशलहैतेहिकालते हीविधिभोउत्पातबड़ोई। दासबनामिथिलाधिपऔगुरुरक्षकभे कछुबातनगोई ३८॥ घनाक्षरी॥ जहांगुरुमिथिलेशबामदेव शतानन्दकौशिकादिऋषियाज्ञबल्किमुनीशहैं। तहांमोहिंआ ज्ञायोग्यसमुझिरजायदीजेसकलप्रकारकरैंसोईधरिशीशहैं॥क हेप्रभुपीछेजाहिंजैसनहुकुमहोय करैंसबकोयउरराखिबिश्वाबीस है। बनादासनिजअधिकारछोड़िकरैजोईलोकहूविदितवेदकोन भयोखीसहै ३९॥ छप्पै॥ याज्ञबल्क्यमुनिकहेनृपतिबनतुम्हैं नदीन्हा। दिनाचारिकेहेतसूतकोसंगेकीन्हा॥ करिगंगाअस्नान बहुरिकाननहिदेखाई। जनककुमारीसहितफेरिअनेहुदोउभाई॥ यहीबातजगबिदितहैआयचित्रकूटहुबसे। कहबनादाससबको उलखतकछुतपहूमेंतनकसे ४० कृपणकामबशक्रोधहोयअय शीअतिबूढ़ा। अघीअलायकरंकमोहबशहोवैमूढ़ा॥ नीचप्रसं गीहोयचहैकछकारयसाधा। इनकाकहानकरैनहींश्रुतिबिधिमें

बाधा ॥ आपुअवधचलियेअवशिकाहूबिधिनहिंदोषहै । कहब
नादाससुनिमुनिवचनप्रभुउरआयोरोषहे ४१ नास्तीकसेबचन
कहतकैसेमुनिराया । जैसोपिताहमारकौनतिहुंपुरमेंजाया ॥ स
त्यलियेमोहिंत्यागिप्राणतजिप्रेमनिवाहे । जोदीन्हेबननाहिंदेह
छोंड़ेपुनिकाहे ॥ निजतनखालखिंचायकैकरौंजनकपदपानही ।
कहबनादासदशरत्थसेतदपिउऋणनाहींसही ४२ मेटेमुनि की
सकुचगुरूरामाहिंसमुझाये । नास्तीकपैनाहिंआपुकीप्रीतिकहा
ये ॥ तबकौशिकइमिकहेरामजोकरहुबिचारा । सोईकरनायोग्य
नेकलाईनहिंबारा ॥ बामदेवसोईबदेशतानन्दआदिकसबै । कह
बनादासउरसमुझिकैमुनिवशिष्ठबोलेतबै ४३ भरतनिरूपमपुरु
षरामतवकुलशिवसाखी।मेरीमतिबशअवशिअनुजउरकीरुचि
राखी॥तबहिंकहेमिथिलेशबातमोरेहुमनमानी।देखिगुरूअनुरा
गकहेतबशारँगपानी ॥ धन्यभरतकीभाग्यहैमुनिमिथिलेशाप्रस
न्नअति । कहबनादासजोकछुकहैंसोईकरौंममबचनसति ४४ ल
खिनिजशिरछरभारभरतकहयुगकरजोरी । केकैसुतविधिबाम
कालकर्मौदिशिखोरी ॥ नाहींधर्मबिचारज्ञानकोनेकहुलेशा । सं
हेअमितउत्पातचरणप्रभुहरेउकलेशा ॥ प्रेमसलिलपालनकि
येबारेहितेरघुवंशमणि । नहिंविरंचिसोसहिसक्योबिलगकियेफ
णिमनहुंमणि ४५ भैब्याकुलसबांगशरणरघुबीरतकाये । निज
दिशिदेखेनाथसकलदुखदोषदबाये ॥ गुरुगोसांइअनुकूलअ
तिहिमिथिलेशकृपाला । प्रणतपालप्रणत्यागिमोरप्रणसुठिप्र
तिपाला ॥ दूषणसबभूषणभयेमिटापापपरितापउर । कहबना
दासभावतहृदयकहतसभासतिभावफुर ४६ ॥ सवैया ॥ आजु
कहैमनबारहिंबारलहेसुखहौंअभिषेकभयेको । हानिगलानिकुत
र्कगयोसबमोदभयोबनसंगगयेको ॥ शोचसकोचभयेसबदूरि
रह्योमनमाहिंनकारणएको । दासबनाअनुकूलकृपालुतहांफिरि
दुःखकोबीजबयेको ४७ मोहिंयहीमतभावतनीकप्रसन्नरहैंजेहि

तेरघुराई।शीलसकोचबिहायकरैंसोइदासबनासबकोसुखदाई॥
मोहिंरजायजोदेहिंदयाकरिसोईकरौंउरमोदबढ़ाई।धन्यभरत्तक
हैंसुरसर्बअमातनहर्षबजावबधाई ४८ सेवकधर्मअतीवकठोर
चहैंसबओरतेजोकुशलाई।तौंजोगवैमनस्वामिसदानिशिबासर
हीफलचारिबिहाई॥ साहेबकेसुखतेसुखियासुखदुःखकोभानभ
लेबिसराई । दासबनअपमानऔमानबिरोधिबिलोकेतेजानुस
दाई४९जोसुखस्वारथसेवकदेखिहैतौंसेवकाईकोस्वादनपैहै।स्वा
मीसकोचसह्योजबहीजगमेंमुखकौनप्रकारदेखैहै॥ दासबनास
बभांतिगयोसेवकाईकेधर्ममेंदागलगैहै। लोकनहींपरलोकतहां
सबचाहतजेसहजेबनिजैहै ५० सारीसभामतिबश्यभरत्तकेराम
हियेअतिआनँदभारी। देवप्रसंशतभांतिअनेकजरैसबअंगभ
लेमहतारी॥ मांगतमीचविरंचितेनित्यबनैनकळूसबअंगबिगा
री।दासबनासुठिहानिगलानिमिलैउपमानमरैबिनमारी ५१॥
छप्पै॥भरतबुलायेरामअवशिनिकटहिबैठारे।दैआदरसबभांति
कृपानिधिबचनउचारे॥ नरपतिराखेसत्यभयोमोकहँबनबासा।
प्रजामातुपरिवारभयोसबजगतउदासा॥ प्रेमपैजकरितनतजे
मानहुँतृणकसमानहै। कहबनादासताकोबचनकीन्हचहीपरमा
नहै ५२ पालीमिलिसबकोयबनैजातेसबअंगा। कीरतिअति
हिपुनीतहोयजनुपावनिगंगा॥ तातमातुपरिवारप्रजाकरपालन
करहू।द्विजजननीगुरुदेवसदाआयसुअनुसरहू॥ एकैसाधन
सिद्धिसबममतपूरापरै। कहबनादासघरहूबनहुगुरुकरुणा
रक्षाकरै ५३ मुनिमिथिलेशहुभीरतुमहिंदुखलेशनभाई। अति
असमयकेसमयबंधुसुठिकरहुसहाई॥ यहैअवधिभरिकठिनहेत
सबजानौनीके। सुठिकोमलशिरकुलिशधरौअजमंजसजीके॥
मोहिंसबभांतिभरोसहैबिपतिबांटियेतातअब। कहबनादासतुम
सेतुहीमैंजानतहौंभांतिसब ५४ सभाअवशिकरिब्रहदकरतलघु
बंधुबड़ाई। रघुपतिपरमकृतज्ञकहांउपमाकबिपाई॥ जनुगुण

अल्पसुमेरुमानिकैकृपाबढ़ावत । औगुणउदधिसमानजानिता
कोबिसरावत ॥ साहेबशीलनिधानसुठिजेभूलेनरदेहधरि । कह
बनादासअतिमंदमतिबारबारबहुनरकपरि ५५ भरतहंसजग
जनमिकीन्हगुणदोषबिभागा । पुनिपुनिकहतकृपालुभरेउरअ
तिअनुरागा ॥ सकलधर्मकेधुराभक्तिरससागरपूरे । लहैनशार
दथाहशेशआदिकमतिरूरे ॥ तातजक्तआधारतुमतिहूंकालसं
शयनही । कहबनादासकरुणायतनजानतमैंनीकेसही ५६ भर
तसकुचिशिरनायजोरिबोलेयुगपानी । प्रभुरजायसोशीशभागि
भलिआपनिमानी ॥ आनेउतीरथतोयतासुहितकाहरजाई। पद
अंकितबनभूमिदरशइच्छाअधिकाई ॥ अत्रिरजायसुराखिशिर
काननअटनसोतातभल । जहँआज्ञामुनिबरकरहिंतहांराखिये
तीर्थजल ५७ चरणबन्दिरघुबीरभरतआश्रमहिंसिधाई । निज
निजथलसबगयेकरतदोउबंधुबड़ाई ॥ बहुरिसेवकनबोलितीर्थ
जलसकलचलाये । आपुअत्रिमुनिसाथबिनहिंपगत्राणसिधा
ये ॥ कहुंमज्जनपरणामकहुंकहूंकरतअसनानहैं । कहबनादास
लघुबंधुयुतभेजनुमोदनिधानहैं ५८ ॥ सवैया ॥ पदअंकितभूमि
कृपानिधिकीलखिचरणकोचिह्नमहासुखपावैं ।बारहिबारप्रणाम
करैंरजलैदृगदोयमेंअंजनलावैं ॥ तीरथदेवलदेखिजहांतहँबूझ
तहैंमुनिराजबतावैं।दासबनाश्रद्धासुठिप्रीतिसेबंधुदोऊतहँमस्त
कनावैं ५९ ॥ छप्पै ॥ कहैंनामयुतमहतअत्रिमुनिअमितप्रका
रा । महिमातीरथअतुलकवनकबिकहिलहपारा ॥ चित्रकूटकी
कलावेदकहिपारनपाये । अवधत्यागिजहँलषणसियारघुनन्दन
छाये ॥ जायधरेगिरिनिकटजलतीरथतातअनादियह । कहब
नादाससोलोपभोभरतकूपपुनिनामकह ६० आयतीसरेपहरच
रणरघुनन्दनबन्दे । भाषेसकलप्रसंगसुनतप्रभुअवशिअनन्दे॥
प्रातकालउठिभरतसंगगवनेदोउभाई । लियेगनेजनसंगबिपि
नबिचरतसुखदाई ॥ देखिशैलमहिसुभगसुठिउपजतउरअनु

रागहै। कहबनादासगतिभरतलखिमुनिनसराहैभागहै ६१ पं
चदिवसभेभरतअवशिगिरिकाननचारी । जानाअवसरआय
अवधकीचहीतयारी ॥ आयकियेपरणामरामपददूनौंभाई । मु
निमिथिलाधिपआदिजुरीतवबृहदअथाई ॥ गुरुमिथिलेशहि
बंदिप्रभुकीन्हेऋषिनप्रणामहै। कहबनादासशुभदिनघरीआजु
शीलनिधिरामहै ६२ करिकैनीचेनैनभूमिप्रभुपेखनलागे । दे
खिलोगसबदशाहृदयनिजनिजअनुरागे ॥ अवलोकेरुखरामभ
रतसेवकसनकारे । करहुतयारीसकलनेकलावहुजनिबारे ॥
सजलनयनकरजोरिकैरघुपतिदिशिबिनतीकिये । दीजेकछुअव
लम्बअबसेयअवधिभरिजेहिजिये ६३ चरणपांवरीतबैरामकरु
णाकरदीन्हे। राजनीतिकुलधर्मउचितउपदेशहिकीन्हे ॥ प्रजा
दुखीजेहिराजचढ़ैपातकशिरभारी । नीतिनपालैनृपतिनिरैहोवै
अधिकारी ॥ दलबलराखैमंत्रबलमुख्यधर्मबलजानिये। कहब
नादासमृगयाबिषेअतिआशक्तिनआनिये ६४ ॥ सवैया ॥ शं
त्रुहिदावदेखायेसदापुनिसाधुगऊद्विजकोसुठिमानै । मातुपिता
गुरुदेवकिभक्तिऔइन्द्रिनजीतिसदातपठानै ॥ दानकृपानमेंशू
रसनातनदासबनापरनारिनजानै । वृद्धकीसेवाऔयज्ञयथावि
धितौसबधार्मिकभूपबखानै ६५ ॥ छप्पै ॥ हयहाथीहथियार
कुशलसबबातमेंहोवै। विद्याचौदहकुशलवेदविदबहुतनसोवै ॥
बचनसत्यसबकालसदादीननपरदाया । मुख्यमनोरथगूढ़ईश
कीभक्तिअमाया ॥ सदासुखीयहिजगरहैजीतैबैरीबामको । कह
बनादाससुठिबिशदयशअंतजायसुरधामको ६६ सामदामअ
रुदण्डविभेदौजानैनीकोचालसात्विकीरहैभावतीसबदिनजीको॥
मुखियामुखसेचहीअंगसबपालनहारा । खानपानकोएकफेरन
हिंपरैबिचारा ॥ होयभूपविगरैधरमवाकोनहिंनिस्तारहै । कह
बनादासरघुवंशमणिभाषेबारहिबारहै ६७ भरतसमीपबुलाय
मिलेसुठिअंगलगाई। परमप्रेमदोउभायकहांउपमाकबिपाई ॥

बिदाकीन्हसमुझायमिलेरिपुदवनबहोरी । भेंटेलक्ष्मणभरतऋं
गऋंगनतेजोरी ॥ राखेशिरप्रभुपांवरीमनहुँपाहरूप्रानके । कह
बनादासगवनेभरतलैसबधर्मनिशानके ६८ बन्देसीताचरणभ
रतदोउबंधुबहोरी । पायेसुभगअशीशहृदयआनन्दलहोरी ॥ चि
त्रकूटकेमुनिनभरतपुनिकीन्हप्रणामा । सबसेलहेअशीशभयेसु
ठिपूरणकामा ॥ दीन्हेलोगचलायसबआपुरहेसुठिमातहित ।
कहबनादासशिविकासकलंसा जेबहुविधिलायचित ६६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रैतापविभंजनोनामचतुर्दशमोऽध्यायः १४ ॥

सवैया ॥ सासुनजायमिलीतबहींसियभांतिअनेकतेआशि
षपाई । धायमिलीजननीलपटायबिदेहकेपांयनपैशिरनाई ॥ दीन
भलेउपदेशअशीशकियेसबअंगअतीवबड़ाई । पुत्रीपवित्रकिये
कुलदोयसदातवकीरतिधौलसोहाई ७० जायमिलेरघुनन्दनमात
नबंधुसमेतलियेउरलाई । देशुभआशिषकीन्हबिदागुरुदेवकेपां
यनपैशिरनाई ॥ भेंटेलगायहियेमुनिरायभलीविधिसेशुभआशि
षपाई । दासबनामुनिमण्डलीबन्दिबहोरिबिदेहमिलेदोउभाई
७१ सासुहिकीन्हप्रणामकृपालुअशीशलहेनिजआश्रमआये ।
मातनयानचढ़ायसबैबनदेवीऔदेवनशीशनवाये ॥ गौनकिये
दोउबंधुभरत्तनिषादतबैप्रभुपाससिधाये । दासबनापदबंदनकै
चलोसंगभरत्तकेसोमनलाये ७२ ॥ छप्पै ॥ याज्ञवल्क्यसुतगा
धिबामदेवादिकसारे । मुनिबशिष्ठमिथिलेशतबैअवधहिपग
धारे ॥ चलेजातसबमष्टकहतकछुकाहुनकोई । प्रभुगुणशील
स्वभावसुरतिपलहीपलहोई ॥ समाधिस्थचितमत्तमतिविरह
भरेअनुरागहैं । कहबनादासशारदौनहिंसोकरिसकैविभागहैं ७३
मगबीचैकरिबासआयकेवटकेधामा । रामसखासबभांतिदियेस
बकहँबिश्रामा ॥ बहुरिचलेउठिप्रातसईतटकीन्हेवासा । चौथे
दिनभोआयगोमतीतीरनिवासा ॥ दिनपँचयेंआयेअवधबास

कियेमिथिलानृपति। कहबनादासआयेजनकपुरजनभेसबसुखी अति ७४ करिकैसारसँभारगयेबीतेदिनचारी। अवधअन्नजल केररहेनितअनअधिकारी॥ भरतआयकरजोरिचरणगुरुबन्द नकीन्हा। आयसुहोयसनेमरहौमुनिआज्ञादीन्हा॥ जोतुमकछु करिहौसहजसोईहैजगलीकजू। कहबनादासतेहिमगचलतस बविधिसबकहनीकजू ७५ प्रथमद्विजनकोबोलिविविधविधि बिनयसुनाये। जोमोहिंआज्ञायोग्यतवनभाषबसतिभाये॥ से नपसचिवसुमन्तप्रजापरिजनहिंबुलावा। सबकोकरिपरितोषभ रतसुखबासबसावा॥ जननीगुरुसेवासकलसोसौंपेरिपुसूदन हिं। कहबनादाससम्मतकियेरामसङ्गमानौबनहिं ७६ राममातु पहँआयजोरिकरआज्ञालीन्हा। नन्दिग्रामप्रणकुटीशोधिमहि आसनकीन्हा॥सिंहासनपादुकाकरैंताकीनितपूजा। रामनामअ स्मरणपरणराखेनहिंदूजा॥ लैरजायकारजकरतडरतमनहुँरघु बीरडर। शमदमनेमअखण्डव्रतकोमहिमाकहभरतकर ७७ मु नितापसलखिलजितगुरुहिसङ्कोचजनावत। अतिदुष्करतप करतनाहिंउपमाकबिपावत॥ पुलकगातदृगनीरश्वासप्रतिनाम उचारत। हृदयकञ्जसियरामरूपपलक्षणहिंनिहारत॥ दशरथ धनलखिधनदलघुसुरसुरेन्द्रइच्छाकरत। कहबनादासतातेबि रतिसुठिमुनिव्रतकोआचरत ७८ ज्योंचम्पकबनभृङ्गपावपाथो जपातजनु। चकचकईनिशिसमयताहिबिधित्यागभरतमनु॥ जन्मसुरजज्योंभोगवृद्धतरुणीनहिंपेखत। अवधराजसुखसकल तथाभूलेनाहिंदेखत॥ विधिहरिहरइन्द्रादिपदरागनआवतजासु मन। कहबनादासतिहुँपुरबिषेरामैकेवलप्राणधन ७९॥सवैया॥ जोजगजन्मनहोतभरत्तकोकोअनुरागगलीलखिपावत। दीनम लीनदुखीजगजीवनकोनबिरागकेपंथचढ़ावत॥ ईश्वरजीवको भावयथाविधिदासबनाफिरिकौनबतावत। ऐंड़अनोखीद्वितीय नदीसततातेनितैहमरेहियभावत ८०॥ छप्पै॥ चहैरामपदप्री

तिभरतकोभावबिचारैं । मनबचक्रमउरधरैंतरैंऔरनकोतारैं ॥
जाकीरहसिअनूपसदाद्युतिचन्द्रसमाना । कबहूँघटननयोगबढ़
तदिनदिनजगजाना ॥ रामस्वबशजिनबशकियेकीरतिकलितक
लङ्कबिन । कहबनादासजेहिजगभजततजतनहींतेएकछिन ८१
मन्दरजासुबिवेकबुद्धिरजुमथेवेदनिधि । भक्तिअमीलियेकाढ़िब
दैंजेहिसन्तपरमबिधि ॥ सर्बअङ्गतेहीनदीनजेरामदुआरे । अ
तिअपङ्गआलसीजगतसेभयेखुवारे ॥ ऐसेनपैंकरिअतिकृपानि
जदिशिप्यायेलायचित । कहबनादासातिहुँकालमेंभरतसदृशदे
खेनहित ८२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रैतापबिभंजनोनामपंचदशमोऽध्यायः १५ ॥

छप्पै ॥ चित्रकूटबसिरामकियेनानाबिधिलीला । सोसुखजा
ननहारमहामुनिवरदमशीला ॥ एकबारचुनिकुसुमबसनसीत
हिपहिराये । फटिकशिलाआसीनप्रीतिप्रभुसियलखिपाये ॥
सुरपतिसुतह्वैकाकशठकियकठोरकरतूतिअति । कहबनादासह
रिबलउदधिथाहलीनचहमन्दमति ८३ सीतापदपाथोजचोंच
हतिबहुरिउड़ाना । चलीरुधिरकीधाररामकरुणानिधिजाना ॥
सींकशरासनबाणबनैंरघुबीरपवाँरे । उड़ोअमितभयखायतीरते
हिसङ्गसिधारे ॥ लोकलोकभागतफिरैंपीछातजैननाथशर । कह
बनादासब्रह्मादिशिवअवलोकेनहिंरामडर ८४ फिरतफिरतबहु
लोकअमितश्रमआयोवोही । पितुसमीपतबगयोनराख्योरघुप
तिद्रोही ॥ पुनिभाग्योभयखायमिल्योनारदमगमाहीं । देखेअति
शयबिकलदयाआईउरमाहीं ॥ तबमुनीशकहताहिसनअवशिहो
यगोतुवमरण । दूरिहितेउपदेशकरितबपठयोरघुबरशरण ८५
त्राहित्राहिप्रभुशरणपस्योकहिव्याकुलभारी । पाहिपाहिपदकञ्ज
बिरदप्रणतारतहारी ॥ दियेआंखियकफोरिप्राणराखेभगवाना ।
अवशिउचितबधतासुरामसुठिदयानिधाना ॥ निजकरणीफलपा

यकैसुरपतिसुतधामहिगयो। कहबनादासरहिकछुकदिनरामग
वनकरतेभयो ८६ ॥ सवैया॥ जानकिबन्धुसमेतकृपानिधितो
मुनि अत्रिनिकेतहिआये। आगेसेआयलियेऋषिरामाहिंकीन
प्रणामसोकएठलगाये॥ दैशुभआशिषलायकैभौनहिंआसनदि
व्यदियेअतिभाये। भेंटीसियाअनसूयहिबेगिभलेमनभावतआ
शिषपाये ८७॥ छप्पै॥ सकलधर्मपतिदेवतियहिचहुँयुगतिहुँ
काला। मनबचकर्मनऔरलोकवेदौप्रतिपाला॥ अवशिसुगमसु
ठिकठिनसरिसखांड़ेकीधारा। जोभामिनिभैपारनाहिंभूलेसंसारा॥
उत्तममध्यमनीचलघुचहूँभांतिपरमानहै। कहबनादाससीतासु
नहुँरामतुमहिंप्रियप्रानहैं ८८ नहिंजगभयोनअहैनहींअबहोने
हारा। मैंमेरापतिएकब्रहदकोयहीबिचारा॥ पितापुत्रसमअनुज
तीनितेचारिनदृष्टी। सोमध्यमत्रियकहीभांतियहिदेखैसृष्टी॥ स
मयपायमनहलैचलैभरिजन्मनतनते। पतिहिसेयभैपारताहिल
घुकरिकिबिगनते॥ भैबशबिनऔसरबचैसोनिकृष्टतियमानिये।
कहबनादासपतिब्रताबड़िप्रथमरेखतवजानिये८९॥सवैया॥जो
ब्यभिचारिणितीयअहैतिनकोजगजन्ममृषाबिधिदीन्हा। कायक
बाचकऔमनसेअपनोपतिसेयनहींबशकीन्हा॥ कोटिनजन्मको
खोयदियेभरतारभजेपरपापतेपीना। दासबनामुखदेखनयोगन
निंदितलोकतिहूँमतिहीना ९०॥छप्पै॥अनसुइयाचुनिबसनसुभ
गसीतहिपहिराये। नमितपरस्परउभयकहांकबिपटतरपाये॥ मु
निवरउरअतिप्रीतिबिबिधफलहारकरावा। बन्धुसियायुतरामतु
ष्टऋषिसुठिसुखपावा॥ करिनिवासरघुबंशमणिविदामांगिकीन्हे
गवन। कहबनादासअनुरागमुनिपटतरकबिपावैकवन ९१॥ सवै
या॥अग्रचलेरघुबीरबनेकटितूणकसेमुनिकोपटभाये। शीशजटा
पदकञ्जसेकोमलमध्यमेंसीयमहाछबिछाये॥ पीछेसेलक्ष्मणलाल
चलेकबिहेरिनहींउपमाकहुँपाये। दासबनारतिऔमधुमारचले
बनज्योंऋषिवेषबनाये ९२॥ छप्पै॥ असुरबिराधनिपातिमिले

मगमुनिशरभंगा । देखिरामसियलषणभयोउरअमितउमंगा ॥ रघुपतिकीन्हप्रणामधायमुनिहृदयलगाये । लह्योगईमणिफणि करङ्कपारसजनुपाये ॥ गयोकालबहुलखतमगदेखिप्रभुहिकृत कृत्यअब । कहबनादासअनुरागसुठिअससंयोगप्रभुमिलिहिक ब ९३ कीजेक्षणकबिलम्बदीनजनकारजहेता । मिल्योत्यागित नतुमहिंनमितनितऊरधरेता ॥ आनिकाठरचिचिताबैठितापर मुनिधीरा । लषणजानकीसंहितखड़ेआगेरघुबीरा ॥ योगअगि नितबप्रगटकरिदेहदहेशरभङ्गहे । कहबनादासभागीपरमकीर तिपावनिगङ्गहे ९४ ऋषिनिकायगतिदेखिकहतमुनिवरबड़भा गा । अस्थिअमितअवलोकिकहेप्रभुयुतअनुरागा ॥ याकोकार णकहौसमयलखिसबकोउगाये । नाथनिशाचरनिकरअमितमु निधरिधरिखाये ॥ सजलनयनरघुबंशमणिअवनिरहितराक्षस करौं । कहबनादासप्रणअवशिकरितौनधनुषशरकरधरौं ९५ सकलमुनिनआश्रमनजायउरमोदबढ़ाये । अभयभयेऋषिअ मितकरहिंजपतपमनलाये ॥ रामभरोसोजाहिताहिकोचितवन हारा । चक्रसुदर्शनअहैतासुहितनितरखवारा ॥ बूझनकीमर जीनहींतुरितकामअपनोकरै । कहबनादासगतिअवरनहिंजोते हिबलधीरजधरै ९६ ॥ सवैया ॥ नामसुतीक्षणशिष्यअगस्त्य कोरामबिलक्षणसोअनुरागी । कायकमानसबैनहुतेगतिऔरन हींअतिहीबड़भागी ॥ जानेकृपालुकियेबनगौनसमयतेहिप्रीति हियेसुठिजागी । दासबनाकरैकोटिबिचाररह्योअस्नेहनिरन्तरपा गी ९७ साधनहीनमलीनऔदीनकृपाकरिहैंकिमिरामकृपाला । योगनयज्ञनहींव्रतनेमनप्रेमकोलेशपरेजगजाला ॥ शीलकोसा गररामउजागरहैंइतनोअवलम्बबिशाला । दासबनाजनदोषन देखतसोनितहीअपनोप्रणपाला ९८ ॥ घनाक्षरी ॥ रुदतहँस तकहींनृत्यतकरतगानगदगदगिरापुनिपुलकशरीरहै । कहींच लैंआगेकहींपीछेकोबहुरिजांतकहींचुपरहैंबहैनैननसोंनीरहै ॥ म

नबुद्धिबचनसेदशापरेपेखिपरैमगमेंअचलअतिबैठोमतिधीरहै।
बनादासप्रीतिरीतिगाहकनरामसमजानकी लषणयुतआयेरघुबी
रहै ९९ अक्षअरबिन्दभ्रुवबङ्कश्रुतिकुण्डलहै शीशपैमुकुटकाकप
क्षमनहरे हैं।तिलकबिशालभालउभयरेखतड़ितसीमानहुँअचल
रहीमुक्तमालगरेहैं ॥ अरुणअधरद्विजचन्दमुखमन्दहासनासि
काअनूपछबिकीरतुण्डतरे हैं। बनादासहरिकन्धकम्बुग्रीवशोभा
सींवद्युतिमर्कतश्यामवारिधरपरेहैं १०० उरभुजबृहदकेयूरकरकं
कणहैमुद्रिकाकरजकरकञ्जछबिछाईहै । पीतयज्ञहेमबर्णभृगुच
र्णरमारेखत्रिवलीउदरमाहिंसुठिमनभाईहै ॥ धनुबाणतूणकटि
पटपीतशोभासींवजामालाललसैकबिउपमानपाई है। बनादास
कोरहैकलितचितचोरजनुमोरमनमोहतनबरणिसिराई है १ उभ
यजानुपीनकामतूणहूकोनिन्दैजनु लसतरोमावलिसोअतिमन
मोहेजू । कञ्जपांयकलितललितनखकान्तिसुठितिहुँपुरविदित
सोनितिमातिपोहेजू ॥ बनादासजलमीनकेसमानरहैसदाजैसेभृ
ङ्गकञ्जकोनक्षणकबिछोहेजू । बामभागजानकीजगतमातुशोभा
सींबनिकटतमालबल्लीकनककेसोहेजू २ अंगअंगपैअनंगरति
कोटिभंगहोतशेषशारदादिसबैपैरिपैरिथाकेहैं। शोभासिन्धु उभ
यरूपकबिकोसराहिसकैहियकञ्जमुनिअवलोकिछबिछाकेहैं ॥ ब
नादासरामगहिबाहँकोबुलावतभेऋषिवेषजानिकैनचाहतसोता
केहैं। करिचतुराईभुजचारिरघुराईभयेखोलिदियेनैनतबपेखेबी
रबांकेहैं ३ पय्योमुनिचरणउठायउरलायेराममर्कतकनकबिटप
जनुभेंटेहैं।तृपतनमानतक्षुधितज्योंसुनाजपायेबनादासप्यासअ
भिअन्तरकिमेटेहैं ॥ आननजलजरघुबीरअक्षभृंगभयोबासना
बिहीनशुचिसूरतिसमेटे हैं । पुलकशरीरनैननीरगदगदकण्ठ
बोलतबचनजनुसुधासोंलपेटे हैं ४ ॥ छप्पै ॥ बन्दिजानकीलष
णकरतअस्तुतिकरजोरे । जैजैरामकृपालुअंगसबहितसुठिमो
रे॥ जैजैदीनदयालुपालश्रुतिसेतुसनातन ।जेहिध्यावतयोगीश

जारिबुधिचित्तअहंमन॥मानसहंसभुशुण्डिशम्भुउरपंकजभृंगा।
जयतिजानकीयुक्तरूपरतिकोटिअनंगा॥जैसानुजरघुकुलकमल
पोषणभवभञ्जनकुशल । कहबनादासजैकृपानिधिचरणकमल
तेमोरभल ५ जैदशरथसुतसुखदकरतशुभचरितअनूपा । कौ
शल्याउरमोदबिबर्द्धनबालकरूपा ॥ पुरजनप्रजाअनन्दहेतसुर
बिटपसमाना । गाधिसुवनदुखदवनखलनघालकबलवाना ॥
जयतिउधारणमुनिबधूजनकनगरमङ्गलकरण । कहबनादासज
नअभयप्रदभद्रसकलअशरणशरण ६ जैमहेशकोदण्डखण्ड
नृपमानबिभञ्जन । भृगुपतिगंजिगुमानसकलसज्जनमनरञ्ज
न॥सीयबिबर्द्धनमोदबिजयतिहुँपुरयशपावन । सकलशोकसं
तापपापपरिपंचनशावन ॥ राजितमाड़वकनकतरबामभागश्री
जानकी। कहबनादासकोनहिंकरैलखिनेवछावरिप्रानकी ७ ब्या
हिबन्धुयुतगवनअवधपुरआनँदभारी । गुरुपितुप्रजाप्रमोदअ
मितहर्षितमहतारी ॥ काननगवनबहोरिदेवमुनिबिपतिबिदार
न। खलघालकजनुकालअवनिसुठिभारउतारन॥ शूर्पणखाकु
रूपकृतखरदूषणत्रिशिराकदन । कहबनादासबधिबालिपुनिसु
ठिसुकण्ठआनँदसदन ८ लङ्कअमितउत्पातपवनसुतसियसुधि
लायो। शरणागतरिपुबन्धुतुरतनृपपदवीपायो ॥ सेतुबांधिशि
वथापिघेरिलिङ्कागढ़वङ्का । कुम्भकरणघननादघालिरावणनि
श्शङ्का॥ बर्षिसुमनसुरहर्षयुतब्रह्मादिकअस्तुतिभनैं। कहबना
दासरघुबंशमणिगुणगणकोऐसागनैं ६ कैबिमानआरूढ़लषण
सियसखनसमेता। बहुरिअवधकृतगवननमतपदऊरधरेता ॥
भालभ्राजअभिषेकदेवमुनिजैजैबानी।रघुनन्दननरनाहकोशला
पुररजधानी ॥ यहचरित्रकेहैबिशदमनभावतपैहैंसबै । कहब
नादासभावतमनैममरुचिसोदीजैअबै १० ॥ सवैया ॥ तूमम
प्रानसमानकहेप्रभुमांगहुजोमनभावतनीका । बन्धुसियायुतबा
सकरौहियराजसीसाजसोभावतजीका ॥ दैबरअंगलगायमुनीश

हिगौनकियेरबिकेकुलटीका। दासबनागुरुदर्शनहेतसुतीक्षणस ङ्गचलोमनबीका ११ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रैतापविभंजनोनामषोड़शोऽध्यायः १६ ॥

सवैया॥ जायकहेप्रथमैगुरुतेसुमिरौनिशिबासरजाकहँदेवा। शम्भुबिरञ्चिसदाजेहिध्यावतकोऊनजानिसकैकछुभेवा ॥ दासबनादशरत्थकुमारसदासुरसिद्धकरैंजेहिसेवा। आयेमिलेतब आश्रमकोतेईजाहिबिनासबजीवबनेवा १२ पूरणपैजपरीकरुणातबभांतिअनेकअगस्त्यसराहे। धन्यसुतीक्षणजन्मअहैतुवतातभलीबिधिनेमनिबाहे॥ कुम्भजकीनबिलम्बननेकहुरामामिलैंकहँअन्तसचाहे। दासबनाचलेअग्रततक्षणपक्षजमेजनुप्रेमप्रबाहे १३ जानकीबन्धुसमेतकृपानिधिआयमुनीशहिकीन्हप्रणामा। धायलगायलयेउरमेंमुनिज्योंफणिगैमणितात्रिबिधिरामा॥ मंगलक्षेमभलीबिधिबूझिकैलावतभेतबहींनिजधामा। दासबनादियोआसनदिब्यसोद्योसरह्योतबहींभरियामा १४ राजितभेमुनिमंडलीमध्यसबैदिशिसन्मुखरामगोसाई। मानहुँचन्दचकोरलखैंऋषितृप्तलहैनबिशेषलोनाई॥ आजुघरीधनिरामकहेतबदुर्लभसंतसमागमपाई। दासबनाजेहिसेयेबदैश्रुतिजन्मअनेकनकोअघजाई १५ गावतशास्त्रपुराणमहातमजोतनधैनकियेसतसंगा। काहभयेतनपायेमनुष्यकोदासबनासबहीबिधिनंगा॥ साधनकोटिकरैबिधिबेदकेहोतनहींकबहींभवभंगा। कायकबाचकमानसतेनलगैप्रियसाधुसोईशठबंगा १६ होयउदयबहुजन्मकेसुकृततौसतसंगतिकोसुखपावै। शंभुसुरेशबिरंचिहुकोपदब्याजहुसेउपमानहिंआवै॥ दासबनाजेहिसेवनसेसहजेभवरोगकितापनशावै। कोअसमूरुखत्यागिकल्पतरुअंधबबूरकेबागहिधावै १७ कीजैबिचारसोईमुनिनायकजाबिधिरावणकोबधहोई। जोसुरसाधुसतावतभूसुरऔपरनारिअनेकबिगोई॥

धर्मविध्वंसकियेसबअंगसेकम्पधरानहिंधीरधरोई । आपुप्रता
पतेबातनहींकछुदासबनाविहँसेमुनिजोई १८ रामसनातन
रीतिनईनहिंजोनिजदासनदेतबड़ाई । रूपदुरायबदैलघुता
निजशोभासदातुमहींकहँपाई ॥ भानुप्रकाशतेचक्षुलखैसबना
तरुअंधसमानसदाई । दासबनाश्रुतिनेतिपुकारतजाकेबिना
धिगजीवनजाई १६ ॥ घनाक्षरी ॥ आदिमध्यअंतहीनजीरन
नवीननाहिंपीननाहिंखीनरसएकसबकालजू । अचलअखण्ड
परिपूरणबदतबेदजानैजनभेदसबहियेमेंबहालजू ॥ अजउत्कृ
ष्टगूढ़सूक्षमस्वतंत्रनित्यनिराकारनिर्द्वंद्वसारोप्रतिपालजू । बना
दासअकथअनीहआबरणबिनश्वेतपीतअसितहरितनहिंलाल
जू २० सतचिदआनँदसघनशुद्धनिर्बंध्यनिस्संगनिर्गुणनिरंजन
अनूपहै । बिरुजबिलक्षणअलखअद्भुतअतिमतिनसकतिकहि
अगमस्वरूपहै ॥ बनादासनिराधारसर्बाधारनिर्विकारनिर्बिक
ल्पनिगमबदतबिश्वरूपहै । चेतनअमलदिशिबिदिशिनखाली
कहूँअकलकलानिधानभयोसुतभूपहै २१ बिश्वभारहरणकेहेत
अवतारभयोबूभतउपायमोहिंसोतोमेरोभागहै । अहोदिनदर्श
नकोपायकृतकृत्यभयेसगुणस्वरूपमाहिंसुठिअनुरागहै॥जानौंगू
ढ़गतिपैनिरतिमतियाहीदिशा बनादासनिर्गुणतेनितहीबिराग
है । जानेजोसगुणसुखमानेनअगुणमनवस्तुएकउभयकहैअव
शिअभागहै २२ कन्दमूलफलबहुभांतिकेमँगायेमुनिअंकुरओ
दधिदूधइक्षुकोबिकारहै । रघुनाथजानकीलषणकोसनेहसुठित
बहिंअगस्त्यजूकरायेफलहारहै ॥ द्वैकैतुष्टतबहिंशयनकियेरघु
बीरनित्यकोनिबाहेउठिहोतभिनसारहै । बनादासबन्दिमुनिचर
णसनेहयुतंरबिकुलरबिकियेचलनबिचारहै २३ ॥ सवैया ॥ बा
सकरैंकेहिठावँमुनीशकहेतबकुम्भजबैनरसाला । पंचवटीपरप
र्णकुटीकरिशापहरौमुनिकेरबिशाला ॥ तूणकोदण्डदियेनिजहा
थकहेमरिहैंयहितेदशभाला । दासबनाशिरनायसनेहसेताहिलि

येदशरत्थकेलाला २४ गौनकियेप्रभुबन्धुसियायुतगीधमयत्री कियेतबजाई। भांतिअनेकजटायुदियेबलबासकरोबनयारघुराई॥ चिन्तानकीजियेकौंनिहुँबातकीभूपसखत्वकहेसमुझाई। दासबनाहरिआवतहीबनकेरिदशाकछुबर्णिनजाई २५ लागेसबैतरुपल्लवपावनभारतेभूमिरहेनियराई। फूलेफलेततकालकृपाप्रभुमानौबसन्तबस्योनितआई॥ गुञ्जतभौंरभलेरसचाखतकूजतपक्षीघनेसमुदाई। दासबनाबनशोभाभईअतिपारलहैकबिकोउपमाई २६ बोलतकीरचकोरपपीहराहारिलतीतरशोरसोहाई। शारिकाआदिकुहूकरैंकोयलसारसरौंमनलेतचुराई॥ मोरनटैंनिजछाहँनिहारतभोबनभांतिसबैसुखदाई। पंचबटीपरपर्णकुटीतटरेवारहेरघुनन्दनछाई २७॥ घनाक्षरी॥ दण्डकबिपिननिष्पापभयोरामआयेबसतनिकायमुनिजपतपकरेहैं। आश्रमनजायजायसुखअधिकायदियेपायकेंअमितबलकाहुहिनडरेहैं॥ देखिकैंअनूपरूपहोतकृतकृत्यसबयोगयज्ञफललहिसुकृतसोंभरेहैं। बनादासफिरतअहेरदेखिमोहैंमृगअतिछबिछाकेप्राणलोभतेनेटरेहैं २८ व्याघ्रसिंहऔबराहशशकशृगालमृगमर्कटगयन्दगऊसङ्गमाहिंचरेहैं। प्रबलप्रतापरामरूपसबदेखिदेखित्यागेबिषमयीकोईबैरनाहिंकरेहैं॥ भयेबनजीवसुखीप्रजाज्योंसुराज्यपायबनादाससूखेतरुसुठिहरेहरेहैं। पावनबधतमृगताहिपरधामदेतरामसमसाहेबनकोऊआंखितरेहैं २९॥ सवैया॥ शीशजटामुनिकोपटहैकटितूणकसेधनुबाणचढ़ाये। कञ्जबिलोचनभौंहसिकोरिकैताकतघातकहांउपमाये॥ दासबनाझुकिझांकतहैंमृगअंगअनेकअनंगदबाये। मूरतिसोहुलसैहियजांहिकेसोभलजन्मलियेसुखपाये ३० शीतलमन्दसुगन्धसमीरभयेसरिताजलनिर्मलनीके। अङ्कितभूमिभईपदपकञ्जतेसीयसुखीअवलोकनिपीके॥ बन्धुकरैंसुधिभूलेनभौनकिसेवासमाधिलगीसुठिठीके। रामसियाकरुणाद्दगदेखिकैदासबनाकछुशोचनजीके ३१॥ घ

नाक्षरी ॥ कहतपुराणकथानानाइतिहासरामसुनिसियलषणअ मितसुखपाईहैं । उतपतिपालनप्रलयथितिजगतिकीवेदऔवे दान्तकहैकहांलौंबड़ाईहैं ॥ रावणकीभगिनीसुपनखासेनामजा कोअतिहीबिचित्रकामरूपकोबनाईहै । नखशिखभूषणअनूप साजिबनादाससमयएकपंचबटीप्रभुकुटीआईहै ३२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डेभवदावत्रयतापविभंजनोनामसप्तदशमोऽध्यायः १७ ॥

घंनाक्षरी ॥ देखिरामरूपकाममोहितबिशेषभईअतिहीकटा क्षकरिबोलीमृदुबैनजू । रूपसुठिमोरेनिजरुचिबरपायेनाहिंता हीतेकुमारिरहीसहेदुखमैनजू ॥ खोजतफिरतबिधिरचेहैंसंयोग भलेअवलोकिआपुउरआयोभलेचैनजू । आजुपूजीआशबना दाससावकाशभलोसियदिशिदेखिप्रभुकियेनैनसैनजू ३३ ॥ स वैया ॥ बन्धुकुमारअहैलघुमोरसँयोगभलीबिधिभामिनितोरा । गवनीबहोरिसोशेषसमीपअनेकनभांतिसेताहिनिहोरा ॥ सुन्द रिसेवकमैंउनकोनहिंतोरनिबाहबिचारहैमोरा । दासबनासमर त्थहैंसाहेबचाहेंकरैंसोगईप्रभुओरा ३४ रामबहोरिपठाईऊतैउ रमेंनसकोचकरौकछुभाई।राजीकरौयहिकोहँसिकैकहेफेरिअनन्त समीपसोआई॥तौमुसकायकहैंपुनिलक्ष्मणतोहिंबरेअतिशयअ धमाई । दासबनासकुचायतबैनिजरूपभयङ्करसोप्रगटाई ३५ नासिकाश्रवणहरेततकालकृपालुकोबन्धुनबारलगाई । गेरुप नारमनोगिरिशृंगसेसोखरदूषणपाससिधाई ॥ घोरचिकारकरै अतिशयगतिदेखिकैबूझतभेतिहुँभाई । दासबनासोप्रसंगकहे सबकोपिचलेसजिसेनबजाई ३६ रामकहेतबबन्धुदिशासियलै गिरिकन्दरजाहुसबेरे । गौनकियेप्रभुआयसुपायकैआयगयेशठ सोभटभेरे ॥ गर्जततर्जतभांतिअनेकनभूलेहुनाहिंदयाजिनके रे । दासबनात्रिशिराखरदूषणरामकोरूपअनूपलखेरे ३७ देव अदेवलखेनरऔमुनिऐसेत्रिलोकेनसुन्दरताई । जोभगिनीइन

कीन्हकुरूपतबौबधलायकहैंनहिंभाई ॥ मन्त्रबिचारकियेमिलि कैसबतौचरचातुरबेगिबुलाई । मोरकहातुमताहिसुनावहुतासु प्रसंगलैश्रावहुजाई ३८ ॥ घनाक्षरी ॥ भूपकेकुमारकियेश्रव शिश्रनीतिबड़ितबौमन्त्रश्रायोउरऐसनहमारे हैं । देहिंनिजना रिश्वरिकोनरहोकामकछुजाहिंघरबन्धुउभयप्राणलैबिचारे हैं॥ ब नादासश्रायोदूततबैरघुनाथपास निजप्रभुबचनसोकहतप्रचारे हैं। कहेरघुबीरशूरवीरकोनकामयहदयारिपुश्रोरकामकायरकोसा रे हैं ३९ क्षत्रीकोस्वभावफिरैकाननश्रहेरहितऐसेमृगमारिमारिज गयशलेते हैं।मारिकईएकश्रौबिचारेकईएकनकोइनकोश्रवशिमा रिमारैंश्रागेकेते हैं ॥ श्रायेयुद्धकरनकोलागीडरमरनकोबनादास जाहिघरजीवनजोचेते हैं।समरविमुखमारेश्रतिहीनिषेधहोतताते छोड़िदेहैंपालसदाश्रुतिसेते हैं ४० ॥ सवैया ॥ जायकैदूतप्रसं गकहेसुनिश्रौणजरेश्रतिहीतिहुंभाई । मारहुवेगिकीबांधहुसद्य हिधायचलीरिपुकीकटकाई ॥ रामश्रकेलसोंयुद्धपरीरबिबालस मानसोंघेरिनिश्राई । दासबनादशचारिहजारबलीबिरदैत्यकरै कोबड़ाई ४१ धायधरौपकरौबहुबोलतबाजाजुझाऊश्रनेकबजा ई । श्रस्त्रश्रौशस्त्रपवौंरतभूरिसोकाटिकियेरजसेरघुराई ॥ घोर चिकारकरेरजनीचररामहियेश्रतिक्रोधजनाई । कीनटँकोरशरा सनकोभयेदासबनाबधिरेसमुदाई ४२ कोपकियेत्रिशिराखरदूष णबाणश्रनेकनरामहिंमारे । काटिदियेसिगरेतिलतुल्यसोवेगिन राचळसातनिकारे ॥ धरतेधनुपैसोहजारगुणाचलेलाखनछैकिये जर्जरसारे । दासबनालखिरामपररुपरलागेकटैसहजैभटभारे ४३ घनाक्षरी ॥ बाणनसोंमारिरघुनाथजूकोतोपिलियोमानहुंनिहार माहिंदिनमणिदुरे हैं । समरसुभटतीनिभाईकोबड़ाईकरैंरावणस मानशूरनेकहुनमुरे हैं ॥ रिपुशरकाटिकैहजारतीरमारेप्रभुदशद शसहससोबेधिगयेउरे हैं । भयेसुठिश्रमितश्रमित भूमिभूमिरहे बनादासकबिउरउपमानफुरे हैं ४४ सँभरिकैमारेशक्तिशूलरघ

नाथजूपैआवतहिताहितिलसमप्रभुकाटे हैं । कोपकरिमारेराम सहसपचीसबाणअतिहीकरालत्थलुत्थलुत्थनपैंपाटे हैं ॥ शिरभुज रुण्डखण्डखण्डपरेभूमितललरतपरस्परएकएकडाटे हैं । बना दासअतिहीसरोषतीनिभाईधाये प्रबलप्रतापबीरताईपरीबांटे हैं ४५ शतशतबाणरामममारिकैंगिरायेभूमिरुण्डमुण्डबाहुभिन्नभि न्नकरिदिये हैं।सकलसुभटलरिमरेहैंपरस्पररामाकारदेखिदेखिअ चरजहिये हैं ॥ रुधिरकेगाढ़भरेभूमितलजहांतहांयुत्थयुत्थयोगि नीसोचाटिचाटिलिये हैं । बनादासगीधचील्हभुजालेउड़ातकेते कालिकाकरालघट्टघट्टरक्तपिये हैं ४६ जम्बुकहुवातखातभूतऔ पिशाचनाचैंएकनतेएकछीनिछीनिलैपरात हैं । कटकटातकूदतक लाअनेककेलिकरैंब्याहकोबिचारकरिसाजतबरातहैं ॥ मुण्डफो रिफोरिगूदासानिसानिशोणितसों सेतुआसमानजहांतहांसबखा तहैं । बनादासदेवताअकाशमाहिंजयजयभनैंसुमनबरषिबारबार उमगातहैं ४७ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामअष्टदशमोऽध्यायः १८ ॥

कुण्डलिया ॥ लक्ष्मणलायेजानकीकुटीबिराजतराम । मान हुंमुनिकोवेषधरिमधुयुतरतिऔकाम ॥ मधुयुतरतिऔकामशुर्प णखारूपनशायो । राक्षसकुलपरकोपिमनहंकृत्तियाचलायो ॥ ब नादासनाशिहिसकलभयोबिधाताबाम । लक्ष्मणलायेजानकी कुटीबिराजतराम ४८ खरदूषणबधजानिकैंशूर्पणखाबिललात । जायपुकारीरावणहिंधिगतवपौरुषतात ॥ धिगतवपौरुषतातद शाऐसीभैमोरी । उपज्योकुलहिकलंकजगतअपकीरतितोरी ॥ बनादासमदपानकरिनिशिदिनसोवतखात । खरदूषणबधजानि कैंशूर्पणखाबिललात ४९ देशकोशकीसुरतिनाहिंपस्योऐशमेंआ य । श्रुतिपुराणबादेकहैंराजनीतिबिनजाय ॥ राजनीतिबिनजाय पापहरिचरितबखाने। बिनाताड़नानारिसंगतेयतीनशाने ॥ बना

दासमित्रतागैबिनास्वच्छतापाय । देशकोशकीसुरतिनहिंपख्यो ऐशमेंआय ५० बिनाधर्मनाहिंधनरहैसुयशकृपणताखाय । उपजतजबहिंकपूतभेकुलकीकानिनशाय ॥ कुलकीकानिनशायनहीं बिनगथगरुआई । बिनाशीलकोडीलजायमुखआपुबड़ाई ॥ हरिहिदियेबिनसतकरमबनादासनशिजाय । बिनाधर्मनहिंधनरहै सुयशकृपणताखाय ५१ गैबिद्याअभ्यासबिनफुरैनअवसरबात । चतुराईचौपटभईफिरिपीछेपाछितात ॥ फिरिपीछेपछितातततोष बिनविप्रनशाई । बिनालाजकुलबधूलाजतेगणिकाजाई ॥ मातपिताकीभक्तिबिनपूतअवशिनशिजात । गैविद्याअभ्यासबिनफुरैनअवसरबात ५२ जायतियापतिवर्तबिनसमरसकानेशूर । जायसाधुतासहजहीसंगतिबैठेकूर ॥ संगतिबैठेकूरमानमांगेतेजावै । पुत्रसोईनशिजायमातुपितुजोनपढ़ावै ॥ बनादासनाशैतुरैफेरैजो नजरूर । जायतियापतिवर्तबिनसमरसकानेशूर ५३ जायप्रीतिपरतीतिबिनगुरुबशआशनशाय । ठकुरसोहातीतेसचिवबैदगयोभयखाय ॥ बैदगयोभयखायव्यग्रतापाकनशावै । भूषणबसनबिहीननिधनबिनधर्महिजावै ॥ बनादासधीरजबिनाइन्द्रीगणबहिजाय । जायप्रीतिपरतीतिबिनगुरुबशआशनशाय ५४ नीतिकहैयहिभांतिसेबुद्धिबिपर्य्ययतोरि । तबरावणबोलतभयोअतिशयमोंछमरोरि ॥ अतिशयमोंछमरोरिनाककोऔणनिपाता । बहुजल्पैकेहिकार्यसद्यकिनबोलैबाता ॥ बनादासतबहींकह्योनैनन आंशुनिचोरि । नीतिकहैयहिभांतिसेबुद्धिबिपर्य्ययतोरि ५५ कोशलपतिकेकुवँरदुइकाननआयेतात । पुरुषसिंहअतिशयबलीसुन्दरतासुठिगात ॥ सुन्दरतासुठिगातनारिसँगमेंसुकुमारी । नहिंपटतरतिहुंलोकसकलकबिदियेजुठारी ॥ बनादासअपराधबिनश्रुतिनासाकियेघात । कोशलपतिकेकुवँरदुइकाननआयेतात ५६ खरदूषणपहँमैंगईलागोतुरितगोहारि । सेनसहितयकरामतेहिसहजेडारेमारि ॥ सहजेडारेमारिहारिरावणउरखावा । खरदू

षणअतिबलीबिनाहरिकवननशावा ॥ बनादासनिश्चयकियेलै आवोंप्रियनारि। खरदूषणपहँमैंगईलागोतुरितगोहारि ५७ जो नृपतनयतौबनैंहैकाहकरैंगेमोर। जोभगवतअवतारभोतरिहौंभ वनिधिघोर ॥ तरिहौंभवनिधिघोरबैरतातेहठिकरिहौं। बनादास रणखेतरामबाणनतेमरिहौं ॥ यहिबिधिमंत्रदृढ़ायकैचढ़िस्यन्दन भुजजोर। जोनृपतनयतौबनैंहैकाहकरैंगेमोर ५८ चल्योवेगिमा रीचपहँरथनांधेखरचारि। तिनकीउपमाकिमिकहैमानहुँवेगिबया रि ॥ मानहुँवेगिबयारिसिन्धुयहिपारहिआवा। जहांबसैमारीचदे खिसादरशिरनावा॥तेइबूझाकारणकवनयहिविधिगवनसुरारि। चल्योवेगिमारीचपहँरथनांधेखरचारि ५९ कहेसकलपरसंगतम होवौकपटकुरंग।जातेनृपनारीहरौंवेगिचलौममसंग॥वेगिचलौम मसंगकीनमारीचबिचारा।उतरदियेनहिंबनैरामकरमरणहमारा॥ बनादासबोलतभयोक्षणकरह्योंकैदंग। कहेसकलपरसंगतुमहोवौ कपटकुरंग ६० परब्रह्मअवतारभोसुनहुसत्यदशशीश। वैरकिये कछुनाहिंबनिहिंमानहुबिस्वाबीस॥मानहुबिस्वाबीसनृपतिसुततौ अतिशूरा। इनतेकियेबिरोधकबहुँनाहिंलागिहिपूरा ॥ मुनिमखरा खनकोंगयेयेसुतदोउअवनीश। परब्रह्मअवतारभोसुनहुसत्यद शशीश ६१ करबिनशरमोहिंमारेउआयोसागरतीर। शतयोज नक्षणएकमेंबड़ेवीररणधीर ॥ बड़ेवीररणधीरताड़ुकासुभुजविदा रे। खरदूषणत्रिशिरादिसहजमेंजिनसंहारे ॥ बनादासरावणसुन तउठीहृदयमेंपीर। करबिनशरमोहिंमारेहुआयोसागरतीर ६२॥ सवैया॥मोरप्रबोधकरैगुरुसेशठकोपिकह्योतबहींदशभाला।वेगि चलौअबहींचढ़िकैरथनातरुआयगयोतुवकाला॥पूरबकीकरणी प्रकटीउपजीउरताक्षणबुद्धिबिशाला॥दासबनाबहुभांतिमनोरथदे खिहौंमैंदशरत्थकोलाला ६३ बाणशरासनसाजिकैधाइहैजाहिमु नीश्वरध्याननपावैं। शंकरमानसहंसनिरंतरनेतिजिन्हैंचहुंवेदहु गावैं॥हौंअवलोकिहौंबारहिंबारसोभागिबड़ीअनुमानमेंआवै।दा

सबनाजेहिनामलियेसहजेभवसंकटशोकनशावै ६४॥घनाक्षरी॥
आयेबनमध्यतबकपटकुरंगभयोकनकशरीर मणिबुन्दसुठिनीके
हैं।सियाअवलोकिकहेछालाअतिनीकयाकोबारबाररामप्रतिभाव
तसोजीकेहैं॥प्रथमहिंसतीसीतापावकप्रवेशकियेराखेप्रतिबिम्बइ
हांबैनमानिपीके हैं । बनादाससाजिकैशरासनऔबाणधायोमा
यापतिरामबैनमानिमायानीके हैं ६५ पछोपीछेलागिभागिच
ल्योसोमरुतगतिप्रगटतदुरतगहनबनगयो है। धायोरघुबीरम
गछोड़ैनकुरंगकरअतिदुरिजायताहितीरमारिदयो है ॥ लषण
कोनामसुरऊंचेसेउचारकियोपीछेमन्दसुररामकहतसोभयो है ।
बनादासताहिनिजगतिदियो कृपासिंधुदीनबंधुपुनितासुखालका
ढ़िलयो है ६६ मृगपीछेचलेतबसौंपिसियालषणकोकहेतातरख
वारीकियोभलीभांतिजू । निश्चरभयंकरफिरतघनकाननमेंजान
कीस्वभावजियसहजडेरातिजू ॥ जबहींलषणनामसीतासुनेऊंचे
स्वरबनादासबारबारउरअकुलातिजू।कालगतिकठिनठन्योहैहो
निहारआनताहिटरैसकैऐसीकाकीअवकातिजू ६७जाहुबनधाई
हैकलेशवशभाईतवलषणकहतमातकहाचितगयो है। भृकुटीबि
लासजाकेजगजायमालहोसपालनप्रलयताहिकौनदुखदयोहै॥
बनादासक्रूरवाक्यबोली वैदेहीतबलषणहुंमनहोनिहारवशभयो
है।भरतसेमिलेहमजानितमरमतवचाहतअकाजतातेउरऐसोज
योहै ६८ इहांसंगदिहेकिहेमनमेंकपटऐसोस्वामीकोस्वभावसूधो
भलेजानिलयोजू । खांचिधनुरेखशेषगवनकियेततकालकरतबि
चारकाहसियउरठयोजू ॥ उरवासीरघुनाथतातेनदुरावचलैअ
तिअसमंजसकोबीजउरबयोजू । बनादासडरतमनोरथकरतबहु
ताहीसमयमाहिंदशशीशआयगयोजू ६९ एकडरैरामडरजान
कीअकेलितजेतनतेजहतभयोलक्ष्मणबीरहै । यतीकोबनायवे
षदशमुखमांगेभीखसियाकछुलाईमूलफलधरिधीरहै ॥ कहतब
होरिबांधोदाननसयानीलेहौंहोनिहारबशनांघिआईसोलकीरहै ।

बनादासकहेसोचलौंनकिनमेरे संगतबैसीताकहेबोलैंकेसनफकी रहे ७० निजतनप्रगटिप्रबोधैलागजानकीकोचलौममसाथबन काहेतपजरे हे । विविधप्रकारतनपायकेंबिलासकरौबासवकोला भनाहिंतौनमेरेघरे हैं ॥ बनादासअवशिसभीतभईसीतातबख लआयगयेप्रभुधीरउरटरे हैं । बन्दिकेचरणगहिबांहसोंउठायल ईरथपैचढ़ायहांकेबारनाहिंकरे हैं ७१ कियेहैंबिलापबारबारबैदे हीतब्रअहहसनेहीरामभारीपीरभईहै।सुन्योगीधराजजान्योंराम बामहरीखलधायोकरिकोपखगबारनाहिंलई है॥रावणविचारैंको नआवतसमानकालजान्योपन्नगारिउरमाहिंठीकदईहै । बनादा सकहेपुत्रीधीरउरमाहिंधरुआयगयोसद्यअबकरतनगईहै ७२ खड़ारहुखलपापीपांवरपरमपोचनीचमहापरनारिसूनेजातहरेजू। चोंचअरुचंगुलसेदेहसारीचोंथिडारीकरिपरबाजीसुठिभारीयुद्ध करेजू ॥ असितशैलजनुगेरुकेपनारेचलेअतिहीमुरछिदशशी शभूमिपरेजू । बनादासलीनिलियेजानकीजटायूगीधजागिदश कन्धरसोधीरउरधरेजू ७३ बाणनतेमारिकियेजर्जरजटायूतनल रतपरस्परदोउमहाबीरहैं । हारेनहटतरामकाममेंघटतअतिभ्वों चनतेकाटिकाटिडारेधनुतीरहैं ॥ बनादासपरयोभूमिखलउभयपं खकाटेरावणकृपाणकाढ़िभईउरपीरहैं । तिहूँलोकचहूँवेदबिदित बिशेषिभयोरघुनाथहेतकियेत्यागनशरीरहैं ७४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामएकोनबिंशोऽध्यायः १९ ॥

घनाक्षरी ॥ अतिहीसभीतशठरथनसकतहांकि करतबि लापसीयबरणिनजाईजू । सुनिबनजीवजहांतहांनधरतधीरमन हुँगवासबशपरीसुठिगाईजू ॥ बैठोहैसुकंटगिरिऊपरसमाजयुत जानकीबिलोकिताहिदियेपटनाईजू। बनादासलैगयोदशाननसो लङ्कगढ़सामदामदण्डभेदअमितदेखाईजू ७५ बाटिकाअशोक राखेसबैभांतिहारिहियत्रासवबिचारिकैउपायतबकियेहैं।पायसत्र

नाग्यजाकेखायेनक्षुधापियासद्वादशबरषञ्रायजानकीकोदिये हैं ॥
बढ़ैतनतेजबलबुद्धिकोप्रकाशकरै धीरजकरायपुनिबारनाहिंलिये
हैं। गयेनिजधामरामलषणकोद्वैखेजबबनादासहियसुठिसंशयमें
सिये हैं ७६ त्यागिकैञ्चकेलिसीयपेलिञ्चायोबैनममएैनमेंनजान
कीकहतमनमोरहै । निश्चरभयङ्करफिरतघोरकाननमेंजानिकै
बिसारेसुठिनारिनिरचोरहै ॥ लषणकहतनाथमोरिकछुखोरिनाहिं
कालञ्चौकरमबहुभांतिबरजोरहै । बनादासबहुबिधिमानैनबुझा
येममबचनकहतभईञ्चवशिकठोरहै ७७ ञ्चायेपञ्चबटीकुटीसूनि
परीसियाबिनब्याकुलञ्चतीवभयेनरञ्चनुहारी है । हायप्रियाप्रान
जानकैसेरहैंतोहिंबिनक्षणकलनाहिंधीरधरैनसँभारीहै ॥ बनादा
सबिकलकहतबाततातसनञ्चबकैसेमिलैंमिथिलेशकीकुमारीहै।
ञ्चनुजबुझावतसमुझावतञ्चनेकभांति ञ्चवशिसनेहदेहदशाको
बिसारी है ७८ देकैकुटीदाहिनचलतभयेखोजैंबनबूझतबिटपल
तापतानाहिंपावते । खगमृगमरकटकरहिंनिहोरिकैहैंदेखेकहूँजा
नकीकोकाहेनबतावते ॥ सुमिरिसुमिरिउरशीलञ्चौस्वभावशुचि
ञ्चमितप्रकारगुणञ्चनुजसोंगावते । बनादासमानौंमहाकामीसु
ठिदीनभयोबचनबिचित्रकहिबिरहबढ़ावते ७९ सदारसएकक
हूँयोगनबियोगजाकेसतचिदञ्चानँदसघनश्रुतिगाये हैं । शेष
शारदादिनारदादिबिधिशम्भुञ्चादिशुकसनकादिकोऊथाहनाहिं
पाये हैं ॥ सोईप्रभुनरञ्चनुहारियहलीलाकैरैंबनादासदेवऋषिब
चनदृढ़ाये हैं। देखिकृपाकोरताहिमोहनकदपिकालउमँगिउमँगि
रामलीलालवलाये हैं ८० ञ्चागेञ्चायदेखीभूमिभीगीबहुशोणि
तसोंजहांतहांतीरधनुकटेपरेपेखेहैं । कहतलषणप्रतिइहांकोऊ
युद्धकियेगीधपस्योभूमितललखेसोबिशेखे हैं ॥ तातकहौकारण
बिलोकिरघुनाथजूकोखगभूरिभागीनहिंलावतनिमेखे हैं। कहत
कृपालुदशशीशऐसीहालकरी लैगयोसोसीयरहैनैननसोंदेखे हैं
८१ दरशकेहेतराखेप्राणपदकञ्जपेखेचलनचहतधायगोदभरि

लियेहैं । लोचनतेमोचिबारिगीधअन्हवायेरामकहतबिचारमेरे कछुदिनजियेहैं ॥ दिव्यदेहइच्छाभोगमोहिंपितुसुखदीजेबना दासगीधहरषायहँस्योहियेहैं । त्यागिमणिपारसकोगुञ्जाकरगहे जौनऐसनबिशेषिबिधिकाहिअन्धकियेहैं ८२ शारदगणेशशेश गायनसकतगुणनारदबिरञ्चिकोउपारनाहिंलहेहैं । साधनअने ककरियोगयज्ञपूजापाठध्यानहूनपायसकैंतनतपदहेहैं ॥ राज्य तजिज़ाकेहेतनृपतिबिरागीहोतबनादासचारिश्रुतिनेतिनेतिकहे हैं । मांनसमहेशहंसमहामुनिध्यावैंनितखांगोंअबकाहबैठितासु गोदरहेहैं ८३ ऐसोनबनिहिंनाथबहुरिकदपिकालकहतकृपालु गतिकर्मनतेलहेहैं । परउपकारीहेतअगमनकछूजगसुगमतुम हिंसबजौनकछुचहेहैं॥गीधतनत्यागिबिष्णुरूपभयोताहीक्षणअ तिहिअगमपरधाममगगहेहैं । बनादासचारिकरकञ्जकियेसम्पु टसोंसहजसनेहहरियशगायरहेहैं ८४ ॥ छप्पै ॥ जयरबिकुलबर कुमुदसुखदसर्बांगसुधाकर । जयहरिहंसबिहारकागउरबिशद मानसर ॥ जयतिअवधप्रदहर्षकोशलामोदबिवर्द्धन । जयसुन्दर शतकामबामसियहरणशम्भुमन ॥ जयदशरथसुतसन्तसिरघट रनभारमहिअवतखो । कहबनादासपावनपरमसुयशसकलजग बिस्तख्यो ८५ जयरक्षकमुनियज्ञशम्भुकोदण्डबिभञ्जन । जय मदगञ्जनभूपजनकनृपसुठिमनरञ्जन ॥ जयभृगुपतिहरगर्वसर्व उरअन्तर्यामी।जयबिदेहपुरमोदबिबर्द्धनबिधिशिवस्वामी ॥ जय तिब्याहप्रभुजनकजाअवधगवनपितुबाकिहित । कहबनादास मुनिवेषधरित्यागितिलकबनगवनकृत ८६ जयजयपावनपतित दीनप्रियअधमंउधारण।जयतिनामशतशूरबामगौतमकीतारण। जयतिवेदगुणगाथनाथसर्बदाअनाथन।जयजयअगमस्वरूपपा रचितबुद्धिअहंमन ॥ जयतिसच्चिदानन्दघनब्यापकपरिपूरणस कल । कहबनादासकैवल्यपदसर्बकलानिधिअतिअकल ८७ जयतिआशईर्षादित्रासबासंनाबिदारण।जयतिकाममदक्रोधलो

भमोहादिकमारण॥ जयजयकपटपखण्डदम्भदारिदकृतनाशा। जयतिभक्तिबैराग्यज्ञानउरसन्तप्रकाशा॥ जयतिबोधबिग्रहकरनशरणागतआरतहरण। कहबनादासजनकामधुककल्पबिटपतारणतरण ८८ जयबिराधबधकरनसुगतिदायकशरभङ्गा। जयभगिनीरिपुरूपहरणशुचिश्यामलअङ्गा॥ जयखरदूषणत्रिशिरसमरसहसेनबिभञ्जन। जयतिजानकीबचनपालमायामृगगञ्जन॥ जयतिगीधपरधामप्रदपावरआमिषभोगरत। कहबनादासप्रभुपाहिपदसद्यभयोभवरुजबिगत८९ श्यामगातशिरमुकुटतिलकबरभालसुभ्राजे। श्रुतिकुण्डलसुठिलोलअलकअवली अलिलाजे॥ नाभीसुभगगँभीरउदरत्रिबलीछबिधामा। उरआयतमणिमालरूपलखिलाजहिंकामा॥ जानुपीनमृगराजकटिकमलचरणपटपीतधर। कहबनादासआजानुभुजचारिबिभूषणअङ्गबर ९० ऐसोपायस्वरूपभांतिबहुअस्तुतिभाखी। गीधगयोहरिधामराममूरतिउरराखी॥ गगनसुमनबरवृष्टिदेवदुन्दुभीबजावत। बारबारउरउमँगिरामकलकीरतिगावत॥ आमिषभोगीअधमतनपायोऐसीमुक्तिबर। कहबनादासकोपारलहयशस्वभावरघुनाथकर ९१ ॥ सवैया॥ बाणशरासनशीशजटामुनिकोपटराजितसांवलगोरे। तूणकसेकटिकालकोकालबिहालफिरैंसियहेरतसोरे॥ रूपछटालखिजोनहिंमोहैंबिरञ्चिरचेजगमेंकेहिकोरे। दासबनाउपमानतिहूँपुरसांचेहुप्राणसजीवनिमोरे ९२ सोरसजानुमहेशभुशुण्डिमहामुनिजेजलमीनभयेजू। मोहबिमूढ़नगूढ़लखैगतिअंगुलिजेदृगमाहिंदयेजू॥ दासबनाअवलोकैं उभयशशिनाहिंसुजानसमानलयेजू। जेरससर्गुणमेंनपगजनुब्याजकेकारणमूरिगयेजू ९३ ब्रह्मपरात्परराम कृपालुबिशालमहत्वकोपारहिपावै। नेतिपुकारतवेदचहूँकबिकोबिदकीफिरिकोनचलावै॥ पालतहैंश्रुतिसेतुसनातनकारजकारणसोबरतावै। दासबनासुरसन्तकेहेतमहीतलमेंकबंहींप्रगटावै ९४ भांतिअ

नेकसेप्राकृतखेलकरैंजनतातेमहासुखपावै । गायतरैंसहजेभ
वसागरकायकबाचकमानसध्यावै ॥ क्षीरपियैबछराथनदेखिये
औंकिलनामुखशोणितआवै । दासबनाजड़जीवकरैंभ्रमसोंनि
जदूषणरामहिंलावै ९५ खोजतसीतहिबन्धुचलेदोउजायकै
अग्रकबन्धनिपाते । ब्राह्मणकोतनराक्षसभोबरणीपुनिसोमुनि
शापकिबाते ॥ रामकृपागतिपायसोआपनिजातभयोउरमेंहर
षाते। दासबनाशवरीगृहगौनकियेकरुणानिधिभक्तिकेनाते ९६
कालअसंख्यव्यतीतभयोनितहीनवप्रीतिबढ़ैतेहिकेरी । चौका
लगायबिछायसुआसनधायअनेकनबारसोहेरी ॥ दोननसेफल
नानाप्रकारकेभाग्यउदयकबहोयगीमेरी । दासबनाप्रभुआवत
हैंमनोराजउठैउरमेंबहुतेरी ९७ तोरिकैमानमुनीशनकोप्रभुआ
वतआवतआयगये हैं । धायपरीशवरीपदकंजबिलोचननेह
कोनीरजये हैं ॥ दासबनापुलकावलिअङ्गबिलोकिकृपालुहिमो
दभये हैं । प्रेमकोगाहकऐसोनदूसरसादरताहिउठायदये हैं ९८
अर्घबिलोचननीरकियेतेहिप्रेमकेपांवड़ेदैगृहलाई । आसनउत्त
मडासिदियेतेहिऊपरराजितभेरघुराई ॥ आरतीधूपकियेभली
भांतिसेजानिकैदोननमेंफललाई । दासबनाप्रभुपावतप्रेमतेभां
तिअनेकसराहिमिठाई ९९ चक्रवतीदशरत्थकेबालकपाहुनते
फलसागनकेरे । रामहिंकेवलप्रेमपियारहैऔरकछूनहिंभावत
हेरे ॥ जाहिमुनीश्वरध्याननपावतशङ्करमानसलीनबसेरे । दा
सबनारुचिसेसुठिखातसराहिकैमांगतभीलिनिसेरे १०० कैफ
लहारभयेहरितुष्टकहेशवरीतबहींमृदुबानी । नाथसबैगुणसा
धनहीनमलीनंकुजातिऔनारिअयानी ॥ कीनकृपानिजऔ
रकृपालुभंरीअभिअन्तरभावसयानी । दासबनामुनिबैनभयो
फुरआजुघरीअतिउत्तमजानी १ रामकहेसुनुभामिनिनातअहै
यकभक्तिकोनातपुनीता । तातेबिहीनजोहोयबिरंचिसेजानहुसो
सबअंगनरीता ॥ जासुहृदयअतिपावनप्रेमसबैबिधिसेमोहिंसो

जनजीता । दासबनाअनुरागनहींउरकाहकियेपढ़िकैनरगीता
२ प्रेमसमाननमोहिंकछूप्रियजानैकोऊजनयाकरभेदा । ज्ञान
बिरागऔयोगसबैबिधिसाधनकोटिकरैसहिखेदा ॥ दासबना
जहँत्वांलगिधर्मब्रतावतशास्त्रपुराणऔवेदा । कीनकरैसकलौ
बहुकालबिनाअनुरागसोजानुनिषेदा ३ जानतसीयकीखोजक
छूकहुंतौकिनभामिनिदेहुबताई । तौशवरीकहेजानिकैबूझतपं
पासरैगवनोरघुराई ॥ पावनपर्वतहैसुखदायकहैतहांकपिकेरि
मिताई । दासबनासोकराइहिखोजअनेकनमर्कटभालुपठाई ४॥
छप्पै ॥ क्षणकरमौरघुबीरतजौक्षणभंगुरदेही । अबराखौकेहिहे
तपायकैप्राणसनेही ॥ लोकवेदसोंहीननारिसुठिअनअधिकारी।
देखहुभक्तिप्रतापतासुकैसीमहिमारी ॥ रामलषणपायेदरशअव
लोकतसन्मुखरही । कहबनादासभामिनिभलीचाहततनदाह्यो
सही ५ जयरबिकुलबरकंजभास्कररामकृपाला । जयमहेशउर
बिशदमानसरसुभगमराला ॥ जयजयपावनपतितदीनगाहक
रघुबीरा । ब्रह्मादिककेईशसदासेवहिंमुनिधीरा ॥ जयतिकामश
तकोटिछबिकबिपटतरपावैकवन । कहबनादासअशरणशरणच
रणकमलभवरुजदवन ६ जयजयमोहमनोजक्रोधमदलोभनि
वारक । रागद्वेषभयहरणअवशिसमसाबिस्तारक ॥ आसत्रासई
र्षादिवासनाब्रहदबिभंजन । बिधिनिषेधत्रयतापतीनिगुणअघग
णगंजन ॥ भक्तिज्ञानवैराग्यप्रदकल्पविटपजनकामधुक । कहबना
दासमहिमाअगमबदतसदासनकादिशुक ७ दम्भकपटपाखण्ड
दर्पदारिददुखनाशक । दुसहदाहदुर्बैसनदाहिविज्ञानप्रकाशक ॥
शीलसिंधुसुखधामरामसमरामसनातन । थकितशारदाशेषपा
रचितबुद्धिअहंमन ॥ जयजयनृपदशरथसुवनभुवनचारिदश
यशबिदित । कहबनादासभूलेहुनहींचरणकमलपरिहरैचित ८
जयतिसच्चिदानन्दब्रह्मब्यापकअबिनासी । परिपूरणसर्बत्रचरा
चरघटघटबासी ॥ बिरुजबिलक्षणब्रहदसूक्ष्मपरमानसमोई ।

अचलअखण्डअनीहगूढ़गतिजाननकोई॥जयतिआदिमधिअं
तगतपुरुषोत्तमपावनपरम । कहबनादासतिहुँकालमेंनहिंकोऊ
पावतमरम ९ अगुणअगाधअरूपअनघअद्वैतअभेदा । अल
खअयोनीनित्यनेतिभाषतचहुँवेदा ॥ निराधारनिरलेप्यअकल
कूटस्थकलानिधि । द्वंदरहितदुर्द्धर्षदेशअरुकालबिगतबिधि ॥
सुभगसगुनबिग्रहबिशदहृद्वयराखिभामिनिभली । कहबनादास
सुकृतअवधिप्रगटियोगपावकजली १० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामाविंशमोऽध्यायः २० ॥

सवैया ॥ ताहिदईगतिदुर्लभरामचलेयुतबंधुनबारलगाये ।
शोधजहांतहँलेतसियाकरपंपासरोवरतीरहिआये ॥ सुन्दरनीर
नहायपियेजलआसनउत्तमबंधुबिछाये । दासबनातरुछाहँबिरा
जतदेवऋषयतेहिकालसिधाये ११ धायप्रणामकियेयुतबंधुशि
रोमणिशीलसदारघुराई । हर्षिअशीशदियेमुनिनायकभावपर
स्परहैदुहुँठाई ॥ नारदबैठिजबैशुचिआसनपांवपखारतभेलघु
भाई । दासबनातबहींकहेरामघरीधनिआजुनहर्षसमाई १२
जाक्षणहोतहैसन्तसमागमतासेनकालत्रिकालहुमाहीं । सोनहिं
गायसकैसहसाननवेगिहितीनिहुँकर्मनशाहीं ॥ होयस्वरूपको
ज्ञानभलीबिधिदासबनासहजेभवजाहीं । मिथ्याबिहायगहैसत
कोजबसोसतसंगतिकोफलआहीं १३ ॥ छप्पै ॥ नारदहृदयस
कोचशापप्रभुममअंगीकृत । सहतअमितउत्पातखेदआयोनत
निकचित ॥ हरिकीन्हेउपकारभयोममदिशिअपराधा । कीजैक
वनउपायभयेप्रभुहितसुठिबाधा॥समरथकोरघुनाथसेतिहुँपुरती
निउँकालहैं । कहबनादासअस्तुतिकरतमहिमाअवशिबिशालहै
१४जयतिरामघनश्यामकामशतकोटिसुभगतन । निरालम्बअव
लम्बसन्तजनसदाप्राणधन ॥ जयदिनकरकुलकेतुसेतुश्रुतिसब
दिनरक्षक । कालकर्मगुणदोषदाहिआरतजनपक्षक ॥ सेवकओ

गुणमेरुसेरजसमगनतनकृपानिधि। कहबनादासगुणअल्पगिरि
तिहूंकालइमिबिरदबिधि १५ जटामुकुटशिरभ्राजअक्षअरबि
न्दसोहाये। तिलकभालभ्रुवबंकचन्दमुखसुठिछबिछाये॥ कम्बु
ग्रीवहरिकंधवृहदउरबाहुबिशाला। तूणकठिनकोदंडतीरराजित
मृगछाला॥ कटिमुनिपटपाथोजपदराजऋषीश्वरवेषवर। कहब
नादाससांवरगवरहरमर्कतद्युतिकनककर १६ जयदशरथसुत
सुभगकौशलामोदबिबर्द्धन। शीलसिंधुसुखधामअवधबासीमो
हनमन॥ बालचरितकृतविविधशम्भुचितचोरनशीला। भाव
तभलेभुशुण्डिपरमसुखदायकलीला॥ महिगोद्विजसुरसन्तहि
तलीनमनुजअवतारवर। कहबनादासदुष्करबिपतिहरणरामध
नुबाणधर १७ ऋषिमखरक्षकदक्षजयतिमुनिबधूउधारन। भं
जिशम्भुकोदण्डजनकन्रृपशोचनिवारन॥ दलितमानमहिपाल
सीयपुरजनमुददायक।सुरनरमुनिआनन्दगर्वमर्दनभृगुनायक॥
ब्याहिबंधुचहुँगवनपुरतिलकत्यागिकाननचल्यो। कहबनादास
बनबासकरिनिकरमुनिनकोदुखदल्यो १८ बधिबिराधबलवृहद
सुगतिदायकशरभंगा। दण्डकबिपिनपुनीतसुपणखाखण्डेअं
गा॥ करिबनाबिपुलबिहारबंधुसियआनँददायक। खगमृगमो
हितरूपअगमशोभारघुनायक॥ खरदूषणात्रिशिरादलनकपट
कुरंगहिभंगाकिये। कहबनादासगतिगीधप्रदहतिकबन्धशवरी
प्रिये १९ बहुरिसखासुग्रीवबालिबधदायकराजहि। कीशगवन
सियखोजपवनसुतकृतबड़काजहि॥ लंकेश्वररिपुबन्धुसिंधुक
रिसेतुबिशाला। बहुरिथापिगौरीशगवनलंकाततकाला॥ बा
लितनयरिपुमदमथनगढ़निग्रहबिग्रहप्रबल। कहबनादासकपि
भालुसुठिखण्ड्योनिशिचरमहादल २० बधिरावणघननादआ
दिघटकर्णविभंजन।सकलसेनआनन्दलायसियसुवनप्रभंजन॥
ब्रह्मादिककरिबिनययानचढ़िअवधगवनकृत।सजिभूषणसर्बाङ्ग
मातुअवलोक्यसहितहित॥ सिंहासनआसनिप्रभुभालतिलक

बरगुरु करैं। कहबनादासजयजयतिजैसुरनरमुनिआनँदभरैं २१
भष्योसकलभबिष्यपरमसुखदायकलीला । मांग्योबरकरजोरि
महामुनिबरदमशीला ॥ रामनामशशिशरदबसैउरव्योमनिर
न्तर। सहितजानकीअनुजकृपानिधिपरैनअन्तर ॥ हृदयराखि
मूरतिमधुरगौनकियोनारदजबै । कहबनादासयुतबन्धुकेचलत
भयोरघुपतितबै २२ ऋष्यमूकगिरिनिकटगयेजबहींरघुबीरा ।
तबहिंदेखिसुग्रीवभयोअतिहृदयअधीरा ॥ पुरुषसिंहबलधाम
युगलआवतयहिओरा । हनूमानअवलोकितिन्हैंडरपतमनमो
रा॥ बालिबन्धुमनमलिनसुठिमिलिकाहुहिपठयोइतै। कहबना
दासलैमर्मकोसैनबुझायहुमोहिंचितै २३ तुरितचल्योसुतपौन
बिप्रकोवेषबनाई। आवतलगीनबेरजहांलक्ष्मणरघुराई॥ माथना
यतबकहेरूपक्षत्रीमुनिवेखा। लक्षणअंगअनूपनहींपटतरजगदे
खा॥सहतदुसहदुखबनबिषेकारणकवनकहौकिथा॥कहबनादासर
घुबंशमणिअपनीगतिभाषीयथा २४ अवधनृपतिदशरत्थउभय
जनतासुकुमारा। पिताबचनप्रतिपालहेतकाननपगुधारा ॥ स
ङ्गनारिसुकुमारिहरीराक्षसबनमाहीं।पावतकतहुँनखोजफिरतहैर
तहमताहीं॥कहौबिप्रआपनचरितहमनिजकियेबखानहै । कहब
नादासप्रभुदरशफलप्रगटभयोउरज्ञानहै २५ सजलनयनत
नपुलककपटकोबपुवहगयऊ । उपजीप्रीतिपुनीतप्रगटबांदरत
नभयऊ ॥ पर्य्योचरणअकुलायनाथउरबहुअज्ञाना । प्रभुमा
याअतिप्रबलतासुबशफिरौंभुलाना ॥ तातेबूझबउचितमोहिंप्र
भुकिमिबूझतमनुजमिसु । कहबनादासपितुमातुजोतजैतौनिब
हैकिमशिशु २६ सबसाधनकरिहीनअवशिपामरमर्कटतन ।
बनैनकछूउपायनहींकाबूइन्द्रीमन ॥ तापरप्रभुपरिहर्य्योकवनि
बिधिपावउँपारा। पाहिपाहिपदशरणकह्योपवनजबहुबारा ॥ त
बउठायउरलायऊकृपासिन्धुरघुबंशमणि । कहबनादासलक्ष्म
णयथाहनुमतमान्योभागिधनि २७ नाथशैलपरबसैबन्धुबाली

सुग्रींवा। तासोंकरियसखत्वअहैअतिशयबलसींवा॥ अभय करियजनजानिताहिसियखोजकराइहि। मर्कटभालुअनेकदेश चहुँदिशापठाइहि॥ रामकहेभलतातअतितुरतचढ़ायेपीठपर। कहबनादासदुहुँबन्धुकहँपटतरकतहुँनहर्षकर २८॥ सवैया॥ गौनकियेतबहींगिरिऊपरआयेतुरंतसुकएठकेतीरा। आशयजनायतबैहनुमानपखोपदपङ्कजसोरघुबीरा॥ भाखीकथाकपिसाखी उभयदिशिराखीनबीचमिल्योजिमिनीरा। दासबनादियेबीचकृशानुरह्योसुतपौनमहामतिधीरा २९॥ घनाक्षरी॥ सकलप्रसङ्गतबसखहिसुनायेरामतातसियखोजअबतकनाहिंपाये हैं। जातेमिलैजानकीउपायसोईकियोचाही तबहिंसुकएठबहुभांतिसमुझाये हैं॥ मिलैंनाथसीतासबशोचआपुदूरिकरैंडारिदियेपटतेहिबेगिहीमँगाये हैं। बनादासताहिपहिंचानिप्रभुलायेउरतबकपिसकलप्रसङ्गकोसुनाये हैं ३० एकबारइहांबैठेकपिनसमेतरहे मारगअकाशमाहिंदेखेरथजातजू। अतिबेगवन्तपरींअवशिकलेशाबशकहेनबनतबहुभांतिबिलपातजू॥ हमैंदेखितबहिंसयानीपटडारिदियेअक्षअरबिन्दहोनलागेनीरपातजू। बनादासप्रीतिरीतिजानैकौनरामबिनताहीकरिसन्तबितरहितबिकातजू ३१ कारणकवनबनमाहिंकपिराजबसौ कहतसुकएठराजमेरेनहिंभागहै। तबहिंकहतप्रभुबचननमृषाजैहैहनुमानउरअतिआयोअनुरागहै॥ जौनहेतभईहैमिताईमनमाहिंआयोतौनकाजसिद्धिभयोबारहूनलागहै। बनादासकथातबकहनसुकएठलागेरामपदप्रेमयोगउरमाहिंजागहै ३२॥ सवैया॥ बालिबड़ोममबन्धुकृपानिधिप्रीतिपुनीतनजायबखानी। दुन्दुभीनामनिशाचरएक सोआयोइहांअतिशयहठठानी॥ बालिसेयुद्धभयोतेहिकालअहैयहस्रातहूतारनिशानी। दासबनादुखोजायगुहामहँसङ्गहिबन्धुगयोअभिमानी ३३॥ कुएडलिया॥ महूँबालिसंगैगयोंमोहिंकहेपरमान। जोनहिंआवोंपाखमेंतौमोहिंमाखोजान॥ तौमो

हिंमारयोजानगुहामेंगयोसमाई । बालिआसरेनाथरह्योंमैंवाही ठाई ॥ एकमासबीत्योजबैनिकस्योरुधिरबिमान। मह्यूँबालिसंगे गयोंमोहिंगयोपरमान ३४ बालिहिमारेसिमोहिंबधिहियहबिचा रमैंकीन । भाग्योंअतिभयखायकैशिलाद्वारदेंदीन ॥ शिलाद्वार देंदीनसचिवसबकीन्हबिचारा । बिनानृपतिकोराजनिबहिहैकव निप्रकारा ॥ मोहिंतिलककीन्हेंसबैनिजस्वारथलवलीन । बालि हिमारेसिमोहिंबधिहियहबिचारमैंकीन ३५ दनुजहिमारयोबालि तबलोथफेंकिसोदीन । शोणितकणुकातनपरयोतबैक्रोधमुनिकी न ॥ तबैक्रोधमुनिकीनशापदीन्हेसुठिबङ्का । यहिगिरिआवैबा लिभसमह्वैवेनहिंशङ्का ॥ बनादासआयोघरैहैअतिशयबलपी न । दनुजहिमारयोबालितबलोथफेंकिसोदीन ३६ रिपुसममा रयोमोहिंसोहरयोबामधनधाम । ताकीभयरघुबंशमणिफिरयोंअ नेकनठाम ॥ फिरयोंअनेकनठामकतहुँबिश्रामनपायों। करिकैअ मितउपायतबैयहिगिरिपरआयों ॥ बनादासनिशिदिनडरौंतबौ कृपानिधिराम। रिपुसममारयोमोहिंसोहरयोबामधनधाम ३७ ॥ सवैया ॥ रामकहेकरिकैतबपैजहतौंशरएकहितेशठबाली । श म्भुबिरञ्चिसुरेशनरक्षकपक्षकरैंतिहुँलोकजोहाली ॥ दासबनाश्रु तिसेतकोपालककोपिकहैसुठिकीनकुचाली । बन्धुतियाबिलसै बिबिचारतेहैजगमेंअसकौननमाली ३८ मित्रकेदुःखसेदुःखन हींतेहिमुख्यबिलोकतपापअपारा । मेरुसेक्लेशगिनेअपनोरज सोरजसेहिमवानसेभारा ॥ मित्रतेऔरहितूनत्रिलोकमेंकोटिन माहियवाहनहारा । खाड़ेकिधारमिताईकोधर्महैदासबनाश्रुतिने तिपुकारा ३९ ॥ कुण्डलिया ॥ सुतबनिताधनधामसेराखैतनि कनबीच । निजपरारबधिजोकरैसोअतिमतिकोनीच ॥ सोअति मतिकोनीचबिगरिजावैपरलोका । तातेकरैबिचारजलैमैजलजो जोंका ॥ बनादाससुठिस्वच्छतातजैकपटउरकीच । सुतबनिता धनधामसेराखेतनिकनबीच ४० मित्रद्रोहतेपापनहिंचहुँयुगती

निउँकाल। ऐसीलहिपरतीतिकहुँलखैंनतेबुधिबाल ॥ लखैंनतेबुधिबालबदनपरसोहरभलाई । पीछेमनकुटिलताताहिपरिहरैसदाई ॥ बनादासामित्रतातपमानौंअवशिबिशाल । मित्रद्रोहतेपापनाहिंजानौंतीनिउँकाल ४१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रैतापबिभंजनोनामएकविंशतितमोऽध्यायः २१ ॥

कुण्डलिया ॥ तबसुग्रीवकहतभयेबालीबलीबिशाल । तासुपरीक्षाबधनकीअहैसातहूताल ॥ अहैसातहूतालताहिरघुपतिहिदेखावा । लागीनेकनबारबिनापरिशिरमनशावा ॥ बनादासजानेतबैप्रभुकालहुकेकाल । तबसुग्रीवकहतभयेबालीबलीबिशाल ४२ ॥ घनाक्षरी ॥ रामपदप्रीतिपरतीतिबालिबधनकितबहिंसुकण्ठउरसहजहिआई है। कहेबरदानकोप्रभावरघुनाथजूसें बालिदेखैंआंखितासुअर्द्धबलपाई है ॥ जाहुतुमबालिपहँऐहैंबेगितुम्हेंदेखितबैउरमारौंबाणबदैरघुराई है । बनादासचल्योप्रभुपदकञ्जशीशनायजानिबालिगवनसुनारिसमुझाई है ४३ ॥ छप्पै ॥ तबताराकरजोरिपायँपरिपतिसमुझायो । जिनहिंमिलेसुग्रीवनाथसोजानिनपायो ॥ नृपदशरथकेसुवनरामलक्ष्मणसेनामा। सिंहपुरुषदोउबन्धुअवशिजानहुबलधामा ॥ तेहिबिरोधनहिंकुशलतवराखहुममअहिवातपति। कहबनादासहरिअवतरेतूजानैंकिमितासुगति ४४ समदरशीसर्बज्ञसकलउरअन्तर्यामी। जेहिध्यावैंयोगीशअचरचरसबकोस्वामी ॥ सदापालश्रुतिसेतुभूमिकोभारउतारन । निजइच्छाअवतरेअवशिपतितनकोतारन ॥ जोमरिहैंरघुबंशमणितजिक्षणभंगुरदेहको । कहबनादाससंशयनकछुजैहौंहरिकेगेहको ४५ यहिबिधितियसमुझायचल्योतबहींबरबीरा । तुच्छजानिसुग्रीवक्रोधअतिजग्योशरीरा ॥ तरुतरदेखहिंरामभिरेदोऊभटभारी । तबकरिकैंसुठिकोपबालिमुष्टिकाप्रहारी ॥ अवशिबिकलसुग्रीवभोछैसभीतभाग्योत

बै । कहबनादासभैशोचउरप्रभुसमीपआयोजबै ४६ तबबोले रघुबीरदोऊएकेअनुहारी । यहिकारणसुग्रीवनहींमारेशरभारी ॥ परसेपङ्कजपाणिव्यथातनकीभैखीसा । पुनिदीन्हेंबलबाहँकञ्जक रराखेशीसा ॥ निजपटकोकटिचिह्नकरितबपठयेसुग्रीवहै । कहब नादासदेखतचल्योबालिअतुलबलसींवहै ४७ दिगगयन्दसम भिरेनहींएकएकनपारे । जबहींअमितसुकण्ठतबहिंरघुबीरसँभा रे ॥ प्रभुदेखैंतरुओटहोयजेहिभांतिलराई । मार्योबिशिखकरा लपर्योभूतलभहराई ॥ पुनिउठिबैठोबालितबआगेदेख्योराम हैं । कहबनादासउरप्रीतिसुठिसकलभांतिनिष्कामहैं ४८ श्रुति पथपालनहेतभयोअवतारतुम्हारा । मार्योब्याधसमानकीनय हकवनाबिचारा ॥ काबनयेसुग्रविनाथमैंकाहनशावा । समदरशी प्रभुनामतवनकछुदेखिनपावा ॥ सन्मुखकसमारेनहींकहतबचन सुठिनीतिहै । कहबनादासरघुनाथमेंअभ्यन्तरमेंप्रीतिहै ४९ न हिंशिरपरकोऊअहैकरौचाहैतुमसोई । ईश्वरपरमस्वतन्त्रताहि तेलगतनकोई ॥ अनुचितउचितबिचारलाजऔधर्मअधर्मा । जीवहिंजानिगरीबकिह्योतातेबशकर्मा ॥ नींबरकरैंनियावकोज बरचहैंतैसीकरै । कहबनादासदेखेभलेयहउलटीगतिलखिपरे ५० तुमहूँस्वारथबश्यकिह्योअप्रियप्रियदोऊ । बीरधर्मपरि चारिलरैराखेनहिंसोऊ ॥ नहिंआवतउरसकुचसकलबिधिसेब लवाना । मरेकवनममहानिएकदिनमरिहिजहाना ॥ काकरिहै सुग्रीवसोजोकरतेप्रभुकाजमैं । कहबनादासअन्तष्करणरघुपति आयोलाजमैं ५१ रेशठकीन्हेंपापअनुजतियसुतासमाना । मम भुजबलपरतापसोउरछुकियेनकाना ॥ त्रियबिनतीनहिंसुनेमूढ़ अतिशयअभिमानी । सुनिकैभयेनशरणभरतकोराजनजानी ॥ पापीबचैंनकतहुँकोउसकलअवनिमेंशोरहै ।कहबनादासरघुबंश मणितातेबधभोतोरहै ५२ पुनिमेरायहबिरदसदादीननपैदाया । करौंगरीबउबारपक्षसबदिनचलिआया ॥ अभिमानीखलकालस

दाचहुँबेदबखानैं।तिहूँलोकतिहुँकालकवनऐसानहिंजानैं॥सुयश
नाशकोनहिंडरौंकरौंदासरक्षासदा । कहबनादासजानैनकोकबि
कोबिदसन्तनबदा ५३ आरतहरणस्वभावसदहिंपरतिज्ञामेरी।
निजदिशिदेखौंनाहिंविपतिकाटौंजनकेरी ॥ होवैमेरेशरणकरौंता
कीरखवारी। पलक्षणपरैनभूललगैनहिंतातिबयारी ॥ लोकऔ
रपरलोककोसारसँभारतबैकरौं । कहबनादासयहिजगतमेंताही
कारणतनधरौं ५४ भरतपरमधर्मज्ञप्रजाचाहीजसराजा ।ताामें
कियेअनीतिहोयकिमिनाहिंअकाजा ॥ अबराखैतनअचलबच
ननहिंमृषाहमारा। बालिकहाकोअधमबनैंकैजौनबिगारा॥ध्या
नअगमयोगीशमननिजकरतेप्रभुबधकिये । कहबनादाससन्मु
खलखतयहअवसरतजिधिकजिये ५५ पशूयोनिममजन्मताहु
मेंपापलगायो।यहप्रभुकीजबरईकहाअसवेदनगायो ॥ अन्त
समयगतिनाथताहुपरराखौंदेही। अतिदुस्तरसंसारआयकोग
योनिबेही ॥ अबलैहौंनाहिंखोरिमैंमणिकञ्जकोगुञ्जागहै । कहब
नादासइमिनीतिकहअवसरचूकेदुखलहै ५६ अहैएकममबिन
यतौनमांगेमोहिंदीजै। सफलकरनसर्बासदासअङ्गदनिजकीजै॥
एवमस्तुकहरामबालिप्रभुपदचितलावा। रामरामकहिरामसद्य
हरिधामसिधावा॥कपिपतिजबकीन्हेगवनधायोसबपुरलोगहै।
कहबनादासछूटेचिकुरताराअतिबशशोगहै ५७ उरताड़ननिज
पाणिबदतिरोदतितहँआई । मानेहुँनहिंममकहानाथबहुबिधिस
मुझाई ॥ अङ्गदकोनहिंकहेकछुकमोहिंधीरनदीन्हा। हापातिप्रा
णअधारगवनपरधामहिंकीन्हा॥अतिबिलापताराकरतसमुझा
ईरघुबीरजू। कहबनादासजिवनित्यहैभामिनिधरतनधीरजू ५८
अगिनिअगिनिमेंजायपौनमेंपौनसमावै।पानीपानीमाहिंगगनग
गनाहिंमिलिजावै॥माटीमाटीमिलैपरीसोपरगटदेही।जीवईशको
अंशअमरशोचैकिमितेही॥अहंकारशिवमेंगयोमनशशिमाहिंस
मातहै।कहबनादासबुधिबिधिबिषेचितहरिमेंठहरातहै ५९ यहि

त्रिधिदीन्हेज्ञानहरीताराकीमाया । रघुपतिभांतिअनेकनगरबा
सिनसमुझाया॥अनुजबोलिप्रभुकहेजायपुरकीजैकाजा।राज्यदि
हेउसुग्रीवबहुरिअंगदयुवराजा ॥ सखहिंकहेसमुझायतबक्रिया
बन्धुकीकीजिये । कहबनादासराज्यहिकरौममकारजचितदीजि
ये ६० आईबर्षासमयरहौंगिरिऊपरछाई । यहिबिधिसबहिबु
झायगयेआश्रमरघुराई ॥ लक्ष्मणआयेनगरअतिहिपूजापद
कीन्हा । धूपदीपनैवेद्यबहुरिचरणोदकलीन्हा ॥ भवनसिधाये
सोसलिलराज्यदीनसुग्रीवको । कहबनादासयुवराजपददैअंग
दबलसींवको ६१ लक्ष्मणआयेबहुरिजहांराजितरघुराई । करि
कैवेषकिरातकुटीसबदेवनछाई ॥ गिरिपरबर्षणबसेभईअतिही
बनशोभा । जहँरघुबीरनिवासपारमहिमाकहिकोभा ॥ बिगतबै
रबनजीवगणबिहरतएकैसंगहैं । कहबनादासकरिकेहरीनाना
रंगकुरंगहैं ६२ बर्षाऋतुरमणीकअधिकछबिकाननछाई । श्या
मघटाघनघुमड़िभूमिबर्षहिंनियराई ॥ झिल्लीकोझनकारअ
वशिनाचहिंकलमोरा । हरितभूमिसम्पन्नचहूँदिशिदादुरशोरा॥
पिवपिवरटतपपीहराकूजतकीरचकोरहैं । कहबनादाससियबिन
लषणनिशिनचैनचितमोरहै ६३ कहुँबासवधनुउदयअधिक
शोभासरसाई । श्यामघटाकेनिकटकतहुँबकपांतिउड़ाई ॥ जहँ
तहँनीरप्रवाहअधिकझरनागिरिझरहीं । निशिचमकतखद्योत
शोकबिरहीउरकरहीं ॥ भूमिजीवसुठिसंकुलिततृणबनभयोअ
पारहै । कहबनादासकाननसघनपंथनसूझनहारहै ६४ लषण
कह्योकरजोरिरहीउरमेंजिज्ञासा । असअवसरनहिंमिलिहिपूर
कीजैजनआसा ॥ कहियेब्रह्मस्वरूपजीवमायाजगजाला । भ
क्तिज्ञानबिज्ञानकहौवैराग्यकृपाला ॥ कहियेशांतिस्वरूपप्रभुब
न्धमोक्षभाषीसकल । कहबनादासनिजनामकीमहिमातातेमोर
भल ६५ हैसतचिदआनन्दब्रह्मकोजानहुरूपा । बहुरिसिदारस
एकताहितेपरमअनूपा ॥ अचलअखण्डअनीहअलखअद्वैत

अभेदा । अकलकलानिधिअगुणजाहिनहिंजानतबेदा ॥ आ
दिमध्यअवसानबिनपरिपूरणब्यापकैंअहै । कहबनादासचित
अहंमनताहिबुद्धिनाहींलहै ६६ आशबासनाबिषयसकलपबि
कलपधरई । हर्षशोकसंयुक्तअहंकोत्यागनकरई ॥ मनबुधिचि
तकेसहितरागऔद्वेषनछूटे । बिधिनिषेधभयलगीसंगइच्छान
हिंटूटे ॥ बिलगनहोवैत्रिगुणतेईइश्वरनिश्चयभोनहीं । कहबना
दासलक्षणसकलजानहुजीवहिकेसही ६७ ममताभयऔमोरतो
रकामादिकक्रोधा। लोभमोहअभिमानसकलभांतिनगतबोधा ॥
दम्भकपटपाखण्डकनककामिनिमेशोका । गोगोचरबिस्तारफै
लिगोतीनिहुंलोका ॥ यहमायापरपंचसबयामेंकछुसंशयनहीं ।
कहबनादासनिजरूपकोबोधबिलगजानौंसही ६८ प्रथमैंअप
नीदेहतनयत्रियऔपितुमाता । धरणिधामधनआदिजानियेभ
गिनीभ्राता ॥ हितऔमीतअनेकवृषभगोहाथीघोरे । श्रुतिऔ
शास्त्रपुराणअहैबिस्तारनथोरे ॥ पापपुण्यजीवनमरणबहुरिकर
मअरुकालहै। कहबनादाससुखदुःखजेयहसारोजगजालहै६९
कैअर्पणममशरणचरणतजिपरननदूजी । साधनसकलबिहाय
आशनामाहिंतेपूजी ॥ तनसारोपुलकांगनैनआवैजलधारा । स
हजेकंठनिरोधकहाँहमकहँसंसारा ॥ कहुंगावतनृत्यतकतहुँकब
हुँमौनताधरिरहै । कहबनादासबिनबासनायहीभक्तिममजनक
है ७० पंचभूतअस्थूलबहुरिइन्द्रीअरुप्राना । चारिउअन्तष्क
रणथूलसूक्ष्मतनजाना ॥ भीनिबासनाअतिहिईशइच्छामिलि
कारण । यातेआतमभिन्नहोयरसएकसोधारण ॥ बिगतमानबा
सनागतकहीतातसोज्ञानहै । कहबनादासयकब्रह्मबिनअवरन
दूजाध्यानहै ७१ जबहींतत्त्वअतत्त्वब्रह्ममेंलीनसदाई । ब्रह्मापी
लपपीलदृष्टिजाकीसमआई ॥ अस्तुतिनिन्दाहानिलाभजेहिक
बहुंनभाना । सुरभीश्वानस्वपाकबिप्रमेंब्रह्मसमाना ॥ कोउतत्पर
सेवाबिषेकोउतनकोतारणकरै । कहबनादासबिज्ञानसोरागद्वेष

नहिंहियधरै ७२ तनममतापरिहरैऋद्धिसिधितिहुँगुणत्यागै।
तजिइन्द्रिनकोभोगनाहिंकतहूंअनुरागै॥ दामबामसेबिलगआ
शबासनाबिनाशी। श्रुतिपुराणमतबादकहांमग्गहऔकाशी॥नि
र्जनभावैसर्बदासबप्रपंचकात्यागहै । कहबनादासकोउजनलहै
ताहिकहीबैरागहै ७३ बद्धविषयअनुरागमोहममतालपटाने।
देहगेहसुतबित्ततियाआपनिकैजाने॥ संशयआशाबश्यबासना
ब्रहद्नथोरी। एतौंवितगृहंभयोचहतइतनोफिरिजोरी ॥ शत्रु
मित्रबहुकल्पनापरेकालकेजालहै। कहबनादासहरिबिमुखजेति
नसेकवननमालहै ७४ हर्षशोकभयमोहहानिगिल्ल्यानिनआवै।
संशयचिन्तारहितआशाबासनानशावै ॥ भोगकरैप्रारब्धरहित
अभिमानसदाई। समशीतलसन्तोषधीरबरसहजशुराई॥ बिर
तिहुतेबैराग्यनितबिषयरहितसोमुक्तहै। कहबनादासत्रैगुणरहि
ततिहूंकालवेदुक्तहै ७५ बद्धमुक्तभ्रमसबैसकलसाधनकीनाशा।
ईशजीवनिर्भेदसहजहीस्वतःप्रकाशा॥ अन्तःकरणबिहीनदेहबु
द्धीभैभोरी। भयेदोऊदलरहितरहैखटकाकेहिकोरी ॥ सबप्रपञ्च
जानोंसमिधिजबजरिबरिहोत्रैभसम। कहबनादाससोशान्तिपद
सबसन्तनकोयहरसम ७६ ॥ कुण्डलिया॥ परापश्यंतीमध्यमा
एकरकारउचार। भयेबैखरीबरणबहुज्योंतरुपाताडार॥ ज्योंतरु
पाताडारबीर्यसबकेररकारै। बाहेरसबकेशीशकोऊजनसन्तबिचा
रै ॥ बनादासअक्षरनकोसांचेहुप्राणरकार । परापश्यंतीमध्य
माएकरकारउचार ७७ प्रथमैबाणीपराहैपश्यन्तीपुनिदोय । ती
जीजानौमध्यमातहँबिस्तारनकोय॥ तहँबिस्तारनकोयबैखरीना
नारूपा । जिमिईश्वरसेभईसृष्टिसबभांतिअनूपा॥ परानप्रगटै
जोबरणकांहबाक्यतेहोय । प्रथमैबाणीपराहैपश्यन्तीपुनिदोय
७८ पराप्रतिष्ठितसर्बदाअरुबैखरीसमानि । श्रुतिपुराणहूबि
दितहैश्रीमुखआपुबखानि ॥ श्रीमुखआपुबखानिपरागतिल
खैनकोई । जाहिजनावोंमहींभेदजानतहैसोई ॥ तातेसाररका

रहैलियेसुजनपहिंचान। पराप्रतिष्ठितसर्बदाअरुबैखरीसमान
७९ सबबर्णनकोबापहैजानौएकरकार। ताहींतेप्रगटेसकलना
नाभोबिस्तार॥ नानाभोबिस्तारभेदमात्रास्वरकेते। छन्दप्रब
न्धअनेककहांलौंबरणैंतेते॥ बनादासश्रुतिशास्त्रभेअमितप्रका
रअपार। सबबर्णनकोबापहैजानौएकरकार ८०॥ छप्पै॥ को
टियज्ञजपकोटिकोटितीरथअस्नाना। कोटिनेमआचारकोटिपू
जातपदाना॥ कोटियन्त्रऔमन्त्रतन्त्रसाधनबिधिकोटी। कोटि
वेदकोपाठनामकीमहिमामोटी॥ कोटिभक्तिकेअङ्गहैंबिरतिज्ञान
बिज्ञानघन।कहबनादासहरिनामसमध्यानसमाधिनबदैंजन८१
अगुणसगुणदोउरूपसदाजाकेआधारा। महिमाशारदशेषकह
तकोउलहैंनपारा॥ बिरतिज्ञानबिज्ञानरामनामहिंतेआवै। बाप
सेबड़ानपूतकहतकोउसुनानभावै॥ हरियशभाषैंनामबलनामै
अनुभवमूलहै।कहबनादासजनधन्यतेएकनामअनुकूलहै ८२
लगोमूलजबहाथपातडारैकोदौरै। मूढ़परोसात्यागिघरैघरमांग
तकौरै॥ मुक्तामणिकोछोंड़िखेतमैंबीनैदाना। पूरगुरूनाहिंमिला
लगनहिंनामनिशाना॥ धारासुरसरिकीतजेचाटततृणकीशीत
है। कहबनादाससाधनअमितकरतेमतिबिपरीतहै ८३ क
लिमेंकेवलनामकामकरिहैनहिंदूजा। बामभयेबिधिभलेअपर
साधननपसूजा॥ सेवैसेमरसुआभुआहाथेमेंआवै। तैसेना
मबिहायअपरतेमुक्तिनपावै॥ जीतिलियोबिकरालयुगधर्मज
हांलगिश्रुतिकहै। कहबनादाससुठिसहजहीरामनामभवरु
जदहै ८४ उभयप्रबोधहिकरैसरैलोकहुकोकाजा। भोजनछाज
नसकलसँभारैप्रतिदिनसाजा॥ याचकताकोहरैंआशबासनान
शावै। मनइन्द्रीस्वाधीननामबलसुठिसुखपावै॥ जबचातकमत
कोगहै/स्वातिबूँदनामहिंलहै। कहबनादाससाधनसकलनकल
जलहितजिनिबैहै ८५ भजनकरैनिष्कामकोटिबिधिऊँचादरजा।
लगैनएकौहाथनहींमनमानैबरजा॥ मृषाबनैकङ्गालराजनहिंक

रैंअकामा । ऐसीखोटीआनिभयोयुगयुगाबिधिबामा ॥ अभ्यन्तर तेनिकरिगैतिलतिलतृष्णाजासुउर । कहबनादाससन्तनसदा कियेबड़ाईतासुफुर ८६ सुनिप्रभुकेबरबचनलषणपदमस्तकडा रे । दीनबन्धुतत्कालजगततेजिवहिंउधारे ॥ तुमबिनजानैकौन जीवबिषयहिलपटाने । करुणादृगजेहिंओरसहजमेंतेभवमाने॥ परमकृपामोपैकरीहरीसकलभ्रमफन्दहैं । कहबनादासऐसेप्रभु हिजेनभजैंमतिमन्दहैं ८७ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामद्वाविंशतितमोऽध्यायः २२ ॥

छप्पै ॥ बीतोबर्षाकालकासबनमाहिंफुलानी । जहांतहांकम कीचबीचमछरीअकुलानी ॥ शोष्योमगकोसलिलचलेनृपबणि कभिखारी । तपीतजेपरआशभयेसुठिइच्छाचारी ॥ भूमिजीव संकुलगयेभयेसलिलसुठिअमलहैं । कहबनादासशोभाअवशि भयोगगनअतिअमलहैं ८८ एकसमयहनुमानवहांउरकीनबि चारा । भोसुकण्ठमतिमलिनकाजरघुबीरबिसारा ॥ जायकहैंक रजोरिभोगमेंअसलपटाने । भूलिपाछिलीशूलहोबओजाबनजा ने ॥ कहकपीशअकुलायकैंजहँतहँपठवहुकीशजू । कहबनादा ससीताखबरिलावहिंबिस्वाबीसजू ८९ उदयअस्तगिरिआदिमे रुमन्दरकैलासू । हिमगिरिऔसुम्मेरुजहांजहँबाँदरवासू ॥ का ननजेजगमाहिंचहूंदिशिपठवहुमर्कट । जातेसुनतरजायबेगिआ वहिंसारेभट ॥ हनूमानकीन्हेयतनपठयेजहँतहँबीरहैं । कहबना दासपहिचानिकैंसुठिबुधसुवनसमीरहैं ९० इहांरामबिलखायक हेबर्षाऋतुबीती । मिलीनसीताखोजताताबाढ़तउरप्रीती ॥ युग सेपलकासिरातमोहिंजनुबिनबैदेही । बिनजानेकाबनैबुझावतम नमिसुयेही ॥ कपिपतिभूलोभांतिकेहिपारिसुखराजसमाजहै । क हबनादासनिश्चयकियेकरिलीन्हेनिजकाजहै ९१ सोईधनुओ बाणबनेममभुजाबिशाला । जातेमारेबालिरहासुग्रीवबिहाला॥

पाँवरपशुपतिनीचबीचपायेतेभूला । अबतकलईनखोजगईप
छिलीसबशूला ॥ क्रोधवंतप्रभुजानिकैलषणलियेधनुवानहै । क
हबनादासकटितूणकसिअवशिमहाबलवानहै ९२ लखेलषण
रुखरामकहेतवहींसमुझाई। सहजेदाँवदेखायसखैलैआवहुभा
ई ॥ तुरितगयोपुरमाहिंबीरधनुबाणचढ़ाये। जारिकरौंपुरक्षारसु
नतकपिपतिअकुलाये ॥ ताराअंगदसंगलैपठयेतबहनुमानजू।
कहबनादाससुठिचरणपरिकीन्हेसुयशबखानजू ९३ करिविनती
गृहलायसुभगआसनबैठारे । अतिहीप्रीतिसमेतबालिसुतचर
णपखारे ॥ धूपदीपनैवेद्यविविधबिधिपूजाकीन्ही । ताराश्रद्धाप्री
तिचरणजलशिरधरिलीन्ही ॥ आयदण्डवततबकरीसकुचसहि
तकपिरायजू । कहबनादासलक्ष्मणतबैभेंटेअंगलगायजू ९४
तबबोलेसुग्रीवकीशबहुगेप्रभुकाजा । सियखोजनकेहेतबुलाव
नसुभटसमाजा॥अंगदादिकपिसैनचलेजहँरघुकुलनाथा।लक्ष्म
णसंगैआयकीशपतिनायउमाथा ॥ भेंटेहृदयलगायप्रभुसबहि
सहितसनमानहै । कहबनादासपीछेमिलेअंगदादिहनुमानहै
९५ नाथविषयबलवानकरैयोगिनमनक्षोभा । कपिकामीपशुपो
चअवशिमेरीयहशोभा ॥ जापरकृपाकटाक्षपारसोईजनपावै ।
अपरतीनिहूँलोकविषेसरिताबहिजावै ॥ अबऐसीकरुणाकरीस
बतजिप्रभुचरणनभजौं । कहबनादासहरिदरशकोयहप्रभावतौ
तेलजौं ९६ जेजनविषयविरक्तनहींलोभादिकक्रोधा। सत्यवच
नगतमानआपुसमतेभलशोधा॥पावैतुम्हरीकृपालहैकरिसाधन
नाहीं। तातेतेईधन्यविषैवैराग्यसदाहीं ॥ सबहिप्रबोधेरामतब
सियखोजनजेकपिगये।कहबनादासअवसरनिरखिहनूमानकह
तेभये ९७ कपिपतिकियेविचारअंगदादिकजेबीरा । जामवन्त
हनुमानजाहिंदक्षिणदिशिधीरा ॥ अपरदिशाबहुसुभटमासभरि
कोपरमाना । लावहुसीताखोजनतरुमरनोनिजजाना ॥ प्रभुप
दगाहिकीन्हेगवनतबबोलेहनुमानजूं । कहबनादासदैमुद्रिकाक

हैलागिकछुकानजू ९८ ॥ सवैया ॥ खोजतवेगिचलेगिरिकन्दर
औघटघाटनदीनदनारे । बाटिकाबागनग्रामतजैंकहुँनग्रपुराग्र
रुकाननभारे ॥ जोरजनिइचरभेंटभईकहुँमारिचपेटनप्राणनिका
रे । दासबनाबहुदीनपुकारतजानिकेंताहितजेंग्रधमारे ९९ या
विधिबीतिगयेबहुबासरभेजलकारणप्राणदुखारे । मर्णभयोसब
कोऊबिचारततौंगिरिपैंहनुमाननिहारे॥ देखतहांबकहंसघनेखग
कूजैंउड़ैंनभमेंबहुबारे । जानिजलाशयगौनकियेतहँलागिकरैंच
हुँग्रोरबिचारे १०० ॥ घनाक्षरी ॥ देखेमहिबिबरहलेहैंहनुमान
ग्रग्रपीछेसबकोऊकपितहांपैठिपेखे हैं । रचनाबिचित्रमणिखचि
तबिबिधधाममोहैमनमुनिनकेलावैननिमेखे हैं ॥ हेमाकोत्रिग्रर
जाहिलङ्कानिर्माणकियेसोईमयबनयेबिचारकेंबिशेखे हैं । बना
दासभरोसरनानाफलफूललागे ग्रमीकेसमानप्राणजीवनसोले
खे हैं १ बैठितपपुञ्जतियताहिग्रवलोकतभेसबकोऊजायकेंप्र
णामतबकिये हैं । बूझैसोप्रसङ्गतबसकलहवालकहेकरिग्रस्ना
नफलखाहुग्राज्ञादिये हैं ॥ जायकरिमज्जनसकलजलपानकि
येखायकैंमधुरफलसुखीसुठिहिये हैं । बनादासजायसबबहुरिप्र
णामकिंयेइहांग्रायपरेमानौंमृतकसेजिये हैं २ मैंतौजैहौंरामपहँ
तिननिजहालकहेपैहौसियखोजउरशोचमतिकीजिये । ध्यानक
रोरामजूकोबिबरसोपारकैहौं ग्राज्ञादियेसबैकोऊग्रांखिमूँदिली
जिये ॥ मूँदतनयनसबकोऊसिन्धुतीरग्रायेसमुझिप्रतापरसप्रे
मउरभीजिये । बैठेसबशोचकरैंपायेसियशोधनाहींबनादासबार
हैंग्रधीरहाथमीजिये ३ ॥ कुण्डलिया ॥ खोजलियेबिनजाहिं
जोपैजकियेसुग्रीव । यामेंकछुसंशयनहींतौवहमारैजीव ॥ तौवह
मारैजीवकहेग्रङ्गदाबिलखाई । उभयभांतितेमौतबनेकछुनाहिंउ
पाई ॥ बनादासब्याकुलसकलभयेमहाबलसींव । खोजलियेबि
नजाहिंजोपैजकियेसुग्रीव ४ जामवन्ततबहींकहेधीरधरीयुवरा
ज । बिनसीताकीसुधिलिहेवहांकौनहैकाज ॥ वहांकौनहैकाज

लाजकरअवसरबीरा। सुमिरहुश्रीरघुबीरहृदयमेंआनहुधीरा॥ समुझावतसबभांतिसेसकलोकीशसमाज। जामवन्ततबहींकहे धीरधरौयुवराज ५ मनुजनजानोरामकोब्रह्मसच्चिदानन्द। सुमिर तजाकेनामकोमुनिकाटतभवफन्द॥ मुनिकाटतभवफन्दमुक्ति शिवदेवैकासी। अतिशयपूरणभाग्यभयेसबरामउपासी॥ बना दासऐसेप्रभुहिभजहिंनतेमतिमन्द। मनुजनजानौरामकोब्रह्मस च्चिदानन्द ६ मनबचक्रमकरिहोहुसबरामकामआरूढ़। रघुनाथै कीकृपातेहोवैसहजअगूढ़॥ होवैसहजअगूढ़सिन्धुशोषेघटयो नी। यहरामैकोकार्यताहितेनीकीहोनी॥ बनादासअसमयपरेअ वशिसहायकबूढ़। मनबचक्रमकरिहोहुसबरामकामआरूढ़ ७ मनछीजेपुरुषारथौक्षीणहोयदृढ़जान। तातेगाढ़ीसमयमेंधीरन तजैसयान॥ धीरनतजैसयानभरोसाहरिकोकीजै। जोतृणतेक रबज्रबज्रतृणकासेछीजै॥ बनादासक्वैहैभलासुमिरौश्रीभगवान। मनछीजेपुरुषारथौक्षीणहोयदृढ़जान ८ जामवन्तकोबचनसुनि सबकोमनहर्षान। सम्पातीगिरिकन्दराआरौपायेकान॥ आरौ पायेकानगुहातेबाहेरआवा। देखियुत्थकपिभालुहृदयमेंसुठिसु खपावा॥ आजुसकलभक्षणकरौंदिनबहुकेरभुखान। जामवन्त कोबचनसुनिसबकामनहर्षान ९॥ सवैया॥ कालअसंख्यसे उद्रभरोनहिंआजुदियेहरिएकहिबारे। देखिमहाबिकरालस्वरूप डरेसबबांदरभालुबिचारे॥ अङ्गदबोलतभेतेहिअवसरनाहिंज टाइवसेहोनिहारे। दासबनाकोप्रभावकहैंजिनरामकेकामशरीर तजारे १० दैपरतीतिबुलायसमीपहिबन्धुकथासबबूझतभयऊ। तौयुवराजकहेबिधिपूर्बकजोजगमेंअतिशययशलयऊ॥ लैच लौसिन्धुसमीपहिमोकहँजाबिधिबन्धुतिलाञ्जलिदयऊ। दासब नासहगीधसबैजनताक्षणसागरकेतटगयऊ ११॥ कुण्डलिया॥ तबसम्भातिकहतभयोअपनोपूरबहाल। युवारहेदोउबन्धुजब पौरुषअतिहिबिशाल॥ पौरुषअतिहिबिशालउड़ेरबिभेंटनका

रन। गयेनिपटनगिचायतेजतबलग्योजारन ॥ बन्धुफिरयोमैंना
फिरयोंबिधिगतिकठिनकराल । खसम्पातिकहतभयोअपनोपू
रबहाल १२ दीपकपरैपतङ्गजिमिभईदशातिमिमोरि । पङ्कज
रयोपहुँचेनिकटभूतलपरयोंबहोरि। भूतलपरयोंबहोरिकीन्हपुनि
हृदयबिचारा । पावककरैंप्रवेशसंगेबिनहिंअहारा ॥ मुनियक
नामेचन्द्रमादीन्हेज्ञानबहोरि । पकपरैपतंगजिमिभईदशाति
मिमोरि १३ देहसदाप्रारब्धबशतूत्यागैकेहिलागिं । समयसम
यपरमिलैगोजोकछुतेरीभागि जोकछुतेरीभागिआपुसेसोच
लिआवै । जोनहिंमिलैअहारदेकैसेठहरावै ॥ तनअभिमान
हिंदूरिकरिरहैरामअनुरागि । देसदाप्रारब्धबशतूत्यागैकेहिला
गि १४ ब्रह्मपरात्परअवधपुरमलेहैंअवतार । धेनुसन्तसुरका
रनेहरैंभूमिकाभार ॥ हरैंभूमिभारनारिचोरिहिदशशीशा । ता
केखोजनहेतपठावहिंप्रभुभटवा ॥ बनादासतेहिदरशतेजा
मिहिपङ्खतुम्हार । ब्रह्मपरात्अवधपुरजबलेहैंअवतार १५
सीतादिहेउबतायतुममुनिआभैमोहिं । पन्थनिहारेकालबहु
आजुसुखीलखितोहिं ॥ असुखीलखितोहिंदेखिमोहिंधरिये
धीरा । प्रभुकेकृपाप्रसादभईठेसुभगशरीरा ॥ बैठींसियाअशो
कतरमोहिंपरतहैजोहिं। सीतहेउबतायतुममुनिआज्ञाभैमोहिं
१६ गीधहिदृष्टिबिशालसुनिमहिंपरतनाहिंपेखि। नाँघैशतयोज
नउदधिसीताआवैदेखि॥सआवैदेखिकरौसबकोऊबिचारा।
होयरामकोकामउचितयहतुम्हारा॥ सम्पातीगवनतभयेदै
कैउदकबिशेखि। गीधहिदृशालहैतुमहिंपरतनहिंपेखि१७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलोउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजामत्रैविंशतितमोऽध्यायः २३ ॥

छप्पै ॥ जामवन्ततबकहौनिजनिजबलभाई । होयराम
कोकामकीन्हसोचहीउपा योजनप्रतिसबबढ़ेबीरजहँलगिब
रियारा । तबहिंबालिसुतारमैंजानेहारा ॥ आवनकोनहिंपा

रमनअङ्गदकहेबिचारजू । कहबनादासपुनिऋक्षपतितुमसबके
सरदारजू १८ नहींअहैतनतकएअवशिआईबढाई ।क्षणमेंओ
त्योंदेखिकाहअबकियेबड़ाई ॥ बामनबाढ़ेजबैबरणिकोपावैपारा।
तिहूँलोकपगतीनिसुयशजाकोबिस्तारा ॥ सप्तप्रदक्षिणकीन्हमैं
युवारह्योतेहिकालमहँ। कहबनादासक्योंचुपरहेबोल्योपवनकुमा
रपहँ १९ रामकामहितजन्मतातवमहिमाभारी । जन्मतही
अतिबेगलियेउड़िलीलितमारी ॥ अबतौयुवाप्रचण्डकाहतेहि
लङ्काजाना। रघुपतिचरणसँभारितबहिंबोलेहनुमाना ॥ कनक
भूधराकारतनप्रबलतेजब्याप्योबदन । कहबनादासध्रुवबङ्कसु
ठितबनिजबलभोअस्मरन २० नांघौंसातौसिन्धुतुच्छक्यासाग
रखारा । आनौंसहितत्रिकूटलङ्कलागैनहिंबारा ॥ रावणसेन
समेतहतौंक्षणएकैमाहीं । सीताशीशचढायचलौंलैरघुपतिपा
हीं ॥ रामकामकेकारणैमेढुकसेमीचहिमलौं । कहबनादासबजर
ङ्गबरबदतकोपिकालहिदलौं २१ तुमसबलायकतातकह्योतब
हींऋक्षेशा। आवोसीतहिदेखिकहीरघुबीरनिदेशा ॥ अङ्गदादि
जेबीरसबैसुनिआनँदभारी । हनूमानहियहर्षिकीन्हगढ़लङ्कत
यारी ॥ कालक्षेपसबकोउकिह्योकन्दमूलफलखायकै। कहबना
दासजबतकनहींआवोंसियसुधिपायकै २२ सिन्धुतीरगिरिएक
चढ़ेतापरभयत्यागे । सिमिटेकरऔपादबहुरिअवलोकेआगे ॥
कुरछाल्योपथगगनबेगिउपमानहिंआना । यथारामकोबाणच
ल्योतैसेहनुमाना ॥ धन्यश्रीरघुनाथजूधनुषमनहुँकपिरायभो ।
कहबनादासदलभाथसेशरसेबीरनिकायभो २३ तरक्योजबह
नुमानहल्योअतिभूधरभारी। पर्योसिन्धुमहरायजीवनानाबिधि
भारी ॥ भूप्योमर्कटभालुसिन्धुमेंबिनहिप्रयासा । हनूमानकोबे
गकवनपावैअवकासा॥ नभमारगमेंजातहैंबैनतेयसेसुठिसबल।
कहबनादाससुतपौनकोपटतरकहँपावैप्रबल २४ गगनजातह
नुमानसिन्धुउरकीन्हबिचारा। बेगिकहेमैनाकजायतैंदेयसहारा॥

रामदूतजियजानिकीन्हउतिरायप्रणामा । कीजैमोहिंसनाथक्षण
कलीजैबिसरामा ॥ करतेपरसेपवनसुतदरसेमोहिंदूजोनहीं । क
हबनादासप्रभुकाजबिनकियेचैनकैसीलही २५ देवनकीन्हबि
चारलङ्कगवनेहनुमाना । बलबुधितेजप्रतापचहीइनकोकछुजा
ना ॥ पठयेसुरसासपदिमिलीकपिमगहिंमझारा । बोलीअवशि
सरोषसुरनमोहिंदीनअहारा ॥ तबहिंकहेहनुमानजूयहिक्षणदी
जैजानमोहिं । कहबनादासप्रभुकाजकरिआयपैठिहौंबदनतोहिं
२६नहिंकीन्हेंकछुकानअतिहिसोबदनबढ़ावा। पवनतनयबलवा
न्दुगुनतेहिरूपदेखावा ॥ सुरसायोजनयुगलतबहिंनिजमुखहि
पसारा । हनुमतयोजनचारिकियेआननबिस्तारा ॥ योजनप्रति
बढ़नेलगीषोड़शयोजनमुखकिये । कहबनादासबत्तिसबहुरिह
नोमानहर्षितहिये २७ जसजससुरसाबढ़ीभयेकपिताकोदूना ।
तबहींकरिअनुमानहियेआईकछुऊना ॥ शतयोजनमुखकियेभ
येअतिलघुहनुमाना । मांगिबिदाजबचलेमहामहिमासोजाना॥
जेहिलगिपठयेदेवमोहिंतवप्रतापजानतभई । कहबनादासआ
नन्दअतिदैआशिषसुरसागई २८ रघुपतिसन्मुखहोतहोयतिहुँ
पुरहितकारी । बारनबांकैकबहुँलगैनहिंतातिबयारी ॥ गोपद
सातौंसिन्धुअनलअतिहीशितलाई । पंगुचढ़ैगिरिशृंगशत्रु
सुठिकरैभलाई ॥ आकहोयसुरतरुसरिससुनिआश्चर्य्यनको
उकरै । कहबनादासप्रभुपदबिषेदृढ़प्रतीतिजोजनधरै २९ नाम
सिन्धुकाजासुरहैसोजलनिधिमाहीं । जोनभमारगउड़ैगहैताकी
परिछाहीं ॥ फेरिनसकैउड़ायखायताकहँसोमारी । अतिदुस्तरग
तितासुजियैयहिबिधिनभचारी ॥ सोईचरितकपिसेकियेतुरतब
धेसुतपोनहै । कहबनादासबलबेगसमसिन्धुपारकियेगौनहै ३०
सिन्धुतीरगिरिएकचढ़ेतापैकपिराई । गढ़लङ्काअतिदुर्गपखोस
बाँङ्गदेखाई ॥ कनककोटमणिखचितनाहिंउपमाअमरावति । ब
रणैशोभातासुभारतीसुठिसकुचावति । चारिद्वारचारिउदिशाल

बिधिकोटिकुतर्कैउरभैगलानिचिन्तालजै ४४ बनउपबनबाटिकानगरबाहेरबहुदेखा। कुम्भकर्णतहँगयोकरैबिस्तारकोलेखा॥ पुरबाहेरसोनिकटपरासोवैषटमासा। जागैजबहींबीरहोयतिहुँपुरमेंत्रासा॥ ताकोमारगएकदिशिआवैरावणकेनिकट। कहबनादासपैंड़ेतेहीपुनिपलटैजहँरहैभट ४५ हनूमानतेहिदेखिकियेउरमेंअनुमाना। धरिकैअतिलघुरूपगयोभीतरबलवाना॥ श्रवणनासिकाउदरमाहिंहेरेबैदेही। रावणराखेहोयजानिकैपरमसनेही॥ बीतिगयेबासरकईपुनिआयेनिशिलङ्कहैं। कहबनादासब्याकुलअवशिदिशिराक्षसनअशङ्कहैं ४६ पुनिकीन्हेअनुमानहियेहनुमानबिशेखी। राखेजलनिधिमध्यसियाकहुँपरतनपेखी॥ तातेखोजीसिन्धुमन्त्रयाहीदृढ़नीका। इतनाउरमेंफुरतदिशाबायेंकोउछींका॥ जग्योबिभीषणसमयतेहिरामरामसुमिरयोजबै। कहबनादाससुतपवनसुनिहृदयमोदमान्योतबै ४७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामचतुर्विंशतितमोऽध्यायः २४॥

छप्पै॥ पुनिआयोउरमाहिंनिशाचरलङ्कघनेरा। अतिअचरजकीबातइहांकहँसाधुबसेरा॥ चल्योबहुरितेहिठावँवृक्षतुलसीकेदेखा। हरिमंदिरबरबनोनामअंकितअतिपेखा॥ जानेकोउसज्जनइहांअवशियोग्यपहिचानहैं। कहबनादासश्रुतिनीतिमतसाधुसोहितनाहिंआनहैं ४८ बिप्ररूपतबधरेद्वारपरबचनसुनाये। अवशिहर्षसुनिभयेबिभीषणउठितहँआये॥ करियुतप्रीतिप्रणामतबहिंतिनबचनउचारा। कहहुकथाद्विजदेवहेतकवनेपगधारा॥ हमकहँदुर्लभदरशतुवआजुअहोममभागिहै। कहबनादाससुनिप्रियबचनउठेहृदयअनुरागिहै ४९ कहेकथानिजनामरामकेकामसिधाये। मिलेबिभीषणहरषिअवशिंउरमेंलपटाये॥ सजलनयनतनपुलकनाहिंआवतिमुखबानी। दोउजनप्रेमअधीररहींनिजनाहिंनिशानी॥ तामसतनसाधनरहितअवशिमलिन

मनबामहै । कहबनादासकवनीतरहकरिहैंकरुणारामहै ५० न
हींयोगजपयज्ञनहींव्रततीरथदाना । नहिंतपनेमअचारसंतसंग
तिनहिंजाना ॥ पढ़ेनवेदपुराणपाठपूजानहिंकोई । नहींभजनअ
नुरागजन्मगेबादिहिखोई ॥ खलमण्डलीनिवासनितमृतकतु
ल्यमानहुँजिये । कहबनादासतवदरशतेकछुभरोसआवतहिये
५१ बिनरघुपतिकीकृपामिलतनहिंप्रभुअनुरागी । हनूमानतव
दरशभग्नभालहिसुठिजागी ॥ कपिकहँशुभगुणधामरामपदपूर
णप्रेमा । होतनऐसोतातलंकनिबहतकोनेमा ॥ प्रीतिपरस्परउ
भयदिशिअतिहिमगनदोउजनभये । कहबनादासकोहमकहांर
हिनहिंतेहिअवसरगये ५२ ॥ घनाक्षरी ॥ कहेहनुमानतातसा
धनसकलमूलजानोरामनामऐसोदूसरोनआनहै । योगयज्ञपूजा
पाठतीरथबरतदाननेमऔअचारनहिंनामकेसमानहै ॥ जपत
पनहिंतुलैंव्याजहूसमानताहिभक्तिऔबिरागहोयजाहिकरिज्ञान
है । सोतोलंकमाहिंतातसुलभसकलकालभूसीकेसमानसबजो
रबजहानहै ५३ मुक्तिरामनामहीसेभुक्तिरामनामहीसेरामनाम
हीसेसबसाधुताकोअङ्गहै । योगरामनामहीसेक्षेमरामनामहीसे
रामनामहीसोंहोतउरमेंउमङ्गहै ॥ प्रेमरामनामहीसोंनेमरामनाम
हीसोंजानोरामनामसेमनोरथनभङ्गहै ॥ बनादासतामेंलंकतीर
थनभेददीसैरामनामजपेजनसबसेअसङ्गहै ५४ जपेरामनाम
जिनकामताकोपूरसबकूरनसेदूरशूरसोईधीरवानहै । कालऔक
रमसंगसकतनभंगकरिरँगेरामरंगदृढ़होतज्ञानवानहै ॥ बिरति
बिज्ञानध्यानधारणासकलअङ्गशांतिहूकोभागीसोईपरमसुजान
है । बनादासऐसोनामतजिध्यावैऔरजौनताकोपशुजानोहीन
पूंछऔबिषानहै ५५ प्रीतिऔप्रतीतिजाकीभईरामनामहीसों
दृढ़व्रतअतिमानोचातकसमानहै । करमबचनमनसाधनअपर
जलश्रुतिऔपुराणकरैकाहूकीनकानहै ॥ बनादाससुकृतकोसींव
सोईजगमाहिंफेरिताहिकरबोनरहोकछुआनहै । सुरनरमुनिसब

ताहीकिसराहैभागिकहतविभीषणसोंऐसोहनुमानहै ५६ रामना
मरहितसहितकुलकोटिगयोहमरेविचारसोईसांचोयातुधानजू।
ताकरनिरादरविशेषिलोकवेदहूमें सन्तमतमाहिंभयोमृतकसमा
नजू॥रामअनुरागीभूरिभागीतीनिकालहूमेंजागीकलकीरतिसो
देवकेसमानजू। बनादासदेवदैत्यमृतकऔजीवतकोजानियेवि
शेषिरामनामपरमानजू५७॥ छप्पै॥ गयोदिवसजबबीतिकहेहनु
मतसुनुभ्राता॥कीजैसोईउपायलखौंजेहिसीतामाता॥तबहिंविभी
षणकहेयतनसियदेखनकेरी॥चलेवेगिहनुमानशोचसबअंगनिवे
री॥ अतिलघुरूपबनायकेगयेहृदयहरषानहै। कहबनादासज
हँजानकीकीन्हेउरअनुमानहै ५८ तरुअशोकचढ़िगयोशोक
भोकपिहिविशेखी। रह्योनधीरसँभारदुखितसुठिसीतहिदेखी॥
कृशशरीरशिरजटिलरामनामहिंलवलाई। उड़िउड़िलागीधूरि
दशातनकीबिसराई॥ लोचनमोचतबारिअतिसूखअधरपदनै
नहैं। कहबनादासमूरतिहृदयनिरखतिकरुणाऐनहैं ५९ ऊर्ध्व
श्वासयुतआहबिरहसहसुठिबैदेही। पक्षीउड़िउड़िगयेत्यागिनि
जबाससनेही॥ सहिनसकेखगपीरकहांउपमाकविपावै। देखिजा
नकीदशाधीरयुतकोरहिजावै॥ मूर्त्तिवन्तकैधौंबिरहकैपरगटतप
रूपहै। कहबनादासकोकहिसकैसीतादशाअनूपहै ६०॥ कुण्ड
लिया॥ रावणआयोसमयतेहिसंगअमितबरनारि। लग्योप्रबो
धैजानकीशठमानैनाहिंहारि॥ शठमानैनाहिंहारिसुनैकिनबचन
सयानी। मयतनुजादिकअहैंजौनमेरेपटरानी॥ सकलअनुच
रीतवकरौंममदिशिनेकनिहारि। रावणआयोसमयतेहिसंगअ
मितवरनारि ६१ मेरीदिशिदेखैनहींरततपसीकेध्यान। राज्य
भोगनहिंआदरैकोमोसमजगआन॥ कोमोसमजगआनकहा
ताकोनहिंमानै। आयोक्याहोनिहारटेकअपनीसुठिठानै॥ बना
दासजोनहिंसुनैमरिहौंकाढ़िकृपान। मेरीदिशिदेखैनहींरततपसी
केध्यान ६२ सुनासीरसेशतविभौजाकेबशातिहुँलोक। सोमभानु

इन्द्रादियमकाकोदियेनशोक ॥ काकोदियेनशोकशम्भुबिधिजे हिआधीना। चाहेसोबरलियेसकलसुरजासोदीना॥ बचननमानै तपीत्रियजाकोकहींनरोक । सुनासीरसेशतबिभौजाकेबशतिहुँ लोक ६३ रेपापीनिर्लज्जशठदशमुखअधमअयान । ताहिपीठि दैजानकीबोलीबचनप्रमान ॥ बोलीबचनप्रमानहरेसूनेखलमो ही । तूखद्योतप्रकाशभानुरघुपतिकोद्रोही ॥ बनादासअबतक नहींखोजलहेभगवान । रेपापीनिर्लज्जशठदशमुखअधमअया न ६४ केहरिकीसमताकरैकैसेमूढ़शृगाल । बैनतेयकहँकाकश ठम्षानमारैगाल ॥ म्षानमारैगालहंससमताबककैसे । बैठो आननमीचबचनक्योंकहैअनैसे ॥ बनादासनिजकियेकोफल पावैगोहाल । केहरिकीसमताकरैकैसेमूढ़शृगाल ६५ जाहिबन्धु कोरेखधनुनांघिनसकेहुमलीन । तासुप्रियासोबचनइमिबीसो लोचनहीन ॥ बीसौलोचनहीनकंठतवअसिकैमोरे । कैगिरिहै महिमाहिंसद्यदशमस्तकतोरे ॥ बनादासहौंहूयहीअवशिप्रति ज्ञाकीन । जाहिबन्धुकोरेखधनुनांघिनसकेहुमलीन ६६ मारन धायोकोपिखलतबहींकाढ़िकृपान । सुनिसीताकेबचनकटुदशमु खसुठिखिसियान ॥ दशमुखसुठिखिसियाननारितबहींसमुझा वा । अतिसकोपिभुजबीसविकटनिशिचरीबुलावा ॥ सीतहित्रा सौजायकैएकमासपरमानहै । मारनधायोकोपिखलतबहींकाढ़ि कृपानहै ६७ कहानमनिहैमाससमेंतौमरिहौंप्रणकीन । भौनगयो दशकन्धतबसीताउरअतिदीन ॥ सीताउरअतिदीनइहांनिशि चरीअपारा । त्रासदेखावहिंसियहिरूपनानाबिकरारा ॥ बनादा सलोचनबिपुलकोऊनयनतेहीन । कहानमनिहैमाससमेंतौमरिहौं प्रणकीन ६८ श्रवणनासिकाऔबदनकाहूकोबिकराल । काहू कोतनखीनहैकोउअतिपीनबिशाल ॥ कोउअतिपीनबिशालका लकीजनुमहतारी । ऊर्ध्वकेशदृगरक्तभयानकअतिहीकारी॥ त्रि जटानामेराक्षसीअवशिभक्तिपथपाल । श्रवणनासिकाऔबदन

काहूकोबिकराल ६९ स्वप्नसुनाईसबनकोलङ्काजारीकीश। यातुधानसेनाहतेखण्डितभोभुजबीश॥ खण्डितभोभुजबीशनगनमुण्डितदशशीशा। खरश्ररूढ़यहिभांतिगयोदक्षिणश्रवनीशा॥ बनादासबश्रङ्गसेभईबाटिकाखीश। स्वप्नसुनाईसबनकोलङ्काजारीकीश ७० पायोराज्यबिभीषणनगरदोहाईराम। सियागईरघुबीरपहँकीशभालुसुखधाम॥ कीशभालुसुखधामस्वप्नकेहैयहसांचा। मानोकहाहमारकालरावणशिरनाचा॥ बनादाससियसेयकैसुखीकरौबसुयाम। पायोराज्यबिभीषणनगरदोहाईराम ७१ मर्कटनोचतभांतिबहुतुमसबशिरकेकेश। हनतमुष्टिकापृष्ठमेंपावतश्रमितकलेश॥ पावतश्रमितकलेशकहातातेममकरिये। जनकसुताकेचरणश्रवशिकरिसबकोउपरिये॥ बनादासयहिभांतिसेइकहैभलाविशेश। मर्कटनोचतभांतिबहुतुमसबशिरकेकेश ७२ तासुबचनसुनिकैडरींपरींसियाकेपांय। मांगिबिदाजातीभईरजनिशिचरीनिकाय॥ रजनिशिचरीनिकायरहीत्रिजटातेहिठांई। सियाकहेश्रकुलायकाहश्रबकरियेमाई॥ बनादासयहदुसहदुखक्योंहूँसहानजाय। तासुबचनसुनिकैडरींपरींसियाकेपांय ७३ याश्रसमयकेबीचमेंतुहीसहायकएक। बिषमबचनदशशीशसुनिरहैनबुद्धिबिबेक॥ रहैनबुद्धिबिबेककरौतुमश्रवशिउपाई। श्रानिकाठरचिचिताश्रनलपुनिदेहुलगाई॥ बनादासनिशिदिनकवनशूलैंसहैंश्रनेक। याश्रसमयकेबीचमेंतुहीसहायकएक ७४ तबत्रिजटाकरजोरिकैसमुझाईबहुभांति। कहीकथाइतिहासगुणिजातेशोचसिराति॥ जातेशोचसिरातिबचनमानोबैदेही। रघुपतिप्रबलप्रतापश्राइहैंप्राणसनेही॥ बनादाससबमारिहैंश्रचैननिशिचरजाति। तबत्रिजटाकरजोरिकैसमुझाईबहुभांति ७५ यहिबिधिकहिगवनीभवनसीताउरश्रकुलात। मासएकबीतिहिजबैकरिहिप्राणकोघात॥ करिहिप्राणकोघातबातबनिसकैनकोई। तजियेतनजेहिभांतियतननानाबिधिजोई॥

बनादासप्रतिकूलबिधितातेकछुनपोसात । यहिबिधिकहिगवनी भवनसीताउरअकुलात ७६ रावणआयोजाहिक्षणसुनेपवनसुतबात । बनादाससुठिक्रोधबशमनहुंदहेसबगात ॥ मनहुंदहे सबगातसमौलखिरहेचुपाई । जिमिगयन्दकोदेखिसिंहकोनाहिं समवाई ॥ देहोंप्रातसजायशठपलपलपरअकुलात । रावण आयोजाहिक्षणसुनेपवनसुतबात ७७ अबसीताकीदेखिगतिप लजनुकलपसमान । करतकोटिकल्पनाउरबारबारहनुमान ॥ बारबारहनुमानसियाबिनवतजेहितेहीं । जातेपावकमिलैसद्यछूटैयहदेहीं ॥ बनादाससुठिदुसहदुखकोकरिसकैबखान । अब सीताकीदेखिगतिपलजनुकलपसमान ७८ तारादेखीगगनमेंमा नहुंअमितअँगार । अवनिनआवतएकहूअवशिसबलहोनिहार ॥ अवशिसबलहोनिहारचन्दपावकनहिंदेई । जातेजारौंदेह कसनबिनतीसुनलेई ॥ बनादासमानेनहींत्रिजटाबचनहमार । तारादेखीगगनमेंमानहुंअमितअँगार ७९ अबअशोकबिनती सुनैकरैनामकीलाज । सद्यशोकमेरोहरैकरैनसमयअकाज ॥ करैनसमयअकाजनवलपल्लवजनुलागी । कसनाहिंपावकदेयदेह दाहनहितमांगी ॥ बनादाससियबिकलताकहिनसकैंअहिराज । अबअशोकबिनतीसुनैकरैनामकीलाज ८० दीनबंधुसुखसिंधु प्रभुनिपटबिसारेमोहिं । यहिअवसरनाहिंकोउसुनैबिरदलाजनितोहिं ॥ बिरदलाजनिततोहिंतजेकौनीबिधिदाया । करियेसोईकृपालुजाहितेछूटैकाया ॥ दियेमुद्रिकाडारितबहनूमानसियजोहि । दीनबंधुसुखसिंधुप्रभुनिपटबिसारेमोहि ८१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपञ्चबिंशतितमोऽध्यायः २५ ॥

कुण्डलिया ॥ तेहिअवसरसुतपवनउरअवशिउठ्यौअकुलाय । सियउठिलीन्हीमुद्रिकातबहींहियहरषाय ॥ तबहींहियहरषायसुनैकोप्रभुबिनमेरी । बिनयकरततत्कालकृपानिधिकियेन

देरी ॥ बनादासलखिमुद्रिकासद्यउठीबिलखाय । तेहिअवसर सुतपवनउरअवशिउठ्योअकुलाय ८२ मायातेरचिजायनहिं जीतनयोगनकोय । तेहिअवसरसीताहृदयअतिशयबिस्मयहोय ॥ अतिशयबिस्मयहोयबहुरिउरमेंअनुमानी । करिकरुणारघुबीरपठायेममहितजानी ॥ देरेपावकमुद्रिकाकहतमैथिलीरोय। मायातेरचिजायनहिंजीतनयोगनकोय ८३ बचनसुनेत्रिजटानहींगिरयोनगगनअँगार । नहिंअशोकशशिरुयालकियमेरोदुःखअपार ॥ मेरोदुःखअपारनाथबिनतीचितलाई । बेगिपठायेतोहिंकरैनहिंतूसुनवाई ॥ बनादासदेअनलकोमुँदरीकरैनेवार । बचनसुनेत्रिजटानहींगिरयोनगगनअँगार ८४ नाथसुनेतूनहिंसुनैमुँदरीअतिबरियार । तेहिअवसरबोलतभयेमधुरेपवनकुमार॥ मधुरेपवनकुमारमातुमुँदरीमेंआनी । रघुपतिकरुणासिंधुदियेतुमकासहिदानी ॥ बनादासबरणैलगेप्रभुकोसुयशअपार । नाथसुनेतूनहिंसुनैमुँदरीअतिबरियार ८५ सीताकेदुखदूरिभेसुनतसुयशरघुबीर । तजेअवधतबतेकथाभाषीसुवनसमीर ॥ भाषीसुवनसमीरकहेतबहींबैदेही । सोहोवैकिनप्रकटकहतयशपरमसनेही ॥ बनादासतबपवनसुतआयेजानकितीर । सीताकेदुखदूरिभेसुनतकथारघुबीर ८६ नखशिखबरणेरूपप्रभुकरपदरेखअनूप । लक्ष्मणयुतभाषेतबैअतिशयसुभगस्वरूप ॥ अतिशयसुभगस्वरूपनेकहूफेरनआवा । बैदेहीसबबूझिअवशिउरअचरजखावा ॥ बनादासबहुबिधिकरैमनदृढ़होयनखूप । नखशिखबरणेरूपप्रभुकरपदरेखअनूप ८७ आयोउरसंकोचसियफिरिबैठीतेहिबार । सुनिराक्षसमायावरीहोयनहियअतिबार ॥ होयनहियअतिबारतबैकहपवनकुमारा । रामदूतमैंमातुसपतप्रभुचरणहजारा ॥ बनादासनिश्चयभयोबचनबिचारेसार । आयोउरसंकोचसियफिरिबैठीतेहिबार ८८ अतिकोमलचितकृपानिधिकितनिठुराईकीन । दारुणबिपतिबिचारिममअबतकसुधिन

हिंलीन ॥ अबतकसुधिनहिंलीनमोरअवगुणमेंजाना । बिछुर
तचरणसरोजप्राणनहिंकीन्हपयाना ॥ बनादासबिपरीतबिधिबु
द्धिबिशदहरिलीन । अतिकोमलचितकृपानिधिकितनिठुराईकी
न ८९ कहेबचनकटुलषणकोबिछुरतकृपानिधान । केहिसुखल
हिराखेतनाहिंतजेनपावरप्रान ॥ तजेनपावरप्रानअजहुंबिधिका
हदेखावै । भईबिरहबशसीयकहांउपमाकबिपावै ॥ बनादासपु
निपुनिकहेरामदशाहनुमान । कहेबचनकटुलषणकोबिछुरतकृपा
निधान ९०कहहुकुशलयुतअनुजप्रभुबूझतबारंबार । तवदुखते
दुखकृपानिधिभाषेपवनकुमार ॥ भाषेपवनकुमारकहेप्रभुबिछुरत
सीता । करैकवनबिस्तारभयोसारोबिपरीता ॥ बनादासमनउ
तरह्योइततनपर्योखुआर । कहहुकुशलयुतअनुजप्रभुबूझतबा
रंबार ९१ रघुपतिकोतनभाननहिंकहतबचनहनुमान । कहने
कोकछुआनहैबोलिजातकछुआन ॥ बोलिजातकछुआनचलत
इतउतचलिजावैं । थकितशारदाशेशखोजिउपमानाहिंपावैं ॥ ब
नादासगतिप्रीतिकीयेतेमैंपाहिंचान । रघुपतिकोतनभाननहिंक
हतबचनहनुमान ९२ बनकेनानाजीवजेतनऊपरललसिजात ।
बैठरहतआसनबिषेजानिनपावतमात ॥ जानिनपावतमातगा
तसेसुरतिभुलानी । समाधिस्थतवरूपरामगतिपरैनजानी ॥ ब
नादासरहिरहिकबहुंऊर्ध्वश्वासअकुलात । बनकेनानाजीवजेतन
ऊपरललसिजात ९३ हांसीतेकहुंउच्चरतधरतनहींउरधीर । लष
णप्रबोधतभांतिबहुऐसीगतिरघुबीर ॥ ऐसीगतिरघुबीरखोजअ
बतकनहिंपाई । अबलगिहैनहिंबारअवशिऐहैंरघुराई ॥ बना
दासकपिकेसहितबधिराक्षसधनुतीर । हांसीतेकहुंउच्चरतधरतन
हींउरधीर ९४ अबहिंमातुमैंजाउँलैप्रभुआज्ञानहिंदीन । सद
लआयरघुबंशमणिकरिहैंरिपुकुलखीन ॥ करिहैंरिपुकुलखीनमा
रिरावणरणमाहीं । तबलैचलिहैंतोहिंतिहूंपुरसुयशबसाहीं ॥ ब
नादासयशगायसोतरिहैंपरमप्रवीन । अबहिंमातुमैंजाउंलैप्रभु

अज्ञानहिंदीन ६५ सुनतबचनसंशयभयोतबसीताउरमाहिं। सुततुमहीसमकपिअहैंनिशिचरअतिभटआहिं॥ निशिचरअतिभटआहिंप्रकटनिजतनुहनुमाना। कनकभूधराकारतेजतीक्षणजनुभाना॥ बनादासनिश्चयभयोहनुमतपटतरनाहिं। सुनतबचनसंशयभयोतबसीताउरमाहिं ६६ देखोसुंदरफलबिटपअतिशयमातुभुखान। सुनिसीताबोलतभईरखवारेबलवान॥ रखवारेबलवानतासुभयतनिकनमोही। आज्ञादीजेजननिखाउँफलहतिसुरद्रोही॥ बनादासतबसियकहेखाहुदियेबरदान। देखोसुंदरफलबिटपअतिशयमातुभुखान ६७ छप्पै॥ चल्योनायशिरचरणबागपैठेहनुमाना। रचनापरमबिचित्रकवनकबिकरैबखाना॥ चहुँदिशिचारुदेवालकनकमाणिखचितसोहाई। भांतिभांतिचित्राममनहुँकरकामबनाई॥ सुभगबुर्जचोरतचितहिमानहुँगिरिकेशृंगहैं। कहबनादासफूलेबिटपगुंजतनानाभृंगहैं ६८ लागेतरुबहुजातिजातिबल्लीक्षितछाई।सुमनफलनकेभारजाहिंसुररूखलजाई॥ लतालसततरुमध्यकहांउपमाकबिपावै। हरितललितपल्लवितमुनीशनचितहिचोरावै॥ द्वादशमासबसंतजनुइंद्रबाटिकातुच्छजेहि। कूजतपक्षीभांतिबहुबनादासमनहरनकेहि ६९ तासुमध्यसरसोहपाणिमणिचितहिचुराई। सुभगनीरगम्भीरसघनपुरइनिछबिछाई॥ रातापितसितअसितचहूंदिशिसरसिजफूले। करतपानमकरन्दचोपिशुठिमधुकरभूले॥ कूजतखगनानाबरणमीनमनोहरमनहरै। कहबनादासवरबाटिकाकेहिउपमाकहँअनुहरै १०० तामधिसुभगनिकेतदेवपतिसदनलजावै। कनकमयीमणिजटितअवशिअवलोकतभावै॥ बनेभरोखाताखपाखगोखाशुठिसोहैं। झालरिझाड़अनूपनिरखिमुनिनायकमोहैं॥ तनेचँदोवाचारुबरजनुरतिकामबिहारथल। कहबनादासचित्रामवरनानाकौतुककरतकल १ कबहूंत्रियनसमेतिकरैंदशशीशबिहारा। अपरपुरुषनहिंजाहिरहैंतेहिपालनहारा॥

तातेप्रियबाटिकापरमहैरावणकेरी । प्रमदावनतेहिनामधरयोद शकन्धरहेरी ॥ प्रकटअशोकसोबाटिकाचहुंदिशिचारिदुवारहैं। कहबनादासनौबतिझरतनिशिहुदिवसएकतारहैं २ सहससुभ टप्रतिद्वाररहैंताकीरखवारी । अनचिन्हारअलितहांनहींपावहिं पैठारी ॥ हनूमानसबदेखिचहतसोअवशिविध्वन्सा । रावणप्रा णसमानलंकमानहुंअवतन्सा ॥ लगेखानफलतूरितरुनिरखेज बरखवारजू । कहबनादासयकबारगीमारेदैत्यहजारजू ३ भो अतिहांहाकारकछुककीनेअधमारे । गिरतपरतकछुजायवेगि दशशीशपुकारे ॥ आयोकपिबिकरालबाटिकाकीनेखीसा । मारे निशिचरनिकरसुनतकोपाभुजबीसा ॥ भेजेसुठिलायकसुभटदे खिगर्जिसुतपौनहैं । कछुमारेमर्देकछुककछुकसिन्धुकियेगौनहैं ४ बिटपतोरिझकझोरिखातफलबारहिबारा । प्रलयकरैजिमिरुद्र पौनसुतरूपसँभारा ॥ कीन्हेसुठिखैकारचहूंदिशिफिरिफिरिखोई । करनिइक्षुकोखेतनिपातैंतेहिबिधिसोई ॥ गयेबहुरिरावणनिकट अंगभंगअतितंगहैं । कहबनादासनहिंकछुबनैकपिकुंजरबररंग हैं ५ बोल्योअक्षयकुमारकोपकरिकैदशकन्धर । कियेबाटिकाखी सदेखुसुतकैसनबन्दर ॥ अमितसुभटलैसंगचलारावणसुतबं का । हनूमानतेहिदेखिगर्जिरवघोरअशंका ॥ अतिबिशालतरु तोरिकैकीन्हेतासुनिपातहैं । कहबनादासकपिक्रुद्धह्वैकियेदैत्यब हुघातहैं ६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामषट्विंशतितमोऽध्यायः २६ ॥

घनाक्षरी ॥ हांथपाँवतोरितोरिमुण्डकेतेफोरिफोरिसिंधुमाहिंबो रिबोरिभारींभटमारेहैं।केतेमहिमार्दिडारेकेतेगर्दिबर्दिडारेकेतेअध मारेकेतेचीरिफारिडारेहैं ॥ केतेगालफारिमारेकेतेतनमींजिडारेके तेअधमारेजायरावणपुकारेहैं। बनादासअक्षयवधसुनेदशकन्ध जबतबअतिकोपिघननादकोंहँकारेहैं ७मारेसुनतातबांधिलाउक

पिकहाकरधरिपितुआज्ञाशीशसुभटहँकारेहैं।तोमरपरिघभिंदिपा
लधनुबाणधरिअसिऔचमरधरिधायेबीरिभारेहैं ॥ अश्वगजख
च्चरअरूढ़कैकैस्यन्दनपैरावणसुवनसङ्गचलेकारेकारेहैं।बनादास
बाटिकाकोघेरिलियेचारिओरकटकटायचोपिहनुमानचोटमारे हैं
८लूमकोलफायमुखबायऔकखायहगअवशि रुखायकपिपादप
उपारेहैं।भञ्जनकरतमुखबीरनकोबारबारइतमेघनादअतिकोपि
ललकारेहैं ॥ सुवनप्रभञ्जनकरतअरिगञ्जनमनहुंवृकमेढुककेद
लहिबिदारेहैं। बनादासअस्त्रशस्त्रकोपिचोपिबारबारएकहनुमान
पैअनेकबीरमारेहैं ९ खण्डखण्डटूटतसोबज्रअङ्गमाहिंसारेजग
मेंसबलसुठिपवनकुमारहै। मारेबहुशूरबीरधीरबिचलायेरणजो
नीओरपरैधायहायहाहाकारहै ॥ सारथीऔस्यन्दननिपातेघन
नादकररावणसुवनकियेतबहींबिचारहै । बनादासजीतिनहिंजा
यगोबिशेषिबलतबब्रह्मबाणकोपिमारेबिकरारहै १० महिमाअ
पारजानिताहिअङ्गीकारकियेकैहैप्रभुकार्यऔरतातेभूमिआयोहै।
गिरतसमीरसुतकेतेबीरपीसिडारे बाँधिनागफाँसताहिमेघनाद
लायोहै॥ सुनिकपिबन्धननिशाचरअमितधायेदेखिदशशीशउर
क्रोधअतिआयोहै । बनादासदाँतपीसिबीसहाथमींजिडारेसुतब
धसुरतिकरतबिलखायोहै ११ मारेकाहेराक्षसबिटपक्योंउपारे
कीशअवशिअशङ्कलोभक्षणकीनआयेहैं। कौनहेतआयेहैंकहां
सेकिनबातकहुबोलेहनुमानशङ्कनेकहूनलायेहैं।बादँरअहारफल
खायेताहिभूखलागेमर्कटस्वभावकरितरुतोरिनायेहैं। बनादास
मारेमोहिंताहिमारे भलीभाँतिलायोतवपूतबाँधियेतोनाहिंभाये
हैं १२मारेमधुकैटभबिदारेजोहिरण्यअक्षहेतप्रह्लादजिनखम्भ
फारिडारेहैं ।धेनुद्विजसुरसाधुहेतअवतारलियेप्रबलप्रतापदश
रथनृपबारेहैं॥ शंकरशरासनमृणालसमतोरेजिननृपमदमथेभृ
गुनाथजातेहारेहैं । बनादासबधेहैंबिराधऔकबन्धहनेखरदूष
णादिक्षणएकमेंसँहारेहैं १३ ताड़कासुबाहुबधिमुनिमखरक्षाकि

येगौतमकित्रियातारेवेदयशगायेहैं । खेलतशिकारखलतोसोंमृगमारितजेतासुदूतजाकीत्रियाचोरीहरिलायेहैं ॥ खोजलेनआयेकछुमानहुंसिखायेममकैहैकुलकुशलजोतेरेमनभायेहैं । बनादाससादरजनकसुताआगेकरिबेगचलुशरणतौसबैबनिआयेहैं
१४ अवशिदयालुरघुनाथकोस्वभावसदादीनभयेसबअपराधदूरिकरैंगे । करौराज्यअचलसकलसुखभलीभांतियहीअवकातितेरीकार्यसबसरैंगे ॥ नातोप्रभुबाणनसेजर्जरशरीरह्वैहैदशशीशबीसबाहुभूतलमेंपरैंगे । बनादासगीधचील्हचंगुलसेखैहैंनोचिश्वानऔश्रृगालसबधायधायधरैंगे १५ सुनिकपिबचनमनहुँजरिबरिगयोमिलोगुरुज्ञानीमोहिंमारोआज्ञादियेहैं । ताहीसमयआयोहैविभीषणसमाजमाहिंमाथपदनायतबमनेतिनाकियेहैं ॥ परतविरोधनीतिदूतहैअबध्यसदाऔरदण्डकरीकछुबैनमानिलियेहैं । बनादासकहेदशकन्धअंगभंगकरिभेजोयाहिजामेंकछुदिनमेंनजियेहैं १६ पूंछप्रियबाँदरकोसम्मतसबनकियेपटबांधितेलबोरिआगिलायदीजिये । रावणबिहँसिकहेभलासोयतनकरोधायेसबजहाँतहाँबारनाहिंलीजिये ॥ लायकैलपेटतबढ़ाईलूमतबैकपिअटतनपटघृततेलकाहकीजिये । बनादासबाजनबजायकैफिरायपुरफूंकिदियेबेगिनिजपीठिआगिमींजिये १७ धायचढ़ेकनकअटारीनिबुकायकपिहायहायकरैंयहकैसीबातभईहै । आवैंहोनिहारजसतैसईप्रगटबुद्धिअबशुद्धिभईकामआगेखोयदईहै ॥ मन्दिरतेमन्दिरकुलांचिकपिदाहैलंकअवशिविशालऔपरमहरुअईहै । बनादासतातमातजहाँतहाँबिललातधीरनधरातकेहैंबाटपरिगईहै १८ बढ़ीज्वालमालाचलेमारुतउन्चासकोपिअतिहीसबलकबिउपमाननपायेजू । ठौरठौरआपैआपउठीआगिजहाँतहाँबिनाहनुमानगयेघनेघरलायेजू ॥ अन्धधुन्धधूमकरिबिकलनिशाचरभेपावतनराहजहाँतहाँबिललायेजू ॥ बनादासबनतनकाहूकोबनावाकछुसमयतेहिभारीमारीबीरकोपिधाये

जू१९ आगिलागिआगिलागिभागिबचोजहाँतहाँभागिनीऔभा
उजभगावतघनेरे हैं। जरोछोटोछोहरोछबीलोहायकैसीकरैंजरी
छोटीछोहरीनजायसकैंनेरे हैं॥ बूढ़ीजरीबूढ़ोजरोमूढ़ोदशकन्ध
हेतअतिहीअचेतसुनैंकाहूकीनटेरे हैं। बनादासकहाहमबाँदरन
देवकोऊमानेतवनाहिंअबपेरेतासुफेरे हैं २० कहँपानीपानीऔ
निछानीनारिभागीजातसुतपितुतातमातुकोऊनसँभारे हैं। जहाँ
जाहिंभागितहाँतहाँलागिआगिदेखैं अवशिअभाग्यकरैं अतिही
चिकारे हैं॥ माईबापधियापूतसकलअधूतकरैंबनादासफेरिपरैं
आगिहीमैंभारेहैं। होसऔहवाससावकाशकछुकरैंनाहिंजहाँत
हाँझौंसेफिरैंकेतेअधमारेहैं २१ जरतबजारचौकशौकसेबनाये
जौनबस्तुकोगनायसकैहायहायकरे हैं। जरैंपीलखानातोपखाना
औतबेलाजरैंशुतुरकोशालारथशालाजातजरेहैं॥ हाथीजरेघो
ड़ेजरेडेरेभांतिभांतिनकेरोवैंबिललायधीरजातनाहिंधरेहैं। बना
दासजहाँधरैंतहाँजरैंबस्तुसारी बीथीगलीकूचनमेंधूरिजातबरे हैं
२२ रोवैंबिललावैंदशकन्धबधूबारबारधाउमेघनादऔप्रहस्तक
रैकारको। हाथीछोरुघोड़ाछोरुजरतबछेड़ाछोरु चहूंओरआ
गिलागिकैंरैंनसँभारको॥ जरतपेटारेऔसंदूकतोशेखानेखास
बनादासधायधायलाउभारदारको। होतउत्पातजरोजातपरिवा
रगातआवतनलाजदशशीशदाढ़ीजारको २३ हायहायपानीपा
नीकहैंबिललानीरानीभागीहैंनिछानीक्षणपावतनछाहँको। जहाँ
जाहिंभागितहाँलागिदेखैंआगिछूटेबसनहैंनांगिहठिगारीदेहिंना
हको॥ कहैंमुखबाँदरबिलोकैंआंखिबाँदरसुनहिंकानबाँदरनभा
गेपावैंराहको। हियेमाहिंबाँदरबिकलबनादासफिरैंपावतविरोध
फलकियोरामसाहको २४ कोपिदशशीशकहैमारोबेगिबाँदरको
अनीअतिकायऔअकम्पनहँकारेहैं। दुर्मुखमहोदरकुमुखऔ
कुलिशरदमेघनादऔप्रहस्तधावोशूरसारे हैं॥ दशहूबदनअकु
लायकैउचारकियेशूलशक्तिबाणहनुमानपरडारेहैं। लागतनरेख

एकरामकोप्रतापभारीबनादासभूरिभटसुठिललकारेहैं २५ लूम कोलैंबायकोपिगालकोफुलायसुतपौनधायधायकेतेबीरदाहिडारे हैं। मारेहैंघुमायचोटचपरिअनेकभटनटकैसोकलाकरिअवनिप छारेहैं ॥ बनादासमानोहनुमानहड़वाईखेलैप्रबलअनलकोऊ सकैनसँभारेहैं । जरोहाथपाँवपेटदाढ़ीमोछलाखनकीगिरेभूमिटू टोरदघूमिघूमिमारेहैं २६ ,काहूकोनचलोबलतबखलटेरेमेघक होसिंधुजलवृष्टिकरोलङ्कसारेजू । मानिकैरजायचलेगरजिघुम ड़िसुठिअवशिप्रबलमनौंप्रलयमेघभारेहैं ॥ लायेझरिचारिओ रजैसेमघाभादौंकेघृतसमहोतअतिअनलप्रचारेहैं । बनादासब ढ़ीज्वालमालाकोबखानिसकैतबसुतपौनसुठितेजकोसँभारेहैं २७ गर्जोअट्टहासखासदूतरघुनाथजूको रोखिकैकखायदृगअतिकट कटायकै । चौखड़ीकुलाँचमारिफारियातुधाननकोआननबिदा रेबड़ीलूमकोलैंबायकै ॥ बनादासलागोहैअकाशमेंप्रकाशभानु भुजहैंअजानुदलदैत्यकोदबायकै । अंजनीकोलल्लाजारिगल्ला चारिवोरचोपिरावणमहल्लापरहल्लाकियोधायकै २८ बलकोन अन्तहैरँगीलेभगवन्तजूकेलीलेरविबालकौनजानैनप्रमानको । धायधायधौकतओ लौकतहैचहूंओरडौंकै जनुप्रलयकालघनके समानको ॥ बनादासलङ्कहालैपङ्कसेपरतपगलूमकोलैंबायघा यदेतयातुधानको । जारेपुरगल्लाफारिदैत्यनकोकल्लाभयोराव णमहल्लापरहल्लाहनुमानको २९ घूमिघूमिदाह्योलङ्कअतिही अशंककपिभवनबिभीषणकोरामजूबचायोहै । प्रबलअनलज्वा लमालबढ़ीचारिओररराक्षसऔराक्षसीनभागेराहपायोहै ॥ महा अन्धध्वन्धकहूंधुआँसोनदेखिपरैबनादासनानाभटघेरीघानीला योहै । अतिखलभल्लागलबल्लानबरणिजातरावणमहल्लाप रहल्लामारिआयोहै ३० ॥ सवैया ॥ सम्पदासन्निधरेतिहुंलोककि खाकभईसबएकहिबारा । कालकलेवादियेदलचौथिमहाबलवा नसमीरकुमारा ॥ देवअदेवदबैतेहिकोपुरसोझोपड़ीजनुरौंड़कि

जारा।दासबनाहतभागिगयोखलरामाबिरोधीकोकौनउबारा३१॥
घनाक्षरी॥ रावणसेमानोरजधानीगढ़लंकऐसीसुभटसमूहताहि
नेकहूनमुरियाहै । सिंधुनांघिसुरसापछारिसिंधुकाकोमारिअति
हीललकारिलंकिनीकोमुखतुरियाहै॥बाटिकाउजारिपूतरावणसँ
हारिडारेबनादासभारेभटसामुहेनजुरियाहै । देवताअकाशमेंब
खानहनुमानकरैंफूंकिदियेलङ्कमानोरांड़कैसीकुरियाहै ३२ राम
कामकरनकेहेतअवतारजाकोताकोयशवखानैकौनअतिहीअश
ङ्कहै । सीताकीशोकहरेसिंधुनांघिपवनपूतबाटिकाउजारिओर
चाख्योअहतङ्कहै ॥ बनादासकीन्हेउत्पातनधरातधीरहाँकहनु
मानपुरहालेजनुपङ्कहै । मारेदलचौंथिमानोकालकोचबेनादिये
रङ्ककैसीझोपड़ीजरायेजिनलङ्कहै ३३॥सवैया॥ रामबिरोधभ
योरुजरावणभांतिअनेकअसाधिप्रमाना । कालहुकर्मभयेयक
ठौरहकीममिलेतबहींहनुमाना । जारिकैलङ्कमृगांगकियेउपदेश
दियेतेहिकोअनुपाना ॥ दासबनानाहिंलागकछूदृढ़कैअपनोमर
नोतिनजाना ३४॥घनाक्षरी॥ रावणसेनाथसंगमाहिजाकेमहा
बीरअतिरणधीरपारलहैगुणगाथको । बन्धुकुम्भकरणनपटतर
तीनिलोकसुवनअमितबलबड़ोमेघनाथको ॥ जीतेदिग्पाललो
कपालकहानरनकीलङ्कऐसीगढ़ीखाँईभयोसिंधुपाथको । दूतर
घुनाथकोक्षणकमाहिंछाराकियेबनादासनअमानोनिपटअनाथको
३५॥सवैया॥ हौनकोकुण्डमनोगढ़लङ्कअटारीभईअरनीसोबि
चारा । आहुतिसीसिगरीभईसम्पदालूमअुवाघृतराक्षसडारा॥
रामदोहाईसोस्वहासमानहुनेहनुमानहजारनबारा । दासबनाप
ख्योसिंधुमेंजायकैतर्पणकीन्हसमीरकुमारा ३६॥ घनाक्षरी॥ राम
कामसिद्धिहेतकियेअनुष्ठानयह श्रमनाशिजानकीसमीपपुनिआ
येहैं । करिकैप्रणामकहेदीजियेरजायमातुजातेरघुनाथजूकोखब
रिजनायेहैं ॥ कहेसीयतोहिंदेखिजरनिअनेकगईअबसोईकाल
हालकहतनभायेहैं । बनादासजौनमासमाहिंरघुनाथआयेफेरि

काहूभांतिमोहिंजियतनपायेहैं ३७ अनुजसहितकह्योप्रभुसेप्र
णाममोरकाहेभयेनिठुरबिरदलाजतजेहैं । राजायोगीकाकेमीत
बातदोऊपरीआयबहुरिबिचारकरिनिजदिशिलजेहैं ॥ रह्योनप्र
थमप्रेमखेमहोयकौनीभांतिअबकपिजानौसुठिसांचोसाजसजेहैं।
बनादासबीतेमासजीवेकीनआसजानौंकूचकेनगारेदशमौलिबैन
वजेहैं ३८ शक्रसुतकथाकह्योतातयथाबिधिभईबाणकोप्रताप
आपकाहेभूलिगयेजू । सलिलनलिननैनभरेसमैजानकीकेकहे
हनुमानमातुचीन्हकछुदयेजू ॥ बनादासचूड़ामणिदियेकरसीता
तबताहीक्षणताहिकपिगालमेलिलयेजू । जोरिपाणिचरणप्रणा
मकरिबारबारपायकैअशीशशुभसुठिमोदभयेजू ३९ अजरअ
मरशुभगुणधामपूरकामकरैंकृपारामऐसोबरदानदियेहैं । हनूमा
नउरअतिमोदनअमायसकैचलतकिबारसुठिअट्टहासकियेहैं ॥
गर्भवतीराक्षसी सकलगर्भपातभयो लङ्कअहतङ्करह्योधीरनाहिं
हियेहै । बनादासप्रभुपदबन्दनकैबारबाररामनामडोरीउरमाहिं
गहिलियेहैं ४० सागरसहजनांघिआयोसबबीरजहांकिल्किला
शब्दसुतपवनसुनायेहैं । देखिहनुमानहर्षमहाजाम्बवानआदि
मृतकशरीरमानौप्राणफिरिआयेहैं ॥ भेंटेअङ्गदादिनहिंआनँद
अमातउरचूमतलँगूरजातउपमानगायेहैं । बनादाससियाशोध
बोधसबबातनकोदियेमहाबीरमानलेशनलखायेहैं४१ चलेरघुना
थपासनेकनबिलम्बकियेजहाँतहाँखातफलमधुबनआयेहैं । ला
गेफलखानसबअङ्गदरजायभईरोंकेरखवार ताहिमुष्टिकाचलाये
हैं ॥ जायकैपुकारेआयअङ्गदबिध्वन्सेबागजानेकपिराजरामका
जकोकैआयेहैं । बीतेकछुकालआयगयेसारेबीरबरबनादासमि
लतसुकण्ठअङ्गलायेहैं ४२ कीन्हेकाजहनुमानप्राणराखेसबन
कोकहेजाम्बवानधायअङ्कभरिलियेहैं । करिअतिआदरसकल
बीरसङ्गलियेतबकपिरायरघुबीरपहँगयेहैं ॥ फटिकशिलापैबैठे
लषणसहितप्रभुआयकैसुभटसबचरणननयेहैं । देखिकैप्रसन्न

मुखजानेरामकाजकियेभेंटेउरलायलायसुखीसबभयेहैं ४३॥ सवैया॥ कार्यकियेहनुमानभलीबिधिऋक्षकहेरघुबीरकृपाला। ताहि मिलेकरुणाकरफेरिसेलायलियेउरबाहुबिशाला।तृप्तनमानतमानहुंराममिलेपुनिप्रीतिसेलक्ष्मणलाला। दासबनायहशीलबिचारिनहोयशरणणपरैमुखकाला ४४सकलप्रसंगजाम्बवन्तसमुभ्कायकहेकियेजैसीकरणीसमीरसुतजायकै। कहौंकैसेसियकपिकरतनिबाहप्राणचूड़ामणिदियेरामरहेउरलायकै॥ नीरजनयननीरआयेभरिकृपासिंधुजानकीसँदेशतबकहेहैंबनायकै।बनांदासबिपतिबिलोकेप्रभुमैथिलीकिकौनऐसोधीरवानरहैधीरलायकै ४५ नाथनामजामिककपाटपदकंजध्यानरहतबिलोचनबहतनिशिबारजू। नातरुबिरहआगितनतूलदाहिडारेश्वासहूसमीरकोनचलेउपकारजू॥ कलपकलपसमनिमिषब्यतीतहोतबनादासअबनेकलाइयेनबारजू। मासमेंनआवैंतौजियतनहिंमोहिंपावेंसुनतबचननैनआईजलधारजू ४६॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामद्वादशसप्तविंशतितमोऽध्यायः २७॥

घना०॥ सुनुकपिरावणप्रतापवानतिहूंलोकजारिपुरपूतमारिबागफूलखायेहैं। तोरितहँराक्षसनिपातकियेनानाभांतिकहेहनुमानमैंनकछूजानिपायेहैं॥ कृपाबलवानचहैजासेंजोकरायलेयबांदरकोबलजायबिटपहलायेहैं। बनादासकहेजाम्बवंतसोईजीवतहैघटैप्रभुकार्यऔरमृतककहायेहैं ४७ गोपदसेसातासिंधुशतिलकृशानुताहिशत्रुमित्रहोयनहिंअचरजताको है॥ कोपैयमकालशेषमृत्युइन्द्रशंभुबिधिशक्तिजहांलगिकछुबारहिनबांकोहै। मातुपितुगुरुअरिहितमतिबैरीताकेफेरैआयुनजरिसोमोहमदछाकोहै॥ बनादासंशुभगुणधामपूरकामसोई हेरैंजाहिवोरसोशृंगारबसुधाकोहै ४८ प्रतिउपकारमोसोंतोसोंकपिहोतनाहिंतातेनामऋणीतूधनिकसबकालजू। करतबड़ाईहनुमानकीनामितचितबारबहुऐ

सोकहेकोशलकृपालजू ॥ पाहिपाहिकरिपरेपांयनपवनपूतदीजे
निजभक्तिअनपायनीरसालजू । बनादसएवमस्तुकहेकरुणाय
तनतिहूंकालकौनरघुनाथसेदयालजू ४९ बलबुद्धितनमनगुण
सबरामहींकोप्रेरकसकलउरमाहिंबसुयामजू ॥ जीवकीऔकाति
तुच्छक्षणहूननिजबशपरमकृतज्ञकृतमानेऐसोरामजू । ऐसेप्रभू
करमबचनमनलायभजैबनादाससहजबिहायसबकामजू ॥ बिमु
खजेभयेजानोंजननीजठरगंयेमहामतिमंदतेईनिमकहरामजू५०
कहेकपिराजसेनजौलौंसियखोजपाये तौलौंरहीआसरानअबक
छुबेरहै । कहतकपीशगोरभयोंप्रभुआगेहीसेआवतसुभटअबने
कहूनदेरहे ॥ पुनिमनबेगबीरभेजेजहांतहांबहुबनादासजुटतजे
रहेदूरिनेरहे । दिशिहुबिदिशिचलीअनीभालुबांदरकीगिरिबन
बागनतेसुभटघनेरहै ५१ उदैअस्तभूधरहिमाचलऔबिन्ध्य
गिरिमंदरसुमेरुनामकहांलौंगनाये हैं । इन्द्रलोकबिधिलोकलो
कपालजहांतकशिवशैलआदिककेमरकटआये हैं ॥ रातपीतश्वे
तश्यामधूसरअनेकरंगजोरजंगजालिमनपटतरपाये हैं । बनादा
ससंख्याहेतशारदसहमिजात औरकबिकोबिदकोपारसकैजाये
हैं ५२ काननजहांलौंजगनानाबागबाटिकनरहेछायप्रथमसेजो
रिसेनभारी है । बिलगबिलगचलेयुत्थयुत्थबर्णबहुकटकटातको
पकरिअतिबनचारी है ॥ आयआयकरतप्रणामरघुनाथपदबूझ
तकुशलक्षेमशीलसुठिन्यारी है । मिलतकपीशसनशीशनायसा
रेबीरबनादासलंकहेतछैरहीतयारी है ५३ कूदतकुलांचतबदर
बीरबादनानालूमकोलैंबायधायचौखरीभरतुहैं । कटकटातकाट
तदशनतेबिटपकोपिदेखिरामबंधुयुतमोदउछरतुहैं ॥ बनादास
सहजअशंकलंकलीलोचहैंकठिनकरालनहिंकालहिडरतुहैं । उ
ड़तअकाशकलाकरतअनेकभांति धीरनधरतुखावखावहीकरतु
हैं ५४ दिग्गजडिगतदरकतदंतदीरघजे उछलतसिंधुजलभू
मिअतिहलेहैं ॥ कल्मलातकोलकरकरातपीठिकच्छपकीरबिर

थबाहनभभरिभागिचले हैं। अलमलातआसनसेशंकरबिरंचिइ न्द्रबापीकूपसरसरितादिखलभलं हैं ॥ बनादासशेषहूसहमिऊ र्ध्वश्वासलेतकूचिजातकटिकोपिलंकरामचलं हैं ५५ किचाकिचा यकाटतकमठपीठबारबारअवशिकठोरपरिजातरेखअंकभो। मा नौंबिजैलिखतफणिन्दरघुनन्दनकी मन्दनकेमुखमासिभयेभ्रुवबं कभो ॥ हालैहियरावणमंदोदरीकोकम्पगातकुम्भकर्णमेघनाद अतिअहतंकभो। बनादासपंकसमडोलतकरेजदलजबहींपया नकोपिरामजूकोलंकभो ५६ कटकटायमर्कटबिकटभालुभूरिच लेरामऔलषणहनुमानपीठिराजे हैं। कपिराजजाम्बवाननीलन लबीरबांकेद्विबिदमयंदन्यारेन्यारेसैनसाजे हैं ॥ दधिमुखकेशरी पनसऔसुषेणधीरकुमुदगवाच्छसबसिंहनादगाजेहैं। अंगदादि अग्रकपिकुंजरसमूहचलेमहादलमुखहिनिशानबहुबाजेहैं ५७ औघटकोघाटकरैंपर्वतकोफोरिबाट शिलाशृंगतोरतसमूहचले जातहैं।खातकन्दमूलडारपातहूचबातजातजाकेभारधराबारबार अकुलातहैं॥सिंहसमखेलतशिकारजनुचारिओरपावैंधरिराक्षस तुरंतकरैंघातहैं। बनादासयहिबिधिआयेप्रभुसिंधुतीरबीरलंक दिशिदेखिदेखिअकुलातहैं ५८ पुरजनबानीसुनिरानीअकुला नीअतिसिंधुवहिपारआईसेनरघुबीरजू ॥ शोचिकैअनेकबातप तिपायँपरिकहैंआपुसेनतिहूंलोकमाहिंरणधीरजू। खायेभोगेअ वशिअशोचह्वैकैराज्यकिये एकदिनछूटिजातसबकोशरीरजू ॥ तातेनृपजायबसैचौथपनकाननमें करैंजपयोगतपसहिबहुपीरजू ५९ चहूंबेदचहूंयुगतिहूंकालरीतियह तातेपरनारिपियहठकरि दीजिये। राज्यदैकेसुतकोभजनहेतमहाराजकरीनबिलम्बआपु बनगौनकीजिये ॥ लोकपरलोकबनै सारोअंगभलीभांतिउरमें बिचारिममबैनमानिलीजिये। बनादासबनैनबिरोधरघुनाथजू सोंमारेजासुमरीओजिआयेजाहिजीजिये ६० जाकेबशलोकप सकोपबनसहैंइन्द्रशिवबिधिकाबूयममृत्युजीतिलिये हैं ॥ भाई

कुम्भकर्णपुत्रमेघनादकेसमानलंक ऐसीगढ़ीसिंधुखाँईघेरिलिये
हैं । सुभटसरोषएकएकजगजीतैंयोगबनादासतासुनारिकैंसेभी
तहियेहैं ॥ हरिसेबिरोधतिहूंकालकुलजाकेभयोताकेतपहेतउप
देशमोहिंदियेहैं ६१ आयेनृपबालकबटोरिकीशभालुभूरिखाहिं
भलेराक्षसनप्रियाशोचकरेहैं । राज्यदेकैभरतकोपितुबनबासदि
येनिपटिनकामजानिताहिकिमिडरे हैं ॥ दूजेतपक्षीणतनमरत
अहारबिननारिकेबिरहकरिऔरजातजरेहैं । बनादासकहातेरो
ख्यालबालभूलिगईतिहूंलोकबशभूपतनैकाहकरे हैं ६२ ऐसो
कहिताहिउरलायसभामाहिंआये पतिहिबिशेषितियमतिभ्रममा
नेहैं । जहांतहांआयरिपुराक्षसहवालकहेडेरापरोसिंधुतीरबीर
बैरिखानेहैं ॥ बिहँसिदशाननकहतकैसीमतिमारीपरेभमितलन
भचाहतउड़ानेहैं । बनादाससचिवबदतसबबारबारडरैकोअहा
रसनसुनेनाहिंकानेहैं ६३ ताहीसमैआयोहैबिभीषणसचिवसंग
करिकैप्रणामबैठआसनसोहायेहैं । मालवन्तआदिसबभारीस
भादेखिकरिरावणतबाहिंइमिबचनचलायेहैं ॥ कहौनिजनिज
मतकीजियेबिचारकैसोतबहींअनुजकरजोरिमाथनायेहैं । बना
दासपायअनुशासनकृपालुकहौं मतिअनुरूपऔपुलस्त्यशिष्य
आयेहैं ६४ शङ्करबिरंचिजाहिसेवतमुनीशधीरश्रुतिऔपुराण
नेतिजाकोयशगायेहैं । उत्पतिपालनप्रलयजासुभ्रूबिलासमाया
करैजाहिकीनपारकोऊपायेहैं ॥ चराचरईशसबब्यापकबिरुज
ब्रह्मवेदहूबदतनेतिसन्तजनध्यायेहैं । बनादासतेईरामत्रेताअ
वतारधरेसहजस्वतन्त्रनिजइच्छाअतिभायेहैं ६५ सुरद्विजदेवम
हिधेनुसन्तधर्महेतपितुकोबचनमानिबनहिंसिधायेहैं । आनीह
रिताकीत्रियबातबिपरीतिअतिअजहूंसबेरसाथसचिवपठायेहैं॥
परत्रियहरेबसोअघमूललोकबेदतजीताहि बिषसेनदेरनेकलाये
हैं । बनादासकरमबचनमनभजौरामलोकपरलोकभलीभांतिब
निआयेहैं ६६ सुनिसुठिजरावीसहाथदांतपीसिडारेशठबिपरी

तिबुद्धिकाहेउरआईहै। जियतजियावामोरपक्षकरैतपिनकोकुल हिकलङ्कभयेमृषाममभाईहै॥ मालवन्तकहेकरौकहतबिभीषण जोनीतिकोबिभूषणबचनसुखदाईहै। बनादासरिपुपक्षबोलतम लीनदोऊचढ़ीहैअभागिशीशमीचकिनआईहै ६७ सुमतिकुम तिसबहीकेउरबासकरैसाधुश्रुतिसम्मतनबातकछुनईहै। जहांर हैसुमतिसकलसुखमूलजानोंकुमतिकेआयेमानोंबिषबीजबईहै॥ पितअनहितकोबिचारनाहिंरहिगयो तातेजानिपरतकुमतिउरठ ईहै। ठकुरसोहातीबातकहतसचिवसबबनादासयामेंपूरिका कीपरिगईहै ६८ दण्डगहिमारतनकालबुद्धिज्ञानहरैकरैबिपरी तकामलखतसयानेहैं। बिधिगतिबलवानकहैकोईकोटिभांतिता हिदुखदायकनकछूउरआनेहैं॥ श्रुतिऔपुराणसाधुसम्मतसुन तजरैजानीतबकियेयमसदनपयानेहैं। बनादासयाहीभांतिभाषे सदासन्तजनजाकोहोनिहारभलासोइलोगमानेहैं ६९ सम्मतपु लस्त्यमुनिनिजअनुमानकहेतातसबभांतिभलारामहीकेभजेहैं। बुधऔपुराणश्रुतिरीतिअनुमानिपरैलो कहूप्रमाणहितपरनारित जेहैं॥ भयेकुलघातकतूपातकअनेककियेरामसेबिरोधकरिनक साजसजेहैं। बनादासतबउरचरणप्रहारकियेबहुप्रतिउत्तरतेक छुहियलजेहैं ७० गहिपदतबहींबिभीषणकहतभयेतुमपितुसरि सनमारेमोहिंलाजहै। राखहुदुलारमोरसीयदेहुरामजूकोतातस बेअंगनसेसुखकोसमाजहै॥ कहतकुमंत्रसबपरिहिनपूरियातेंक्षे हैबहुभांतिनसेअन्तमेंअकाजहै। बनादासकियेअपकारउपका रकरैतिहूंकालसन्तनकोबिरदबिराजहै ७१॥ सवैया॥ आईसि जबतेपुरमध्यकहौतबतेभईकौनिभलाई। सोनेकिलङ्कदहीपल एकमेंसोबिपरीतिपरैनलखाई॥ मारिकैपूतउजारिकैबाटिकासेन समूहदियेबिचलाई। दासबनायकबांदरजासुचलीनतुम्हारिक छूमनुसाई ७२॥ घनाक्षरी॥ कहेरिपुपक्षतोहिंभावतहैबारबार मिलुकिनजायरामअवशिपियारहै। तुरितबिभीषणगवनकिये

प्रभुपासकहतबचनसारेसभामाहिंसारहैं ॥ मैंतौरघुबीरकेशरण भयेबनादासनाहिंदोषमोरकालआयगोतुम्हारहै । मालवन्तग योग्रहबन्धुचलोसिंधुपारकरतमनोरथअनेकनप्रकारहैं ७३ आर तहरणभगवन्तश्रुतिसन्तकहैंदीनबन्धुसुखधामआरतनमोसेहैं । आलसीअभागीकूरकायरकोयहीद्वारातिहूंकालचहूंयुगबदैंबेदपो सेहैं ॥ शङ्करबिरंचिइन्द्रसोमसूरगणराउशेषशारदादिमुखफेरत सदोसेहैं । बनादासबिरदपताकेफहरातसदाहेराकैरैंहरिबारआवै अघकोसेहैं ७४ अहोभाग्यआजुऐसेचरणत्रिलोकोंनैनजासुप दपांवरीभरतमनलायेहैं । जौनपदजनकपखारेमणिमाड़वमेंगोत मकिनारिजाहिरजगतिपायेहैं।सहितकुटुम्बधोयपियेहैंनिषादजा हिअतिहीसनेहशिवाहियेमेंबसायेहैं । बनादासजौनपदमायामृ गपीछेधायेजाकेध्यानकालसियलङ्कमेंबितायेहैं ७५ गङ्गकोज नकशुकसनकादिध्यावैंजाहिआवेध्यानकठिनतेशेषश्रुतिगायेहैं । जाकेहेतभूपताजिराज्यकोबिरागीहोत योगीजनयोगत्यागि जाहि मेंसमायेहैं ॥ भवरुजदरनशरनकोसमूहसुखबनादासकृपाकोर कोऊजनपायेहैं । तिहूंकालचहूंयुगचहूंबेदमेंप्रमाणताकहँतजंत नाहिंजाहिअपनायेहैं ७६ शीलसिंधुदयासिंधुगुणसिंधुसुखसिं धुदीनबंधुकहूंसुनेरामसेआनहैं । धर्मसिंधुरूपासिंधुक्षमासिंधुबल सिन्धुपापासिंधुसोखनकोकुम्भजसमानहैं ॥ योगसिंधुभोगसिंधुय शसिंधुविद्यासिंधुबिरदबिराजैसबजानतजहानहैं । बनादासज्ञान सिंधुबिरतिबिज्ञानसिंधुबोधसिंधुशांतिसिंधुसाहबसुजानहैं७७दू षणदरणसर्बभूषणभरणजगकारणकरनपुनितारणतरनहैं । प्रीत उद्धरणशोकसंशयहरणदेतवांछितवरणदीनगाहकपरनहैं॥दुष्टन जरननाशैजनममरणसुठिसावँरबरनहोतकाहेनशरनहैं । दोषनि दरननामजपेअमरनथापेआश्रमबरनबनादासज्ञानघनहैं ७८ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रैतापविभंजनोनामाष्टाविंशतितमोऽध्यायः २८ ॥

घनाक्षरी ॥ करतमनोरथबिबिधउरबारबारसिंधुपारभयोक पिसेनढिगआयोहै। रोंकेभालुबाँदरकवनआयेकहाँसनकाहतेरो हेतनामकाहिनबतायोहै ॥ रावणअनुजनामकहतबिभीषणसेब नादासदीनबन्धुशरणतकायोहै। पायसमैजायकोऊकहेरघुनाथ पासमहाराजरिपुबंधुदीनद्वारआयोहै ७६ बैठेकपिराजजाम्बवा ननलनीलआदिद्विबिदमयन्दकपिकेशरीसुखेनहैं। दधिमुखकुमु दपनसऔगवाक्षबीरहनुमानअंगदादिकपिबलऐनहैं ॥ प्रभुबंधु अपरगनावैनामकहांलगिरामकामतत्परसुठिसुखदेनहैं। बनादा सबूझेमंत्रसबहिंसुनायरामकहौनिजनिजमतभावैजेनकेनहैं ८० कोऊमारौकोऊबांधौकोऊकहेमायाबिद कोऊकहेत्यागकरौकोऊ मौनगहेहैं। परमगँभीररघुबीरकोबिरदजानैंबोधमनमाहिंकछुल षणनकहेहैं ॥ बनादासहनुमानउरअस्नेहअतितातेबारबारहरि ओरहेरिरहेहैं। रामगतिजानैकौनदूसरोजनायेबिनभूखोज्योंसु नाजदेखिअतिचितचहेहैं ८१ समयधरमनेतिमर्यादअनुकूल कहेसबकोऊसुठिउचितबिचारहै। जहाँरसभगतिलगतिनाहिंब ल्लीयाकोताकोनतजतप्रणयहीबारबारहै ॥ सारोअंगहीनमति खीनऔमलीनपापीअधमअसाधिअतिआलसअपारहै। बना दासएकसंगशरणकोहोयसुठि ताकोगहिबाहँराखैऐसीसरकारहै ८२ अंगदऔहनुमानलावोलंकपतिवेगिसुनिरघुबीरबैनसुठिह रषानहैं। धायेअतिनृभरबिभीषणकोगहेबाहँलायेसद्यजहाँराम करुणानिधानहैं ॥ देखतबिदेहभयोनेहसुधिगेहकहाँइतरहिगये जहाँतहाँधनुबानहैं। पर्योभूमिलकुटसेत्राहित्राहिकृपासिंधुबना दासदीनबन्धुदीनयातुधानहैं ८३ रावणअनुजकुलराक्षसमेंज न्मभयोतामसशरीरभक्तिज्ञाननबिरागहै। साधनसकलहीनपा पहींतेपीनसुठिसर्बअंगहीननाथशरणमेंलागहै ॥ श्रवणसुयशसु निगुनिमनमाहिंचल्योपापीपोंचपावरनकरैंप्रभुत्यागहै। बनादा ससुनिछलहीनबानीजानीजन रहीबस्तुअनीतातेरामप्रियलाग

है ८४ धायकैउठायभेंटेरामजूअजानभुजलियेउरलायबेरतकंन हिंत्यागेहैं । सजलनयनतनपुलकमगनमनरावणअनुजसमैसु ठिअनुरागेहैं ॥ मुखनबचनआवैरहीनसँभारदेहबनादासभक्ति योगउरअतिजागेहैं । बगलबैठायलंकईशकुशलातकहौरामअ नुरागिसद्यसिंधुनीरमाँगेहैं ८५ देखिपदकंजभईकुशलकृपानिधा नअवशिसँभारितनमनबुद्धिचैनहै । तुरतहिकंजकरतिलककृपा लकियेहनूमानआदिउरपायेअतिचैनहै ॥ मांगिकैरजायअग्रभा गबैठोरिपुबंधुतजिकैनिमेषदेखैछबिकोटिमैनहै । बनादासलल किललकिललचातअतिगतिकोबखानैतोषमानतननैनहै ८६ ॥ सवैया ॥ शीशजटामुनिकोपटराजितलाजितलाखनकामहैजा ही । मानसजोहरहंसनिरंतरध्यानजिन्हैंमुनिलावसदाही ॥ तेप्र भुप्रेमतेअंगलगायमिल्योजेहिकोअतिहीगहिबाही । दासबना अभिषेककियेकरभालकोभाग्यसराहिहैताही ८७ धन्यविभीष णदेवबदैंनभकौनकृपालुहैरामसमाना । फूलझरैंसुरबारहिबार मरोद्दढ़रावणसोपहिचाना ॥ बैठिबिलोकतमाधुरीमूरतिताहीते हर्षिबजावैंनिशाना । दासबनासुठिभक्तिकोभाजनबाँदरभालुस बैकोउजाना ८८ ॥ घनाक्षरी ॥ तिलकविशालभालकंजनैनबंक भ्रुवभुजउरवृहदवृषभकन्धनीकेहैं । आननशरदशशिमंदमंदमु सकातमर्कतद्युतिजाहिलागेअतिफीकेहैं ॥ अरुणअधरद्विजना साकीरतुण्डलाजेकम्बुकंठबनादासभावतसुजीकेहैं । यज्ञपीत कंजकरत्रिबलीगँभीरनाभीपीनजानुकमलचरणमनटीके हैं ८९ तूणधनुबाणधरमानोंमनसिजमुनि मधुकेसहितजूठेउपमाअनेक हैं । जीवहूकोजीवजीवपीवछबिसींवसुठिजानैजनसोईजाहिसां चीपदटेकहै ॥ बनादासअन्तःकरणशुद्धिबुद्धिबदेमिलैसदग्रंथ नमेंतबहींविवेकहै । शीशामेंलसहिंतनरूपशुद्धदेखिपरैजानैंसंत जनबहुठानतकुटेकहै ९० ॥ सवैया ॥ तातकहौनिबहौकैहिभां तिसेतौसबअंगअतीवकुबासा ।·दुष्टकेसंगसेनर्कभलाबिगरोम

ननित्यलहैनप्रकासा ॥ सज्जनकंचनहेतकसौटीहैंजेतुमसेश्रहैं उत्तमदासा । दासबनादिनचन्दनशोभितपायनिशासबकोसुख भासा ६१ कंचनजैसेकसौटीकसेपरहोयखरोसबकोमनमाने। बिघ्नबिपत्तिअसज्जनसंगसेसाधुस्वरूपसदाअधिकाने ॥ ज्योंर णपायकेशूरखुलेइमिकायरशूरपरैनहिंजाने । बैरीबरोरबड़ाईश्र हैरिपुसिंहश्रृगालबधेकोबखाने ६२ एकतोराक्षसकेकुलजन्मत मोगुणतेनहिंकोईसुकर्मा । दूजेपरोदशमौलिकोसंगकृपालुविना कोउपावनमर्मा ॥ नाथकृपाहनुमानमिलेयहसज्जनरीतिसिखाव सुधर्मा । दासबनापुनिशम्भुकहेचलुरामकेशर्णनआनसिभर्मा ६३ नारदकोप्रथमैउपदेशरह्योजबरावणकीमतिमारे। रामबिरो धकरैहठिकैतबतूकरुणाकरशर्णसिधारै ॥ तातेभईदृढ़ताउरमें दशकन्धकियेअतिहीउपकारे । दासबनाउरघातकियेपदबातक हेहितकीदरबारै ६४ बाढ़ीगलानिहियेबहुभांतिसेतौप्रभुकेशर णागतआये । शीलस्वभावसुनेसरकारकोद्वारनदूजोकहूंलखि पाये ॥ बेदबिराजतहैयशपावनपापीअनेकनकोअपनाये । दास बनाशरणागतधर्मनएकौलहेजेहिसन्तनगाये ६५ तातनुम्हैंप हिंचानैंभलेहममोसेबनीनहिंसोहमजानैं । तूशुभलक्षणभौनस खाप्रभुंआपनदूषणआपुबखानैं ॥ ठौरनहींतिहुंलोकहुमेंतेहिल ङ्ककोराज्यदियेनहिंमानैं । दासबनासबभांतिबनीप्रभुमैंकेहिमा फिकूरनिदानैं ६६ छप्पै ॥ तूइच्छाजबकिहौचलेशरणागति माहीं। यहीहमारोबिरदलेहिठौरेगहिबाहीं॥ केवलआवनपरयो लङ्कमेंतुम्हैंनलीन्हा। रह्योशोचउरमाहिंनमिततातेमुखकीन्हा॥ ऐसोशीलस्वभावसुनिनेवछावरिनाहिंजोभयो । कहबनादासहम रेमतेजननीजठरहिजरिगयो ६७ कर्मबचनमनआशसदायक स्वामीकेरी। जगभरोसबलआपुबासनासकलनिबेरी ॥ तनअ र्पणहरिशरणबिष्णुवैभवकोत्यागा । सकलधर्मपरिहरैकमलपद दृढ़अनुरागा ॥ प्रभुकृतनित्यचिंतवनकृतरहैसदानिष्कर्महै । क

हबनादासगतिनामयकयहशरणागतधर्महै ९८ नहिंएकौञ्राच रणकहौँशरणागतञ्राये । रामकहेहैंनाहिंजानिकौनीविधिगाये ॥ सुनहुसखासतिभायसाधुसेप्रियमोहिंनाहीं । यहजानैजनप्रौढ़भ जोजिनकोहियमाहीं ॥ तुमसेसंतपुनीतजेतिनहींकारणतनधरौं । कहबनादासनाशैसुयशनेकनहींताकोडरौं ९९ जोसेवैममसंतर हौंताकेञ्राधीना । तिन्हैंनकछूअदेवसर्बकरतबतिनकीना ॥ मेरे शत्रुनमित्रनहींमुहुमनञ्रौकाया । त्रिगुणात्मकतेभिन्नरचैयहमे रीमाया ॥ संतप्रीतितेप्रीतिहैसाधुबिरोधबिरोधजू । कहबनादा संञ्रागमनिगमसदग्रंथनकोशोधजू १०० संतैमुखतेखाउँतृप्त संतैकेपेटे । जानैकोउकोउसुजनसन्तभेंटेमैंभेटे ॥ संततृषातेतृ षाजायमेरीसबभांती । संतैसुखतेसुखीरहौंदिनहूंञ्रौराती ॥ जि नजानेयहिभेदकोतिनकोसंतैएकप्रिय । कहबनादासबहुवेदमत काहूपरनाहिंजातजिय १ भेषमात्रजोहोयताहिममरूपैजानै । सेवैमनबचकायसहजमेंसोभवमानै ॥ मानैजोसहकामसहजमें सोफलपावै । ऊंचापदनिष्काममोहिंमिलिजगतनशावै ॥ दुरा चारहूजोभजैसाधुइसमुभैयोगहै । कहबनादासकछुकालमेंकटि जैहैंवहरोगहै २ ममहितधनञ्रौधामतजेघरणीपितुमाता । सेव कसखासनेहत्यागिभगिनीसुतभ्राता ॥ बरषाञ्रौहिमबातसहैञ्रा तपबहुभांती । छोड़ेसबञ्रभिमानरहीकछुजातिनपाँती ॥ क्षुधा पिपासासेबिकलसहैञ्रमितञ्रपमानजू । कहबनादासममनाम जपिरहतपरायणध्यानजू ३ नहींइन्द्रसुखचहैनहींशिवविधिको दर्जा । निस्पृहमुक्तिहुञ्रोरकाहुकोसुनहिंनवर्जा ॥ मोहूतेनहिंच हैतृप्तमानैनहिंमोते । मैंहींयकप्रियसदाप्रीतिभयञ्रवशिनिसो ते ॥ रोमरोमऋणियाँरहौंइमिञ्रनन्यजनजेञ्रहैं । कहबनादास ममउजुरनहिंसोईकरौंजोकछुकहैं ४ लङ्करायपरिपाँयजोरिकर बिनयसुनाये । करहुनाथइमिकृपाभजनकीजैसतिभाये ॥ राज काजपरिवारसकलमायाकोजाला । तुमबिनहितूनकोयपरतल

खिदीनदयाला॥ प्रथमरहीजोबासनाप्रभुप्रतापपावकदही। कहबनादाससांचीकहौंअबइच्छानहिंकछुरही ५ करहुकल्पभरि राज्यलङ्ककरयहममइच्छा। कालकर्मगुणदोषदवैसबतासुपरिच्छा॥ जहांसन्तसबजातअंतपैहौंपुरसोई। दर्शनमोरअमोघ तातजानतसबकोई॥ तोषबिभीषणकोभयोउरसंशयसारीगई। कहबनादासरघुबरचरणभईप्रीतिअतिनितनई ६ सुठिसुकृतकोसींवभक्तिभाजनजगजाना। संतनमाहिंप्रमाणबखानतबेदपुराना॥ राज्यलहेभरिकल्पसखाकोदर्जापाये। अंतमाहिंपरधामरामयहिबिधिअपनाये॥ कोकृपालुरघुनाथसमसदाअनाथननाथिहैं। कहबनादासतिहुंकालमेंबेदविदितगुणगाथहैं ७॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रैतापबिभंजनोनामैकोनात्रिंशतितमोऽध्यायः २९॥

छप्पै॥ बोलेरघुकुलभानुमंत्रसबकरहुबिचारा। जोरेबहुकपिकटकतरीकिमिसिंधुअपारा॥ कोउनाहींकछुकहेलङ्कपतिउत्तरदीन्हा। होवैंजैसीसमयउचितभरिचाहीकीन्हा॥ तबपितृनपरगटकियेगौरवराखनयोगहै। कहबनादासबिनतीकरीमानीतासुनियोगहै ८ भायोरघुपतिहृदयनाहिंलक्ष्मणमनमाना। जड़सेबिनयनयोग्यसुधारीधनुअरुबाना॥ कैहैतुम्हरेकहाधरहुधीरजउरभाई। बातपूरितबपरैकरैजबदेवसहाई॥ देवदेवकुपुरुषकरहिंसिंहशूरकोकामनहिं। कहबनादाससुठिक्रोधजोसातासिंधुसोखैंअबहिं ९ दीजेदेवबतायतहिमारौंक्षणमाहीं। कौनआपुतेबड़ासहौंपलएकनजाहीं॥ प्रभुबोलेमुसकायदेवनहिंमारनयोगा। तिहूंकालतिहुंलोककरैसबतासुनियोगा॥ देवदेखिनाहींपरततातेकाबूकवनहै। कहबनादासधीरजकरौदेखोहोवैंजबनहै १० कुशआसनकरलियेपवनसुतसँगरघुबीरा। डासिदियेरुखपायबैठिप्रभुजलनिधितीरा॥ बीतिगयोदिनतीनिउदधिकछुकियेनकाना। बोलेरामसकोपिलषणआनोधनुबाना॥ धरयो

तीरकोदण्डपैजरनलगेजलजीवहैं । कहबनादासब्याकुलभयो
सागरअवशिअतीवहैं ११ कनकथारभरिरत्नबिप्रकोबेषबनाये ।
विनभयकबहुंनप्रीतिमानतजिउदधिसिधाये ॥ आयमिल्योरघु
बरहिबिनयतबबहुबिधिकीन्हा । मोहिंसुखातनहिंदेरबड़ाईआ
पुहिदीन्हा ॥ जेहिबिधिउतरैकपिकटकसोउपायचाहीकियो । क
हबनादासरघुबंशमणिसिंधुहिसुठिआदरकियो १२ दुइभाईन
लनीलतिनहिंमुनिबचनप्रमाना । लैगिरिशिखरपषाणकरहिंसु
न्दरजलयाना ॥ नहिंडूबैपाषाणतासुकरकौनेहुंकाला । मर्यादा
ममरहहिकामतवकोशलपाला ॥ एवमस्तुरघुपतिकहेशरअमो
घक्याकीजिये । कहबनादाससागरकहेममउत्तरतजिदीजिये १३
गवनकीनपरिपायँबाणरघुनन्दनमोचे । हर्षवन्तसबसेनभईकत
नानाशोचे ॥ तबबोलेरघुबीरवैरकरकारणकाहा । बँधैबांधसा
मुद्रतरैसेनाअवगाहा ॥ सुनिसुकंठरघुबरबचनभालुकीशबोले
तबै । कहबनादासलावोगिरिहिशिलाशृङ्गधायेसबै १४ बांद
रभालुसमूहचलेसबगर्जिगर्जिकरि । शिलाशृङ्गगिरिलायदेतन
लनीलपाणिधरि ॥ बांधतलिखिलिखिनामजुटतउतरातपषानां।
कियेसेतुसुठिपुष्टहर्षरघुबीरसुजाना ॥ बढ़ीथापमर्कटनकीश्रीरघु
बीरप्रतापहैं । कहबनादासजपजानकीऔरावणकोपापहैं १५
तबहिंकहेरघुनाथअवनिपावनिरमणीका । बहुरिसिंधुकोतीरनी
कलागतसबहीका ॥ मोरेमनकल्पनाशम्भुअस्थापनकरिये । न
हिंशिवसेप्रियऔरसकलबिधितेनिस्तरिये ॥ रावणरिपुजीत्तैंअव
शिजेहिप्रतापसंशयनहीं । कहबनादासरघुबंशमणिहर्षिहृदयऐ
सीकही १६ थापेबिधिवतलिंगनामरामेश्वरराखे । बहुरौंसबै
सुनायरामकरुणानिधिभाखे ॥ गङ्गाजलकेसहितआयजोदर्शन
करिहै । अतिदुस्तरसंसारअवशिकरिपारउतरिहै ॥ सेइहिजो
ईसकामकैमनबांछिततताकोफलिहि । कहबनादासशङ्करकृपामो
रबचननाहींचलिहि १७ सेइहिश्रद्धासहितकामनासकलबिहा

इहि। शिवकीकृपाप्रसादप्रेमभक्तीममपाइहि ॥ शिवसमानेका
अहैभेदबिरलाजनजानै । मेरोदासकहायशम्भुसोंईर्षामानै ॥
मैंनद्रवोंकोउकालमेंसोमनसेजावैउतरि। कहबनादासाकिमिसुख
लहैंजरनिजायनहिंजन्मभरि १८ जोहोवैशिवभक्तद्रोहमेरीदि
शिराखै । सुगतिलहैनहिंस्वपनबचनताकेहितभाखै॥ रामैजा
केईशनामरामेश्वरमानो । रामहुकोजोईशउभयादिशिभेदापिछा
नो ॥ याविधितेहैपरस्परपरम्पराआवतिचली । कहबनादा
सनिर्भेदजेदोउदिशितेदायाफली १९ ममकृतसागरसेतुजोईज
नदर्शनकरिहैं । घोरधारसंसारताहिमेंभूलिनपरिहैं ॥ मोहमा
नकल्पनासकलकण्टकउरनाशिहि। पायबिशदबैराग्यहृदयअति
बोधप्रकाशिहि ॥ सभामाहिंदशमुखसुनेबांधेजलनिधिसेतुहैं ।
कहबनादासदशहूबदनबोलामनहुंअचेतुहैं २० घनाक्षरी ॥
बांधेसिंधुसागरसमुद्रनीरनिधिबांधेतोयनिधिउदधिपयोधिऔन
दीसहैं । अम्बुनिधिसांचेहूबारीशबांधेरामतपीअजहूंप्रभावना
हिंजानेभुजबीसहैं ॥ बनादासबांदरऔभालुमृषापचिमरेसोतौ
बनेजरहितेउठायेगिरिईसहैं । बाहरबढ़ायबातबोलतअनेकभां
तिउरमाहिंशोचसुठिआईदशशीसहैं २१ छप्पै ॥ गयोबिभी
षणजबहिंदूततबहींशुकनामा । पठयेरावणबेगिचरितदेखनको
रामा ॥ आयोकपिकेकटकदरशरघुबीरप्रभाऊ । जानेसकलप्र
सङ्गबिसरिगोसहजदुराऊ ॥ पकरिकीशमारनलगेहरतनासिका
कानको। कहबनादासदीन्हीशपथरघुपतिकृपानिधानको२२ला
येलक्ष्मणपासतुरतसोदीन्हछुड़ाई । रावणकोपत्रिकालिखेकर
तासुपठाई ॥ आयोदशमुखसभाचरणमस्तकसोनाग्रे । समा
चारकेहेतनिकटदशबदनबुलाये ॥ कहासिनरिपुकोतेजबलबहु
रिबिभीषणकीदसा । कहबनादाससुठिब्यङ्गपुनिरावणतेहिअव
सरहसा २३ रूपतेजबलधामरामसबपूरणकामा । त्योंहींतेज
निधानबन्धुअतिशयबलधामा ॥ कीशभालुकीकटकनहींबरणै

बनिआवै। लीलाचाहतलङ्कहुकुमरघुबीरनपावै॥ शूरसुभटअति
शयबलीबोलतबचनअशङ्कहै। कहबनादासअबबिलम्बनहिंग्र
सनचहतगढ़बङ्कहै २४ गयोजबहिंतुवबन्धुतुरितरघुबीरबुलाये।
भेंटेअङ्गलगायबन्धुयुतअतिमनभाये॥ मांगिउदधिकोनीरतिल्ल
करघुनायककीन्हा। कल्पएककोराज्यलङ्ककरअबिचलदीन्हा॥
तासुबैनकोमानिकैमारगमांगेसिंधुसे। कहबनादासयाकेलियेबात
भईदुहुँबन्धुसे २५ प्रथमकीनअभिमानरामशायकसन्धाना। विप्र
रूपकोराखिउदधितजिआयेमाना॥ बांधहुसेतुकृपालुसेनउतरै
यहिभाँती। सुनतैरामरजायचलेमर्कटउत्पाती॥ सिंधुसेतुबां
धेसुदृढ़थापकियेगौरीशजू। कहबनादासअसानहींउतरतबिस्वा
बीसजू २६ नाथजोरिकरकहौंबचनकछुसुनियेमोरा। रामविरोध
नकरीनाइशिरअमितनिहोरा॥ अतिप्रतापबलभूरिब्रह्मपूरणअ
विनासी। रचैअमितब्रह्माण्डक्षणकमेंमायादासी॥ मनबचक्रम
ह्वैतेहिशरणभजियअवशिमनलायकै। कहबनादासदीजैसियाह्वै
हैभलाबनायकै २७ सुनतजरादशमौलिमृत्युआईशठतोहीं। ल
खतननिजअवकातिज्ञानउपदेशतमोहीं॥ तहूँजायकिनअबैकर
सिबहुजासुबड़ाई। सचिवविभीषणभयेथाहरिपुकीहमपाई॥ म
चलेजायसमुद्रढिगशठशाखामृगजोरिकै। कहबनादासअभिमा
नभरिबोलामोछमरोरिकै २८ ॥ कुण्डलिया ॥ लक्ष्मणपातीबां
चियेतबहींदीनेखोलि। पढ़नेकोआज्ञादियेरावणसचिवहिबोलि॥
रावणसचिवहिबोलिमहादशमुखअभिमानी। बोलतब्यङ्गअनेक
कहौंकिनमनुजकहानी॥ बनादासप्रभुबन्धुकेबचनालिखेहैंतोलि।
लक्ष्मणपातीबांचियेतबहींदीनेखोलि २९ रेदशमुखखद्योतखल
पोचनीचअज्ञान। हियोकपारोहीनदृगलखैंनरघुपतिभान॥ ल
खैंनरघुपतिभानजक्तजननीहरिआने। मानैकहाहमारनंतरुयम
धामपयाने॥ तवहितलिखेप्रचारिकैबेगिकरैपरमान। रेदशमुख
खद्योतखलपोचनीचअज्ञानं ३० कण्ठकुठारीदशनतृणदांबिज।

नकीअग्र। दशहूशिरनांगेचलैरघुपतिशरणहिव्यग्र॥ रघुपतिश
रणहिव्यग्रपाहिप्रणतारतहारी। त्राहित्राहिहरिशिरणबचनइमि
दीनउचारी॥ बनादासयहिभांतिमिलुबनिहैकार्यसमग्र। कएठकु
ठारीदशनतृणदाबिजानकीअग्र ३१ निजनारीकोसंगलै पुरजन
प्रजासमाज। सुनतहिआरतबचनको अभयकरैंमहराज॥ अभ
यकरैंमहराजमानुसांचीममबानी। नहिंतवआयोकालकियेअपने
करहानी॥ बनादासकुलदलसहित भयोसबैरअकाज। निजना
रीकोसंगलै पुरजनप्रजासमाज ३२ सुनतहँस्योरावणतबै छोटे
मुखबड़िबात। महिपरनभचाहतगहा काहुहिनाहिंसोहात॥ का
हुहिनाहिंसोहात सुईआननकिमिजाई। कैसेहुगिरिसुम्मेरुसिखे
कहँअमितभुठाई॥ परिहैदशशिरसामनेबूझिपरिहिकुशलात।
सुनतहँस्योरावणतबै छोटेमुखबड़िबात ३३ दूतचल्योरघुपति
शरण अतिशयचितमेंचाउ। आयोमर्कटसैनमें देखहुदरशप्रभा
उ॥ देखहुदरशप्रभाउ भयोराक्षसमुनिज्ञानी। पायोअपनोरूप
गयोउरआनँदमानी॥ बनादासऋषिशापगेऐसेप्रभुकोगाँउ। दू
तचल्योरघुपतिशरण अतिशयचितमेंचाउ ३४॥ सवैया॥ राम
कहेकपिरायबुलायबिलम्बनहींक्षणकोअबकीजे। बांधिकैसेतुत
यारभयोसबमर्कटभालुकोआयसुदीजे॥ बेगिचलैंगढ़लङ्कदिशा
प्रथमैसनबीरदोऊकरमींजे।दासबनाअसकौनअहैभटदेखिकैजा
सुनदांतपसीजे ३५॥ छप्पै॥ कटकटायकपिकोपिकोटिकोटिनय
कसाथा। चलेयुत्थकेयुत्थजयतिबोलतरघुनाथा॥ कोउअकाश
मगउड़तपृष्ठजलचरकोउटेवत।उतरानेजलजीवरामलखिद्दगफ
ललेवत॥कोऊसेतुकोउजलचरनचढ़िचढ़िसुखसेजातहै।कहबना
दासअतिभीरभैबरणैनाहिंसिरातहै ३६ रह्योसेतुकोनामभयेसब
जलचरसेता। रामरूपलखिछकेकहैकोआनँदजेता॥कछुसागरप्रे
रणाअवशिप्रभुदरशनलागी। भेमर्कटजलयानउदधिकेजिवबड़
भागी॥ गगनगर्जिअगणिततगयेनहींआसराकछुलिये। कहबना

दासबलरामकोसुमिरिसुमिरिप्रमुदितहिये ३७ शैलसुबेलसमीप
सिंधुतटडेरालीन्हा । लङ्कअमितअहतङ्कशोचसुठिदशमुखकी
न्हा ॥ निजनिजमतसबकहोसिन्धुनाँघीरिपुसैना । मंत्रिनमतिअ
तिअन्धकहैंसारेप्रियबैना ॥ नरकपिभालुअहारममबारबारबू
भियकहा । कहबनादासहोनिहारजससोईसबउरबसिरहा ३८
नाममहोदरजासुसकलसैनाकोनायक । रावणकोरुखपायबचन
बोलासुखदायक ॥ प्रथमैबूझतमंत्रलगैंपीछेनाहिंनीका । कहैय
थारथजोईहोयतुम्हरेमनफीका ॥ कहीनीतिऐसीकहाताहिनकर
तबिचारजू । ठकुरसोहातीजोकहैसोप्रियतवदरबारजू ३९ अनु
जहिमारेलातशरणरघुबीरसिधायो । मालवन्तगृहगयोतबहिंते
सभानआयो ॥ प्रियबाणीजोकहैताासुनाहींपरमाना । कहैयथार
थबातहोततामेंकल्याना ॥ सोअतिशयकटुलागतीकहनेवालेक
मअहै । कहबनादाससोउस्वल्पजोतामेंसुनिकैसुखलहै ४० मिथ्या
मारहिंगालकहैंजोमोरअहारा । नरबाँदरभयकवनिजानियेअब
शिलवारा ॥ बनउजारिपुरजारिगयोजोअक्षयसँहारी । कीन्हेहम
शुम्मारचौथिसैनाजोमारी ॥ नहिंभूँखाकोउलंकमेंताहिनकीन्हंअ
हारहै । कहबनादासयहिबुद्धितेनाहींभलहोनिहारहै ४१ शतयोज
नसामुद्रसेतुबाँधेक्षणमाहीं । शिलासिंधुउतरातसुनाकानेकोउना
हीं ॥ बधिताड़कासुबाहुहतेखरदूषणबीरा । मारेबहुरिबिराधकबंध
हिअतिरणधीरा ॥ बालिबधेजिनएकशरअरुखण्डेहरकोधनुष ।
कहबनादासभृगुमदहरेपुनिपुनितेभाषतमनुष ४२ तेहिबिरोधन
हिंकुशलनाथयहसम्मतमोरा । मुनिपुलस्त्यकोबचनअनेकनभां
तिनिहोरा ॥ जांतेकल्लहमिटैयतनसोअवशिबिचारी । होयराम
सोंयुद्धमरौंतवअग्रसुरारी ॥ यातुधानकुलमुकुटमणिमनमानिहिं
करिहौसोई । कहबनादाससुनिचुपरह्योअभ्यन्तरजरिगोसोई ४३
कहप्रहस्तकरजोरितातबिनतीकछुमोरी । दीजेसियापठायनाहिं
यामेंकछुखोरी ॥ मोहिंकादरजनिगुनहुउचितभाषतउपदेशा ।

आनमन्त्रकेकियेअवशिसबअङ्गकलेशा ॥ सचिवसङ्गकरिभेजि येसबप्रकारचाहौभला । कहबनादासजगबिदितहैबड़प्रतापनृ पकोशला ४४ नारिपायफिरिजाहिंरारिकोकामनकोई । नहिंमा नैंजोतदपिलरियसन्मुखभलसोई ॥ कहेसिअमितदुर्बचनभयसु कुलमाहिंकलङ्का । मेरोपुत्रकहायअबहिंतेब्यापीशङ्का ॥ जो आईमर्कटकटकभूँखेनिशिचरखाहिंगे । कहबनादासकोनीतरह नृपबालकसमुहाहिंगे ४५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामात्रिंशतितमोऽध्यायः ३० ॥

छप्पै॥ निशासमयआनन्दभवनगवनोदशशीसा।महामत्तअ भिमानअशिनिरखतभुजबीसा ॥ पायेसुधिमैंसुतासिंधुउतरेर घुबीरा । डेरानिकटसुबेलशोचिउरधरतनधीरा ॥ जोरिपाणिप तिसेकहतबचनकानममकीजिये । कहबनादासकरिकैकृपामांगौं सोमोहिंदीजिये ४६ मिल्योबिभीषणरामभलासबभांतिबिचारा। मालवन्तगृहगयोनाहिंआवतदर्बारा ॥ ठकुरसोहातीकहैंसभास कलौंमतिभोरी । मुनिपुलस्त्यकोबचनकानप्रियकिह्योनसोरी ॥ मानुषमानतरामकोपरब्रह्मजानेनहीं । कहबनादासब्यापकबिरु जनेतिनेतिजेहिश्रुतिकही ४७ सेवहिंमुनियोगीशजानिईश्वरअ बिनासी । रचैंअमितब्रह्माण्डक्षणकमेंजाकीदासी ॥ सोमाया अतिप्रबलशम्भुबिधिसबहिंनचावैं । बालघरौंदासदृशसहजमें सकलनशावैं ॥ तासोंसमरनसोहईअजहुंसियापियदीजिये । क हबनादासरामहिंभजौजगतबिमलयशलीजिये ४८ आयोमर्क टएकलङ्कदहितबसुतमारा । कीन्हबाटिकाखीसअमितनिशिच रसंहारा ॥ भयोनकछुतेहिसङ्कलखेनिजनैननसर्बा । सुनहुनहि तउपदेशमृषापियआनहुगर्बा ॥ बांधेसेतुसमुद्रमेंपारउतरिसैना परी । कहबनादाससूझतनहींअबचाहतपतिकाकरी ४९ सी ताअतिप्रियतुमहिंजनकपुरतेकिनलाये । भागेहुत्रांवैंलगायक

सनकोदण्डउठाये ॥ तोरिशिरासनशम्भुपरशुधरमानबिध्वंसे ।
मुखमसिलागीनृपनजगतरघुबीरप्रशंसे ॥ भुजबलब्याहेजान
कीसुरनरअसुरोपचिमरा । कहबनादासतेहिसमयमेंनहिंतिलभ
रिहरधनुटरा ५० जनिकुलघालकहोहुनाथराखहुअहिवाता ।
करतेरामबिरोधलोकतिहुंतरणितेताता ॥ कादरिनारिस्वभावबि
बिधसद्ग्रन्थबखाना । ममपत्नीयहदशाअपरकोकवनठेकाना॥
बांधेसेतुसमुद्रकाउतरहिंबीसपयोधिजब । कहबनादासाशिशुनृ
पतिकोशूरसराहबमहूंतब ५१ होतप्रातदशकन्धआयनिजस
भाबिराजा । गावहिंतुम्बरतानबजावहिंबहुबिधिबाजा ॥ सुर
पतिसभानतुलैऔरकेहिपटतरदेवै । बैठेशूरसमूहनामकहलग
कोउलेवै ॥ इहांलषणकुशसाथरीडासेयुतमृगचर्म हैं । कहबना
दासनानासुमनलायधरेकरिसर्महैं ५२ वामदक्षकपिराजबिराज
तलङ्कनरेशा । जहँतहँबांदरभालुधरेनानाबरबेशा ॥ प्रभुपीछे
आसीनलषणलाखनमेंधीरा । अग्रबिराजतभयेबालिसुतसुवन
समीरा ॥ कहूंधनुषकहुंबाणप्रभुकहूंतूणशोभाघने । कहबनादा
समुनिपटजटिलनहिंकबिउरबर्णतबने ५३ तेहिअवसरकोध्या
नधन्यजाकेउरआवै । उपमाशारदशेषकहांकबिकोबिदपावै ॥
कपिउछङ्गप्रभुशीशकियेकछुअवसरपाई । अङ्गदऔहनुमानच
रणचापतमनलाई ॥ उठिबैठेकछुक्रेममेंआलसमेटेरामजू । क
हबनादासआनन्दप्रद जनहितपूरणकामजू ५४ बैठजायनि
शिसमयसभामहँअतिहिअशङ्का । नेकनहींउरत्रासदशाननभु
जबलबङ्का ॥ किन्नरऔगन्धर्वलगेतेहिअवसरगावन । कबि
उपमाकोलहैसंहजसुरराजलजावन ॥ कहतबिभीषणशोचकि
तरामरूयालदक्षिणगये । कहबनादासघनदामिनीमनहुंमेघगर्ज
तभये ५५ अतिउतङ्गअस्थानशिखरपरसुभगअगारे । यहि
अवसरदशमौलिबैठितहँदीखअखारे ॥ बाजततालमृदङ्गपखा
उजजनुघनघोरा । गानतानअप्सरानृत्यतजनुदादुरिमोरा ॥ छ

त्रमेघडम्बरशिरेतासुश्यामताभासजू। शीशमुकुटताटङ्कत्रियज
नुदामिनीप्रकासजू ५६ देखिअमितअभिमानकूदिकपिराजसि
धाये। छत्रमुकुटताटङ्कतूरिमहिमाहिंगिराये॥ रसाभासकरिस
कलभूमितलदशमुखआवा। जनुचपलाकीचमकचरितकोउजा
निनपावा॥ कोआयोकैसाकियोअतिअचरजसबउरभयो। क
हबनादासस‌ुग्रीवतबगर्जिकृपानिधिपहँगयो ५७ समुझायेतब
रामकामकैसोयहकीन्हा। तुममुखियासबमाहिंशत्रुघरमेंपगदी
न्हा॥ यकतौरात्रीसमयसङ्गदूजाकोउनाहीं। अबऐसाजनिकि
ह्योजौनआवैमनमाहीं॥ अतिबिरोधनृपनीतिमेंबारबाररघुपति
कहे। कहबनादासकपिराजतबप्रभुपदपङ्कजकरगहे ५८ आ
पुनिकटअभिमानदेखिसुठिमोहिंनभावा। तरकिगयेकपिखेलको
ऊकछुजानिनपावा॥ कीन्हेसकलविध्वंसक्षणकमेंजिमिहरिखे
ला। सकलौसभासशङ्कअवनिदशकन्धरमेला॥ चलतगर्जि
रवघोरअतितबजानेकोउवीरहै। कहबनादासअनुकूलप्रभुदेन
योगकोपीरहै ५९ भवनगयोदशकन्धशयनकरिप्रातहिजागा।
निरखतबीसहुबांहसभामहँआवअभागा॥ जुरेनिशाचरआय
कहततबहींदशशीशा। नांघेकाहसमुद्रउड़हिंखगबहुवारीशा॥
बीसपयोधिअपारजेउतराहिंतौबरबीरहै। कहबनादासकैलाश
जेहिनहींउठावतपीरहै ६० इहांकहतरघुबीरसखाकाकरियबिचा
रा। पठईअङ्गददूतक्ष्योतबलङ्कभुवारा॥ बालितनयकहँबोलि
बेगिकहकोशलराजा। करहुलङ्कगढ़गौनतातकीजैममकाजा॥
रिपुसनकीन्हेहुबतकहीबलबुधिनेतिनिचोरिकै। कहबनादास
बोलतभयेकपिअङ्गदकरजोरिकै ६१ शाखामृगगुणहीनकहाक
रणीयहिलागी। स्वतःसिद्धिप्रभुकार्यभाग्यमेरीअतिजागी॥
सबशुभगुणबलधामरामअतिआदरदीन्हा। रघुबरशीलनिधा
नकोऊबिरलेजनचीन्हा॥ चरणबन्दिअंगदचलेरामरूपराखेहि
ये। कहबनादासइमिलखिपरतसकलकामप्रथमहिंकिये ६२ पै

ठेलंकनिशंकबंकभ्रुवबरणिनजाई । दगकखायलंगूरबीरबरअव
शिघुमाई ॥ बिनबूझेमगकहँदेखिनिशिचरभयभारी । पुरखरभ
रजहँतहाँआवकपिलंकजोजारी ॥ रावणसुतखेलतरह्योतासेंद्वै
गैभेंटहै । कहबनादासदोउनवलतनअतिशयबलीअमेटहै ६३
बातब्रातबतबढ़ीहन्योकपिमुष्टिकएका । सोकीन्ह्योतनत्यागच
ल्योअङ्गदआगेका ॥ सभाद्वारकपिगयोनिशाचरएकपठावा । सु
निदशशीशविचारिकीशकहँबेगिबुलावा ॥ बालितनयमृगराज
गतिरावणढिगपहुँच्योजबै । कहबनादासकपिदेखिकै उठेतु
रतनिशिचरसबै ६४ रावणअतिहिसकोपिसकलदिशिनयनत
रेरी । अंगदबैठिनिशंकयुत्थजनुकरिगणकेरी ॥ बहुरिकिहेदशव
दनकौनबंदरकहँआये । मैंरघुपतिकोदूतहेततवनाथपठाये ॥ म
मजनकहिंतोहिंमित्रताजनकनामभाषेकसन । कांखब्रासजाकेकि
येसुनतवचनलाग्योहँसन ६५ रह्याविचाराबालितासुसुतकुटिल
कपूता । निजमुखतेशठकहतरामतापसकोदूता ॥ तवमुखतो
रनहारलाजनाहिंलगतअभागे । गिरीनरसनाअबैगिरिहिरघुप
तिशरलागे ॥ बहुरिकहतरावणभयोबालिकहांरेबाँदरे । कहबना
दासअंगदबिहँसिदिनदशमेंलायहुगरे ६६ परत्रियलायेचोरिबो
रिडारेकुलपापी॥मुनिपुलस्त्ययशविशदभइसुखलअधमसुरापी॥
हँसिबोलाबहिलायजायशिवशैलउठावा । दशदिग्गजवरजोर
पराभवजातेपावा ॥ सहसबाहुदीपकधरेशीशबारिसोरावना ।
कहबनादासजीतनगयोबलिपायोयशपावना ६७ टांगपकरिझ
कझोरिबूढ़ियकसिन्धुमेंनाये । महाअधमदशमौलिमनहिंकछु
लाजनआये ॥ जीतेयमऔभानुयुद्धवैकुण्ठमेंकीना । लोकपाल
वशसकलदण्डसुरपतिसोंलीना ॥ बाँवदियोपुरजनकमेंनेकनहीं
हरधनुछुयो । कहबनादासहयशालमेंबांधेहुपरनाहींमुयो ६८
सोरावणजगविदितचलतडोलतजेहिधरणी । सतयुगमेंबलजा
सुभईकलियुगकीकरणी ॥ कियेबाटिकाखीससुवनहतिलंकाजा

रे। एकैकपिहनुमानचौथिसैनासंहारे ॥ पुरुषारथगोयेकहांगट ईगगरीबांधिकै। कहबनादासमरुडूबिकिनसिन्धुमाहिंदमसाधि कै ६९ रेकपिबोलुसँभारिचलनचाहतयमगेहा। पठयेकिनहनु मानहेतममनकरुसनेहा॥ स्वामिउपासकजातिकरहुनानाविधि लीला। नाचिकूदिबहुभांतिनाथनिजपालनशीला ॥ देखनहार हुतेसहेनतरुप्राणजातेअबै। कहबनादासबूचीबहिनिदेखिसहे सहिहैसबै ७० नारिदुखीतवनाथअनुजतेहिकोलखिदीना। कुल कलङ्कतुमदोऊहृदयसबभांतिमलीना॥ जामवन्तसुठिवृद्धसिलप कर्त्तवनलनीला। मोसोंजुरनेयोगकौनऐसाबलसीला॥ तोसेल रतनसोहकोउमेरेसैनामाहिंशठ। कहबनादासदिनकरकहांकहँ खद्योतनतजेहठ ७१ ज्योंमृगपतिबधशशाकोनिसंसारबड़ाई। तेरेमारनहेतलाजरामहिंअतिआई॥ ताहितपठयेमोहिंकठिनक्ष त्रीकरक्रोधा। सहिनजातिकोइभांतिकरैकवनीबिधिबोधा॥ स कलतरहकल्याणहैदशमुखममकहनासुनै। कहबनादासपापीप तितआननहींकछुउरगनै ७२ ॥ घनाक्षरी ॥ दांतदाबिदूबअरु कण्ठमेंकुठारीबांधिअग्रकरिजानकीचलैजोयहिभांतिसे। पुरज नप्रजानिजनारिसंगचेरीकरि नांगोदशशीशऔरसारेगुरुज्ञाति से ॥ आरतहरणपाहिपाहिपदकृपासिंधुत्राहित्राहिकियेसुखीहो यदिनरातिसे। बनादासशीलसिंधुदीनबन्धुरघुनाथअवशिसना थकरैतोहिअवकातिसे ७३ सुनिदशशीशदहोपावकमनहुंघृत अरेनीचपांवरनप्राणहुँकीशोचहै। छोटेमुखबड़ीबातबोलतन लाजलागैअवशिदुशीलनहिंनेकहूसकोचहै॥ मैंतोमुखतोरनके योगरहेदशौसुठिदियेनरजायरामयेहीबातमोचहै। बनादासक ठिनसहतअतिताहीलगिनतरुसजायदेतेतोहिपापीपोचहै ७४ लङ्कोसमुद्रकरिसिंधुसद्यलङ्ककरोंलङ्कमहारावणकोपलमेंबना वोंरे। दीननत्रिकालहूमेंजातेतिहूंलोकमाहिंताहिकरोंलङ्कनृपबि लमनलावोंरे॥ मारिसैनसकलसियाकोनिजपीठिराखिचेरीकैम

दोदरीकोअबहींसिधावोंरे। बनादासबारनहिंलावोंबालिबालकतों दूतरघुनाथजूकोसांचुकैकहावोंरे ७५ तोरिदशमुखलङ्कपङ्ककरों पलमाहिंरङ्ककैसीभोपरीउजारतनबारजू। कुंभकर्णमारिघननाद बयबादकरौंराक्षससकलभूंजिडारौंकोपभारजू॥ कालमौतमारोंमु षसदशपलकमाहिंरामकामहेततबबालिकोकुमारजू। बनादासकै सीकरौंप्रभुनरजायदिये दांतहाथमींजतअनेकनप्रकारजू ७६॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामएकत्रिंशतितमोऽध्यायः ३१॥

सवैया॥ येतीभुंठाईसिखेकहँमूढ़करैकेहिलागिमृषागलमा रीं। कैसीनिलज्जहैबांदरजातिनसाहेबकार्यकोमानतहारी॥ बा लिनहींअसमारेसिगालसिखेतपसीसँगमाहिंलबारी। दासबना गुणगाहकहौंतेहितेसहिलेतसबैरिसटारी ७७ तौंगुणगाहकता हनुमानबखानकियेहमहूंकछुजाना। लाजनरोषनमाषअहेतव धोयपियेसबअंगसेमाना॥ तातेढिठाईकियेसुनुरेशठऐसोनिल ज्जत्रिलोकनआना। बागउजारिदियेसुतमारिगयेपुरजारिकिये नहिंकाना ७८॥ घनाक्षरी॥ जारेरिपुहदैकीसबीसबिस्वाभली भांतिमेंधाधनुशरजनुबचनकृशानुहैं। उक्तिजलबुद्धिसूपभारती बहावैतासुताहिकरिबीसबाहुबचोयातुधानुहै॥ अंगदसकोपिक हेसुनुबीसआँखिहीनचलुरामशरणकोकरुणानिधानुहै। बनादा सत्राहित्राहिकरतकृपालुद्वैहै अभयकरैंतोहिंभुजतजुमदमानुहै ७९ अगुणअमानबुद्धिहीनजानिपितातजेकियेबनबासममत्रास अधिकानहैं। नीचपोचबाँदरनमृषाकाहेआवैलाजबारबारकरै शठताकरबखानहैं॥ बिजयीत्रिलोकताहितपीकोसुनावैडरऐसे ऐसेनरमारिखातयातुधानहैं। बनादाससुनिकोपोकपिअतिकट कटायजानिअपमानबाणीचाहैंधरिखानहैं ८०॥ छप्पै॥ मारयो दुहुंकरतमकिताहिक्षणभूतलभारी। सद्यहिदशौंकिरीटगिरयोग हअङ्गदचारी॥ सोफेंकेप्रभुपासकछुकशिरधरलङ्केशा। कपि

कोप्रबलप्रतापदेखिलहअवशिकलेशा ॥ लङ्कहल्योजनुपङ्कसेपु
निसमुद्रजलउच्छल्यो। कहबनादासउत्पातअतिसकलसुभटके
हियखल्यो ८१ पुनिरोपेकरिपैजपांवतेहिसभामँभारी। शठटा
रैममचरणजाउँसीतामैंहारी ॥ सुनतभयोअतिक्रोधबीरबोल्योद
शकन्धर। पदगहिअवनिपछारुजानपावैजनिबन्दर ॥ ललका
रेसारेसुभटआदिकजेघननादहैं। कहबनादासधायेसकलकरनेय
शबरबादहैं ८२ अनीअकम्पनकुमुखमहोदरआदिकबीरा। च
लेकोपिअतिकायकुलिशरदजेरणधीरा॥ दुर्मुखसुररिपुबलीसुभ
टमकराच्छकहाये। नामगनावैकौनकर्णघटतजिसबआये॥ गहि
गहिपदटारनलगेतिलहूभरिनाहींटरा। कहबनादासपटतरकवन
सकलदैत्यदलपचिमरा ८३ ॥ घनाक्षरी ॥ मेघनादआदिको
टिकोटिभटआयजुटेअङ्गदचरणनहिंनेकखसकतुभो। करबलछ
लकरिकरतउपायकोटिछोटिबातसबकीन्हतौहूंटसकतुभो॥ बीर
भेअधीरपीरहियेबीचआयगईकम्पतशरीरसुठिधराधसकतुभो।
बनादासहहरिहदकियातुधानगये अतिदशकन्धकोकरेजकसक
तुभो ८४ हालतौसुमेरुशेषहूकीकटिटूटिजातीफूटिजातीकच्छपी
ठितौहूनहिंचालतो। बिधिलोकइन्द्रलोकरुद्रगिरिडोलिजातो
सातहूसमुद्रहूनीरयदपिउछालतो ॥ धसिजातोध्रुवलोकखसिजा
तोभानुभूमिबनादासकौनपदअंगदकोटालतो। चालतोबिरंचि
अंककालहूकलपिजातोकरैकात्रिलोकजाहिरामप्रतिपालतो ८५
सिमिटिसिमिटिबलकरैंभटभूरिभारे टारेनटरतजनुशम्भुकोपिना
कभो। रह्योएककुम्भकर्णपर्णकियोसारोपुरटारोकोऊनाहिंमानो
बिधिकैसोआँकभो ॥ जैसेपतिदेवतीयपीयबैनचलैंनाहिंध्रुवके
सोधामजानिपरैपरिपाकभो। बनादासहिमवानअचलसुमेरुहू
सेतीनिकालमाहिंरामदानीमनसाकभो ८६ नाथिगोपतालकैधों
गाथिगोकमठपीठिकहेतेनबनैगिरिमानहूत्रिकूटहै। चारिओर
शोरमचाबिधिमहिसंगरचापचाभरिलंकधरिबीरनकोछूटहै ॥ अ

चाबालिबचासेदशाननअनेकभांति खचाकरिक्रोधपैजअवशि अटूटहै । बनादासमुरझायरहीसैनसर्बअंगजानौछठीदूधउल्टि आयोघूंटघूंटहै ८७ उठोआपुरावणप्रचारेबेगियुवराजबेगिमेरो पदगहेतेरोक्योंहूंनउबारहै । धरुशीशरामचर्णतोहिंकहेबारबार मुक्तिभुक्तिदेनहारकोशलकुमारहै ॥ बनादासतबसकुचायबैठो आसनपैषटपैकिरीटशीशचारिहूउघारहै । बैसैबिकरालदूजेशो भाऔरिआयबनीश्रीहतअतीवउरकरतबिचारहै ८८ ॥सवैया॥ शारदसेचतुराईबनीअरुबुद्धिहुमाहिंबिनायकथाके । शेषहुसेव कातिखघनीदशकन्धरकेअतिहीउरछाके ॥ मानमथेसबबीरन कोगढ़लंकबिषेफहरातपताके । दासबनारघुनाथसमीपचल्योत बगर्जतबालिकेबाँके ८९ देवप्रशंसतबारहिबारभुजाबलबुद्धिअ नूपहैजाके। कोबिदऔकबिगाइहैंकीरतिसैनशृङ्गारलहैउपमाके॥ रामकोकामकियेतनधैतिनतीनिउकालतिहूंपुरसाके । दासबना रघुबीरकेपाँयनआयपर्योतबबालिकेबाँके ९० लंकनिशंकधरयो पदपैजकेजानिपरयोमहिसंगखँचाहै । बीरहँकारतभोदशकन्धर चारिहुओरमेंशोरमचाहै ॥ धायेजहाँतहँतेभटभूरिनिशाचरंको दलहारिपचाहै । दासबनासुरसिद्धकहेंजगमेंबलबाँकुरोबालिब चाहै ९१ अंगदगौनकियोजबहींतबपुत्रकोमर्णदशाननजाना । शोचकियेअतिहीअभिअन्तरश्रीहतलंकनजातबखाना ॥ मय तनुजापहँगोदशकन्धरपुत्रबियोगतेरोदनठाना । दासबनाअब चाहतकाहकरोनितहीअपनोमनमाना ९२ बागउजारिगयोपुर जारिसँहारिकैराक्षसऔसुतमारे । आयमथ्योमदबालिकेनन्दन लंकसशंकनधीरधरारे ॥ पैठतहीहत्योपुत्रकोप्राणहिपीछेसेआय गयेतवद्वारे । ऐसेनिशङ्कहैंकिंकरजाहिकेदासबनाकिमिपाइहौपा रे९३ देहुसियाअजहूंपियबूझहुकाहेकोनित्यकरौगलमारी । अ ङ्गदऔहनुमानसेसेवकतासनचाहतजीतिमृषारी ॥ नाहकघात करौकुलकीहठिमानतनाहिंनबैनहमारी । दासबनारघुबीरबिरोध

कहेनबनैजसिद्धेहैदशारी ९४ ॥ घनाक्षरी ॥ सारोपुरगारीदेत
काननकरतनेकबन्धुमिलोरामजायलातघातकियेते। मानेनपुल
स्त्यबैनमंत्रनबिभीषणकोमालवन्तरहोवृद्धघरराहलियेते॥सुनेन
महोदरप्रहस्तकहामेंकूंबकेकैसीमतिमारीनाहिंआयोकछुहियेते।
बनादासबिपरीतिदेखिपरैसारोअङ्गकरतकुमन्त्रनित्यमहामानपि
येते ९५ अतिबिललायहायहायकैपुकारकियेआंशूपातआंखि
नतेअतिदुखपायोहै। जानाबशकालभयोकाहूकिनसुनैकहीकरै
वोहीसद्यजौननिजमनभायोहै ॥ आजुतनकहौंकछुदृढ़उरठीक
दियेरावणरिसायकछुआंखिकोदिखायोहै। बनादासनारिकोस्व
भावकबिसत्यकहैंमङ्गलमेंकाचनाचनानाबिधिआयोहै ९६ जी
तेदिग्पाललोकपालजिनबाहुबल सोमभानुमृत्युकालयमबशकि
येहै। स्वरगपतालमृत्युलोकमेंनबाकीकोऊ देवकाबिचारेद
एडइन्द्रहूसोंलियेहै ॥ बन्धुकुम्भकर्णसुतमेघनादबलवानलङ्कऐ
सीकोटसिंधुखांईजासुदियेहै। बनादासबातबिपरीतकहेबनैनाहिं
नरनकेमारेतासुनारिभीतहियेहै ९७ बिपुलप्रबोधकरिशयनकि
येसंगमाहिंप्रातकालउठिनिजसभाकोसिधायोहै। सचिवसुभट
शूरआयपदमाथनायेबन्दीगणबहुबिरदावलिसुनायोहै ॥ सहज
अशङ्कलङ्कपतिनगनतनेकप्रबलप्रतापीरिपुशीशपरछायोहै। ब
नादासकहतसुनायसबहीकिओर चहतअहारबिधिघरहीपठायो
है९८ स०। बालितनयकोबुलायकृपालुदियेअतिआदरबूझतबा
ता।सारोप्रसङ्गकहेगतमानजहांसनरावणपूतनिपाता॥शोधबया
नकियेगढ़कोतबरामकहेसबलायकताता। दासबनाकरजोरिकै
अङ्गदनावतशीशहियेसकुचाता ९९ ॥ घनाक्षरी ॥ बांदरकीजा
तिडारपातकोहलावैजानैखातफलतोरितोरियहीअबकातिहै। च
ञ्चलचपलपशुप्रातहूजोनामलेतमिलैनअहारताहिऐसीनीकीभां
तिहै ॥ स्वामीकोप्रतापसदाजननबड़ाईदेतताहीकारिसिद्धमुनि
भजैंदिनरातिहै। बनादासपायतनरामकोनकामकियेनिमकहरा

मसमौदेखादेखीजातिहैं१०० कपिराजऋक्षराजलङ्कपतिबोलि
रामसकलसुभटसनऐसीबिधिकहे हैं । करहुनिरोधगढ़अबनबि
लम्बकछूमोहिंयुगसमपलएकबीतिरहेहैं ॥ कियेचारिअनीदिशा
चारिहूसंयोगदियेसेनापतिशोधिशोधिजहांजसचहे हैं । बनादा
सद्वारद्वारनेकहूनबारलायेपादपपहारशिलाशृंगसबगहे हैं १ नी
लनलद्विबिदमयन्दगयेदक्षिणकोमहाबीरधीरघनेघालैंयातुधान
हैं । अङ्गदकुमुददधिमुखअरुकेशरीहैंपश्चिमदुआरपरचारिब
लवानहैं ॥ पनससुषेणऔगवाक्षकपिराजभयेपूरुबकेद्वारपरशू
रतानिधानहैं । बनादासरामऔलषणपतिलङ्करहेउत्तरकेद्वारह
नुमानजाम्बवानहैं २ मुख्यमुख्यबीरचारिद्वारनपैयथायोगऔ
रभयेतासुनामकहांलौंगनायेजू । चहूंअनीचारिओरशोरकरिधा
यचलींअतिअभिलाषअभिअन्तरबढ़ायेजू ॥ बनादासरामका
मपरप्राणदेनचलेतृणकेसमानगुणतासुकिमिगायेजू । लहेजन्म
लाभकबिकोबिदकीबातकेतीसुकृतकेसींवपारशारदनपायेजू ३
सवैया ॥ लङ्कनिरोधसुन्योजबरावणकोपिकहेसबहीसनबानी ।
देखौदशानरबांदरकीसहजेजेहिआयकैमौततुलानी ॥ जैसेपरेभ
खुअजगरकेमुखतैसहिआयकैसैनसमानी । दासबनाबिपरीति
भैबुद्धिनहींगतिकालपरेपहिचानी ४ ॥ घनाक्षरी ॥ त्रिशिराप्र
हस्तऔमहोदरगोपूरुबकोभिंदिपालअसिचर्मधारेधनुबानहैं ।
दुर्मुखकुमुखमकराच्छगयोदक्षिणको शक्तिशूलगदाधारिअतिब
लवानहैं ॥ अनीअतिकायमेघनादद्वारपश्चिमभोपरिघप्रचण्ड
धारिरावणसमानहैं । बनादासदशकन्धदेवघातीसुरघातीमनुज
अरातीद्वारउत्तरप्रमानहैं ५ मुख्यमुख्यऔरबीरद्वारद्वारयथायो
गतोमरऔमुद्गरअनेकअस्त्रधारे हैं । कोटकेकँगूरनपैजहांतहांच
ढ़िगयेसिंहनादकरैंजनुप्रलैमेघभारे हैं ॥ बनादासतृणसमगनैंन
त्रिलोकहूकोअवशिसकोपिचारिओरललकारे हैं । उतकटकटा
यकपिभालुगढ़घेरिलियेजैतिरामजूकीबारबारहीउचारे हैं ६ ॥
इतिउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखंडेद्वात्रिंशतितमोऽध्यायः ३२ ॥

छप्पै ॥ कनककँगूरनसोहनिशाचरकारेकारे । मेरुशृंगपरबैठिमेघजनुभारेभारे ॥ भालुकीशलसिजाहिंतिनहिंनीचेकरिगिरहीं । कटकटाहिंभटभूरिघोरनिश्चरचिक्करहीं ॥ पादपशृंगपषाणगिरिधायेगाहिमर्कटभले । कहबनादासगढ़गर्जतेभांतिबिबिधगोलाचले ७ गेगढ़ऊपरधायभालुमर्कटकरिहूहा । गर्जततर्जतअतिहिअनीचहुँओरसमूहा ॥ उतराक्षसभटभूरिभिरेजोरीसेजोरी । महिपटकैंउठिलरैंहाथपगओमुखतोरी ॥ देखिसबलमर्कटकटकधायअनीअतिकायअति । कहबनादासमायाकियेबरणिसकैकबिकौनिगति ८ अन्धध्वन्धबहुधूरिबरषिकीन्हेंअँधियारी । उपलवृष्टिअतिघोरबिकलभेबहुबनचारी ॥ चहूँओरतेचोपिसकलसैनापतिधाये । जयंतिजयतिदशकन्धकीशभालुनबिचलाये ॥ रुधिरमूत्रमलकेशनखमहानर्कबरषेजबै । कहबनादासरघुबंशमणिबाणएकमारेतबै ९ निशिचरमायादूरिकियेजबकृपानिधाना । फिरेकीशओभालुचलेअङ्गदहनुमाना ॥ द्विबिदमयंदगवाक्षनीलनलक्रोधितभारी । दधिमुखपनससुषेणकेशरीबीरप्रचारी ॥ कुमुदकालगर्जतमनहुँजाम्बवानकपिपतिचले । कहबनादासजयरामकहिजयतिलषणरिपुदलमले १० उतप्रहस्तमकराक्षमहोदरअनीअकम्पन । दुर्मुखकुमुखकठोरकुलिशरदत्रिशिराबलघन॥मेघनादअतिकायदेवघातीसुरघाती। बिद्युज्जिह्वाआदिबीरबरमनुजअराती ॥ कालकेतुखरकेतुहैंसुररिपुगोघातीघने । कहबनादासशोणितनयननामकहांलगिकोउगने ११ निजनिजजोरीजानिभिरेदोउदिशितेबीरा । एकएकनहिंमुरैंसबलअतिशयरणधीरा ॥ निजनिजस्वामीजयतिसबहिंइच्छामनमाहीं । चहूँद्वारघमसानयुद्धनहिंबुद्धिसमाहीं ॥ इतैजयतिरघुबरलषणउतैजयतिरावणकहैं। कहबनादासबहुभटकटतपटतभूमिआयुधगहैं १२ तोमरमुद्गरपरिघशूलबहुशक्तिकृपाणा। भिन्दिपालअरुगदागर्जिलीन्हेंधनुबाणा ॥ ढोलदुन्दुभीपणवबिपुलबाजहिं

सहनाई। सिंहाभेरिनफेरितुरहीशब्दसोहाई ॥ ललकारहिंमारहिं
सुभटकटहिंपटहिंभूतलघने। कहबनादासदेखेबनैयुद्धनहींभासत
मने १३ कटकटाहिंभटकीशभालुचिक्करहिंकठोरा। आननहनहिंनि
शानबलीमुखअतिबरजोरा ॥ पादपशिखरपहाड़दशननखआ
युधबीरा। सिंहनादसुठिकरैंसमरमेंअतिशयधीरा ॥ जयतिराम
जयलषणकहिजयकपीशसुग्रीवजू। कहबनादासमर्दतघनेनिशि
चरभुजबलसींवजू १४ उदरफारिमुखतोरिपटकिमहिभुजाउपा
रहिं। अन्तावरिगिरमेलिकीशजयरामपुकारहिं ॥ शक्तिशूलअरु
बाणनिशाचरकरहिंप्रहारा। फरशापरिघप्रचण्डभिन्दिपालनग
हिमारा ॥ तोमरमुद्गरअसिहनहिंशिलाशृङ्गकपिडारते। कहबना
दासधरिकुधरभटललकारहिंबहुमारते १५ अङ्गदऔहनुमानले
हिंगिरिप्रबलउठाई। डारिदेहिंयकबारयुत्थकोयुत्थदबाई ॥ लिये
दाबिचहुँद्वारभगेनिशिचरभटभारे। नहिंताकतकोउघूमिभालुम
र्कटललकारे ॥ चढ़ेकँगूरनकोपिकपिमर्दहिंअमितनिशाचरा।
कहबनादासबिचलीसैनधीरनकोउअवसरधरा १६ अङ्गदऔ
हनुमानलियेगहिकञ्चनखम्भा। अतिहिप्रबलभटयुगलकियेउ
त्पातअरम्भा ॥ ढाहतकनकमकानकलशगहिराक्षसमारहिं। क
टकटाहिंअतिक्रुद्धकेशकसिनारिनिकारहिं ॥ कपिलीलाबहुबिधि
करैंब्रहदलूमलपकायकै। कहबनादासदिशिराक्षसिनधावहिंगाल
फुलायकै १७ लङ्काहाहाकारभयोरावणकुलघाती। धीरधरैकोउ
नाहिंयुगलकपिअतिउत्पाती ॥ मुखियामुखियामारिपासरघुबीर
पवांरहिं। कटकटायअतिकोपिलूमलीलाललकारहिं ॥ सुभटम
र्दिफेंकतसबलघरतभुण्डकेभुण्डहैं। कहबनादासरावणनिकट
फूटतजनुदधिकुण्डहैं १८ लङ्कउदधिजनुमथतयुगलसुठिमन्द
रभारी। अङ्गदअरुहनुमानकियेलङ्कापैठारी ॥ इहांकहतरघुना
थलषणप्रतिबारहिबारा। बालितनयसुतपौननेकमानतनहिंहा
रा ॥ चढ़िआयेनलनीलगढ़द्विविदमयन्दसमेतहैं। कहबनादास

मारेसुभटबहुप्रकाररणखेतहैं १९ कुमुदकेशरीआदिलियेनिज
दिशादबाई। ललकारहिंबहुबारहतहिंराक्षससमुदाई॥ पनसग
वाक्षसुषेणदिशापूरबउठिधाये। मर्दहिंनिश्चरअमितबरणिकबि
पारकोपाये॥ नरगागढ़चारिउदिशाभयोअमितउतपातहै। क
हबनादासघरघरबिषेनारीअतिबिललातहैं २० देखिअजयघन
नादहृदयसुठिक्रोधसँभारा। लैलैलायकनामशूरबीरनललकारा॥
बांदरभालुअहारकियेतिनऐसीकरणी। बूड़िमरहुकिनसिन्धुजिय
तगड़िजाहुनधरणी॥ कहामहोदरकुलिशरदकुमुखबीरअतिका
यहै। कहप्रहस्तत्रिशिराकहाअनीअकम्पनिकायहै २१ विद्यु
ज्जिह्वाकितैदेवघातीसुरघाती। कहाबीरमकराक्षकितैहैंमनुजअ
राती॥ श्वानकेतुखरकेतुरक्तलोचनगोहन्ता। सुरापानिमुखकूट
ऊर्ध्वकेशीबलवन्ता॥ मारहुमर्कटभालुभटखाहुचहूंदिशिचोपिकै।
कहबनादासधायेसकलललकारेसुठिओपिकै २२ भिंदिपालअ
सिचर्मलियेधनुबाणघनेरे। शूलशक्तिअरुपरिघलियेफरशाब
हुतेरे॥ तोमरमुद्गरधारिबीरबरछाबहुलीन्हे। चलेसरोषसमूह
जयतिदशकन्धरकीन्हे॥ उतपादपपाषाणगिरिशृङ्गतोरिकपिडा
रहीं। कहबनादासआयुधदशननखजयरामपुकारहीं २३ परी
मारुघमसानअवशिरावणसुतकोपा। मर्दतमर्कटभालुयुद्धइच्छा
अतिचोपा॥ सिंहनादकरिदैत्यसबलधायेचहुंपासा। क्रुद्धेका
लसमानत्यागिजीवनकीआसा॥ मारहिंबांदरभालुभटचपरिको
टबाहरकिये। कहबनादासकपिराजइतललकारतहरषितहिये
२४ निजनिजजोरींजानिभिरेअतिहीरिसराते। हारेनाहींहटतशू
रसहजेरणमाते॥ जयतिरामजयलषणभालुकपिकहबहुबारा।
जयरावणघननादनिशाचरकरहिंउचारा॥ घूर्मिघूर्मिघायलपर
तकरतघोरचिक्कारहैं। कहबनादासउठिरुण्डभटलरतअनेकन
बारहैं २५ कटकटाहिंकपिभालुघोररवनिशिचरकरहीं। सिंहना
दघननादबीरजयजयकरिलरहीं॥ हाथपांवकोतोरिमुण्डमुण्डन

तेफोरत । केतेबीरपछारिजलधिमेंहठिहठिबोरत ॥ कतहुंदब तकपिभालुदलकबहुँनिशाचरभागते । कहबनादासजयहेतुनि जसमरनिशासुठिजागते २६ पादपअरुपाषाणशृंगगिरिकराहिं प्रहारा । नखनविदारहिंउदरमनहुंनरहरिअवतारा ॥ शक्तिशूल तरवारिउतैराक्षसभटमारहिं । भिंदिपालअरुगदापरिघपरचण्ड प्रहारहिं ॥ तोमरमुद्गरमारतेसबलशूरदोउदिशिलरे । कहब नादासरणछकिरहेनहींएकएकनमुरे २७ सांझसमयकोजानिफि रीदोउअनीअपारा । आयेनिजनिजठौरबीरबांकेबरियारा ॥ अ वलोकेरघुबीरकृपादृगश्रमसबछीजे । परेकमलपदधायहृदयअ तिप्रेमपसीजे ॥ शुम्मारीरावणलियेउतैअर्द्धसैनाखपी । कह बनादाससुठिशोचबसिरह्योजीभदशननचपी २८ तबबोल्यो घननादप्रातदेखहुबलमोरा । करौंशत्रुसंहारबचनभाषौंकाथो रा ॥ जायकियेसबसैनचैनरावणउरनाहीं । नरकपिभालुअहार भयोअचरजतिनपाहीं ॥ निजलँगूरकीकोटकरिमध्यसैनराखी सबै । कहबनादासमुखमेलिकैपवनसुवनसोयेतबै २९ ॥ सवैया ॥ प्रातःकालउठेकपिभालुलियेतरुशृंगपषाणपहारा । घेरिलिंये गढ़चारिउद्वारभयेबसिक्रोधस्वरूपसँभारा ॥ पायहवालचल्यो घननादजहांतहँबीरनकोललकारा । दासबनादशकन्धरकोसुत कोपिकियेबहुबाणप्रहारा ३० होतनसामुहेमर्कटभालुतबैप्रभुब न्धुचल्योशिरनाई । तूणकसेकटिशीशजटाअरुनयननछायरही अरुणाई ॥ गोरेसेगातमनोअतिरातलियेधनुबाणकहाउपमाई । दासबनाबलप्रायबलीमुखबेगिचलेउतसाहबढ़ाई ३१ ॥ घनाक्ष री ॥ जोरीजोरीजानिभिरेसुभटप्रचारिकरिमल्लयुद्धअस्त्रशस्त्रना नाबिधिजारहीं । बिटपपषाणगिरिशृङ्गलियेभालुकपिनखनदश नमुखउदरबिदारहीं ॥ हाथपगतोरितोरिमारेमुण्डफोरिफोरिडा रैंसिन्धुबोरिबोरिबहुललकारहीं । बनादासयातुधानमारुघमसा नकियेजैतिरघुबीरजैतिरावणउचारहीं ३२ जुरेलक्ष्मणघननाद

बीरक्रुद्धकरिअतिहिविरुद्धएकएकननपारहीं। मारेशतबाणरथ सारथीनिपातेअश्वलषणसबलजैतिरामजूउचारहीं ॥ चढ़ोदू जीस्यन्दनचलायेशतबाणकोपि चोपिलक्ष्मणतिलसमकरिडार हीं। बनादासशक्तिशूलडारेबहुएकैबारकाटिकैफणीशताहिपुनि ललकारहीं ३३ मारेमेघनादउरलक्ष्मणबाणशतकाटिसुतराव णशरीरकोबचायेहैं। पुनितीससिलीमारेउभुजताकिताकिदशमु खसुतपखोमहिमुरछायेहैं॥ बहुरिसँभारिउठेसिंहनादकरिबीरमा रेशरकोपि लक्ष्मणकाटिनायेहैं। बनादासछलबलकियेघनना दबहुकाहूभांतिनेकसावकाशनहिंपायेहैं ३४ भयोअतिब्याकुल जबहिंदशमौलिसुततबब्रह्मशक्तिउरलषणकेमारेहैं। पखोमहि मुर्छिप्रतापअतिभारीतासुमेघनादजायकैउठायहियहारेहैं॥ र ह्योसरमायसांझसमयआईफिरेबीर सबदिशिरघुबीरबूझेआँधि यारेहैं।बनादासकहांबन्धुतौलौंसुतपौनलायेदेखिदशालषणकि धीरनसँभारेहैं ३५ करतबिलापबहुप्राकृतस्वभावजिमिकपिद लविकलबिलोकिबिकलईहै। कह्योरिपुबन्धुलङ्कबयदसुखेन बड़ोलावैहनुमानकछुनिशाबीतिगईहै॥ पवनसुवनसहसदनउ ठायलायोदेखिगिरिओषधीकिनामकहिदईहै॥बनादासकैहैप्रात प्राणतौनहाथऐहैसुनिकैप्रसङ्गपीरसबउरभईहै ३६ कहेरघुनाथ लक्ष्मणकोजियाओतातरामपदबन्दिसद्यपौनपूतचलेहैं। पाय खोजरावणगयोहैकालनेमिपास कहेबेगिजायतातअञ्जनीकोछ लेहैं॥ तिनकहेतुमहरिआनेजक्तमातुजानितबतेबिचारोंकैसेकै सेफलफलेहैं। बनादासनांघिसिन्धुअक्षयकुमारमारेबाटिकाउ जारिपुरजारिअतिखलेहैं ३७ तासुपंथरोकैकौनसुनिबहुगारीदि येउरमेंबिचारकरिकालनेमिगयोहै। सरढिगबाटिकाबनायकुटी बैठोमगमायाकोप्रपञ्चपलमाहिंनिरमयोहै॥ देखिशुभआश्रम मुनीशकोऊबैठोएकप्यासेहनुमानलखिहरषितभयोहै। बनादा सजायकैप्रणामकपिकियेताहि तृषाकोप्रसङ्गबेगितासोंकहिदयो

है ३८ दयेसोकमण्डलकहेनयासोंपूरपरैसरैसोदेखायदईकहेअ
सनानकरौ । दीक्षाकछुलेहुजातेज्ञानकोप्रकाशहोयसतसङ्गकि
येकरसद्यफलआयफरौ ॥ होतहैसमररामरावणसोंसमययहिगु
रुकेप्रसादसबसहजमेंदेखिपरौ । बनादासजीतैंरघुबीरनसँदेह
यामेंबातनमेंलावोचहैजातेनिजकाजसरौ ३९ प्रभुउरप्रेरकन
लायेहनुमानबारपैठेसरमाहिंएकमकरीचरणगहे । कियेतासुघा
तदिब्यरूपसोप्रगटभईअहैयहराक्षसबचनकपिसनकहे ॥ करि
असनानजलपानसोबहोरिगये लेहुगुरुदक्षिणालपेटिसुठिलूम
नहे । बनादासपटकेघुमायबारबारमहिमरणकेसमयमेंदुरावता
सुनाहिंरहे ४० प्रगटिअसुरतनरामकहित्यागकियेचलेहनुमान
बेगिपवनसमानहै । पहुँचेसमीपगिरिऔषधीनचीन्हिपायेअव
शिप्रकाशदेखिकियेअनुमानहै ॥ रहेतहांरक्षकसोबरजेअनेक
बारलूममेंलपेटिलियेताहिहनुमानहै । बनादासशैलकोउपारिलै
पयानकियेउपमामिलतनाहिंमहाबलवानहै ४१ पाहिपाहिकरत
पुकारताहिछोड़िदियेचलेनभमारगमेंजैसेरामबानहै । आयोऔ
धऊपरअमितहाहाकारसुनि भरतबिचारेउरकोऊयातुधानहै ॥
बिनाफरमारे शररोदाखींचिश्रौणतकभूतलसपदिपरयोमहाबल
वानहै । बनादासरामनामऊंचेसेउचारकियेसुनतभरतभयोमृत
कसमानहै ४२ हायबिधिकैसीकियेयहबिपरीतबातवैसेउरतपैभ
येरामजनघाती है । सजलनयनतनपुलकभेबारबारप्रभुहिसुमि
रिभरिआईआतिछाती है॥गयेपुनिनिकटप्रसंगबूझेकहेकपिकाम
तबसरैजबजैयेअर्द्धराती है । बनादासप्रातभयेआवैंनलषणहा
थअतिपछितांतजन्ममेरोउतपाती है ४३ अतिअकुलईहनुमान
हियजानिपरीतबबिलखायकहेभरतदयालहै। करमबचनमनजो
नहोयदूजीगतिहोहिंरघुबीरममऊपरकृपालहै॥ बनादासतौंतौक्ष
णएकनबिलम्बलागैहनुमानतनदूरिहोयसबशालहै । भयोश्रम
बिगतननेकहूबिलम्बलागीपवनकुमारउठिबैठेततकालहै ४४॥
इतिउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डेत्रयस्त्रिंशतितमोऽध्यायः ३३ ॥

घनाक्षरी ॥ कहेगिरिसहितसपदिबैठोबाणममसद्यहीपठावौं जहांजनसुखदाईजू। आयोउरमानकछुपुनिअनुमानकियेरामब न्धुकोप्रतापपारकौनपाईजू॥तबहनुमानकरजोरिकहेबारबारआ पुकेकृपातेजैहौंबाणहींकिनाईजू। बनादासवहांरामशोचकरैंभां तिबहुआयोनकुमारपौनअर्द्धरात्रिआईजू ४५ ॥ सवैया ॥ मा तुपितामममहेततजेघरणीपुरऔधमहासुखदाई। आतपबातसहे बरषाहिमबासकियेबनजाहितआई ॥ देखिसकेनदुखीकबहूंमो हिकालव्यतीतकियेफलखाई। दासबनाबिलखायकहैप्रभुकाहे नमोहिंसिखावतभाई ४६ कञ्जबिलोचनमोचतबारिउठायकैब न्धुहियेमेंलगाई। कैसेरहैंतनपांवरप्राणबिछोहभयेपरजानिनजा ई॥ युद्धरहोनसियाअबआइहैदासबनाकिमिऔधहिजाई। मा रहिंबैनजहांतहँलोगत्रियाहितक्योंप्रियबन्धुगँवाई ४७ ॥ घना क्षरी ॥ भाईकोभरोसोजौनतौननत्रिलोकहूमेंऐसोसनबन्धजगदू सरोनआनहै।मातुपितुसुतआदित्रियाप्रियदेखिपरैसमैपरनाहिंको ईभाईकेसमानहै ॥ सांकरेसहायकरैपेलिरणरिपुमारैबनादासऔ सरथैदेयप्राणदानहै। बारबारकरतविचाररघुबंशमणिभयकोहरै याकौनअनुजसमानहै४८॥ सवैया ॥ काजअकाजभोदेवनको भुवभारउतारनकोअबऐहै।मारिहैकोदशकन्धरदारुणसाधुगऊ द्विजदेवदुखैहै ॥ प्राणनहींक्षणभारतराखिहैंमेरेतजेतनऔधबि लैहै। दासबनाबिगरीसबखेलबिभीषणकौनकेभौनसमैहै ४९ बांदरभालुअधीरसबैरघुबीरदशालखिबारहिबारा। तौलगिआ यगयेहनुमानलियेकरबामबिशालपहारा॥ लेहुसुखेनसजीवनि चीन्हिहुलायकैसोमुखलक्षणडारा। दूरिभईसबपीरतेहीक्षणहर्षि हियेसियरामउचारा ५० बैदद़ियेपहुंचायसोलङ्कहिऔगिरिफेरि तहांधरिआये। पौनहुतेअधिकीकपिबेगमनोगतिकीउपमाकि मिगाये॥ रामकेकामकोहैअवतारधरेतनकोफलसोभलपाये। दा सबनासमतानतिहूंपुरतीनहुंकालनदूसरजाये ५१ प्रातहिहोत

लियेगढ़घेरिगहेगिरिपादपशृङ्गपषाना । पायहवालचलोघन
नादचढ़ोरथपैकरलैधनुबाना ॥ सङ्गनिशाचरकोदलभूरिइतैसुत
बालिमहाबलवाना । दासबनालरैंबीरपरस्परदोऊउभयदिशिते
हरषाना ५२ तोमरमुद्गरसेल्हऔशूलचलावहिंशक्तिनिशाचर
भारी । चक्रगदाफरसाकरधारिशिरासनबाणकरैंसुठिमारी ॥ पा
दपऔगिरिशृङ्गपषाणगहेहठिक्रुद्धलरैंबनचारी । दासबनानख
आयुधदन्तमनोनरसिंहकलाबहुधारी ५३ बाणनमारिकियेतन
जर्जरअङ्गदनेकनमानतहारी । शैलबिशालप्रहारकियेयकस्यन्द
नसारथीअश्वबिदारी ॥ तौतरुतोरिहनेतेहिऊपरकाटिगयोकरि
युक्तिसुरारी । दासबनांदोउबीरभिरेपुनिएकहिएकसकैंनाहिंपारी
५४ ॥ घनाक्षरी ॥ उड़तअकाशकहींभूतलमेंआयलरैंकरैंघात
बिबिधसबलदोऊबीरहैं । कज्जलपहारहेममानोमहायुद्धकरैंज
हांतहांबांदरदैत्यलरैंधीरहैं ॥ उदरबिदारिहाथपगतोरिमुण्डफोरैं
बोरैंसिंधुमाहिंदेहिंएकएकपीरहैं । आयेहनुमाननिबुकायअन्त
धानभयोबनादासहतेशूरसुवनसमीरहैं ५५ पुनिचढ़िस्यंदन
पैजनककुमारिलायोसबहिदेखायशीशकाटनसोलागहै । अङ्गद
औहनुमानअतिहाहाकारकिये ऐसोतोहिंउचितनकैसनअभाग
है ॥ जेठोदशकन्धपूतअवशिसपूतभये शूरबीरधीरनमेंतेरोयश
जागहै । बनादासताहूपैनसुनेमाथकाटिदियेमर्कटऔभालुबश
भयेअनुरागहै ५६ सांझसमैसैनदोऊगईनिजनिजओरबीरन
कोरघुबीरकृपादृष्टिहेरे हैं । भयेश्रमबिगतसियाकोजबहालसुनी
धीरधुरअतिहिअधीरकहेकेरे हैं ॥ सारोश्रममृषाभयोकहतपर
स्परअवशिसंशोकअवलम्बनहिंनेरे हैं । बनादाससमैतेहिआ
योदशकन्धबन्धुकहिकेप्रसङ्गशोचसबकीनिबेरे हैं ५७ग्रहमेघना
दमायाऐसीकरैंनानाबिधिवहांरामलषणकोशीशधनुबानजू । राव
णरजायरातिसमैमाहिंसियाअग्र धरेजायकोऊयातुधानीयातुधा
नजू ॥ कहेदशबदनसँदेशबहुभांतिनसोंअबकहोकरैंनाहिंकाके

अभिमानजू। बनादासबांदरसयनबहुबहिगईमारिगयेदोऊबन्धु बड़ेबलवानजू ५८ ॥ सवैया ॥ मानेकहाममनातौबधौंअबसी यबिलापकरैअतिभारी। काहदेखायकियेबिधिकाहनधीरधरैमि थिलेशकुमारी ॥ जानेनिशाचरकोकुलनाशभयोकिनबीचमेंबा तबिगारी। दासबनायहपांवरप्राणरहैतनमेंदहुकाहबिचारी ५६ हेमकुरङ्गकियेबिधिजौनऔदेवरकोकटुबैनकहावा। भांतिअने कसहेउत्पातसोईबिधिनैननयाहूदेखावा ॥ ताहूपैप्रानपयानकरैं नहिंदासबनाअबकाहसुनावा। धीरधरैनहिंकौनिहुंभांतिसेजान तमोरअभागिजियावा ६० त्रासदेखायकैरावणपासगोतौत्रिज टातेहिऔसरआई। सीयबिलापबिलोकिसमैतेहिदारुणदाहर हीउरछाई ॥ मातुमृषामतिशोचकरैयहराक्षसमायामहाअधमा ई। दासबनातुवपांयकोसप्तमृषासबजानहुमैंसुधिपाई ६१ सी यबिषादहरेत्रिजटादशशीशसभाअतिहीबिलखाना। राक्षससै न्यसिरायगयोकछुकाजभयोनकहाबिधिठाना ॥ कोपिकहेतबहीं घननादलहेबरइष्टसेआपुनजाना। दासबनानिशिबीतेबिलोक हुतौदशमौलिमहासुखमाना ६२ प्रातहिकालदियेभटहूहसमूह बलीमुखभालुसिधाये। शृङ्गशिलागिरिऔतरुतोरिनखायुधल ङ्ककिबोरतकाये॥ वृष्टिकरैंसबएकहिबारढहावतकञ्चनभौनसोहा ये। दासबनाअतिहीउतपातकहांउपमाकबिखोजतपाये ६३ स्य न्दनसाजिचढ़ोघननादधरेबहुआयुधऔधनुबाना। गौनकियो नभमारगकोलग्योमारनमर्कटभालुनजाना ॥ शस्त्रनकीकियेवृ ष्टिअपारभयोअतिक्रोधिततौहनुमाना। बालितनययुतलैगिरि पादपदासबनाबिरुझेबलवाना ६४ भूतलऔरंअकाशफिरैंन हिंमारनहारकहूंलखिपावै। बाणनतेतनजर्जरकीन्हअनेकनमा याकिभैउपजावै ॥ शोणितमूत्रपुरीषकरैझरिमज्जाऔकेशकहां लौंगनावै। अस्थित्वचाबहुपीबकिवृष्टिनभागतराहकहूंकोउधा वै ६५ बाणनतेशरपञ्जरकीन्हबचोकोउबीरनहींदलमाहीं। अ

ङ्गदश्रौहनुमानअनन्तभयेअतिब्याकुलबोलिनजाहीं ॥ नीलबि
भीषणऔरकपीशनदासबनाकोउधीरधराहीं । भांतिअनेकबकें
दुरबैनअकाशनकोउअवलोकतताहीं ६६ लागोकरैपुनिरामसों
युद्धचलावतबाणभयेअहिसारे । बांधिलियेक्षणमेंसबअङ्गनबेद
उजानिसकैमहिमारे ॥ नामलियेभवसिंधुसुखातजिन्हैंहितयोगी
शरीरनजारे । दासबनारसज़ानतसन्तसदाजेहिऔरनिगाहकृपा
रे ६७.॥ छप्पै ॥ कहाँबिभीषणपतितअधमखलभ्राताद्रोही।
कहँअङ्गदहनुमाननिकटनहिंआवतमोही ॥ कहांद्विबिदनलनी
लबन्धुघातीसुग्रीवा। कहतअमितदुर्बादप्रगटभोभुजबलसींवा॥
स्वबशकियेसारीसयनजामवन्तडाटेतबै । कहबनादासतबका
लशठमोहिंनाहिंजानैअबै६८ बृह्मजानिदियेत्यागिमृत्युआईअब
तोही । मारेशूलकरालऋक्षगहिलीन्हेवोही ॥ छांड़ेअवशिस
कोपिलगीघननादकीछाती । पर्योघुर्मिमहिमुर्छिमर्योनाहींसु
रघाती ॥ वरप्रसादअतिप्रबलहैबलदेखायतेहिऋक्षपति । क
हबनादासमहिमर्दिकैफेंकेलङ्कादूरिअति ६९ नारदपठयेगरुड़
चल्योसद्यहिप्रभुपाहीं। हाहाकारअकाशवेगकछुबरणिनजाहीं॥
जनुभूधरयुतपक्षसपदिआयोहरिपासा । खायोव्यालबरुत्थग
योउड़िबहुरिअकासा ॥ भयोबिगतश्रमरामजूकियेसुखीसेनास
बै । कहबनादासघननादउतजागिलग्योयज्ञहितबै ७० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रैतापविभंजनोनामचतुस्त्रिंशतितमोऽध्यायः ३४ ॥

छप्पै ॥ कुम्भकर्णपहँजायजगावनलाग्योरावन । बजहिंबा
जनेअमितमनहुंगर्जहिंघनसावन ॥ भारीभारीमल्लअंगमर्दहिं
बहुभाती। करैंअमितपैशर्मनेकनहिंताहिपोसाती ॥ साठिसहस
हाथीजबैचढ़िदाबेयकबारहैं । कहबनादासतबहींउठोमहाबीरब
रियारहैं ७१ रावणदशाबिलोकिकह्योतबहींबिलखाहीं ।.बंधुक
हैकेहिहेतुगयोतवगातसुखाहीं ॥ आदिअन्तसबकथाकहेरावण

तेहिपाहीं। कुम्भकर्णसुनिकहेभायकीन्हेभलनाहीं॥ बिश्वम्भर सोंद्रोहकरिजगतमातुआनेहरी। कहबनादासयहमतिउदैपुनि चाहतपूरीपरी ७२ प्रथमजगायेनाहिंकियेअबकाहजगाई। नारदमुनिदियेज्ञानतोहिंकहतेसमुझाई॥ तबहींरावणकहेमंत्रहितनाहिंउठावा। सबलसैनजोलंकभालुमर्कटननसावा॥ श्रद्धा होयतौयुद्धकरुनहिंसोवैपुनिजायकै। कहबनादाससुनतैबचन जगोबीररसआयकै ७३ बहुरौरामस्वरूपहृदैकरिकैदृढ़ध्याना। मगनभयोभरिदण्डनहींफलअनुसंधाना॥ भेंटुअंकभरिमोहिं जायदेखौंरघुनाथा। ध्यानअगमयोगीशबेदगावहिंगुणगाथा॥ रावणमांगेताहिक्षणमदऔमहिषअपारहै। कहबनादासलेखा करैमानौनिपटगवाँरहै ७४ महिषखायमदपानकियेभोमत्तअतीवा। चल्योगर्जिगढ़त्यागिअकेलाभुजबलसीवा॥ वहाँबिभीषणकहेश्यामसुम्मेरुसमाना। कुम्भकर्णरणचल्योनाथअतिशय बलवाना॥ मिल्योअग्रतेहिआयकैकहेसकलपरसंगहै। कहबनादासमारेचरणकियेमानममभंगहै ७५ कहतपंरमहितबचन कीन्हसोअवशिअनीती। तेहिगलानितेभईरामपदपंकजप्रीती॥ त्राहित्राहिकरिशरणपरयोप्रभुचरणनआई। दीनजानिरघुबीर मोहिंनिजदिशिअपनाई॥ धन्यबिभीषणधन्यपुनिनिश्चरकुल भूषणभयो। कहबनादासरघुपतिशरणआयेसबदूषणगयो ७६ रावणभोबशकालसुनैकिमितोरसिखावा। करिकुलकोसंहारमरि हितबअसिमतिआवा॥ तातसदाछलछोड़िकिहेउरघुपतिसेव काई। कामक्रोधमदलोभरागऔद्वेषबिहाई॥ मत्सरऔअभि मानतजिआसबासनापरिहरयो। कहबनादासइमिहरिभजैसोजी वतभवमिधितरयो ७७ जाहुतातमोहिंभेंटिकालआयोअबमोरा। ह्वैहैसुठिजगबिदितसुयशघटिहैनाहिंतोरा॥ मैंहूंसन्मुखमरबराम बाणनकेलागे। जेहिलगिकोटिनयतनतजततनदेखिहौंआगे॥ पुनिभेंटेदोउबन्धुतबबहुरिबिभीषणइतचले। कहबनादासरिपुअ

नुजकीअवशिभागिजागीभले ७८ चलतविभीषणसबभालुम
र्कटसबधाये । शिलाशृङ्गपाषाणबिटपगिरितापरनाय ॥ सोमा
नैकछुनाहिंचलासन्मुखबलवाना । जनुसेवासबकरैंथकेपरकपि
बिधिनाना ॥ कोटिकोटिमर्दैंगरदकोटिकोटिअङ्गनमले । कहब
नादासउपमाकहांकुम्भकर्णरिपुदलदले७९ कोटिकोटिगहिकीश
खायजावैएकवारा । श्रवणनासिकाबाटनिकसिभागहिंबरियारा ॥
नखनबिदारहिंगातबज्रतनबेधनकोई । भागेमर्कटभालुनाहिंको
उसन्मुखहोई ॥ सुनिनिशिचरधायेसबलकुम्भकर्णरिपुदलदल्यो ।
कहबनादासइतकोपिकैंजामवन्तआतुरचल्यो ८० कीन्हेचरण
प्रहारमुष्टिकाबहुउरमारी । भिरेअतिहिपरचारिअवशिमानेनाहिं
हारी ॥ मल्लयुद्धतबभईयुगलगिरिअसितसमाना । दीन्हेकछु
पैंशर्मऋच्छपतिसुठिबलवाना ॥ फेंकिदियेकन्दुकसरिसजामवन्त
भूतलपर्यो । कहबनादासकपिराजतब देखिहृदयक्रोधहिकर्यो
८१ हनेमुष्टिकालाततताहिकछुनाहिंबसाना । तकियातूलसमान
कांखदाबेबलवाना ॥ लङ्काचलोअशङ्कनासिकाकाटिउड़ाने ।
परचारेसुग्रीवसमरसेजातपराने ॥ कटीघ्राणसोजानिकैंफिर्योआ
शजीवनतजे । कहबनादाससन्मुखचल्योरामचापशायकसजे
८२ नहिंकोऊसमुहायखायसोकालसमाना । हियहारेकपिभालु
सकलउरकीप्रभुजाना ॥ सन्मुखरघुमतिओरचलागर्जतअतिभा
री । सुठिआननफैलायलक्षशरतबहरिमारी ॥ सकलबाणमुख
मेंभरेचल्योकालतरकसयथा । कहबनादासकबिकोकहैअकथनी
यताकीकथा ८३ रामहनेपुनिबाणभिन्नधड़शिरकरिदीन्हा । धा
योरुण्डप्रचण्डखण्डयुगतबसोकीन्हा ॥ धसकिमसकिगैधरागि
रतडोलीसुठिधरणी । मत्तनागचढ़िजायजवनिबिधितेलघुतर
णी ॥ हनीदुन्दुभीदेवगणसुमनवृष्टिप्रभुपरकरे । कहबनादास
सुरस्वारथीजयतिरामतबउच्चरे८४ ताकोतेजसमानरामआननमें
धाई । सहसालखेनसर्बईशगतिजानिनजाई ॥ सुखीभालुओकीश

पीसिगेगिरतकरोरी। पस्योजबैधरधरणिबरणिसकसोकबिकोरी॥ सुनिरावणब्याकुलअमितभयोहीनमणिफणियथा। कहबनादा सघननादकीकहीबिभीषणतबकथा ८५॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचत्रिंशतितमोऽध्यायः ३५॥

छप्पै॥ करैयज्ञघननादसुभटपठइयरघुबीरा। सिद्धिभयेप रअजितअवशिहोइहिरणधीरा॥ अङ्गदऔहनुमानतबैबोलेर घुनाथा। द्विबिदनीलनलआदिकियेलक्ष्मणकेसाथा॥ जटाजू टकटितूणकसिअतिशयरोषबढ़ायकै। कहबनादाससद्यहिचले रामचरणशिरनायकै ८६॥ कुण्डलिया॥ देबीजहांनिकुम्भि लाअतिप्रसिद्धअस्थान। सिद्धिभूमिसोअवशिकैरावणसुतबल वान॥ रावणसुतबलवानगयोतहँमंत्रदृढ़ाई। परैयज्ञजोपूरिश त्रुजीतौसमुदाई॥ सामग्रीबहुभांतिलैबनादासहरषान। देबी जहांनिकुम्भिलाअतिप्रसिद्धअस्थान ८७॥ छप्पै॥ जायदी खमखकरततहांरावणसुतवैसा। धनुषबाणयुतशक्तिदेतआहुति मदभैसा॥ कहअङ्गदहनुमानबिमुखरणतेइतआयो। प्राणलो भकेहेतयज्ञमेंमनसुठिलायो॥ येकायरलक्षणसबैसुनतलियेधनु बानहैं। कहबनादासमुष्टिकाहनिपवनसुवनबलवानहैं ८८ ल रखरायपदटेकिकोपकरिशक्तिचलावा। पकरिलियेहनुमानतूरि कैभूमिबहावा॥ लक्ष्मणमारेबाणएकशतउरभुजमाहीं। महा शूरबरियारब्यथामानेकछुनाहीं॥ बहुरिशूलमारेसँभरिकाटेलक्ष्म णबीरहैं। कहबनादासकृतपरस्परयुद्धमहारणधीरहैं ८९ मारे दशदशबाणसकलसुभटनउरमाहीं। द्विबिदनीलहनुमन्तबचेअ ङ्गदकोउनाहीं॥ तबतरुएकउपारिपवनसुतबेगिप्रहारा। खण्ड खण्डसोकियेबहुरि कपितेहिललकारा॥ मल्लयुद्धदोऊभिरेएक एकनहिंपारते। कहबनादासमाखेअवशिनेकनहींमनहारते९० कहुंभूतलभटलरहिंकतहुंपुनिगगनउड़ाहीं। दोऊप्रबलप्रचण्ड

लहतउपमाकबिनाहीं ॥ करिमायाघननादनिबुकिगोबहुरिश्रका
शा। पुनिप्रगटोकटुकहतलषणउरक्रोधप्रकाशा ॥ मारेबाणस
हस्रजबतबहिंमूर्च्छिभूतलपस्यो । कहबनादासपुनिसँभरिकेबीर
लषणसोंरणजुस्यो ६१ रहेनिशाचरसङ्गकहांलगिनामगनाई ।
गनेलोगरणधीरजहांतहँपरीलराई ॥ मल्लयुद्धकहुंकरैंशिलागि
रिश्रृङ्गनमारैं। नखनदशनकपिक्रुद्धनिशाचरउदरबिदारैं॥ द्विविद
नीलनलपवनसुतअङ्गदादिंमर्कटसबल। निजनिजजोरीजानिकै
अतिहींरणमातेसबल ६२ शक्तिशूलतरवारिगदामुद्गरभटमारैं।
तोमरपरिघप्रचण्डएकएकनपरडारैं ॥ भिंदिपालकोउलियेकोऊ
परशाकरभारी । यातुधानसुठिशूरनेकनहिंमानतहारी ॥ कटक
टाहिंमर्कटबिकटसिंहनादनिशिचरकरैं । कहबनादासउत्साहयु
तनिजनिजजयकारणलरैं ६३ मारेशतशरकोपिबहुरिलिक्ष्मणउ
रमाहीं । मुर्च्छिपस्योप्रभुबन्धुरहीसुधिक्षणयकनाहीं ॥ कीन्हेअ
तिउरकोपरक्तलोचनकैआये। पहुंचिगयोअबकालयाहिमैंबहुत
खेलाये ॥ मारेचालिसबाणतबचलेफुफकरतब्यालसे । कहबना
दासशिरहृदयभुजलागेमानहुंकालसे ६४ रामकहततनतज्योप
स्योसोभूतलमाहीं । रुण्डशीशभुजबिलगदेयकेहिपटतरताहीं॥
कहअङ्गदहनुमानधन्यदशमुखसुतबीरा । सुमनवृष्टिनभदेवज
यतिजयगिरागँभीरा ॥ जयअनन्तजगदीशकहिसुरशावकपाल
कसदा। कहबनादासखलबनअनलबारबारयाहिबिधिबदा ६५
जयतिरूपबलतेजबुद्धिगुणज्ञाननिधाना। शूरधीरबरबीरवृहदबि
द्याधनुबाना ॥ जयतिजक्तआधारपारमनबुद्धिअजीता। जयना
शकघननादरांमपदबन्दितसीता ॥ जयतिज्वालमालाबमनशम
नकरनतिहुंलोकके। कहबनादासपालकबिरदजनमनकरनविशो
कके ६६ जयतियतिनमहँरेखराजऋषिबिश्वबिरागी । इन्द्री
जीतपुनीतजयतिरघुपतिअनुरागी ॥ रामानुजरणधीरधर्मधुर
भक्तिज्ञाननिधि। जयतिदेवप्रदसुखदवाक्यबिदकुशलसँकलबि

धि ॥ जयतिपरशुधरगर्बहरजैकरुणाकरबिशदयस । कहबना
दासजनदुखदरनजैप्रभुसेवकएकरस ९७ गेसुरअस्तुतिभाषि
सुनासुतबधलङ्केशा । पत्योभूमिभहरायकहैकोअमितकलेशा ॥
जिमिकरिवरकरहीनदीनजलचरबिनपानी । ज्योंमणिरहितभुज
ङ्गदशानहिंजातिबखानी ॥ रुदनकरतधुनिमाथदशमयतनुजा
दिकनिशिचरी । कहबनादासपुरजनबदैरोयमृषासीताहरी ९८
सबखोयेदशबदनदेहिंगारीबिलखाई । प्राणरहितजिमिदेहभई
रावणकीनाई॥ अवसरसमकरिक्रियातिलांजलिसबकोउदीन्हा।
हासुतरतपितुबाक्यशोकदशमुखसुठिकीन्हा ॥ सबहिंबुझावत
धीरहितजिमिनभघटाबिलातहैं । कहबनादासतियभ्रातसुतउ
पजततिमिनशिजातहैं ९९ इतलक्ष्मणजूआयचरणरघुपतिके
बन्दे । मेघनादबधसुनतकीशअरुभालुअनन्दे ॥ कृपादृष्टिप्र
भुदीखदूरिभैसबकीपीरा । पायेअतिबिश्रामलषणआदिकसब
बीरा ॥ सुभटबोलिदशमौलिउतकहतप्रातकीजैकहा । कहब
नादासअबलखिपरतभारआयनिजशिररहा १०० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रयतापाविभंजनोनामषट्त्रिंशतितमोऽध्यायः ३६ ॥

छप्पै॥ त्रिशिराऔरप्रहस्तमहोदरअतिरणधीरा । दुर्मुखप्र
बलप्रतापचारिभटलीन्हेंबीरा ॥ होतैंप्रातःकालसाजिसेनासब
धाये। मायाबिदबरिबण्डभालुमर्कटइतआये॥ उतजयरावणकरैं
इतैंजयतिरघुबीरजू। निजस्वामीजयकारनेममतातजेशरीरजू १
भिरेप्रचारिप्रचारि सकलनिजजोटतकाई । करहिंपरस्परमारु
कहांउपमाकबिपाई॥ जुरेमहोदरकीशपतिअङ्गदऔरप्रहस्तहैं।
कहबनादासहनुमानअरुत्रिशिराअतिरणमस्तहैं २ भिन्दिपा
लअरुगदाफरसभटकरहिंप्रहारा । तोमरमुद्गरपरिघशक्तिशूल
नगहिमारा ॥ करहिंसिंहघननादनिशाचरप्रबलप्रतापी । कटक
टाहिंअंतिकीशअधरदशननसोंचापी ॥ धनुषबाणअसिघातकृ

तएकएकनहिंपारहीं । कहबनादासदुर्मुखदनुजद्विविदनेकनाहिं हारहीं ३ शिलाशृंगतरुतोरिबल्लीमुखअतिशयमारैं । मुखतेह नहिंनिशानदशननखउदरबिदारैं ॥ पर्बतकरहिंप्रहारहजारनए कहिवारा । कहँलगिसंख्याकरैंहोहिंनिशिचरखैकारा ॥ तोरिहा थपगमहिपटकिमुण्डमुण्डतेफोरहीं । कहबनादासकपिसबलसु ठिसिन्धुमाहिंगहिबोरहीं ४ त्रिशिराअरुहनुमानलरहिंनभमार गमाहीं । हटैंनएकैएककरैंछलबलगहिबाहीं॥हनेमुष्टिकाकीशद नुजतबभूतलआयो॥ भोमुर्च्छितक्षणएकबहुरिसोगदाचलायो॥ कछुकभुक्योमारुतसुवनपुनिप्रचारिदोऊलरैं । कहबनादासज यरामकहिजयतिलषणकपिउच्चरैं ५ अंगदऔरप्रहस्तसमरम हँअवशिबिरुद्धे । बालिसुवनदशकन्धतनयनानाविधिक्रुद्धे ॥ मास्योपरिघप्रचण्डबहुरिअंगदकीछाती । गयोअवनिमुर्च्छायउ ठ्योमर्कटउतपाती ॥ अतिबिशालतरुतोरिकैंमारेबालिकुमार हे । कहबनादासनिशिचरगिस्योरहीनशुद्धिसँभारहे६ करहिंयुद्ध अतिक्रुद्धद्विबिंददुर्मुखबलवाना । हटैंनएकैएकमारुकीन्हेंघम साना ॥ मारेशूलप्रचण्डकीशमुर्च्छितमहिपरेऊ।बहुरौचोटसँभा रिसबलउठिकैंसुठिभिरेऊ॥ हनेएकपाषाणपुनिघुर्मिनिशाचरम हिपरा । कहबनादासगहिटांगतेहिपटक्योभटदारुणधरा ७ ल रहिंप्रचारिप्रचारिमहोदरअरुसुग्रीवा। प्रतिभटसमरजुझारदो ऊअतिभुजबलसीवा ॥ हारेहटैंनएककटैंनानाभटमारे । सुठिमु खियादशकन्धसबलघननादसमारे ॥ हनेशक्तिसुग्रीवपरपकरि लियेकपिराजहे.। कहबनादासमारेबहुरितेहिछातीजनुगाजहे ८ मुर्च्छिमहोदरपस्योरहीकुछसुधिनसँभारा। जागेपुनिउठिलस्योप रिघछातीगहिमारा ॥ लरखरायकपिराजनहींभूतलमेंआयो । मल्लयुद्धदोउभिरेएकएकहिनचलायो ॥ हनेएकमुष्टिकाकपिब हुरिमहोदरमहिपरा । कहबनादासनिशिचरसुभटलरहिंपरस्पर बनचरा ९ क्रुद्धेमर्कटभालुलरहिंज़नुकालसमाना । अन्तात्र

रिगरडारिउदरफारहिंबलवाना ॥ भुजउपारिपगतोरिरुण्डमय मेदिनिपाटे। प्रबलरामपरतापयातुधाननसुठिडाटे॥ महिपटकैं निशिचरअमितकरतघोरचिक्कारहैं। कहबनादासरघुबंशमणिज यबोलतबहुबारहैं १० कीजैंनिशिचरसदाभालुमर्कटभटगर्जहिं। कहिरावणजयजयतियातुधानोंअतितर्जहिं॥ मल्लयुद्धकोउकरैं पटकिमहिगगनउड़ाहीं।कज्जलकनकसुमेरुमनहुँशोभासरसा हीं॥ भयोअदृश्यमहोदरसबलदेखिकपिसैनजब। कहबनादास दिननिशिकियेसूझिपरैनाहिंनयनतब ११ करैंवृष्टिपाषाणरक्तम ज्जानसज्वाला। गाजपरैनभगर्जिकीशभेभालुबेहाला॥ विष्ठा अरुनखकेशअस्थिचहुँदिशिझरिलाई। त्राहित्राहिकपिकरैंस बलनिशिचरसमुदाई॥ भगेबलीमुखभभारिकैरामलियेधनुबाण जू। कहबनादासब्याकुललखेसहजहिकृपानिधानजू १२ नाशे मायासकलएकहीबाणखरारी। पायअमितअवकाशसबलधाये बनचारी॥ अङ्गदहनेप्रहस्तमहोदरकपिपतिमारा। द्विविदकुमु दकरिघातजयतिरघुबीरउचारा॥ पवनतनयत्रिशिराहतेअपर सैनसबबीरहैं। कहबनादासदशमौलिसुनिउरआनेअतिपीरहैं १३ सांझसमयरघुनाथकीन्हसबकोश्रमनाशा। पायकृपापरसा दअवशितनतेजप्रकाशा॥ रावणकहेप्रचारिअमितसेनासंहारी। अतिशयप्रबलप्रचण्डक्रोधकीन्हेअसुरारी॥ मारेमर्कटभालुजे हिकोगनिहैंतेहिबीरमहँ। कहबनादासकीन्हेंबयरनिजभुजबल सन्देहकहँ १४॥ दण्डक॥ सुभटहकरायदशबदनबोलतभयो लोभजेहिप्राणसद्यहिपरावै। कियेभुजबलबयरउतरदेहौंरिपुहि जौनरणभूमिमेंभागिजावै॥ सबलसुठिदैत्यगाजतगरूरेबचनरु ण्डमेंमुण्डमेदिनिकराहीं। कालसन्मुखलरैंपरैंपाछेनपगछोड़ि रणअवनिनहिंस्वपनजाहीं॥ साजिस्यन्दनसुभगअश्वरबिहैंल जितकिङ्किणीकलितबरघण्टबाजे। ध्वजाफहरातघहरातचाका अमितहेरिउपमाअवशिसुकबिलाजे॥ चर्मअसिकवचधनुबा

णधारणकियेशूलअरुशक्तिफरसासुधारे । तूणकटिकूँड़िदशशि
रनसोंभालसीजक्तबिजयीसमरशूरसारे ॥ परिघपरचण्डतोमर
धरेअस्त्रबहुशस्त्रविद्यासबलसमरधीरा । नामलैलैसुभटसकल
सन्मानिकैदशहुमुखबदतबाणीगँभीरा ॥ अश्वअसवारकोटिन
गजाधिपचलेस्यन्दनारूढ़शुम्मारनाहीं । शुतुरकेतारकोपारजा
वैबरणिचढ़ेखच्चरनरणभूमिजाहीं ॥ बजीघनिदुन्दुभीढोलनफेरि
बहुपणवडिमिडिमीबाजाघनेरे । तुर्रहीबीनसिंहाशबदमारुधरु
मिलतंउपमानहींकबिनेहेरे ॥ साजिचतुरंगिनीसैनसावनघटाच
लेरावणकवनपारपावैं । बनादासरणमत्तगाजेनिकरबीरबरधी
रधरुनामकहँलगिगनावैं १५ निकसिगढ़गवनकृतनिशाजनु
दिनहिंभैगरदअसमानदिनमणिदुराने । सिंहघननादगर्जेहिंनि
शाचरप्रबलआवदशमौलिकपिभालुजाने ॥ नीलनलकुमुदअ
रुपनसकपिकेशरीद्विबिदभटबिपुलअरुजाम्बवाना । सबलसु
ग्रीवगवाक्षसूखेनकपिअङ्गदादिकअमितहनोमाना ॥ हनहिंनी
शानमुखशिलागिरितरुगहेफोरिपर्बतकरहिंबाटबीरा । दशनन
खअस्त्रसर्बत्रकोपेसुभटचलेदैहूहरणपरमधीरा ॥ साजिधनुबाण
कसिजटाकटितूणीरबरअरुणअरबिन्दमुखअवशिराते । तेज
नीधानबलवानरामाअनुजशूरशिरमौलिरसबीरमाते ॥ रेखभटप्र
थमऋषिराजबिजयीबरदजीतगोगणजतिनमाहिंलेखा । सकहिं
शारदनगुणबरणिनारदअमितअगमकबिकुलहिअवतारशेखा ।
रामपदकञ्जरजभालभूषित तिलकसजुगङ्कै लखतकपिभालुमा
री । भिरेदलदोयजोड़ीयथायोगलखिललकिललकारिनाहिंलह
तहारी ॥ शूलशरशक्तितोमरपरिघघातकृतगदाअसिपरशनिशि
चरबरुत्था । बिटपपाषाणगिरिशृङ्गमर्कटहनाहिंगनाहिंकालहिंन
हींयुत्थयुत्था ॥ हाथपगतोरिफारहिंउदरबीरबरपटकिमहिमर्दि
सामुद्रडारैं । घोरचिक्कारकैघुर्मिनिशिचरपराहिंनखनकपिभालु
आननाबिदारैं ॥ देखिदलखीनबलपीनरावणदृहदबाणबर्षाकिये

बीसबाहीं । बनादासभेबिकलअतिभालुमर्कटसबलकहहिंजैरा
मजैलषणपाहीं १६ निलजकामारुकपिभालुमैंकालतवरहेखोज
तमिलेआजुआछे । कोपिरघुपतिअनुजबाणबर्षाकियेऋक्षमर्क
टनकरिदीनपाछे ॥ शरनसेमारिरथतोपिरावणालियेप्राणअवशे
षदशकन्धवीरा । बीसभुजशीसउरसहितमारतभयेएकहीबारमें
सहसतीरा॥खण्डिरथसारथीअश्वमारेचहूमुर्च्छिदशमौलिपर्यो
अवनिमाहीं । देहजर्जरभईदीप्तिहतह्वैगईरह्योउरमाहिंकछुहोश
नाहीं ॥ अमितशरमारिजर्जरनिशाचरकियेरुधिरकीधारपटत
रनआवे । असितगिरिशृङ्गतेगेरुपरबाहजनुबिटपकिंशुककछुक
लक्षपावे ॥ बिकलदलदैत्यघालेघनेरेसुभटरुधिरभरिगाड़जहँ
तहांपूरी । परतउड़िधूरिपटअरुणऊपरमनहुंसघननीहारफूहार
रूरी ॥ उड़डिंनभगीधशिरभुजापगलैभगैछीनिएकनतेलैएकखा
हीं। खाहिंहूहाहिंजम्बुकजहांतहँघनेचील्हचंगुलगहैदनुजबाहीं॥
प्रबलसंग्रामलक्ष्मणसमयतेहिकियेजागिदशशीशरथअपरराजे।
बीसहूबाहुधनुबाणबर्षाकियेपायबलजहांतहँदैत्यगाजे ॥ लषण
रिपुबिशिखसबकाटिरजसमकियेक्रोधदशबदनतबहींसँभारा । ब
नादासबरबीरघातिनीलैशक्तिसोशोधिलक्ष्मणहृदैमांझमारा १७
मुर्च्छिभूतलपर्योभूमिधरसमय तेहिआयदशबदनबलकरिउठा
वा । जक्तआधारमहिभारशिरउठैकिमिताहिअवसरसुवनपवन
आवा ॥ लषणऊठायलैगयोरघुनाथपहँदेखिदशकन्धआश्चर्य
खाये । बन्धुअवलोकिरघुबीरअरबिन्दहगसमयतेहिनीरगम्भीर
आये ॥ कालकेकालबेहालकैसेपरेउठहुकिनतातममानिबानी ।
लषणबैठेसँभारिबिचनसुनिरामकेदेखिआनन्दशारंगपानी ॥ जगो
रसबीरधनुतीरलैपुनिचलेबन्दिरघुपतिचरणबीरबांके । संगक
पिभालुसेनाभयङ्करचलीअमितउरकोपअरिअनीताके ॥ तोरि
तरुशिला गिरिशृङ्गपर्वतहनहिंगनहिंनाहिं कालहूसमरधीरा ।
जयतिजैरामजैलषणकहिगाजतेदियेदलदैत्यमहँअमितपीरा ॥

शक्तिशरगदापरशाप्रहारहिंसुभटशूलअसिपरिघमारतघनेरे ।
जयतिदशकन्धकहिबीरबिरुभेरणहिंशूरवरदैत्यनहिंवदनफेरे ॥
बाणभरिबीसभुजकरैरावणसबलइतैरघुपतिअनुजकोपभारी।ल
रहिंसुठिपरस्परप्रबलपरतापअतिएकहीएकनहिंलहतहारी॥ग
गनबेमानचढ़िदेवरणनिरखतेबदतबाणीजयतिरामबन्धो। बिश्व
उपकारअवतारक्षकसुरनदीनउद्धारआनन्दसिन्धो ॥ शूलपर
चण्डपुनिकोपिरावणहनेलषणसोकाटिरथशरनपाटे । संभरुभु
जबीसअबअवशिमारोचहतलषणललकारिजिमिसिंहडाटे॥बा
णशंतशतहनेतुरयअरुसारथीसहसदशतीरदशशीशमारे।पस्यो
महिमुर्च्छितनुसकलजर्जरभयोसूतरथराखिलङ्कासिधारे॥ आय
लक्ष्मणजहांरहेकोशलधनीकृपादृगकोरसबओरहेरे । बनादास
श्रमरहितभेभालुमर्कटसकलरहीतनपीरनहिंकाहुकेरे ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रैतापबिभंजनोनामसप्तत्रिंशतितमोऽध्यायः ३७ ॥

दण्डक ॥ जागिनिशिअर्द्धदशमौलिशोचनलगोबोलिबरबी
रयहमंत्रकीन्हा । कुमुखमकराक्षआदिकत्वहदजेसुभटकरहुरण
काल्हिउपदेशदीन्हा ॥ आपुगढ़मध्यलाग्योकरनअजयमखरा
तिहीसमयतहँजायवैसा । कुण्डबरहवनरचिधरेसामग्रिहीकरै
आहुतिरुधिरमांसभैसा ॥ होतहीप्रातचलेभालुमर्कटसुभटशि
लातरुतोरिगिरिशिखरलीन्हे। कुमुखमकराक्षलायकसुभटसक
लजेसैनचतुरङ्गिणीसजगकीन्हे ॥ नीलनलपवनसुतअङ्गदादि
सबलभिरेरणमध्यजयरामहेता । हनहिंनिशिचरअमितअमित
धोखेहुनहींपवननन्दनअवशियुद्धबेता॥तोरिगजमुण्डहनेभुण्ड
भुण्डनसुभटहाथपगनोचिसामुद्रडारे। गालकोफारिबहुउदरची
रतनखनअवनिमेंपटकिललकारिमारे ॥ दैत्यदारुणहनतभालु
मर्कटघनेजयतिरावणबदतसमरधीरा । रामजैलषणकहिबलीमु
खगाजतेबाजतेमुखहिनीसानबीरा ॥ कियेखैकारराक्षसअनीभं

तिबहुतबैरिपुबन्धुकहरामपाहीं । बनादासदशमौलिकृतअजय मखमध्यगढ़भयेपरसिद्धिनाहिंजीतिजाहीं १८ ॥ छप्पै ॥ पठ वहुसुभटसरोषकरहिंसद्यहिमखखीशा । तबहींकरिउरकोपसमर आइहिदशशीशा ॥ अङ्गदअरुहनुमानतबहिंबोलेरघुनाथा । जायकरहुमखखीसकीसअगणितलैसाथा ॥ चल्योबालिनन्दन तबैपवनतनयशिरनायकै । कहबनादासगढ़लङ्कमहँबरबसपहुं चेजायकै १९ खोजतखोजतगयेजहांबैठोदशकन्धर । यज्ञथली बिधिभलीभ्रष्टलागेकरैबन्दर ॥ आयोरणतेभागियहांबकध्यान लगाया । गयोसकलपरिवारप्राणहितनिलजबेहाया ॥ मर्मबच नबहुबिधिकहैंकरैंएकनहिंकानजू । कहबनादासस्वारथनिरतरा वणपरमसुजानजू २० करहिंअनेकनयत्नउठैनहिंबोलैरावन । कारजसाधनहेतखोरिमानेनहिंबावन ॥ कार्यसिद्धिजोचहैअनत पुनिकरैनदिष्टी । होवैमृतकसमानसकलदिशिदेवैपिष्टी ॥ करहिं मूत्रमलकीशबहुनखनबिदारैंगातहैं । कहबनादाससुमेरुसेअ बिचलनहिंअकुलातहैं २१ अङ्गदअरुहनुमानहलेतेहिमन्दिर माहीं । मयतनुजागहिकेशचलेलैरावणपाहीं ॥ तेहिआगेकरि कीशहारमुक्ताहलतोरे । नोचहिंकञ्चुकिचीरलाजबशअतिशय सोरे ॥ रुदनकरतमन्दोदरीसुतनभयोघननादहै । कहबनादा सदशमुखअछतभईदशाबरबादहै २२ तबहींअवशिसकोपिउ ठादशकन्धरबीरा । हनेमुष्टिकाएकहृदैमहँसुवनससीरा ॥ गिर्यो धरणिमुरझायनसँभरनपायोसोई । नष्टभ्रष्टकरियज्ञकीशगवने सबकोई ॥ कोप्योलङ्केश्वरतबैकरिहौंरिपुकीनाशहै । कहबनादा सउरमध्यमेंरहीनजीवनिआशहै २३ सजीसेनचतुरङ्गनामलैबी रहँकारे । महारथीगजअधिपतुरयपतिलहैकोपारे ॥ पदचरसं ख्यानास्तिलियेआयुधबहुबीरा । शक्तिशूलअसिचर्मगदापरशा धनुतीरा ॥ भिंदिपालमुद्गरगहेतोमरपरिघप्रचण्डहैं । कहबना दासरावणसदशसुभटअमितबरिबण्डहैं २४ रथचाकाघहरात

बिपुलफहरातपताके । गजघण्टाकेशोरमेघनाहिंपटतरजाके ॥
बाजेपणवनफीरिभेरिनानासहनाई । ढोलजुभ्हाऊशब्दसबलडि
मिडिमीसोहाई ॥ बाजतसिंहातुर्रहीकानदीननहिंजातहै । कह
बनादासकायरकँपतशूरहियेहरषातहैं २५ सुमिरिहृदयअजईश
चढ़ोरथरावणजबहीं । आयुधकरतेखसतअमितअसगुनभेतब
हीं ॥ गनैनहींबशकालमृत्युशिरऊपरआई । चल्योनिशानबजा
यकटकक्छुबरणिनजाई ॥ जनुकज्जलआंधीचलीसावनघटास
मानहै । कहबनादासबहुबिधिकरैबीरबादबलवानहै २६ गीध
चील्हनभउड़ैंबैठिदशशीशनजाहीं। महाशूरदशमौलिताहिमानै
कछुनाहीं ॥ आयगयोरणखेतअतिहिउत्साहबढ़ाये । कटकटा
यसुठिकोपिभालुमर्कटबहुधाये ॥ पादपशृङ्गपषाणगिरिनखमुख
आयुधअतिसबल । कहबनादासजैरामकहिजैलक्ष्मणकपिपति
प्रबल २७ जोरीजोरीदेखिभिरेदोऊदिशिबीरा । निशिचरमर्क
टभालुसबलअतिशयरणधीरा ॥ नखनबिदारैंउदरपटकिमहिक
रपगतोरहिं । अन्तावरिगरमेलिमुण्डमुण्डनतेफोरहिं ॥ घुर्मि
घुर्मिनिशिचरपराहिंकरहिंघोरचिक्कारहै । कहबनादासपटतरकहीं
कबिनलहैकहिपारहै २८ मारहिंपरिघप्रचण्डभिंदिपालनगहि
योधा । तोमरमुद्गरगदाहनाहिंनानाकरिक्रोधा ॥ परशाशूलकृपा
णशक्तिअतिबाणनमारैं । कहिदशकन्धरजयतिखपाहिंनिशिचर
नहिंहारैं ॥ कीशभालुअगणितहनाहिंगनहिंनकालसमानजू । क
हबनादासबर्षाकियेरावणबहुबिधिबानजू २९ अतिबिशालगि
रिएकआयहनुमानप्रहारे। रथसारथीनिपातिलातदशमुखउरमा
रे ॥ मुर्छिपर्योदशमौलिबहुरिनिजरूपसँभारा । हनेशूलहनुमा
नपर्योमहिपौनकुमारा॥ मारुतसुतपीछेकियेआयजुरेसुग्रीवहै ॥
कहबनादासकपिदनुजपतिदोऊअतिबलसींवहै ३०कहुंभूतलक
हुंगगनएकएकैनहिंपारैं । कनकअसितगिरिलिरहिंमनहुंनिजरू
पसँभारैं ॥ करतमुष्टिकाघातलातबहुगातबचावैं । नानाचोटच

लायएकएकनबिचलावैं ॥ हन्योमुष्टिकामांझउरमुर्च्छिपस्योदश
ग्रीवहै । कहबनादासमारुतसुवनलायोभुजबलसींवहै ३१ कृ
पादृष्टिप्रभुलखेभयेहनुमानसुखारे । धायोकालसमानकोपिबहु
निशिचरमारे ॥ मूर्च्छागतदशमौलिसूततबहींरथआना । ताप
रकैआरूढ़मूढ़बरषेसुठिबाना ॥ मारेमर्कटभालुबहुजनुसावनकी
झरिकिये । कहबनादासतेहिसमयमहँकीशसबलहारेहिये ३२
बिचलायेसबसेनसमरमहँरावणगाजा । अङ्गदअरुहनुमानकी
शपतिपायेलाजा ॥ फेरैंसुभटनटेरिनहींकोउसुनतप्रचारे । सेन
सहितदशमौलिसजुगरणभूमिमँझारे ॥ शैलउपारेबालिसुतरथ
सारथिचूरणकरे । कहबनादासउरमुष्टिकाहनेउदनुजभूतलपरे
३३ बहुरिउठोदशबदनभिरेदोऊबरजोरा । रावणऔसुतबालि
कहैकाकोकोथोरा ॥ सेनहनैहनुमानमनहुंनरहरिअवतारा । बि
चलीमर्कटकटकअरेदुइसमरजुझारा ॥ लातनदांतनमुष्टिकन
मारतअङ्गदबीरहै । कहबनादासदशमुखबलीहटतनअतिरण
धीरहै ३४ चोखेचञ्चलचारिभानुहैंनिन्दकबाजी । सारथिऔर
थदिव्यपुरन्दरभेजेसाजी ॥ आयोरघुपतिपासदेखिसबकोउसुख
माना । कपिनायकलङ्केशऋक्षपतिपरमसुजाना ॥ करिमुर्च्छि
तदशकन्धकोहनोमानबहुदैत्यदलि । कहबनादासदोउबीरत
बआयेरघुपतिनिकटचलि ३५ जटाजूटशिरकसेतूणकटिमुनिप
टबांधे । रघुपतिधरमधुरीणबिप्रचरणहिंआराधे ॥ भालुकीश
दलमध्यअनूपमशोभापाये । अवलोकहिंचहुंओरभाग्यजेहिज
न्मनिकाये ॥ श्यामगातपङ्कजनयनअरुणअवशिभ्रूबङ्कभो ।
कहबनादाससुरसाधुद्विजगोमहिअवशिअशङ्कभो३६रामरोषउ
रजयोदशौदिग्गजहियहल्ल्यो । डग्योमेरुहिमवानसातहूसिंधु
उछल्ल्यो ॥ लोकपालअहतङ्कचहूंदिशिमेदिनिदलक्यो । सरस
रितानदनारकूपवापीजलंफलक्यो ॥ चौंकेसुरपतिशम्भुबिधिक
मठपीठअहिरदरह्यो । कहबनादासकोधीरधरजबहींप्रभुकरधनु

गह्यो ३७ कीन्हेजबहिंटङ्कोरबधिररिपुदलचहुंओरा । दशक न्धरहियहदकभयोसेनारिपुशोरा ॥ सबलकीशओभालुलियेगि रितरुकरिहूहा । शिखरशिलागहिचलेअङ्गदादिककपिजूहा ॥ चढ़ेरामस्यन्दनजबैशिवगुरुपदशिरनायऊ । कहबनादासनभ देवगणअवशिहृदयसुखपायऊ ३८ हांकेरथरिपुओरतबहिंउत्सा हबढ़ाई। उतदिमाकदशकन्धसेनसहलियोदबाई ॥ कुम्भकर्णघ ननादमहोदरआदिकबीरा । अनीअकम्पनकुमुखकुलिशरदमा रेधीरा ॥ मैंरावणतिनमेंनहींअहौंअवशितवकालजू । कहबना दासभागहुनजोकोपिकह्योदशभालजू ३९ हतेबिराधकबन्धअ परखरदूषणमारे । पुनिताडुकासुबाहुइन्हेंकोबदैबिचारे ॥ तेहि धोखेमतिरह्योपरेहुदशकन्धरपाले । सबकोबैरनिबाहिकरौंहठि मृत्युहवाले ॥ आजुसूभिपरिहैभलेकहतअमितदुर्बादहै । कह बनादासनिजमुखसुयशनहिंबरणैकलुस्वादहै ४० सत्यसत्यत वबचनअवशिदेखबमनुसाई । लोकहुबेदप्रसिद्धनकछुमुखआपु बड़ाई ॥ पुरुषारथनहिंकहैंसुजनकरिकैदेखरावैं । कायरकरिज ल्पनासुयशमुखआपुनशावैं ॥ सहजकहेरघुबंशमणिअवसरसी अबनिकटहै । कहबनादासशतबाणतबरामहनेअतिबिकटहै ४१ भञ्जेरथसारथीतुरयहतिभूतलडारे । दशहुबदनभुजबीसबहेज नुगेरुपनारे ॥ शायकआयोतूणलक्षशरबहुरिपवांरा । लागे कटनपिशाचगिरहिंकरिघोरचिकारा ॥ मारेकोटिनतीरप्रभुजिमि किसानससिकाटते । कहबनादासनाराचइमिदैत्यकाटिमहिपाट ते ४२ ॥ घनाक्षरी ॥ खैंचततूणीरएकतीरशतबाणभयोधरत कोदण्डपरसहसप्रमानभो । चल्योतवलाखघावकियेजायकोटि नकोयहिबिधिकटतअमितयातुधानभो ॥ बनादासऐसेरामकिये बाणबुन्दवृष्टिउपमानहेरेमारुमहाघमसानभो । रिपुदलखपतच पतबलचारिओरसंख्याकोनकरैसुठिगीधंकमसानभो ४३ एक बाणखींचेतूणबाहेरसहसभयोधरेधनुलक्षमगमाहिंसोकरोरिहै ।

लागेतनअर्बिगिरेभूतलमेंखर्बिखर्बि फेरितीरहनेदियेदूनेसोदरो
रिहै ॥ यहिबिधिहततनिशाचरकीचमूभूरिरामसेधनुर्धरनउपमा
बहोरिहै । बनादासअङ्गदादिहनुमानकोपकियेएकबारदियेबहु
सागरमेंबोरिहै ४४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामअष्टत्रिंशतितमोऽध्यायः ३८ ॥

छप्पै ॥ अङ्गदऔसुतपौनजहांतहँबीरबिरुद्धे। कपिपतिऔन
लनीलपनसकुमुदादिकक्रुद्धे ॥ द्विबिदमयन्दसुषेणकेशरीसुठिब
लवाना । भयेसकलरणमत्तनिशाचरमर्दतनाना ॥ तोरहिंकर
पदफोरिशिरनखसेउदरबिदारहीं। कहबनादासगिरितरुगहेएक
हजारनमारहीं ४५ रथदूसरअसवारभयोजबहींदशशीसा। अ
तिहीक्रोधसँभारिलियेधनुशरभुजबीसा ॥ बर्षनलाग्योबाणभालु
मर्कटबहुमारे । तोमरमुद्गरगदाअमितराक्षसनप्रहारे ॥ शूलश
क्तिपरशापरिघभिंदिपालभटमारते। कहबनादासधनुबाणअसि
चर्मलियेललकारते ४६ कटकटाहिंकपिकोपिभालुकृतघोरचि
कारै । सिंहनादघननादकरहिंनिशिचरभटभारे ॥ बालूखनिख
निभालुताहिमेंराक्षसतोपे । नखनबिदारेउदरऋक्षदलअतिही
कोपे ॥ दुहूंसेनरणमत्तअतिजयतिरामरावणकहैं । कहबनादा
सजयहेतनिजरोंपिचरणसन्मुखरहैं ४७ दशकरलीन्हेधनुषलिये
दशहूभुजबाना । रघुपतिऊपरकोपिकियेशरबर्षानाना ॥ शक्ति
शूलबहुभांतिचलायेसोप्रभुकाटे। रामहृदयअतिकोपिशरनराव
णरथपाटे ॥ मारेबाणपचाससोरघुबरहयभूतलपरे। कहबनादा
ससारथिसहितपुनिउठायकीन्हेखरे ४८ मचीयुद्धघमसानरामरा
वणसेभारी । चोपिकोपिअतिलरैंकोऊमानैंनहिंहारी ॥ शिवब्र
ह्माइन्द्रादिसकलसुरचढ़ेबिमाना। रघुपतिरावणसमरसबैदेखैंबि
धिनाना ॥ बहीभयङ्करघोरसरिरुधिरधारअतिशयप्रबल। कह
बनादासकायरकँपैंसुखीशूरहोवैंसबल ४९ बहैंनिशाचरलोथज

हांतहँनानाभांती ।शुतुरअश्वगजघनेमकरभखजनुबहुजाती॥ बैठेतापरगीधमनहुंनावरिबहुखेलैं । जम्बुकखींचहिंआंतमनहुं गुड़्नींगहिपेलैं॥ चर्मकमठअसिमीनसीबहुआयुधजलचरघने। कहबनादाससेवारकचनाहिंस्वरूपबर्णतबने ५० मज्जाफेनसमा नभ्रमरजहँतहँगम्भीरा । बंसीलावहिंश्वानगहेअन्तावरितीरा॥ मज्जहिंभूतपिशाचगीधगहिभुजाउड़ाहीं । काककङ्कखगबिपुल छीनियकएकनखाहीं ॥ खप्परसञ्चतयोगिनीरागकालिकागाव हीं। कहबनादासबैतालगणनाचतभयउपजावहीं ५१ चामुण्डा कृतपानरुधिरधावहिंचहुओरा । मारुकाटुधरुडाटुमचावहिं बहुबिधिशोरा॥ साजहिंब्याहबरातपायअवसरसबभांती। डारे आंतजनेउसोहसुठिसबलजमाती॥मुण्डफोरिगूदाभखैंअतिशो णितसोंसानिकै। कहबनादाससेतुआमनहुंखातसबैसुखमानिकै ५२ खाहिंअघाहिंभुखाहिंछीनियकएकनपाहीं। डाटाहिंएकनए कअजहुंदारिद्रनजाहीं ॥ जम्बुकश्वानहुआहिंक्षुधाजानहुंनहिं जाई । कटकटाहिंबहुभांतिजहांतहँकरहिंलराई ॥ घायलकहरैं जहांतहँपरेअर्द्धजलदीनजनु । यहसमाजअनुपमअवशिपटतर लहतनकतहुंमनु ५३ ॥ घनाक्षरी ॥ हांकहनुमानसुनिलङ्क हालैपङ्कसमहियमाहिंगुनिदशकण्ठसुठिराखेहैं। पादपपषाणग हिकोपोमहाकालसमहनैंयातुधानकरिबण्डबीरमाखेहैं ॥ हाथप गतोरितोरिमारेमुण्डफोरिफोरिडारे सिंधुबोरिबोरिउरअभिलाखे हैं।शिलाशृङ्गजोरिजोरिदेतघावदौरिदौरिबनादासजहांतहांदैत्य परेकाखेहैं ५४ उदरबिदारेकेतेचीरिफारिडारेकेतेकियेअधमारेल लकारेबारबारेहैं । दैत्यसुठिकारेबहैशोणितकिधारेगिरिअसित सेभारेजनुगेरूकेपनारेहैं॥ बांकोबलवानकबिकहांलौंबखानकरैं हांतहलकम्पनैनजादिशिपसारेहैं । बनादासभेंड़िमाहिंहलोसिं हशावकज्योंहनोमानकलाकहिपावैकौनपंरेहैं ५५ लूमकोलैंबा यकटकटायकैफुलायगालदनुजबेहालकरिहनतहजारहै। कालि

कालजातकालभैरवसिहातहियरुद्रसकुचातयुद्धदेखेतेबहारहैं॥ कैधौंसिंधुपावकप्रगटिदैत्यतूलदाहै बनादासकैधौंनरसिंहअवतारहै। कैधौंरघुनाथजूकोरोषरूपवानभयोरावणकटककोपिकैरैजरक्षारहै ५६ कैधौंइन्द्रकोपकियेकृत्तिआदशाननपैकैधौंसद्यफलदेतरावणकोपापहै। कैधौंनरसिंहक्रोधशेषसोंप्रगटभयोकैधौंसिद्धिभयोनामजानकीकोजापहै॥ बनादासकैधौंहैबिभीषणकीक्षमाभारीदशशिरयुतदेतदैत्यनकोतापहै। युद्धहनुमानकोबखानकबिकौनकरैहेरिहेरिहियेमेंहरषरामआपहै ५७ लियेतोरिगजमुण्डगहिशुण्डमारेभुण्ड भुण्डमुण्डभिन्नकियेकेतेयातुधानजू। पाटेमहिलोथनसेमारिमारियुत्थनसेलरतबरुत्थनसेऐसोबलवानजू॥ जहांकहींहटैंबीरतहांपरैंपर्बतसेरिपुबन्धुकपिराजकहेजाम्बवानजू। बनादासअङ्गदादिबदतपरस्परकीशभालुसारेधन्यधन्यहनुमानजू ५८ देवताअकाशसेसुयशभनैंपौनपूतरामदूतबांकोबीरबुद्धिकोनिधानजू। सेनमेंशिरोमणिकरतकामरामजूकोकरमबचनमनहेरेनाहिंमानजू॥ बनादासकालहुकोमहाकालयुद्धमाहिंनाहिंपटतरकोऊसुठिज्ञानवानजू। बिरतित्रिलोकतेबिशोकएकनामरुचिशुचिसर्बज्ञहतेकेतेयातुधानजू ५९॥ सवैया॥ बालिकोनन्दनबीरबड़ोबिरुझोबिरदैत्यनमानतहारी। लातनदांतनमारिचपेटनचोटकरैअतिहीललकारी॥ उदरबिदारिकैआननफारतमारतनिशिचरहैसुठिभारी। दासबनादबकैअतिराक्षसआयोजबैहनुमानहँकारी ६०॥ घनाक्षरी॥ लियेगजदन्तकरैंदैत्यनकोअन्तबालिपूतबलवन्तमुण्डफोरिफोरिमारई। काहूटांगतोरिभुजाकाहूकोमरोरिकाहू अतिझकझोरिचारिओरललकारई॥ करतचिकारघोरघुर्मिघुर्मिभुम्मिपरैंलरैंउठिमरैंयातुधानहिंअहारई। बनादासदाबतदिमाकदशकन्धरकोबन्दरयुगलबैहराक्षसबिदारई ६१ करैलूमलीलालपकायमुखबायधावैलोचनकखायलखिराक्षसपरातहैं। स्वर्णशैलकेसमानयातुधान

कालमानोमहाबलवनसत्तरामजूकीखातहैं ॥ बनादासघालत घनेरेदैत्यएकबाररुद्रअवतारसुठिबीरबातजातहैं । जेतेहनुमान अरुअङ्गदकेमारेमरेतेखाकेकरैयाहियहारिसकुचातहैं ६२ रावणऔरामसोंसमरहोतबारबारउभयरणमत्तकोऊमानतनहारिहैं। दोऊदिशिहोतबाणवृष्टिकोप्रमाणकरै देखैंनभदेवजैसेलरतप्रचारिहैं।रावणऔरामयुद्धउपमात्रिकालहूनहारैमतिशारदकीओरकोसँभारिहै। बनादासबीसबाहुधनुषऔबाणलिये कालकेसमानकोपिमारतसुरारिहैं ६३ मारेशक्तिशूलताहिकाटिरजरामकियेबहुरि हजारबाणक्रोधकरिडारेहैं । दशशीशबीसभुजामानहुँफणीसफोरे अतिहिप्रबलचलीरुधिरकिधारेहैं॥बनादासमानौंगिरिअसितके शृंगमाहिंबहेचारिओरहूसेगेरुकेपनारेहैं।मुर्च्छितसुरारिपरयोजागिअतिकोपकरयोकोटिकोटिबाणएकबारमेंपवांरेहैं६४तीरनतेतो पेरथकोपेचारिओरमारैसकलसयनतनजरजरकिये हैं। कपिराज लषणऔनीलनलहनुमनद्विविदमयन्दअंगदादिघावदिये हैं॥ कुमुदपनसनसुषेणबचेसमयतेहिबनादासबीरधीरमुर्च्छितहियेहैं तबजाम्बवंतकोपिलैकैनिजसेनधायो अवशिप्रबलबीरबारनांहिं लियेहैं ६५ कियेउरलातघातमुष्टिकाप्रहारेऋक्षगिरोह्वैअचेत बीसबाहुभालुलियेहैं । सारथीतुरंगरथअंगअंगचूरकियेऋक्षराजमहाबीरकोपोअतिहिये हैं ॥ सकलसुभटरणमारिबिचलाय दियेबनादाससुठिपुरुषरथसोंकिये हैं । उभैदण्डबादिरघुबीररथदेखिपरयोरहेसुरबिकलसोमानोमरेजिये हैं ६६ सांझसमय जानिदैत्यलैगयेदशाननकोजागोतबअवशिरिसायगारीदिये हैं। रामकृपादृष्टिअवलोकेसबबीरनको बिगतसकलश्रमसुखीभयोहिये हैं । भालुकपिसयनमँहारिडारेभलीभांतिकरिकैबिचारदशमौलिमायाकिये हैं ॥ बनादासमहाचमूरचीसिंहबाघनकीताहिमध्य ह्वैकैरणभूमिमगलिये हैं ६७ स्यन्दनअरूढ़रहेराक्षससोसंगालिये आयगयोयुद्धमध्यमहाबीरबांको हैं । करतगँभीरनादबाघसिंह

कोटिकोटिभागेजीवछांड़िभालुबांदरनताकोहै ॥ त्यागिदियेसब रघुनाथअरुलषणकोरहेगनेबीरधीरमानमनजाको है॥ बनादा सऋक्षराजकपिराजरिपुबन्धु अंगदादिपवनसुवनसुठिसाको है ६८ रहेजेतेराक्षसभईहैतेतीसिंहसेनगर्जिरहेचारिओरमहाअह तङ्कभो । शीशजटाकटितूणकसिधनुबाणलियेस्यन्दनअरूढ़रघु बीरध्रुवबङ्कभो ॥ कहेभयोअमितअमितद्वन्द्वयुद्धदेखोभालुअरु बांदरकोमानसनिशङ्कभो । बनादासखींचिकैशरासनटंकोरकिये दैत्यनकोकम्पडरमानोसुठिपङ्कभो ६९ ॥ सवैया ॥ मायाकिसे नहनेयकबाणमेंज्ञानभयेजिमिमोहनशाहीं । मर्कटभालुफिरेतब हींजबासिंहऔबाघलखेकहुँनाहीं ॥ आयगोरघुनाथसोंरावनसा वनकोवर्षाजनुआहीं । दासबनातिमिबाणकिवृष्टिनहेरेंमिलैउप माउरमाहीं ७० रामसेरामनदूजोकोऊजगरावणकेसमरावणजा नों। भानुसमानकहेकेहिकोअरुसागरकेसमसागरमानों ॥ हैन भसेनभऔरनदूसररावणरामकोयुद्धबखानों । दासबनासमता सबअङ्गनजङ्गनमेंनकोईसरसानों ७१ सोमबिनानहिंशोभितया मिनीताबिनचन्दनहींछबिपावै । जैसेसभानृपसोहगुणीजनताके बिनानसभासरसावै ॥ ज्योंबिनसन्तनशोभिततीरथताहिबिना सोसमानकहावै । ऐसहिरामऔरावणकीगतिदासबनासमुझैब निआवै७२शक्तिऔशूलप्रचारिकैमारतबाणनकीबर्षासुठिकीने। काटिदियेदशरत्थकेबांकुरेरावणसाँगप्रचण्डसोलीने॥ मारेसिको पिहियेरघुबीरकेभूरिप्रतापविरंचिजोदीने। दासबनारथमुर्छिप स्योरणशोभाकेहेतलखैंपरबीने ७३ तौलेलियेहनुमानमहागिरि रावणपैअतिकोपिप्रहारे । चोटबचायगयोदशकन्धरस्यन्दनअ श्वऔसारथीमारे ॥ मुष्टिकाएकहनेहियमेंमहिमुर्छिपस्योमुखरक्त पनारे । दासबनालियेलूमलपेटितबेदशआननक्रोधसँभारे ७४ दोऊभिरेतबहींललकारिकैचोटचलावतवारहिंबारा । भूतलऔ नभमारगमाहिंलरेंजनुकज्जलहेमपहारा॥ तौपटकेहनुमानहिंरा

वणआयपस्योमहिपैनकुमारा । दासबनालियेधायकैअंगदतौन खसेदशभालबिदार ७५ दण्डकेबादिउठेरघुबीरलियेधनुतीर सोक्रोधसँभारे । आयचढ़ोरथऊपररावणलागकरैशरकीबर्षारे ॥ लक्षनराचहनेदशकन्धपैशीशभुजातनजर्जरसारे । सारथिअश्व समेतपस्योमहिदासबनाबहेरक्तपनारे ७६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामउभय प्रबोधकरामायणेविपिनखण्डेनवत्रिंशतितमोऽध्यायः ३९ ॥

सवैया ॥ फेरिसँभारिउठोदशकन्धररामतुरयचहुंमारिगिरा ये । सारथीशूलहनेह्यिमेंमुरभायकैसोपुनिभूतलआये ॥ बाण सहसदशरामहिंमारेसिकाटिकैसारथिअश्वउठाये । दासबनाच लेतीरदोऊदिशिएकहिएकसकैनचलाये७७बाणनमारिकियेतन जर्जरसारथिअश्वहिरामगिराये । धायचढ़ेनलनीलललाटपैनो चिदियेमुखश्रोणितआये ॥ कीशऔभालुहनैंतरुपाहनवज्रशरी रकहाउपमाये । दासबनातरुटूटैलगेतनफूटैपषाणबलीसतिभा ये ७८ मारुपरीबहुमर्कटभालुकीरावणतौउरमाहिंबिचारा । मा रिगईसिगरीदलदैत्यकरौअबमायाकोकौतुकभारा ॥ अन्तर्द्धान भयोतेहिअवसरधूरिकिवृष्टिकियेअँधियारा । दासबनाबरषैबहु पाहनसूझिपरैनहिंहाथपसारा ७९ ॥ घनाक्षरी ॥ मूत्रमल मज्जापीबरक्तचर्मअस्थिवृष्टिकेशमखबरषेअघोरनर्कभूरिहै । भ गेभालुबांदरबिकलभयेनानाभांति जहांजहांजाहिंतहांतहां रह्यो पूरिहै ॥ त्राहित्राहिरामऔलषणकहैंबारबारबनादासक्योंहूंदुख सकतनतूरिहै । कोपिरघुबीरतबैकरधनुतीरलियेएकहीनराचमा हिंकियेसबदूरिहै ८० ॥ सवैया ॥ होनलगोबहुरोजलवृष्टिपैरैं बहुपाहनबारहिंबारा । बर्षतब्यालभयङ्करभूरिभगेबनचारीनहो तसँभारा ॥ जाहिंजहांतहँआगिलगैसँगमाहिंउपाधिनपावहिंपा रा । दासबनाशरएकहनेप्रभुदूरिकियेहैंउपद्रवसारा ८१ ॥ घना क्षरी ॥ भूतऔबैताललियेमनुजकपालनाचैंयोगिनीकरालमुख

बायखायधावहीं । मुण्डकोकमण्डलअन्तावरिजनेउनायेरक्तसों नहायेदुखनानाउपजावहीं ॥ भागैंमालुबांदरहुआहिंकटकटाहिं भूरिदूरितकखेदेजाहिंठवरनपावहीं । बनादासकालिकाकरालको टिकोटिगावैंअमितपिशाचजातिकहांलौंगनावहीं ८२ नानावि धिमायाकरैंरामजूसोंरातिचरजाकीमायामाहिंलोकतीनिहूंभुलान हैं । शङ्करबिरञ्चिशेशशारदनपारपावैंनारदमुनीशबहुकरतबखा नहे ॥ उतपतिपालनप्रलयथितिजाकीलीलातरकिनपारलहैंब ड़ेबुद्धिमानहैं । बनादासजैसेज्ञानभयेसेबिनाशमोहनिशिकोनले शरहैऊयेजिमिभानहैं ८३ तैसेराममायाहरीरावणप्रत्यक्षभयोला गोयुद्धकरैजनुकालकेसमानजू । बाणनसोंमारिकैंबिकलकपिभा लुकियेसुद्धिबुद्धिकामनाहिंकरैंबलवानजू॥तबकपिराजउरअवशि सकोपभयोमारेतरुएकताहिबज्रकेसमानजू । बनादासभूतलमु रछिदशशीशपर्योलङ्कहिउठायलैकैगयेयातुधानजू ८४ जागो अर्द्धरात्रिलागोखीझनअतीवखल छोंड़िरणभूमिबारबारइहांला वते । होतप्रातमायाकरिचलोदशकन्धबीरकोटिकोटिरावणस कलदिशिधावते ॥ बनादासदेखिकेंबिकलकपिभालुभयेदेवता अतीवदुःखक्षणेक्षणपावते । एकदशशीशतिहुंलोककीपराजय कियेभयेबहुरावणनबुद्धिकछुआवते८५ कोपिकोपिरावणदशहुदि शिधावतभेचोपिचोपिमारैंअङ्गदादिहनुमानहैं।करैंसिंहनादमहा कालकेसमानसारेकाहूमेंनहालसबमृतकसमानहैं॥लाखनहजा रनकरोरिनकोगर्दकरैंऐसेमर्दकपिराजऔरजाम्बवानहैं। बनादा सजैसेजैसेमारैंतैंसेतैसेबढ़ैंगढ़ैकोटिकोटिनतदपिबलवानहैं ८६ बोलेरघुबीरहँसिकाहूकी नइच्छारहैकहैकोनमारेहमरावणसेधीर जू । चहूंदिशिपूरिरह्योकोटिनदशाननसेहनतप्रचारकरिकीशभा लुबीरजू ॥ गर्जिगर्जिलरतअधिकमाहिपरतकलासेनटकरतहैंसु वनसमीरजू । बनादासगायबसकलदशशीशभयेजबैरघुबंशम णिमारेएकतीरजू ८७ देखेएकरावणसकलसुरसुखीभयेतबहिंप्र

गटकियेलाखौंहनुमानजू । शिलातरुशृङ्गलियेघेरेसबरामजाय
चहुंदिशिलंगूरमध्यकरुणानिधानजू ॥ गालकोफुलायलपकाय
लूमलीलाकरैंअतिहिअचर्यमायाबिदयातुधानजू । बनादासस
बहिंसभीतदेखिरघुनाथसारेहनुमानमारिडारेएकबानजू ८८ अ
मितकपीशलक्ष्मणऋक्षराजरचे लाखौंनलनीलकहांरामजूप्रचा
रहीं । मारौमारौधरौधरौऊंचेसुरशब्दकैंदेवताअकाशमध्यअ
तिहियहारहीं ॥ दूसरोबिरंचिह्वैकैमानोंनानासृष्टिकरैंअतिअद्भु
तखेलदीसैबारबारहीं । बनादासअवशिपराक्रमकोकरैंजौनतौन
रघुबीरएकतीरहीनेवारहीं ८९ हरेसबमायारथआयदशमौलि
चढ़ोबीसहूकरनधनुबाणकोपिलियेहैं । मारिकैनराचकीशभालु
बिचलावतभोरामरथऊपरअवशिझरिकियेहैं ॥ तबरघुबीरतीस
तीरकोपिमारतभेबीसभुजाअरुदशशीशकाटिदियेहैं । बनादास
बहुरिनबीनहाथमाथभयोबर्षनबाणलागोसुखीसुठिहियेहैं ९० फे
रिहरेरामशीशबाहुसोबहुरिभयोभालुकपिअचरजदेवदुचितईहै।
शिरभुजबाढ़िदेखिमौतकीसुरातिगई अवशिसकोपिबाणझरिझ
रिनईनईहै॥भयेतनजर्जरबिकलकपिभालुभागेबनादासपुनिराम
भुजशिरहईहै । छायेनभमारगबिपुलराहुकेतुमानोप्रभुबाणलिये
फिरैंगिरननदईहै९१जैसेबिषयभोगतनितहिकामबृद्धिहोतताही
बिधिरावणकेबाढ़ेभुजशीसहैं । देवताअकाशमेंअनेकबिधिशोच
करैंअतिहियहारिरहेभालुअरुकीसहैं ॥ नितनवक्रुद्धह्वैकैयुद्धदश
कन्धकरैबनादासरामभुजबाहुकियेखीसहैं । तबहींबिभीषणसको
पिसुठिगदालियेदेखतहिकोपिशक्तिमारेभुजबीसहैं ९२ पीछेकै
बिभीषणकोसहेरघुबीरसोईभूतलमुरछिपरेकरुणानिधानहैं । अ
रेपापीपोचजौनशिवकोचढ़ायेशीशएकएककरपाये कोटिकोटिदा
नहैं ॥ अबकालआयगयोमाथपैकहतबन्धुलरोललकारिसोकृतां
तकेसमानहैं । बनादासहनेउरगदाअतिकोपकरिपय्योसद्यभूत
लमेंमहाबलवानहै ९३ कियेघातमुष्टिकाबहुरिउरलातमारेदशहू

बदनबहीशोणितकिधारहैं। तेहिनिशिरावणकोतहँरहेघेरिदैत्यअ
वशिअचेतपख्योसुधिनसँभारहैं। बनादासमुरछाब्यतीतरघुनाथ
जागेबूभतबिभीषणकोप्रभुबारबारहैं। इहाँसियापासआयत्रिज
टाहवालकहेजानकीकहतकरैकैसोकरतारहैं ९४ ॥ सवैया ॥ रा
महुबाणलगेनमरैबिपरीतकरैसबखेलअपारा। मोरिअभाग्यजि
आवतताहिकियेजिनहेमकुरङ्गअसारा। देवरकोकटुबैनकहाये
सोरूठोअहैअजहूंकरतारा। नाहबिछोहनत्यागभयोतनतातेस
हैसकलोदुखभारा ९५ ॥ घनाक्षरी ॥ रामगतिअगमनकोऊजग
जानैयोगशिवबिधिबेदहूनपारजासुपायेहैं। करैरणकेलिपेलिमा
रैंगेकृपालुताहिकारणअपरसुनौंमानौंसतिभायेहैं ॥ रावणहृदय
तवध्यानअबिचलसदातवउररामरूपचलैनचलायेहैं। बनादा
सरामउरसकलकटाहअण्डबाणसबहीकोकालऐसोबनिआये हैं
९६ बिनाउरबाणलागेमरैनसुरारिक्योंहूंतातेकैहैबिकलतबहिंप्र
भुमारिहैं। तवध्यानछूटैजबलूटैप्राणकालतबऐसीकहिकथासोऊ
सदनसिधारि हैं ॥ जागोप्रातरावणतुरितललकारिउठोलागेभा
लुकीशएकओरतेगोहारिहैं। बनादासतरुगिरिशृङ्गओपषाण
धारिचढ़ेरघुबीररथऊपरप्रचारि हैं ९७ कुम्भकर्णघननादअनी
अतिकायबीरकुमुखकुलिशरदसुठिबलवानहैं। दुर्मुखमहोदरअ
कम्पनऔमकराक्षधूम्रकेतुत्रिशिराप्रहस्तयातुधानहैं ॥ कूटमुख
खरकेतुद्विजघातीदेवघातीगऊघातीनरघातीरावणसमानहैं। ब
नादासजूझेजेतेबीरसोतयारकिये सकलसयनधाईलियेधनुबान
हैं ९८ देखिदलअतुलअचर्यकपिभालुभयेएतेदिनमाहिंमरैतेऊ
सबजियेहैं। आपुनमरतअस्त्रशस्त्रधारिचलीसेनसकलभयायभा
गेअबकाहकियेहैं ॥ सिंहनादघननादकरैयातुधानभूरिभारीदल
देखिकीशभालुदुखीहिये हैं। बनादासअबदशकन्धरनजीतिजैहैं
करैकाउपायजबमरिमरिजियेहैं ९९ आपुदशकन्धरथरोंप्योउरको
प्योअतिबीसभुजादशचापबर्षतबानहैं।कोटिकोटितीरएकबारही

प्रहारकरैंमरैंकपिभालुमहाबलीयातुधानहैं ॥ मारेज्ञानत्रिशिखवि
नाशेमोहमायादलहरषितभयेबलीमुखबलवानहैं । बनादासखण्डे
भुजशीशसोनवीनभयेशिवकीकृपाप्रसाददेखिहर्षानहैं १०० जैसे
संक्रांतिपुण्यबृद्धिहोतनयोनित्य तीरथकोपापसतपात्रनकोदान
भो । जैसेबाणबिद्याकरिबाणनकिबढ़ीहोतत्योंहींशिरबाहुदेखिऋ
तिहीगुमानभो ॥ मारुमारुधरुधरुबोलतअकाशमुण्डरुण्ड
ज्योंकुलालचाककबिउपमानभो । बनादाससम्हदपात्रसमशीश
भुजावृद्धिकाटनकोकारणअवशिरामबानभो १ मारैंकपिभालुघु
मिघुमिगिरैंभूमितललरतप्रचारकरिअतिदशशीसहैं । लातनते
मारैंअंगदादिहनुमाननीलनखनबिदारैंवपुभयोबलबीसहैं ॥ बा
णनतेमारैंललकारैंबारबारबीरगयोहियहारिसबअंगअवनीसहैं ।
बनादासबहुरिरिसायरामतीरमारेकाटिदियेमाथदशअरुभुजबी
सहैं २ भयोपुनिनूतनप्रचण्डअतिपौनचल्योरुधिरऔधूरिबृष्टि
होतसुठिघोरहै । दिनहिंउलूकपरैंभूमिदूमिदूमिउठैमहाउत्पात
असगुनचहुंओरहै ॥ धीरनधरातहियजियकम्पमानहोतधरक
तधकाधकीमानौंबरजोरहै । बनादासरामतब्हेरेरिपुबंधुओरनी
भीसोलखायदियेनैननकेकोरहै ३ मारेयकतीसबाणमानहुंफणीश
चलेनाभीमध्यएकलागोशब्दघोरकियेहैं । कहांराममारौंरणमनदु
चितईअतितौलौशिरभुजकाढ़िमहिनायदियेहैं ॥ तेजगयोप्रभुमु
खभूमिदशकंधपर्योधसकतधराकीशभालुदाबिलियेहैं । बनादा
सदेवनभजैजैध्वनिबोलिउठेभयोमहामोदमानौंमृतकसेजियेहैं ४।
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामचत्वारिंशतितमोऽध्यायः ४० ॥
सवैया ॥ शीशजटाकटितूणकसेमुनिकेपटराजितश्यांमलअं
गा । शोणितकेकनकातनपैउपमानहिंखोजिमिलैसरबङ्गा ॥ म
र्कतशैलपैमानौंलसीबहुबीरबहूटीलजातअनङ्गा । दासबनाजे
हिआवतध्याननलागतबारभयेभवभङ्गा ५ फेरतहैंकरबाणशरा

सनबांदरभालुलखेंअनुरागे। अस्तुतिबारहिंबारकरेंनभदुन्दुभी
देवबजावनलागे॥ प्रीतिअतीवभरेंकुसुमावलिमानहुंमोहनिशा
सुठिजागे। दासबनासुरस्वारथबश्यभयेनिजकाजभुलातअभा
गे ६ भानुतपैंजेहिकीडरराखिकैऔयमकोनिजबांहबसाये। इ
न्द्रकुबेरदशोंदिग्पालनलोकपऔनृपराहलगाये॥ बेदपढ़ेंचतुरा
ननद्वारमहेश्वरनित्यपुजावनआये। दासबनारघुबीरबिरोधतेरा
वणकोशिरश्वाननखाये ७ पावकपाककरेंजिनकेघरभाड़समीर
करैगलिमाहीं। मृत्युऔकालकिभीतरहीनहिंलोकपभौंहबिलोकैं
सदाहीं॥ बादरश्योनकहूंजेहिकोबशवर्तिसबैउपमानहिंताहीं।
दासबनारघुबीरभजेबिनरावणकेशिरजम्बुकखाहीं ८ मयतनुजा
दिकरोवतनारिकिरैंउरताड़नभांतिअनेका। तेजप्रतापसराहतहैं
बललोगकहैंप्रतिएकनएका॥ मान्योसिखापनएकौनहींपियराखे
सदाअपनीनितटेका। दासबनापरयोऔनिअनाथसेरामबिरोध
कहाबनिबेका ९ आज्ञाविभीषणकोप्रभुदीनकरौतुमबन्धुक्रिया
अबजाई। रामरजायचलेशिरराखिगयेजहँवांसबलोगलुगाई॥
औसरदेशऔकालबिचारिकियेकरणीबिधिबेदबनाई। दासबना
ततकालहिआयगयोपतिलंकजहांरघुराई १० मारुतनन्दनबो
लिकृपालुकहेतुमजानकीपाससिधावो। रावणकोबधबेगिसुनाय
कैसीयहवालल्लियेइतआवो॥ शीशनवायचलेहनुमानगयेगढ़
लंकहिबारनलावो। दासबनाबहुराक्षसराक्षसीपूजाकियेजनुनव
निधिपावो ११ लैहनुमानहिंगेजहँजानकीपौनतनयपदबन्दनकी
न्हा। रावणकोबधबेगिकहेपहिंचानिसियाशुभआशिषदीन्हा॥
तातकहौकुशलातकृपालुकीबन्धुसमेतभलेसुधिलीन्हा। दासब
नासुतकांतोहिंदेहुंपदारथतुल्यपरैनाहिंचीन्हा १२॥ घनाक्षरी॥
आनँदकोसिंधुयुतबन्धुप्रभुआनँदहै रावणकिबिजैतिहुंलोकयश
छायोहै॥ सुरसाधुसुखीमहिद्विजगऊदुखगयोमातुऐसेमोदमाहिं
काहनहिंपायोहै। करैंप्रभुकृपातातबलबुद्धिधामहोहुसुनतबचन

सुठिसुखउरछायोहै । बनादासकरौसोईजातिपदकंजदेखौंबंदिह
नुमानपदसद्यहीसिधायोहै १३ आयरघुबीरपाससियासमाचार
कहेलषणबुलायकैरजायरामादियेजू । कपिपतिजाम्बवाननीलन
लबीरसारेहनुमानअंगदादिसबसंगकियेजू ॥ जायबेगिलंकहि
बिभीषणतिलककरौचलेपदमाथनायसुखीसुठिहियेजू । बनादा
सआयकेंबिठायेसिंहासनपै प्रभुबन्धुभालअभिषेकखींचिलियेजू
१४ दियेदानसम्पदालुटायेसमयभांतिबहुसंगहिलषणकेबिभी
षणसिधायेजू । रघुनाथकमलचरणसबमाथनायेपवनसुवनतब
बेगहीबुलायेजू ॥ जाहुतातलंकहिलैआवोसद्यजानकीकोहनुमा
नसंगसबबीरनपठायेजू । बनादासआयसबसीतहिप्रणामकिये
यथायोगसुठिशुभआशिषकोपायेजू १५ बोलिसेवकनिनबिभी
षणरजायदियेजनकसुतहिअस्नानकोकरायेहैं । भूषणबसनदि
ब्यआनिकैसमयतेहिसहितसनेहअंगअंगपहिरायेहैं ॥ मांगिकै
रजायतबमैथिलीचढ़ायेयानवेतपाणिसंगप्रभुनिकटसिधाये हैं ।
बनादाससाथलंकराक्षसीअनेकभांतिदेखिरामकहेसियापाँयेंक्यों
नलायेहैं १६ जननीसमानअवलोकेंसबभालुकपिप्रभुकेबचन
सुनिबलीमुखधायेहैं । करतप्रणामदण्डयथायोगऋक्षकपिलष
णललकिकंजपायँशीशनायेहैं ॥ बनादासदेखिरामकहेकटुबैनक
छुसुनिकैनिशाचरीपरमदुखपायेहैं । सत्यसीयपावकमेंप्रगटकर
नहेतपुनिजगमनमैलिचाहतजरायेहैं १७ जानकीनिहोरिकहेल
षणसोंबारबारधरमसहायसदाधर्मवानकियेजू । आनिकाठचि
तारचिपावकप्रगटकरोप्रभुरुखअवलोकिआज्ञाशीशलियेजू ॥
बनादाससमयतेहिरचनासकलकिये देवताअकाशमगदेखैंदुखी
हियेजू । कीशभालुसारेहैंसनेहबशभांतिबहुराक्षसीकहतरामके
सीआज्ञादियेजू १८ करमबचनमनएकरघुबीरगतिदूजीनस्वप
नमाहिंहोयबिधिभलीजू । तौतौमोहिंमावकश्रीखण्डसमहोहुस
द्यऐसोकहिसियामानोगंगधारहलीजू ॥ जानकीकोप्रतिबिम्ब

जगतकिमनमैलिबनादासअगिनिमेंअच्छीविधिजलीजू । बिप्र रूपधरिकैकृशानुसत्यसीतालाये रामहिंसमपेंजनुकञ्चनकीकली जू १९ जैसेसिंधुरमाकोसमर्पिदियेबिष्णुजूकोहिमवानपार्बतीश ङ्करकोदियेहैं । मानहुंबिदेहउभैआयदियेमैथिलीकोदुन्दुभीआ काशबाजींफूलबृष्टिकियेहैं ॥ अनलअदृश्यभयोमहामोदचारि ओररघुबीरबामभागआसनकोलियेहैं । बनादासश्यामगौरजो रीजानिएकठौरआयेतबदेवगणमहामोदहियेहैं २० स्वारथनि रतबानिजानिआयेसमयनिजअस्तुतिकरतकरसम्पुटनमितजू। जैतिरघुबंशमणिरबिकुलकञ्जभानुभूमिभारहरेनाथसाधुसुरहित जू ॥ बनादासनिजअघगयोदशकन्धअन्धबदतपुराणबेदआपु समचितजू । देवताकहावतनभावतभगतितवअवशिमलीनम नभूलिपरेकितजू २१ पाहिपदशरणचरणरतिरामदेहुकामको टिसुन्दरसकलउरबासीजू । बामभागजानकीजगतजायमानक रैपालतहरतपरिपूरणकलासीजू ॥ सेवतयोगीन्द्रमुनिगुनिगुनि गावैंगुणपावतनपारकोऊप्रभुअबिनासीजू । बनादासतवपदबि मुखबिरञ्चिशतसमुझिपरतसबअङ्गदुखरासीजू २२ जबजबदे वदुखीअसुरसतायेसुठितबतबकृपाकरिआपुहीउदारेहैं । कारज औकारणबिचारिअवतारलियेनिजइच्छा लीलाबपुअगणितधा रेहैं ॥ बनादासबिरदबिराजतहैतिहूंकालचहूंबेदगायगायपावत नपारेहैं । महिरजसीकरसलिलगनिसकैकोऊतवयशकहिशार दादिशेषहारेहैं २३ अगुणअगाधनेतिनिगमपुकारनितअचल अखण्डरसएकपरिपूरजू । ब्यापकबिरुजनिर्बिकारनिर्लेपनित्य अकथअनूपगतिनेरनाहिंदूरजू ॥ अकलअयोनीनिरालम्बनि ईह्रएककोटिकप्रकाशशशिपावकऔसूरजू । बनादासआदिम ध्यअन्तहीनएकरसलाखनमेंकोऊजनलहतहजूरजू २४ सतचि दआनँदअलखअद्भुतअतिअमलअनीहबिश्वरूपनिर्बानहो । अरबिंदअक्षश्यामगातशतमैनछबि कञ्जकरमुखपायप्राणहूके

प्रानहों ॥ निर्गुणनिरञ्जनहरितसितअसितनरातपीतरहितसुल भद्दष्टिज्ञानहों । बनादासरामबामबन्धुयुतहियबसौयेहीवरदान मुनिदुर्लभध्यानहों २५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रैतापबिभंजनोनामएकचत्वारिंशत्तमोऽध्यायः ४१ ॥

छप्पै ॥ आयेबहुरिबिरञ्चिजोरिकरअस्तुतिभाषे । सजलनयनतनपुलकपेखिप्रभुउरअंभिलाषे ॥ जयजयदीनदयालपतितपावनबड़बाना । जयआरतजनहरणगयेहमबशअभिमाना॥ जयरबिकुलबनकञ्जघनरघुनन्दननितभानहै । कहबनादासकैवल्यप्रदअलखअगुणनिर्बानहै २६ जयतिहरणभुवभारशरणसुखप्रदसबकाला । जयतिमनुजअवतारस्वबशासुठिकोशलपाला ॥ अवधबिबर्धनमोदमगनलीलापुरबासी । कोपावैकहिपारसकलसुकृतकीरासी ॥ जयतिकोटिकन्दर्पछबिकबिकोबिदबर्णतथकित। कहबनादासतेधन्यमतिरहतध्यानयहिनितछकित २७ कौशल्यादशरस्थमोददायकशिशुलीला । ऋषिमखरक्षकदक्षबधूमुनितारणशीला ॥ भञ्जिशम्भुकोदण्डसकलभूपनमदगञ्जन। हरणपरशुधरमानजनकपुरजनमनरञ्जन ॥ बिश्वबिजयब्याहेसियाबंधुसहितपुरआगमन । कहबनादासपितुबाक्यरतमुनिव्रतकरिकियेगवनबन २८ मुनिजनकरनकृतार्थचित्रकूटादिकचारी । कोलकिरातसनाथशक्रसुतलोचनहारी ॥ बधिबिराधबलब्रह्मदसुगातिदायकशरभङ्ग । दण्डकविपिनपुनीतचरितजगपावनिगङ्ग ॥ पञ्चबटीपर्णकुटीकृतरेवातटपावनपरम । कहबनादासऋषिरांजबरबिरदावलिनाशकभरम २९ जयतिगीधउद्धरणजयतिशवरीगतिदायक । जयतिबालिबधकरनबन्धुकीन्हेकपिनायक ॥ शूर्पणखाकुद्रूपत्रिशिरखरदूषणनासक । जयमायामृगकदनसेतकृतशम्भुउपासक ॥ जयतिदलनदशमौलिभटकुम्भकरणघननाददल । कहबनादासरिपुबन्धुकृतभूपलङ्कशो

भासबल ३० शिवहियपङ्कजभृङ्गभुशुण्डीमानसहंसा। ध्याव
तमुनियोगीन्द्रअगमअरुनिगमप्रशंसा॥ बामभागसियसोहक
नकबरलतासमाना। जनुतमालतरुलसीबसीछबिअद्भुतनाना॥
जयतिभालुमर्कटसखासेवकभाग्यनिधानहै। कहबनादासलहि
देवतनतवपदबिमुखअयानहैं ३१ देहुनाथनिजभक्तिहरनिभव
निधिगम्भीरा। जाबिनजन्मनिवार्थकाहबिधिधरेशरीरा॥ तजि
मनकरमबिकारनितैतवपदअनुरागैं। सियासहितउरबसहुसदा
याहीवरमांगैं॥ करिबिनतीब्रह्मागयेबहुरिइन्द्रआवतभये। कह
बनादाससुठिप्रीतियुतकृतअस्तुतिचरणननये ३२ जयतिसक
लअवताररामशिरमौरअनूपा। जयतिनृपतिमणिमुकुटसुवनद
शरथबरभूपा॥ दुखितदेवद्विजसाधुधेनुमहिशिरलखिभारा।
तबतबकरतउबारधरतअगणितअवतारा॥ मत्स्यकूर्मबाराहब
पुपुनिनरहरिबावनभये। परशुरामरघुबंशमणिकरतचरितनाना
नये ३३ बौधदलनपाखण्डकियेक्रमजालहिनाशा। केवलब्रह्म
बिचारएकदृढ़ज्ञानप्रकाशा॥ यदुकुलनायककृष्णकियेनानाबि
धिलीला। कलकीपरमकृपालुधर्मपरबर्तकशीला॥ असुरमा
रिथापतसुरनप्रभुपालतश्रुतिसेतुहैं। कहबनादासमायाप्रबलतव
करिदेतअचेतुहैं ३४ जयदशशिरकरिमत्तमहामृगराजबिदार
ण। कुम्भकर्णखललवाबाजरघुबरसंहारण॥ पन्नगसेनसमूह
रामखगकेतुसमाना। निधनकियेसबांगअगमबलधामसुजाना॥
मेघनादमूषकमलिनजयतिलषणमंजारतन। कहबनादासप्रभुधू
मध्वजनाशेराक्षससघनबन ३५ जयतिराजऋषिबेषजटाशि
रमुकुटसुहाये। जयतिलसतद्युतिअतुलतूणकटिसुठिछबिछाये॥
जनकसुतादिशिबामकोटिरतिब्याजसमाना। मदनकोटिलाव
ण्यरामधारेधनुबाना॥ दीर्घअक्षअरबिन्दसेतिलकभालशोभास
दन। कहबनादासउरभुजबृहदजानुपीनपदमनहरन ३६ क
म्बुग्रीवछबिसींवशरदशशिआनननिन्दै। नीलजलजघनश्या

मभईमर्कतद्युतिमन्दे ॥ अधरअरुणघनदशनबीजदाड़िमाहिंल
जावत । नासाचारुकपोलकहांपटतरकबिपावत ॥ चिबुकचो
खिचोरतचितहिबृषभसिंहबरकन्धहे । कहबनादासनहिंध्यानर
तहृदयबिलोचनअन्धहे ३७ पीतयज्ञसूबिसींवरेखश्रीबत्ससोहा
ये । लसतसुभगभृगुचर्णकञ्जकरसुठिछबिछाये ॥ त्रिबलीउद
रगँभीरनाभियमुनाअलिलाजे । सिंहयुवाकटिलजितअवशि
शोभाशिरताजे ॥ श्यामपृष्ठपदअरुणतलरेखाप्रदअभिरामहे।
कहबनादासदरचक्रध्वजजलजसकलसुखधामहे ३८ बिषयनि
रतमतिक्षीणताहितेचितसकुचावै। यहमूरतिउरबसैसियासहसु
ठिमनभावै ॥ कृपाकरोनिजओरनाथसबसाधनहीना । युगयुग
बिरदबिराजकहांकरुणानहिंकीना ॥ सेवकसेवकाईलहैकछुकना
थफरमाइये। कहबनादासकबिभालुजेमरेसोबेगिजियाइये ३९
सुधाबरषिसुरराजसद्यकपिभालुजियाये । रघुपतिकृपाप्रसादब
ड़ाईसोबड़िपाये ॥ प्रभुपालकश्रुतिसेतुजवनजाकोअधिकारा ।
तवनघटैतेहिकामरामकोसदहिंबिचारा ॥ शीशनायसुरपतिगये
सुयशप्रीतियुतभाषिकै। कहबनादासआयेतबैशिवजूअतिअभि
लाषिकै ४० ॥ दण्डक ॥ जयतिजयरामसुखधामकरुणाभवन
दवनदुखरवनसियशोकहर्ता । गूढ़गम्भीरघनज्ञानदायकभग
तिअगतिनिर्मूलकृतबिश्वभर्ता ॥ कामक्रोधादिकरिमत्तमृगरा
जहरिलोभपन्नगसबलबिहँगराजू । मोहमदमानमूषकमारजार
बपुलवाअज्ञानहितज्ञानबाजू ॥ सर्पसंशयभरनितरनिभवयामि
नीभेकभयहेतसर्पेशरूपा । बासनाबृहदमर्दनबिवर्धनक्षमाआश
मेढुकहरनबकअनूपा ॥ रागद्वेषादिदारुणमहिषकालिकाकुशल
कल्याणपथकलुषहन्ता । प्रणतजनकामधुकशरणसनकादिशु
ककल्पपादपसदाहेतसन्ता ॥ गूढ़गम्भीरबिज्ञानघनसर्बदासाच्चि
दानन्दकैवल्यस्वामी। बिष्णुबैकुण्ठनायकपराक्रमप्रबलईशअव
छिन्नबिहगेशगामी ॥ बिश्वब्यापकरमारवनकरुणाभवनदवनद

नुजादिक्षीराब्धिबासी। बनादासबिश्वेशबिरदावलीबदतश्रुतिक
हतनितनीतिजनबिपतिनासी ४१ पुरुषपुराननिर्बानदायकस
दाशमनसन्तापसुखराशिमेकं। अगमगतिसन्तमुनिगानकृतस
बेंदापारनहिंतदपिमेकंअनेकं॥ बृहदअवतारबिस्तारभुवभारह
रदलितदशमौलिअत्यंतपापी। सदलसानुजससुतसकलनिर्मू
लकृततुच्छसेताहिअगणितप्रतापी॥ बन्धुलङ्केशकृतसहितहि
तबिशदयशभालुमर्कटअवशिपरमभागी॥सिद्धियोगीन्द्रमुनिध्या
नदुर्लभजोप्रभुसुलभअत्यन्ततिहुंपुरबिरागी॥कौशलामोदबर्ध
नबिवर्धनबिरदभूपदशरत्थसुखप्रदअपारम्। सकलकृतकृत्यपुर
अवधबासीबिशदबन्धुचत्वारिमहिमामुदारम्॥बाललीलासुखद
परमगम्भीररसमगननरनारिपटतरनकोपी। सुभगनखशिखपर
मशोषशारदथकितमदनशतकोटिलावण्यतोपी॥ मगनयहिध्या
ननिर्बानपदगिनतनाहिंलहहिंजेस्वपनतेधन्यप्राणी। बनादास
तनधरेकोलाभनीकेलहेभोगसुखअगमपरबुद्धिबाणी ४२ राज
ऋषिबेषशिरजटाशोभापरमतूणकटियुवाहरिभुजबिशालं। बृ
हदउरयज्ञउपबीतभृगुचर्णबरअक्षअरबिन्दसुचितिलकभालं॥
शरदशशिबदनसुखसदनमर्कत बरननासिकाचारुशुकतुण्डला
जै। बङ्कभ्रुवअधरदिजअरुणमुसकानिमृदुकन्धकेहरिबृषभअ
वशिछाजे॥ कम्बुकलग्रींवछबिसींवकरकञ्जबरनाभिगम्भीर
त्रिवलीनिकाई। जानुयुगपीनघनलसतरोमावलीभागनिन्दत
मृदनअधिकभाई॥ कञ्जयुगचर्णनखद्युतिअनूपअवशिश्याम
सुठिपृष्ठतलअरुणनीके। रेखअतिचारु ध्वजकुलिशअंकुश
कमलध्यानआनन्दरससर्बफीके॥ बामदिशिजनकजापरम
शोभासदनसदनशांति करुणानिधेअगमगाथा। सकलसुर
सिद्धिबिधिइन्द्रआदिकनमितसूरशशिराउगणलखिसनाथा॥
जक्तउपजायपालतहरतसहजमेंरामरुखराखिबहुकरतलीला।
बनादासजाकीकृपाचहतयोगीन्द्रमुनि हेतबिश्रामजेमननशीला

४३ जयतिआरतहरणशरणरघुवंशमणि पीलउद्धरणभवहरण नामं । गीधशवरीश्वपचभीलतारेयमनबमनकृतराजऐश्वर्यरा मं ॥ ऋषयमखरक्षसुठिदक्षप्रभुअनुजयुत ताड़ुकासुभुजमदम थनकर्ता । चरणरजपरसिकरुणायतनबिरदहरिनारिगौतमपर मपापहर्ता ॥ जनकपुरमोदबर्द्धनमथन भूपमदखण्डिकोदण्ड भृगुगर्बनाशी । नृपतिमिथिलेशआनन्ददायक अवशिब्याहि श्रीजानकीरूपराशी ॥ मुनिनआनन्दप्रदकाकलोचनकदन सु गतिशरभङ्गमर्दनबिराधा । दण्डकारण्यकृतनाथपावनपरमबहु रिनिशिचरीकरिरूपबाधा ॥ त्रिशिरखरदूषणादिकदनुज घात कियेकनकमृगमर्दिमदमथनबाली । राजसुग्रींवसंघटबलीमुख चमूपायसुधिसीयादिशिलंकचाली ॥ थापिगौरीशबांधेजलधिसे तु सुठिलङ्कगढ़गर्सिदशमौलिहन्ता । सुवनघननादघटकर्णनि मूलकृत सेनसंयुक्तभेसद्यअन्ता ॥ धवलयशलोकतिहुँसकल सुरगावतेदेहुपदकञ्जरतिशम्भुभाखे । बनादासगद्गदगिरापुल कतनसजलदृगरामबशप्रेमरुखईशराखे ४४ ॥ छप्पै ॥ गयेबि नयशिवभाषिविभीषणतबकरजोरे । कहतहोतहियसकुचनाथ ऐसीरुचिमोरे ॥ प्रभुधारियपुरपायँकृतारथजनकोकीजै । देखि खजानेभवनखिलतिकीशनकोदीजै॥ तबबोलेरघुबंशमणिसकल सम्पदामोरिहै । कहबनादाससूझतनकछुताततोहिंनिहोरिहै ४५ मोहिंभरतकोशोचरह्योदिनएकअधारा । जियतनपावोंबन्धुजा यजोटरियिहबारा ॥ शीशजटाकृशगातधरेमुनिब्रत्तिअखण्डा । हारैमनबुधिखोजिनाहिंपटतरब्रह्मण्डा ॥ निशिदिनसुमिरतमो हिंसोयुगसमपलकसिरातहै । कहबनादासजातैमिलौंसद्यसोकी जैतातहै ४६ नायशीशगृहगयेबिभीषणकियेउपाई । भूषणमणि गणबसनधरेपुष्पकपरजाई ॥ भारीभारीबस्तुजौनदशकन्धरजो रे । सोलायेप्रभुपासदेनहितकीशनकोरे ॥ जायगगनबर्षाकरी भैरघुबीररजायज़ू । कहबनादाससोईकियेअवलोकतदोउभाय

जू ४७ मेलैंमाणिकमुखनबहुरिसोभूतलडारैं। पहिरैंकरकोपायँचर णकोशीशसुधारैं॥ लूमलपेटैंबसनदशनतेनोचैंताहीं। देखिदेखि दोउबन्धुमुदितअतिशयमनमाहीं॥ यहिबिधितेबरुशीशभैपहि रेमर्कटभालुहैं। कहबनादासबोलेतबैसबकहँरामकृपालुहैं ४८ बोलेबचनरसालरामसहजेनैनागर। नहिंमुखजातबखानिकाम जिमिकियेउजागर॥ तुवबलजीतेदनुजजनकतनयापुनिपाई। लहेबिभीषणराज्यकहांलगिकरियबड़ाई॥ सकुचिकहतसबकीश गणभाषतइमिरघुरायजू। कहबनादासकिमिकरिसकैंकेहरिशशा सहायजू ४९ कहांभानुकोतेजकहांखद्योतप्रकाशा। हमकेहि लायकनाथसुनतसुठिलगततमाशा॥ सुनिकरुणानिधिबचनग ड़ेहमसकुचनजाहीं। परितोषेपुनिरामकथाबहुकहितिनपाहीं॥ अबगवनहुआश्रमनसबसुमिरणममसुठिसारहै। कहबनादास निशिदिनकिहेउयाहीपरमबिचारहै ५० सुनतरामकेबचनभयेस बप्रेमअधीरा। कालकर्मगुणबश्यअहैतनकहरघुबीरा॥ होवैयो गबियोगपायदेहींसबकाला। यामेंकछुबशनाहिंनिगमानितहीप्र तिपाला॥ नायनायपदशिरचलेहृदयराखिरघुनाथहैं। कहबना दासबोलनिचलनिसुमिरतहोतसनाथहैं ५१ लङ्कापतिकपिराज ऋक्षअङ्गदहनुमाना। पुनिनलनीलमयन्दद्विबिदआदिकबलवा ना॥ अवलोकैंरुखरामप्रीतिअतिहीमनमाहीं। कहिनसकैंमुख कछूरामबोलेसबपाहीं॥ बैठहुसबकोउयानपरमहामोदउरमेंलहे। कहबनादासआसीनभेयथायोगजेहिजसचहे ५२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामद्विचत्वारिंशोऽध्यायः ४२॥

छप्पै॥ सिंहासनआसीनरामसियबन्धुसमेता। शिवब्रह्मा दिकनमतभजतजेहिऊरधरेता॥ चोखोचलोबिमानकोलाहल होतअपारा। सियहिदेखावतसकलइतैदशकन्धरमारा॥ कह तकथासबयुद्धकीजौनीजौनीबिधिभयो।कहबनादासरावणप्रबल

अपनीकरणीतेगयो५३इहांहतेघटकर्णलषणइतरिपुसुतमारे। इहांअमितदलदैत्यकीशभालुनसंहारे॥ सेतुबांधिसियदेखुकरौंशङ्करहिप्रणामा । बेगिहिचलतबिमानलखेकिष्किन्धारामा ॥ आयेजहांअगस्त्यमुनिसबप्रसङ्गरघुपतिकहे । कहबनादासतवकृपाप्रभुअजयदनुजतेजयलहे ५४ सद्यचलेरघुबीरचित्रकूटहिपुनिआये । बाल्मीकितेमिलेसकलपरसङ्गसुनाये ॥ आयेतीरथराजअवधहनुमानपठावा। कीन्हेप्रभुअस्नानभरद्वाजहिंशिरनावा॥ संक्षेपहिकहिकथासबकोशलपुरबूझेकुशल । कहबनादासबेगहिचलेआयेबहुरिनिषादथल ५५ धायोकेवटसुनतपस्योमहिलकुटसमाना । गैमणिपायोफणिकबिलगमीनहिंजलआना॥ बूझेप्रभुतबकुशलकहेपदपङ्कजपेखी । तुमजीवनधनप्राणआजुभैकुशलबिशेखी ॥ मिलेलषणकपिराजतबलङ्कापतिआदिकजबै । कहबनादासरघुपतिसखाकियेभांतिसंयमसबै ५६ ॥ सवैया ॥ शीशजटाकृशगातकुशासनरामहिंनामरहेलवलाई । नैनसनीरहियेरघुबीरशरीररहीपुलकावलिछाई ॥ दासबनाउरशोचतहैंनहिंदेखिपरैरघुबीरअवाई। औधिबिहायरहैंतनप्राणक्हाजगमेंयहितेअधमाई ५७ भूपसमानतजौंतृणसेतनऔधिमेंजोरघुनाथनआये । कूरकुसेवकजानितजेमोहिंरामरजायनहींलखिपाये ॥ अन्तर्यामीलखेंउरकीगतितौपुनिकाबहुबातबनाये। दासबनाहनुमानहँसालखितौउरमेंअतिहीसुखपाये ५८ ॥ घनाक्षरी ॥ बिरहअनलकरितपतभरतहियरामकीकुशलकहिजलबृष्टिकियेहैं। हनूमानबारिदसद्दशबरबैनकहेधानपानकेसमानहरेभयेहियेहैं ॥ शोकसरिडूबतमनहुँजलयानभयोबचनसुखदजनुगहिबांहलियेहैं। बनादासउपमानकबिउरअनुभवैपवनसुवनसुधापायजनुजियेहैं ५९ ॥ सवैया॥ जाहितशोचकरौंअभिअन्तरतेप्रभुलङ्कबिजयकरिआये । बन्धुसियायुतसङ्गसखाबहुदेवअनेकबिधायशगाये ॥ दासबनामनमोदकहैकिमिगैमणिसोफणि

मानहुंपाये । कोतुमताहितकहांसनआवतमोहिंमहाप्रियबैनसुना
ये ६० रामगुलामहौंमारुतनन्दननामअहैहमरोहनुमाना । ब्रा
ह्मणरूपधरेअतिसुन्दरधायमिलेप्रभुबन्धुसुजाना॥ भेंटततत्क्षन
हींउरमानतराममिलेतेबड़ोसुखजाना । दासबनातोहिंदेउँकहा
तिहुँलोकमेंतुल्यनबस्तुपिछाना ६१ राखुऋणीकपिमोहिंनिरन्त
रअन्तरमानुनहींनिजओरा। देखौंबिचारिभलेअपनेउरसन्मुख
होतनहींमनमोरा॥ रामचरित्रसुनावहुमोहिंनतृप्तलहौंचिततातै
निहोरा। दासबनाहनुमानकहेसबबाढ़तप्रेमनयेदुहुँओरा ६२॥
घनाक्षरी॥ कबहुंकृपालुमोहिंजानैंनिजकिंकरसेतबहनुमानजूस
कलबिधिकहेहैं। आपुसेसरिसनाहिंकोऊरामहियेमाहिंलषणस
मीपसदातेऊजानिरहेहैं ॥ कपिपतिऋक्षराजलङ्कराजबूझेभले
सुनतबचनकञ्जनैनजलबहेहैं। बनादासचलनचहतरघुनाथपा
सतबकरजोरिपदपङ्कजकोगहेहैं ६३ गयोकपिरामपाससकलप्र
सङ्गकहेचलेप्रभुयानचढ़िबारनाहिंलायेजू। करतमनोरथअमित
उरबारबारभरतअनन्दपुरकोशलकोआयेजू॥ प्रथमहिंगुरुगृह
जायकैप्रणामकियेरामजूकोआगमनतुरितसुनायेजू। बनादासब
हुरिमहलमाहिंबातकहेजननीसुनतरङ्कपारसज्योंपायेजू६४पाये
पुरलोगसुधिधायेसबजहांतहां बालकऔबृद्धदिशिभूलेहूनदेखे
हैं।भईशोभाखानिपुरऔधकोबखानिसकैसरयूसलिलबनिआवै
समैपेखेहैं॥ भूपदेशदेशकेनेरायरहेग्रामदिगचौदहबरषकीअव
धिकियेलेखेहैं। बनादासह्वैहैराज्यगद्दीरामआवतहीतातेउरमाहिं
मोदबाढ़तबिशेखेहैं६५ नगरकोलाहलनसमयबरणिजाततहांहे
मथारआरतीसजतसुठिभामिनी। दधिदुर्बरोचनसुमनदलफूल
नानामञ्जरीऔलाजासाजिचलींगजगामिनी॥ बिपुलअटारिन
पैंगगनबिमानदेखैंलाजैंकलकण्ठगावैंमङ्गलकोकामिनी । बना
दासरामाकारभयेमनसबहीकेतातेनाशभई सहजहिंभवयामिनी
६६बूझैंएकएकनसेदेखैंरघुनाथकहाँबिह्वलबचनसुधिबुधिनसँभा

रे हैं । साजेशुभआरतीसुमित्रानबरणिजातलाजैंजाहिं भारतीहृद
यमोदन्यारे हैं ॥ नानामङ्गलीकनामकहांलौंगनावैंकबिकञ्चनकल
शभरिधरेसबद्वारेहैं । बनादासराजैंमणिदीपछबिभ्राजैंअतिअव
धअनन्दकहिशारदादिहारेहैं ६७ चलेसाथभरतकेसुठिकृशगात
लोगतपेरामबिरहनतातेधीरलहेजू।लङ्कापतिकपिराजऋक्षराज
हनूमानअङ्गदादिबीरनतेरघुनाथकहेजू॥मेरीजन्मभूमिऔधअ
तिप्रियमोहिंसदाउत्तरदिशामेंसरिसरयूसेबहेजू।बनादासमज्जन
तेलहैंलोगचारिफलबसैंममनिकटनफेरिभवदहेजू ६८ पावनपर
मरंमणीकदेशबिस्वाबीसअवधप्रभावपुनिकोऊजनजाने हैं । बा
दबकबाद तनस्वादत्यागिनानाविधि ताकोमनफिरिकहूँअनतन
मानेहैं ॥ जन्मभूमिमहिमासुनतकपिमहामोदजाकोरघुनाथनि
जमुखतेबखानेहैं । बनादासअहोभाग्यमानिकृतकृत्यभयेसोई
अवधप्राप्तिनहिंमोसोंकोउआने हैं ६९ उतरोबिमानभूमिधायगु
रुपायँपरेलकुटसमानमुनिनाथउरलाये हैं । बूझतकुशलप्रभुक
हेपदकञ्जपेखिलषणसमेतसबसखाशिरनाये हैं ॥ मेरेकुलगुरुक
हेकपिनतेबारबारइनकेप्रतापजीतिरावणसेपायेहैं । बनादासमु
निहिंसुनायेरघुबंशमणिसमरसमुद्रसेतुमोहिंपारलायेहैं ७० बा
मदेवआदिबिप्रपायँबन्देरघुनाथ लषणसहितसबआशिषकोदि
येहैं । लकुटसमानपरेभरतचरणप्रभुशङ्करबिरञ्चिजाहियोगीज
ननयेहैं ॥ सजलनयनतनपुलकमगनमनबूझतकुशलतबप्रीति
युतभयेहैं । बनादासबचननआवतअतीबमोदलियेगोदरामदि
शादोऊभानुगयेहैं ७१ बाढ़ेकञ्जनैनजलगाढ़ेभेंटेलायउरधीरज
सँभारिकैभरतबैनकहे हैं । भईआजुकुशलकृपालुकरुणायतन
दीनजनजानिदियेदर्शनलहे हैं ॥ बनादासलषणभरतभेंटेप्रीति
अतिरिपुदौनआयेप्रभुकञ्जपायँगहे हैं।बहुरिलषणलघुभाईभेंटे
लायमनपटतरकौनप्रेमपरवाहबहे हैं ७२ रामहिंबिलोकिमातु
धरतनधीरउरधेनुलखिबत्सजनुप्रीतिअतिभारी है । थनपयस्र

वतद्रवतलखिकुलिशादिसहजसनेहहरिभेंटीमहतारी है ॥ लिये उरलायमणिमानहुंफणिकलहे जैसेमीनबिलगसोआयजलडारी है। बनादासबारबारदेतहैअशीशबरपटतरकौनउरजरनिकोजारी है ७३ भेंटेसबमातनलषणरघुनाथपुनिमुनिशिरनायसियसासुपदलागीहै। हियलायलायसबअवशिअशीशदेतसमयबिचारेजड़भयेअनुरागी है॥ कपिराजऋक्षराजलङ्कपतिअङ्गदादि बन्देपदकौशलाकेसुठिबड़भागी है। बनादासआरतअतीवपुर लोगदेखेरघुबीरसबकेबिरहआगिजागी है ७४भयेरूपअमितस बहिंक्षणमाहिंमिलेयहरघुबीरकीनअधिकबड़ाईजू। सबउरबासी सुखरासीघटकोटिमाहिंएकभानुछायाजैसेश्रुतिचारिगाईजू ॥ पुष्पकसेकहेप्रभुजाइयेकुबेरभौनहरषबिषादतेहिअवसरमेंपाईजू। बनादासबहुरिकहतरघुनाथभयेकरैंजबइच्छातबआइयेसदाईजू ७५ भयोतबसुखीरामप्रेरितगवनकियेभवनचलतप्रभुअनुमान हिये हैं। केकयीलजितजानिप्रथमहिंतहांगयेसुठिसनमानिनिज भौनमगलिये हैं ॥ जानिशुभघरीमुनितबहींबिचारकियेअस्नान करनकोरामआज्ञादिये हैं। बनादाससेवकहँकोरेरघुबीरतबसखनअन्हवावनरजायबेगिकिये हैं ७६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामंत्रयश्चत्वारिंशोऽध्यायः ४३ ॥

घनाक्षरी ॥ भरतबुलायकरकछजटारामखोलेअन्हवायभाई तीनिअस्नानकियेजू। बहुरिबशिष्ठसनबोलेरघुबंशमणिनृपराज निजओरभरतकोदियेजू ॥ परम्परासदापितुराज्यदेयपावैसोई रुचिउत्पतिभईजननीकेहियेजू। बनादासबनगौनभयोयाहीहेतलागिकालिगतिबलीखलसियाहारिलियेजू ७७ शक्तिलागिलषणकेहौहुँब्यालफांसिबश कुम्भकर्णघननादरावणकोमारे हैं। भालुकपिसेनसाजिउदधिमेंबाँधबांधो हतेबालिबांदरनिशाचरसंहारे हैं ॥ कारणसकलराजकरतंअकाजअतिईशकेभजनमाहिं

बीचसुठिडारेहैं । बनादासज्ञानऔबिरागभक्तिबाधकहैसाधन
विषयकरअनरथसारेहैं ७८ तातेविद्यमानजनसदायाकोत्याग
कियेराजनकेरूपदुखदायकअतीवहै । भूमिभोगहेतपरैंसकल
बिरोधअतियुद्धभयसदालोगजारैंबहुजीवहै ॥ द्रव्यपावैकारणन
राजरहैसबैकोउचिन्ताबशबसुयामऔगुणकेसींवहै ॥ बनादास
युद्धमाहिंजूझैत्रियदुष्टाचारजावैवर्णसङ्करबियोगभयेपीवहै ७९
तमरजत्यागिसतोगुणमेंप्रवृत्तहोयपीछेगुणातीतपरमारथसोकहे
हैं । अमितप्रबाहरजोगुणमाहिंदेखिपरैंजाकोचहीत्यागताहिकौ
नीबिधिगहे हैं ॥ बिनाटूटेबासनानकोऊभवपारभयोजौलौंजग
माहिंतौलौंसर्बअङ्गदहेहैं । बनादासब्यग्रचित्तरहैबसुयामहीमें
राजकरिकाहूभांतिसुखनाहिंलहेहैं ८० जाकेभुजसहसत्रिशंकु
सुरराजआदिकाहिनकलङ्कदियेराज्यमदनीचोहै । तजैनदुर्गंधि
लहसुनकोटिभांतिनसेबनादासताहिजोगुलाबनीरसींचोहै॥सांप
हिपियावैक्षीरबिषनभुवङ्गतजै काटिलेयघातपायसद्यहोतमीचो
है। बनादासचौदहबरषकोअभ्यासपस्योमननिवृत्तिसननिकस
तईचोहै ८१ हिंसाबहुभांतिहोतपापनकेनानाअंगआगेयमयात
नाटरतनाहिंटारेहैं । सुखसर्बअङ्गसेनिवृत्तिमाहिंदेखिपरैदोऊल
खिलियेतातेमननसुखारेहैं ॥ यातेमहराजटीकाभरतकोदेनयो
गकरतबिचारउरबहुबारबारेहैं । बनादासमानहुंजवासनीरपाव
सकोपरसतत्योंहींसुनिभरतदुखारेहैं ८२ बोलेबामदेवऔबशि
ष्ठआदिमहामुनिराज्यदुर्लभपदजगमाहिंजानिये । केतेधर्मवान
नृपगृहैमाहिंमुक्तभयेअबहींजनकआदिपरत्यक्षमानिये ॥ पालै
परिवारप्रजासदाराज्यनीतिरत पापतेबिरतितपयज्ञआदिठानि
ये । बनादाससाधुगऊद्विजगुरुदेवजजैभजैबासुदेवताहिमुक्त
पहिचानिये ८३ क्षमादयासत्यशीलधीरऔबिचारयुतसमरमें
शूरदेतरिपुउरपीरजू । पुण्यवानपर्मविष्णुभक्तऔअनघनितस
हजउदारमहादानीमैलकीरजू ॥ शास्त्रऔपुराणवेदबिदउपकारी

परआलसरहितजितइन्द्रीधुरधीरजू। बनादासऐसोनृपदूषणको लायसकैतातेममबचनकोमानौरघुबीरजू ८४ तुवकुलमाहिंभये एकतेअधिकएकश्रुतिऔपुराणजगजाकोयशगायेहैं। आपुसब लायकनउपमात्रिलोकमाहिंदशादेखिभरतकीउरदुखपायेहैं॥ बनादासतातउठिसजहुशृंगारअङ्ग कठिनतेरामगुरुपदशिरनाये हैं॥ नखशिखशोभाखानिकोटिकामकानिहरैसोहैअङ्गभूषणको पारकहिपायेहैं ८५ मातुअन्हवायसियासाजेनवसप्तअङ्गराम बामदिशापरआसनकरायेहैं। राजितसिंहासनपैदेखिदेवफूल झरैंअतिगहगहीनभदुन्दुभीबजायेहैं॥ नटैंकलकिन्नरीअनन्द नअमातउरबनादासबारबारमङ्गलकोगायेहैं। बाजतनिशानघ मसानपुरशोभाखानिगावैंतियसुठिकलकंठकोलजायेहैं८६ प्रथम तिलकगुरुकियेहैंकमलकरपुनिसबबिप्रनकोआज्ञाहर्षिदये हैं। नानाबिधिद्विजनउचारेवेदमन्त्रकिये आजैअभिषेकभालमहामो दभये हैं॥ सकलअशीशदेहिंचिरंजीवरामसियदानबहुयाचकन पारकौनलये हैं। बनादासतिहुँपुरसुखनबरणिजातभईराज्यग हीलङ्कजीतिआयगये हैं ८७॥ छप्पै॥ लङ्कापतिकपिराजनी लनलऔहनुमाना। द्विविदमयन्दगवाक्षपनसअरुकुमुदसया ना॥ दधिमुखऔरसुषेणऋक्षपतिअङ्गदबीरा। सुन्दरशोभाखा निधरेसबमनुजशरीरा॥ भरतलषणरिपुदौनजूआसपाससब कोउखरे। कहबनादासअसिचर्मकोउचमरछत्रकोउकरधरे ८८ शूलशक्तिधनुबाणबेजनाकोउकरढारे। कोउखड़ेबशप्रेमकृपा निधिनजरिनिहारे॥ कनकछड़ीकोउलियेकोऊआसाकरधारे। कोउसोंटासुठिहाथजहांतहँफरकपुकारे॥ कौशल्यादिकमातुसब बारबारआरतिकरे। कहबनादासलखिबिधुबदनसोसनेहकिमि कहिपरे ८९ निर्भरहर्षअतीवमोदजललोचनकोना। रोंकतम ङ्गलजानिमनहुँदारिदकोसोना॥ अतिहीप्रेमअधीररूपरघुबीर निहारी। पुलकावलीशरीरधीरधरपुनिमहतारी॥ सुठिकोमल

सुकुमारशिशुकेहिबिधिलङ्कापतिहते। कहबनादासपुनिपुनिगु
नतमुनिकरुणाआवतमते ६० पुरजनप्रजासमाजअवशिआ
नन्दभरेहैं। सचिवशूरसरदारबिबिधबिधिदानकरेहैं॥ कोक
हिसकैंअनन्ददेशदेशनकेभूपा। आयजोहारेरामनजरिलैभेंट
अनूपा॥ नेवछावरिबहुबितकियेजननीअतिमनलायकै। कह
बनादासभूसुरछकितयाचकलहेअघायकै ६१ हयहीरामणि
कनकदानब्राह्मणबहुपाये। गोमहिषीमहिरजतकहांतकनामग
नाये॥ पटभूषणहथियारनागरथबहुबिधियाना। पायरामरुख
दियेहर्षिबहुसचिवसयाना॥ अन्नअशनबहुभांतिकेपाटम्बरक
म्बरघने। कहबनादासजोकछुदियेनहिंकैसेहुबर्णतबने ६२ पी
छेचौदहबर्षअवधपुररघुपतिआये। लङ्कारावणजीतिनहींसुख
सकतसमाये॥ सिंहासनआसीनभालशुभतिलकबिराजा। या
तेआनँदअवधआजुरघुनन्दनराजा॥ सबैलुटावतबित्तकोचि
त्तलायरघुपतिचरन। कहबनादासलूटैहमैंबुद्धिचित्तऔअहंम
न ६३ आयेचारिउवेदभेषबरबन्दिबनाये। पदपङ्कजशिरनाय
करतअस्तुतिमनलाये॥ जयदिनकरकुलकेतुजयतिसुरसन्तउ
बारन।जयगोद्विजप्रतिपालभूमिकोभारउतारन॥ जयतिस्वबश
अवतारबररावणादिखलबनदहन।कहबनादासजयअभयप्रद
शरणागतसुठिकरगहन ६४ जयतिबालिमदमथनकीन्हसुग्रीव
कपीशा। जयकरुणाकररामबन्धुरक्षकदशशीशा॥ जयखरदूष
णदलनकबन्धबिराधबिभंजन। जयदण्डकबनशुद्धकरनमुनिग
णमनरंजन॥ जयतिगीधकैवल्यप्रदशवरीगतिदायकपरम। क
हबनादासनतपदपदुमजयजयजनरक्षकशरन ६५ जयतिसच्चि
दानन्दब्रह्मब्यापकजगस्वामी। आदिअन्तमधिहीनसंकलउर
अन्तर्यामी॥ जयजयअमलअखण्डअगमअद्वैतअनामय।
अलखअगोचरअगमअयोनीशुचिकरुणामय॥ जयतिअक
लकैवल्यप्रदनिरालम्बनिर्द्वन्द्वनिति। कहबनादासआकाशचि

दअतिअगाधकोलहैंमिति ९६ जयतिशुद्धनिरबद्धसत्त्वसर्बज्ञ समाना। परिपूरणचैतन्यजासुगतिकाहुनजाना ॥ पुरुषोत्तम परधामशान्तनिर्गुणअविनाशी। अजउत्कृष्टअनादिईशअतिही सुखराशी ॥ विरुजबिलक्षणबिगतसबब्रहदसूक्ष्मतारणतरण। कहबनादासनिर्बाणवरबिरदसदाअशरणशरण ९७ प्रकृतिपुरुषमहतत्त्वसूत्रइन्द्रीसुरसारे। महिअपतेजअकाशअनलजहँलैं विस्तारे ॥ पंचप्राणगुणतीनिबुद्धिमनचित्तहँकारा। शब्दअस्परसरूपगन्धजानौंसंसारा ॥ एकतुमाहिंदूजानहींसदाबिचारहिंतत्त्वबिद। कहबनादाससबतेत्रिलगरूपबिलक्षणअवशिचिद ९८ जाकरपगपातालशीशचतुराननधामा। मनशशिलोचनभानुमेघजाकोकचश्यामा ॥ अहंकारशिवबुद्धिजासुबिधिजाकीगाये। अस्थिशैलबनरामलोकबहुअङ्गकहाये ॥ लोभअधरयमजेहिदशनमायाहासअनूपजू। कहबनादासदिगपालभुजशरणागतसुतभूपजू ९९ नामतूलअघदलनमूलसाधनसिधिकेरा। अगुणंसगुणदोउबोधकरतलागैनहिंदेरा॥ बिधिनिषेधपरिहरैसकलसाधननबिहावै। करमबचनमनसदाएकनामहिंलवलावै॥ सोजनजीवनमुक्तहैआसबासनाजिनतजे। कहबनादाससङ्कल्पदृढ़करिजोकेवलहरिभजे १०० तपतीरथव्रतनेमयोगयज्ञादिकभटकै। नानानेमअचारपाठपूजामेंअटकै ॥ पुण्यदानकोउफँसेस्वर्गहितकरैकमाई। जबहिंक्षीणह्वैजायपरैभूतलभहराई ॥ जान्योसबसिद्धान्ततिनरामनामलवलावते। कहबनादासप्रभुपाहिपदसदाशरणगुणगावते १ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामचतुःचत्त्वारिंशोऽध्यायः ४४ ॥

छप्पै ॥ वेदगयेबिधिधामबहुरिआयेसुरसर्बा। विद्याधरकिम्पुरुषऔरचारणगन्धर्बा ॥ सिद्धमहोरगपितरसाजिसम्मलसबभांती। गुह्यककिन्नरयक्षदेवअप्सरबहुजाती॥ नृत्यगाननाना

करैंबाजाबिबिधबजावते । कहबनादासअधिकारप्रतिश्रीरघु
बरहिरिझावते २ कोजानैकेहिभेदमगनआनँदसबकाहा । य
थायोग्यआदरहिंसबहिंपुनिपुनिसियनाहा॥ जयतिजयतिरघुना
थबामदिशिशोभितसीता । सिंहासनआसीनरूपकीराशिबिनी
ता ॥ वारैंकोटिककामरतिमतिमानैतबहूंनहीं । कहबनादासश्रु
तिशारदाथकहिंशेषचाहैंकहीं ३ आजतभालबिशालतिलकशो
भाकीसीवाँ । कोकविपटतरलहैजासुमतिलहैअतीवाँ ॥ जनुदा
मिनिघनमाहिंरहीतजिचंचलताई । पीतअल्पयुगरेखचारुचि
तलेतचोराई ॥ शीशमुकुटरबिबालसेकाकपक्षमनमोहई । कह
बनादासकुण्डलकनकहलकश्रवणसुठिसोहई ४ दीर्घअक्षअर
बिन्दबङ्कभ्रुवपटतरको है । जेहिदिशिपरैस्वभावहोतहियभययु
तसोहै ॥ मन्दमन्दमुसकाततताहिलगिरामसुजाना । लेवैंचितहि
चोरायफेरिनहिंकहुमनमाना ॥ शीलधामरघुबंशमणिसबद्विन
सुररक्षकहरे । कहबनादासकरुणायतनकमलचरणशरणनपरे ५
आननशरदसयङ्कदशनदाड़िमद्युतिलाजै । अधरअमीरसभौ
नअरुणअतिहीछबिछाजै ॥ मर्कतद्युतिबरकान्तिनीलजलद्वाभ
लजावत । कीरतुण्डनासिकाकहेसुठिलघुतापावत ॥ कम्बुग्रीव
शोभासदनबदनकोटिसौंदर्य है । कहबनादासचोरतचितहिरा
मरूपरसबर्य है ६ चिबुकचारुचितहरैकन्धहरिअधिकसोहाये ।
बृहद्भुजाउरअवशिमालमुक्ताछबिछाये ॥ मर्कतगिरितेधारकि
धौंगङ्गाकीआई । किधौंश्यामघननिकटरहीबगपांतिउड़ाई ॥ ब
सनबिलक्षणकान्तिबरपीततड़ितसकुचातहै । कहबनादासजा
मालसतलखिलखिमनललचातहै ७ करकङ्कणकेयूरमुद्रिकाक
रजबिराजै । पीतयज्ञश्रीवत्सचरणभृगुअतिछबिछाजै ॥ त्रिबली
उदरअनूपनाभिअतिहीगंभीरा । यमुनभँवरछबिक्षीणलखेमन
धरतनधीरा ॥ शोभितसुठिमृगराजकटिजानुपीनरोमावली । क
हबनादासलाजितजिन्हैंकांमतूणसुठिमनछली ८ कमलचरण

बरक्रान्तिनखनतारागणलाजैं। द्वैअलिमनयोगीन्द्रजहांनिशि
दिवसबिराजैं॥ बामदक्षदिशिधरेतूणकोदण्डसोहाये। राखेअ
सिऔचर्मसमीपहिशोभापाये॥ तरुतमालबेलीकनकलसतासि
याउपमाकितै। कहबनादासबायेंदिशाजानेजिनयहिबिधिचितै९
बारैंरतिऔकामकोटितनसुन्दरताई। हारैंशारदशेशगणेशहुबर
णिनपाई॥ कबिकोबिदकाकहैंकाहसुरबरणैंसारे। जाकेउरजस
भावसकलबिधिसोबिस्तारे॥ बारबारमांगतहृदयबसहुजानकी
रामजू। कहबनादासकरिबिनयकोगेसुरनिजनिजधामजू१०आ
येतबसुरराजहृदयअतिमोदबढ़ाये। लखानकाहूमर्मकरतअस्तु
तिमनलाये॥ जयतिजयतिअवधेशरमेशसुरेन्द्रइन्द्रबर। जय
दिनकरकुलकेतुहेतुकोलहमहिमाकर॥ जयमहेशमनमानसरब
सतनिरन्तरहंसहो। कहबनादासरघुकुलकुमुदइन्दुअवशिअव
तंसहो ११ जयतिदलनदशमौलिऔलिनिशिचरसंहारन। ज
यमायामदमथनमोहममतासरितारन॥ कामक्रोधपाखण्डदम्भ
करिमानबरुत्था। जयतिराममृगराजबाजबढ़ईखलयुत्था॥ ज
यतिजयतिदशरथसुवनभर्त्तात्रिभुवनगुणगहन। कहबनादासदु
खदीनतादूषणअघदारिददहन १२ जयमहेशकोदण्डखण्डभु
जचण्डअतुलबल।जयभृगुपतिमदकदनमाननाशकभूपनदल॥
जयनाशकनृपशोकजनकपुरआनँददाता। त्रिभुवनजयजानकी
ब्याहिआयेयुतभ्राता॥ जयजयपालकसेतुश्रुतिसुररंजनभंजन
बिपति। कहबनादासजनधन्यतेजाहिनस्वपनेहुँआनगति १३
जयतिकौशलागोदनृपतिसुखसदनबिहारी। जयस्वच्छन्दअवता
रभूमिकोभारउतारी॥ मुनिमखरक्षकदक्षताड़ुकासुभुजबिदारण।
जयतिपापसन्तापशापमुनिबधूउधारण॥ कौशलपुरबासीसुखद
निशिदिनबर्द्धनरामजू। कहबनादाससियबामदिशिशोभाशतर
तिकामजू १४ फँसेमानमर्यादभूलिसुरराजकहाये। सदाविषय
लवलीनभक्तिभयहरनिभुलाये॥ कूकरशूकरकरैंबिषयकोपायश

रीरा । साधहिंज्ञानबिरागभजहिंप्रभुकोमुनिधीरा ॥ योगयज्ञज
पतपकरैंसाधनभांतिअनेकहैं । कहबनादासइन्द्रीदमनत्यागत
भोगअनेकहैं १५ मृषागईयहदेहभजनसुमिरणतेहीना । लोलु
पइन्द्रीस्वादुभयेदिनहींदिनदीना ॥ कृपाकरौनिजओरजानिखो
टोजनदेवा । कछुलायकनाहिंभयेकरैंजोतुम्हरीसेवा ॥ अधमउ
धारणबिरदहैअगणितपतितनगतिदई । कहबनादासरघुवंश
मणिचरणशरणवातनलई १६ आयेतबाहिंबिरंचिजवाहिंसुरराज
सिधाये । रघुपतिचरणसरोजप्रीतियुतमस्तकनाये ॥ जयजयद
शरथसुवनभुवनभर्त्तापितुमाता । जयतिकोशलाधीशईशबिधि
आदिबिधाता ॥ जयतिस्ववशअवतारनरहरणहेतभुवभारजू ।
कहबनादासगुणगथअकथवेदनपावहिंपारजू १७ जयतिमीन
बाराहकमठनरहरिजगस्वामी । जयबावनबलिछलनपरशुधरअ
न्तर्यामी ॥ रघुकुलकमलदिनेशजयतिजयमङ्गलकर्त्ता । उत्पति
पालनहारभारभूतलभवहर्त्ता ॥ जयतिबोधबिज्ञानघनकृष्णकंस
मर्दनकरन । कहबनादासकलकीकलापरमबिशदअशरनशरन
१८ जयतिनाभजलदाभजयतिक्षीराब्धिनिवासी । जयनायक
बैकुण्ठरमापतिघटघटबासी ॥ पुरुषोत्तमपरधामपरमउत्कृष्टस्व
रूपा । बासुदेवबरदेतचराचररूपअनूपा ॥ जयतिसच्चिदानन्द
घनपरब्रह्मपावनपरम । कहबनादासकैवल्यप्रदरक्षकनितसन्त
नशरम १९ जयजयबालबिनोदमोदकौशलाबिबर्धन । जयदश
रथआनन्दसगुणसुखपरमअतर्धन ॥ अवधनिवासीप्रेमपीनपाव
सजिमिदादुर । हरेभूमिकोभारसुखीद्विजभयेसन्तसुर ॥ जयति
जयतिसीतारमनदयाभवनदारिददवन । कहबनादासकामादि
खलशोकमोहसंशयशमन २० हरणपापपरितापमहाभवदापनि
वारण । आसत्रासईर्षादिबृहदबासनाबिदारण ॥ दम्भकपटपाख
ण्डमानममतामदगंजन । रागद्वेषबिधिअबिधिसन्तजनबिपति
बिभंजन ॥ जयतिभक्तबैराग्यप्रदज्ञानऔरबिज्ञानघन । कहबना

दासजनकल्पतरुदानिशान्तिसुखमासदन २१ जयइन्द्रीदुख दरणहरणमानसिकबिकारन । बोधबिबर्द्धनरामजननसमताबि स्तारन॥ दानिशीलसन्तोषधीरसाधुताशुराई । सहनसरलगत मानगरीब्रीकामदगाई ॥ बिपुलकल्पनाकालभयनाशकपरमसु जानहौ। कहबनादासकरुणायतनकृपाकेकृपानिधानहौ २२ कै ब्रह्माकाकियेनाथतवभक्तिभुलानी । निशिदिनरटेननामनीचम तिपुनिअभिमानी ॥ क्षमहुसकलअपराधकरौअपनीदिशिदा या। बनीनकछुतनपायडरततवदुस्तरमाया॥ बारबारपदशीश धरिचतुराननधामहिगये । कहबनादासअवसरनिरखितबमहे शआवतभये २३ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचचत्वारिंशोऽध्यायः ४५ ॥

दण्डक ॥ जयतिब्रह्मेन्द्रचन्दार्कसुरसिद्धिगणरुद्रदायकबि भवबिश्वभर्ता । जक्तकारणकरनअखिलतारणतरनपीलउद्धर णजनबिपतिहर्ता ॥ स्वर्गअपबर्गपतिबिरतिबिज्ञानप्रदमृत्युयम कालअज्ञानुबर्ती । मत्स्यनरसिंहबपुकमठकारणकठिनबृहदबल अतुलउद्धरनधर्ती ॥ शेषमरुदग्निजलराशिभययुक्तनितप्रब लबलपरशुधरक्षत्रिहन्ता । बांधिबलिव्यक्तबामनपराक्रममहा इन्द्रउपकारसुखभरनसन्ता ॥ दलितदशमौलिदशरत्थसुतबां कुरेखण्डिपाखण्डबुधज्ञानरूपा । रसिकशिरताजश्रीकृष्णकरु णाभवनदवनकलिकालकलिकीअनूपा॥ पुरुषपुराणनानाचरि तस्वबशकृतकार्य्यकारणनिरखिसर्बकालं । बनादासबिश्वेश्वर बिश्वबिग्रहबिरदबदतचहुंबेदहरजगतजालं २४ देवदासदुर्वे शनहरिबासनाबिपुलहतिआशनिर्मूलकृतअभयदाता । शोक सन्तापभवदापदलिसर्बदापापपर्बतकुलिशसदृशघाता ॥ खेदभ वनकदनहितकुशलकरुणायतनसन्तगतिसाधिचरणानुरागी । सर्बबलत्यागि रहेलागितवनाम नितभागिमतबादनिशिमोहजा

गी ॥ जननिपितुसद्दशरक्षकसकलकालप्रभुतिनहिंगतिदूसरीना स्तिकोपी । सदाआनन्दनिर्भरमगनप्रेमरसदूसरीचाहनहिंस्वप नसोपी ॥ बिमुखतवपादबर्बादलहिसुभगतनदेवनरबपुषकित कार्य्यसारे । कर्ममनबचनसर्वासपरित्यागकरिअहर्निशहृदयनाहिं हरिसंभारे ॥ बिषयरसमूढ़आरूढ़भवसर्वदाजननिपादपयुवासु ठिकुठारं । श्वानशूकरसद्दशभयेततपरसदाशिष्णुअरुउदरपर भूमिभारं ॥ धन्यपितुमातुधरणीनगरग्रामपुरजत्यत्रपदभक्तअव तरतआई । बनादासकुलअमितउद्धारकृतसद्यहीतेपिकैवल्यत नयाहिपाई २५ जयतिश्रीसच्चिदानन्दबिग्रहसगुणअगुणशृङ्गा रश्रीरामराया । सर्बअवतारशिरमौरदशरथसुवनभुवननीकाय क्षणरचितमाया ॥ सिद्धयोगीन्द्रसुरवृन्द्रसेवितचरनहरनभवभा रजननामनेकं । तीर्थव्रतयोगतपनेमआचारमखअमितकुर्वन्ति साधनमनेकं ॥ बहतश्रमपाथगुणगाथनचगानकृतसेतभवसिंधु कल्याणधामं । कामधुकत्यागिअनुरागिहितआंकपैसर्बसाधनन फलदानिनांमं ॥ सियादिशिबामरतिकामकोटिनलजितशेषशार दथकितकहतशोभा॥भालअभिषेकआसीनसिंहासनंध्यानकल्या णभाजननकोभा ॥ लसतप्रतिअङ्गभूषणमनोहरमदनगौरश्या मचितहरणजोरी । अरुणसुठिचूनरीपीतअनुपमअवशिकनक तमालजनुएकठोरी ॥ दापलंकेशदलिबिजयपावनपरमबिदितत्रै लोकसुरसंतगावैं । थकितश्रुतिशारदाशेषगणअधिपअतिनार दादिककिमपिपारपावैं ॥ तेपिअतिधन्यस्वपनेहुंकदपिकालल हिरामसियरूपनिर्बाणदाता । बनादाससर्बागफललहेजगजन्म कोवेदबिख्यातजगजनकमाता २६ देवआदिमध्यअन्तनहिंब दतश्रुतिसन्ततवसच्चिदानन्दपरब्रह्ममेकं । अजितअवछिन्ननि र्बाणनिर्द्वंद्वघनअनघअद्वैतमहिमामनेकं ॥ गूढ़गम्भीरगोतीतप रधामप्रदपुरुषपूराणचरअचरबासी । नित्यचैतन्यपरिपूर्णपाव नपरमसर्बआधारगुणसकलरासी॥ प्रकृतिपरपुर्षपरमातमापरम

पदअकलकूटस्थकैवल्यरुपा । शान्तबिज्ञानघनज्ञेयज्ञानम्पृथ
कमेकमहिमातिअद्भुतअनूपा ॥ शुद्धनिर्बंध्यअजअलखआका
शवतहरितनहिंपीतनहिंश्वेतश्यामा। युवानहिंबालनहिंवृद्धनाहिं
वृहदलघुऊंचनहिंनीचनहिंपुरुषबामा॥ दीनदुर्गतिदरनसाधुसं
शयहरनबोधसम्यककरनज्ञेयज्ञाता॥ नित्यनरमदबिरदबिदितबि
रदावलीवेदबिख्यातशुचिधेयध्याता ॥ नेरनहिंदूरिनिर्गुणनिरा
लम्बअतिबिरुजबिश्येषश्रुतिनेतिगावै। बनादाससोईअवधप
तिसुवनकरुणायतनदेहुनिजभक्तिभवहरनिभावै २७ ॥ कुण्ड
लिया ॥ बरणिशम्भुरघुपतित्रिनयहर्षिगयेनिजधाम । तबसब
सखनदेवायऊबासअवशिअभिराम ॥ बासअवशिअभिरामस
कलउरअन्तर्यामी । जाकीजसिरुचिरहीकियेसोपूरणस्वामी॥
बनादासजोगवतमनहिंभरतलषणऔराम । बरणिशम्भुरघुप
तिबिनयहार्षिगयेनिजधाम २८ प्रभुनेवछावरिपायकैयाचकभये
निहाल । दानअघानेबिप्रजनकाकोकहैहवाल ॥ काकोकहैहवा
लशूरसेनपबहुतेरे । जेरघुपतिकेसखारहेसेवकहरिकेरे ॥ बना
दासदीन्हेंसबहिंबचेवृद्धनहिंबाल। प्रभुनेवछावरिपायकैयाचक
भयेनिहाल २९ हयहाथीहथियाररथदीन्हेअगणितयान । भू
षणबसनबिचित्रसुठिकोकरिसकैबखान ॥ कोकरिसकैबखानति
यनदीन्हेपहिरावा।बूझिबूझिसुतसचिवहृदयजाकेजसभावा॥ ब
नादासनिजनिजहृदयपायेअतिशयमान। हयहाथीहथियाररथ
दीन्हेअगणितयान३०पुरबासिनकीप्रीतिलखिभायपभाइनकेर।
लङ्कापतिकपिपतिभयेदीपकभवनउजेर ॥ दीपकभवनउजेररहे
अचरजकोखाई । हुतेआपहीआपअँधेरेकोसुखपाई ॥ बनादा
सआयेअवधमिटोहृदयकोफेर । पुरबासिनकीप्रीतिलखिभायप
भाइनकेर ३१ जातनजानाहिंदिवसानिशिभूलेपरमानन्द। सुरदुर्ल
भभोजनकरैंलखिरघुपतिमुखचन्द॥ लखिरघुपतिमुखचन्दति
यासतभवनभुलाने। गयेमासषटबीतिपरेकाहुहिनहिंजाने ॥ ब

नादासऐसेप्रभुहिभजहिंनतेमतिमन्द । जातनजानहिंदिवसनि
शिभूलेपरमानन्द ३२ प्रभुरुखअवलोकतरहैंपलसेदिवससिरा
त । रामसगाईछोंड़िकैकहांमातुपितुभ्रात ॥ कहांमातुपितुभ्रा
तसकलमायाकोजाला । कोऊनआवैकामगहेजोंनेदिनकाला ॥
बनादासतबहींलखेउरबासीहियबात । प्रभुरुखअवलोकतरहैं
पलसेदिवससिरात ३३ भूषणबसनबिचित्रतबमँगवायेरघुबीर।
लङ्कापतिकपिराजहैंजामवन्तमतिधीर ॥ जामवन्तमतिधीरनी
लनलआदिकबीरा । भरतलषणरिपुदवनहुकुमदियेसुवनसमी
रा ॥ पहिरावतसबकोभयेभरेबिलोचननीर । भूषणबसनबिचि
त्रतबमँगवायेरघुबीर ३४ भर्योकुम्भजनुप्रेमजलअङ्गदद‍शानि
हारि । कछुनकहीरघुबंशमणिराखेमनहिंसँभारि ॥ राखेमनहिंसँ
भारिकहेप्रभुतबसबपाहीं । जोसुमिरैंनितमोहिंबिलगतिनतेमैंना
हीं ॥ तातेदृढ़भक्तीकिह्योअतिशयहृदयहमारि । भर्योकुम्भजनु
प्रेमजलअङ्गदद‍शानिहारि ३५ बिदाभयेतबसबकोऊरामचरण
शिरनाय । पुनिअङ्गदबोलतभयोयुतसनेहबिलखाय ॥ युतसने
हबिलखायबालिसौंपेगहिबाहीं । मोकहँमरतीबारठौरतातेकहुं
नाहीं ॥ बनादासघरजानहितमोहिंनकहौरघुराय । बिदाभयेतब
सबकोऊरामचरणशिरनाय ३६ बालकबुद्धिअयानअतिराखौ
शरणसुजान । दीनजानिजनित्यागिय़ेकरुणाकरभगवान ॥ क
रुणाकरभगवाननीचकारजगृहकरिहौं । चरणकमलअवलोकि
घोरभवसागरतरिहौं ॥ बनादासकोमलअवशिभेप्रभुकुलिशस
मान । बालकबुद्धिअयानअतिराखौशरणसुजान ३७ निजतनम
णिभूषणबसनपहिरायेप्रभुहाथ । बहुप्रकारसमुझायकैबिदाकिये
रघुनाथ ॥ बिदाकियेरघुनाथभरेजलपङ्कजनैना । सजलमयनसु
तबालिसमयउपमाकहुँहैना ॥ बन्दिचरणअङ्गदचल्योहृदयरा
खिगुणगाथ । निजतनमणिभूषणबसनपहिरायेप्रभुहाथ ३८ भ
रतलषणरिपुदवनजूपवनतनययुतजाय । बिदाकियेसबकपिन

कोहनोमानबिलखाय ॥ हनोमानबिलखायबचनकपिपतिसों भाषा। प्रीतिसहितकरजोरिरहीउरकीअभिलाषा॥ बनादासक छुकालमेंदेखिहौंपुनिप्रभुपाय। भरतलषणरिपुदवनजूपवनतन ययुतजाय ३९ सुकृतसींवहनुमानतुमसेवहुप्रभुपदजाय। साध नतेसिद्धीमिलैसाधनअवशिनशाय॥ साधनअवशिनशायहृद यसंकोचबिहाई। अतिप्रसन्नतामोरिरहौरघुपतिलवलाई॥ ब नादाससबकोउचलेहियेप्रेमसरसायं। सुकृतसींवहनुमानतुमसे वहुप्रभुपदजाय ४० राममिलनिबोलनिचलनिचितवनिलियचि तचोरि। कर्मपींजराखगयथानहिंकछुकाहुहिखोरि॥ नहिंकछुका हुहिखोरिजीवपरबशसबकाला। आयेसबैपठायजहांरघुबीरकृपा ला। बनादाससबकीदशाकहहनुमानबहोरि। राममिलनिबोल निचलनिचितवनिलियचितचोरि ४१ प्रेमबिबशरघुपतिभयेसु नतसखाअनुराग। जाहिसगाईरामसेताकीपूरणभाग ॥ ताकी पूरणभागभयेरघुपतिसमबन्धी। कोअवलोकनहारअहैकाकीम तिअन्धी॥ कालकर्मगुणसबबिघनतबशिरपीटनलाग। प्रेमवि बशरघुपतिभयेसुनतसखाअनुराग ४२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिपिनखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामषष्ठचत्वारिंशोऽध्यायः ४६॥

कुण्डलिया छन्द ॥ लीन्हेबोलिनिषादपुनिदीन्हेबसनप्रसा द। बिदाकियेरघुपतितबैभोअतिहृदयअवाद। भोअतिहृदयअ वादभरतलक्ष्मणज्योंभ्राता। त्योंतुममेरेतातरहेउपुरआवतजा ता॥ बनादासप्रभुकृपाहगमेटेकोटिबिषाद। लीन्हेबोलिनिषाद पुनिदीन्हेबसनप्रसाद ४३ फिरीदोहाईविश्वमेंभयेभूपरघुनाथ। तापरसुठिशोभाभईकाटेरावणमाथ॥ काटेरावणमाथकियेसुर साधुसुखारी। गोद्विजअवशिअनन्दभूमिकोभारउतारी॥ बना दासतिहुँपुरभयोसकलौअङ्गसनाथ। फिरीदोहाईबिश्वमेंभयेभूप रघुनाथ४४पुरजनप्रजाअनन्दअतिअवधपुरीसुखखानि। लखि

लखिशीलस्वभावप्रभुसबहिप्रीतिसरसानि ॥ सबहिप्रीतिसरसा
निप्रानधनजीवनरामा॥नहींअनतअस्नेहमगनहरिपूरणकामा ॥
बनादाससमुझैबनैदुखसबअङ्गहेरानि । पुरजनप्रजाअनन्दअ
तिअवधपुरीसुखखानि ४५ सियापियाअनुकूलअतिकोकहिपा
वैपार । प्रीतिपररुपरदोउदिशासकलौगुणआगार ॥ सकलौगु
णआगाररामसेवाबशकीन्ही । नाहनेहनितबढ्दिरहतिप्रभुमान
सलीन्ही ॥ सेवतसासुनसबैअँगदेवरकृपाअगार । सियापिया
अनुकूलअतिकोकहिपावैपार ४६ मातुमहाआनन्दमननिशिदि
नजातनजान । सुतसनेहतेतृप्तनहिंनीरधानज्योंपान ॥ नीरधान
ज्योंपानसदाबिधुबदनबिलोकत । रघुपतिभाइनसहितनजरिज
ननिनअवलोकत ॥ बनादाससुकृतअवधकोकरिसकैबखान ।
मातुमहाआनन्दमननिशिदिनजातनजान ४७ भरतनदेखेनज
रिभरिकबहुँकेकईमात । नहिंमुखभरिबोलेबचनछूटिगयोजननुना
त ॥ छूटिगयोजननुनातरामनितहीरुचिपाली । जातेस्वपनेहुँमा
हिंसुरतिजनिकरैकुचाली ॥ जोकीन्हेरघुपतिअहितसोअनलहु
तेतात । भरतनदेखेनजरिभरिकबहुँकेकईमात ४८ अवलोक
हिंरघुपतिनजरितिहूँबन्धुदिनरैन । जातेफरमावैंकछूपावैंउरअ
तिचैन ॥ पावैंउरअतिचैनरामभाइनरुचिपालैं । ऐसोकविजग
कौनलहैपटतरजोकृपालैं ॥ बनादासरक्षाकरैंज्योंपलकैंदोउनैन ।
अवलोकहिंरघुपतिनजरितिहूँबन्धुदिनरैन ४९ कीन्हेप्रभुगुरु
भक्तिबशतेजलतेज्योंमीन । सचिवसखासेवकसुभटरामस्वबश
सबकीन ॥ रामस्वबशसबकीनगयेबिनदामबिकाइ । सबकेसर्ब
सनाथभूलिकंहुँचित्तनलाई ॥ बनादासप्रभुसेयकोद्वारदूसरेदीन ।
कीन्हेप्रभुगुरुभक्तिबशतेजलतेज्योंमीन ५० बरणाश्रमनिजनि
जधरमपालकमनबचकाय ॥ काहुहिस्वपनेहुंभूलिकैअधरमन
हींसोहाय । अधरमनहींसोहायएकपत्नीव्रतलोगा ॥ सकलना
रिपतिव्रताभूलिनिजभावनभोगा । बनादासपितुभक्तिसुतजग

नदीखअन्याय ॥ बरणाश्रमनिजनिजधरमपालकमनबचकाय
५१ चलिसुधरमसबकोउसुखीनहिंभयरोगनशोक। नहिंदरिद्र
अज्ञानबशआनँदमयतिहुंलोक ॥ आनँदमयतिहुंलोकभूपरघु
बीरबिराजा। प्रजापालरतनीतिकौनकरिसकैअकाजा ॥ बना
दासनरनारिसुरसंतदिवसज्योंकोक। चलिसुधरमसबकोउसुखी
नहिंभयरोगनशोक५२ करैंपरस्परप्रीतिसबबिषमाईबिसराय।स
र्बजीवनिर्बैरजगभेदनहींदरशाय॥भेदनहींदरशायदेहिंबारिदज
लमांगे। मनभावतपयधेनुमोहनिशियोगीजागे ॥ बिरतिज्ञान
बिज्ञानदृढ़भक्तिहृदयसरसाय। करहिंपररुपरप्रीतिसबबिषमाई
बिसराय ५३ प्रगटीमणिगिरिआकरनसरितनजलगम्भीर।
स्वादसुहावनत्रिबिधबहनितहीसुखदसमीर ॥ नितहीसुखदस
मीरधीरक्षत्रीरणशूरा। कोकबिबरणैंयोग्यकृपाते ब्राह्मणपूरा ॥
कुसुमितफलितसुपल्लवितबिटपराजरघुबीर। प्रगटीमणिगिरि
आकरनसरितनजलगम्भीर ५४ रघुपतिशीलस्वभावगुणशार
दलहैंनपार। गणनायकअतिहीथाकितजाकेबदनहजार॥ जाके
बदनहजारसुयशनिशिबासरगाये। चारिबेदकहनेतिअमितक
बिकोबिदध्याये ॥ बनादासमुनिसिद्धिसुरबरणैंबारम्बार।रघुप
तिशीलस्वभावगुणशारदलहैंनपार ५५ कहतकहतसबकोउथ
कादेखिपरतमँझधार।कहाकरतहौंवाकरतातिहूंकालब्यवहार॥
तिहूँकालब्यवहाररामकोसहजस्वरूपा।मनबुधिबाणीपारअग
महैंअतिहिअनूपा॥बनादासअवकातिकोअतिमतिमंदगवांर।
कहतकहतसबकोउथकादेखिपरतमँझधार ५६ ॥ छप्पै॥ मान
प्रतिष्ठाभयोजासुअतिशयजगमाहीं। देखनकेगजदशनताहिमें
संशयनाहीं ॥ आसबासनात्यागिरहैनामाहिंलवलाई। तेकंचन
केदांतदेहममताबिसराई॥निर्जनमेंरुचिसर्बदाएकरामसेकामहैं।
कहबनादासभूलेभरमभलेबिधाताबामहैं५७॥सवैया॥ब्याधसों
बातकुरंगकहैमोहिंमारिकैखालपैबीणबजावै।मीनबिछोहभयोज

लसेतनत्यागतनेकहूबारनलावै ॥ चन्द्रसोंडीठिचकोरनटारतचा
तकस्वातिसोंनेहलगावै। दासबनाजनरामकोछैदिशिश्रौरबिलो
केकहाबनिश्रावै ५८ कंजप्रफुल्लितदेखिउदैरबिबारिदतेनमजो
रश्रघावै । नाहसनेहसतीतनत्यागतयुद्धमेंशूरकटेसुखपावै॥ सू
महिदामहैप्राणहुतेप्रियक्योंबिषयीतियतेलवलावै । दासबनाज
नरामकोछैदिशिश्रौरबिलोकेकहाबनिश्रावै ५९ ॥ कुण्डलिया॥
मांगेप्रथमहिंग्रंथमें दोऊरूपकोलाह । सुनवाईश्रतिशयकियेसो
मुखकहियेकाह ॥ सोमुखकहियेकाहमोहिंगहिबाहउबारे । सक
लश्रंगसेहीनकीननिजश्रोरकृपारे ॥ श्रबकछुइच्छानारहीबनादा
सगैदाह । मांगेप्रथमहिंग्रंथमेंदोऊरूपकोलाह ६० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविपिनखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामसप्तचत्वारिंशोऽध्यायः ४७ ॥

उभयप्रबोधक रामायण

विहारखण्ड पञ्चम ॥

कबित्त घनाक्षरी ॥ बाकीनबिलोकिपरैपापकाहूजीवनकेदफ दरदेखियमराजभोबेहालहै । जरोजातकालजालढरोजातदेवबि घ्नकाहूभांतिकलिकीनचलतकुचालहै ॥ कहतगोपित्रचित्रकरै अबकौनकामखालीपरेनर्ककुण्डअतिबिकरालहै । बनादासफा रिदेफरदरोजनामाकरनामकोप्रतापभोप्रगटकलिकालहै १ कौ नऐसोनरतनधोख्योंनकहतराम ताकोदिनरातिअघसहजजरतु है। नामिनकोसङ्गदर्शपर्शभयोजाहिदिनताहिदिनपापकौनलेखा मेंकरतुहै ॥ रामनामऐसोशब्दश्रवणपरतुजाहिताहिक्षणअनु पमसुकृतभरतुहै । बनादासअमीऔगरलसद्यफलदेतजानैन प्रभावखायअमरमरतु है २ अवधअनूपधामपादपकलपछा याातासुतररतनासिंहासनसोहायेजू । बामदक्षभरतलषणरिपु सूदनहैंतासुमध्यरघुनाथअतिछबिछायेजू ॥ अग्रभागहनुमा नज्ञानगुणमहाधामसबैबिधिपूरकामरामहियभायेजू । बनादा सराजसीसमाजहैसमूहअतिहारेमेघवानमदपारकौनपायेजू ३ नानामणिजटितमुकुट हेमशीशसोहैभानुसे प्रकाशकाकपक्षछबि न्यारीहै । मेचककुञ्चितनागछौनाज्योंलटकिरहेलपटिलपटिला गैजोहेअतिप्यारी है ॥ कैधौंअलिअवलिनउपमाअनूठोमिलै झूठोकियेकबिजनजानौछबिक्यारी है । बनादासकुण्डलकनक लोलराजैंओणमीनछटाछांटिडारेजानैजासुयारी है ४ बङ्कभ्रुव कञ्जनैनमुखछबिऐनमानोंसैनाकियेजाहिदिशिस्वादतिनपाये हैं। तिलकबिशालभालतड़ितकिद्युतिनिंदे अल्पउभैरेखजनुअचल सुभाये हैं ॥ अधरदशनअतिअरुणअनोखीआशैबिम्बाफल

दाड़िमनपटतरश्रायेहैं। गोलेहैंकपोलमनमोललेताबिनाबितब नादासनासाशुकतुण्डहिलजायेहैं ५ चन्दमुखमन्दमन्दहँसतह रतमनहरदमटरतनहींसेश्रातिनीकेहैं।चोखीहैचिबुकचितचोरिले तबारबारबनादासद्युतिमरकतमणिफीकेहैं॥ कम्बुग्रीवशोभासी वलागतिश्रतीवप्रियहरिकन्धजोहेजिनरहेंनितिठीकेहैं।उभैभुज भारीकरकङ्कणकेयूरयुतकरज्ञललितधनुबाणश्रतिठीकेहैं ६ उ रसुठिव्रहदप्रसूनमुक्तमालभ्राजैंतुलसीसुदलयुतयज्ञपीतभलीहै भृगुचर्णरमारेख त्रिबलीबिशेषछबिनाभिहैगँभीरजनुलाखौंमन छलीहै॥ सिंहकटितूणपटपीतहैकनकक्रांतितड़ितबिनिंदितसुर तिसुठिसलीहै। बनादासजामालालललितलगायेकोरबोरछोर जोहेजायजाकीमतिहलीहै ७ जानुयुगकामभाथकेरातरु तुच्छ लागैजागैजीवसोवतरोमावलीजेजोहेहैं। कोटिनमदनकोकदन रूपश्रङ्गश्रङ्गभूपबर्षाकोऐसोकौनदेखिमोहेहैं॥ गुल्फछबिगूढ़है श्ररूढ़पैनिकायमुनिकमलचरणमाहिंचितजिनपोहेहैं। बनादा समनहेमतङ्गजोरजङ्गश्रतिपङ्गहोततबैश्रङ्गश्रङ्गलेतकोहेहैं ८ हे रेसोंहेरायजायश्रौरकछूनासोहाय मच्छऊलगततुच्छश्रौरकाहि मानेहैं। तमगुणशम्भुरजगुणमेंबिरञ्चिरमेश्रीपतिश्रतीवसतगु णमाहिंसानेहैं॥ देवश्रपस्वारथीजरतपरभलादेखिबासवबिशे षिकरबिषयबिकानेहैं। बनादासरामभूपरूपजासुदृष्टिश्रायोताहि नसरिष्टकछुजोहेतिनजानेहैं ९ तनमनधनप्राणवारिवारिक्षणक्षण होतनेवछावरिनतद्यपिश्रघातहै। तीरथबरततपजपयज्ञजानैंना हिंनेमश्रौश्रचारपूजापाठबिललातहै॥ योगश्राठश्रङ्गकोसोरोग समदेखिपरैदानकोप्रमाणतुच्छकछुनसोहातहै। बनादासदशाकौ नकहैरूपलाभभयेदेशकालकहाकहानिशिदिनजातहै १० कन कभवनसियारमणबिहारथलरचनानकहैयोगगिरामूकलईहै। स खीसीयसङ्गमेंशिंगारशुभश्रङ्गश्रङ्गशचीरतिमानभङ्गमानोक्ररिद ईहै॥ तहांपैसिंहासनप्रकासनबरणिजातनिरखिलजातभानुहेम

मणिमईहै । जोड़ीश्यामगवरबिराजमानताहिपरबनादासनख
शिखशोभासरसईहै ११ मानहुंतमालतरुनिकटकनकबेलिल
ईहैसकेलिछबिचौदहभुवनकी । जालकीसुअङ्गपैअनेकरतिभ
ङ्गहोतकोटिनअनङ्गब्याजुनृपतिसुवनकी ॥ बनादासऐसेध्यान
सदाजेपरायणहैंताहिमुक्तिआशनहिंरहत्रिभुवनकी । मनक्रमब
चननिशोचभयेसोईजनजाकोहैभरोसएकदारिददुवनकी १२
रेखता ॥ मुकुटशिरहेमकाभ्राजैमनोद्युतिभानुलाजेहैं । छटाजुल
फौंकिअतिनोखीनिरखित्रैतापभाजेहैं ॥ लसैघुंघुंवारिलटलोनी
निरखिचितचोरिजातेहैं । लटकउरजाहिकेआवैनहींफिरिकछुसो
हातेहैं ॥ श्रवनमेंराजतेमोतीअनोखीपैनिप्यारीहै । जिगरकेजु
ल्मकोकाटैछटाअतिहीनियारीहै॥ बङ्कभ्रुवनैनरतनारेसुभगअव
लोक्यभाईहै । तिलकशुचिभालमेंभ्राजीमनहुंचितकोचोराईहै॥
अधरअरुणारशुभनासादशनकीक्रांतिनीकीहै । हँसनिमृदुभा
वतीहीकोछटादाड़िमकिफीकीहै ॥ चन्द्रमुखश्यामकेजोहेलगेत्र
यलोकहल्काहै । निरखिमनतोषनहिंपावैनहींतहमूलपल्काहै॥
चिबुकचितचोरिअतिलेवैगरेत्रयरेखप्यारेहैं । कन्धकेहरिकेसु
ठिलाजैबृषभसेभूरिभारेहैं ॥ गरेगजरागरूरेहैंबिपुलमणिकेनमो
हैको । उभैभुजकामकरिकरसेतिन्हैंमूरखनजोहैको ॥ बनाइस
ध्यानमेंरमतातिन्हैंहरिसेजुदाईक्या । जोआशिकपाकहैंदिलके
उन्हैंजगमेंबड़ाईक्या १३ कमरकेहरिसेअतिचोखीसुमनकरमा
ललीन्हेहैं । छटापटपीतकीन्यारीकोऊजनचित्तदीन्हेहै ॥ जबैयु
गजानुकोपेखैकहांकैवल्यबासाहै । कमलपदकोनजोहेजेतिन्हैंय
मलोकत्रासाहै ॥ दिशाबायेंपैसियराजैंसबैउपमाटटोरीहै । नपट
तरताहिंलेदीन्हीअधिकनृपकीकिशोरीहै ॥ बनाकुर्बानचरणोंपै
कहनिऔरहनिजबहोवै । बचनकेज्ञानकीझलकीपलटिताहीकि
पतिखोवै १४ ॥ छप्पै ॥ जन्मभूमिअतिबिशदमहातमकोकबि
गावै । रामलीनअवतारजहांपटतरकहपावै ॥ शारदनारदबदै

चारिश्रुतिअतिहियहारे। शेशगणेशमहेशमहतुकोसदहिंपुकारे तिहुंपुरमेंपटतरनहींसुरनरमुनिबन्दतसकल । कहबनादासमन बचनक्रमभयोअवधतेमोरभल १५ ॥ घनाक्षरी ॥ शत्रुजेबि दितनामगजरघुनाथजूकोअङ्गअङ्गसाजिसकैकबिकोगनाईजू । श्वेतदंततीक्षणउतङ्गहैंबिशालअति महाबलजाहिदिशिकुञ्जरल जाईजू ॥ माथेसोनपत्रहौदाहेमकेहरतमननानामणिजटितअनू पहैनिकाईजू । बनादासबाणीबुद्धिथहरातमेरीअतिहेरतहजारों ओरउपमानपाईजू १६ कज्जलतेकारेश्वेतदीरघदतारेबहैंमदके पनारेभूमिशुण्डफटकारेहैं । हौदाहेमवारेजनुकामकेसवांरेभूल भालरिउदारेअङ्गअङ्गमतवारेहैं ॥ घण्टाघहरातअररातआस मानशब्दगाजतमतङ्गमानौंप्रलैमेघभारे हैं । बनादासदाबतदि माककछूपन्नगको जबहींगजबैठतदशरत्थकेदुलारेहैं १७ वारेऐ रावतअनेकएकएकनपैदिशागजलज्जितनपटतरकोउपारेहैं। कं सेश्वेतरस्सेघंटामध्यहंसपांतिमानौं रबिरथलपेटोचहैंधराधसकि डारे हैं ॥ बनादासहलकाहजारनगनावैकौनछायरहीवाणीमुख चौंधीचखमारे हैं। भूपद्दीपद्दीपनकेइन्द्रद्दीपद्दीपजैसेऐसेगजराजं तदशरत्थभूपवारेहैं १८ श्यामश्वेतभूरेजनुधतूरेमनअमितखा येआसमानमेंअमारीन्यारीछबिनिकेतहैं । छुहेपञ्चरङ्गअतिउम ङ्गतनमौजजोहैसोहैगजगरूरदेवचित्तचोरिलेतहैं ॥ बनादासप ङ्कसेपुहुमिहालैबारबारकच्छकोलशेशहूसशंकिकैसचेतहैं । शो भाअङ्गअङ्गपैअनङ्गकोटिभंगहोतहौदाहेममध्यरामकेसेछबिदेत हैं १९ कैधौंघटासावनकोघमण्डकियेआवतुहैजरकसीजवाहि रजड़िततड़ितसीउदोतहै । मेघनादकरतअवादगजबारबारकै धौंआंधीकज्जलकीदेखियेनिसोतहै ॥ कैधौंगिरिसमूहश्यामवर्ण सेसपक्षधायोसुरसरीलसतमध्यकैसीछबिहोतहै । बनादासयेहैं हाथीहलकारघुनाथजूकेमूकेमतिफणीन्द्रगंणनाथहूकोवोतहै २० महामहामत्तदन्तसजेकोटिकोटिभांतिनखशिखशोभाजनुसाजेम

नमत्थके। मोतीमणिमाणिकजड़ाऊज्योतिजगमगैभगैमेघवान मदकहैगुणगत्थके ॥ बनादासदशनअनूपमनमोललेतसोहत सवारसखासुतदशरत्थके। उपमाअनूपकबिकोबिदथकितमति जैसेपीलखानेपीलरामसमरत्थके २१ एकएकगजसंगअमित तुरंगराजैंनखशिखभूषणबनायेमानौंकामके। उच्चैश्रवालज्जित सुभगश्यामकर्णबरबैठेसरदारबांकेकहैंरूपनामके॥ पदचरपारन अपारमहारथीसंगपीनसऔतामदानयानहैंअरामके। बनादास क्षीणमतिस्वलपसवारीकहेसरयूसमीपलखैंकोऊसमैशामके २२ कामकोटिसुन्दरपुरंदरसोकोटिबलनखशिख छबिमनहरनहैंराम जू। जाकोनामकामतरुकामधेनुकोटिगुणसुनासाधुलोगनसोभ जैबसुयामजू ॥ तातेजोबिमुखमुखदेखेमहापापचढ़ैत्यागियेसमा नरिपुताहिबिधिबामजू । बनादाससोईहैबिमुखताबिचारिपखो प्रभुहिसुमिरसिद्धिचाहैऔरकामजू २३ ॥ छप्पै ॥ रामोचिदघ नमईमूर्तिसुठिब्रह्महदअकाशा। आदिअन्तनहिंमध्यएकरसपरम प्रकाशा ॥ अमनअप्राणअबुद्धिअहंचितजेहिनअकामा । अ लखअयोनीअगमदूरितातेअतिश्यामा ॥ इन्द्रीथूलनसूक्ष्महै कारणतेसहजेरहित। कहबनादासनिर्गुणनितैंपुनिअगणितगुण केसहित २४ अरबिंदाक्षअनूपबङ्कभ्रुवहिभुजवृहदउर। शरकरा लकोदण्डधरेनृपतनकारणसुर॥ शशिआननहरिकन्धमुकुटशिर कम्बुग्रीवा। भालतिलकसुबिशालमनहुंत्रिभुवनछबिसीवा॥का कपक्षकुञ्चितकलितउरमुक्तामणिमालहै । कहबनादासकुण्डल श्रवणशोभापरमबिशालहै २५ कीरतुण्डनासिकाअरुणद्विजअ धरअनूपा। मन्दमन्दमुसकातकपोलनपरतेकूपा ॥ करकङ्कण केयूरमुद्रिकाकरजनिकाये। रमारेखभृगुचिह्नयज्ञउपवीतसोहाये॥ नीलकञ्जमरकतलजितयमुनाजलल घुश्यामघन। कहबनादास तनमनहरणहारहिंशारदसहसफन २६ त्रिवलीनाभि गँभीर सहजहींचितहिचोरावत । सिंहयुवाकटितूणपीतचपलासीभाव

त ॥ कामभाथयुगजानुजरीजूतीपगराजै । जेहिआश्रितबिधिइ न्द्रसकलसुरमनसिजलाजै ॥ अङ्गअंगपरकोटिशततदपिनहींप टतरलहै । कहबनादासअतिथोरिमतिसोस्वरूपकैसेकहै २७ भ रतलषणरिपुदवनपवनसुतअगणितबीरा । खड़ेसुभगसरितीर बिलोकतपावननीरा ॥ सुरसबचढ़ेबिमानगगनअवलोकहिंशो भा । जहंतहंपुरनरनारिनिरखिआनन्दनकोभा ॥ रूपसिंधुचहुब न्धुमेंअतिहीमनजाकोलगो । कहबनादाससुकृतअमितसहज मोहनिशिमेंजगो २८ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखण्डे भवदापत्रैतापबिभंजनोनामप्रथमोऽध्यायः १ ॥

छप्पै ॥ एकबाररघुबीरबैठनिजसभामझारा । गहवरमनत नपुलकनैनआईजलधारा ॥ कारणपरयोनजानिरह्योसबकोऊ निहारी । जोरेतबकरभरतहेतप्रभुकहीबिचारी ॥ तबहिंकहेबहु कालगतखोजविभीषणनाहिंमिल्यो । कहबनादासअबयहिसम यचाहतचितलङ्कहिचल्यो २९ भरतकहेप्रभुसङ्गचलेंहमअब कीबारा । आयोपुहुपकयानजबैउरसुरतिसम्हारा ॥ गनेलोग सँगलियेभरतआदिकहनुमाना । राखिलषणरिपुदमनसद्यही कीन्हपयाना ॥ शृङ्गबेरपुरकोचलेपहुँचतलागीबारनाहिं । कहब नादाससुनतहिगुहाधायोप्रातिनजातिकहि ३० परयोलकुटसम भूमिकमलपदबन्दनकीना । बूझीकुशलकृपालुकहेप्रभुचरणअ धीना ॥ आजुकुशलकुलसहितजानिजनदर्शनदीन्हे । परितोषे रघुबीरभरतपदबन्दनकीन्हे ॥ बहुरिमिल्योहनुमानप्रतियथायो गबन्देसबै । कहंबनादासरघुवंशमणिकरिसुरसरिमज्जनसबै३१ सहितभरतहनुमानमोदपायेबहुभांती । दियेद्विजनप्रभुदानकन कमणिअगणितजाती ॥ धायेसबपुरलोगसुनतरघुनन्दनआ ये । पारसलूटनहेतमनहुँबहुरङ्कसिधाये ॥ करतदण्डवतिबिबि धविधभावहृदयजाकेयथा । कहबनादासप्रभुप्रेमबशरुचिसब

कीराखीयथा ३२ चितवतमनहुँचकोरचन्दमुखपलकनलावै ।
देखिदेखिदोउबन्धुदशातनकीबिसरावै ॥ तेहिदिनकीननिवास
सखाहितरामकृपाला । सुरमुनिसबैसिहातभागियाकीकसिभा
ला॥ यथायोगसेवाकियेप्रातहिनित्यानिबाहिकै । कहबनादास
केवटसहितचलेप्रागचितलायकै ३३ देखिसितासितनीरभरत
रघुबीरअनन्दे । करिमज्जनयुतसखापवनसुतमुनिगणबन्दे ॥
प्रागनिवासीद्विजनदियेप्रभुदानसोहाये । मणिमाणिकअरुबस
नकनककहिपारकोपाये ॥ भरद्वाजकेआश्रमहिंगमनकीन्हरघु
पतितबै । कहबनादासपरणामकियेमुनिअशीषदीन्हेसबै ३४
भरद्वाजआनन्दकहैकबिकवनीभांती । मनमाणिकजनुलहेपपी
हानीरसेवाती ॥ अहोभागिमुनिराजकमलपददर्शनपाये । संत
समागमतबैफलैजबसुकृतसोहाये ॥ कहेरामनिजउरकथापुनि
पुनिमुनिपुलकितभये । कहबनादासरघुवंशमणिकोतुमबिनज
नसुधिलये ३५ कीन्हेअतिबड़काजरहीउरलाखनआसा । पु
निदेखबरघुनाथरहेसुठिप्रेमपियासा ॥ उरबासीबिनआनअवर
कोहियकीजानै । रामहिंप्रेमपियारपुराणौबेदबखानै ॥ एकविभीष
णआड़तेपालेरुचिमनअनगनी । कहबनादाससुनिसबकहैध
न्यधन्यकौशलधनी ३६ आयेसुनिरघुनाथप्रागबासीउठिदौरे ।
लालचदर्शनरूपप्रेमबशमानहुँबौरे ॥ देखिदेखिदोउबन्धुतृपि
तमानतनाहिंकोई । मनहुँरङ्कनिधिराशिलहेतेतोषनहोई ॥ अ
तिसुकृतकेसीवजनुताते सुठिअभिमतलहे । कहबनादासपटत
रकहारामरूपसूरतिनहे ३७ रघुपतिसागरशीलसमयसमरुचि
कोपालत । लैलैलोचनलाभबातएकहूनचालत ॥ तबमुनिपद
शिरनायगमनरघुनन्दनकीन्हा । प्रेममगनसबलोगऋषयबर
आशिषदीन्हा ॥ अवलोकतसबकोउखड़ेतबबिमाननभपथच
ल्यो । कहबनादासबिछुरनब्यथामानहुँउरअतिहीदल्यो ३८
मगबासीसबलखैंयाननभमारगजाता । सिंहासनरघुनाथकाम

अगणितछबिगाता ॥ कहहिंपरस्परबातसखीसोइरामबटोही । जोतापसबरवेषबन्धुतियसँगमेंसोही ॥ तबसेलखेनआजुतक हियेहहरअतिशैरही । कहबनादासजोगौलगोतबोंगगनभूतल नहीं ३९ अवलोकहिंसबखड़ेजहांलगिलखहिकेमाना । नेकन फेरहिंनैनचकोरीचन्दसमाना ॥ ग्रामग्रामयहदशारामअन्तर गतिजाने । तबहींचल्योबिमानमनोमहितलनियराने ॥ फैली बनमगबतकही जातचलेसुखधामहैं । कहबनादासस्नेहबश धावततजितजिधामहैं ४० बालमीकिपहँआइचरणबन्देधरि शीशा । महामोदमुनिरायबन्धुयुतदीन्हअशीशा ॥ केवटअ रुहनुमानमुनीशहिकीन्हप्रणामा । औरौसुभटअनेकलहेआ शिषअभिरामा ॥ अहोभाग्यमुनिराजममतवदर्शनभवरुजदर न । कहबनादासतबतिनकहेकसनकहहुअशरणशरन ४१ लङ्क हेतकृतगमनतवनजानहुमुनिनाथा । असकहिशीशनवायचले अगणितगुणगाथा ॥ चित्रकूटप्रभुआयसुनेसबकोलकिराता । धायेकाजबिसारिहरषनहिंहृदयसमाता ॥ कन्दमूलदोननलिये नानाफलनामाहिंकहे । कहबनादासआनन्दअतिजनुबांछितस्व निजलहे ४२ परितोषेरघुनाथअमितआनन्दअघाये । आये जहंमुनिअत्रिबन्धुयुतपदशिरनाये ॥ धायलीनउरलायपरमप्रि यआशिषदीन्हा । रघुपतिदर्शनपायभागिबड़िआपनिचीन्हा ॥ कहिप्रसङ्गबेगहिचलेदेहदहीशरभङ्गयह । कहबनादासआयेतहां बधबिरोधकहेभरतपह ४३ जहँअगस्त्यमुनिबसततहांकौशल पतिआये । काननसुठिरमणीकसघनअतिहीक्षितिछाये ॥ नानाब ल्लीलताफलेफूलेतहंसोहैं । कहैनामतरुख्यातिजगतऐसोकबि कोहै ॥ नानाखगकूजतसुभगश्रवणसुखदजेमनहरन । कहबना दासगतबयरसबसकलसुखीकाहुहिडरन ४४ करिकेहरिद्विकव्या घ्रमृगाकपिऋक्षबराहा । खगहामहिषशृगालशशाकोनामसरा हा ॥ बिगतबैरबनचरहिंपियैंघाटैइकनीरा । अवलोकतनहिंर

हतमहाधीरनकीधीरा॥ मुनिमहिमाअवलोकिप्रभुहरषितभेअ
तिशैहिये॥ कहबनादासआश्रमबिषेरामहरषिगमनहिंकिये ४५
कहुंबिरंचिअस्थानकतहुंशिवआसनदेखा। कतहूंअस्थलइंद्र
बिविधरचनाप्रभुपेखा॥ कहुंगोबरकहुंसमधि कतहुंतृणकोअ
म्बारा। कतहुंमूलफलधराकतहुंसाकल्यअपारा॥ हवनकुंडक
तहूंबनोअग्निकतहुंबहुप्रज्वलित। बाघम्बरमृगचर्मकहुंरचना
अतिदेखाललित ४६ परमरम्यअस्थान बिपुलरम्भातरुला
ये। फूलेनानासुमनबृक्षतुलसीछबिछाये॥ कतहुंदूधघनकतहुं
कतहुंभाजनजलदेखा। जहंतहंमुनिबरनिकरध्यानपूजापरपेखा॥
रचीसुभगबरबेदिकाकबहूंमुनिआशनकरत॥ कहबनादासब
टपाकरीअरुपीपरतरुचितहरत ४७ जानाप्रभुआगमनसुती
क्षणप्रथमहिंधायो। सजलनयनतनपुलकबेगिमुखबोलिनआ
यो॥ भेटेमुनिहिंकृपालजानिउरप्रीतिबिशेषी। नेहनिबाहनहा
रकाहिरघुपतिसमपेषी॥ भरतसहितमुनिनिकटगेचरणकमल
बन्दनकिये। कहबनादासआशीषदे मुनिहुंरामलाबेहिये ४८
बोलेरघुकुलतिलकआजुदर्शनबड़पाये। संतसमागममिलैउ
दयजबसुकृतसोहाये॥तबकुम्भजहंसिकहेरामयहशीलतुम्हारा।
जननबड़ाईदेततुमहिंकोजाननहारा॥ नेतिनेतिनिगमहुकहत
शिवचतुराननअगमगति। कहबनादासकोकहिसकै शेशगणे
शहुथकितमति ४९ आदिअंतमधिहीनअचलआखंडस्वरू
पा। व्यापकबिश्वस्वरूपाबिरुजनिरुपाधिअनूपा॥ अद्वैएकअ
नीहअयोनीअजैअनामै। गुणातीतगुणगूढ़ज्ञानघनअतिकरु
णामै॥ परब्रह्मआनन्दनितिसतचिद्परिपूरणसदा। कहबना
दासकैवल्यशुचि परमधामचहुंश्रुतिबदा ५० बासदेवबरदेश
बिगतबागीशअदृष्टा। अकलकलानिधिकुशलसकलसृष्टहुकर
सृष्टा॥ मनवाणीबुधिभिन्ननिराश्रयसबउरबासी। प्रेरकपरम
प्रकाशद्वंदगतसुठिसुखरासी॥ निरबिकारकूटस्थघनशुद्धएकर

सअनघअति । कहबनादासबुधजानिइमिपुनिपुनिराखतसगु
णमति ५१ यहिबिधिप्रभुहिप्रशंसिसुभगफलमूलमँगाये । रा
मभरतहनुमानगुहासबलोगनपाये ॥ मुनिसनआज्ञामांगिचो
खसुठियानचलावा । पञ्चबटीअवलोकिभरतसोकथासुनावा॥ सु
पनेखाकुदरूपकृतबधमारीचसियाहरण।कहबनादासखरत्रिशिर
रुचिइतयगृद्धकरभोमरण ५२ शवरीआश्रमदेखिरामदृगजल
भरिआयो । गाहकप्रेमनआंनजाहिसममुनिजनगायो ॥ जहंक
बन्धबधकीन्हबहुरिपम्पासरदेखा । अतिअनूपरमणीकरामसु
खलहेबिशेखा ॥ चम्पकबकुलतमालतरुपनसरसालकदम्बघ
न । कहबनादासकोनामकहपरमसोहावनवृक्षबन ५३ कोकिल
कीरचकोरमोरनाचतसुठिसोहैं । नीलकण्ठकलकण्ठपपीहाधुनि
मनमोहैं ॥ हारिलतीतिरशोरसारिकाबहुखगबोलैं । बिटपसघ
नचहुंपासलेतबिनबितचितमोलैं ॥ नीरपरमगम्भीरशुचिपुरइ
निपटलनलखिपरै । कहबनादासफूलेकमलनहिंउपमाउरअनु
हरै ५४ रातपीतसितअसितमनोबहुगुञ्जतभृङ्गा । जलखगकर
तकलोलमीनसुन्दरबहुरङ्गा ॥ चक्रबाकबकहंसपरेवाकुक्कुटना
ना । खञ्जनअरुकलहंसटेरसारसमनमाना । जलासिंहनानाजि
निसिकूजतमोदबढ़ावते । कहबनादासनृपसभाजनुकबिजनगु
णगणगावते ५५ पानकरतखगनीरजीवबननानाजाती । करिह
रिव्याघ्रबराहमृगाबहुअगणितभांती ॥ मर्कटजातिअनेकभा
लुगैंड़ाअरुभैंसा । लीलगाहगोवृषभशशाकहिसेकोतैसा ॥
जैसेदानीअतिधनीद्वारेयाचकभीरहैं । कहबनादासतिमिजीवब
नपियतनीरचहुँतीरहैं ५६ सरकेढिगचहुंपासअमितमुनिमढ़ी
बनाये । जपतपसाधतयोगयज्ञव्रतध्यानलगाये॥रामराजदुखग
योभयोमहिराक्षसहीना । तातेअतिशयअभयभयेऋषिसाधन
पीना ॥ देखरायेप्रभुदूरितेपम्पापुरभरतहिभले । कहबनादास
दृढ़संकलपहर्षिहृदयलङ्कहिचले ५७ जहंथापेगौरीशआंयप्रभु

कीन्हप्रणामा। महिमाकहेविशेषिसेतुबांधेजिमिरामा॥ इतजू
झोघननादकर्णघटयहिथलमारे। इतराक्षसकपियुद्धइतैदश
शीशबिदारे॥ कहतकथाप्रभुभरतसनयहिबिधिगढ़गवनाहिंकि
यो। कहबनादाससुनिलङ्कपतिधायआयआगेलियो ५८ पख्यो
चरणअतिप्रीतिरामभेंटेउरलाई। बूझेमंगलकुशलदोउदिशिभ
लेभलाई॥ मिलेभरतहनुमानगुहाअनुरागसमेता। करिबिन
तीलैचल्योभवनप्रभुकृपानिकेता॥कनकसिंहासनमणिजटितधरे
पाणिनिजहितसहित। कहबनादासपूजेप्रभुहिषोड़शविधिसुठि
लायचित ५९ पहुंचतलङ्कामध्यरामबहुबाजनबाजे। दगतशत
घ्नीअमितप्रलयघनजाकहँलाजे॥ बहुबिधिमंगलगानगन्धरब
किन्नरगावैं। महामोदपुरमध्यकहापटतरकबिपावैं॥ भागिबि
भीषणभूरिअतिसुरब्रह्मादिसिहातजेहि। कहबनादासप्रभुकृपानि
धिकहंनबड़ाईदीन्हकेहि६० चहुंयुगतीनिउकालरामभावैकेभूखे।
जानतसन्तसुजानअपरसकलहुरसरूखे॥ अतिहीगरतगला
निबंधुभयआयोशरणा। दियेलङ्कोराजजासुसुखजायनबरणा॥
पुनिआयोताकेभवनजनअनन्यजियजानिकै। कहबनादासऐसे
प्रभुहिभजतनमनसुखमानिकै ६१ कनकमईमणिजटितभवन
शुचिआसनदीन्हा। सुतसेवकयुतआपुरहतसेवालवलीन्हा॥
निरखतरामनिगाहकबहुंकछुप्रभुफुरमावैं। अहोभागिनिजमानि
क्षणहिंक्षणमोदबढ़ावैं॥ कहतबिभीषणजोरिकरआजुधन्यमैंध
न्यअति। कहबनादासदीन्हेदरशप्रभुजानेनहिंआनगति ६२ श
म्भुकञ्जहियभृंगभुशुण्डीमानसहंसा। अगमध्यानयोगीशजाहि
नितिनिगमप्रशंसा॥ नारदशारदशेशगायगुणपारनपावै। ल
म्बोदरमुखचारिहारिहियअगमबतावै॥ सोप्रभुतातजिदासगृह
आयेप्रभुकरुणाभवन। कहबनादासगदगदगिरामोसमजगसु
कृतीकवन ६३ जेपदपूजेजनकजाहिमुनिध्यानलगाये। जासुपां
वरीसेयभरतदुखदुसहबिताये॥ जाहिशम्भुबिधिआदिनमित

सबऋषिअरुदेवा । जेपदसुरसरिजनकलईलक्ष्मीजेहिसेवा ॥
जेहिपदत्रिभुवनतांनिपगजेहिबन्दितसबजगहिते । कहबनादा
सतेआजुमैंधोयेअतिहितसेचिते ६४ जहंलगिराक्षसलङ्कआय
प्रभुचरणनलागे । बालवृद्धअरुतियापुरुषसुठिउरअनुरागे ॥
तामसतनपापिष्टअधमराक्षसजिवघाती । जाहिनसपनेहुदयाध
र्मबुधिसोकेहिभांती ॥ कुलमध्येजोसाधुयकसबहीकोपावनकरै ।
कहबनादास किनदेखियेलोहहिलैनौकातरै ६५ रामहेतउत्सा
हअमितसम्पदालुटाये । भूषणबसनबिचित्रबिबिधिकोसकैग
नाये ॥ रजतकनकमणिभूरिबिपुलयाचककहिदीन्हे । हैहाथी
हथियारजातनेवछावरिकीन्हे ॥ सुभटशूरराक्षसनकहंदीन्हेबहु
बकशीशबर । कहबनादासशारदथकित कहउपमाआनन्दकर
६६ गलीवागलीलङ्कसकलसींचेसुगन्धकरि । कोकबिबरणै
योगरह्यो चहुंदिशिअनन्दभरि ॥ कनककोटअतिदुर्गदिशाचां
रिउदरवाजे । सेनपशूरजुभारटिकेबहुबाजनबाजे ॥ गृहनानाम
णितेखचितहेममईकोकहिसकै । कहबनादासकलसाकलितल
खिरचनामुनिमनथकै ६७ लागेकुलिशकपाटठाटबहुपारकोंपा
वै । तनेचँदोवाचारुकहांतेउपमाआवै ॥ रातपीतसितअसितह
रितबहुझांपपरेहैं । देखतरचनालङ्कअतिहिसुरलोकतरेहैं ॥ ज
हंतहंगाजतमत्तगजमल्लयुद्धकृतबीरबर । कहबनादासफेरतपटा
सेल्हशूलसेनानिकर ६८ शुतरशालहैशालविपुलगजशालसो
हाये । खच्चरअजयामहिषमेढ़शूरेबहुज्याये ॥ नानाखगमृगतहां
बिपुलरथकेतुपताके । हैरथगजरथरथीधीरधुरअतिबरबांके ॥
बाहरगिरिकाननबिबिधचहुँदिशिखाईउदधिवर । कहबनादास
संक्षेपहीरचनाअद्भुतलङ्ककर ६९ बनीबजारबिचित्रअतिहिछ
बिबरणिनजाई । मणिगणभूषणबसनबस्तुनानाबिधिछाई ॥
जहांतहांबरबागसुमनफलयुततरुसोहैं । परसतबल्लीअवनि
कहैउपमाकबिकोहै ॥ ठौरठौरबरबाटिकामध्यसुभगसरसोहई ।

कहबनादासमणिपानिशुचि देखतमुनिमनमोहई ॥ ७० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

साजिआरतीसुभगदिब्यकरकंचनथारी। पूजासाजअनेकअति हियुतप्रीतिसुधारी ॥ मैतनुजातबचलीदर्शरघुनंदनलागी। ज्ञानवानदृढ़भक्तिरामपदसुठिअनुरागी ॥ अर्घपाद्यआचमनयुत श्रुतिविधितेपूजाकरी। कहबनादासषोड़शबिधापुलकअंगचरणनपरी ७१ सजलनयनकरजोरिबेगिमुखआवनबानी। अहो भाग्यनिजजानिकरतअस्तुतिअनुमानी ॥ जयतिसच्चिदानंद ब्रह्मब्यापकबरदेशा। मायामोहमनोजशोकभवशमनकलेशा ॥ अचलअखंडअनीहअजबिश्वरूपकारणकरण। कहबनादास चैतन्यघनबिश्वेश्वरअशरणशरण ७२ जयतिआदिमाधिअंत रहितनिरुपाधिअनूपा। शुद्धनित्यनिरबध्यनेतिनितिनिगमनिरूपा ॥ अकलकलानिधिकुशलसकलगुणधामअमाना। निरालम्भनिर्द्वंदअलखसबठवरसमाना ॥ पुरुषोत्तमपाधनपरमबासुदेवबिज्ञानघन। कहबनादासबागीशबिभुअगमबचनअरुबुद्धिमन ७३ गुणातीतगुणगूढ़अजयअवछिन्नअनेका। परम धामकैवल्यसनातनकहश्रुतिएका ॥ महिअपतेजअकाशअनिलइंद्रीपुनिप्राना। मनबुधिचितहंकारभिन्नतुमबिननहिंआना ॥ निराकाशनिर्लेपशुचि सुठिस्वतंत्रअब्यक्तबर। कहबनादास महिभारकेहरणहेतनृपबपुषनर ७४ जैदिनकरकुलकेतुबालनृपअजिरबिहारी। कौशिल्याउरमोदअवधपुरआँनदकारी ॥ चतुरब्यूहअवतारभजतजेहिऊरधरेता। शंकरमानंसहंससदापालकश्रुतिसेता ॥ बालचरितकृतबिबिधबिधनृपरानिनपरिजन सुखद। कहबनादासजनकल्पतरु दिनप्रतियशगावतबिशद ७५ मुनिमखरक्षकदक्षताड़ुकासुभुजाबिदारन। अमितशोकसंतापपापमुनिबधूउधारन ॥खंडिईशकोदंडजनकपुरमोदबिबर्धन।

दलिभूपावलिमान ध्वंशभृगुबंशगमनबन ॥ ब्याहिसियाज
गबिशदयशश्रायश्रवधश्रानँदश्रमित । कहबनादाससुरभैह
रणगमनाबिपिनसीतासहित ७६ कृतमुनिश्रमितसनाथबासमं
दाकिनितीरा । चित्रकूटबहुचरितलहेसुरपतिसुतपीरा ॥ देह
दहेशरभंगबिराधहिबधिरघुबीरा । दण्डकबिपिनपवित्रबसेपुनि
रेवातीरा ॥ शूर्पणखाकुद्रूपकृतखरदूषणत्रिशिरामरण । कहबना
दासमारीचबधपुनिमायासीताहरण ७७ शवरीगीधसनाथबा
लिबधनृपसुग्रीवा । जोरिभालुकपिसैनगौनजहँतहँबलसीवा ॥
लंकश्रमितउतपातपवनसुतसियसुधिलीन्हा । सुनतसद्यहीग
मननेकप्रभुबेरनकीन्हा ॥ सेतसिंधुथापेशिवहिश्रायलंकरावण
दले । कहबनादासदलबलसहितसुरनकीन्हश्रस्तुतिभले ७८
हरेसकलमहिभारयानचढ़िश्रवधसिधाये । सीतासखनसमेत
भरतउरमोदबढ़ाये ॥ सुभगभालबरतिलकदेवमुनिश्रस्तुतिकी
न्हा । बंदिबेषश्रुतिचारिशम्भुमनभावतलीन्हा ॥ बिबिधराज
लीलाकरीबाजमेधिबरऐकवन । कहबनादासनिजजानिजनपु
निलंकाकीन्हेगमन ७६ जयतिमीनबाराहकमठनरहरिजयबाव
न । परशुरामश्रीरामकृष्णजयकंसनशावन ॥ बौधकलंकीतुमहिं
तुमहिंक्षीराब्धिनिवासी । तुमनायकबैकुंठसदाकमलापगदासी ॥
तुमहींबृहदबिराटबपुरचनाश्रङ्गबिचित्रबर । कहबनादासदूजा
नहींतुमहिंरामसबचरश्रचर ८० जयछबिकोटिश्रनंगश्यामसुं
दररघुबीरा । भक्तहेतसुरबिटपसदासेवाहिंमुनिधीरा ॥ प्रभुउ
दारश्रवताराशिरोमणिबेदनगाये । शारदशेशगणेशकहतयश
पारनपाये ॥ मनकृपणाईश्रगममोहिंदेहुभक्तिनिजचितचहे ।
कहबनादासकरुणासहितएवमस्तुरघुपतिकहे ८१ परितोषेरघु
नाथसुनहुभामिनियहबाता । नवानहींहैश्राजुजीवईश्वरकोना
ता॥सुठिपुराणसम्बन्धमुनीशनवेदनगाये।भूलोकालश्रसंख्यता
हितेबहुदुखपाये॥जबहींसन्मुखहोयममसबप्रपंचछलत्यागंई ।

कहबनादासतबदेरकसहैमेरामोहिंलागई ८२ सांझसमयअव
लोकिबिबिधबिधिबाहनसाजे। मत्तदंतबहुबनेजाहिदिशिकुंजर
लाजे॥ तीषेदंतउतंगअमारीकलितसोहाई। हौदामणिगणज
टितकनककेसुठिछबिछाई॥ सुभगझूलझालरिलसतमुक्ताम
णिअतिसोहई। कहबनादासघनघटाजनु सोइजानेजिनजोह
ई ८३ करतघोरचिक्कारबिपुलघंटाघहराते। साजेसुभगतुरंग
अश्वरबिजाहिलजाते॥ करिनखशिखशृंगाररामहित लायेबा
जी। मनहुँकामहैबेषकहतभारतीलजाती॥ सोमैंकौनीबिधिक
हौंकहेबिनारहिजातनहि। कहबनादासखगसबउड़तछोटबड़ा
नभअंतलहि ८४ परीजीनजगमगतजवाहिरजटितजरकसी।
मणिमयललितलगामकामजनुरचीसरकसी॥ गंडागरबरल
सैपूजपट्टामुखसोहै। शिरकलँगीसुठिकलितअमितमुक्तामणि
पोहै॥ कसेतंगहैकलहलकजेरबंदबरअतिबने। राजितउभे
रकाबसुठिपेशबंदशोभासने ८५ कलकिंकिणीहमेलपगनचव
रासीबाजे। गोड़नकड़ेरसालआलचोटीछबिछाजे॥ बहुमाणि
क्मणिलसीबसीद्रुमचीद्युतिन्यारी। परेजालपचरंगअंगजनुशो
भाक्यारी॥ लदेसुभगगजगाहगतिदेखिबनैकोकबिकहै। कह
बनादासप्रभुयोगहै नहिंतातेमतिनिरबहै ८६ सुभटशूरसमर
त्थभांतिबहुसैनसजाई। नानाआयुधजानकुशलबरबेषबनाई॥
भांतिभांतिकेबीरआइसबरामजोहारे। हृदयबिभीषणहर्षदेखि
सबलोगतयारे॥ जोरिपाणिप्रभुसेकहेअसवारीकीबेरहै। कहब
नादासरघुबंशमणिहर्षिकहेकसदेरहै ८७ भयेअश्वअसवारतबै
रघुबीरगोसाँई। जोजेहिबाहनयोगचढ़ेसबसाजबनाई॥ नखशि
खशोभाधामरामतनद्युतिअतिन्यारी। सकैकवनकबिबरणिभर
तवाहीअनुहारी॥ मनहुंठगोरीअंगअंगरहेसकलराक्षसचितै।
कहबनादासअतिबालमातिकहतजवनहियहरिहितै ८८ मुकुट
हेममणिमयीभानुद्युतिशीशबिराजै। मेचककुंचितकेशअलक

अवलीअलिलाजै ॥ कुंडलमकराकारलोलचितकरतअडोला । शोभितभालबिशालतिलकलेवैमनमोला ॥ रांतेकंजबिशालहगचितवनितिरछोंहैअमल । कहबनादासगतिमतिथकितकेहिपटतरियेमुखकमल ८९ मंदमंदमुसकानिहरतमनसहजसुभाये। सोइजानैसुठिस्वादकबहुंसपनेहुँलखिपाये ॥ मानहुँशरदमयंकरंकमरकतद्युतिफीकी । अधरदशनअतिअरुणनासिकाललातिनीकी ॥ कलकपोलचोरंतचितहिचिबुकचारुरमणीकहै । कहबनादासहरिकंधबरकम्बुग्रीवसुठिनीकहै ९० भुजअजानुबलधामकामकरिकोकरलाजै । करकंकणकेयूरमुद्रिकाकरजबिराजै ॥ मुक्तमालउरव्हहदकहैकबिकवनिनिकाई । मरकतगिरितेमनहुँधारसुरसरिकीआई ॥ किधौंहंसकीपांतिहैनिकटश्यामघनउड़िरही । कहबनादासपटपीतद्युति कटिकेहरिशोभासही ९१ जानुपीनकलधौतकंजपदत्रानजरकसी । नानामणिनगखचितजाहिद्युतिअतिहिसरकसी ॥ जाहिशंभुबिधिनमितरहतजहँमुनिमनछाये । जाकीमहिमाअमितपारकहिकवनेपाये ॥ चर्मपीठिकटिकसेअसिकमलकरनकोड़ालिये। कहबनादासदोउबंधुबरअहोभागिआवहिंहिये ९२ बाजतबहुबाजनेअमितफहरातपताके । देवबिमाननचढ़ेआयनभमारगभाके ॥ बोलतबिपुलनकीबशूरसुनिहियहरषावै । देखिदेखिदोउबंधुबिभीषणसुठिसुखपावै ॥ लंकेश्वरगौरीशजहँआयरामहर्षितहिये । कहबनादाससहभरतप्रभुअतिसप्रीतिपरणामकिये ९३ शिवसमीपसरसुभगबनायेसुठिदशग्रीवा । रचनाबिबिधप्रकारमनहुँशोभाकीसींवा ॥ देखतकाननअवनिकतहुंगिरिनिकटनेराई । नानाखगमृगलखताबिलोकतकहुँअमराई ॥ देवीजहांनिकुम्भिलागमनकियेरघुबंशमनि । कहबनादासप्रभुनिरखतेमानंगौरीभागिधनि ९४ कुम्भकर्णजहँरहैतहांकोशलपतिआये । दूरितलकचौगानचारुमनसहजलोभाये ॥ एकतरफतेहिहेतबनीरस्ता

पुरमाहीं । जहँरावणकीसभाजोहारनकबहूंजाहीं ॥ पुनिपलटै वाहीमगगहिअतिंबिशालबलवानबर । कहबनादासअवरीदिशा दर्शनदेखालंककर ६५ आयेपुनितटसिंधुबिबिधजलजंतुबि लोकत । आश्रमचलेकृपालुअश्वकोअतिहीरोकत ॥ तरफरा तहैकानभूमिटापनतेफालै । उभकिउभकिअसमानतुरैचोखो सुठिचालै ॥ जानुकसेजनुजातकढ़िफफकतफदतअनेकबिधि। कहबनादासरबिबाजिलघुपीठिसजतसुठिशीलनिधि ६६ जा निसांझकीसमयबिभीषणअज्ञाभाखे । बारेबिबिधमशालजरेना नापन्साखे ॥ जहांतहांसबखड़ेलखतरघुबीरअवाई । कोकबि बरणययोगरोशनीसुठिसरसाई ॥ आयेआश्रमनिशिसमयपुनि संध्याबंदनकिये । कहबनादासबैठेसभामोदबिभीषणअतिहिये ६७ किन्नरअरुगंधर्बतानबहुगानसुनावै । नृत्यकरैअप्सरास भासुरपतिलघुआवै ॥ बिबिधवेदध्वनिबिदुषबिरदबंदीउच्चारे। जहँलगिराक्षसलंकआयरघुबीरजोहारे ॥ जबहींबर्षासनदिये गयेसकलनिजनिजभवन । कहबनादासभोजनसमयसद्यउठेसं सृतदमन ६८ अमितसखागुहज्ञातिभरतकियेब्यंजननाना । देवनदुर्लभअसनबसनकबिकरैबखाना ॥ करिभोजनअचवन हिकृपानिधिबीरापाये । पूरितबिपुलसुगंधमसालेस्वादसोहाये॥ उत्तममणिकोचूनशुचिअतिसयानबनयेहिते । कहबनादासतब शयनकिययुतसनेहसबतनचितै ६९ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखंडे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामतृतीयोऽध्यायः ३ ॥

जागेप्रातःकालप्रथमकीक्रियानिबाहे । पुनिकीन्हेअस्नान सुगन्धितनीरसुचाहे ॥ लागेपूजाकरनबिभीषणलखेसमयतब । आयेरघुपतिपासपारथीनिबहिगयेजब ॥ शीशनायकरजोरिकै अतिबिनीतबोलेगिरा । कहबनादासप्रभुकाजतनजोचाहैभव निधितिरा १०० जबहींतेजगपख्योमख्योपचिजिवअविनाशी ।

निशिदिनआठौयामभयोकेवलदुखराशी ॥ कामक्रोधमदलोभ
मोहमत्सरअविवेका । आशातृष्णातीव्रबासनालागिअनेका ॥
दम्भकपटपाखण्डछलरागद्वेषभवमूलहै । संशयशूलअनेकभय
बिधिनिषेधअनुकूलहै १ इन्द्रीअर्थनलागिदिवसनिशिअतिहि
नचावै । मनकोदुसहदरेकरहेकहँलगिबनिआवै ॥ क्षुधापिपासा
शीतउष्णकरिकबहींब्याकुल । जराब्याधिबहुरोगरङ्कह्वैकबहीं
आकुल ॥ कहूँमानअपमानबशबहुसंकल्पबिकल्पहै । कहबना
दासजन्मनमरणदुखप्रबाहबलअल्पहै २ श्रुतिऔशास्त्रपुराण
यतननानाबिधिगावै । निजनिजबलसबचलैहलैकोउअन्तनपा
वै ॥ नहिंछूटतसंसारततसबाभैजसछोरै । कोटिनकल्पब्यतीत
लह्योअबतकनहिंवोरै ॥ यहतुम्हरीलीलासकलतुमहिंउबारन
हारजू । कहबनादासकरिकैकृपामोहिंकरीभवपारजू ३ सोकीजै
उपदेशजाहिसद्यहिजगछूटै । क्षणभंगुरजड़देहक्षणयक्षणमायां
लूटै ॥ असअवसरनहिंमिलिहिमहूंनिजहृदयविचारा । तामसं
तनमनुजादहोतनहिंभजनतुम्हारा ॥ निजदिशिदेखिकृपायतन
करियेमोहिंसनाथजू । कहबनादासअबकसरिरहीह्वैहौबहुरिअ
नाथजू ४ हँसिबोलेरघुनाथसखामतनीकविचारे । जैसेमेरेभरत
तेहीविधितुमहुँपियारे ॥ अबउत्तरकोकहतप्रश्नजोकीन्हेताता ।
मनयकाग्रकरिसुनोबनैजातेसबबाता ॥ सन्तनकोसिद्धांतजोअ
रुश्रुतितत्त्वनिचोरिकै । कहबनादासबोलेबचनमुक्तिअमीरसबो
रिकै ५ प्रथमचलैमगधर्मजाहिजोबेदबतावै । बर्णाश्रमकोपालि
बहुरिबैरागउठावै ॥ सबसेहोयअसंगरहैचाहैगृहमाहीं । चहैस
बंकरित्यागअन्यदिशिकाननजाहीं ॥ उरमेंअतिश्रद्धाबृहदतब
सतगुरुदृढ़कीजिये। कहबनादासजोतत्त्वविदतेहिमगमनसुठिदी
जिये ६ अतिउपासनामोरिपुष्टसतगुरुउपदेसिहि । जबअनन्य
ह्वैकरिहिसकलअज्ञानहिगेसिहि ॥ सबसाधनमतत्यागिरहैनाम
हिंलवलाई । प्रथमहिंरसनाजायहृदयअतिप्रीतिदृढ़ाई ॥ नि।शि

दिनदूसरकामनहिंआशाइन्द्रीकरिदमन । कहबनादासआहार
लघुबसियकांतआसंगजन ७ चितकीवृत्तिनिरोधिसदाममरूप
बिचारै। सबदिनशुन्यउपायकामनानहिंउरधारै ॥ अलपबारता
करैटरैनानाब्यवहारा। ममइच्छाजोजुरैताहिमेंकरैगुजारा ॥ ब
ढ़िहैअतिअनुरागउरसकलहृदयकोमलदहै । कहबनादासमत
बादतजिप्रेमभक्तिदृढ़ह्वैरहै ८ क्षणक्षणतनपुलकांगनैनछूटैजल
धारा। कंठनआवैबोलिहोतनहिंदेहसम्हारा॥तृणकासेतिहुंलोक
नोचिचाहैतनफेंका। निशिदिनकछुनसोहायमहींलागौंप्रियएका॥
तबप्रकटौंहियकंजमेंसकलशोकसंशयहरौं । कहबनादासपरका
शअतिज्ञानदीपउरमेंधरौं ९ मैंपरबशनिजवोरवाहिबासनानदू
जी। कर्मबचनमनबुद्धिसकलमोमाहियसूजी। क्षणहुलहैनहिंतृ
प्तिक्षुधाक्षणक्षणसरसावै। ममप्रापतिकोस्वादसोइजानैजोपावै ॥
वंहजानैनहिंऔरकछुहमसबजाननहारहै । कहबनादासजिमि
बैद्यशिररोगीकोसबभारहै १० जबनामीउरमिलैजीभआपैथकि
जावै। चितचंचलतानासइवाससुमिरणतबआवै॥ होयहियेप
रकाशतत्त्वसबपरैलखाई । निशिदिनरूपप्रकाशतिमिरसारोन
शिजाई ॥ जबतत्त्वनकरिबोधभोतबैज्ञानदृढ़जानिये। जानैतत्त्व
अतत्त्वजबतबबिज्ञानीमानिये ११ तबलगमैंउरप्रकटनहिंजब
लगबिज्ञाना। ब्रह्मरूपह्वैमिलौंकरौंजीवहिनिरबाना ॥ गईदृष्टि
नातत्त्वब्रह्मयकनिष्ठाआई। अगमअगाधसमुद्रथाहकोउसकत
नपाई ॥ भयोशांतिसर्बांगतेसकलमूलभवकोदह्यो। कहबनादा
सकृतकृत्यतबफिरिकछुकरनोनारह्यो १२ तिहूँकाण्डतेपारजब
हिंहोवैजगछूटै । जबलगिनहिंदृढ़भजनबिघननानांशिरकूटै ।
एकदृष्टिबिनभयेजायनहिंदुखकोउभांती। ताकीयहीउपायभजन
करियेदिनराती ॥ सद्यतरणकीरीतियहयासमकहुँदूजीनहीं । स
खापरमप्रियजानिअतिगोप्यमतोतातेकही १३ आवनजानन
कहूँमुक्तिकोलोकनकोई । याहीतनमेंहोतमुक्तजानैजोहोई ॥ ता

तेदृढ़विश्वासमानियाहीपररहिये । बारबारप्रभुकहेऔरमगभूलिनगहिये ॥ गुरुकेबचनप्रतीतिनहिंसपनेहुसुगतिनसोलहै । कहबनादासश्रुतिसन्तमतकबिकोबिदसबकोउकहै १४ औरबातदृढ़एकसंगसन्तनकोराखै। ज्ञानभक्तिबैरागबढ़ैनितहीअभिलाखै ॥ उनकासहजस्वभावफेरिममवोरलगावै । ताकीसमताकोननित्यपरहितमनलावै ॥ जोजगसेछूटाचहैसंतसंगवेगहिकरै । कहबनादाससंदेहनहिंभवसागरसद्यहितरै १५ त्यागौमनविस्ताररहौब्रह्महिठहराई। श्रुतिपुराणषटशास्त्रलखौसंसारकोभाई ॥ नौकाउतरनहेतहृदयनिजकरौबिचारा । कोशिरलादेफिराउतरिगोजोवहिपारा ॥ ब्रह्मरूपउतकृष्टममयातेपरेनऔरहै । कहबनादासजानतकोऊअतिदृढ़उरकरिगौरहै १६ विरतिज्ञानबिज्ञानसकलममभक्तिअधीना । पराभक्तिजबलहैहोयसबसंशयक्षीना ॥ शनैशनैजनकोउजायपुनिशांतिसमावै । सम्मतबेदपुराणजानआइवनाशिजावै ॥ सबसीढ़ीडंडायहैबस्तुअवरितेहिहेतजू । कहबनादासजानतकोईभूलतलोगअचेतजू १७ वेदवेदसबकहैवेदकाभेदनजानै । पढ़िपढ़िपण्डितमरैऔरसोंज्ञानबखानै ॥ आपुकर्मकेकीचबीचफँसिमरैनिदाना । करैउपायअनेकछुटैनआनाजाना ॥ चौंतिसअक्षरफेरमेंभूकिमरासंसारहै । कहबनादासदृढ़जानियेभयेसन्तकेउपारहै १८ रामनामसबपरेसकलअक्षरशिरताजा । हैसबहीकामूलसकलकेशीशविराजा ॥ हैयहऐसाशब्दअशब्दहिबेगिमिलावै।टूटैभ्रूगरासकलफेरिसंदेहनआवै ॥ सुनतबिभीषणप्रभुबचनबारबारचरणनपर्‍यो। कहबनादासउंपदेशसुनिगुनिसारोउरमेंधर्‍यो १९ पुनिबोलेकरजोरिएकशंकाउरआवै । अन्तरयामीबिनाकवनदूजासमुझावै॥ ब्रह्मजीवहैएककिधौंद्वैकादृढ़कीजे । तबबोलेरघुनाथकहौनीकेसुनिलीजे ॥ ब्रह्मजीवदोउएककहैबहुरिसिखासमजानिये । कहबनादासकारणसुनौजातेसंशयभानिये २० जिमिधाराजलबहै

ताहिमेंपरिगोरेता । तिमिदेहीकोमानिजीवह्वैगयोअचेता ॥ तन संगतिकोपायबिषयमेंअतिमनलायो । मोतेपरयोबिछोहताहिते बहुदुखपायो ॥ तबौंजलयजलएकहैधाराछुटेअशुद्धभो । कह बनादाससरितामिलेपुनिसोऊपरबुद्धिभो २१ ममसुमिरणआश रेजीतिमानसिकबिकारा । कामादिककोमारिदिवसनिशिकरैबि चारा ॥ जबहोवैनिरबिषयबढ़ैउरममअनुरागा ॥ छूटैतीनिशरीर होयतबब्रह्मबिभागा ॥ जिमिभोजनकरतेभयेतुष्टपुष्टनाशतक्षुधा। कहबनादासतिमिभजनतेकाजसरैसबकहबुधा २२ जबहींरहित बिकाररहैतबब्रह्मसमाई । तबदोऊजलएककहाआनंदनजाई ॥ रेतारहीशरीरभिन्नभयतासेबुद्धी । बहुरिनलिपैबिकारलहीअन्त रगतशुद्धी ॥ बिषयरहितसोईशहैबिषयसहितजानौजिवहि। कह बनादासतबदुइकहाजबैजायभेटेपिवहि २३ बिषयबासनातजो मोहिंआपुहियकध्यावो । यहिबिधिब्रह्मसमायफेरिभवभूलिनआ वो ॥ जलवोराहिमएकबीचिजलकिनबिलगायो । कंकननाम मिटायफेरिकंचनकहवायो ॥ भूषणहैतबहूंकनकग्रिकैएकहीदाम जू। कहबनादासदूजोकहामिटतनकंचननामजू २४ पावकऔर मशालदीपचिनगीसबएका । महिऔअमितमकानकहांतेभया अनेका ॥ सूतबसनबपुनामअर्थबाणीतरुबीजा।लोहखड्गमृदपा त्रकवनयाकोदुइकीजा। उदधिजलैसरिभीजलैजबहिंनदीसिंधुहि गई।कहबनादासदोऊगयोनामरूपएकैभई २५ प्रकृतिदिवाकरि बीचयथाअसफटिकमेंछाया। तातेभासीदेहबिषयभोगहिमनला या॥आतममेरोअंशशुद्धचेतनअबिनाशी। सबदिनसुखकोसिंधु जानियेस्वतःप्रकाशी ॥ जबहिंबिमुखमोतेभयोतबहींभूल्योआ पको ।कहबनादासमायाग्रसीकरनलग्योबहुपापको २६ यथा भानुकोअंशअक्षताकेवलदेखै । जबहिंअस्तरबिहोतफेरिकछुक तहुँनपेखै ॥ तातेमोतेर्विमुखसकलअन्धाकरिजानो । मेरेसन्मुख भयोसद्यममरूपपछानो ॥ पावैब्रह्महिजीवजबआपहिमानैमुक्त

करि । कहबनादासआनन्दममरहैंसकलतबहृदयभरि २७ मोते रहैंअभेदप्रकृतिगुणप्रकृतिहिदेखै। देहीतेजोंकर्महोयसोदेहहिंपे खै ॥ ज्योंमयसबतेरहितसृष्टिसारीउपजावों । मोमेंलगैंननेक प्रकृतिमध्येबरतावों ॥ त्योंममजनमोमेंमिलैकरैंजवनव्यवहारत न। कहबनादासमानैंनहींबचनकर्मऔबुद्धिमन २८ मोमेंसबजं गलखैमहींहौंसबजगमाहीं। मोमेंनिजमेंभेदहियेकछुआनयनाहीं ममताऔअहँकारत्यागिरहंममआधीना । मोबिनपलकलनाहिं यथाफणिमणिजलमीना॥ तातेमेरेतेइप्रियपुनितिनकेमैंएकहौं । कहबनादासरक्षकसदाटारनबिघनअनेकहौं २९ जिनत्यागेसुख भवनहरषिममशरणहिआये। आसबासनात्यागिमोहिंमेंचित्तल गाये ॥ नहिंदुखकेंदिशिख्यालतनहुँममअर्पणकीना । नहिंदेखे दिशिआनभयेदिनदिनपनपीना ॥ रोमरोमरक्षाकरौंपलकपलक भूलोनहीं। कहबनादासतेइप्राणधनमोकोऔरकहाचही ३० सत्र बिधिताहिसम्हारिबहुरिनिजरूपमिलावो।नपुनिजन्मसंसारकाल कीत्रासमिटावो ॥ उनकेउरआनन्दवोईजनजाननहारा। और नपावैथाहकरैकोइकोटिबिचारा ॥ तातेसुखमेरेशरणअवरकतहुं सपन्योंनहीं। कहबनादासतिहुंलोकमेंतिहूंकालप्रभुइमिकही ३१ सुनिरघुपतिकेबचनहृदयसुखनाहिंसमाई । पुलकगातजलनैन बेगिमुखबोलिनजाई ॥ आपुहिंमानेधन्यतत्त्वप्रभुमुखतेपाये । गयोसकलसंदेहबोधसुठिहृदयदृढ़ाये ॥जोरिपाणिबिनतीत्रिबिध चरणकमलपरशीशधरि । कहबनादासनिश्चयहियेआपुहिंमाने मुक्तकरि ३२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखंडे भवदापत्रयतापविभंजनोनामचतुर्थोऽध्यायः ४ ॥

पंचरातिकृतबासनवानितिआनन्दभारी । लङ्कामानहुँअवध सबैकोउहृदयबिचारी ॥ सहसभांतिसतकारप्रीतिदिनप्रतिसर सानी । सखाकरममनबचनभागिबड़िआपनिमानी ॥ अवधपु

रीकोगमनतबचहतकीन्हरघुनाथजू । कहबनादासपुनितिनकहे
नाथचलबमैंसाथजू ३३ कहेचलहुरघुबीरभयेपुष्पकआसीना ।
करिबिनतीलङ्केशपाँवरीप्रभुकीलीना ॥ सिंहासनपरथापिचल्यो
संगेहरषाई । पम्पापुरकीवोरचोपिप्रभुयानचलाई ॥ पहुंचतला
गादेरनहिंरघुपतिआवनजानिकै । कहबनादाससुग्रीवतबचले
हर्षअतिमानिकै ३४ आगेलीन्हेआइचरणप्रभुबन्दनकीना ।
बालितनययुतमोदमनहुंनिधिपाईदीना॥ भेटेप्रभुउरलायकुशल
मङ्गलदुहुँओरा । बूझेनिजनिजभावहृदयआनन्दनथोरा ॥ भ
रतचरणबन्दनकियेअंगदऔसुग्रीवतब । मिलेबिभीषणकेबट
हिंहनोमानहियहर्षसब ३५ लायेप्रभुनिजभवनदिव्यसिंहासन
आना । बैठारेरघुबीरकरैकोप्रेमबखाना ॥ सर्बभावसोंपूजिसब
हिंशुचिआसनदीन्हे । सकलभांतिसनमानिबिबिधबिधिबिनती
कीन्हे॥ तबबोलेरघुनाथदिशिकपिपतिकरसम्पुटकिये।कहबनादा
सभयेआजुधनिजानिदासदर्शनदिये३६कपिकुरूपजड़जातिलो
कवेदहुतेन्यारा।पशुपाँवरअतिपोचभागिनिजहृदयबिचारा॥जे
पदशिवअजपूज्यजाहियोगीजनध्यावैं।नानासाधनकरैंध्यानमुनि
कोउयकपावैं॥कबिकोबिदआगमनिगमनेतिनिरूपतजाहिनिति
शारदशेशगणेशशिवनहिंब्रह्मादिकलहतमिति ३७ तेकरुणाइ
मिकीन्हदिशानिजवोराबिचारा । मैंसबअंगसेहीनकहाँअसभाग
हमारा ॥ आजुतरेकुलकोटिछोटिमतिकिमियशगावों । मोसम
आजुनकोयहृदयअसदृढ़करिलावों ॥ परितोषेरघुबीरबहुसखा
सदाममप्राणप्रिय । कहबनादासऐसेप्रभुहिछोड़िकपटसेवतन
जिय ३८ पम्पापुरआनन्दबढ़ोअतिहीसबभांती। आयेदर्शनहेत
बिबिधबिधिबनचरजाती ॥ चरणकमलयुतप्रीतिसबैकोउमाथन
वाये । देखिदेखिदोउबन्धुमहासुखमर्कटपाये ॥ शीलासिंधुरघुबं
शमणिपालतरचिजेहियथाबिधि । कहबनादासदूजाकवनात्रिभु
वनऐसोकृपानिधि ३९ धूपदीपनैवेद्यसुमनबरकंचनथारी । ता

रादर्शनहेतआयउरश्रद्धाभारी॥ पूजेषोड़शभांतिवेदबिधिजसब्य
वहारा । सजलनयनकरजोरिचरणप्रभुमस्तकडारा ॥ बिनयकर
तगद्गदगिरापरमप्रेमरससानिकै । कहबनादासबसिप्रीतिकेप्र
भुश्रुतिभाषतजानिकै ४० जयतिरामसुखधामश्वेतश्रुतिपालन
हारे । जयदिनकरकुलकेतुसदाजेहिदीनापियारे ॥ जबजबधर्मवि
हीनधरणिसुरसाधुदुखारी।तबतबलयअवतारभुवनकोभारउता
री ॥ शवरीगीधसनाथकियशीलसिंधुकोशलधनी । कहबनादास
रावणदलेकबिकोबिदकीरतिभनी ४१ पालेप्रणप्रह्लादकोपितेहि
पितुबधकीन्हा । गजउधारिहतिग्राहनाथमुनितियगतिदीन्हा ॥
व्याधअजामिलअधमयमनतरुतारणहारे।पाँवरकोलकिरातश्व
पचबहुपतितउधारे ॥ अचलधामदीन्हेध्रुवहिराजविभीषणलङ्क
को।कहबनादाससुग्रीवसेव्याकुलकरतअशङ्कको४२सीतानैनच
कोरजयतिसुन्दरशशिआनन। कोटिकामकमनीयभुजाबलनिधि
धनुबानन॥ शीशमुकुटबरअलकश्रवणकलकुण्डललोला।भाल
तिलकसुबिशालकरतमनसहजअडोला ॥ मुक्तमालउरवृहदसु
ठिवृषभकन्धपंकजनयन। कहबनादासभ्रूबंकअतिकम्बुग्रीवशो
भाअयन ४३ नासाचारुकपोलअधरद्विजसहजसोहाये। कटित
टपीतदुकूलतूणमानहुँछबिछाये ॥ त्रिबलीउदरगम्भीरनाभियमु
नाअतिनिंदै । जानुपीनपदकंजदेवब्रह्मादिकबंदै ॥ शङ्करमानस
हंसनितिमानपरायणसहसफन। कहबनादासयहिध्यानरतमुनि
जनसंतनप्राणधन ४४ प्रणतपालतरुकल्पअमितसुरधेनुसमा
ना। जनहितकल्लुनअदेवभनतयशनिगमपुराना ॥ दानिशिरोम
णिरामसदासंतनगुणगाये । निजकृपणाईमोहिंअगमलागतस
तिभाये ॥ प्रभुमूरतिसीतासहितबसैहृदयनितचितचहे। कहब
नादाससुठिकृपायुतएवमस्तुरघुपतिकहे.४५ भोजनाबिबिधप्रका
रसखाबनयेरघुबंशी । षटरसचारिप्रकारसकैकोस्वादप्रशंशी ॥
उठेरामसुखधामअनुजयुतजेंवतभयऊ । बड़भागीहनुमानप्रसा

दीजोनितलयऊ ॥ अचैपानपायेबहुरिकीन्हजायबिश्रामसब । कहबनादासआयेसमयजागतभेरघुनाथतब ४६ एकबारयुतभरतरामसबसखनसमेता । परबर्षनगिरिगयेहरषिउरकृपानिकेता ॥ जहांलषणयुतरहेतवनशुचिठांवदेखाये । कीन्हबासरघुबीरमनहुंतातेछबिछाये ॥ दुर्गशैलसम्पन्नअतिशिलाशृंगबहुकन्दरे । कहबनादासहरषितभरतदेखिअमितभरनाभरे ४७ अनुजप्रदक्षिणकियेआश्रमहिंशीशनवाये । सबकोउबन्दनकियेहियेजाकेजसभाये ॥ नानातरुवरलगेभलेफूलेसुठिसोहैं । बहुखगकूजतमत्तश्रंवणसुनिजोमनमोहैं॥ बोलतशुकपिककोकिलाअरुचकोरबरसारिका । नीलकण्ठचातकरटतहारिलतीतरसुठिनिका४८ जनुप्रभुअस्तुतिकरतबिबिधबिधिवेदबिधाना॥कैधौंबन्दीकरतबिरदनानाबिधिगाना ॥ बसतरहेसुग्रीवतहांकरुणानिधिगयऊ। समुझिपाछिलीदशाहृदयकपिमोदनभयऊ॥ कोदुखियासुग्रीवसमबालित्रासब्याकुलमहा॥ कहबनादासप्रभुनृपकियेअबअनन्दउपमाकहा ४९ जहँवाँसातौतारसामयकबांणनशाये। भरतदेखायेताहिहार्षिमहिमासबगाये ॥ बालिपैठजेहिगुहासबैकोउदेखेजाई । अतिहिगहनगम्भीरतिमिरसुठितहँसरसाई॥ जहांबालिकोबधभयोदेखरायेप्रभुसोठवर । कहबनादासआश्रमचलेश्रमकनतनपटतरनवर ५० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविहारखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचमोऽध्यायः ५ ॥

सभामध्ययकबारबैठरघुबीरकृपाला । भरतगुहाहनुमानअनुजराजितदशभाला ॥ सुभटशूरसमरत्थसचिवसुतअङ्गदकीशा । नानाबांदरबीरकीशपतिनायउशीशा ॥ श्रुतिपुराणमुनिसन्तजनशेशमहेशहुआदरें । कहबनादासतुवभक्तिप्रभुब्रह्मादिकइच्छाकरें ५१ सोजाननकीचाहसिद्धिसाधनसबअंगा । कृपादृष्टिकरिकहींरँगौकछुप्रभुकेरंगा ॥ बोलेरामदयालुसुनौसादर

चितलाई । कहौभक्तिकोभेदतातसर्वांगबनाई ॥ प्रथमैशिवपद
प्रीतिकरकरमबचनमनलाइके । कहबनादासबितकेसहितअप
रदेवबिसराइके ५२ पुनिसेवैद्विजदेवबचनमनधनऔकाया ।
सबकामनाविहायहृदयमेंसबपरदाया ॥ सहजहोयबैरागबहुरिस
तसंगहिआवै । बहुबिधिकरिसतसंगहियेसुठिमोदबढ़ावै ॥ करै
सत्यगुरुतत्त्वबिदजातेसबसंशयदहै । कहबनादासममशुद्धमग
पावैदृढ़ह्वैकैरहै ५३ सतगुरुमेरोरूपबुद्धिनरभूलिनआनै । क
रमबचनमनसेयनअज्ञाकबहीभानै ॥ ममसेवातेअधिकगुरुकी
सेवालेखै । सद्गुआमानीबुद्धिदेहकृतकबहुंनहेखै ॥ यहिबिधिअ
न्तरमलदहैउपजैउरअनुरागअति । ममगुणगावैऊंचस्वरनहिं
आवैसंकोचमति ५४ लागैमनममचरितसुनैउरअतिअनुरागा।
कबहींतृप्तनलहैरहैनिशिबासरपागा ॥ सुनिसुनिकरैबिचारजाहि
करिदृढ़ताआवै । बहुश्रुतिकोमलबादभूलहूचित्तनलावै ॥ सं
कलदेवदिलसेतजैमेरीएकबिशेषगति । कहबनादासदिनप्रति
बढ़ैमेरेचरणंनमाहिंरति ५५ अर्चनमेराकरैबचनकर्महुअरुबा
नी । निशिदिनबन्दैमोहिंदेवदूसरनहिंजानी ॥ जेहिशिरबन्दै
मोहिंअवरफिरिकाहिनवावै । मेरीयात्राजहांतहांअतिरुचिकरि
जावै ॥ जन्मकर्ममेराकरैबहुबिधिउरउत्साहजू । कहबनादास
व्रतआचरैममभक्तनकीचाहजू ५६ सुमिरैनामअखण्डसकल
साधनकोत्यागी । तृप्तनमानैनेकलोकवेदहुबैरागी ॥ क्षणक्षण
नवअनुरागबढ़ैममचरणनमाहीं ।तनहूकीअस्नेहरहैमनमेंफिरि
नाहीं ॥ नयनअखण्डितधारजलपुलकगातगद्गदगिरा । कह
बनादासतबनहिंरहैकलुसम्हारसुमिरणशिरा ५७ कायनिवेदन
करैमेरैकीजानोरीती। डरैनेकहूनाहिंअधिकउत्साहसप्रीती ॥ ज
हांनकोउसम्बन्धनहींकोउजाननहारा । तहांबहावैदेहसख्यरस
करैबिचारा ॥ निजबलजगआशातजैसंजैप्रीतिपरतीतिमग ।
कहबनादाससर्बसतजैसंचयकलुराखैनलग ५८ तबअपारअ

नुरागनहींकछुमितिमर्य्यादा । जबप्रत्यक्षउरहोउसोईजानैवह
स्वादा ॥ बाहरभीतरमहींफेरिकोउनजरिनआवै । जगतदृष्टि
भयदूरिसकलमेंमोहिंठहरावै ॥ कहुँनृत्यतगावतकहूंकहूंमूकसे
ह्वैरहैं । तनरोमांचजलधारदृगअभिअन्तरगतिकिमिकहैं ५९
ऐसाममजनहोयसकलजगतारणहारा । करैलोकतिहुँशुद्धअव
रकाकरैबिचारा ॥आगमनिगमपुराणसबैताकोयशगावैं ।ब्रह्मादि
कसुरसकलतासुपदबन्दनलावैं ॥ जहँलगिममऐश्वर्य्यहैसबता
केआधीनभो । कहबनादासनहिंकछुलखैमोहींतेजलमीनभो६०
सहजयइन्द्रीदमनसहजबिषयनकोत्यागा । सहजयमनबसिभ
योजहांयहिबिधिअनुरागा ॥ मेराभयाभरोससहजसबआशाना
शी । मैंहींहौंप्रियएकसकलबासनाबिनाशी ॥ बहुबिधिमैंचाहौं
दियाकछूनलागैनीकतेहि । कहबनादासजगईशजोसोईभयाअ
धीनजेहि ६१ सकलजगतकोराजकहौंसोभूलिनलेवै । इन्द्रहु
कोपदकहौंताहिपरचित्तनदेवै ॥ अणिमाआदिकसिद्धितुच्छला
गैसबताको । शिवबिधिकोपदबड़ासोउनहिंभावतवाको ॥ मैंहीं
प्रियलागौंसदाछांड़ैपलएकौनहीं । कहबनादासफणिमणिदशा
नीरमीनगतिह्वैरही ६२ ऐसीमेरीभक्तिसकलसाधनशिरताजा।
ज्ञानबिरतिबिज्ञाननरनमेंजैसेराजा ॥ करैजहांलगिधर्मयोगअ
ष्टांगहिसाधै । तनतपसेअतिदहैसकलइन्द्रीमनबाधै॥ यमनि
यमादिककैसकलजहँलगिश्रुतिअज्ञाकरै । कहबनादासजोप्रीति
नहिंनहिंमोहिंप्रियनहिंभवतरै ६३ जाहितृषाजलहोयदहीघृतदू
धपियावै । बहुरिइक्षुरसदेयसस्ततताकेमुखनावै ॥ प्यासजायन
हिंकबहुँकरैकिनकोटिउपाई । जलैलहैसंतुष्टसबनकेबुद्धिसमाई ॥
भूखाजोहोवैकोऊअशनअनेकनबिधिकरै । कहबनादासबिनअ
न्नकेपायेमननाहींभरै ६४ सोनमलिनजोहोयताहिसुरसरिजलधो
वै। दूधदहीघृततेलबस्तुलैअमितसमोवै ॥ नानामलैसुगन्धयत
नपुनिकोटिनकीजै। धोवैऔषधअमिततासुमलकबहुँनछीजै॥ त

तकरैसोअनलमेंसहजदागताकोदहै। कहबनादाससंदेहनाहिंऐसे
सबकोऊकहै ६५ तिमिआतमानशुद्धकरैकोउसांधननाना। जपत
पऔव्रतदानकरैमखयोगबिधाना ॥ श्रुतिऔशास्त्रपुराणपढ़ैबहु
बिधिश्रमलाई। पूजापाठअचारअमिततीरथकोधाई ॥ जबलगि
नहिंममभक्तिदृढ़अंतरमलकैसेदहै। कहबनादासउरशुद्धनाहिंमो
रबासतहँकिमिरहै ६६ जबलगिमैंउरनाहिंसकलपरपंचनटूटै। ना
नाभैसंदेहक्षणैक्षणमायालूटै ॥ तातेकरिदृढ़भजनहृदैअनुरागब
ढ़ावै। पावैमेरारूपबहुरिसंसारनआवै॥ प्रेमलक्षनाजबप्रबलतब
तनहूतेभिन्नहै। कहबनादासप्रारब्धबसिहैनलखैमतिखिन्नहै ६७
जिमिकीन्होमदपानताहिनहिंदेहसम्हारा । बंधनतेपटअंगल
गाइमिकरैबिचारा ॥ यहअद्भुतआनंदकालबहु होयबितीता ।
छूटीतिरगुणगांठितिहूंतनहूंतेरीता ॥ प्रापतिनिर्गुणब्रह्मतबदो
ऊएकमेंमिलिरहे । कहबनादासश्रुतिसन्तमतपराभक्तिताकोक
हे ६८ सबसाधनतेरहितशिथिलभोतबअनुरागा। आईतबउ
रशांतिअगमहैजासुबिभागा ॥ अतिहिशुद्धसबभांतिप्रशंसत
बेदपुराना । लहैकोटिमेंकोयसकैबिरलापहिंचाना ॥ यथादारु
जरिअनलभयधूमरहितपुनिराखहै । कहबनादासयोगीशमुनि
सकलकरतअभिलाखहै ६९ बारबारसुग्रीवधरेपदपङ्कजशीशा।
आपुहिमानेधन्यहृदयसर्बांगकपीशा ॥ तबनिषादकरजोरिकहे
यकबिनतीनाथा । प्रभुसेकोसमरत्थधरेपदपंकजमाथा ॥ संत
नतेऊँचानकोउश्रुतिपुराणश्रीमुखकही । कहबनादासअभिला
षउरसोलक्षणजानाचही ७० बिगतकाममदक्रोधलोभजाकेन
हिंलेशा । निशिदिनऔदिशिबिदिशिजाहिनहिंकालऔदेशा ॥
कोविदकबिगुणरहितअगमसुठिसरिसासिंधुमति । कस्मबचन
मनसदाजाहिएकैमेरीगति ॥ शीतलसरलसुशीलशुचिसमता
अतिसर्बज्ञहै। कहबनादासदिलदीनतादेखतमानहुंअज्ञहै ७१
अनारम्भअनिकेतअनघअद्वैतअभेदा । आलसरहितअनीह

जाहिसमसुखअरुखेदा ॥ बिगतमानअपमानहानिऔलाभन
जाके। अस्तुतिनिंदारहितरागऔद्वेषविवाके॥ विधिनिषेधजाके
नहींरचनावेषनबहुकरै। कहबनादाससंशयरहितकालहुतेनाहीं
डरै ७२ संतोषीसुठिशूरपीरपरजाननहारा। धीरवानधनहीनयु
कांतीशुद्धबिचारा॥ मानदसदाअमानअमायादीननभाखै। म
नइंद्रीस्वाधीनगूढ़गतिशोचनराखै॥ आशबासनासेबिगतसत्य
बचनतृष्णारहित। हर्षशोकसंशयनउरनहींदोषअरुगुणगहि
त ७३ बिरतिहुंतेबैरागज्ञानबिज्ञानकोआकर। साकरमेंहिम
वानशांतिप्रकाशदिवाकर॥ ममगुणकरतेश्रवणमौनगतिकछू
नभावत। पुलकगातदृगनीरकण्ठतेबोलिनआवत॥ बर्णाश्रम
बन्धनरहितसहिताबिचारसदारहै। जोकोउआवैशरणमेंभयसं
शयभवदुखदहै ७४ बोधखानिनिरबैरबिश्वउपकारधरेचित।बेद
दण्डतेबिगतसदाममनामजाहिबित॥ सतसंगतिप्रियसदाअ
धिकगुरुमोतेमानै। करैकोटिअपकारतासुउपकारहिठानै॥ दीन
नपरदायासदासुखपरसुखपरदुखदुखै। कहबनादासउदबेगगति
निजमतिमहिमानहिनिजमुखै ७५ साधनसकलसिरानकरमको
बीजनबोवै। बोलैबचनबिचारिकाहुकोमननाहिंटोवै॥ सबदिनशू
न्यउपायमोहरजनीमेंजागै। भोगकरैप्रारब्धिसकलमनबादते
भागै॥ श्वानश्वपचब्राह्मणगऊपापीपुण्यीपेखते। कहबनादास
ब्रह्मादितृणअरुपपीलसमलेखते ७६ निसप्रेहीनिहसंगनिगम
मारगप्रतिपालै। अस्थितमतिनिरदम्भदोषदूषणकोघालै॥ ज
ड़चेतनकोछानिक्षणक्षणभंगनलोभै। काटेकपटपखण्डसदाशु
भठौरपैशोभै॥ कोऊबहुसेवाकरैकोऊकरैअपराधअति। कहब
नादासतेहिनहिंगहैऐसीसन्तनकेरिमति ७७ फणिमणिज्योंजल
मीनरहैमोतेतेहिभांती। मेरीचरचाछोड़िअवरिनहिंबातसोहा
ती॥ लैमेरासम्बन्धथोरसमतामेंबोलै। शमदमनेमनिबाहभू
लिनिजवृत्तिनडोलै॥ मृगतृष्णासमजगलखैकञ्चनमृदतियकाठ

सम । कहबनादाससंसारमेंसन्तभांतियहिबहुतकम ७८ बासुदे
वमयसर्बसंकलपबिकलपनाहीं । निशिदिनब्रह्मंबिचारसदालैता
हीमाहीं ॥ पुरइनिकैंसेपातरहैंजगजलबसुयामा । मर्मनपावैंको
उकियेपरधाममुकामा ॥क्षमासहनकोमलअतिहिपुरुषनबोलहि
बैनजू । कहबनादासनिजमतहठीबहुउदारगुणऐनजू ७६ कर्म
बचनअरुमनहिकाहुकोदुखनहिंदेवै । सर्बसंकलपरहितकाहुल
गिकाहुनसेवै ॥ मोहूंतेनहिंचाहअवरफिरियाचैकाही । ऐसेलक्ष
णजाहिताहिबशरहौंसदाही ॥ जिमिअगाधजलगजगिरयोतेहि
बिधिभोगतशांतिसुख । कहबनादासकोकबिकहैसन्तनकेगुणए
कमुख ८० सहसबदनशारदासन्तमहिमाजोगावैं । ब्रह्माऔर
महेशगणेशौपारनपावैं ॥ श्रुतिपुराणषटशास्त्रकहैंकबिकोबिदसा
रे । कोऐसासमरत्थसन्तगुणपावैपारे ॥ सन्तनकीगतिमतिअ
गमसन्तैंजानैंसन्तको । कहबनादासप्रभुइमिकहेसन्तसेअवर
अनन्तको ८१ सन्तनकेगुणसुनेगुहासहसभाअनन्दे । रघुपति
पदपाथोजसबैकोउहितकरिबन्दे ॥ पांचदिवसतहँरहेचलनकोब
हुरिबिचारे । बालितनयकरिभौनसंगकपिराजसिधारे ॥ यानचढ़े
रघुबंशमणिमिथिलापुरगमनहिकिये । कहबनादासमनगतिच
ल्योसबैकोउहर्षितहिये ८२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखण्डे
भवदापत्रैतापबिभंजनोनामषष्ठमोऽध्यायः ६ ॥

पुरढिगपहुंचतयानजानिमिथिलेशसिधाये । भूसुरसचिवस
यानसज्जनथोरेआये ॥ रघुपतिकीन्हप्रणामभूपतबह्रदयलगा
वा । कबिकोबिदबहुथकेहेरिपटतरनहिंपावा ॥ अतिसनेहकोग
तिकहैमनहुंगईमणिफणिलहे । कहबनादासदोऊदिशाकुशलक्षे
मबूझैकहे ८३ भरतकियेपरणाममिलेकपिराजबिभीषन । भेटि
गुहाहनुमानजानिश्रीरामसखाजन ॥ शीलासिंधुरघुबीरसकलमु
निभूसुरबन्दे । लायेभवनबिदेहहृदयंबहुभांतिअनन्दे ॥ यंथायो

गअ्रासनदियेसुभगभवनभूपतितबै । कहबनादासजेंहिउचित जसकर्मबचनपूजेंसबै ८४ बोलेदिशिरघुनाथराउनिजभागिब खानी।रामस्वरूपतुम्हारअगमबुधिमानसबानी॥निगमनिरूपत नेतिशंभुबिधिसुरमुनिध्यावैं । अगमध्यानयोगीशकोउएकअति श्रमपावैं ॥ नारदशारदसहसफणगणनाथहुकोअगमगति । कहबनादासकोकहिसकैसबकोउसेवतयथामति ८५ चिदानंद परधामब्रह्मनिर्गुणअबिनाशी । अजयअकलनिर्बाणज्ञानघन स्वतःप्रकाशी ॥ अलखअनीहअभेदअचलअजजाननकोई। आदिअन्तमधिहीनसकलउरबासीसोई ॥ ब्यापकपरिपूरणसक लसमताशुचिसर्बज्ञहौ । कहबनादासकारणसकलगुणमयपरम कृतज्ञहौ ८६ अतिहिबृहदअनुरूपअयोनीअबिगतिलीला । सन्तबिवर्धनमोददनुजउरमोहनशीला॥वेदशिखावागीशबिश्व बपुबिरदबिशाला । बिश्वेश्वरबरदेशरामकालहुकेकाला ॥ शुद्ध नित्यनिरबंध्यहौनिराधारनिरलेप्यबर।बासुदेवउतकृष्टअतिपुरु षोत्तमहियहंसहर ८७ हियभुशुंडिपरकासबाससन्तनउरमाहीं । जेहिलगियोगीसिद्धिबिबिधबिधयतनकराहीं ॥ सोजानयकछुभे दजाहिनिजओरजनाये । तुम्हरीकृपाप्रसादकछूयकैंमैंहूंपाये ॥ जोसुखयहिसम्बन्धमोहिंकोउसपनेहुपायेनहीं । कहबनादास तातेअमितभागिहृदयमानेसही ८८ सिंहासनआसीनरामशत कामलजाये । रघुनन्दनआगमनसुनतपुरबासीधाये॥ आयजो हारतसकलरंकलूटैजनुसोना । निरखहिंयकटकरूपभागिजासम नहिंहोना ॥ सनमानैसादरसबैशीलखानिरघुबंशमणि । कहबना दासनहिंतोषलहगैमाणिपाईसनहुँफणि ८९ समयंपायजेवनारब नोषटरसबिधिनाना। व्यञ्जनअमितअनूपचारिहूखानिप्रमाना॥ तबभोजनकेहेतभूपरघुनाथउठाये । सखाअनुजयुतचलेभवन भीतरसबआये॥ लक्ष्मीनिधिधोयेचरणयुतसनेहदोउबन्धुकर । कहबनादासपीढ़ाकनकमणिनजटितबैठेकुँवर ९० पुनिपनवारेप

रेसुभगदेखतबनिआये। परसतसारसुवारहृदयअतिमोदबढ़ाये॥ फेरेओदनदासिसरपिसद्यहिकरनीका । लागेंभोजनकरनहरषि हियरबिकुलटीका ॥ बहुव्यञ्जनपकवानलैपारीपारीपरसते। कह बनादासतियगावतींगारीआनँदबरसते ९१ भोजनकरतेरामभ रतअतिहीरुचिभारी । लङ्कापतिकपिराजसखागणबैठेभारी ॥ गुहाआदिहनुमानमहाआनँदकोलेवैं । मिथिलापुरकीनारिचतुर बरगारीदेवैं ॥ हेमथारभारीकलितकनककटोरेबहुबने । कहब नादासकहँलैकहँधरेपदारथअनगने ९२ दहीदूधअतिदिव्यब नेमोदकबहुभांती। बरफीपेड़ासेवजलेबीअतिहीताती ॥ नाना भांतिअचारचरफरीचटनीन्यारी। फुलकापरमपियारकहैंकहँले तरकारी ॥ केलाकटहरकरयलापरवरसागअनेकबिधि । कहब नादासजूरीघनीसहिदाअगणितस्वादनिधि ९३ बेसनबहुपक वानमूँगकेबिबिधबिधाना । बरीकचौरीबरास्वादजनुसुधासमा ना॥ पूरीपुवापुनीततसमईमोहनभोगा । पोपरीपापरकढ़ीमसा लेबहुसंयोगा॥ मालपुवागोभाघनेबरीगोबिंदअनूपहैं । कहब नादाससंक्षेपहीकोबरणयकबिभूपहैं ९४ गोरेदशरथभूपबदन गोरीसबरानी। सांवरदूनौभायसखीगतिपरैनजानी ॥ इनकेकु लकीरीतिकहेकछुबनिनाहिंआई । शृङ्गीऋषिकेसङ्गसुनागैबहि निसिधाई ॥ पतिदेवतापुनीततियसौमित्रागोरेसुवन । कहबना दासकैसीभईशोभासुठिसारेभुवन ९५ तबबोलीकोउसखीबंधु चहुंपावकजाये। भयोभूपकोनामअलीमानौंसतिभाये ॥ स्यन्द नपैदाकियेसोऊदशमिलिनिजओरा ।दुइसांवरदुइगोरनृपतिको कवननिहोरा॥ रघुबंशीकुलरीतियहराजातियकैघरबसैं। कहब नादासइमिव्यङ्गबहुगावैंरघुनन्दनहँसैं ९६ बोलाकोउयकसखा रीतितुमरेकुलन्यारी । महितेपैदाहोतबापनाहींमहतारी ॥ लो कौंबेदबिदेहकहैंतिनसुतकिमिजाये । लक्ष्मीनिधिहैंतियापुरुष दुहुजानिनपाये॥ हमरेबैरागीनहींनृपसुशीलसरदारहैं । कहब

नादासबरणयकवनआनँदअतिहिअपारहै ९७ उठेजेयँरघुना
थबैठिचौकीशुचिजाई । द्वारेअचवनकीन्हपानसबकाहूपाई ॥
जायकियेबिश्रामयामदिनबाकीजागे। सभाबिराजेआयनृतकग
णगावनलागे॥ जनकदानदीन्हेद्विजनअन्नबसनभूषणअवनि।
हाटकहीराराजतमणिगऊअमितउपमाकवनि ९८ हयहाथीहथि
यारअमितसुभटनकोदीन्हे । न्योछावरिरघुनाथअयाचीयाचक
कीन्हे॥ पुरबीथीअरुगलीभलीबिधिगन्धसिचाये। बनयेबिबिध
बजारदेखिमनसहजलुभाये॥ घरघरमङ्गलमोदअतिरघुपतिआ
येजनकपुर । कहबनादासज्यहिभावजसनहिंउत्साहअमातउर
९९ दगीशतघ्नीअमितजाहिघनशब्दलजाते। बिबिधभुशुण्डी
ड्योढ़लोगसुनिसुनिहरषाते॥ नृत्यगानबहुभांतिबिरदबन्दीउ
च्चारे। करतबेदध्वनिबिप्रभीरअतिभूपदुवारे॥ सुभटशूरपुरलो
गसबबहुआवतअरुजातहैं । कहबनादासउपमाकहारामहिंल
खिनअघातहैं १०० मिथिलापुरनरनारिप्रभुहिअतिलगतपि
यारे। किमिदरशनसबलहैंकहैंनहिंहृदयबिचारे॥ लक्ष्मीनिधि
रुखजानिसकलसाहनीबुलाये । हयगयस्यन्दनयानसकलसब
भांतिसजाये॥ बिबिधबर्णकेतुरयबरश्यामकर्णमनबेगहय ।क
हबनादासनखशिखसजेजातिऔखेतअनेगहय १ मत्तदन्तबहु
सजेजाहिदिशिकुञ्जरलाजे । करतशब्दबहुघोरमनहुंघनसावन
गाजे॥ तीखेदन्तउतङ्गचतुर्दन्तादुइदन्ता । एकदन्तबिनदन्त
कवनकबिपावैअन्ता॥ श्यामश्वेतभूरेबिपुलमनहुंधतूरेअशनक
रि। कहबनादासमदबहतज्यहिजनुपनारछबिरहीभरि २ हौदा
कञ्चनपीठिजटितमणिनानाजाती। परीअँबारीललितकलितअ
तिभूलसुहाती॥ भालरिज्यहिपचरङ्गआदिमुक्तामणिनाना।
मस्तककञ्चनपत्रछुहेअँगसकलबिधाना॥ घोरशब्दघण्टाकर
तहीराभालबिशालहै । कहबनादासरससेकसेकोबरणैबरचाल
है ३ त्यहिगजऊपरआयरामअसवारभये हैं । ऐसेसजेअने

कजाहिरुचिजौनलहेहैं ॥ कपिपतिऔलङ्केशभरतकेवटहनुमा
ना। रघुपतिआज्ञादियेचढ़ौबाजीबिधिनाना ॥ लक्ष्मीनिधिअ
रुसचिवसुतयऊसुभगस्यन्दनचढ़े । कहबनादाससंख्याकहा
सुभटशूरआगेबढ़े ४ बाजेबिपुलनिशानअमितफहरातपताके।
गजघण्टाघनघोरशब्दसुठिस्यन्दनचाके ॥ शुतरअश्वगजगा
जराजसीसाजकहैंको। हारैंमदमघवानअपरपटतरहिलहैको ॥
उड़ीधूरिनिभभरिरहीदिनहिंभानुनहिंलखिपरत । कहबनादास
धसकतधरा नहिंउपमाउरअनुहरत ५ चलेजनकपुरगलिन
अलिनप्रभुआवतजाने । लगींझरोखनआयमोदउरअतिअ
धिकाने ॥ निरखिरामकोरूपभईतनमनबुधिभोरी । जाहिलज
तबहुकामअंगप्रतिमनहुंठगोरी ॥ कनकमयीमणिमुकुटशिरमे
चककुंचितकेशहैं । कहबनादासकुंडलश्रवणलीनहुछटाबिशेष
हैं ६ अतिहीभालबिशालतिलकशोभाकीखानी । नासाचारु
कपोलहरतमनमृदुमुसकानी ॥ सघनदशनकीपाँतिबीजदाड़ि
महिलजावै । अधरसधरबरअरुणकहाबिंबाफलगावै ॥ भ्रूबि
शालसुठिबंकहैकृपाकोरजापैपरै । बंकबिलोकनिकंजदृगकिमि
तनमनधीरजधरै ७ मरकतद्युतिमुखचंद्रसोऊउपमालघुलागै।
कम्बुकण्ठहरिकन्धतापतिहुँनिरखतभागै ॥ भुजअजानुकेयूर
करनकंकनछबिछाजे । सरसिजसेयुगपाणि मुद्रिकाकरजबिरा
जे ॥ बलनिधिकरधनुशरधरेमुक्तमालउरमेंलसी । कहबनादा
समरकताशिखरजनुधारासुरसरिधसी ८ लसतपीतपटतूणकटि
हिकेहरिकिटिल्लाजे । जानुकामयुगभाथरोमावलिशोभासाजे ॥
रातेपंकजपाँयभृंगछैमुनिमनछाये। पदजनखनकीक्रांतिरहैंयोगी
शलोभाये ॥ नखशिखशोभासीवसुठिबंधुदोऊएकैबरणं। कहब
नादासजाकेशरणभयेसकलसंशयहरण ९ जबहींखिरकीनिकट
रामगजलागतआई । धूपदीपतियकरतकोऊकरबुक्कउड़ाई ॥ ना
वतकोऊअबीरकोऊअरगजाबहावत । कोउचंदनघसिदेतसखी

मनभावतपावत॥ सुमनदृष्टिकोउकोउकरतकोऊयकटकजोहती।
कहबनादासरहिमुर्च्छिकोउकोउसमीपसुठिसोहती १०. कहत
परस्परबैनआजुबड़भागहमारे । मनभावतसुखलहेनिकटरघु
बीरनिहारे ॥ आजुईशअनुकूलसुकृतबहुजन्मनकेरे । फलेआ
ययकबारपरमप्रियरामहिंहेरे ॥ नहिंगुरुजनकीलाजहैनहिंकुटु
म्बभयदेखती । कहबनादासअतिप्रीतियुतयकटकरामहिंपेख
ती ११ कहतपरस्परसखीरहीआशाउरमाहीं । कहदेखबभरि
नैनईशगतिजानिनजाहीं ॥ दीन्हेबिधिकरिपूररामबशप्रेमकह
तसब। अंतरयामीअहैताहिकरिदियेदर्शअब ॥ एककहलमेरे
हृदयनिश्चयकरिऐसीठनी । कहबनादासनहिंसुकृतअसफिरि
देखबकौशलधनी १२ एककहतयकपाहिंलाजसमपापनकोई।
तामेंस्त्रीजातिसदापरबशरहजोई॥ मनकोजोअभिलाषरहतमन
हींमनआली। नहींकहोकछुजातकीन्हबिधिमनहुंकुचाली॥ हम
खगसेपिंजरापरेआगेसेकढ़िजातहै। कहबनादासमनतोगयेप्राण
परेपछितातहै १३ जोउरबासीकहैइनहिंसबवेदपुराना । तौउर
कीअभिलाषसकलबिधिसबकीजाना ॥ याहीसोहैंकाजऔरका
कीजैबामा। मुखसेरटनानामहृदयमेंमूरतिश्यामा ॥ गलिनगलि
नवागतजहांअलिनमध्यआनंदइमि । कहबनादासजानतबई
अपरकोईसोकहैकिमि १४ युवावृद्धबहुबालसंगमेंजातेलागे ।
देखतरूपअनूपहृदयबिचबहुअनुरागे ॥ जोदेखतप्रभुरूपबीच
कहुंपरतकलेशा । पावतअतिहीलोगमनहुंघनदुरेउदिनेशा ॥
शोभापुरमिथिलेशकीकवनपारकहिकैलहै। कहबनादासमतिजा
हिजसिसबकोऊतैसेकहै १५ अतिबिशालबरकोटनगरचहुंपास
सोहाये। तामधिकोटबिचित्रराजसीसाजबनाये ॥ महलमनोहर
दुर्गधवलसुठिकलशअकासा । कनकमयीमाणिखचितगूढ़खाईं
चहुंपासा॥ लागेकुलिशंकपाटबरबिद्रुममाणिमनमोहई। कहबना
दासकासोंकहैरचनाअद्भुतसोहई १६ रचेबिबिधचित्रामगुणीज

नवरणिनजाई । तनेचँदोवाचारुकहतकबिमतिसकुचाई ॥ रात
पीतसितअसितहरितबहुभ्कापपड़ेहैं। कनकमयीसुठिपलँगजवा
हिरबिपुलजड़े हैं॥ इसीसेजपयफेणसेअगणितगृहभीतरपरे। को
शखजानेहेममणिशुचिसेवकजहँतहँअरे १७ शुतरशालरथशा
लबिपुलगजशालबनाये। गोशालेबहुभांतिवृषभमहिषीहितभा
ये ॥ नानाखगमृगभवनमेषशूकरबहुपाले । बकरेव्याघ्रबिशाल
जिनिसिबहुलालेकाले ॥ बनेतोपखानेअमितशूरसावँतनकेभव
न। गृहबहुदासीदासकेबनादासबर्णयकवन १८ हारैंमदमेघवा
नधनदसामानगनावै। पुरबसगितिबरबनीघनीमुनिमनहिंचोरा
वै ॥ रचनाबिबिधबिचित्रद्वारसबकुलिशकपाटा । कोकबिअ
समतिमानसराहैपुरबरठाटा ॥ कनकमयीमणिनगजटितबनेबि
पुलचित्रामहैं । बसेबरणचारिउतहांसबकोउसहितअरामहैं १९
बनीबजारबिचित्रचित्तचोरतसबभांती । दरदुकानमनहरैंबसे
नरनानाजाती ॥ बैठबजाजसराफमनहुँसबधनदसमाना । लै
लैबस्तुअनेकसकैकोनामबखाना ॥ मणिमाणिकहीरारजतबिपु
लजवाहिरलालहै । हाटकभूषणमणिमयी जाकेमोलबिशाल
हैं २० पटपाटम्बरधरेचीरअम्बरबहुजाती । चीनऔरकिम
खापदुशालेअगणितभांती ॥ अतलसअमितअमोलजड़ाऊ
ज्योतिजगमगै। पट्टूअरुकिंजलकदेखिमखमलमनठगै ॥ पट्टा
गोटअनेकबिधचमाचमीचहुँदिशिभई । कनकरजतभाजनघ
नेठठराहीद्युतिसरसई २१ बहुमेवाफलसुमन मिठाईनानाजा
ती । तरकारीबहुतरहपोतिद्युतिसुठिसरसाती ॥ हयहाथीहथि
यारबिकैंबहुखंगमृगनाना । अन्नअनेकनभांतिनामकोकरैबखा
ना ॥ बहुप्रकारपकवानहैहलुवापूरीपरमप्रिय ॥ मालपुवाखोवा
दहीलखिचिउरालनचाताजिय २२ देखिनगरचहुँपासआयपेखे
बजारबर । पुरबाहरपुनिगयेअमितऋषिआसपासकर ॥ कहुँ
उपबनबनकहूँबाटिकाकहुँबरबागा। जंनुबसंतसबकालरहंतदश

दिशिप्रियलागा ॥ जहँतहँसरफूलेकमल चारिबर्णपुरइनिपट
ल। अतिनिर्म्मलगम्भीरहैंदेखिनपरतबिशेषिजल २३ गुंज
तअलिगणमत्तचोपिचाखतमकरंदहि। कूजतजलखगभूरिजा
तबिरहीउरसुनिदहि ॥ चक्रवाकबकहंसबत्तकुक्कुटअरुखञ्जन।
जलासिंहकलहंसपरेवासारसहरमन॥ कोकिलकीरचकोररवहा
रिलतीतिरशोरहैं।कोयलकूकपपीहराधुनिनाचतकलमोरहैं २४
पुरबाहररम्यताअतिहिरघुपतिमनभाई। देखतसुनतसोहातस
मयसंध्यातबआई॥ चलेनगरकेओरबरेबहुबिधिपंशाषे। नाना
भांतिमशालरोशनीमनअभिलाषे॥आयेजबबिश्रामथलसकल
लोगउतरेसही॥समयजानिदोउबन्धुतबसंध्याबन्दननिर्बही२५॥
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेबिहारखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामसप्तमोऽध्यायः ७॥

सभामध्यपुनिबैठिआयरघुकुलमणिजबहीं। गानतानअरु
नृत्यहोनलागेसुठितबहीं ॥ बैठेसखासमेतसचिवसुतपरमगँभी
रा ॥ नानासुभटसवंतभईबहुलोगनभीरा। पुनिप्रभुबर्षासनदि
येबहुरिबियारीतबकिये। कहबनादासकीन्हेशयनबन्धुदोऊहर्षि
तहिये २६ जागेप्रातःकालनित्यनिबहेदोउभाई। सभाबिराजे
आयसबैकोउशीशनवाई॥बोलेचरबरचारिअवधपुरवेगिपठाये।
कुशलक्षेमकेहेतराममिथिलापुरआये॥ करिपुनिमगमेंबासतिन
अवधपुरीपहुंचतभये।कहबनादासपदबन्दिकैपातीलक्ष्मणकर
दिये २७ रघुपतिपातीबांचिप्रथमहींगुरुहिसुनाये। पुनिघरबा
हरबिदितसुनतसबआनँदपाये ॥ दूतनदीन्हेबासप्रातउठिगम
नेसोई। जातेपहुंचैबेगिडगरमेंगहरनहोई ॥ सियामातुपुनिसम
यपरभेजेबन्धुबोलायदोउ।जायसासुबन्देचरणबैठेआशिषपाय
सोउ २८ कुशलप्रश्नकोबूझिभागिबड़िआपुबखानी। मणि
गणभूषणबसनकियेनेवछावरिरानी.॥ तातमधुरकछुखाहुजवन
सुठिभावतजीके। फलमोदकघृतपक्कदियेजनुस्वादअमीके ॥

प्यायेसुरभीक्षीरपुनिदीन्हेसुन्दरपानको । कहबनादासजिमिमो
दउरसियजननीगतिजानको २९ जनुपायेजलस्वातिपपीहाफ
णिमणिगयऊ। पारसभेंटेरङ्कशूरजिमिरणजयलयऊ॥ जिमिरो
गीलहमूरिमूकमुखबाणीआई । क्षुधितलहैरुचिअशनकहाउप
माकबिपाई॥बिछुरीजलतेमीनजिमिपाइजननीजानकी। कहबना
दासप्रतिपलकजनुनेवछावरिकरप्रानकी ३० सिद्धिभवनतबगव
नकीन्हभरतहुरघुनाथा । अतिबरआसनदीन्हआपुकोजानिस
नाथा॥धानपानकुम्हिलातलहैमनमाणिकपानी । लहैचकोरीच
न्दशिखीसुनिवारिदबानी॥मृगीसुनैजिमिबीणधुनिखिलगमीनपु
निजलपरी । कहबनादासकबिकोकहैइनहुंतेउरआनँदभरी ३१
सुनेअपरपुरनारिसिद्धिगृहरामगये हैं। मृतकलहेजनुप्राणतेही
बिधिमोदभये हैं॥ चलींचैनाचितचोपिभौनभौनहिंतेललना। राम
दर्शकीलोभपरैएकौपलकलना॥ जिमिपावसपानीपरेमीनउदण्ड
नलखिपरै । कहबनादासजगबिदितसोचढ़िऊंचेभूरेमरै ३२ ति
मिधाईंअतिबेगभरीगुरुजनभयलाजा। आयमिलींरनिवासप्रभु
हिलखिपूजेकाजा ॥ भराभवनतेहिसमयकौनकबिआनँदभाखै ।
करैंबिबिधबिधिप्रीतिलाजतिनकासमनाखै॥ सबनिरखहिंरघुबर
बदनस्वतःसकोचबिहायकै। कहबनादासस्नेहबशरामस्वबशसु
खपायकै ३३ हँसिबोलींतबसिद्धिक्रौलतौभलेनिबाहे। भयेनिठुर
यकबारआजुतकयहांनआये ॥ अन्तरयामीकहतसन्तमुनिवेद
पुराना। हमकीन्हेअनुमानतुम्हैंकछुपरतनजाना ॥ प्रेमबाणमा
रेपरखिहरखिरहेवाहीदिशा॥कहबनादाससुधिनालियेअबभूंठीदे
हौंनिशा ३४ मिथिलापुरकीनारिबैरकातुमसेकीन्हा। गयेठगोरी
डारिभूलिफिरिसुधिनहिंलीन्हा ॥ नाहकघरकोत्यागितुमहिंलगि
होतफकीरा। नहिंदायाउरमाहिंकहाजानौपरपीरा ॥ राजभोग
कोछांड़िजायबनवासाकरहीं । नानासंकटसहैंसिंहबाघहिनाहिंड
रहीं ॥ किनबौरायेभांतियहिचाल्रचलायेयहकवन । करतयक

ङ्गीप्रीतिकोनाहकतनकरतेदमन ३५ तुमस्वतंत्रसर्वांगचलोंनि
जराहसदाहीं। आपुसुखीजेअहैंऔरदुखजानैनाहीं॥ भोगराग
मर्यादमानमेंमगनसदाहैं। लाखौंपरेग़रीबनृपतिकछुतिनहिंनचा
हैं॥जक्तजरतत्रयतापमेंभवबन्धनव्याकुलसदा। कहबनादाससु
खसिंधुहैंईश्वरसबकाहूबदा ३६ दुइदुइगहेअनर्थएकहीहैंअति
भारी। बूभिपरततिहुंकालरहातुमसेसबहारी॥ मण्डफऊपरगेंद
यथाबहुभांतिबहावै। टिकैक्षणकहूनाहिंसद्यभूतलमेंआवै॥ इमि
जोसुखियाआपुहैंनाहिंगरीबकोआदरैं। कहबनादासकेतौकहैब
चननहींउरमेंधरैं ३७ बोलेरामसुजानबातसुनियेयहभामिनि।
लखैचकोरीचंदनींदपुनिलहैनयामिनि॥ शीशपंछमिलिरहैसहै
दुखनैननफेरैं। चन्दनमानैकछूकौनसन्देहनिबेरैं॥ मीनमरैबि
छुरैपलकजलकोकछूनख्यालहै। कमलप्रीतिरबिसोंकरीपलटि
उसीकोकालहै ३८ बीणसुननकेहेतमृगानिजप्राणगँवावै। न
हिंघनकोस्नेहमोरअतिहीलवलावै॥ चातकरटिलटिमरैस्वाति
कोसुधिकछुनाहीं। नहिंदीपककोचाहशलभदेखतजरिजाहीं॥
प्रीतिरीतिइनकीप्रकटलोकबेदहूगावई। कहबनादासरघुबंशम
णिमोकोनेकनभावई ३९ तिहुंपुरमेंस्नेहजहांतहँस्वारथहेता।
देखोहृदयबिचारिबातकैसुनोसचेता॥ वैसारेजड़स्वबशप्रीति
कीरीतिनजानैं। जगमतलबकेलियेबातसबकोमनमानैं॥ मेरी
ऐसीप्रीतिनाहिंमेंजानोअरुमोरजन। कहबनादासगतिबिदित
हैलोकबेदहूसुयशघन ४० मैंस्वारथनहिंचहौंकरौंजड़हूकोचे
तन। जोजनमोकोभजैताहिमैंभजौंलायमन॥ सारेऔगुणहरौं
सकलबिधिपापनिवारौं। नाशकरौंत्रयतापबिघ्ननानाबिधिटारौं॥
जोअत्यंतकप्रीतिकरताकेनितानिकटहिरहैं। कहबनादासजोइ
भावनासोइताकेसँगनिर्बहैं ४१ बर्णाश्रमतेरहितनीचयोनिन
जोजाये। करिदृढ़उरमेंप्रीतिजोईममशरणहिंआये॥ सबकछु
जेपरिहरेरहेमोमेंलवलाई। नहिंजानैश्रुतिशास्त्रबिविधबिद्याच

तुराई ॥ मेरीएकैगतिसदाऔरनदूजीचाहहै । कहबनादासता
कोसदासबबिधिकरौंनिबाहहै ४२ पुनिताकोइमिकरौंबड़ेजहँल
गिकोउआहीं । बर्णाश्रमअभिमानअहैपण्डितजगमाहीं ॥ ताप
दबंदनकरैचरणरजशीशचढ़ावै । ब्रह्मादिकसुरनमितप्रशंसाता
कीगावै ॥ निजमेंलेउँमिलायतेहिलोकबेदतिहुंपुरबिदित । तुमते
दूजाकवनप्रियमोमेंराखतसदाहिंचित ४३ जाकीजासोंप्रीतिरहै
सोनिकटहिताके । बिनदेखेकिमिजियेबचनसुनिस्वादसुधाके॥त
ललहतनहिंकोयरूपरघुबीरनिहारी । नानाहासबिलासस्वादसो
उजानाहिंनारी ॥ भरतबचनबोलेतबैसबकोमोदबढ़ायकै । कहब
नादासप्रभुलैचलीसबहिबिमानचढ़ायकै ४४ तबबोलीकोउअ
लीआपुतौसाधुकहावै । सिद्धिकुवंरिहँसिकहेसंगफलकसनहिंपा
वै ॥ साधुकहावैसोईजवननिजकारजसाधै । हमकासाधेआयल
गावतकिमिअपराधै ॥ प्रभुसबबिधिसमरत्थहैचहैजोईसाधैअं
बे । कहबनादाससुनिभरतकेबचनमगनमनतियसबै ४५ येनहिं
चढ़ैंबिमानंयानमनहमैंचढ़ेहैं । सबकोउअहैंसयानिपढ़ेकोकौनप
ढ़े हैं ॥ चढ़नेकीरुचिमोहिंचढ़ावैजोमनयानहिं । नहिंउतरौंकोउ
कालअनतचितकतहुंनमानहिं ॥ यहिबिधिहासबिलासबहुसक
लसुकृतकोफललहै । कहबनादासआनंदवहसमुझेसुखकबिको
कहै ४६ चले हर्षिहियद्वारसिद्धपटपीतगहीजब । रामसकोचीबा
निभावलखिबैठिगयेतब ॥ लाईअतरगुलाबबिबिधबिधिचोवाचं
दन । केसरिनीरउसीरअरगजाभरिआनंदन ॥ बुक्काऔरअबीर
बरबीरासुरसबनायकै । कहबनादाससबठवरकरिअसउरमोदब
ढ़ायकै ४७ लैलैपंकजपाणिअंगरघुबीरलगाये । सहितभरतकेब
दनहृदयसुठिचोपबढ़ाये ॥ करतेपात्रउठायशीशप्रभुनायदियेहैं ।
भीजिगईतनमनहुंमोदरह्योछायहियेहैं ॥ तबबीरादीन्हेहितैपर
मसनेहसम्हारिकै । कहबनादासद्वारेचलेफिरिफिरिरहीनिहारि
कै ४८ रहींसकलछकिहियेहृदयमृदुमूरतिराखे । कोकबिछाया

लहैबचनमनपरेसोभाखे ॥ रामप्रीतिश्राधीनकहतनितबेदपुरा
ना । जहांप्रेमपरिपूरबसैतहँमुनिजनजाना ॥ गईसकलनिजनि
जभवनदवनकियेदुखद्वंदको । कहबनादासमिथिलामनहुंउम
ग्योउदधिश्रनंदको ४९ सांझसमयभैभवनगौनसंध्याहितकी
न्हे । भरतसहितप्रभुश्रायसभामहँबैठकलीन्हे ॥ राजितनृपति
बिदेहलंकपतिश्रौकपिराजा । गुहाश्रौरहनुमानसचिवनृपतनय
बिराजा ॥ सतानंदतबश्रायकैकहनलगेकछुकथाशुचि । कहब
नादासहरियशबिशदबाढ़ीसबहिंबिशेषिरुचि ५० श्रर्धयामपु
नियामजबैरजनीगैबीती । तबबोलेनृपजनकबचनमृदुश्रति
हिसप्रीती ॥ लंकापतिकपिराजश्रधिकमोहिंश्रानँददीन्हा । कृ
पापात्रहनुमानगुहाबड़भागीकीन्हा ॥ तबसबबोलेनृपतिदिशि
शीलसनेहबढ़ायकै । कहबनादासतुमपितुसरिससुकृतीदर्शनपा
यकै ५१ ज्ञानवृद्धबयबृद्धबृद्धश्रोहदाजगलीका । करतब्रह्मरस
पानराजसुखसबबिधिफीका ॥ रघुपतिकृपाप्रसादश्रापुकोदर्शन
पाये । भागिभूरिश्रतिलखेबचनभाषतसतिभाये ॥ तबबोलेरघु
बंशमणिजगतनृपतिकोजनकसे । श्राठयामजिनमंनकसेज्ञान
श्रग्निमेंकनकसे ५२ सत्यमहीपतिनामश्रपरसबनामनकल
हैं । गोयरह्योसोनाहिंबिदितभयजगतसकलहैं ॥ भोगपृथीपर
सिद्धब्रह्मसुखजोगवतनीके । जड़चेतनकीगिरहछोरिडारीजिन
नीके ॥ कोतिहुंकालबिदेहसेतिहूंलोकमेंनाहिंफबै । कहबनादास
दोऊदिशाजोसमहैदेखीश्रबै ५३ एकइहांश्रतिसुखीश्रंतयमधा
मसिधावै । एकश्रहैश्रतिदुखीवहांऊँचापदपावै ॥ यकरीतादो
उश्रोरताहिकोसबकोउनिन्दै । जनकलोकसमदोऊताहिकरिसब
जनबन्दैं ॥ सकलधर्मनयबेदबिदलोककुशलसबकालमें । कह
बनादासश्रतिगूढ़गतिछुइनजातजगजालमें ५४ जनकबचन
सुनिरामतोषश्रतिहृदयलहेहैं । सनेशीलसंकोचबचननहिंजात
कहेहैं ॥ बोलेरघुकुलकेतुमोहिंश्रबश्रज्ञादीजै । जातेप्रातःकाल

गमनकौशलपुरकीजै ॥ भूपगमनपरधामकोश्रापुबनेतौंनृपबने । कहबनादासशिशुजानिकैंकृपासदायहिबिधिभने ५५ कसनकहहुरघुनाथसदापालकश्रुतिसेता । दिनमणिबंशदिनेशभजतजेहिऊरधरेता ॥ तुमहिंजानकिमिकहौंबसौसबकेघटमाहीं । तातेजइयेश्रवधश्रवधिबड़ियातेनाहीं ॥ प्रेमपियासेलोगसबकरुणाजलसींचेश्रबै । कहबनादासमिथिलेशजूबहुरिदर्शदेवैसबै ५६ जायकियेप्रभुशयनसबैकोउसोवनलागे । प्रातउठेरघुबीरभरतपहिलेप्रभुजागे ॥ नित्यनिबाहेरामकामशतकोटिसुभगतन । गमनेभीतरभवनसासुपदकीन्हेबन्दन ॥ पुरमेंप्रकटीबातियहचलनचहतसीतारवन । कहबनादासस्नेहबशलोगसबैउपमाकवन५७ रामजवाईजानिनगरतियभीतरश्राईं । रघुबरदर्शनलोभप्रीतिश्रतिहीउरछाईं ॥ सबकोकरिसनमानसमयसमरामकृपाला । बहुरौंप्रीतिसमेतसासुपदनायउभाला ॥ सीतामातुसनेहबशबचनकहेबिलखायतब । मिथिलापुरजनप्राणतुमश्रबधौंदर्शनलहबकब ५८ करिसबकोपरितोषभवनतेबाहरश्राये । चलनसाजुसबकीनरजांयसुरघुपतिपाये ॥ बन्देचरणबिदेहपुलकतननयनसनीरा । दीन्हेभूपश्रशीषश्रतिहिउरधरिकैंधीरा ॥ करिप्रणाममुनिजनद्विजनयानचढ़ेतबरामजू । भरतबिभीषणश्रादिसबजनकहिकीन्हप्रणामजू५९ सबकोउचढ़ेबिमानपायश्रायसुरघुनाथा । पहुंचावनकेहेतचल्योभूपतिसुतसाथा ॥ चल्योचोखश्रतियानगगननरनारिनिहारैं । मानहुंचन्दचकोरसकहिकोउनैननटारैं ॥ श्रटाचढ़ीनिरखतश्रलीजबतकनहींश्रदेखभो । कहबनादासबशप्रीतिकेपीछेशोचबिशेखभो ६० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविहारखंडे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामश्रष्टमोऽध्यायः ८ ॥

कीन्हगमनरघुनाथजनकतबसचिवबुलाये । सेवककुशलबिधानसकलतेहिश्रवसरश्राये ॥ कङ्कणश्रौकेयूरबिबिधरतनन

कीमाला। कुण्डलमकराकारमुकुटबहुरङ्गदुशाला॥ धनुषबाण अरुचर्मअसिनानामणिभूषणबसन। हयहाथीरथयानबहुबरण तकबिहारैकसन ६१ खगमृगमहिषीवृषभधेनुबहुभांतिसोहाई। नानाबस्तुअमोलअवधपुरदीन्हपठाई॥ रामभरतकपिराजलङ्कपतिगुहहनुमाना। सुतसुमन्तकेसहितभलीबिधिकीन्हबिधाना॥ सबकोभागलगायकैयथायोगभेजेजनक। मणिमाणिकअगणितदियेरजतभूरिदीन्हेकनक ६२ सकलभांतिसेशोधिकिये सुचिसेवकसाथा। सबकोनामलिखायदईपत्रीरघुनाथा॥ चले अवधपुरसकलबासबिचबिचमगमाहीं। उरमेंश्रद्धाअधिकजात तातेहरषाहीं॥ कबदेखबरघुबंशमणिसबकेअभिलाषायही। कहबनादासकोभागिहतजोनैंहिंरघुबीरहिचही ६३ दूरिहितेप्रभु लखेजहांकौशिकमुनिबसहीं। करहिंयज्ञतपयोगाबिबिधसाधन तनकसहीं॥ निकटहिंगङ्गाबहतकहतशोभाकबिलाजै। तटसुरसरिबिनसघनमनहुंअतिहीछबिछाजै॥ नानातरुवरपल्लवितहरितफूलिफलमहिनये। कहबनादासघनबोधतेजिमिसज्जनमननैंगये ६४ कूजहिंकोकिलकीरपपीहातीतिरनाना। नीलकण्ठकलकण्ठसारिकाबिबिधबिधाना। चक्रवाकबकहंसकरतसारसरवभारी। कुक्कुटखञ्जनअमितपरेवाशोभान्यारी॥ नटतमोरचितचोरसुठिबनमृगबिपुलबिहारकर। कहबनादासगतबिषमतामुनिमहिमासबभांतिबर ६५ उतरयोभूमिबिमानगुरुहिरघुनन्दनबन्दे। भेटेहृदयलगायऋषयउरअतिहिअनन्दे॥ सबकोउकियेप्रणामसुभगआशिषकोपाये। आसनदियेबिचारिसमयसमगङ्गनहाये॥ मुनिसमीपबैठेसबैरघुपतिभरतसुजानहैं। कहबनादासकौशिककहोगमनवहोतबिहानहै ६६ गुरुअज्ञाशिरधरेगाधिसुतसुठिबिज्ञानी। समयबिचारेहृदयकहेकछुकथापुरानी॥ पुनिआयोफलमूलजहांतहंतेबहुभारा। दूधदहीमिष्ठानकहेंकोबिबिधप्रकारा॥ ऋषिमहिमाजानेसबैअतिहीअगमअपारहै।

कहबनादासबिधिकेसहितबटोसबहिफरहारहैं.६७ गयेयामिनी
यामसबैफरहारकियेहैं । पीछेविश्वामित्रशोधसबभांतिलियेहैं ॥
प्रभुआयेमुनिपासचरणपंकजशिरनाये । लंकापतिकपिराजगु
हाभरतादिकआये ॥ सबकोउबन्देमुनिचरणहरणशोकसंदेहभ्र
म । कहबनादासशारदथकितमहिमासंतनकीअगम ६८ बो
लेरघुकुलकेतुबहुतदिनपरपददेखे । कृपासिंधुबड़िभागिआजु
सबबिधिकरिलेखे ॥ लोकवेदतनबंधजहांतकदेखीनाथा । गु
रुसेबड़ानकोयनिगमगावतगुणगाथा ॥ गुरुनेष्ठीतेधन्यजग
मगबिनश्रमहिंसिरातहैं । कहबनादासकरचारिफलबंड़ीनहींक
छुबातहैं ६९ सत्यकहेतुमतातबातकछुमहूँबिचारा । तुमहिंहे
तगुरुकरैंतुमहिंलगिसकलपसारा ॥ तपतीरथब्रतनेमयज्ञजप
तुम्हरेलागी । तुमहिंलागितजिराजभूपबहुहोतबिरागी ॥ भ
क्तिज्ञानबिज्ञानपुनिजहँलगिश्रुतिसाधनकहैं । कहबनादासपु
निपुनिकहेरामतुम्हारेहितमहैं ७० सोमसूरबिधिविष्णुशम्भुसुर
अज्ञावर्ती । अनलपवनयमकालशेषशिरलीन्हेधर्ती ॥ मरणज
न्मबयबृद्धजराअरुब्याधिघनेरे । मर्य्यादानाहिंमिटततुमहिंप्रेरक
सबकेरे ॥ श्रवणनयनमुखनासिकाकरपगउदरअनेकहैं । कर्ताका
रजकारनौजहँलगिकरैंबिवेकहैं ७१ मनबुधिचितहंकारतुम्हींसब
हीकेस्वामी । तुमबिनयेजड़सकलसर्बउरअंतरयामी ॥ बेदपुकार
तनेतिमुनिहुंमनध्यानअगमअति । शारदशेशगणेशनारदौस
दाथकितमति ॥ तुमपालकश्रुतिसेतुकेभक्तहेतुनरतनधस्यो ।
नीचाअनुसन्धानकरि मानिगुरूअतिआदस्यो ७२ तुमसेतुम
हींएकनहींकोउजाननहारा । तुम्हरीलीलाअगमकहांलगिकरै
बिचारा ॥ सोइजानैकछुतुम्हैंजाहिनिजओरजनाये । तुममेंरहै
समायफेरिभवकबाहिंनआये ॥ तातेइमिकरुणाकरौजातेकबहुंन
बिसरिये । कहबनादासनातागुरूमानौहौंक्योंनिदरिये ७३.सकु
चिगयेरघुनाथकहेअबसोवहुताता ।। शयनकीन्हतबजायउठेहो

तहिपरभाता॥ नित्यनिबाहिसबभांतिचरणगुरुबंदनकीन्हा। भ
रतसहितसबसखामहामुनिआशिषदीन्हा॥ बिदामांगिऋषिच
रणपरिअभिमतआशिषपायकै। कहबनादासकाशीचलेसहज
सनेहबढ़ायकै ७४ आयेकाशीरामबिमलजलगंगनहाये। तब
नानाबिधिदानतीर्थकेब्राह्मणपाये॥ याचककियेनिहालगरीबन
बहुबितदीन्हा। जोआयेप्रभुपासबिमुखकाहुहिनहिंकीन्हा॥ पूजे
शिवहिसनेहसुठिमुनिसंतनबन्देसबै। कहबनादासजेदूतगेअव
धदियेपातीतबै ७५ अवधकुशलप्रभुपूँछिपत्रिकालक्ष्मणबांची।
काशीपतिआगमनजानिपायोप्रभुसांची॥ धायोनिर्भयप्रेमराम
पदबन्दनकीन्हा। भेंटेहृदयलगायसखहिसुठिआदरदीन्हा॥ मि
लेपरस्परसबकोऊउरउत्साहबढ़ायकै। कहबनादासरघुनाथको
निजगृहगयोलिवायकै ७६ सकलभांतिसन्मानभवनशुचिआ
सनदीन्हे। अहोभाग्यनिजजानिबिविधबिधिबिनतीकीन्हे॥ नि
तगंगास्नानकरहिंशंकरकीपूजा। बारबारप्रभुकहेनहींप्रियशिव
समदूजा॥ बैठसभारघुबंशमणिकाशिराजकरजोरिकै। कहबना
दासबोलतभयेमनहुंप्रेमरसबोरिकै ७७ श्रुतिसाधनंबहुभांतिय
ज्ञजपतपव्रतदाना। पूजानेमअचारअपरज्ञानहुविज्ञाना॥ तीर
थअटनअनेकयोगअष्टांगकहावै। धर्मकर्मबहुभांतिकहांतकना
मगनावै॥ बिनउपासनाशून्यसबकोउकोउजनऐसाकहै। कहब
नादासकरिकैकृपाबरणौजनइच्छाअहै ७८ बोलेरामसुजानजो
नसाधनसबभाखै। ताकोनाहिंकछुकामहृदयऐसादृढ़राखै॥ पति
व्रताजिमितीयपीयतजिगतिनाहिंदूजी। कर्मबचनमनरहैसदाप
तिप्रेमसपूजी॥ जहँलगिजगसम्बन्धहैदेवापितृबिधिबेदकह।
कहबनादासनहिंकछुलखैमोहींमेंआनन्दरह ७९ केवलमेरानाम
जपैदिनहूँऔराती। मेरीलीलाछांड़िबातनहिंअपरसुहाती॥ ति
हूँलोकऐश्वर्य्यसकलतृणकासमदेखै। अणिमाआदिकसिद्धि भू
लितेहिओरनपेखै॥ जगआशाबलआपनोबिरहअनलमेंलैहुनै।

कहबनादासमतबादजेलोकवेदकीनहिंसुनै ८० स्वर्गनर्कअपव
र्गकाहुकीसुधिनहिंआवै । मृत्युऔरयमकालभूलिहूभयनहिंला
वै ॥ कोछोटाकोबड़ाकहाअस्तुतिऔनिन्दा । मानबड़ाईख़ाक
कौनमुरदाकोज़िन्दा ॥ मनइन्द्रीस्वाधीनकरिमरिजीतेजगमेंरहै ।
तृष्णाआशनवासनाकाहूसोंकछुनाचहै ८१ कबहींमेरेहेतप्रीति
करिअतिशयरोवै । कबहीं आरतबुद्धि दिशादशहूमें जोवै ॥
जैसेजलते बिलगमीनहोतै तनुत्यागै । फणिमणिबिननाहिंजि
येपतङ्ग अतिअनुरागै ॥ बिनाहेतप्राणहिंतजै चातकटेकअनू
ठहै । कहबनादासजेहिस्वातिबिनअपरसकलजलजूठहै ८२
बीणसुननकेहेतमृगाजिमिप्राणगवांवै । शूरनरणसेफिरैसतीजि
मिजरिबरिजावै ॥ कमलभानुगतिबिदितयथाचुम्बकऔलोहै ।
कहँलैकहौंबढ़ायप्रीतिऐसीविधिसोहै ॥ लखैचकोरीचन्दज्योंघीं
चपलटिपूँछहिमिलै । कहबनादासघनघटालखिज्योंमयूरपगनं
हिंहलै ८३ देखोयेजड़सकललोकवेदहुयशगावै । निजमगअ
तिहिअरूढ़ताहितेशोभापावै ॥ मानुषतनचैतन्यभवनमेरासुठि
जानो । भयोभजनकेहेतभलासबकाहूमानो ॥ भूलाकालअनादि
कोजोकदापिसन्मुखभयो । कहबनादासखोंटीकरीकसनहिंजरि
गर्भहिगयो ८४ तनमनबुधिऔबैनसकलमोहींमेंलावै । मोबि
नऔरौठौरकहूँपलकलनहिंपावै ॥ तृप्तनकबहींलहैनामऔरूप
हमारे । मेरेधामनबसैंटरैंकबहींनहिंटारे ॥ मेरीजहँजहँभईहैया
त्रापुनिजावैतहा । कहबनादासउत्साहयुतहारिलज्योंलकड़ीग
हा ८५ यहिविधिजबदृढ़होयपलटिमैंहींबशहोवों । फिरिचाहै
तिमिरहैताहिंतजिअनतनजोवों ॥ सर्बबिघ्नकोहरौंसकलअन्तर
मलनाशौं । शोकमोहसन्देहदाहिउरज्ञानप्रकाशौं ॥ तांबिनमो
कोचैननहिंनिजमेंलेउँमिलायतेहि । कहबनादासअन्तररह्योभ
यउपासनासिद्धिनहि ८६ बोधमहाअद्वैतभावममप्रापतिहोवै ।
कोजानैगतितासुदेहमेंसबकोउजोवै ॥ जैसेपिंजरफारिसिंहबाहर

ह्वैआयो। तिमितत्तमेंनहिंरह्योमुक्तिजीवतजिनपायो ॥ सबसाध
नकरिकाकरैकाजसबैयातेसरै । कहबनादासमोतेबिमुखबारबार
जन्मैमरै ८७ सुन्योसखाप्रभुवचनहृदयअतिहीसुखपायो। नाना
भूषणबसनशस्त्रबहुभांतिमँगायो ॥ तबबोल्योकरजोरिनाथबिन
तीकछुमोरी। करिपोशाकनवीनभांतिबहुरह्योनिहोरी ॥ भयमर
जीरघुबीरकीदेहुपुरानेयाचकन । लावोमेरेहेतसोतुम्हरेमनमानै
जवन ८८ निजकरकियेशृंगारभरतरघुबरदोउभ्राता । देखिदे
खिसर्वांगमोदनहिंहृदयसमाता॥ लङ्केश्वरकपिराजगुहाहनुमान
सचिवसुत।पहिरायेसबकाहुबसनभूषणअतिअद्भुत॥दियेयाच
कनबस्तुसबजोरघुपतिअँगमेंरही।कहबनादासहितआपनेलिये
प्रसादीसोसही ८९ सांझसमयप्रभुजायगङ्गतटसन्ध्याबन्दे।आ
यबिराजेसभादेखिसबरामअनन्दे ॥ गानतानबहुभांतिनृतकग
णनृत्यकरैहैं। विप्रवेदधुनिकरतबिरदबन्दीउचरै हैं ॥ समयपाय
कीन्हेशयनपायँपलोटनलवलगे । कहबनादासमारुतसुवनभर
तप्रीतिअतिहीपगे९०शयनकियेहनुमानभरतप्रभुप्रांतहिजागे।
करिसुरसरिअस्नानपूजिशिवसुठिअनुरागे॥ दियेद्विजनकोदान
याचकनबहुसनमाने। भूपतिदासीदासबस्तुपाईमनमाने ॥ आ
येआश्रमकृपानिधिअवधगमनकरतेभये।कहबनादासदिनपंच
रहिकाशिराजसङ्गहिलये ९१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेविहारखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामनवमोऽध्यायः ९ ॥

सिंहासनआसीनरामशतकामसुभगतन । मुकुटशीशद्युति
भानुकाकपक्षहिसोहतमन ॥ कुण्डलमकरअकारभालबरतिल
कबिराजै। नासाचारुकपोलअधरदशननछबिछाजै॥ रातेकञ्ज
विशालदृगभ्रूधनुकम्बुग्रीवहै । कन्धवृषभउरशुठिवृहदउभयभु
जाबलसींवहै ९२ मुक्तमालउरलसैसुमनतुलसीदलसोहै।दहि
नेकरयकतीरबामकोदण्डबनोहै॥ कङ्कणअरुकेयूरमुद्रिकाकर

जलसी है । त्रिबलीनाभिगँभीरसिंहकटिपीतकसी है ॥ लसीतू
णशोभाबसीकामभाथयुगजानुहै । कहबनादासपङ्कजचरणमुनि
मनरहतलोभानुहै ९३ बैठेनिजनिजठौरभरतकपिपतिलङ्केशा ।
लक्ष्मीनिधिहनुमानगुहाअरुकाशिनरेशा ॥ सुतसुमन्तबहुसुभट
चहूँदिशिसकलबिराजैं। मध्यरामसुखधामकहतशोभासबलाजैं॥
धन्यध्यानयहिनिरतजेलहेजन्मकरसुकृतफल । कहबनादासतब
अवधदिशिचोखोचलोबिमानभल ९४ चलतभईनहिंदेरनगरके
निकटनिराने । समाचारपुरलोगलषणरिपुसूदनजाने ॥ धायेतजि
गृहकाजसकलप्रभुदर्शनलागी । भूसुरयाचकज्ञातिमहाजनमन
अनुरागी॥लषणऔररिपुसूदनौमिलेअग्रशुठिआयकै । कहबना
दासरघुपतिउतरिभेंटेहृदयलगायकै९५ बन्देमुनिद्विजदेवरामको
शलपुरबासी। धायधायपगधरहिंप्रतोषेप्रभुसुखरासी॥रिपुसूदन
अरुलषणमिलेभरतादिकसारे । रघुनन्दनसबसहितमुदिततब
पुरपगुधारे ॥ प्रथमआयगुरुद्वारप्रभुचरणकमलबन्दनकिये । क
हबनादासशुठिप्रेमजलमुनिहिरामलायेहिये ९६ बन्देसबमुनिच
रणरहेजोकोउप्रभुसाथा । मुनिवरदीनअशीशभवनगवनेरघुना
था ॥ कीन्हेबिदाबिमानधनदकेसदनसिधारा । लक्ष्मणअरुअ
रिदवनकीन्हसबकेरसम्हारा ॥ दीन्हेबासाबिचित्रअतिसबबिधि
सुखप्रदजानिकै । कहवनादासन्विसेसकलरामसहितमुदमानि
कै ९७ भईबिबिधजेवनारस्वादकछुबरणिनजाई । षटरसचारि
प्रकारसकैकोनामगनाई ॥ उठेरामयुतबन्धुसखासबसाथसिधारे।
कञ्चनपीढ़नबैठिपरेसुन्दरपनवारे ॥ परसतरिपुसूदनहरषितितिय
रहिंगारीगाइकै। कहबनादासमिथिलेशसुततातेमोदबढ़ाइकै९८
अचवनसबहिकरायसुभगकरपानदियेहैं । सेवकचतुरअनेकल
हेशुठिहर्षहियेहैं ॥ निजनिजआश्रमगयेपरमबिश्रामहिंपाये । ब
साहिंअवधयहिभांतिकहांनिशिऔदिनजाये ॥ एकदिवसआज्ञा
दियेरघुनन्दनहरषितहिये । साजौहयगयथानरथसद्यबनावसक

लकिये ९९ साजेस्यन्दनसुभगनहेहयअगणितसोहैं। भानुयान हयलजितदेखिगतिमनसिजमोहैं॥ शुचिपताकफहरातअधि कघण्टारवकरहीं। नानाआयुधधरेरथीउरआनँदभरहीं॥ मत्त दन्तअगणितसजेलजेदिशाकुञ्जरजिनहिं। कहबनादासकबि कोकहैकरिशृँगारनखशिखतिनहिं १०० शत्रुञ्जयगजनामसुभ गरघुनन्दनजीका। सोनपत्रिकासोहतासुमरतकमेंटीका॥ तामें हीराजटितभानुसेद्युतिपरकाशै। मणिमैहौदाहेमअमारीलागि अकाशै॥ भूलजरकसीजगमगैठगैजाहिमनदेखिकै। कहबना दासबस्तीबसतबासवहियरुचिपेखिकै १ अमितसिंधुजाअश्व बिपुलकाबुलखन्धारी। खुरासानमुल्तानकाठियावारपहारी॥ कच्छीजङ्गलखेतमोरगीददरीकेरे। देखानानाभांतिजातिबहुरङ्ग बछेरे॥ टेटुवाटेढ़ीतीरिकेटांगनमनमानोंहरत। कहबनादासशृ ङ्गारकोसबहिसाहनीसुठिकरत २ श्यामकर्णकुम्मैतनोकराकुल्ला सोहै। मुश्कीअबलखचालकेहरीलखिमनमोहै॥ सिरगासमुद उदारबदामीगर्रीराजै। खाकीऔसंजाकबिबिधकच्छीछबिछाजै॥ पचकल्यानसुरङ्गहैलक्खीबिपुललखावरी। सुर्खासब्जारंगबहुस कलपीठिकाठीपरी ३ परीजरकसीजीनचारजामेंकसिआछे। शो भितरूररकाबतंगअजमाईपाछे॥ कलँगीराजितशीशजड़ेहीरा मणिनाना। पगचौरासीकसीकड़ेपगयोगबखाना॥ आलपूंछ मोतीलसीदुमचीकसीअनूपछबि। पेशबन्दगंडागरेजेरबन्दाकि मिकहैकबि ४ मुखपट्टाऔपूजहबेलकहैकिमिशोभा। परेजालप चरंगअनंगहुदेखतलोभा॥ लादेपुनिगजगाहगरूरेशोभान्या री। जीनपोसकलकोसमनहुंछबिकीहैक्यारी॥ नखशिखसाजेतु रंगबरजोरजंगकोकबिकहै। निदरतरबिबाहनमनहुंबनादासकि मिनिर्बहै ५ शुतरसजेबहुभांतिपीठपरकाठीराजै। तापरभूल अनूपअधिकरवघण्टाबाजै॥ कसेनकेलसकेलपेलगरगगनउ ठावै। चलैचालबगमेलपेलकहकबिजनपावै॥तामदानपीनसबि

पुलसजेसुभगसुखपालहैं। कहबनादासगजपीठितबबैठराममहि
पालहैं६ निजनिजरुचिगजबाजिचढ़ेस्यन्दनबहुनाना। भरतलष
णरिपुदौनपौनसुतपरमसुजाना॥ गुहाराजकपिराजकाशिपतिसु
तमिथिलेशा। सुतसुमन्तसरदारबिपुलआदिकलङ्केशा॥ शूर
बीरबांकेबिबिधसेनपसखाअपारहैं। कहबनादाससंख्याकहाअ
मितमहीपकुमारहैं ७ उपमालहैनयोगदेखिशारदमतिहीची।
अपरकौनकबिकहैसिंधुकोसीपउलीची॥ उड़ीधूरिनभपूरिभानु
अवलोकिनपरहीं। रथचाकाथहरातमतेदन्तीचिक्करहीं॥ घण्टा
धुनिसुठिघोरअतिसावनघनसकुचातजू। कड़खाकोतलजागरे
बहुपताकफहरातजू ८ तीषेतुरंगउमंगभूमिटापनतेफालत। उ
झकिउझकिअसमानअश्वमनमौजसम्हारत॥ मनहुंअनलप
गपरतधरतउरनेकनधीरा। चाहतउड़नअकाशबेगबरमनहुंस
मीरा॥ ककदलकदलउतंगअतिजमलजकंनतजातहैं। कहब
नादासकाबाफिरतअंगअंगथहरातहैं ९ मत्तदन्तपगधरतमनहुं
सुठिधरादबावत। दबतकच्छअरुकोलशेषजनुकटिलचकावत॥
गगनउठावतशुण्डचहतरबिरथहिलपेटा। ऐरावतकोजनोमनो
करिजगतनछेटा॥ सैनाअग्रसुमेरुकोश्रृंगमनहुंचोषाचलत।
कहबनादासअतिदशनबरमनहुंअवनिबलतेहलत १० तापररा
जितरामश्यामछबिअंगनवीने। पीछेहयहनुमानपानझोराकर
लीने॥ नखशिखशोभासीवमदनद्युतिकोटिदबावत। बरणैशार
दशेषवेदउपमानहिंपावत॥ भरतलषणरिपुदौनजूसुभगतुरंगन
सोहते। कहबनादासशोभाउदधिकोनहिंलखिमनमोहते ११ प
दचरवारनपाररह्योदिनअर्द्धयामजब। चलीसवारीसुभगगली
बीथिनबागनतब॥ चढ़ीअटापुरनारिधामप्रभुदेखनहेतां। शिव
मनमानसहंसध्यानधरऊरधरेता॥ लगींझरोखनझांकतींमन
हुंचकोरीचन्दमुख। कहबनादासकोकबिकहैजानैसोइजिनलहे
सुख १२ रजतमयीचहुंपासकोटिअतिदुर्गसोहाये। मानहुंगि

रिहिमवानकरनरक्षापुरआये ॥ बीच२बरवञ्जलगींतापैंबहुतोपैं।
कोजगसन्मुखहोयकबहुंकोशलनृपकोपैं ॥ चारिदुवारेचहुंदिशा
सुभटशूरसमरत्थहैं। बन्दीबिरदावलिबदतवेदअगमगुनगत्थहैं
१३ दससहस्रगजअधिपरथीबरसहसपचीसा । लक्षतुरैअस
वारद्वारद्वारेअवनीस॥पदचरसंख्यानास्तिविविधविधिबाजेबाजैं
नहिंउपमाउरफबैवलाहकजनुबहुगाजैं॥ कोटमध्यपुनिकोटहैकन
कमयीमणिनखखचित । कहबनादासतेहिमधिमहलबीतरागल
लचातचित १४ बनेधामसुठिधवलकलशअसमानमिलेजनु ।
लागेकुलिशकपाटठाटकहिपारनलहमनु ॥ तनीचांदनीअमित
भापपचरंगपरे हैं। बेदीमणिपैचारुभुवनसुरराजलरे हैं ॥ कनक
मसीमणितेजटितपरेपलँगपर्यङ्कहैं। डसीसेजपयफेनसेधनदहुला
गतरङ्कहैं १५ कोषखजानेअमितकनकमणिकोनगनावै । साज
राजसीअगमकहाकोउपटतरपावै ॥ बाजिशालगजशालशुतर
शालेगोशाले । तोसेखानेघनेबनेनानारथशाले ॥ बनेतोपखाने
बिपुलमृगशालेखगशालहैं । मेषशूरमहिषीवृषभअजयाब्याघ्र
बिशालहैं १६ पुरबस्तीअतिघनीबनीबरणैकबिकोहै । धवलधा
मसुबिशालकलशदेखतमनमोहै ॥ लागेकुलिशकपाटभवनम
णिदीपधरेहैं । बनेचारुचित्रांगअतिहिपरकाशकरेहैं ॥ सुतबि
तपरिपूरणसबैनहिंस्वप्नेहुत्रयतापजू । रामराजजबसेभयेदूरिग
येसबपापजू १७ बनीबजारबिचित्रचारुचितचोरनहारी। दरदु
कानद्युतिमयीदुर्गअतिअमितअटारी ॥ बस्तुअनूपमधरेउठौर
ठौरहिपरसोहै । नामरूपगुणभूरिकिहैउपमाकबिकोहै ॥ बैठेबजा
जशराफहैंजनुधनेशकोमदहरे। नानामणिभूषणघनेलेनहारजहँ
तहँखरे १८ चहीबस्तुजेहिजौनतौनठौरहिपरपावै । दामबिना
बहुकामसरैकोनामगनावै ॥ गोटापट्टाटंगेघनेकिमखाबदुशाले।
पाटम्बरकिञ्चलकमखमलेकालेलाले ॥ हीराहाटकऔरजतबहुर
तननकीखानिहैं । ठठराहीन्यारीबसीअमितछटासरसानिहैं १९

पट्टूकम्मलचीनअमितअतलसकेढेरे । नानाफूलऔफूलगनैको
नामघनेरे ॥ हलवाइनकीबस्तुअमितपकवानधरेहैं ।दूधदहीघृत
पक्वमिठाईस्वादपरेहैं ॥ पेड़ाबरफीसेवशुचिखाभालेडुवाखांड़है।
केलामिसिरीअनगनेबनेबतासेचांड़है २० कन्दजलेबीकलित
ललितगट्टेबरसोले । रेउरीमोहनभोगअँदरसेअधिकअमोले ॥
मालपुवाऔपुवास्वादनानाबिधिभावै । पूरीप्यारीपरमकचौरीचि
तललचावै ॥ धरेअचारअनेकबिधितरकारीस्वादितपरम । कह
बनादासदेखतबनैसद्याकियेगरमागरम २१ कुण्डलमुकुटरसा
लअमितरतननकीमाला। कङ्कणअरुकेयूरजराऊश्रुतिकेबाला॥
करमुद्रिकाअनेकपैंजनीपगबहुतेरी । कटिकिंकिणीसुमुखरतियन
केभूषणढेरी ॥ हयहाथीरथनालकीतामदानपीनसघने । खगमृ
गगोमहिषीबृषभअन्यबस्तुबहुअनगने २२ अस्त्रशस्त्रबहुधरे
चर्मअसिनानाभांती । शक्तिशूलअनगनेकटारीछुरीसोहाती ॥
बख्तरजिरहअनूपधरेबरछाबहुरूरे । धनुषबाणबरतूणदेखिलो
भितरणशूरे ॥ दस्तानेकूड़ीघनीजिरहटोपआयुधघने । कहबना
दासबरणैकवनवहबहारदेखतबनै २३ सड़कचौमुखीचारुसुगं
न्धनसदासिंचाई । लागीगुदरीसांझसमयछबिबरणिनजाई ॥ बि
पुलनरनकीभीरकोलाहलबिधिबहुतेरे । निजपरपरैनजानिबात
कोउसुनतनटेरे ॥ द्वारद्वारशुकसारिकारामरामरटिलगिरही । क
हबनादासरचनाअवधलखिकबिजनमतिठगिरही २४ सबल
क्षणसम्पन्ननारिनरपरमसुशीला । दुखदूषणनहिंलेशगानरतर
घुपतिलीला ॥ सबकेप्रभुपदप्रीतिमातुपितुसुतनपढ़ावैं । भजहु
रामप्रणपालजांहिकरिसबबनिजावैं ॥ अमराईजहँतहँलगीराम
वाटिकामनहरैं । बापीकूपतड़ागबहुजलस्वादितनाहिंकहिंपरै २५
चम्पकबकुलतमालपनसअरुकदमरसाला । कुन्दऔरमन्दार
आमलकबृक्षरसाला ॥ श्रीफलअरुजम्भीरजम्बुअञ्जीरसोहा
ये । नींबचिञ्चिनीचारुतारखरजूरिनिकाये ॥ पारिजातपावनपर

मकल्पबिटपबरपाकरी। बटपीपरअम्मारहैरम्भातरुशोभाभरी
२६ शुकपिकचातकरटतनटतकलमोरसोहाये। नीलकण्ठको
किलाशोरतीतिरमनभाये॥ सारससुठिरवकरतजालजनुपथिक
हँकारे॥ किधौंदेवधरिदेहबिबिधप्रभुसुयशउचारे। परसतमहि
बल्लीबिटपसुमनसहितफलपल्लवित। जनुनिदरतसुरतरुसक
लदेखतलेतचुराइचित २७ शोभिततरुकचनारहारशृंगारसु
हाये। फूलेसुमनगुलाबकेवड़ासुठिमनभाये॥ कलगासूरजमु
खीदमकदुपहरियान्यारी। कँदइलकरनाकलितसेवतीगन्धपि
यारी॥ जुहीबसन्तीमालतीगुलाचीनबेलाघने। गुलखैरू
गुलदावदीगुलमेहँदीशोभासने २८ गुलशब्बोशशिमुखीच
मेलीचारुसुहाई। गेंदानानाजातिकलितकुन्दीमनभाई॥ बि
बिधभांतिदवनादमकनादबोयभावतनिका। कहबनादासबरतु
लसितरुदेखेमनबिनुबितबिका २९ करतपानमकरन्दमत्तगुञ्ज
तअलिभाये। सरननीरगम्भीरपटलपुरइनिछबिछाये॥ रात
पीतासितअसितकमलफूलेसुठिसोहैं। कोउपमाकविलहैजाहि
लखिमुनिमनमोहैं॥ चक्रबाकबकहंसबहुबत्तपरेवाखगघने।
जलासिंहकलहंसकलकुक्कुटकूजतअनगने ३० बहुबिधिकरत
कलोलमनोहरमीनअनेका। मणिसेचहुँदिशिपानिकहापटतर
कहिबेका॥ अभयरहतसबकालभरोअतिनीरअगाधा। जि
मिआयेहरिशरणकालगुनकरमनबाधा॥ ब्याधबधिककीभयन
हींजिमिचौरासीत्रासगत। कहबनादासप्रभुभजनतेयातेमोटो
कौनमत ३१ बनोतासुतटभवनधवलमणिखचितअनेका। ब
नेबिबिधचित्रामकरैकविकौनबिबेका॥ तामेंद्वारेंचारिलागिपुनि
वज्रकपाटा। वीतरागमनहरैबनीअतिहीबरठाटा॥ तनीचांद
नीचारुशुठिपरेझांपपचरंगहैं। रातपीतअरुसितअसितहरि
तलखतमनपंगहैं ३२ परेगलीचेबिबिधमनहुंदूजीफुलवारी।
प्रभुआवैंकेहिकालसदहिताहीसेतयारी। चहुंदिशिरजतदिवाल

कनकबरबज्रसुहाये । द्वारेचारिबिचित्रबिबिधरक्षकरहेछाये ॥
चहूंद्वारनौबतिबजतनृत्यगानहोवैकरैं । कोजानैकोनीबखतआ
यकृपानिधिपगधरैं ३३ पुरचौहटचहुंपासअधिकलागतरमणी
का । कहुंउपबनबनकहूंबागकतहूंसुठिनीका ॥ नानाखगमृगचर
हिंसहजहीबैरबिहाई । रामराजकीरीतिबरणिकोपारहिंजाई ॥ उ
त्तरदिशिसरयूबहतसुठिनिर्मलगम्भीरजल । दर्शनमज्जनपान
तेदूरिहोतसबहृदयमल ३४ मणिसेबांधेपानिहरतमनबीतराग
कर । मन्दिरतीरउतंगकलशलागेअकाशबर ॥ नानादेवलबने
घनेअतिहीछबिन्यारा । राजघाटपनिघाटगऊकोघाटसुधारा ॥ ती
रनरंनकीभीरअतिचारिबरणमज्जनकरत । बरणबाह्यमज्जनक
रतअनतघाटतियअनुहरत ३५ कहुंकहुंसरितातीरबसतयोगी
संन्यासी । जपतपपूजापाठध्यानमखजगतउदासी ॥ बिबिधत
रहजलजन्तुबिपुलखगकरतबिहारा । उठतनादगम्भीरदेतबी
चीछबिन्यारा ॥ समयपायसुरसिद्धगणआयसबैमज्जनकरत ।
कहबनादासमहिमाअमितमनबांछितसबकोसरत ३६ देखेपुर
चहुंपासनगरबाहिरपुनिआये । लागोअतिरमणीकफिरतचहुं
दिशिसुखपाये ॥ आयेसरयूतीरबिलोकतबिमलतरंगा । अव
लोकेतेजाहिंसहजदुखदारिदभंगा ॥ देवअमितयाननचढ़ेनभमा
रगतिययुतचितै । नखशिखछबिरबिकुलतिलकलखतसवारीसु
ठिहितै ३७ बहुनरनारीनगरहेतदेखनप्रभुशोभा । आयेसरयू
तीरललकिअतिहीमनलोभा ॥ सांझसमयकोजानिरोशनीभई
अपारा । पंसाखेबहुबेरमसालअनेकप्रकारा ॥ नजरभेंटबहुलै
खड़ेदधिदूर्वारोचनघने । नृपतिअनेकनदेशकेतोफाभेजेअनग
ने ३८ यथायोग्यआदरतशीलनिधिद्वारेआये । बाहननिजथल
गयेसभाबैठेसचुपाये ॥ समयपायनृत्यकीगानबहुनृत्यकरेहें । तुम्म
रलाजतजाहिसभासुरराजतरेहैं ॥ बैठेचारिउभायपुनिलंकेश्वर
कपिराजजू । काशिनृपतिहनुमानगुहअरुसुतजनकबिराजजू ३९

पुरजनप्रजाप्रबीणमहाजनसुभटघनेरे। बैठेसचिवसयानसकलर
घुपतिरुखहेरे॥ आयेगुरुतेहिसमयउठेरघुबीरकृपाला। बामदे
वकेसहितकञ्जपदनायेभाला॥ बैठेनिजआसनऋषयबर्णतबेदबे
दांतहैं। कहबनादाससबकोउसुनतमुनिमतसुठिरसशांतहैं ४०
समयपायबरखासजायसबसैनकियेहैं।जागेप्रभुसुठिप्रातदेखिस
बमोदहियेहैं॥ सखाबन्धुयुतजायकियेसरयूअस्नाना। सबकोउ
बिप्रबुलायदियेनानाबिधिदाना॥पुनिआयेप्रभुसभामहँबैठेनिज
निजठौरतब। हरिअन्तर्यामीलखेचाहतनिजगृहचलनसब ४१
मांगेकुण्डलमुकुटबिपुलरतननकेमाला। कङ्कणअरुकेयूरभां
तिबहुरंगदुशाला॥ अश्वनागअसिचर्मबाणधनुतूणमँगाये।
नानाभूषणबसनकनकमणिनामनिकाये॥हयरथगजरथवृषभर
थबहुबिधिबाहनयानजू।यथायोग्यसबकोदियेबिदाकियेभगवान
जू ४२ जोरिपाणिपदबन्दिराममूरतिउरराखी। गवनेनिजनिज
भवनसुरतिचरणनअभिलाखी॥ पहुंचावनकेहेतलषणरिपुहन
हनुमाना। बाहरनगरपठायकियेआश्रमहिपयाना॥एकमासक
रिबाससबगमनेनिजनिजधामको। कहतपरस्परराम्यशप्रभुसे
पूरणकामको ४३॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेपंचमबिहारख-
ण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामदशमोऽध्यायः १०॥

कुण्डलिया॥ अश्वमेधअगणितकियेकोकहिपावैपार।रह्यो
नहींरिपुरंचजगसुवशकियेसंसार॥सुवशकियेसंसारखण्डनौसा
तहुद्वीपा। उदयअस्तमेंरह्योएकरघुबीरमहीपा॥ बनादासजो
कोउकहैसहजरूपनिरधार। अश्वमेधअगणितकियेकोकहिपावै
पार ४४ रोमरोमप्रतिजाहिंकेलगेअमितब्रह्मण्ड। ताकीअतिक
ङ्गालताभयेराजनौखण्ड॥ भयेराजनौखण्डसगुणरसमेंजेपागे।
ताकोवहरसरूपरहैहरदमअनुरागे॥ बनादासकोकहिसकैअति
हिप्रतापप्रचण्ड। रोमरोमप्रतिजाहिंकेलगेअमितब्रह्मण्ड ४५

दुइसुतजायेजानकीजगतबिदितबलवान । तेजप्रतापकोकहि
सकैलवकुशवेदबखान ॥ लवकुशबेदबखानरामजनुउभयस्वरू
पा।कोकबिबरणैयोगरूपसर्बांगअनूपा॥बनादासदुइदुइसुवनस
बभाइनकेजान।दुइसुतजायेजानकीजगतबिदितबलवान४६ चि
त्रकेतुअङ्गदभयेलक्ष्मणकेदुइबाल । तक्षकपुहकलभरतसुतशो
भारूपबिशाल ॥ शोभारूपबिशालउभयरिपुसूदनकेरे।भेसुबाहु
श्रुतिसेनरूपबलतेजघनेरे ॥ बनादासअतिनीतिरतपिताभक्ति
प्रतिपाल । चित्रकेतुअङ्गदभयेलक्ष्मणकेदुइबाल ४७॥ छप्पै॥
तबैसिद्धिशृङ्गारजबैअद्वैतफुरैउर । नहिंदूसरहमरामबचनमानि
हैंसन्तफुर॥ स्वांगबनाईऔरप्रातिजानौकछुओरा।यहउपासना
कौनिबिषयकोचाटतकोरा ॥ लाखनमध्येकोकहैकोटिनमध्येएक
है । कहबनादासमानैनकछुगहेएकांगीटेकहै४८॥ कुण्डलिया॥
केवलहरिकीकृपाहैसबसेहोययकन्त । निरजनमेंरुचिरहनकीय
हीमतोहैसन्त ॥ यहीमतोहैसंतसंगकाहुहिनाहिंराखै।हरदमभज
नानंदहियेअतिहीअभिलाखै॥ बनादासव्यवहारजगसोकरिडारे
अंत।केवलहरिकीकृपाहैसबसेहोययकंत ४९उरअभिलाषसदार
हैआवैबहुसबलोग । द्रव्यादिकभोजनबसनलावैइन्द्रीभोग॥ला
वैइन्द्रीभोगरोगसमजानौताही।यहईश्वरकाकोपमुक्तिपथसेगिरि
जाही ॥ बनादाससतछोड़िकैहोतअसतमेंजोग। उरअभिलाष
सदारहैआवैबहुजगलोग५० लूटिगयेमैदानमेंलगीपुजावनआ
स । मानबड़ाईकामनाकहैंरामकेदास ॥ कहैंरामकेदासघासखो
दबभलताते। लगैनसन्तननीकभक्तबंचकभेजाते ॥ बनादासभू
लेनहींजावैवांकेपास । लूटिगयेमैदानमेंलगीपुजावनआस ५१
बिनसेवकाईकेबनेसाहिबहैसुठिदूरि । पलकभलकमिलतीनहीं
रहासकलभरिपूरि ॥ रहासकलभरिपूरिताहिबिनऔरनदूजा ।
सकैकौनिबिधिदेखिआसवासनापसूजा ॥ बनादासकोटिनविषे
बुद्धिफन्दगेतूरि । बिनसेवकाईकेबनेसाहेबहैअतिदूरि ५२ रच

नाएकबिराटकीएकदेहमेंजानु । निजउरघुसिकैंदेखियेताहिनथो
रामानु ॥ ताहिनथोरामानुअनतनिरखैगुणदोखा । मृषाबिगारै
बुद्धित्यागिसुखजीवनमोखा ॥ बनादासयकआतमातामेंदृढ़ता
आनु । रचनाएकबिराटकीएकदेहमेंजानु ५३ ॥ सवैया ॥ अक्ष
रअर्थकोभिन्नसनातनबातनतेनहिंकारजहोई । नामनरूपअनूप
अगोचरजानिसकैकौनीबिधिकोई ॥ जाहिजनावतसोजनपावत
नामहिंरूपतेजानियेसोई । दासबनागतिगूढ़गँभीरहैरोटीअकाश
अनेकनपोई ५४ ॥ छप्पै ॥ निराकारमें अचलहृदयकछुफुरैनतबहीं ।
बासुदेवमयबिश्वशांतिजानोबिधिसबहीं ॥ जबदेखैसंसारबाततब
फुरैअनेका । तबहींचित्तनिरोधकरनकोचाहीएका ॥ फुरैज्ञानबि
ज्ञानजबहरियशमेंअनुरागहै । कहबनादासआनन्दघनअतिश
यपूरणभागहै ५५ रामरूपमेंलीनफुरैतबबिबिधबिलासा । मनबु
धिबाणीपारसकलसंशयकीनासा ॥ सोइजानैआनन्दजाहिउरप
रगटरूपा । अपरकौनकहिसकैकाहिकीबुधिअनुरूपा ॥ नहींले
शसंसारतहँमोक्षौलागततुच्छहै । कहबनादासजनिहैंसुजनजा
कीमतिअतिस्वच्छहै ५६ जबपागैरससगुणअगुणकीबुधिनहिं
आवै । श्यामगौरसियरामरूपलखिकौनअघावै ॥ क्षणक्षणछाकै
छटानयनपरिहरैनिमेखा । प्राणकरैकुर्बानपलकजोपरैनदेखा ॥
तोषनमानैकालकोउप्रेमप्यासदिनप्रतिनई । कहबनादासतरु
णीसुभगसुठिकामीकीगतिभई ५७ परब्रह्ममेंलीनपीनरसहोवैज
बहीं । सुरतिसगुणकीहियेफेरिआवैनहिंकबहीं ॥ जहांद्वैतनहिंले
शएकरसतीनिउँकाला । सतचिदआनँदसिंधुनहींतहँजगकोजा
ला ॥ मनबुधिचितहंकारनहिंतहांबचनकीगतिकहा । कहबना
दासश्रुतिनेतिकहअपरपारकेहिबिधिलहा ५८ ॥ सवैया ॥ ह्वैकै
अचिंत्यचैतन्यमेंअस्थिरशास्त्रपुराणऔबेदकोसारा । सुन्निमेंशां
तिकीसेजबिछाइकैसोइरहीसोसदाभवपारा ॥ दासबनायहहोय
तबैजबबाणीपरानितनामउचारा । टीकाकरोरिनग्रन्थकोजानुमि

लैप्रथमैदशरत्थदुलारा ५९ जोकछुदेखैसोब्रह्मसमस्तकहांयहि तेमनबाहेरजैहै । जायवस्योजलमध्यविषेतबलीनखिलौनासेश्रा पुविलैहै ॥ लाखनसाधनकोयहसिद्धबिनाश्रद्धानकोऊजनऐहै । दासबनागुरुदेवकृपाकरिभागिबड़ीतेहिकेउरऐहै ६० दृष्टिजहां जहँब्रह्मतहांतहँदेखैसदासोभयाभवपारा । ब्रह्मसेभिन्ननहींकोउ कालश्रभेदमयबुद्धिनजीतनहारा ॥ दासबनाकहबन्धनमुक्तिनउ क्तिनयुक्तिगयोभ्रमसारा । बादबिबादमेंस्वादनहींकछुछानिलि योघृतछांछकोडारा ६१ सोखैनपौननभीगिसकैजलशस्त्रनखण्ड नताहिकरैजू । जाग्रतस्वप्नसुषोपतिभिन्नहैताहिकेजानैतेकाजसरै जू ॥ व्यापतकालनताहिकदापिसदारसएकप्रमाणकरैजू । दास बनाश्रुतिसन्तपुराणमेंश्रातमज्ञानीनकाहूडरैजू ६२ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेपंचमविहार खण्डेबनादासकृतेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामएकादशोऽध्यायः ११ ॥

अथ उभयप्रबोधक रामायण

षष्ठ ज्ञानखण्ड प्रारम्भः ॥

छप्पै ॥ एकबारनिजसभाबैठिरघुपतिसुखधामा । पुरजनप्र
जासुमन्तआयसबकियेप्रणामा ॥ मन्त्रीमीतपुनीतसखागणती
निउँभाई । प्रभुबोलेमुसकायवचनजनहेतसहाई ॥ अतिदुर्ल्लभ
तनमनुजकोकरतप्रशंसादेवजेहि । कहबनादासचरअचरसबह
दयमनोरथलागितेहि १ तेहिंपायेकरधर्मभजनममजानहुँएका ।
मेरीभक्तिविहायअवरसारोअविवेका ॥ श्रुतिपुराणइमिकहैंबहु
रिममजनगोहराई । करैनहरिकोभजनहानियातेनहिंभाई । ग
र्भवासमेंअतिदुखितईश्वरदीन्हींज्ञानजब । अमितजन्मकीसुधि
भईलाग्योअस्तुतिकरनतब २ जयतिसच्चिदानंन्दब्रह्मचिन्मय
अविनासी । व्यापकअचलअखण्डसकलजलथलनभवासी ॥
जैईश्वरअव्यक्तअगमगतिजाननकोई । रहितआदिमधिअन्त
स्ववशकरुणामयसोई ॥ महाविपतिमेंमतिदईअबयातेबाहर
करौ । कहबनादासनिशिदिनभजौं जातेभवनिधिनहिंपरौं ३
तुमजननीगुरुजनकसकलसुरकेशिरताजा । तुमअनाथकेना
थतुमहिंतजिसकलअकाजा ॥ नाहकतुमहिंबिसारिजीवअवरी
दिशिध्यावै । तुमतेहितूनकोयसन्तश्रुतिकविजनगावै ॥ आप
छोड़िअवरीदिशाअबस्वपन्योदेखिहौंनहीं । कहबनादासहरि
कृपातेऐसीउज्ज्वलिमतिलही ४ कोतहँथैलीकसारक्तमलमूत्रभ
राहै ।'पीबमहादुर्गंधज़ातिकृमिअमितपराहै ॥ काटहिंकोमलदे
हनेकनहिंजातसहोहै । तातातीखारखातजननिहिंरुचिजो
है ॥ अधिकजरावैगातसोबातवहांबूझैकवन । कहबनादासते

हिसमयमहँकृपाकियेसुठिदुखदवन ५ प्रसवपवनअतिप्रबलप्रे
रितबबाहरकीन्हा । स्वर्णकारजिमितारखींचिजंतामेंलीन्हा ॥
विकलभयोअतिबिथाहोशनहिंरहीठेकाने। इहांबधाईबजतवि
विधविधकरतेगाने ॥ प्रथमर्झीकिपुनिरोयदियेमनहुँमोतनेवता
दई। कहबनादासबिसरयोसबैअबइतहीकीसुधिभई ६ बालद
शाअतिदुःखकियेनानाविधिभोगा। बहुबिधिरोगबलायकवनके
वर्णनयोगा ॥ जननीवैरीभईदेयदुखजाकोसेवै। तापैनहिंसंतोष
विषमअतिघूंटीदेवै ॥ प्रथमहिंपैदाक्षीरकरिजन्मदियेपीछेजिव
हि। एकौकृतसमुझैनहींभूलिगयोऐसेपिवहि ७ आयोजबहिंकु
मारअनेकनपापकमाने। युवाभयेमतिहरीयुवतिकेहाथबिकाने॥
धनहितमरयोललायतीसरेपनतजिलाजा। मानबड़ाईलागिति
यासुततनकेकाजा ॥ चौथव्याधिबाधाअमितअतिहिजराजर्जर
किया। कहबनादासखोयेजनमजेहिलागितेइजारताहियो ८ कर
हिंनिरादरमूढ़जरनिसोसहीनजाई।इन्द्रियभईअशक्तकंठकफले
तदबाई ॥ आयेतबयमदूतकूटिशिरप्राणनिकारे । कीन्हेपापअ
नेकताहिकरिनरकहिडारे ॥ जोकदापिछुट्टीमिलीतौपुनिचौरासी
परे। जातेभूलेईशकृतबारबारजन्मेमरे ९ जोकछुकहौंअनीति
भूलिकैराजबड़ाई। तौसबउत्तरदेहुशीलसंकोचबिहाई ॥ श्रुति
पुराणमतसन्तईशकरुणाजबकीन्हा । नरतनसाधनधामदेवदु
र्लभसोदीन्हा ॥ भवसागरनौकाअहैकरणधारगुरुजानिये। म
रुतकृपामेरीभईपालवेदबलमानिये १० ऐसासम्मतपायतरान
हिंजोसंसारा। निजकरकाटेपावँकौलकीन्हेसोहारा॥ आतमहन
गतिजायनसंशययामहँकोई । श्रुतिपुराणइमिकहैंसन्तगुरुभा
षतसोई॥ मैंहूंनिजमुखतेकहेजोसोहायसोकीजिये। अतिदुर्लभ
तनपायकैअयशजक्तजनिर्लीजिये ११ सकलसभाकृतकृत्यसुन
तप्रभुमुखकीबानी । नहिंआनंदअमातभागिअतिआपानिजा
नी ॥ कोऐसाशिषदेयआपबिनदीनदयाला । मातपितासुतमी

ततियास्वारथकेजाला ॥ बोलेतबसबजोरिकरप्रभुविरागविन
भजननाहिं। होवैतासुस्वरूपयशकृपासिन्धुसोउदेउकहि १२ ब
र्णाश्रमकोधर्मजाहिविधिवेदबतावै। तापैअतिदृढहोयसहितश्र
द्धामनलावै॥ जिमिसरायमेंआयपथिकलेतेहैंबासा। सुतवित
इस्त्रीधरणिधामतिमिकरैनिवासा॥ सकलकर्महरिहितकरैफलसे
रहैअसंगअति। आवैबहुबिधिआपदातबहूंनाहींहलैमति १३
पंचतत्त्वकीदेहताहिमिथ्याकरिदेखै। परमरतनपुनिमानिब्रह्मदा
नीकरिपेखै॥ श्रुतिपुराणविधिलियेकरैयावतव्यवहारा। सबमा
यामेंलखैरहैममभजनअधारा॥ महिनभतेजसमीरअपपंचरचि
ततनजानिये। सोवैसारेजड़अहैंहैंचेतनइमिमानिये १४ तिहूं
लोककीआशसकलबासनाविहाई। निशिदिनमेराभजनकरैअ
तिप्रीतिलगाई॥ रागद्वेषपरिहरैकर्मकबहूंनाहिंतजई। सकलभ
रोसात्यागिनाममेरानितभजई॥ शुभकर्मनहरिकोदियोपापजव
नकछुकरैगो। ताकोकरिकैन्यायपुनिईश्वरसबकोहरैगो १५ मन
कोकारणसर्वतवनमनमोहिंलगावै। फिरिकोबांधैताहियहीतन
छुट्टीपावै॥ सन्तगुरूश्रुतिवचनताहिमेंनेष्ठाराखै। दयाधर्मयुत
चलैवचनअन्यथानभाखै॥ कामक्रोधमदलोभपुनिममतामत्स
रपरिहरै। शोकमोहसंदेहनहिंउरविशेषिसमताधरै १६ मृगज
लसमजगलखैसकलमेंचेतनध्यावै। सम्बन्धीनिजदेहसमष्टी
दृष्टिहिलावै॥ जैसेलहरीअमितविचारेजलयकसारा। जैसेमृत
कामाहिंपात्रबहुरचेकुम्हारा॥ सोगृहस्थनितमुक्तहैयामेंकछुसं
शयनहीं। कहबनादासगृहत्यागकरिसोऊसंक्षेपहिकही १७ प्र
थमगृहाश्रमतजेएकममशरणाहिंआवै। श्रुतिपुराणऔशास्त्रस
न्तगुरुजाविधगावै॥ ब्रह्मचर्य्यबाणस्थचौथसंन्यासहिकहिये।
परमहंसपदपांचवेदमारगयोंगहिये॥ जाहिप्रबलवैरागभोजाको
यहअधिकारनहिं। भजनराहकैसेमिलैलेवैसतगुरुशरणगहि
१८ तामेंचारिप्रकारकहतसोऊसमुझाई। उत्तममध्यमनीच

तीनिविधपरैलखाई ॥ अतिहीएकनिकृष्टलोकवेदहुकरिनिंदि
त । करियेसोईकाजहोयसबहीकोबन्दित ॥ सुनहुसबैचितलाय
कैराखौहृदयविचारकरि । कहबनादासडिठिआरजोअटपटपाव
नसकतपरि १९ जबआवैउरत्यागदेहलैकरैकिनारा ॥ एकपा
लिमर्य्यादजहांलगिकछुव्यवहारा । विधिमाफिकबरतायतबैम
मशरणहिंआवै । पासनराखैकछूकाहुकोसंगनलावै ॥ जोकछुले
नेयोग्यहैसोसबलैसाथैचलै । कहबनादासहितगुजरकेताहूपर
अतिमतिहलै २० एकभयोगृहरंककवनिविधिकरैगुजारा । त्या
गिलियेहरिवेषमिलैजेहिभांतिअहारा ॥ आशबासनाछोड़ितिहूं
पुरसुधिबिसरावै । तीनिउँगुणतेरहितवेदमर्य्यादनभावै ॥ करि
वैरागशरीरतेअर्पणमेरेहितकरै । तिनुकामाफिकतूरिकैनाहिंसंश
यनहिंउरडरै २१ करैभजनयहिभांतिवचनक्रमऔमनलाई ।
आशबासनारागद्वेषगुणतीनविहाई ॥ शनैशनैंकैशान्तबहुरिउर
करैविचारा । कालैआयेसाथसंगकोजानेहारा ॥ पंचतत्त्वकोतन
मृषारूपहमाराऔरहे । अहंकारताकोतजैजोत्यागेकारिगौरहै २२
तजैबड़ाईमानस्वादशृङ्गारनभावै । अणिमाआदिकसिद्धिभूलि
हूसुधिनहिंलावै ॥ जीतैइन्द्रीसकलकरैमनअपनेहाथा । खोजै
भूलहुनाहिंकाहुकोकरियेसाथा ॥ राखैसुठिसंतोषउरनाहिंआवै
उदवेगचित । कहबनादासमुक्तिउत्वषागईसिद्धिवैरागवित २३
यहिविधिसुनिप्रभुवचनसभासबलोगअनंदे । बारबारचितला
यचरणरघुनन्दनबंदे ॥ गेसबनिजनिजसदनकरतरघुबीरबड़ा
ई । अहोभाग्यनिजमानिआजुश्रीमुखशिषपाई ॥ काकरिहैंभव
रोगममप्रभुऐसीकरुणाकरी । कहबनादासरतिरामपदकरतभ
जनपलक्षणधरी २४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापविभंजनोनामप्रथमोऽध्यायः १ ॥

एकबारप्रभुबैठसंगमेंतीनिउँभाई । बड़भागीहनुमानरहेंसेवाम

नलाई ॥ मारुतसुतकरजोरिचरणरघुपतिशिरनाये । बोलेबचन बिनीतकृपारघुपतिलखिपाये ॥ श्रुतिपुराणमुनिसन्तकहनहिंक छुदुर्लभज्ञानसम । कहबनादासइच्छाहृदयप्रभुमुखचाहतसुनाह म २५ बोलेरघुकुलकेतुबचनतवसंशयनाहीं । ज्ञानरतन बिनजीवलोकतिहुंकँगलेआहीं ॥ नहिंछूटैबासनाबिनासुठिज्ञान बिचारे । चाहजहांलैबनीजगतभयटरैनटारे ॥ जबलगिनाहिंनि भैयभयोतबलगिदुःखस्वरूपहै । कहबनादासबहुबिधिपरैबारबा रभवकूपहै २६ बायुमहिअपतेजगगनकरिथूलशरीरा । दशइ न्द्रीतेहिमाहिं जीतिकोउसकतनधीरा ॥ पंचइन्दिरीकर्मपंचपु निज्ञानकहाये । ताकरकरतबिभागसुनौपुनिचित्तलगाये ॥ लिंग गुदाकरपादमुखकर्मइन्दिरीजानिये । श्रवणत्वचादृगनासिकार सनाज्ञानहिंमानिये २७ पंचप्राणपुनिअहैकीजियेतासुबिचारा । पानअपानौव्यानउदानसमानअसारा ॥ मनबुधिचितहंकारमि लेदशनौपरमाना । सोसूक्षमतनअहैनहींसबकोऊजाना ॥ कार णकेवलबासनाअतिहिप्रबलसबतेअहै । कहबनादासप्रभुकृपा बिनपारकोऊकैसेलहै २८ येचौबिसजड़अहैंबहुरिइन्द्रिनकेदेवा । ताकोकहौंबुझायसुनौजैसनहैभेवा ॥ श्रवणदिशात्वकपवननेत्रके भानुकहाये ।वाकअग्निकरइन्द्रबरुणरसनाकेगाये॥बुद्धिबिधाता चित्तहरिनासाअश्विनीदेवहै । कहबनादासमनचन्द्रमाअहंकार शिवभेवहै २९ जोईबुद्धिसोइलिंगचित्तसोइचरणकोदेवा । पंची कृतबिस्तारभांतिबहुजानहुंभेवा ॥ बहुमायाकेअङ्गबिबिधशाखा उपशाषा । पारनपावनयोगमुनीशनबहुबिधिभाषा ॥ शाखिबि चारैअवशिकरिछूटनकोपैहोयही । कहबनादासश्रुतिबिदितहैबा रबारसन्तनकही ३० शब्दअस्परशगंधरूपरसजानहुँपांचा ।ज्ञा निन्द्रीकीबिषयइनहिंकरिमानहुंसांचा॥ यहसारापरपंचसोईपुनि क्षेत्रकहावे । जीवअहैक्षेत्रज्ञताहिकरिसबबरतावे ॥ सोईइश्वरको अंशहैशुद्धसदाचैतन्यघन।ऐसेक्षेत्रहिपायकेबिषयभोगमेंदियेम

न ३१ ताहीकरिभोजीवजगतकृतसदाबिहारा।जिमिपक्षीतरुभि
न्नमिल्योअसनाहिंबिचारा॥तननतरुऊपरअहैजीवपरमातमदोऊ
जीवबिषयआसक्तताहिनहिंलागतकोऊ ॥ होयशुद्धबैरागजबमे
रीदृढ़भक्तीकरै । मिथ्यामानैक्षेत्रकोमैंचेतनइमिउरधरै ३२ सोइ
कहावैज्ञानज्ञेयपरमातमजानो । ज्ञानज्ञेयजबएकसिंधुआनन्द
समानो॥बिषयबासनारहितजीवजबभयोसचेता । पायोमेराज्ञा
नतबैअहैकोबेता॥दोऊभयेअभेदजबकेरिकहासंसारहै । कहब
नादासहनुमानसोरघुपतिज्ञानबिचारहै ३३ औरएकदृष्टान्तकहौं
सुनियेमनलाई । जागतकाव्यवहारसत्यसबकोउलखिंपाई ॥ खा
नपानअरुअटनधरणिधनधामअपारा । मातपितासुतबन्धुतन
यतियआदिकसारा ॥ जबस्वपनाप्रापतिभयोयहझूठावहसांच
है। कहबनादासनानाचरितनाचिरहाबहुनाचहै ३४ जागेपरव
हझूठयहीपुनिसत्यलखावै । दुइतनकेआधीनझूठदोऊदरशा
वै ॥ जबहिंसुखोपतिप्राप्तिभयोतबमृतकसमाना । आपोंदोउश
रीररहातबकछूनभाना॥रहैब्रह्मतबएकरससोस्वरूपनिश्चयकरै।
कहबनादासताकेलहेफिरिनाहींजन्मैमरै ३५ जिमिआकाशमेंप
वनभराकोउकालनखाली॥तिमिपूरणसर्बत्रब्रह्मलखिपरैनहाली।
सबबिधिसाधनबनैसन्तगुरुकरुणाकरही।ईशअनुग्रहअतिहि
जीवतबभवनिधितरही॥शीशनायकरजोरिकैबन्देपदहनुमानहै।
कहबनादासदूजोकवनप्रभुसोकृपानिधानहै ३६ तबबोलेरिपुद
मनचरणपङ्कजाशिरनाई । अहैकाहबिज्ञाननाथमोहिंकहोबुझा
ई ॥ जबहींतत्त्वअतत्त्वशुद्धब्रह्महिंठहराई। सोईहैबिज्ञानबेदमत
जानहुंभाई ॥ बहुरिकहेशत्रुघ्नतबताकेलक्षणभाषिये । कहबना
दाससोसमुझिकैहृदयपुष्टकरिराखिये३७स्तुतिनिंदाहानिलाभमें
सदाएकरस । बिधिनिषेधसुखदुःखरागद्वेखहुअलेखअस॥ कोउ
तनसेवाकरैवस्त्रभोजनऔछाया। कोऊआयदुखदेयताहिकछुको
धनदाया ॥ रातिंदिवसऔदिशिबिदिशिदेशकालनाहिंभानहै ।

कहबनादाससाधनरहितअतिअभेदनिर्बानहै ३८ बर्णऔरआ
कारदृष्टिसेसदानिकारै। निराकारयकब्रह्मचित्तकोतामेंधारै॥ न
हिंममताहंकारभूलिगुणहृदयनआवै। काहूकोअपकारनाहिंउप
कारहिधावै॥ पापपुण्यनिशप्रियसदालोकबेदकीभयनहीं। आ
शनतृष्णाबासनाकाहूकोकछुनाचही ३९ शूरधीरभयरहितसर
लसमताकेआकर। नहिंनिजमगतेडगहिपरैजोकोटिनसांकर॥
पापीपुन्नीएकभेदनाहिंसाधुअसाधू। कोऊथाहनलहैअचलसब
भांतिअगाधू॥ सुरभीश्वानस्वपाकद्विजब्रह्मातृणपर्य्यंतलै। दे
खैपीलपपीलसमधोखेदृष्टिनहींचलै ४० सोमसूरिअरुशम्भु
असुरसुरइन्द्रघनेरे। किन्नरऔगन्धर्वनागनरपशुखगजेरे॥ था
वरजङ्गममाहिंसदाचेतनइकदेखै। भूलेकौनेहुकालदृष्टिनाअनत
हिपेखै॥ भोगकरैप्रारब्धकोशून्यउपायसदारहै। कहबनादास
मतवादतजिकाहूकीकछुनाकहै ४१ ब्रह्मतियाअरुपुरुषमुरुख
पुनिपण्डितमानी। ब्रह्महंसबककागब्रह्मज्ञानीबिज्ञानी॥ मात
पितासुतबन्धुनारिसबब्रह्मबिलोकै। सावधानसबकालनहींकब
हींभैशोकै॥ दूधदहीपुनितेलघृतजिमिमुखतेसबखातहै। क
हबनादासरसनाबिषेनेकनहींछुइजातहै ४२ जलमधिपङ्कजपा
तनीरपरशैनहिंताही। जोपावकमेंपरैजरैसबसंशयनाही॥ जल
आतपहिमबातधूरिनिभनेकनपरशै। ब्रह्मज्ञानजहँउदैताहिपुनि
कोउनगरशै॥ जिमिरबिघनआड़ेभयेताहिछपामूरखकहै। कह
बनादासदिनमणिपरेवरेसकलवारिदरहै ४३ जोसड़सीमुखपरै
ताहिकाटतनहिंबारा। इमिज्ञानीममरूपकोनजगजाननहारा॥
ताकोप्रियमयकमहींमोहिंअतिप्रियबिज्ञानी। नित्ययुक्तयकभक्ति
सकलआसक्तहिभानी॥ तपतीरथव्रतनेमनहिंयज्ञयोगजपको
करै। सन्ध्यापूजापाठनाहिंबिधिनिषेधसारेमरै ४४ सदारूपमम
लीनताहिसबअनरसमाना। देहबुद्धिनाहिंजाहिकहांतिहुंपुरकोभा
ना॥ सदाब्रह्मरसमत्तताहितृणकासमसारा। देखेजाहीऔरता

हिमेंआवैहारा॥तीनिअवस्थातीनिगुणतनतीनिउँतजिपीनभो।
कहबनादासजानैकवनतुरियापदअतिलीनभो ४५ यथाभस्ममें
हुनैकोऊहबिलैअतिप्रीती। देखनहारेहिलगैभांतिबहुसोइअनी
ती॥ बिज्ञानीकेहेतसकलसाधनइमिजानो। निजइच्छासोकरैजो
नमनवाकोमानो॥ जाबिधिमोहिंकोभयनहींसबैकरौंकछुनाकरौं।
तिमिबिज्ञानीजानिकैहृदयसाहिंऐसीधरौं ४६ नायेप्रभुपदशीश
शत्रुहनअतिशयप्रीती। कृपाकियेजनजानित्रासयातेभवबीती॥
कहलक्ष्मणकरजोरिबेदकैवल्यबखाना। पुनिपुनिशास्त्रपुराणप्र
शंसतसन्तसयाना॥ ताकोकहीस्वरूपकछुकरिकरुणारघुबंशम
नि। कहबनादासतनपुलकमनमानेअतिहीभाग्यधनि ४७ बोले
रामसुजानसुनहुकैवल्यस्वरूपा। सबकोउदुर्लभबदैअहैपुनिरूप
अनूपा॥ जाकेप्रापतिभयेबहुरिभवआवैनाहीं। यथाखाकखर
होतनहींकोउबिधिहरिआहीं॥साधनसुठिताकोकठिनबिघ्नरहित
जोनिर्बहै। कहबनादासमनबुद्धिअगमसोमुखकौनीबिधिकहै ४८
श्रुतिपुराणषटशास्त्रजहांलगिकछुबिस्तारा। लोकअवरपरलोक
करैमनबुद्धिबिचारा॥ तपतीरथब्रतनेमदानमखसाधननाना।
अपरयोगअष्टांगनिषेधौबिधिपरमाना॥ बिरतिज्ञानबिज्ञानपुनि
तिहूंगुणनकोभाननहि। कहबनादासजीवतजगतएकब्रह्मतव
गयोरहि ४९ शुद्धनित्यनिरबध्यसदारसएकप्रमाणा। आदि
मध्यअवसानरहितव्यापकनिर्बाणा॥ अचलअखण्डअनीह
अलखपूरणअविनाशी। निराधारनिरलेप्यअकलसुठिस्वतः
प्रकाशी॥ ब्रह्मसच्चिदानन्दघनचेतनअमलअनूपहै। कह
बनादासकूटस्थशुचिअकथअगाधअरूपहै ५० गुणातीतअ
तिगूढ़अजयगुणमयीधामपर। पुरषोत्तमअवछिन्नअयोनीसर्ब
अचरचर॥ बासुदेवनिर्बाणद्वन्दगतअतिहिअभेदा। सुठि
सूक्ष्मसर्बज्ञनेतिभाषतचहुंवेदा। देहदबिलक्षणबिरुजवरअ
तिउत्कृष्टसबैकहे। कहबनादाससाधनअमित करतकोटिमें

कोउलहे ५१ रातपीतसितअसितहरितनहिंदूरिननेरा । थूल
सूक्ष्मनाहिंबालवृद्धनहिंस्वामिनचेरा ॥ नहींदिवसनाहिंरातिनहीं
संध्यापरभाता । नहींऊंचनहिंनीचनहींसीरानहिंताता । नहींगु
रूनहिंशिष्यहैनहिंबूढ़ानाहींतरा । नहींसृष्टिनहिंथितिप्रलयकार
गोरभूराहरा ५२ नहींपापनहिंपुण्यजीवईश्वरनहिंमाया । मत
मतान्तनहिंकोयद्वैतकरियहिसबगाया ॥ नहिंइंद्रिनकीविषयव
चनमेंनाहिंसमाई । मनबुधिचितहंकारताहिकोइसकतनपाई ॥
अन्यवातआश्चर्यवततहिकोऊकैसेकहै । कहबनादासआपैल
खतआपहिकोदूजाअहै ५३ ममस्वरूपकैवल्यबाह्यअन्तरतहँ
नाहीं । पूरणहैसबकालफुरतइमितहांसदाहीं ॥ हमईश्वरपरधा
मरामकेवलसुखराशी । ब्रह्मसच्चिदानन्दअलखहौंस्वतःप्रका
शी ॥ हौंअखण्डअजनित्यपरसदाद्वन्दगतएकरस । कहबनादा
सकोउकालमेंतहांफुरवजीवन्त्यकस ५४ ब्रह्मसिंधुमेंरहेसकल
जलचरआकारा । सोऊगलिजलभयेकरैअबकवनविचारा ॥
द्रष्टादृष्टिअदृष्टदृष्टियाहीठहरानी । पूरबपरकछुनाहिंसकलदिशि
पानीपानी ॥ धारामाहिंतरंगलैप्रकृतिपवनजबहींपर्यो । कहब
नादासनहिंलखिपरतकोबूड़ाकोहैतर्यो ५५ नायेप्रभुपदप्रीति
सहितलक्ष्मणतबमाथा । कृपासिन्धुतबवचनश्रवणकरिआंतहि
सनाथा ॥ कहेभरतकरजोरिपराभक्तीअतिपावनि । कहश्रुति
शास्त्रपुराणसन्तमनअतिहीभावनि ॥ ताकोकहीस्वरूपकछुसुना
नाथसबकेपरे । कहबनादासबोलेहरषिनहिंरघुपतिदेरीकरे ५६
विरतिज्ञानविज्ञानसकलममभक्तिअधीना । भेदनजानैकोऊजा
नबुधिमानप्रवीना ॥ येसारेउतकर्षसन्तजनकियेविचारा । प
राभक्तिसबपरेशुद्धसुठिजानहुसारा ॥ विरतिदूधगोभक्तिहैज्ञान
दहीकोजानिये । माखनपुनिविज्ञानहैपराशुद्धघृतमानिये ५७ प
रासकलकेपरेभेदविरलाकोउजानै । सबसेसुठिउतकृष्टजहांल
गिभक्तिबखानै ॥ बासुदेवसबजक्तहृदयउदवेगनकोई । आशबा

सनारहितसकलश्रमडारतखोई ॥ जेहिविधिगजसागरपर्योअ
तिअनन्दनहिंजातकहि । कहबनादासइमिब्रह्मनिधिमाहिंमग
नपटतरनलहि ५८ बर्णाश्रमभयनाहिंरहीनहिंजगकीलाजा ।
साधनसकलसिरातपरतलखिपूरणकाजा ॥ देहभईजनुभाररही
प्रारब्धसोंअटकी । कहांमृत्युयमकालकाहुकीभयनहिंखटकी ॥
संशयशोकसंदेहकसहानिगलानिनआवई । विधिनिषेधजानैन
हींरागद्वेषनहिंभावई ५९ स्वर्गनरकअपवर्गकहांनहिंतिहुंपुरभा
ना । मनबुधिबाणीपरेरहैंनिशिदिनगरकाना ॥ कहंनिवृत्तिपरवृ
त्तिकहांनिशिऔदिनजावै । कहांदेशऔकालकाहदिशिबिदिशि
कहावै ॥ यथापंखतेरहितखगउड़िबेकीआशागई । तिमितनम
नहूंतेअचलअबनकछूउरभावई ६० लोकबेदबिस्ताररह्योअभि
अन्तरनाहीं । मनोराजभेनाशप्रकृतिपरपंचबिलाहीं ॥ हमतुम
हेरेनाहिंअहंब्रह्मौजहंताई । तहंलैहैहंकारपरामेंजातसिराई ॥ प
राभक्तिपायेबिनाकाजनहींपूरापरै। अहंकारसबमेंमिलाइहांआय
नीकेमरै ६१ जबहींगईजिवत्यब्रह्महमबहुबिधिभाखै । अतिऊं
चापदलह्योंकंवनबिधिउरमेंराखै ॥ परापायसोउशिथिलयथाघृत
शीतलजानौ । जाकोजौनस्वरूपकौनमुखआपुबखानौ ॥ बाद
शाहहमभूपहैंऐसाकोकहउच्चरै । हमब्राह्मणक्षत्रीबइशकहाकवन
निशिदिनकरै ६२ निर्धनसोजबधनीथोरेहीबितबौराई । बारबा
रहमब्रह्मलेहीबिधिजानहुभाई ॥ ब्रह्मपूरसर्वत्रकहतकहुंनहींब्रह्म
हम । होतअवस्थापायपरैपीछेसोऊकम ॥ ब्रह्मभूतह्वैजातजबभा
वपरापाछेमिलै । कहबनादासअतिशुद्धभोफेरिनहींकोउदिशिहि
लै६३ज्ञानकोसाधनयोगज्ञानसाधनबिज्ञाना । सिद्धहोतकैवल्य
भावउतकर्षप्रमाना ॥ भक्तिउतेबिज्ञानज्ञानहोवैश्रुतिगावै । भई
पराजबप्राप्तिज्ञानबिज्ञानदबावै ॥ तहांसिद्धिमोशांतिपदजामेंक
छुकारणनही । कहबनादाससुठिसन्तमतयाबिधिरघुनन्दनकही
६४ परापरमप्रियमोहिंभक्तिउतकृष्टहमारी। सबसाधनशिरताज

जाननहिंसकलअनारी ॥ परानपरचैभईलहैंसुखकोनीभांती । ज्ञानीयोगीजाहिकरैंइच्छादिनराती ॥ बिरतिज्ञानबिज्ञानपुनिश्रेष्ठपराकोमानिये। कहबनादासरघुपतिकृपामिलैअवशिकरिजानिये ६५ मनबुद्धिचितहंकारकरैव्यापारनकोई । मगरपस्योजिमिकुण्डकबहुंउपरामनहोई ॥ पैपयोधिमेंशैनयथाभगवानकियेहैं। तिमिसोवतनिधिब्रह्मनहींभवभानहियेहैं ॥ परमतत्त्वनहिंपरातेयामें कछुसंशयनही । मोतेसदाअभेदमतिभरतदिशाऐसीकही ६६ भरतकहेकरजोरिसुनेप्रभुमुखकीबानी । तृप्तिलहैमननाहिंअमितसुखशारंगपानी ॥ मानेअतिकृतकृत्यकछुकइच्छामनमाहीं । कहौप्रकटकरबेगिलाभयातेकछुनाहीं ॥ सूक्ष्मसूक्ष्मसाधनकही सिद्धिलियेरघुबंशमनि । कहबनादासरघुपतिकृपाअवलोकतनिजभागिधनि ६७ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेषष्ठमज्ञानखण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनोनामद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

जैसेशूकरएकताहिकूकरदशनोचै। तथाजीवदुखलहैकवनिबिधिबिपतिबिमोचै ॥ त्वचाचहैअस्पर्शश्रवणहितशब्दहिधावै। नासाहेतसुगन्धनैनरूपहिललचावै ॥ इन्द्रीस्त्रीकोगमनरसअनेकरसनाचहै। कहबनादासकरपादमुखअपनीअपनीदिशिबहै ६८ बुद्धिबासनाभरीतरंगअनेकउठावै । अतिचञ्चलचितरहैतनिकअवकाशनपावै ॥ मनममतानहिंतजैभोगमेंरुचिअतिभारी। अहंकारउरदहैमिलेचौदहबटपारी॥ क्षुधातृषानिद्रादुखदउष्णशीतकरैंदोनहे । कहबनादासबसिरागओदेखजीवदुखभौनहै ६९ कामक्रोधओलोभमोहबहुमानबड़ाई । दम्भकपटपाखण्डसंगपरिगयोनशांई ॥ करैसकामीकर्मअतिहिजावैअरभ्राता । तिहूंलोकसुखचाहतिहूंगुणअतिहीमाता ॥ सर्बत्यागिममशरणह्वैभजन करैनिष्कामजू । कहबनादासअवरीतरहलहैकहांबिश्रामजू ७० कुण्डलिया ॥ रामनाममेंरतिनहींमतिचाहैपरधाम । बनादास

हमरेंमतेभलेबिधाताबाम॥ भलेबिधाताबामदामश्रोचामंनछूटै। बाक्यज्ञानबहुनिपुणक्षणयक्षणमायालूटैं॥ बिगरेदोऊश्रोरसेरहो नकौंड़ीकाम। रामनाममेंरतिनहींमतिचाहैपरधाम७१॥सवैया॥ अन्तःकरणकोसंगतजेनहिंबाहरसंगतित्यागेनत्यागा । इन्द्रिन कोनगयोब्यवपारबनोतनमेंश्रतिहीअनुरागा ॥ दासबनाबनी कौनीफकीरीभयोजड़चेतनकोनबिभागा॥आशश्रौबासनानाशभ ईनहिंभोगनमेंरुचिजीवनजागा ७२ कालअसंख्यभयोसुठिसो वतचेतकरैंअजहूंनअभागा । नामजपैसबकामबिहायबढ़ैश्रभि अन्तरमेंअनुरागा ॥ रामस्वरूपअनूपलहैतबटूटैंजबैगुणतीनि कोंतागा । दासबनाकिनह्वैतदबैरहैश्रापहीश्रापनिशाभवत्यागा ७३ ॥ छप्पै ॥ रामोचिदघनमयीमूर्तिसुठिव्हहदश्रकाशा । श्रा दिमध्यनहिंअन्तएकरसपरमप्रकाशा ॥ अमनअबुद्धियप्राणश्र हंचितबिनहिंअकामा। अलखअयोनीअगमदूरिश्रतितातेश्या मा ॥ इन्द्रीथूलनसूक्ष्महैकारणतेश्रतिशयरहित । कहबनादास त्रयगुणबिगतपुनिअनेकगुणकेसहित ७४ ॥ रेखता ॥ हृदयशु चिश्रवधनीकीहै। सदनसुठिसियपीकीहै॥कमलउरभवनराजेहैं। गवरश्रौश्यामभ्राजेहैं ॥ बरणिछबिकौनकबिपावै। नपटतरकाम रतिश्रावै॥ सुभगजोड़ीअनोखीहै।महाश्रानन्दपोखीहै॥कमल पदमनलोभायेहैं। नकबिहीतोषपायेहैं॥चरणबरचारुहैचारी। चतुर्मुखशम्भुबलिहारी॥ सन्तमुनियोगिजनध्यावैं । ध्यानउर कठिनलेश्रावैं ॥ चन्दमुखमन्दमुसकाते। कहेकबिकौनपैजाते॥ तिलकसुठिभालसोहीहै। कोऐसाजोनमोहीहै॥ जुलफकोजोहि जियजूझै। नहींफिरिश्रौरकछुसूझै॥ बनाजीवत्वत्यागाहै । मि लासोनासोहागाहै ७५ सोनहुलीसव्जहैटोपी।मदनशतकोटिछ बितोपी॥ श्रवणबालासुबांकेहैं। वहीजानैजोताकेहैं॥अधरश्रौद शनअरुणारे । लहैकबिकौनकहिपारे॥ नैनरतनारतिरछोहै। परीचितवनिसोकेहिजोहै॥ कमनियोंकामकीलाजे। बङ्कभ्रुवअ

मितछबिछाजै ॥ चिबुकचितचोरिलेती है । बनात्रिकिजातसेती
है ७६ भुजाआजानुमनमोहै । धनुषऔबाणकरसोहै ॥ कमल
तेअधिकरातेहैं । करजअतिहीसोहातेहैं ॥ जड़ितमणिमुद्रिका
राजै । निरखतेतापत्रयभाजै ॥ परीजेहिशीशपैछाया । अभयप
दवेगिसोपाया ॥ करनकङ्कणकनकभ्राजै । भुजाकेयूरछबिछाजै ।
वृषभहरिकन्धसेकन्धा । विमुखहियनैनसोअन्धा ॥ गरेत्रयरेख
प्यारीहै । जरनिहियकीजोजारी है ॥ बनीशीतलसुभायेहैं । कम
लपदमनलुभायेहैं७७मुक्तमणिमालउरभ्राजैकहींउपमानपाईहै।
शिखरमरकतसेवरधारामनोसुरसरिकीआईहै ॥ घटाजनुश्याम
केमध्येउड़ीबगपांतिनगिचाई । कोऐसानैनवालाहैनिरखिनहिंफ
करकैजाई ॥ उदरत्रयरेखसुठिसोहैयमुनअलिनाभिसकुचावै ।
कमरकटिसिंहलाजेहैपीतपटतूणमनभावै॥जानुयुगपीनजिनजो
हेमदनकोभाथअतिनिन्दै।जहांमुनिमनलोभायेहैंबनापदकञ्जनि
तबन्दै ७८ ॥ घनाक्षरी ॥ ज्ञानबिनामुक्तिनाहिंहोतिकोऊकाल
माहिंबिनाहरिभक्तिज्ञानरहिनासकतुहै । तातेयामेंखण्डनऔ
मण्डनकरतजौनमेरेमतसबआवबावकोबकतुहै ॥ भूखबिनभो
जनकरतनहिंकहूंदेखाबिनाकियेभोजनकेकोऊनाछकतुहै । बना
दासपेटहीनभोजनऔभूखकहाज्ञानऔबिरागभक्तितिहूंकोअक
तुहै ७६॥ सवैया ॥ तीनोंबिनानहिंकामसरैजेहिभावतजौनकरै
किनसोई। मैंकृतकृत्यकृपालुकृपानिजभावकोनेकनराखतगोई॥
जैसेनिहायबिनासडसीघनलोहकोकाजकछूनहिंहोई । दासबना
निरपक्षहैबातसोहातनहींसबकोमनटोई ८० भक्तिस्वतंत्रहैसन्त
कोसम्मततासुअधीनहैज्ञानबिज्ञाना। ज्ञानबिरागतहांपुनिभक्ति
तजैसुतकोकिमिमातुनिदाना ॥ दासबनाजहँबोधबिशालकरैन
हिंखण्डनमण्डनकाना। मोक्षकेसाधनअङ्गसबैतेहिभंगकियेअ
पनोनकसाना ८१ भक्तिबिनाकोहृदयमलनाशिहैरामकोरूपमिलै
केहिभांती । ज्ञानबिनानप्रकाशलहैकोऊतेलबिहीनबरैकिमिबा

ती ॥ तृष्णातरंगउड़ाइहैकोनबिरागबिनाकिन आशनिपाती । दा
सबनाजोबिज्ञाननप्रापतितौसमतासपनेनसुहाती ८२ जोसमता
नहिंशांतिलहैकिमिशांतिबिनानसुखीभयोकोई । शांतिहिमुक्ति
अहैसबतेपरदासबनानहिंराखतगोई ॥ शांतिस्वरूपकहैकोनीब्रि
धिगूंगकोस्वादबिलक्षणसोई । व्यञ्जनभेदजोखातसोजानतश्रौ
रसराहिसकैनहिंकोई ८३. ॥ छप्पै ॥ एकैवन्दनज्ञानभक्तिकोकर
तनिरादर। करिखण्डनयकज्ञानसराहतभक्तिहिसादर ॥ भगवत
विमुखीकहैदुःखमनिहैतबज्ञानी । भक्तहदैजरिमरैकहैसबकोउअ
ज्ञनी ॥ कछुकबुद्धिमेंफेरहैताहिभलेसमुझैनहीं । कहबनादा
सठौरैठवरमानतसबैमहीमही ८४ तासुज्ञानकिमिशुद्धकरैईश्वर
पदखण्डन । भक्तिशुद्धनहिंतासुज्ञानतजिहरिपदमण्डन ॥ को
ज्ञानीभगवतबिमुखभक्तकोनअज्ञानभो । चहुंयुगचहुंश्रुतिलोक
तिहुंतिहूंकालनहिंभानभो ८५ जोजानैबिज्ञानज्ञानईश्वरसोइमा
नै । जोमानैसोइभक्तकहातामेंभ्रमश्रानै ॥ सन्तमतोसबकालदू
रिमतबादसोरहिये । जोप्रभुदिशितेमिलैमोदताहीमेंलहिये ॥ क
हींसदानिरपक्षमतश्रुतिपुराणसम्मतलिये। कहबनादासकारांखि
हैउतरिजायरघुपतिहिये ८६ पढ़िपढ़िमरैंबेदांतब्रह्मकोपतानपा
वै । कथिकथिज्ञानबिरागजक्तकोबहुडहकावै ॥ महाइन्द्रिआरा
मदामचामहुकेचेरे । घरघरबागतफिरैंशांतिकहुंमिलैनहेरे ॥ ख
ण्डयभक्तीरामकीऐसेज्ञानीलोगहैं । कहबनादासहमरेमतेनहिंस
म्भाषणयोगहैं ८७ कहैरामकेशरणवहैपरिपंचनमाहीं। कर्मकाण्ड
मेंपचैभजनकीचर्चानाहीं ॥रहितज्ञानबैराग्यभक्तिकोभेदनजानैं।
रामरूपक्योंलहैबड़ासबआपुहिमानै ॥ सदादूरितिनसेरहैनहिंस
त्सङ्गतियोगहैं । कहबनादासयहिकालमेंघनेउपासकलोगहैं ८८
होयरामकेशरणमरणकीकरैतयारी । त्यागैआशउपायनामकीसु
रतिसँभारी ॥ तिहूंगुणनकोभागिरहैप्रभुपदअनुरागी । सबसेहो
ययकान्तमोहरजनीमेंजागी ॥ अगुणसगुणदोउरूपलहिजीवन

मुक्तकहावई। कहबनादाससंशयनहींबहुरिनयहिजगआवई ८९
पायेअगुणनसगुणमिटैसंशयकेहिभांती। सुन्दररागनबजैकब
हुंगाड़रिकीतांती॥ एकएकमतपकरिकरतयकएकबिरोधा। हेरा
भांतिअनेकदशायहजहँतहँशोधा॥ अन्धासमलकड़ीगहेऔर
कोहूकेहाथहै। कहबनादासवहदेखतातूतौंअतिहिअनाथहै ९०
कुण्डलिया॥ याहीतेभ्रगरामचाटूटैनाहिंकोउभांति। सबकोउसि
द्धकहावतेयतनकरैंदिनराति॥ यतनकरैंदिनरातिमातिमातिति
हुंगुणमाहीं। वहांनगुणकोलेशकौनिबिधिछुइहैछाहीं॥ बनादा
सतापैनहींबुद्धिनेकसकुचाति। याहीतेभ्रगरामचाटूटैनहिंकोउ
भांति ९१॥ छप्पै॥ भैरोचकसिद्धान्तबिपर्य्ययचानकखानी। ख
ण्डनमण्डनबिबिधकहांलगिनामबखानी॥ पुहुपितकरियेत्याग
सिद्धिफलहीकोगहिये। ऐसामिलैबिचारतत्त्वकीआशयलहिये॥
कर्मबचनमनलायकैताहीपरइस्थितरहै। कहबनादाससज्जनसो
इकसनपरमपदकोलहै ९२॥
इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामतृतीयोऽध्यायः ३॥
सवैया॥ धीरबिचारनतोषलहेजिनआशनबासनाजीतिलिये
हैं। इन्द्रीनहींबसिभैसबअंगसेचित्तनिरोधनचित्तदियेहैं॥ प्रीति
प्रतीतनहींउरपुष्टसोजाययकांतमेंकाहकियेहैं। दासबनानबना
बिधिएकहूफेरिबिषयरसजागिहियेहैं ९३ रागऔद्वेषबढ़ैबहुसंग
मेंबादबिबादअनेकभयेहैं। आशनबासनाछूटिसकैपुनिजेसनसं
गसुरंगदयेहैं॥ चिंताचवाइनिचूरकरैकबहूंअपमानऔमानजये
हैं। संशयगईनहिंदासबनादशसंगरहेमहँकाहलयेहैं ९४॥ छप्पै॥
जाकोपगपातालशीशत्रिधिलोकप्रमाना। घ्राणअश्विनीसुवन
जासुलोचनहैभाना॥ भ्रूबिलासजेहिकालदिवसनिशिनिमिष
कहाये। सरितानसकचंजलहभुजहद्दगपालहिगाये॥ लोभअ
धरयमदशनपुनिश्वाससमीरहिजानिये। कहबनादासपावकबद

नरसनावरुणहिमानिये ९५ अहैबिधाताबुद्धिशम्भुहंकारकहा
ये । मनशशिगावतश्रुतीश्रवणदशदिशासुहाये ॥ उदरसात्व
हीसिन्धुपायजाकोगोदण्डा । अपरलोकअँगमाहिंअहैआकार
सोअण्डा ॥ बनस्पतीरोमावलीमायाहास्यअनूपहै । कहबना
दासबशचराचरतातेबिश्वस्वरूपहै ९६ यहकारणबपुकहीसूक्ष्म
सबहृदयमुकामा। कहियेपुनिअस्थूलनृपतिदशरथसुतरामा॥ ति
हूँपरेपरब्रह्मसच्चिदानन्दकहाये । नेतिनिरूपतवेदअपरकहिपार
कोपाये।चहुँयुगतीनोंकालमेंसबकारजसबकोसरै। कहबनादास
अस्थूलसेबारबारतेहिपदपरै ९७ रामनामकेजपेहोतचहुँरूपको
बोधा । कलिनहिंअवरउपायभलेसबबिधकोशोधा॥ सबसाधन
भेशिथिलबीजऊसरजिमिबोये । जैंसेलगैनहाथसरपिकहुँबारि
बिलोये ॥ सर्बअंगचतुरासोईसबमतबादबिहायकै । कहबना
दासमनक्रमबचनरहैनामलवलायकै ९८ ॥ घनाक्षरी ॥ अमन
अचिंत्यप्राणरहितनइन्द्रीदेवमहिअपतेजबायुगगनअमूलहै।बु
द्धिअहंकारभिन्नशब्दरुपर्शरसगंधरूपहूतेसर्बकालप्रतिकूलहै ॥
सतचिदआँनँदसघनबनादासबदै ऐसोरघुनाथजीकोतनअस्थू
लहै । अलखअयोनिअद्भुतगतिजानौकौनऐसोनबिचारैताकेदृ
ष्टिमाहिंभूलहै ९९ रामरामरटतउठतउरमेंहीरामताकोकौनकाम
करैरामकीरजायजू।अनुभवब्रह्मसुखरूपनामहूतेभिन्नअकथअ
नूपसबसाधनसिरायजू॥ नरकस्वरगब्रह्मभावनहमारेहाथमाथ
दियेशरनमेंजानैरघुरायजू । बनादासजासुरूपचिंतनकरतजोय
होयसोसदेहनाहिंसदाचलिआयजू १०० देहपापरूपमेंस्वरूप
ज्ञानखोयदियेंताहीतेफिरतचवरासीमेंभुलानहै। बिनारामशरण
जन्ममर्णमिटैनाहिंउरअनुरागशुद्धआवैरूपध्यानहै ॥ बिरतित्रि
लोकतेबिलोकतनदेरलागैअंगअंगपरकामकोटिसकुचानहै ।ब
नादासकृपाकोप्रसादनिजरूपलहै जातनंजगतबिनभयेदृढ़ज्ञान
है १ ॥ कुण्डलिया ॥ आशातृष्णाबासनारागद्वेषभयमोह। चिं

ताहानिगलानिपुन्निलोभकामअरुकोह ॥ लोभकामअरुकोह निषेधोबिधगुणतीनी । संशयपुण्यऔपापप्राणकीगतिअतिभीनी ॥ हर्षशोकबूड़बतरबबनादासपरद्रोह । आशातृष्णाबासना रागद्वेषभयमोह २ मनइन्द्रियकोदुसहदुखमानअवरअपमान । चौरासीभयतापत्रयनिबहबकवनिबिधान ॥ निबहबकवनिबिधानभानइनकोकरिदूरी । मौतकालयमत्रासमकलबिधिडारैतूरी ॥ तबौंदेहबाधाकरैसहजरूपकेज्ञान । मनइन्द्रीकोदुसहदुखमानअवरअपमान३ जोतनमेंममताकरैतातेअन्धनकोय । यातेदुखदातानकोउहियआंखिनतेजोय ॥ हियआंखिनतेजोयबीचईश्वरसोकीन्हा । नहिंमोमेंतिहुंकालबिचारैयाबिधभीना ॥ बनादासहौ आतमाश्रुतिपुराणमतसोय । जोतनमेंममताकरैतातेअन्धनकोय ४ देहबुद्धिकोत्यागनायाहीपरमबिवेक । प्रेरककेआधीनसोश्रद्धाकरैअनेक ॥ श्रद्धाकरैअनेकब्याधिरोगादिसतावै । आयजरा जबग्रसैतनिकअवकाशनपावै ॥ धीरबिचारऔशूरताराखैपोढ़ी टेक । देहबुद्धिकोत्यागनायाहीपरमबिवेक ५ संशयचिन्ताशोक पुनिआवैउरनगलानि । फुरैहृदयहमब्रह्महैंदेहबुद्धिभयहानि ॥ देहबुद्धिभयहानिरहैचेतनजबताई । तबलगिदुखसुखभानरीति चलिआपसदाई ॥ बनादासहमआतमायाहीपोढ़ीबानि । संशय चिन्ताशोकपुनिआवैउरनगलानि ६ दुखमोमेंनहिंदेहमेंयाहीउत्तमज्ञान । जिमिघनआड़ेभानुभेनिशानहींपरमान ॥ निशानहींपरमानहोतहैकछुकअँधेरा । जबलैतनकोसंगकरैबाधाबहुतेरा ॥ बर्षाबातनिहारजलगगनलिप्तनाहिंजान । दुखमोमेंनहिंदेहमेंयाहीउत्तमज्ञान ७ तिमिज्ञानीकोदेहदुखदेखतहैसबकोय । मैंदुखियासुखियानहींमुखियाज्ञानीसोय ॥ मुखियाज्ञानीसोयप्रकृतितेपरेसदाई । दुखसुखदोउआतीतब्रह्मरसजानहुंभाई ॥ मेरुसिन्धुगतमुकुरजिमिभारनभीगवसोय । तिमिज्ञानीकोदेहदुखदेखतहै सबकोय ८ दुखसुखजाननहारहैमनबुधिकहसबकोय । तासुप

रेपरब्रह्महैअमलअद्वैतहैसोय ॥ अमलअद्वैतहैसोयरहैचारिहु
केपारा । तबलगिब्रह्मानन्दपरेचितओहंकारा ॥ दृष्टादृष्टअ
दृष्टमेंद्वंद्वजातसबखोय। दुखसुखजाननहारहैमनबुधिकहसबको
य ९ ॥ घनाक्षरी ॥ निजजनजानिरामराजदेतबारबारकरैअंगी
कारनधरतभवभारहै। बादबकबादतनस्वादमेंभुलायजातधरम
करमनींदसोवतसकारहै ॥ प्रकृतिप्रबाहमेंबहतनगहततटखेव
तजनममानिहमओहमारहैं । बनादासतबलैकुशलकोऊकाल
नाहिंजबलैनहोततिहूँगुणनतेपारहै १० मानअपमाननिन्दाअ
स्तुतिऔहानिलाभहमऔहमारनहिंदेखेकोऊकालहै। सुखदुख
दोऊमाहिंसदासममतिरहैइन्द्रीमनबुद्धिव्योपारतजैजालहै ॥ बि
धिऔनिषेधलोकवेदकोप्रपञ्चसबतिहुँपुरकामनाअनेकनबिशाल
है।बनादासज्ञानआगिमाहिंसबदाहिडारैसोईजनहोतब्रह्मानंदमें
बंहालहै ११ यापैहोबकायमसोकृपापरिपूरराामहोयऐसीमतिशुद्धि
लियेबंसुयामहै। तीरथबरततपयज्ञयोगजपत्यागिनेमऔअचार
छोड़िरटैएकनामहै।याहीसारशब्दसबशब्दनकोशिरमौरकरतअ
शब्दप्राप्तिमहासुखधामहै । बनादासअबुझबुझायबूझैनाथही
केअसुझसुझाइबसदहिप्रभुकामहै १२ रामकीकृपालुतानकृपा
बिनुजानिपरैकरैकोटिबिधिउरमिटैनखँभारहै । नावकैसोफेरैकर
तुरितकिनारलहैनिजबलकियेडूबिमरैमँझधारहै॥ तातेदुखसुख
सबअंगसेसुनावैताहिदूसरभरोसआशत्यागिबारबारहै। बनादा
सकसनसँभारकरैकृपासिन्धुदीनबंधुबिरदबिराजैश्रुतिसारहै १३
सवैया ॥ मनबुद्धितेहोतउपासनाकांडऔकर्मशरीरसेवेदबदाहै।
बीतिगयोयुगकोटिनजातसोदासबनाअतिदुःखलदाहै ॥ अन्तः
करणपरेअहैज्ञानसोईईश्वरएकअनन्तसदाहै । कर्मउपासनाज्ञा
नकेभीतरचारिउलोकत्रिलोककदाहै १४ ॥ घनाक्षरी ॥ देहमा
त्रकरमंकरतकर्मकाण्डगयोमनबुद्धिपारवृत्तिटूटीहैउपासना। ज्ञा
नीएंकआतमरमितनिजरूपमाहिंसोईज्ञानलहेनाहिंरहैभवशास

ना ॥ बनादासजापैजोरहतअभिमानीताकोबिनाउरआयेज्ञान
काहूकोप्रकासना । तातेमतबादत्यागिश्रेयकरैंसंतजनहियाआं
खिहीनसोईहोतबेगिदासना १५ तातेनिजनिजवृत्तिदेखिअभिमा
नीहोतजौनीसमयमाहिंजहांताकोसोधरमहै । अधरमकरतबिक
र्मसोकहावतहैकरैंसतकर्मसोईजानियेकरमहै ॥ फलहेतकरतसो
बन्धनपरतजायनिशिकामकियेभवपरतनरमहै।बनादाससतओ
असतदोऊत्यागकरैसोईअकरमनहिंपरतभरमहै १६ मनबुद्धिक
रिकरैभावनाभजनजौनमुक्तिहूकीचाहनउपासनासोठीकहै।काम
नासहितकरैपूरसोकरतरामकरिकैकमाईलियेदामरसफीकहै॥ ब
नादासातिनुकासमानतीनिलोकसुखदुखसेदुखायनसोज्ञानिनकी
लीकहै ।लहेनस्वरूपवाकीज्ञानमेंकुशलसुठिदोऊओरहानिभव
दाहउरधीकहै १७॥सवैया॥होतमहीपतिकोसुतभूपतिओतियहै
पियकीअरधंगी। चेलामहन्तसदेहनहींकछुजीवसनातनईशको
संगी॥भेदस्वरूपमेंनाकछुदीसतदासबनाकरैभक्तियकंगी। आत
मज्ञानलहैसोभलीबिधिताहीकोसन्तकहीसतसंगी १८ कर्मउपा
सनाज्ञानसबैमहँहोतब्यतीतकरैअनुमाना। जाकीठिकानबिशेषि
जहांअहैताहीकोहैतेहिकोअभिमाना ॥ मध्यउपासनाअन्तमेंज्ञा
नऔकर्मअहैप्रथमैसबजाना । दासबनामतबादनटूटतबूझिकै
भिन्नसोसन्तसयाना १९ नामऔबर्णअकारमिटायकैचेतनएक
अखण्डितध्यावै । आदिनमध्यनअन्तकहूंजेहिरूपनरेखनबुद्धि
समावै ॥ नेतिनिरूपतबेदनिरन्तरअन्तरबाहरपूरबतावै । ताही
केजानेतेहोतकृतारथदासबनाभवफेरिनआवै २० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामचतुर्थोऽध्यायः ४ ॥

घनाक्षरी ॥ दृष्टादृष्टभिन्नदृष्टिकियेतेसुलभहोतअंतःकरणपरे
ताकरमुकामहै । तहांआपैआपआसपासमेंनदूजाकोईदेशकाल
रहितऔनाहींसुबूशामहै ॥ अकथअगाधअद्भुतकोबरणिसकै

सतचिद्घनसुठिगूढ़परधामहै । बनादासबचनअतीतभिन्नअ
क्षरसोसोईअवतारअवधधामराजारामहै २१ राजनकोराजती
निदेवशिरताजबिषयमूषककोबाजखलदलकोअकाजहै । साधुसु
ररंजनअखिलअघगंजनजगतज्वरभंजननिसम्मलकोसाजहै ॥
सत्यसिंधुशीलधामछबिअङ्गकोटिकाम जगअभिरामराखैसदाज
नलाजहै । सुठिसमरत्थकहैकौनगुणगत्थबनादासदशरत्थसुतमे
रोमहराजहै २२ अचलअखण्डउतकृष्टनिरद्वन्दगूढ़गुणातीतनि
रपेक्षअद्भुतअतिहै ।निहिसंगनिराधारनिरलेप्यअनुरूपवृहदबि
लक्षणनआइसकैमतिहै ॥ अकथअगोचरअलखआदिमध्यही
नअवसानरहितअयोनीअबिगतिहै । बनादासशारदगणेशशे
शनारदादिशुकसनकादिशिवकहैंसीयपतिहै २३ ईशअवछिन्नपु
रुषोत्तमपरमधामबासुदेवबालवृद्धयुवानअरूपहै । निर्गुणनिरंज
ननिरीहनामरूपहीनजीरननवीननाहिंअकथअनूपहै ॥ श्रुतिऔ
पुराणशास्त्रसुरयशगानकरैंपावतनपारजीवपरेभवकूपहै । बनादा
सदीनबन्धुदुखदौनदयासिंधु भवनिधितारनकोसगुणस्वरूप है
२४ ॥ सवैया ॥ सगुणह्वैसबकाजकरैजनलाजसम्हारतदीनद
याला । निर्गुणगच्छतितिष्टतिहीनसनातनसोअपनोप्रणपाला॥
आपनोरूपकोआपुजनावततताहीतेजीवतरैभवजाला । दासबना
दोउरूपकोबोधलहैजबकोशलनाथकृपाला २५ ॥ कुण्डलिया॥
करमबचनमनलायकैकियउपासनाराम । नहिंदूसरसाधनलखे
सुमिरेकेवलनाम ॥ सुमिरेकेवलनामरूपकल्पनानराखी । कीन्हे
आशापूरतासुपुनिरघुपतिसाखी ॥ बनादासउरमेंफुरैअहंब्रह्मप
रिणाम । करमबचनमनलायकैकियउपासनाराम २६ ज्ञानसिद्ध
अन्तेभयागैउपसनादूरि । यामेंमेराबसिकहाकरैउपासककूरि ॥
करैउपासककूरिमोहिंकछुख्यालनआवै । सबप्रकारमनसाफकहै
जाकोजोभावै ॥ बनादासअवरीतरहकीभवबन्धनछूटि । ज्ञान
सिद्धअन्तेभयागैउपासनाटूटि २७ ॥ घनाक्षरी ॥ पगबिनगमन

श्रवणबिनसुनैसबकरबिंनकरमकरतअधिकारहै । मुखबिनभो गीबाणीबिनबाक्यंयोगीपुनियोगनबियोगीसूंघैघ्राणबिनसारहै ॥ तनबिनपरसनयनबिनदेखैअति मतिनसकतिकहिमहागुणागार है। बनादासऐसोसुखरासीउरबासीसदाजीवदुखखानिबिनाभज नबिचारहै २८ सर्वत्रपाणिपादसर्वत्रश्रवणघ्राणआननऔअक्ष सर्बत्रपरिपूरहै । सर्वत्रउदरऔशीशसर्वत्रमाहिंभीतरऔबाहरमें आंखिनहजूरहै ॥ बनादासदीनबन्धुदयासिंधुनामजाहिअधमउ धारणबिमुखजीवकूरहै । पावनपतितजाकोबिरदबखानैवेदताते सहैखेदअतिकादरनशूरहै २९ प्रीतिऔप्रतीतिकरिजपैनामल वलायसाधनबिहायसारेपूजैतासुआसजू । सियाकेसमेतहोतप्र कटहिआनिकेततबसुखकहैकोछकितअतिदासजू ॥ बिबिधप्रका ररूपसुखदेकृपालरामअतिसुखधामब्रह्महोतहिअकासजू । ब नादासजनकेसहितासिंधुआनँदमें करतनिवासभेदबुद्धिकरिनास जू ३० स्थूलराजपुत्रउरबासीसूक्षमहैप्रेरकसकलहियकहतपुरा नहै । कारणविराटरूपअतिहीबृहदभावतिहूंपरेब्रह्मचहुँवेदमेंप्र मानहै ॥ एकनामजपेरूपचारिहुकोबोधहोतजाकेगतिदूसरीन जानतसुजानहै । बनादासपरमकृपालकोशलेशसदायहिभांति जनकोहरतभवभानहै ३१ रामनाममातुपितुबन्धुसुठिरामनाम रामनामगुरुसखास्वामीरामनामहै । रामनामविद्यावेदधनधाम रामनामरामनामकुटुँबसुजनसुब्रशामहै॥ रामनामसन्ध्यापूजाजा पयज्ञरामनामरामनामपाठतपयोगबसुयामहै । रामनामतीरथब्रतदानरामनामबनादासरामनामछोड़िनाहिंकामहै ३२ रामनाम योगक्षेमप्रेमनेमरामनामरामनामआशऔभरोससबठामहै । रा मनामकरताकरमएकरामनामरामनामपरमधरमनिशकामहै ॥ रामनामभगतिबिरागज्ञानरामनाम रामनामध्यानऔसमाधिरा मनामहै । रामनामऋद्धिसिद्धिसाधनहैरामनामरामनामसारीबि धमेरेबसुयामहै ३३ रामनामदेवपित्ररामनामहृदयचित्ररामनाम

मूरतिसुरतिरामनामहै । रामनामहीकींगतिरामनामहीसेपतिरा
मनामहीसोमतिअतिअभिरामहै ॥ रामनामकल्पतरुकामधेनु
रामनामरामनाममंत्रयंत्रतंत्रसुबूशामहै।बनादासधीरऔबिवेक
तोषरामनामनिपटनकामकोकरतसबकामहै ३४ ॥ सवैया ॥ श
क्तिनसूत्रनहींमहतत्त्वपृथीअपतेजनपौनअकाशा । शब्दस्पर्श
नहींरसगन्धनरूपनइन्द्रियदेवप्रकाशा ॥ बुद्धिऔचित्तनहींहंका
रनपांचहुप्राणकहैकोतमाशा । दासबनायहजानुसबैभ्रमकेवल
ब्रह्मलखेजगनाशा ३५ केवलब्रह्मकिइष्टभईतबदृष्टिबिलक्षणजा
नहुनीके।तीनिहुँलोकलगैतृणकासमइन्द्रियस्वादभयोसबफीके॥
बादबिवादनभावतभूलेहुभेदरह्योनाहिंईश्वरजीके । दासबनाय
हहोततबैजबनेकनिगाहभईसियपीके ३६ जाइसकैनगरीबकेभौ
नमेंजोमरजीनहिंपावतवाको।ब्रह्ममेंगौनकरैकेहिभांतिपुराणऔ
वेदइतैसबथाको ॥ साधनसर्बअहैतेहिकारणध्यावतहैबलजैसनं
जाको। दासबनालहैरामकृपाकरिकालतिहूंयशजागतजाको३७
घनाक्षरी ॥ भघखेदछेदनकोदक्षएकरामजानोजाकेपक्षनामकोस
नातनप्रमानहै । सर्बअंगहीनसबसाधनबिहीनपदकंजप्रेमपीन
सोईलहतनआनहै ॥ ऐसेकलाकुशलनउपमात्रिलोकहूमेंजोनी
भांतिजनकोहरतभवभानहै । बनादाससकलसुझायकैअनेक
भांतिअतिहीप्रकाशकरिदेतदृढ़ज्ञानहै ३८ ॥ सवैया ॥ जानैन
कोऊजनायेबिनाबलसाधनकेनहिंलागेठेकाना । तीरथबर्तकरैम
खदानअचारविचारअनेकबिधाना ॥ योगकरैबसुअंगभलीबि
धिजातनहींउरतेअभिमाना । दासबनाबिनप्रेमनभावतलोनबि
नाजसव्यञ्जननाना ३९ ॥ घनाक्षरी ॥ पुलकशरीरनैननीरगद
गदकण्ठकहूंगानकरतन्टततधरिमौनहै । महामोदउरमेंअघात
नाहिंबारबारहृदयनिकेतमाहिंमिलेसियारौनहै॥ तृणसमलागत
त्रिलोकसुखसमैतेहियमकालहूकिडरगयोआवागौनहै । बनादा
सबहुरिबिशुद्धकैकैआपभूलैमूलैमिटैसंशयकीद्वैतभयोदौनहै ४०

रेखता ॥ बढ़ीजबचाहमिलनेकीनहींपलकोंसम्हाराहै । नहीं धनधामतनभावैकहांपरिवारसाराहै ॥ तियाओंपूतपितुमातास खाअरुबन्धुभाईहै । लगैंयमदूतसेसारेफिकिरहरिसेजुदाईहै ॥ दिनौंदिनशोचसरसावैकरौंकैसाविचाराहै । चहैंतननोचिकैफेंका मिलैदशरत्थबाराहै ॥ कहैनहिंबातकाहूसेसुनैनहिंकाहुकीटेरी । उरैउरओंटिकैरहनाकरैदिलदारकबफेरी ॥ दिवानादर्दहैहरदम कहैकोबातन्यारीहै । बिरहकीचोटउरशालैसदामरनातयारीहै ॥ पलौनहिंचैनचितपावैउसीमेंस्वादसाराहै । बिरहकीबारअतिगा ढ़ीबनामाशूकमाराहै ४१ नहींनिशिनींददिनखानानहींआनान जानाहै । तड़फतायामआठोंमेंमिलैकैसेठेकानाहै ॥ कोईशिवक अहियकहताकोईसाकेतगायाहै । कोईकहअवधमेंरहताकोईसब घटबतायाहै ॥ कोईकहयोगमेंमिलताकोईव्रतनेमराखाहै । को ईश्रुतिशास्त्रमेंकहताकोईतपयज्ञभाखाहै ॥ कोईवैरागमेंबरणयग रीबीकोउबताईहै । कोऊकहहाथनहिंआवैबनाअनुरागपाईहै ४२ भयाआसक्तचरणोंमेंगयाचितचोरिनीकेहैं । कमलकीक्रांतिसकु चावैलगेजगस्वादफीकेहैं ॥ नखौंद्युतिलाजतीमोतींनतारातुल्य कोपावै । श्यामपदपृष्ठघनमध्येमनोदामिनिदमकिजावै ॥ पीन अतिजानुमनहरणीकमरहरितूणराजेहै । कहांपटपीतकीशोभा कनकदामिनिभिलाजेहै ॥ भवँरगम्भीरयमुनाकोनाभिशोभाअ नोखीहै । कहांत्रिवलीकिहैउपमामहाआनन्दपोखीहै ॥ गरेगज रागरूरेहैंनागमणिनीकसुठिलागे । जनेऊपीतद्युतिन्यारीनिरख तेतापत्रयभागे ॥ भुजाकेयूरकरकंकणकमलकुलकोलजायेहैं । मु द्रिकाबिचअंगुलीसोहैजड़ितमणिनगनिकायेहैं ॥ कमनियांतीरपु नितामेंकहैकबिकौनशोभाहै । कन्धहरिग्रीवत्रयरेखालखेअसको नलोभाहै ॥ चन्दमुखमन्दमुसकातेदशनकीदमकजोहीजो । अ धरअरुणारशुभनासाकोऐसालखिनमोहीजो ॥ हरैमणिनील कीआभानयनअरबिन्दरातेहैं । बङ्कभ्रूकामधनुलाजैलखेमदप्रे

ममातेहैं ॥ छटाजेहिमीनकीबारैकनककुण्डलसुहायेहैं । सोईजन स्वादकोजानैस्वप्नहूदेखिपायेहैं ॥ तिलकबरभालमेंराजीनउपमा खोजिकबिपावै।मुकुटशिरहेमकानींकाजुलुफकेहिभांतिकहिआवै जानकीबामदिशिजाकेकोटिरतिकामसकुचाये । कहैश्रुतिशेषऔ बाणीबनानहिंपारतौपाये ४३ बिनायहिरूपकेदेखेसच्चिदानन्दन हिंजानै । नआवैबुद्धिबाणीमननहींमधिआदिअवसानै ॥ नहीं रँगरूपनहिंरेखानअक्षरमाहिंआवैगा । गईसुरतानइतलौटैनहीं कछुऔरभावैगा ॥ नहींहैदूरिनहिंनेरेतिलोभरिनाहिंखालीहै । नअन्तरबाह्यहैतामेंअनोखीतासुचालीहै ॥ सदारसएकश्रुतिगा वैनितैनेतीपुकाराहै । नहींजनमैंनहींमरतानहींवृद्धानबाराहै ॥ अ चलउतकृष्टअतिगूढ़ासदाएकैनदूजाहै । नहींसोदृष्टिमेंआवैउ सीमेंजगपसूजाहै ॥ कनककंकणखङ्गलोहापात्रमृदएकहैजैसे । सूतऔबसनजलबीचीखलकऔअलखहैतैसे ॥ यथाहिमनीर औवोराअर्थबाणीसमानीहै । वृक्षऔबीजनहिंदूजाकोटिमेंएक जानीहै॥ अगुणसेसगुणसोइहोवैसगुणसेअगुणहोताहै । बनाय हिभांतिदर्शावैनहींसबखातगोताहै ४४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामपंचमोऽध्यायः ५ ॥

जिगरसेजख्मभारी है । दशाबिरहीकीन्यारी है ॥ खरेनैना उदासे हैं । लेतगहिरीउसासे हैं ॥ अधरसूखेबदनजरदी । रँगे अँगरंगज्योंहरदी ॥ नआवैनींददिनराती । श्वासहीश्वासहैपा ती ॥ स्वादशृंगारनहिंभावै । खानऔपानबिसरावै ॥ गईदिल सेगरूरी है । नहींपलकोसबूरी है ॥ श्वासजनुआगिसेआवै । नै नदोउनीरभरिलावै ॥ नहींपरवाहपलटूटै । क्षणयक्षणदेहकबछू टै ॥ भलेअंदरजलायाहै । बाह्यसोरंगछायाहै ॥ दमैदमहायहो ती है । बनामरणानिशोती है ४५ बिनामाशूकसबफीकातिहूपुर चाहखोई है । दशाकविकौनगावैगादिवसऔरातिरोई है ॥ चहै

तननोचिकैफेंकानहींफलेचाहचारी है । जलामलकोटिजन्मौका
लखेकैसेअनारीहै ॥ कहींभलकीभलकिआवैबहुरिकैजातन्या
राहै । कहोआनंदनहिंजावैबनाबिनमौतमाराहै ४६ बिरहकाबे
गजबटूटाहियेकछुशांतिआईहै । कहैमेंनाहिंआवेगारह्योहरिरंग
छाई है ॥ लगैतिहुँलोकसुखहल्कादुराशादाहटूटी है । नहींतन
हूँसेकछुहोवैजगत्कीआशछूटी है ॥ सदाआनन्दसरसावैरतन
ज्योंरंकलूटी है । नसाधनऔरउरआवेपियेहरिनामबूटी है ॥हृद
यकीकौनलखिपावैमोहब्बतजातबढ़ती है। बनामाशूकजबराजी
दशानिशिदिवसचढ़तीहै ४७ जोईजोइरूपसुखचाहैसोईसोइ
पूरकर्त्ता है । नहींपलएककोन्याराहियेमेंमौजभर्त्ता है ॥ सुरतिप्र
तिअंगकीशोभाक्षणयक्षणपानकर्त्ती है। ललकिललचातहैहरद
मनहींउरतोषधर्त्ती है ॥ कहांदिनजातऔरातीकहांसंसारसारा
है । कहांश्रुतिशास्त्रकाभगड़ागयाभवभूरिभाराहै ॥ कहोत्रैलो
कमेंकोईमहींऔयारमेराहै । भयाअतिपुष्टअभ्यंतरनहींमेराऔ
तेराहै ॥ नहींमनबुद्धिमेंआवैबचनकैसेबखानैंगा । करैअनुमान
बहुतेरेगयासोस्वादजानैंगा ॥ कियामनआशकोपूरीमिलाकैसा
ठेकाना है । बनाप्रतिअंगकोध्यावैरहैआननलोभानाहै ४८ प्र
तिअंगशोभाकोकहैहारैसकलहियमाहिंजू । श्रुतिशेषनारदशार
दागणराउपारनजाहिंजू ॥ सर्वांगनखशिखमनहरणमुखपैनिवा
सानीकहै । इसलोकमेंक्यादेखियेइन्द्रादिकासुखफीकहै ॥ रहिसु
रतिअविचलद्वैतहांमनबुद्धिबाणीपारहै। तहँबनादासनदूसराको
उहमहमारायारहै ४९ ॥ सवैया ॥ एकैकरैंअतिसगुणखण्डननि
र्गुणमेंनितहीचितदीना । एकैभलीविधिनिर्गुणखण्डिकै सगुण
पुष्टकरैंतेंप्रवीना ॥ दासबनायहदेखिदशातबमुख्यउपासनाना
मकिकीना । दोनोंकरौसिधितौबिधिबैठतहैअबतौपतितासुअ
धीना ५० औषधीचीन्हैबिनाहनुमानउखारिलियेगिरियाहीमें
सारा । आनिधरेरघुबीरकेअग्रलियेतबमूरिकोवैद्यबिचारा ॥ नि

गुणसर्गुणतेनपरेकछुताहीतेदोऊकियेअंगिकारा । नेकनिगाह तोबातनहींकछुनातोबड़ोममऊपरभारा ५१ नौधापरेजबप्रेममें प्रापतिरामकोरूपलहैतबप्रानी । सोसुखबुद्धिनहींमनआवतकौ निप्रकारकहैसोबखानी ॥ भक्तिपरापुनिताकेपरेअहैनिर्गुणब्रह्म परेपहिचानी । दासबनाजिमिसिंधुमिलीसरिशांतिभयोसबसाध नभानी ५२ योगतेज्ञानबिज्ञानभोज्ञानतेताकेपरेकैवल्यबखानै । जाकोकहैअतिदुर्लभवेदघनाक्षरसेकोउएकपिछानै ॥ ज्ञानसेसि द्धिकैवल्यकहावतभक्तिसेशांतिसबैनहिंजानै । भक्तिउतेलहैज्ञा नबिज्ञानसोदासबनाबहुभांतिप्रमानै ५३ भक्तिऔज्ञानकेजेअ धिकारीहैंएकैमुकामअहैसबकेरा । ज्ञानीदशाउतकर्षअहैकछुभ क्तिजहांतहँशांतिबसेरा ॥ चौंतिसअक्षरमाहिंमरैलड़िहोतुनहीं कोउभांतिनिबेरा । दासबनाभयेसन्तपरेतेहिजोमतवादकेजात ननेरा ५४ हारिकीराहलियेप्रथमैअबजीतनकीरुचिबाढ़तकाहे । सन्तस्वरूपपरेमतवादतेहारिमेंजीतिसबैकोउचाहे ॥ जौलौंजरै अहंकारकिआगिनहींरघुनाथसोप्रीतिनिबाहे । दासबनासबत्या गिभजेहरिनातोनितैतिहुँतापनदाहे ५५ एककोखण्डनएकको मण्डनसण्डनसोसबभांतिबचाई । हैषटकोखटकाजिनकेउरप्री तिनहींहरिसोंसरसाई ॥ हैदशअष्टपुराणअपारऔचारिउवेदन पारकोजाई । दासबनामतमुख्ययहीयकरामकोनामरहैलवलाई ५६ काहेकोभारधरैअपनेशिरजाकोभजैसोइपारकरैगो । पूतरी कोपटजैसेरखावतकौनिहुओरनफेरपरैगो ॥ आदिसोअन्तलौंस बसम्हारिहैज्योंनयअंकननेकटरैगो । दासबनाजसचाहीजहांतहँ तैसईभांतिसेकाजसरैगो ५७ हैसबकेउरप्रेरकजोयनिहोरिकैताग हिपैकाहिनिहोरै । ताकोकहायकरैनरआशतौपाछिलीपूजीकोपा नीमेंबोरै ॥ जोबिधिकोपलटैपलमेंमतिजेरतरामतेनातनजोरै । दासबनायकआशसदानबनायकहौलिखिकागदकोरै ५८ ॥ घ नाक्षरी ॥ लोकपरलोककोबिशोकएकरामबलछलराखिकहैताके

मुखमसिलागिहै। मनबुधिहाथजाकेरोमरोममाहिंरमाअन्तरनि
वासीकासीसबैकोहेलागिहै ॥ बनादासऐसोस्वामिपायनअघाय
सुखीदुखीदिनरातिरहैकैसीवाकीभागिहै । करमबचनमनजपैए
करामनामभक्तिऔबिरागज्ञानबेगिउरजागिहै ५६ ॥ सवैया ॥
शास्त्रऔवेदपुराणपढ़ेबहुनामकिचोटनहींउरशाली । तीरथबर्त
कियेतपऔमखनेमअचारकरेजपमाली॥दासबनाबसुअंगकोयो
गभयोमनकीनहिंछूटिकुचाली । पूजाऔपाठअनेकनसाधनप्री
तिप्रतीतिबिनासबखाली ६० दानदयाबहुसन्तकिसंगतिआप
कियेतजिकैपितुमैया। जातिजमातितजेघरणीघरवेषबिचित्रऔ
ज्ञानकथैया ॥ त्यागिनिषेधकरैनितहीबिधधोखेनहींपथबामचलै
या ।दासबनाचतुराबहुअंगसेप्रीतिप्रतीतिबिनासबपैया ६१ रू
पअनूपसुशीलसुलक्षणपक्षनपातसबैबिधनीका । धामधरागुरु
आईबढ़ीजगग्रन्थअनेकनपैकरैटीका ॥ संगजमातिअमातिन
बस्तुदिनोंदिनपुंजभयेसबहीका । दासबनाबकताबहुअंगसेप्री
तिप्रतीतिबिनासबफीका ६२ ॥ घनाक्षरी ॥ मूड़कोंमुड़ायेकोऊ
जटाकोरखायेकोऊबाहँकोउठायेत्यागकियेसबभोगहै । कोऊज
लशैनकोऊअग्निकेतापेचैनकोऊशून्यबैठिदृष्टिसहैउरशोगहै ॥
कोऊमहिठाढ़ेउर्ध्वपावँमूड़गाड़ेकोऊभूलैबहुबाढ़ेदेखिरीझैजग
लोगहै।बनादासकलईखुलतसबअंगनसेप्रीतिऔप्रतीतिबिना
मानौसबरोगहै६३ ॥ सवैया ॥ वेषबिरागीनहींकछुपासमेंजायघ
रैघरपातरीचाटी। पद्धतिऔरप्रमाणपढ़ेसम्प्रदाईबड़ेसबहीकह
डाटी ॥ चेलाऔसेवकद्वारखड़ेबहुसम्पतिभौनअनेकनपाटी ।
दासबनादीर्घजीवीअहैजगप्रीतिप्रतीतिबिनासबमाटी ६४ ॥ घ
नाक्षरी ॥ दण्डऔकमण्डलफिरतमहिमण्डलमें पहिरिकषाय
बस्त्रमानौज्ञानरूपहै। सूत्रनहिंशिखामुखबोलैनबचावैलिखातन
केअरामलागिपरैतमकूपहै ॥ वेदऔवेदान्तपढ़िखण्डनकरतस
बनिजउरजरनिबिलोकैनअनूपहै। बनादासभजनतजनहेतजा

नौयतीप्रीतिश्रौप्रतीतिबिनदेखादुखरूपहै ६५ नानापथकलपि चलवैजगजोईजोईश्रुतिश्रौपुराणनाखेदशश्रवतारहै । दशावा दीभयेताकीदशानबिचारैकोऊसीढ़ीलियेधावतश्रनेकनप्रकारहै बापशाहूकारपूतमांगतश्रनेकभीख तातेश्रवकातिनिजकीजियै बिचारहै । बनादासविधितजिकरतनिषेधबहुप्रीतिश्रौप्रतीतिही नहियेदुखभारहै ६६ करमबचनमनदूसरीनगतिजाकेप्रीतिश्रौ प्रतीतिसेश्रनन्यह्वैकैभजे हैं । बासनाबिहायश्रासखासदासराम जूकेस्वादश्रौशृंगारदामचामहूकोतजे हैं ॥ बनादासकालक्षेपक रतशरीरमात्रमुक्तिहूकिचाहनश्रनूपसाजसजे हैं । परमप्रकाशउ रभासकरसमसद्यकृपाकोप्रसादकलिमायामोहलजे हैं ६७॥सवै या ॥ सम्यकबोधस्वरूपकीप्रापतिकल्पनानाशभईतेहिकेरी ।सो सुखबुद्धिनहींमनश्रावतकौनिप्रकारसोवाक्यनिवेरी ॥ दासबना नहिंसांचेजोरामसेहैं वृगजीवनश्राशकीचेरी । राजीनहींपियपा जीसोनारिभईपतिबंचकपापाकेढेरी ६८ श्रानँदासिंधुभरोश्रभि श्रन्तरडूबिरहेतेहिमेंदिनराती । निंदतकोश्ररुकोकहबन्दतका हूकिज़ातिनकाहूकीपाती ॥ दासबनापछिलोघरपायसोहायनन्हीं कछुकौनिहुँभाँती । सर्गुणनिर्गुणबोधभलीविधिब्रह्मश्रौजीवश्र तीवसँघाती ६९ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामषष्ठोऽध्यायः ६ ॥

सवैया ॥ पाहनसेतबँधोजलपैश्ररुसोनेकिलंकजरीक्षणमा हीं । रक्षाकियेतेहिकालकृपालविभीषणकोगृहतामधिमाहीं ॥ ख म्भहितेप्रकटेनरसिंहहतेजनहेतमहाबलजाहीं । दासबनाद्रुपदी पतिराखेभरोसकरैतेहिकोकसनाहीं ७० ग्राहसंघारिउबारिगयं न्ददियोगतिगृद्धहिवेदकहाहीं । बालिबिदारिसुकण्ठकियेनृपसे बरीमानदियेमुनिमाहीं ॥ लङ्कसेराजाविभीषणकोदियेजासुविभ वलखिदेवसिहाहीं । दासबनासियहेतहतेखलतासुभरोसकरैक

सनाहीं ७१ धीरधरैनधराजेहिअवसरदेवपुकारकियेप्रभुपाहीं। आरतबैनकियेअंगीकारधरेनरदेहसकोचनताहीं॥ भूमिकोभार हरेकरुणाकररामऋणीहनुमानसदाहीं। दासबनाकियेपांहनते तियतासुभरोसकरैंकसनाहीं ७२ इन्द्रकेहेतभयेबटुबावनमांगत भीखननेकलजाहीं। सोईकियेब्रजऊपरकोपगोबर्धनराखिलिये नखपाहीं॥ पारथसारथकृष्णकहावतगोपिकाग्वालअधीनसदा हीं। दासबनाधरयोअंडपैघणटभरोंसकरैतेहिकोकसनाहीं ७३ रक्षाकियेजिनगर्भकेबासमेंक्षीरभयोप्रथमैंथनमाहीं। हाथऔपा वँदियेमुखनासिकाआंखिऔकानलखैसुनैजाहीं॥ बुद्धिविवेकभ लोसतसंगपुराणऔबेदसहांयसदाहीं। दासबनापितुमातुमेंप्रेर कतासुभरोसकरैकसनाहीं ७४ पीलकरैमनएकअहारपिपीलमरै निशिबासरधाई। अजगरठौरपरासबकालमेंमोटोरहैसबसेअधि काई॥ खेतीनउद्यमजीविकाताहिजियेभरिजन्मकहौंकिमिखाई। दासबनाकुशियारीभेकीटकोकौनअहारदियेपहुँचाई॥ ७५॥घना क्षरी॥पानीपौनआगिमहितेरेहेतरचेसबहोतोनाअकाशसावका शकैसेपावतो। सोमभानुसुरसरिरूपद्वैअनेकरक्षाअन्नऊषऔष धीसेकेतोमुदपावतो॥ दूधदहीघृततेलफूलफलनानाभांतिरु चिकरैप्राप्तिकैसोसुखसरसावतो। बनादासनींदनिशातेरेसुख हेतकियेनातौबसुयामतुमधन्धाहेतधावतो ७६ गुरुरूपद्वैकैपर मारथकोशोधेमगचेलाउरप्रेरिप्रेरिसेवाकोकरावतो। हितमीत द्वारतेअनेकउपकारकरैरोमरोमपलइवासइवासमोरखावतो॥ दे खिउपकारणदरारहोतहियेबीचरामऐसोहितूउरकैसोबिसरावतो बनादासतेरीअवकातिकाहकरैयोगपरैनवियोगसदासुयशकोगा वतो ७७ सुखहूकोसुखरामतामेंसुखमानैनाहिंजौनसुखदुखरूप ताकेहेतधावतो। श्रुतिऔपुराणसन्तगुरूउपदेशैसदाकाहेनकर तकानजन्मनशावतो॥ रामरामभजुबसुयामदामकामनाहिंबाम कोगुलामहोतशरमनआवतो। बनादासऐसेपरकैसेगुणगावैना

हिं भावैजौनआनसबहीकेहियभावतो ७८ ॥ सवैया ॥ आठहु
यामलटीरसनातनसूखिगयेओौउमङ्गहियेहै । पाहनतेभयोपङ्ख
नकामअरामकेवोरनचित्तदियेहै ॥ सातहुसिन्धुनिरादरके अरु
गङ्गहुकोजलनाहिंपियेहै । दासबनाहठचातककोगहु जोजगमेंय
शआइलियेहै ७९ ॥ घनाक्षरी ॥ अतिहीअनोखीऐंड़देखियेप
पीहाकर टोंटफेरिकबहूँनटेढ़बूँदलेतहै । सुतनसिखावतहमारेकु
लरीतियहीघटेनेहघटैकानिंकरतसचेतहै ॥ जैसेपतिदेवतियए
कपियगतिसदाऐसेसर्वजलत्यागिस्वातिहीसोहेतहै। बनादाससो
तोज़ड़केतोबड़काजकरै तूतोहैचैतन्यकाहेजानिकैअचेतहै ८०
टेककहीचातकविवेकबड़ोहंसकर प्रीतिमीनहीकीअतिलागत
निशोतहै । प्राणसेनप्रियकछुतृणसेकरतत्यागलोकवेदसुयशवि
लगक्षणहोतहै ॥ काटिधोवैजलतेकरतजलहीमेंपाकखायजलै
जलगतिसबकोउदोतहै। बनादासबारिजड़नेकहूनख्यालपरैला
वैनेहरामसेजोकरैवोतपोतहै ८१ भानुपोखैकमलकोशोखैसोईस
मैपायसोनरोखैनेकनहिंतोषतसनेहते । मीनदेतप्राणजलनेकन
करतकानचन्दकोनचाहऔचकोरटूटैदेहते॥ बीनश्रवणकरैमृगा
प्राणजातडरैनाहिंपरतपतङ्गदीपतुहूआयगेहते । बनादासजड़ौ
केसमाननसनेहकरैडरैप्राणहेतवाहीवोरदेखैवेहते ८२ ऐसीरीति
रामकीनप्रीतिहैपरस्परलोकवेदविदितअनेकइतिहासहै। जनगु
णखलपसुमेरुहूतेमानैगरूऔगुणकोढेररजसमदेखैदासहै ॥ गु
रुउपदेशसाधुसम्मतसकलभांति ताकेसुमिरणहेतनाहींसावका
सहै। बनादासप्रभुकृतमानैकृतनिन्दकनबारबारताहीकरिपरैभव
पासहै८३॥ संवैया॥ जलबुन्दतेपिण्डबिचित्ररचेनखसेशिखलौं
दियेसुन्दरिदेही । रक्षाकरैसबकालकृपालअनेकनबातबिचारिये
मेही ॥ गर्भकेबासमेंकौलकियेअबकैसेबिसारतरामसनेही। दास
बना!बिषबेलिकोबोवतरोवतजन्मबितैबिधियेही ८४ पांचकपौन
पृथ्वीशशिशूरसमुद्रनसीवासेबाहरजाहीं । इन्द्रकुबेरदशोदिग

पालबिरंचिऔशङ्करआयसुमाहीं ॥ कच्छपकोलऔशेषधरेमहि जाहिसदायमकालडेराहीं । दासबनामुनिताहिभजैतेहिकोबपुरा नरमानतनाहीं ८५ ॥ घनाक्षरी ॥ भूलिसींगपूँछनरखालकोबो ढ़ायदियेविधिनविचारेकैसेकरनीकेलोगहैं । मानैकृतरामकोनजा नैसाधुवेदमगसूकरशृगालसमरमाहिंविषैभोगहैं ॥ बनादासमा नोलीततोमीचढ़ीनीमपर ऐसेकलिकालआयलागोमहारोगहैं । तीरथबरततपज्ञानऔबिरागभक्तिजाकेहेतमुनिजनकरैजपयोग हैं८६ बालपनबालमाहिंखेलतबितायदियेतरुणाईखोयतरुणी मेंभरिपूरिहैं । खेतीब्यवपारधनहेतअर्धबैसगईकोशहूहजारकोन गनेकरिदूरिहैं ॥ तीसरेमेंआयब्याधिरोगनसहायकियेरागऔ विशेषिदेखबाढ़ीउरकूरिहैं । बनादासचौथजराजर्जरशरीरभईत दपिनपियेशठनाममहामूरिहैं ८७ दशनदलितसुठिसुखकहूँपावै नाहिंआवैऊर्ध्वश्वासनासाआंखिमुखबहेहैं । क्षुधातृषाविकलन सहोशीतउष्णजातअतिअकुलातहाथमींजिमींजिरहेहैं ॥ जाहि लगिखोयपरलोकतेनबातसुनैआंखिकोदेखायमुखबैमकटुकहेहैं । बनादासताहूपैसम्हारतनशठरामरोइरोइकहैंकियेकरमसोसहहैं ८८ पूतनातिपरिवारकोऊनउबारकरै नानादुःखसहैफलरामबि सरायको । आययमदूतगांसिलियेदशौद्वारजबरूपबिकरालऐ सोदेखिनडेरायको ॥ दिशाऔपेशाबज्वाबदेखिकैअनेकबारसा सतिअमितअसकहिपारपायको । बनादासमारिकूटिकरतकरेर अतिरामसोनहेतअबकरतसहायको ८९ कण्ठकफडासिलिये प्रबलसमीरपरोअतिउत्पातआयतत्वनकोभईहैं । रोमरोमप्राण पीड़ाजैसेबेनुगांठिफूटैछूटैतननाहिंअतिमायामोहभईहैं ॥ तृष्णा आशबासनाअनेकपर्योबन्धनमें कूटिकूटिकाढैप्राणपीरनईनई हैं । बनादासफांसीकसिलैचलेनटैयातबहाथकोपसारेसाथएक हूनगईहैं ९० नानानर्ककुण्डयमयातनाअनेकसहैंकहैंकोहवाल अतिमहाबिकरालहैं । राईराईलेखातहांकरतगोपित्रचित्रसोम

भानुसाखिपापकियेजोविशालहैं ॥ तिलतिलभोगततनिकबल
परैनाहिंआपनकोवहांबूझैकोऊनहवालहैं । बनादासअमितब
रषसहैंसासतिकोजाहींसेबिसारेकौशलेशजूकृपालहैं ९१ आय
जगमाहिंथावरादिककोजन्महोत तमोगुणयोनिमेंसहतदुखभूरि
हैं । पापकोकमायफलताकोकष्टपायकोऊभयेपुण्यवानदेवलोक
बसेदूरिहैं ॥ छिन्नभैकमाईफेरिभूतलमेंआईपुनिकियेअधमाईन
हिंदियेफन्दतूरिहैं । बनादासयहिबिधिसासतिसहतअतिआवत
औजातजेनपियेनाममूरिहैं ९२ कोऊबूड़िमरैकोऊआगिमाहिं
जरैकोऊबाघसिंहखातकाहूबीछीसांपधरैहैं । कोऊयुवाकोऊबाल
कोऊतिसरेमेंकालकोऊआपघातकरिआपहीसेमरैहैं ॥ नानाव्या
धिरोगबसिसुठिअल्पमृत्युहोतिकाकेहैंसहसमुखलेखाजोनकरै हैं
बनादासबृद्धभयेकाहूकाशरीरछूटैलूटैपापमोटतातेबीचहीमेंभरै
हैं ९३ कोऊबड़भागीलेतसन्तगुरुबैनमानिजानिनिजहानिसब
त्यागकरिदियेहैं । करमबचनमनदृढ़ह्वैकैरामभजेतजेसबआश
ताहिमोदअतिहियेहैं ॥ बनादासलोकबेदमाहिंसीवासुकृतकोअ
न्तसमयजायरामधामबासकियेहैं । धन्यपितुमातुगुरुसुरउबड़ा
ईकरैंसाधुमोदभरैंसुनिजन्मलाभलियेहैं ९४ ॥ सवैया ॥ मनबु
द्धिसेभावनाभक्तिकरैतबहोतउपासनारूपहैवाको । जोअस्थूल
सेकर्मकरैकरमिष्टसेनामकहैबुधताको ॥ दासबनामनबुद्धिसेभि
न्नसोज्ञानीकहीनिजरूपमेंछाको । आपनीबृत्तिकोआपहीजानत
अन्तरयामीसेनेकनढाको ९५ जोबनिहैविधिपूर्वककर्मतौह्वैहैउ
पासकसंशयनयाको । ह्वैहैउपासनासिद्धिजबैतबहींवहज्ञानीभयो
परिपाको ॥ ज्ञांनीतेहोतबिज्ञानीनसंशयपायपरापुनिशान्तिमेंथा
को । दासबनानाहिंपक्षनपाततकांडीहैवेदप्रमाणसदाको ९६ हो
यसुखीजबहींस्वपनोमनकाहूपरीतोहिंआयपराई । आतमस्तुति
योगसदाऔशरीरहैनिन्द्याकोपात्रसदाई ॥ निन्द्यनबन्दनकोनल
खैबसुयामस्वरूपमेंजायसमाई । रामकीसृष्टिअनेकप्रकारकिजा

यकरैजेहिकोजोसोहाई ९७ तूतजिदेयपुरानोस्वभावतौकोऊक
हूँपरिहैनदेखाई। शत्रुओमित्रकियेबहुकालसेजानियेसोमनकी
बरिआई॥ आतमनित्यअनित्यअहैजगबर्णअकारबिलोकिबि
हाई।दासबनासबकालसुखीरहुतातेकरैइतनीचतुराई९८॥घना
क्षरी॥ देहपंचतत्त्वकियोअन्तसकरणचारिप्रकृतिनिगाहतेनदू
सरीदिखाईजू।देखीदृष्टिपुरुषतौमूरखनज्ञानीकोऊसदाआपैआ
पकाहूबापऔनमाईजू॥ लखिमृगनीरधायमरतअनेकजन्मभू
ठतिहुँकालएकआतमासदाईजू। बनादासबिगरीसुधारियेसचे
तह्वैकैसन्तगुरुदेवसदारामहैसहाईजू ९९॥ छप्पै॥ सनकादि
कजड़भरतकपिलशुकदेवमहामुनि। लोमशदत्तात्रेयऋषभयो
गेश्वरनवपुनि॥ येसबमेंशिरमौरपुराणनवेदौमाहीं। चहुँयुगती
निउकालप्रशंसतसबकोउताहीं॥ पद्धतिऔरप्रमाणकछुइनकी
कहूँनपाइये। कहबनादासस्थानकहकाहिगुरूठहराइये १००
सन्तनकीगतिअगमराममगरीतिअनोखी।हृदयनबाधाकोहूप्री
तिचाहीअतिचोखी॥जोहैरैहरिओरपलटिऔरैनहिंदेखा।सदा
एकंगीराहपारकोलहकरिलेखा॥जाम्बवानहनुमानपुनिकपिपति
औलंकानृपति। अरुगोपीसोरहसहसइनकीदेखीकवनिगति १
नृपतिकीनतनत्यागलषणसियसंगसिधाये। पितादीन्हपुरराज
भरतअतितपतनताये॥त्यागेउगृद्धशरीरशेवरीगतिनछिपानी।
ध्वन्समुनिनकोमानकथासदग्रन्थबखानी॥ पदुमअठारहकीश
दलबिनादामचेरेभये। कहबनादासप्रभुकाजहितप्राणपातपर
जिनलये २ पशुशरीरयहज्ञानभयोनरतनकेहिलागी। बिषयक
रतदिनजातहृदयहरिभक्तिनजागी॥यमपुरकेबहुदण्डपलटिचव
रासीभोगा। कोकबिबरणययोगलगेजेहिभांतिकुरोगा॥ करिबि
चारदेखैभलेकूकरशूकरनीकहैं। कहबनादासजेहरिबिमुखइनहूँ
सेवेठीकहैं ३ नारदध्रुवप्रह्लादआदिकविअरुहनुमाना। द्रुपदसु
तापुनिबिदुरपांडुसुतसबकोउजाना॥ कागभुशुण्डीगरुड़भक्ति

शिरमौरसदाई । सहसअठासीऋषयभक्तिपथअतिलवलाई ॥ वैष्णवकोटिअनन्तहैंअग्रणीयशङ्करतहां । सूरकबीरबिचारियेतुलसिदासमगमेंगहा ४ काहूकीनहिंजातिपांतिकाहूकीनाहीं । रागद्वेषपरमेखरेखहरिभक्तिसदाहीं ॥ एकनामकीटेकरामकेनातेनाता । मानतआयेसदासंगजोदूनहिंजाता ॥ बहुबिधिकोउखण्डनकरैकोउमण्डनबहुभांतिसे । कहबनादासकरियेभजनकाजकहादिनरातिसे ५ बहुमारगआचार्यराहचहुवेदनगाये । मानहुँमरेहेतअवरपथविधिनबनाये ॥ संसकारअतिसबलबुद्धिमनहठकरिराखा । करैदाखकात्यागकवननिमकौरीचाखा ॥ तुलसीबाणीवेदमोहिलिखिकागज्जकोरेकहौ । कहबनादासधोखेकहूँस्वप्नअवरमगनहिंगहौ ६ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामसप्तमोऽध्यायः ७ ॥

देवविघ्नकलिकालख्यालमायाकोजाला । जानिपरतसबजखोकृपारघुबीरकृपाला ॥ नितिमनबुधिआनंदशोचसंशयकछुनाहीं । आसत्रासनानासनहींतृष्णाउरमाहीं ॥ रघुपतियशगावतनितैजैतिजैतिसंकटशमन । कहबनादासमनवचनक्रमरामनाममपरमधन ७ पायेफलपरिपूर्णशरणआयेकोसारा । क्योंराखोकृतगोयजरोमानसिकबिकारा ॥ नईप्रीतिनितचहीचरणकीअवरनमोको । जनरुचिराखनहारअगंमनाहींकछुतोको ॥ जैसीरक्षाकीन्हप्रभुबातसकलसमुझैबनै । कहबनादासतुमसेतुहीनाहिंकरोरिमुखक्योंभनै ८ रोमरोममेंरमेंजमेंघटघटमेंसारे । शारदशेशगणेशमहेशौलहतनपारे ॥ नेतिनेतिश्रुतिकहैंअवरकोजाननहाराजाकोदेहुजनायहोयतुमसेनहिंन्यारा ॥ तुवउपकारबिचारकरिनेवछावरितनकोटिकर । कहबनादासतबहुनउऋणबारबारशिरचरणपर ९ ॥ सवैया ॥ तृप्तिनहींमनबुद्धिलहेकहैरूपकोस्वादकहांतककोई । कोटिउपायकरैंकिनकोयनगोयसकैअभिअन्तरसो

ई ॥ 'हैनेवछावरिसोक्षणहीक्षणरोमाहिंरोमरहोसोसमोई । श्वा सहिश्वासउठैहरिनामनकामकछूफिरितासनहोई १० सोरस जानुभुशुण्डिमहेशगणेशहुशेशलहेहनुमाना। लोमशनीकेकिये पहिचानविभीषणश्रौप्रहलादप्रमाना ॥ सन्तअनन्तकोपारलहै गणिकाशेवरीगतिगृद्धपिछाना। दासबनातुलसीलियेलूनिदिये परसादनजातबखाना ११ ॥ घनाक्षरी ॥ सन्तनकोनाखैकानिकु लकीनराखैहैंधनकीअभिलाखैनतनितहीअरामके। कहीदीनभा खैनाहिंमानैश्रुतिशाखैअहैअतिहीअपाखैबसिपरेजातेबामके।बो धतेतलाखैर।मप्रीतिधरीताखैबनादासाबिषैचाखैपचेमरैसंगधाम के। मौतजबैमाखैपरेखाटहीपैकांखैजबमूंदिगईआंखैंतबलाखैके हिकामके १२ रूपहैअनूपभूपसंगनमेंबैठतुहैऐठतुहैसबतेअति भरेइतमामके। कौड़ीकोजोरैलाजतृणकासमतोरैचित्तघरमेंकरो रैप्रीतिनहींरामनामके ॥ विद्यावेदवादैज्ञानभक्तिनअवादैबनादा सकौनस्वादैसुधिभूलेयमधामके। छोड़ेहठिदाखैनिमकौरीकोचा खैजबमूंदिगईआंखैंतबलाखैकेहिकामके १३ ॥ सवैया ॥ हरि रूपअनूपसेछूटिगयेतबहींविषबेलिकोबीजबये। धनधामधराति यतातनैसुठिमोहनिशामहँनींदलये ॥ गुणसागरनागरआगर हैनाहिंदासबनाप्रभुपायनये। प्रकृतीपरवाहपरेनितहीअतिआनँ दकन्दसोमन्दभये १४ सुठिबूझिबिचारिकैरैगुरुदेवभलेहढ़कैउ पदेशगहै। सबत्यागिअखण्डितनामजपैबिरहानलमेंगुणतीनि दहै। कहदासबनाजगआशतजैनहिंभूलिविषैपरिपंचबहै। मन बुद्धिऔइन्द्रियशुद्धकरैयहिभांतिसेजीवस्वरूपलहै १५ प्रथमैंसत् कर्मकरैमनलायकैफेरिउपासनामाहिंरहै। सममानिनिरादरआ दरकैहिमिआतपबातअनेकसहै ॥ अनुरागविरागसोज्ञानजगै तबदासबनाभवतापदहै। पुनिआइकैशांतिप्रकाशकरैयहिभांति सेजीवस्वरूपलहै १६ संतोषविचारऔशूरतासारउतारिकैभार भलेनिबहै। उरपीरनईअंतिनैनसनीरमिलैकबरामनभूलिकहै॥

हियपंकजमाहिंजबैप्रकटै तबसूरतिमूरतिमाहिंनहैं। कहदासबना
श्रुतिसन्तकहैं यहिभांतिसेजीवस्वरूपलहैं १७ ॥ घनाक्षरी ॥
शास्त्रऔपुराणवेदमुनिमतवादनाना बुद्धिकोविलासतामेंचित्तम
तिदीजिये। आशऔउपायत्यागिभागिकर्मजालनसों रामनाम
सुधारसबसुयामपीजिये ॥ ब्रह्मकोविचारसारकरिउरबारबार चे
तनअमलमेंमुकामदृढ़कीजिये । कोटिनमेंएकबातबनादासकहे
जात जगपारहोनहोतयाहीमगलीजिये १८॥ कुण्डलिया ॥ रा
मनामकेजपेसे जोकछुतेरेलागि । सोसबआपुहिप्रकटिहै तातेर
हुअनुरागि ॥ तातेरहुअनुरागियहीबड़िभागितिहारी । नांमहिं
लखैअशब्दजासुमहिमाअतिभारी ॥ बनादासकहैसाधुअब नाह
कबोवैआगि । रामनामकेजपेसे जोकछुतेरेलागि १६ कृपापात्र
कोरुजमिलै निरधनताअपमान । कुलकुटुम्बकीनाशभय अति
करुणाभगवान ॥ अतिकरुणाभगवानबंशकोछेदनकीना । मं
मतारहीनकहूँशिथिलमनतनसुठिखीना ॥ बनादासपीछेदिये दृं
ढ़ताआतमज्ञान । कृपापात्रकोरुजमिलै निरधनताअपमान २०
हरिविमुखनंकोमिलतहै तनसुखऔधनधाम । मानबड़ाईबहुकु
टुम मायाकेरगुलाम ॥ मायाकेरगुलामरामकोभूलिनजाने । खा
नपानअभिमानजगतमेंदृढ़लपटाने ॥ बनादासदिनमृषागे अह
निशिभोगतकाम । हरिविमुखनकोमिलतहै तनसुखऔधनधा
म २१ बनादासउलटासदा साधनकेरविवेक । पलटिआपनेघर
गयेगहेयकंगीटेक ॥ गहेयकंगीटेकजोंकनाहिंपाहनलागै । बहुला
वैनिजरंगउलटिकैआपुहिभागै ॥ यातोंफिरिनांघैनहींकरैउपाय
अनेक । बनादासउलटासदासाधुनकेरबिबेक २२ पटकाद्वारेराम
केखटकासकलोजानि।भटकातातेखातनहिंतिनडाराभवभानि ॥
तिनडाराभवभानिबानिऐसीप्रभुकेरी । जोकोउहोवैशरणसद्यस
बशोकनिवेरी ॥ बनादासअटकानहींअबकछुपरापिछानि । पट
काद्वारेरामकेखटकासकलोजानि. २३. मैंसेवकहौंजाहिकोसोईसे

वकमोर। आयेजबतेशरणमेंदावानहिंकोउवोर॥ दावानहिंकोउ वोरयामबसुकरैसँभारा। पलकपूतरीसरिसकवनअसजोगवन हारा॥ बनादासदेखैसदाप्रभुकीकरुणाकोर।मैंसेवकहौंजाहिको सोईसेवकमोर २४ यहपरतिज्ञाठवरसेदेखिहौंनजरिनआन। हैंरूसेकीखुशी हैंसुरनरसकलजहान॥ सुरनरसकलजहानकवन उरकीगतिजानै। अन्तर्यामीबिनापुराणौंवेदबखानै॥ बनादास पूरीकियेअबलगिकृपानिधान। यहपरतिज्ञाठवरतेदेखिहौंनजरि नआन २५ चेतनपरिपूरणअहैजड़नाहिंचलबेयोग। यहबिभा गजाकोभयोअविचलभेतेलोग॥ अविचलभेतेलोगउठैसङ्क ल्पतेजावै। बद्धअहैपुनितहांपलटिकैंतातेआवै॥ बनादासगुण तेरहिततहिनयोगबियोग। चेतनपरिपूरणअहैजड़नहिंचल बेयोग २६ कालकर्मप्रारब्धसेबलीजेजीवनमुक्त। योंउठायलै जाहिंक्योंअतिशयबातअयुक्त॥ अतिशयबातअयुक्तजाहिंई इवरभयनाहीं। इनकीभयकिमिरहैसाक्षिसदग्रन्थनमाहीं॥ ब्र ह्मअचलतिहुंकालमेंबनादासबेदुक्त। कालकर्मप्रारब्धसेबली जेजीवनमुक्त २७॥ सवैया॥ जेदिनबीतिगयेतेगयेकछुहर्षऔ शोकनताहितठानै। आवनहारसोभारहैरामपैताहितशोचनहींउ रआनै॥ जोब्रतमाननताहूकोज्ञानस्वरूपमेंइस्थिरसोभवभानै। दासबनातेसुखीसबकालमेंऔरसबैदुखरूपनिदानै २८॥छप्पय॥ बाढ़ीश्रद्धाहियेबालपनतेअतिभारी।यहितननांघौंजक्तफिरौंनाहिं अबकीपारी॥ बिघनबिपतिजोपरैसहौंसोसुठिहरषाई। याहीदृढ़ संकल्पजाहितेफिरिनहिंआई॥ अबलगिनहिंबिकलपभयोउरप्रे रकप्रेराकरै। कहबनादासआधीनतेहिजोचाहैसोकिमिटरै २९ कुण्डलिया॥ राजीसदारजायमेंदायउपायनएक। टरैनहींमगश रणसेअवैबिघनअनेक॥ आवैबिघनअनेकस्वातिबुन्दहिकीआ सा। खबरिलेयतौलेयनहींतौमरैपिआसा॥ बनादासहरदमरहै चातकहीकीटेक। राजीसदारजायमेंदायउपायनएक ३० राम

कृपाज्ञानहिंलहैवहीज्ञानहैठीक।निजरुचिसेज्ञांनीभयेतामेंतनि
कननीक॥ तामेंतनिकननीककबहुंजीवत्वनछूटै । गिरैमुहुंबले
धायदांतआगेकोटूटै॥ बनादासईश्वरबनैअपनेमनसोंफीक।रा
मकृपाज्ञानहिंलहैवहीज्ञानहैठीक ३१ भजतभजतज्ञानैलहैभई
भक्तिजबसिद्धि।मालिकमनराजीभयायाहीउत्तमबिद्धि॥ याहीउ
त्तमबिद्धिचहैसर्बसदेडारै।रामअपनपौंदेतपुराणौवेदपुकारै॥ ब
नादासजानैसोईलहैरङ्कजिमिनिद्धि। भजतभजतज्ञानाहिंलहैभ
ईभक्तिजबसिद्धि ३२॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामअष्टमोऽध्यायः ८॥

छप्पय॥ करमदण्डनहिंकटैहटैनहिंबिघनअनेका। भक्तिज्ञा
नबैराग्यहोयनहिंशुद्धबिबेका॥ दियोकाहफलभजनगईनहिंआ
सेबासना। शुद्धनहींसर्वांगरहीभवयमसासना ॥ ठकुरसोहाती
बहुकहैंजानिमानिउरमेंडरैं। कहबनादासअतिसुबशहैरामचहैं
तैसीकरैं ३३॥ कुण्डलिया॥ बहुशाखाज्येहिबुद्धिमेंजगतसत्य
करिजान।बनादासताकोअहैकरमकाण्डपरमान ॥ करमका
ण्डपरमानगहैबिधित्यागिनिषेदा । अहनिशिश्रद्धाबढ़ैधर्मजो
भाषतवेदा ॥ ताकोहैसबभांतितेयाहीमगकल्यान। बहुशाखा
जेहिबुद्धिमेंजगतसत्यकरिजान ३४ जेदेखैंजगदुखमईछूटनहेत
उपाय।हरियशलागेअतिहिप्रियं पुनिसतसंगसोहाय ॥ पुनि
सतसंगसोहायनारिसुतऔधनधामा । येकोउअपनेनाहिंबिगा
रैंसबमिलिकामा॥ ताकेहेतउपासना बनादासलवलाय । जोदे
खैजगदुखमईछूटनहेतउपाय ३५ तिहूँलोकनइश्वरलखै बोधबिर
तिठहराय।तनअनित्यदुखरूपजड़ ममताउरतेजाय॥ ममता
उरतेजायताहिकोज्ञानप्रमाना । यथाभसमकीहोमधरमसबता
कोनाना ॥ बनादासयकआत्माताहीमेंलवलाय । तिहूँलोकन
इश्वरलखैबोधबिरतिठहराय ३६॥ सवैया ॥ ज्ञानबिज्ञानहिंमु

क्लिहैकहुँकोटिउपायकरैकिनकोई । द्वैतदवैसरबंगनजौलगि तौलौंनहींदुखमूलबिगोई ॥ रामहुकृष्णकहैंबहुबारपुकारतहैंशु कआदिकसोई । दासबनाजेहिबुद्धिसमायनलूनिहैबीजयथाजि मबोई ३७ ॥ कुण्डलिया ॥ प्रथमबिरतिहैदेहते बहुरिबासना त्याग । जबबिरागबैराग्यसे दासबनाबड़भाग ॥ दासबनाबड़ भागरहैनहिंतिरगुणलेशा । कोसुखबरणैयोगदूरिभेसकलकले शा ॥ तबहींदृढ़अनुरागभोसहजरूपमेंलाग। प्रथमबिरतिहैदेह तेबहुरिबासनात्याग ३८ ॥ छप्पय ॥ कुलकुटुम्बधनधामतनय तियआदिकत्यागा । कछुबिशेषतानाहिंमोहनिशिअबहिंनजा गा ॥ तनहूँतैबैरागकरैमनबुद्धिसँभारी । बहुरिबासनात्यागअहै ताकीगतिन्यारी ॥ तिहूँगुणनकाभावनहिंबैरागहुबैरागहै । कह बनादाससुखसिन्धुतब प्रकटेपूरणभागहै ३९ ॥ घनाक्षरी ॥ द म्भदोषकपटपखण्डबरिबण्डबड़े कटकप्रचण्डमायाअतिहीबि शालहै । कलिबिकरालकीकुचालकोटिकोटिकरु अमितअथाह कहैकौनजगजालहै ॥ मनबचकरमस्वपनमेंनआनगतिसकल प्रपंचतजिनाममेंबहालहै । बनादासइन्द्रीसुखबिपुलउपाधिलै कैदलतदिमाकसारोमानोमहाकालहै ४० ज्ञानऔबिरागअनु रागसुखसरसायदुखकोदबायउरकरतप्रकाशजू। नानाबोधशोध दैकैसंशयबिनाशकैरैरामरूपलहेजगनाशश्वासश्वासजू ॥ बना दासबहुरिदेखायसर्बत्रब्रह्मजीवनमुकुतकरिहरैभवत्रासजू। ऐसे रामनामकोप्रभावकौनपारजाय हियआंखिहीनजोनहोयबेगिदा सजू४१ जनममरणबिनशरणभयेनजायतरनचहतबहुराहतेअ नेकहै।धायधायमरैंज्योंकुरंगमृगबारिलखित्योंहींबहुमारगनतजे बिपेकहे ॥ जाकोमायाजालसारोताहिनकँगालभजैसजैभवसाज परीऐसनकुटेकहै। बनादासमेरेमतनामछोंड़िऔरगतिहोयबिधि हूसेबड़ामानोबकेभेकहे ४२ ॥ सवैया ॥ द्वैकैअनन्यभजैभगवा नतजैसबकामनाआशजलोधै। कायनिवेदनकैमनहूंक्रमवाक्यन

धोखेहुंचित्तचलावै । बेगहिराममिलेअनुरागमयसोउपमानहि
येबिचआवै । दासबनालहिब्रह्मअनूपमदेहदियेफिरिदेहनपा
वै ४३ बारहिबारफुरैअभिअन्तरमैंहींहौंब्रह्मनदूसरकोई । जौ
लौउपासकरूपउपास्यनतौलौउपासनासिद्धिनजोई ॥ भृंगीबना
वतरूपयथानिजत्योहींभजेहरिह्वैतगोखोई। दासबनाजिमिसम्भ
रखेतपरैसोइसम्भरबातनगोई४४॥ झूलना ॥ वेदपुराणमतन्ना
दमेंमतिपरैकठिनषटशास्त्रभरमायमारै। कहूंकछुकहूंकछुकहूंकछु
कहतहैलहतमनशान्तिनहिंअधिकहारै॥ कृपागुरुदेवकीसन्तम
तमुख्यहैहटकिसंसारहियहरिसँभारै। बनादासबिश्वासकरिएक
हीद्वारपरपरारहुप्रीतिअतिआपुतारै ४५ भक्तिबैरागअरुज्ञान
बिज्ञानलहिशान्तिपदपायकृतकृत्यहोवै। बुद्धिमनपुष्टकरितुष्टउ
पदेशपरठहरुतौबेगिभवरोगखोवै ॥ तिरथव्रतदानमखयोगसा
धनेअमितनेमआचारदिशिनाहिंजोवै।बनादासयकनामतेकाम
पूरासबैनतरुजगजनमिबहुबाररोवै ४६ रामरटुरामरटुदिवसनि
शिहटुनसंसारसेसमिटुहाली । रामकेनामसेकामपूरासकलनक
लकोत्यागिगहुअसिलचाली ॥ नतरुयमराजकेदूतधरिमारिहैं
रोमहीरोमअतिचोटशाली। बनादाससनकादिशुकशम्भुभजुपा
रजेहिमोहनिशिसबलकोकिरिणिमाली ४७ सबलइन्द्रियनदरि
पवनसगगमनकरिब्रह्ममेंभवनकरिअचलहोवै । आदिमध्यअ
न्ताबिनबरनआकारनहिंताहिमिलिरूपसोइजगतखोवै ॥ भरम
तेजोइनिबहुजीवसंसारकेकठिनगतिकरमधुनिशीशरोवै। बनादा
सकोटिनबिषेगयातेहिदेशकोउनींदबिज्ञानसुखसेजसोवै ४८ स
गुनऔअगुनबिवेकजानेनहींनिन्दतेएकयकबिनहिंबोधा। श्रवण
बहुग्रन्थसुनिपक्षपातीठगेकियेनाहिंआपनोचितनिरोधा ॥ बस्तु
तौएकअबिवेकतेदुइलखैसन्तमतमाहिंआवतबिरोधा । बनादा
सदोउरूपकोलाभजाकोभयोंताहिउरनाहिंसंदेहबोधा ४९ धन्य
तेसन्तसंसारतारणतरणचरणरघुबीरअनुरागभारी । गूढ़गति

जानिंश्रारूढ़ह्वैदशापरसपनहूंनाहिंमतिटरतटारी॥ शरणजोसां
चसंदेहताकोहरतीहदैमेंदीपबिज्ञानबारी। बनादाससकुचातउर
शेषश्रौशारदासन्तमहिमाकहतसबैहारी ५० सकलश्रँगहीनपु
निपापतेपीनगुणज्ञानबीहीनतनक्षीणदीना। धरणिधनधामसब
भांतिनकामहितबन्धुजगबामश्रतिमतिमलीना॥ सुयशसुनिरा
मकोगमनकियेधामकोहेतश्रारामकोदामहीना॥बनादासराखेशर
णमोहिंरघुबंशमणिदिशानिजदेखिबकहंसकीना ५१ ॥ सवैया॥
सिंहश्रृगालसेकीनकृपानिधिकोटिनश्राननजोकृतगावो। तौनहिं
पांरलहौंयुगकोटिकहांउपमारघुबीरकोपावौ॥नीचनकामनकौड़ि
हुकामकोनामनेचामकोदामचलावो। दासबनाखरकोश्रसवारस्व
रूपकोज्ञानगयन्दचढ़ावो ५२ ॥ घनाक्षरी ॥ श्रापुसेश्रभेदकरि
दियेबरबशरामकियोकैसोकामकछुकहौनहींजातहै। कालहूको
कालमहाकालभयनश्रावैउरकलिबिकरालकीनएकहूपोसातहै।
बनादासडगतनभक्तिमगकेहूंभांति प्रभुकीकृपालतासुमिरिहर्ष
गातहै ५३ कलिकीकुचालमायाख्यालश्रौरकालजालदेवकोबि
घनपुनिजगउतपातहै। तेहीतकदौरकर्महेतदुखदानिजेतेश्रहैम
नकारणसमुझयोंसमातहै॥ श्रातमश्रखण्डद्वन्दकोउनपरसिस
कैताहितेश्रनन्दकहानिशिदिनजातहै। बनादासहैतोश्रबिनाशी
ब्रह्मपरिपूरस्वनासकलमेरीयाहीठीकबातहै ५४ ॥ सवैया ॥ ब्र
ह्मैब्रह्मकहैश्रभिश्रन्तरश्रौरनदूसरबोलनहारो। ताहीकीप्रेरणा
होयसबैकछुदूजोसमर्थकोबूझिबिचारो॥ जीवनतागतिब्रह्मकहै
किमिकांपतगातनहोतसँभारो। दासबनापरबोधकोजानतजेमु
नितेपुतिन्यारोइन्यारो ५५ बरबशब्रह्मफुरैश्रभिश्रन्तरप्रेरकप्रेर
णाकौनचलावै।तीनिउँलोकमेंनाहिंसुनाकहुंरामरजायसोशीशच
ढ़ावै॥ बिश्वबिलक्षणरीतिसनातनजायकहैंजेहिकोयशभावै। द्वै
तसबैमनहींकरकारणदासबनासोचहूंश्रुतिगावै ५६ ॥
इतिश्रीउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डेनवमोऽध्यायः ९॥

घनाक्षरी ॥ रामसुखधामअंगअंगकोटिकामछबिरबिकुलकमल दिनेशदीनदानिजू । सन्तधनप्रानज्ञानरूपसंबहीकेउरजगपितु मातुप्रियखिन्नशीलखानिजू ॥ जबजबधरणिधरमकरिहीनहोत. बाढ़तअसुरगणसुठिदुखदानिजू । बनादासदेवसन्तधेनुद्विजदु खीदेखिलेतअवतारजाकीसदाऐसीबानिजू ५७ अतिभूरिभागी अनुरागीजेशरणहोतसकलभरोसतजिजपैएकनामहै। आशऔ उपायत्यागिबासनाबिहायसबपलपलप्रेमतेछकितबसुयामहै ॥ पुलकशरीरनैननीरगद्गदकंठबोलतबचनलटपटेसुखधामहै । ब नादासनृत्यतमधुरस्वरगावैंकहूँ ताकेहियकमलप्रकटहोतरामहै ५८ कमलचरणनखमोतीद्युतितारागणपादपृष्ठनभसमशोभास रसातहै । पीनजानुसिंहकटिपीतपटतूणकसेनाभीअलियमुनन उपमाअमातहै ॥ त्रिबलीउदरउरबृहदजनेऊपीतमुक्तनकीमाल लखिमनललचातहै । बनादासभृगुचर्णतुलसीप्रसूनयुतरमारे खराजितसोकापेकहेजातहै ५९ युगभुजभारीकरकंकणकेयूरयुत मुद्रिकाकरजकरकमलसोहायेजू । कठिनकोदण्डबामकरदहिने मतीरएकअतिशोभाजानेजाकेउरभायेजू॥हरिकंधकम्बुग्रीवआ ननशरदशशिद्युतिमरकतजाकीउपमानपायेजू।बनादासमन्दम न्दहँसतहरतहियअधरदशनलाललाखौंललचायेजू ६० नासा मनहरनिहरतिशुकतुण्डछबि बंकभ्रुवकमलनयनअतिनीकेजू। तिलकबिशालभालभ्राजै युगरेखबरमानौंघनमाहिंद्युतिदामिनि केफीकेजू ॥ मुखछबिनिरखिचपलताईत्यागकियेकुण्डलकनक लोलभायेअतिहीकेजू । बनादासकाकपक्षकाकोनहरतमनमुकुट दिनेशदीप्तिलखिमनबिकेजू ६१ बामभागजानकीजगतमातुशो भाखानिसकुचानिशारदासराहिछबिअंगको। नखशिखरूपसोअ नूपकविकहैकौनमथेमानजोरसुचिरतिऔअनंगको ॥ बन्नादास जासुउरप्रकटसोअहोभागिलखिअङ्गअङ्गमनहोवैनाहिंपंगको । शम्भुसनकादिशुकविधिइन्द्रदेवगण चाहैंकौनरूपयोगीगहतअ

संगको ६२ बहुकालतकयहसुखदैकृपालरामब्रह्मरूपलाभहोतज
नबोधहेतहै । जाकीआदिमध्यअवसाननबदतबेदनेतिनेतिकहै
कोऊजानतसचेतहै ॥ नानाभेदभानिमुक्तजीवनकरतताहिऐस
नदयालजनहृदयनिकेतहै। बनादासपलक्षणसकलसँभारकरैजै
सेमातुरक्षैदेखिबालकअचेतहै ६३ अचलअखण्डनित्यब्याप
कअकाशजैसेचेतनअधिकगुणब्रह्ममेंअनूपजू । तबपरमातम
औआतमयुगलएककिरिकोऊभांतिनाहिंभूलतस्वरूपजू ॥ ज्यों
हींसूतोजागेत्योंहींभवनिशिभोरभयो गईहैजीवत्वकौनपरैमोहकू
पजू ।बनादाससकलकलामेंसुठिकुशलहैरामऐसोनामजाकोऔ
धपुरभूपजू ६४ ॥ सवैया ॥ खरखच्चरऔनरनागचराचरदानव
देवजहांलगिसिष्टी। आतमएकलखैसबमेंअबधोखेहुआवतिदि
ष्टिनबिष्टी ॥ शुद्धभयोअभिअन्तरउत्तमदूरिभईहैनिगाहनकि
ष्टी। दासबनादृढ़भक्तिनप्रेममलीनभईअतिताहीतेदिष्टी ६५ ॥
घनाक्षरी ॥ अक्षरसोभिन्नमनबुद्धिहूनजानिसकैइन्द्रीग्राहजरहि
तनपारकोउपायेहैं । शास्त्रऔपुराणवेदकहियाहीओररहैउतकी
नेजानैआपुकाहिकोबतायेहैं ॥ बनादासकृपागुरुदेवदिब्यदृष्टि
होतदृढ़उपदेशगहिनामलवलायेहैं । साधनअमितकरिपचैमरै
कोटिकोटिमेरेमतजानैजाहिआपहीजनायेहैं ६६ जोजोमनभाव
तसकलरघुनाथदियेकहींकहींभूलकोसँभारेभलीभांतिजू । देहँ
केनिबाहहेतरोटीऔलँगोटीदेत अपरप्रपंचनहिंराखेजातिपांति
जू । कारणसकलकाटिराखैनिजवोरमनताहिकरिमुदितरहतदि
नरातिजू । बनादासबासीउरतातिनकहतकछुश्वानकरैचोरीखो
रिस्वामीअवकातिजू ६७ चाहनाचवाइनकोकियेचरचूरभलेकु
रकोनिवारिसंगरंगमैलगायेहैं । बाहरऔभीतरसँभारसबराहक
रिबाकीदिनजौनताहिशोचनजनायेहैं ॥ मानअपमानसबसाहेब
कोमेरोनाहिंआपुसोअभेदबोधकृपाकोरपायेहैं । बनादासताकर
निबाहजोप्रसाददियासुमिरिसुमिरिउरमोदअधिकायेहैं ६८ देहँ

देखेदासंजीवअंशईशमातनहै आत्माअखण्डएकनहींभेदज्ञान
जू। साधुश्रुतिसम्मतकहतसदग्रन्थसबतहांतदाकारकौनधरै
कासुध्यानजू॥ बनादासबदतनबातपक्षपातयामेंअन्तमाहिंपद
सिद्धिहोतनिर्बानजू। तहांत्रिगुणगयेशान्तिलहतनक्योंहींभांतिबं
हुमतबादसन्तकरतनकानजू ६९॥ सवैया॥ जाहिउपासनाको
बलनाहिंरहैकेहिभांतिअकाशमेंजाई। दाहतमायाक्षणैक्षणपैप
दकैसेहुनाहिंतहांठहराई॥ पावँउठैनहिंभूमिहितेजेहिकोबलभ
क्तिनहोतसहाई। दासबनामतमुख्यहैमेरोमरेकेतनेमृगनीरको
धाई ७० जलऔहिमिपाहनभिन्ननहींमतिखिन्नहैज्ञासुनहींउर
आवै। रामकिसृष्टिअनन्तअहैकरैजायकैजाकहँजोमनभावै॥ मैं
कृतकृत्यकृपालकृपास्वपनेनहिंशोकसँदेहजनावै। दासबनालहि
पूरणबोधउभैपदकोप्रभुकोकृतगावै ७१ एकनमानतब्रह्मसनात
नकैसनबुद्धिभईतेहिकेरी। पायेनहींगुरुदेवभलेकेहिभांतिलहै
भवसिन्धुनिबेरी॥ केवलराजकुमारजोजानततौकेहिईशकोहोई
हैचेरी। दासबनाजेबिसारिहैंरामहिंबारहिबारकरैभवफेरी ७२॥
घनाक्षरी॥ सकलदेखायऔकरायवेदनानाबिधिअन्तब्रह्मवदत
नऔरकछुसत्तिहै। अचलअखण्डएकचेतननजौलौभावतौलौं
श्रुतिकिंकरनपावैकथागत्तिहै॥ बनादासब्रह्मवेददूनोकोनमानै
जौनसमुझिपरतउरमानौतासेअत्तिहै।ईश्वरअनन्तवाकीलीला
वाकेजानैयोगआवैसबहीकेउरजाकीजैसीमत्तिहै ७३ महिअप
तेजऔअकाशवायुअस्थूलइन्द्रीदशपंचप्राणअन्तसकरनहै।सू
क्षमशरीरपुनिताहिकोमुनीशकहैकारणहैईशइच्छाबासनासघन
है। पुनिपरमातमऔआतमबिराजैतहांसखारूपतुल्यदोउजानै
कोउजनहै। तनवृक्षसुखफलभोगीजीवआतमभोताहीकरिपिंरि
गयोमहामोहबनहै ७४॥ सवैया॥ साक्षीस्वरूपसदापरमातम
तातेंस्वतन्त्रअहैसुखरूपा। जीवभयोबिषयाबशबावरोताहीते
नित्यपराभवकूपा॥ बेगिबिरागकरैतंनढूँढिशिनित्यभजैहरिनाम

अनूपा। दासबनाउपजैअतिप्रीतिकटैमलसर्बमिलैसुतभूपा ७५
होयप्रकाशमहाअभिअन्तरतत्त्वकोभेदलहैतबप्रानी॥ सम्यक्ज्ञा
नकृपालकृपाकरितत्त्वअतत्त्वलखैभ्रमजानी ॥ रोगसमानतजैस
बभोगनईनितप्रेमक्षुधाअधिकानी। दासबनाचहैनोचोशरीररहै
तबएकौनचाहनिशानी ७६ ॥ घनाक्षरी॥ पापकैबिज्ञानहोयकंचन
समानशुद्धज्ञानऔबिरागअनुरागमलदहेहैं। देहबुद्धिभिन्नरह्यो
बासनाकोलेशनाहिंतबफिरिजायकैसमायब्रह्मरहेहैं॥ तातेपरमा
तमऔआतमकोभेदगयोयाहीभांतिश्रुतिऔपुराणसन्तकहेहैं।
बनादासदेहपायबिषयअतिमीठलगैकोटिनमेंकोईएकहरिमगग
हेहैं ७७ ॥ सवैया ॥ शून्यउपायरहैनिशिबासरभोगकरैप्रारब्ध
शरीरा॥ आसऔबासनाजाकेनहींसोईरामकोरूपमहामतिधीरा॥
इन्द्रीअबुद्धिनचित्तचलैपरेबिघ्नअनेकगिनैनहिंपीरा। दासबना
सोइसन्तशिरोमणिजीवनमुक्तकहांभवभीरा ७८॥ घनाक्षरी॥ सुख
दुखरूपजानित्यागैकोटिमध्यकोई रागद्वेषरहितअनूपतासुमति
है। प्राणधनजीवनसकलएकरामजाकेजागतस्वपनमाहिंदूसरी
नगतिहै॥ बिधिननिषेधजानैबद्धमुक्तभ्रममानैकाहूसोंनकामक
छुबिरतिबिरतिहै। बनादासबसुयामआतमअरामकरैमरैजियै
कोनभानशुद्धभयोअतिहै ७९ ॥ कुण्डलिया ॥ इच्छानहींनिवृ
त्तिकीनहिंप्रवृत्तिसेदेख। रहिगेरामैरामजबतबहींशुद्धविशेख॥
तबहींशुद्धविशेखदोऊकोनहिंअभिमानी। आतमसबतेभिन्नप्रौ
ढ़कहिऐसोज्ञानी ॥ बनादासमारेभलेरागद्वेषपरमेख। इच्छा
नहींप्रवृत्तिकीनहिंप्रवृत्तिसेदेख ८० ॥ घनाक्षरी ॥ आलसप्रमा
दनींदअमितविषादचित्तहिंसारतहीनपुरुषारथमलीनजू। हा
निऔगलानिशोकमोहपरद्रोहरतअशुचिअदायाबशआशपाय
पीनजू॥ चोरीआदिपिशुनकरममेंशरमनाहिंकामलोभक्रोधनि
तबढ़तनबीनजू। बनादासतमगुणवृत्तियहजीवनकिअतिदुखरू
पजानौतिहूंमाहिंहीनजू ८१ पावकपरतघृतत्योंहींत्योंसबलहोत

ताहीभांतिकामभोगपररुचिनईहै । तिहूपुरकामनाभरीहैभूरिमा
नसमेंतृष्णाकोतरंगादिनदूनीअतिभईहै ॥ अंमितअरम्भताके
सिद्धिहेतकरैसदायज्ञतपदेवसेवायन्त्रमंत्रनईहै । बनादासबास
नाबिशालकौनपारजायउद्यमअतीवरजगुणदुखदईहै ८२ त्या
गिकैनिषेधबिधि गहतअनेकभांति दिनरातिपथपरलोकमतिप
गीहै । तीरथबरततपयज्ञनेमदानयोगहरिहितकरतजगतरुचि
पगी है ॥ शौचपूजापाठऔअचारकैबिचारकरैश्रवणादिनवहरि
भक्तिउरजगी है। बनादासश्रद्धाओरशीलतोषधीरवानक्षमादया
दीनतासतोगुणसोंरँगी है ८३ ज्ञानऔबिरागपराप्रेमामेंनिरतंचि
तहितमानिअतिहिबिज्ञानधामकियेहैं । निजसुखमगननजानै
देशकालकहांरहादरकारनाहिंकछूएकहियेहैं ॥ आशाऔउभय
त्यागिबिधिऔनिषेधभागि साधननउरजागिआपशान्तिलिये
हैं । बनादासगुणातीतजीवनमुकुतजगसन्तसरदारसोईशोभा
रामदियेहैं ८४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामदशमोऽध्यायः १० ॥

सवैया ॥ त्यागितिहूंगुणशान्तभयोजबहैउपमानतिहूंपुरमा
हीं । भूतभविष्यकहाब्रतमानचहूंयुगभानसोआवतनाहीं ॥ सृ
ष्टिप्रलैथितिकोनहिंज्ञानपुरानऔवेदबिहानसदाहीं । दासबना
खटकोखटकागयोतुष्टभयोनिजआतममाहीं ८५ रङ्कसेरावजो
होतकोऊजगजानतसोसुखऔरनकोई । नाहींअमातहियेबिच
आनँदकौनप्रकारसकैतेहिगोई ॥ भानुउदयनिशिनाशतसद्यहि
भूरिप्रकाशसबैकोउजोई । दासबनातेहिसन्तपहिंचानतऔसुख
मानतहैउरसोई ८६ ॥ घनाक्षरी ॥ मृगउछरतमृगमिलनबिचा
रकरिमहिकोबराहखनैसबजगजानहै । उदधिअनन्तपरिपूरणवि
लोकिचन्दसाधुतौस्वछन्दपरसुखसुखीमानहै ॥ बनादासउरउत
साहनबणनिजमेरेमतपशुबिनपूंछिऔबिखानहै । जानकीकेहेत

लङ्कखाककियेकृपासिंधुसमदृष्टिकहेश्रुतिशास्त्रश्रोपुराणहै८७ स
मताअंगबहुकछुकप्रसंगकहौंसन्तजनभूषणसनातनप्रमाणहै ।
सुखदुखहानि लाभअस्तुतिऔनिंदामाहिंरहै समसदापुनिमान
अपमानहै॥ रागद्वेषपापपुण्यजीवनमरणमाहिंबद्धमुक्तिपुनिऊंच
नीचऊसमानहै। बनादासबिधिकीटएकहीनिगाहजाकेताकेउर
भलीभांतिसमताश्रमानहै ८८ तत्त्वकोबिभागकरिज्ञानैजड़चेतं
नकोत्यागिकेअनित्यनित्यब्रह्मताहिगहेहैं । हियेमेंप्रकाशअति
बासनाबिनाशभईसाधनसकलत्यागिनिष्कर्मरहेहैं ॥ सरबअसं
गजोरअङ्गकोनलेशजामेंमानतेबिगतगुणदोषनाहिंकहेहैं । बना
दासरागद्वेषनाहींअभ्यन्तरमें ज्ञानकोस्वरूपकहीकोऊएकलहेहैं
८९ तत्त्वऔतत्त्वजानिबद्धमुक्तभ्रममानिब्रह्ममाहिंठहरानिलीन
सबकालजू। कोऊतनसेवाकरैभोजनबसनधरैआरतीऔधूपश्रु
तिरीतिप्रतिपालजू ॥ कोऊताहिछीनिलेततनहूकोदुःखदेतलेत
कछुमानिनाहिंजैसेंबुद्धिबालजू । सुरभीसुपचश्वानब्राह्मणसमा
नसदापापीपुण्यभेदनबिज्ञानमेंबहालजू ९० तीनिगुणत्यागतृ
णसमसिद्धअणिमादिकचाहीकछुजाहिनत्रिलोकसुखफीकेहैं।आ
सत्रासतृष्णानाहिंस्वपनदिखाईदेतलेतसुखमानिअतिनिर्जनम
णिके हैं ॥ शास्त्रऔपुराणवेदमानोंसुधिभयेखेदमानऔबड़ाई
ताहिजारनसेजीकेहैं । बनादासजाकेतनहूंमेंअनुरागनाहिंसोई
हैबिरागरागरहितजोहिकेहैं ९१ कीर्त्तनश्रवणसुमिरणपदसेवा
दास्यअर्चनऔबन्दनसखत्तुसोकहायेहैं। करमबचनमनआतम
निवेदनभोनवधाभगतिकोपुराणश्रुतिगायेहैं। साधनसकलशिर
मौरप्रेमलक्षनाहैबनादासकृपाकोप्रसादकोऊपाये हैं॥ पुनिपराक
हीजीवईशकोअभेदबोधजनममरणजातेबेगहीनशायेहैं९२ यम
औनियमदृढ़आसनसोप्रत्याहारप्राणायामऔरध्यानधारनाकह
तुहै। साधनऔशांतअंगअठयेंसमाधिकहीसतोगुणमारगनिवृ
तिसोगहतुहै ॥ रामनाममेंप्रतीतिप्रीतिजाकेहियेदृढ़कर्मवचनम

नकछुनचहतुहै। बनादासएकैसाधेसिद्धिसारीहाथआवैकाहेको
थहावैसिंधुसहजलहतुहै ९३ श्रवणमननओनिध्यासनसोनदा
कारचारिबिधिमानतबेदान्तवालेलोगहैं। सहितसमाधियमनिय
मादिकहेजौनजानतसुजानवहआठअंगयोगहैं॥ चाचरीओभू
चरीओखेचरीअगोचरीहैंउनमुनीसहितशास्त्रआदिकनियोगहै।
बनादासमुद्रापांचसाधनकहांलेकहै रामनामहीमेंदेखासबहिंक
भोगहै ९४ नामकेसहितओरसाधनमेंसिद्धिलहैताकेतेजपुनि
हानिमुरिमेंकरतुहै। नामकेप्रसादकरिसगुणस्वरूपलहै राम
नामकेप्रसादब्रह्ममेंचरतुहै॥ नामकेप्रसादऋद्धिसिद्धिउअनेक
सधैनामकेप्रसाददुखदारिददरतुहै। बनादासनामकेप्रसादल
हैचारिफल छलसारीकामनासोबन्धनकरतुहै ९५ साधनअपर
अहैविघनसहितसारे कलिमेंबिशेषिकरिफोकटफरनिहै। कोटि
नविघनकोदबाइदेतरामनाम श्रुतिओपुराणबदैतारनतरनिहै॥
सारोकाजएकरामनामहीतेपूरपरै रक्षापितुमातुसमनितहीकरत
है। बनादासमेरेछठीमाहिंओरपरोनाहिं काहेताहिछोड़िहोतओ
रकेशरनहै ९६ ॥ छप्पै ॥ बसैअयोध्याधामकहींनहिंआना
जाना। एकरामकीआशओरनहिंजानजहाना॥ कबहुंब्रह्मरस
मत्तकबहुँकृतसगुणध्यानै। कबहुंनामअसमरणकबहुँवरलीला
गानै॥ यातेअपरमुकामनाहिंनिजसम्मतसांचीअहै। कहबना
दासप्रभुनिजदिशादेहिजाहिसोनिर्वहै ९७ बड़ेमर्दकोकामको
टिमद्धेकोउपावै। दांतपसीनाहोयसहजनहिंजगतनशावै॥ भ
जैदामओचामबिषयइन्द्रीअनुरागी। छिनहुँनछुट्टीमिलैप्रीति
प्रभुसेकिमिलागी॥ कृतनिन्दकपापीबड़ेनिजआतमघातहिक
स्यो। कहबनादासपटतरकवनमानहुँजनमतहीमस्यो ९८ उदर
भरनकोज्ञानजीवसारेजगजाना। विषयकरनमेंकुशलहारिकाहू
नहिंमाना॥ सोईनरतनपायकियेअतिहीलंवलाई। नाखेकृतर
घुबीरभईफिरिकवनिबड़ाई॥ करमबचनमनभजतकरिद्विजआ

तमतारेनही । कहबनादासनरखालहैउनसेपशुनीकेसही ९९
खोवैआपनकाजसन्तश्रुतिदूषणदेही । ताकोदूषणयहीबिसारै
रामसनेही ॥हरिबिमुखीसेहियेकोऊसुखमानतनाहीं। कसीकुशा
सेरहैठौरनहिंनरकहुमाहीं ॥ सबजगतातोतरनिसेतनमनतेहि
बैरीभयो। कहबनादासजायोमृषाजेरहिकसनाहिंजरिगयो १००
लोककाजमेंकुशलकरहिपुरुषारथनाना। त्रियातनयतनलागि
रातिदिनमनहुँदिवाना ॥ धामधरणिधनहेतपरमप्रियप्राणगँवा
वै। करैविविधब्यवहारतनिकअवकाशनपावै ॥भजनहेतजोको
उकहैकहमेराकाबूकहां । कहबनादासनहिंभाग्यममहोवैतबजब
हरिचहा १ खंडैवेदपुराणसन्तगुरुबचननमानै । तियकेभये
गुलामकहैहमसबकछुजानै ॥ ब्रह्मज्ञानअतिकथैवथैअवरेनको
शीसा। करनीहेरेनाहिंवचनतेबहुतीनीसा ॥मुखदेखेपातकलगै
कलिअसमनुषनिकाय। कहबनादासमानहुँकरतयुगकोअधिक
सहाय २ देखैअपनोकाजतोहिंकापरीपराई। रामकामहितकह
तरीतिसबदिनचलिआई ॥ कहनेवालेबिनाबातबिगरैबहुतेरी।
सुनिसुनिलाखौंलोगकाटिगेमोहअँधेरी ॥ उरप्रेरकभाषेसकल
औरकहनकोयोगहै । अपनैबोभ्कानहिंचलैकोलादैपररोगहै ३
सबौब्रह्मस्वरूपश्रुतिभाषतगोहराई।बासुदेवमयलखतसन्तसब
दिनचलिआई ॥ ताहीपरदृढ़चहीकहावैसोसबकहिये । सेवक
आछतकाजकरैमालिककिमिसहिये ॥ देहधरेतेजानियेशोभाए
सोभावहै। कहबनादासबिनएकताजगतपारकिमिपावहै ४ पंच
तत्त्वअस्थूलदेहइन्द्रीओप्राना । मनबुधिचितहंकारबहुरिसूरति
परमाना ॥ इन्द्रीसुरनमिलायकरैनानाबिधिकर्मा। पंचबिषयबर
जोरसबैकोउजानतमर्मा ॥ आतमसबसेबिलगहैकुम्भगगनस
ममानिये। कहबनादासनहिंलिप्तकहुँपद्मपत्रजलजानिये ५ ॥
घनाक्षरी॥आपुडुबेगोपदमेंशिखानहिंदेखिपरैजगउपदेशकरिक
रैभवपारजू । रोमरोमरोगीपुनिऔरनकेरोगहिरैमहामूढ़कामकरै

पण्डितप्रचारजू ॥ हियेकोटिकामनानपूरंहोनयोगकोईऔरनको
चारिफलसिद्धिदेनहारजू । बनादासबातबिपरीतयहद्रेखिदेखिक
हेकछुबनतनकेसेजगकारजू ६ सद्यहीपरमहंसहोतभेषमाहँआ·
यसाधनकोकामनाहिंसबैसिद्धियोगहै । बूझेपैनआवैबातनितही
सुखावैगातकरैउत्पातबहुयाहीतपयोगहै ॥ रोटिनकेहेतनितधा
वैदशपांचकोसतबौंसिद्धमानैडरऐसनकुरोगहै । बनादासवेद
औपुराणसन्तवाणीबदैकोटिनमेंकोईकाटैमायामोहशोगहै ७· दे
वीदेवदैत्यभवानीभूतभजैकोऊ मन्त्रयन्त्रतन्त्रमाहिंकोऊमनला
ये हैं । कोऊऋद्धिसिद्धिहेतअमितउपायकरैं कीमियाकेहेतकोऊ
मनललचाये हैं ॥ कोऊतपतीरथबरतयज्ञयोगकरैंकोऊपचिपढ़े
विद्याजातेधनपाये हैं । बनादासमेरेमतनामछोड़िऔरगतिकै
लिकोपिउरमेंउपाधिकोमचाये हैं ८ ॥ कुण्डलिया ॥ निगुराऔ
गुरुलखिपरैचेलाकोनहिंलेश । निजनिजमनकोसबचलैकहन
मात्रउपदेश ॥ कहनमात्रउपदेशभलीबिधिकीन्हबिचारा । ली
न्हचहैफलचारिबूड़तातेमझधारा ॥ बनादासकारजकहांपावै
अमितकलेश । निगुराऔगुरुलखिपरैचेलाकोनहिंलेश ६
गुरुहितजोअर्पणकरैनिजधनऔमनशीस । सुठिश्रद्धाअनुराग
युतचेलाबिस्वाबीस॥ चेलाबिस्वाबीसउसीकीपूरिकमाई । लोक
माहँरहसुखीहोयपरलोकसफाई ॥ बनादासबदलाकहागुरूदेतहै
ईश । सुरहितजोअर्पणकरैतनमनधनऔशीश १०जोअपनीकर
णीकहौंबाढ़ैकथाअपार । प्रभुअन्तर्यामीअहैहैसबकोसरदार ॥
हैसबकोसरदारसराहैशारदशेखा । वेदौंपारनलहैकरौंमेंकेहिबि
धिलेखा ॥ बनादासकटिहैसहीरामैसिरजनहार । जोअपनीकर
णीकहौंबाढ़ैकथाअपार ११ ॥ रेखता ॥ बिनागुरुदेवजगभूला
सुनोयहबातसांचीहै । नहींदुखकोटिबिधिजावैभरमिभवबीचना
चीहै ॥ मिलामुरसिदजिन्हैंपूरारोगबहुजन्मकोखोया । टिकाया
तत्त्वमेंताकोनहींसंसारफिरिबोया ॥ कहैश्रुतिबातबहुतेरीसन्तभर

मायडाराहै । नहींत्रीबेकंउरआवैलहैकैसेकिनाराहै ॥ बिनासत्सं
गमेंआयेबोधकेहिभांतिपावैगा । करमकेजालअरु भानायोनि
बहुजायआवैगा ॥ भागिअतिभूरिताहीकीपियाहरिनामकीघूटी।
छकेबसुयामसुखसोवैनहींकलिकालनेलूटी ॥ बनाबहुरोगभारी
थाशरणरघुनाथकेआये।गयाजरिमूरिसेसाराएकहरिनामलौला
ये १२ गरूरीत्यागिदेमनसेसहजसुखसेजसोवैगा । नहींयहदा
गजोछूटाअन्तधुनिशीशरोवैगा ॥ गरीबीसाधुकीशोभाअहंबिष
बेलिक्योंबोवै । कियासौदासफय्यतकामूरिभीआनिकेखोवै ॥
लाभओहानिनहिंसूझैरामकानामबिसराया। परातिनहींकेफिरि
फन्देजिन्होंनेलूटिजगखाया ॥ बुद्धिइन्द्रीओमनमारैबासनाआ
शकेदूरी । बनाआलमसोयारीकाफकीरीजानुहैपूरी १३ पिया
जिनप्रेमकाप्याला । छकाबसुयाममतवाला ॥ चढ़ीचसमौखु
मारीहै । नहींमिलतीसुमारी है ॥ पहिरिखिरकासबूरीका । दि
लासाहैमजूरीका॥नईनितरोजरोजी है । किसीनेद्वारखोजी है ॥
दूसराद्वारनहिंऐसा । जानिहैजायसोपैसा ॥ मिलैटुकराअचा
हीका । बनाफुकरानिबाहीका १४ होयगुरुज्ञानकोमोटा ।
लगैतिहुँलोकतबछोटा ॥ लहासंतोषधनभारी । गईमिटिमोह
अँधियारी ॥ भईगोगनसदाराजी । बढ़ेबटपारहैंपाजी ॥ दोहाई
नामकीफिरती । पलटिगैताहितेबिरती ॥ महलमेंमौजहरदमहै।
दिनौदिनपरतखलकमहै ॥ बनाबिगरीसुधारैको । बिनाहरिनाम
तारैको १५ भराचैतन्यकाधारा नहींकछुवारपाराहै । चढ़ाह
रिनामकाचस्मांकहांपलएकन्याराहै ॥ नहींमनबुद्धिमेंआवैदि
नौदिनइश्कभारी है । सयानेसन्तकोउजानैलखैकैसेअनारी है ॥
चित्तबिस्तारजबटूटासुखीदिनऔरराती है । बिनायकदृष्टिकेआ
येजरैभरिजन्मछाती है ॥ बनायहभेदकोउजानैद्वैतभवमूलनीके
हैं । लहानिजरूपजबसांचासबैसुखताहिफीकेहैं ॥ लगैहरिनाम
सेचिंस्कानहींफिरिऔरसूझैगा । बिरहउरआगिजबजागेजियत

हीवेगिजूभैगा ॥ जबैमाशूकउरआवैमहाआनन्दकूजाहै । दशा
फिरिकौनविधिताकीमनहुँजारेपेमूजाहै ॥ तृप्तनिशिदिवसनहिं
मानैलहैकामिनिनवीनीहै ।महाविषयीनज्योंतुष्टैप्रीतिकीपैड़भी.
नी है ॥ जबैमाशूकआशिककहैकहाकछुनाहिंजावैगा । बनानिज
भूलिकैबैठावहीवहफेरिगावैगा १६॥ छप्पय ॥ निराकारयकब्रह्म
आदिमधिनहिंअवसाना । तामैंअमितअकारपातऔसुमनस
माना ॥ सुमनपातनितहोतगोतखावैतेहिमाहीं । पहिंचानैतरु
नाहिंपातपुनिफूलबिलाहीं ॥ नहींकुम्हारेकोलखतहँडियागगरी
फँसिगये । बढ़ईकीपाहिंचाननहिंजड़पुतरीमनबसिगये १७ बि
नातजेनावस्त्वसत्वकैसेलखिपावै । नानासाधनकरैवाकिपुहुपित
वहिजावै ॥ बालबुद्धिकेहेतकहैश्रुतिपुहपितबचना । नटसंगीमि
हिंभ्रमैदेखिबाजीगररचना ॥ स्वर्गादिकदिखरायफलनानालोभ
बढ़ावतो । बिबिधकर्मकरवायकेज्ञानमाहिंठहरावतो १८ श्रुति
आशैनंहिंलखैफँसतशठकर्मनमाहीं । गयोजबैबढ़िअसतताहि
करिनरकनजाहीं ॥ अतिसूक्ष्मगतिधर्मकर्मतेविकर्महोई । जेहि
लालंचलगिकियेसोईफलडारैखोई ॥ तातेबुधितजिकर्मकोराम
नामलवलावते । कहबनादासतनकेअक्षतआवागमननशावते
१९ तोषसुराईधीरक्षमाअरुदयाहढ़ावै । अवगुणसारोनाशिशी
लगुणअमितबढ़ावै ॥ नामतेवृद्धिबिरागनामतेबढ़अनुरागा ।
नामतेजागेज्ञान जाहिकरिब्रह्मबिभागा ॥ नामैतेविज्ञानहैपरा
भक्तिपावनपरम । कहबनादाससुठिशांतिलहुजामेंरहैनकछुशर
म २० प्रथमहुकुमश्रुतिशीशकरैबिधित्यागिनिषेदा । निशिदिन
श्रद्धाबढ़ैधर्मजोभाषतबेदा ॥ आईजबउरबूझभयोजगरसबैरा
गा । प्रियलागीहरिकथारामपदहढ़अनुरागा ॥ बिधिनिषेदनशि
जाततबझरतसमयतरुपातजिमि । कहबनादासअवसरबिनात
रुपातांटूटिहैकिमि २१ पायोसहजस्वरूपबोधहढ़निश्चयआयो ।
आशंबासनानाशसहजभवसिन्धुसुखायो ॥ तृणसमत्यागैवेदश्रु

तीञापैगोहरावै। पदरजसेतजिमोहिंनेकसंकोचनलावै॥ मस्तर हैनितब्रह्मसुखकहांदेशअरुकालहै। कहनिशिदिनकहदिशिबिदिशिजबरसएकबहालहै २२ मनसेसबजगभरापायअवसरप्रकटावै। स्वर्गनरकचरअचरअनेकनयोनिनजावै॥ जिमिबरषाऋतुपायजीवमहिसंकुलहोही। लोकहुवेदप्रसिद्धशरदऋतुनाशत्तवोही॥ तिमिरघुपतिकीभक्तिजबहृदयआयप्रकटतभई। संबप्नपंचजरिजायतबजबअनुभवउरसरसई २३ यथाशरदऋतुपायगननअतिनिर्मलहोई। नहींगरदकोलेशकहींघनलखतनकोई॥यहिबिधिमानसअमलकहाकछुजावैनाहीं। ज्ञानऔरबिज्ञानभयेसङ्गमयकमाहीं॥ तुरियाताहीकोकहतभईएकरसवृत्तिजब। कहबनादासकासोंकहैहेरेमिलतनजगतअब २४ भईअद्वैतबुद्धिपरासोनामकहावै। रहिगोब्रह्मैब्रह्मकहांसोंदुतियाआवै॥ नहीं जगतनहिंआपुचराचररहानकोई। नहींस्वर्गनहिंनर्कएकआतमसबजोई॥ भून्योभवकोबीजतबजबऐसीआईदशा। कहबनादासजीवनमुकुतकोबन्दतकहकोहंशा २५॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामैकादशोऽध्यायः ११॥

सतयुगयोगीसबैप्राणब्रह्मांडचढ़ावैं। नानासंकटसहैंताहिकरिशुभगतिपावैं॥ त्रेतामेंकृतयज्ञदामलागेअतिभारी। द्वापरपूजारह्योप्रेमश्रद्धाअधिकारी॥ धन्यधन्यकलिकालयुगएकनामतेमुक्तिहै। कहबनादासलघुकालमेंत्यागिऔरसबयुक्तिहै २६ सतयुगत्रेतामाहिंऔरद्वापरकेप्राणी। चहैंजन्मकलिकालअतिहिनिजमुखनबखानी॥ जातेथोरैकालमाहिंभवनिधितरिजावैं। औरनकछुकरतव्यरामनामहिलवलावैं॥ साधनउनयुगकेकठिनसिद्धहोतचिरकालमहि। तबश्रद्धासबकेहियेअबरुचिकमलखिपरतकहि २७ पूर्बकमाईबिनाकाजकछुपूरनहोई। राखीमेंनाहिंआगिकहांतेलावैकोई॥ वेनुवृक्षजरिजायआपुसेअनलप्रकाशै।

कोउनफूकनहारसहजमेंजरिबरिनाशै ॥ घरघ्वारचेलाहोतबहुका
जकोहूकोनहिंसरै। सत्संगहिदिनबीतिगेबहुतननहिंकछुलखिपरै
२८ सतिहिसत्तकोदेइआपुतेपरगटहोई । कोउपदेशैशूरखेतच
ढ़िजूझैसोई ॥ मिरगाशीशबिखानऐंठिकेकौनजमायो । एकस्वा
तिजलपियेकौनचातकसमुझायो ॥ मीनबिलगजलतेभईप्राण
तजैताहीछनै। जीवदेतमृगबीणहितकाहकहेसमुझैबनै २९ आ
शिकचन्द्रचकोरमोरबारिदसेप्रीती । कमलखिलैरबिपेखिपलटि
जारैयहनीती ॥ चुम्बकलोहामिलैलपटिसबकोऊजानै । देखत
परैपलंगदीपतबहींमनमानै॥ इनसबकेआचार्यकोपरम्पराआव
तचली । लोकवेदमेंबिशदजससमुझैकैसीसुखगली ३० कोउ
पदेशैकृपिणउदारहिकोसुखदीन्हा । दोऊप्रबलनिजओररामगं
तिपरैनचीन्हा ॥ त्यागसमयजबआयकेचुरीतबअहित्यागै । म
णिबिछुरततनतजैकौनगुरुश्रवणनलागै ॥ गुरुउपदेशैनित्याशि
षहिकरतेबिपुलनकानहै । पायेदुर्लभमनुजतनसुनतेवेदपुरानहै
३१ ब्रजयुवतीहरिपगींलगींकाकेउपदेशा। लोकवेदमर्यादरहीन
हिंताकहंलेशा॥ श्रुतिपुराणयशगावभावसोकोउनपावा। भईस
कलहरिरूपआपुकोतिन्हबिसरावा ॥ प्रीतिआपुतेहोतहैबहुज
न्मनकीलगनहै। कहबनादासजानैकोऊसमुझैतेमनमगनहै३२
ऐसहिज्ञानबिरागएकतनसाधननाहीं। बहुजन्मनमेंप्रौढ़सन्तस
मुझतमनमाहीं॥अतिशयप्रबलप्रतापजगतकोसद्यनशावै।कि
मिएकतनमेंहोयजन्मकोटिनरुजजावै ॥ परम्पराहैनहिंनईईश
जीवनाताप्रबल। कहबनादासजडपालतेअतिअभागहोतोअ
बल ३३ बिषयलागिउपदेशकौनसबजीवनकरई। जन्मन्अमित
अभ्यासआपुतेपचिपचिमरई॥रामहेतउपदेशकरनकोकारजको
नहै। लगतस्वतहनहिंजीवबड़ोआचरजतौनहै ॥ बहुप्रकारशि
क्षाकरवअतिहिमलिनकेहेतहै। कहबनादासमेरेसमुझयहतोआ
पुसचेतहै३४ईशअंशचैतन्यशुद्धसहजेसुखराशी।अमलअनी

हअनूपप्रभुहिप्रियपुनिअविनाशी॥ ताकेहितउपदेशबँधासबदि
नमर्यादा॥तबहूपरनहिंलगाकौनपुनितामेंस्वादा॥ निन्दतअतिदो
उओरतेलोकवेदहूअजसघन। कृतनिन्दकअतिहीभयोनरतन
दीन्हेउबिषयमन३५ तनमनधनदैदेइभूलिकामनानभाखै।जोवह
चाहैप्राणतनिकनहिंतनमेंराखै॥ आवैकोटिनबिघ्नहृदयउत्साहस
दाई। कोटिआपदापरैसहैसोहर्षनजाई॥ तसलहैकोउकालनहिं
जासेलागीप्रीतिहै।स्वर्गनर्कअपबर्गक्यायहीप्रीतिकीरीतिहै३६
मैंहौंमेरायारद्वारदूसरनहिंजानै। एकैआसभरोसभूलिकोउऔर
नमानै॥क्षणक्षणलागैछाकबाकमुखबोलिनआवै। अभ्यन्तरआ
नन्दथाहकोऊकैसेपावै॥पलपलपरकुर्बानहैबिनाबितेहरदमबिकै
कहब्रनादासतनधरेकोस्वादलहैयहिमगटिकै ३७ ज्ञानऔरबैरा
ग्यपरेसबपरवशपाछे। तादिनकीदरकारबुरानहिंजानैआछे॥
कहांदिवसनिशिजायदेशकाकालकहावै। कहांलोकऔवेदताहि
कछुभूलिनभावै॥ लगीलगनऐसीललकिपलकनहींकललेतहै।
जैसेशूराआयकैमुरतनहींरणखेतहै ३८ जैसेजलसेंमीनफणिक
मणिहीननजीवै। जिमिचातककीटेकआनजलभूलिनपीवै॥ ल
खैचकोरीचन्दमृगीज्योंवीणलुभानी। दीपकपरैपतंगहृदयअति
आनँदमानी॥ लागीजबऐसीलगनमगनभालअतिभागहै। क
हबनादासऐसानहींआशिककुलमेंदागहै ३९ लोभिहिजिमिधन
लगैगरीबहिघामशीतको। कामिहिनारिनवीनतथाआनंदमीत
को॥ जयपावैरणशूरमूकमुखबाणीआई। रोगीजीवनिमूरिपाय
जिमिमोदबढ़ाई॥ नामरूपरघुनाथकेऐसाआनंदनाहिंहिये। ला
नतिहैकहंआशिकीमनहुंभांड़कोस्वांगकिये ४० निजबशकियेन
पीयतीयपतिव्रताकहावै। स्वादलहेफिरिकौनफकीरीफीकीआवै
अपनोदेसबअंगतासुसबंसनहिंलीन्हा। गनतीवाकीकौनिप्रीति
कीरीतिनचीन्हा॥ रामहिंकीन्हेजीवनाहिंआपुब्रह्मनाहींभयो। क
हबनादासहमरेमतेवाहियातजन्मेदिनगयो ४१ टूटैसोईहृदयद्रवैन

हिंहरिहितलागी । फूटैसोईनैनधारजलकीनहिंजागी ॥ रोमरोम
जरिजायपुलकजोतननहिंहोई । सोरसनासरिगिरैरामसुमिरैन
हिंजोई ॥ श्रवणपियावैसीसतेहिरघुपतियशनाहींसुनै। मनबुधि
भूजैभारमेंप्रभुहिछोड़िदूसरगुनै ४२ कोऊकहैबैकुण्ठकोऊगोलो
कगनावै । श्वेतद्वीपकोउकहैक्षीरनिधिकोउठहरावै॥ मुख्यमुख्य
हरिधामपुराणनबहुविधिगाये। तहांबासकेहेतकौननहिंमनलल
चाये ॥ बनादासमेरेमतेअवधछोड़िदूसरनहीं । जहँवाँपूंजीआ
शसबचाहदूसरीनहिंरही ४३ कोउकाशीकोउप्रागकोऊकुरुक्षेत्र
हिजावै । कोउमथुराहरद्वारकोऊपुष्करकोधावै ॥ कोउबद्रीकेदा
रद्वारिकाकोऊजाई । जगन्नाथरामनाथनीमषारहिलवलाई ॥ मु
क्तनाथकोउजायकैपृथ्वीप्रदक्षिणकोउकरै। कहबनादाससेवैअव
धसकलकामनाजरिमरै ४४ काशीमरनामुक्तिपुराणौश्रौश्रुतिगा
वै । भैरोंपेरैंकोल्हूपापतबछुट्टीपावै ॥ पहिलेभारीदण्डभोगितब
पावैमुक्ती । बिनपेरेनहिंबचैकरैजोकोटिनयुक्ती ॥ दृढ़होइकैसेवै
अवधपावैजीवनमुक्तिसो। कहबनादासनामहिंरटैत्यागिअनेकन
युक्तिसो ४५ बड़भागीकोकामसहजनहिंहोयप्रतीती । हृदयंबि
राजैरामलगैतबअवधमेंप्रीती ॥ सबकोसहजअभावजौनकछुप्र
थमगनाये। चाहकरैफिरिकाहिमुक्तिजीवतजिनपाये॥जाकोस्वार
थजाहितेताहिताहितेकामहै । कहबनादासबसियेअवधसुमिरो
केवलनामहै ४६ स्वपनेहुंनहिंलखिपरैकहाकोतीरथधामा । का
ऊपरकातरैअवधतेपूजेउकामा ॥ सुखदुखजोकछुपरैतौनसबमा
थेराखै । मनपलतजैनअवधबचनअन्यथानभाखै ॥ अन्तर्या
मीरामसियकपटकौनबिधिचलैगो । कहबनादासजेहिभावजस
ताकोतैसाफलैगो ४७ जासेजाकीप्रीतितिहांजोनहींसफाई। कप
टगयोपरिबीचकालकर्मनबरिआई ॥ तौमरियेगरकाटिभलाजी
वेतेयाही । लानतिवहआशकीनहींबेदागनिबाही ॥ प्राणदेतज
ड़जीवहैंमृगमीनआदिकशलभ । कहबनादासदावाकरैपूरकरै

सीतावल्लभ ४८ ॥ रेखता ॥ प्रीतिकीरीतिअतिभारीकहाजानै अनारी हे। लाजकुलकानिबिसरावेसदामरनातयारीहे ॥ अयश कामोटलेशिरपेसुयशकीचाहबिसरावे । उतारेशीशकरअपनेत बेमारगमेंपगनावे ॥ घावपेघावजबलागेबहेलोहूकिधाराहे । बहालीचौगुनीचितकोउसीमेंस्वादन्याराहे ॥ कहरकेकोटमेंबैठा मेहरऔआशखानी है । मृनालौतारसेझीनीगलीक्योंजायजा नीहे ॥ मेरेपलपलपेहेपरचैबिछुरनामौतसेदूनी। नहींतनप्राणर हिजावेलखेंजबसेजकोसूनी॥ मिलाफिरिदेशहेऐसाबियोगोयोग नहिंजामें ।-नआवैबुद्धिबाणीमेंबनानाहींसुबूशामें ४९ सजनसेने हजबलागीकहांयहदेशमाटीहे। भईदीदारखामिदसेटरीमायाकी टाटीहै ॥ अनेकोंजीवकाभोजनसरैयाखाकहोतीहै। रहेचैतन्यज बताईबेरेपरकाशजोतीहे॥ आपुकोभूलिकेबैठादेहकरिसांचुहमा ना। परादिनरातितेहिफन्देकिसीनेभेदहेजाना ॥ कियातिरस्कार दिलभीतरपरीअनयासजीतीहै। रहैनितरूपअपनेमेंयहीसबभां तिनीती है ॥ लखेवहशीलऔचालीबिनयबित्तकोनबिकिजावे । भरीरगरोमसारेमेंतबौमनखूबललचावे ॥ किसीकीऔरमतिदेखे नहींकहिरूहिरेखाहै।यकभूठीतौसबभूठीबनाहियनेनपेखाहे५० दण्डक ॥ सर्वउरबासनहिंऔरपरकाशअज्ञाननिशिनाशआनं दभारी। जरतबहुशलभसंकुलमनोरथमृषाजबहिंविज्ञानकादीप बारी ॥ आशतृष्णातमीचरतरुणपेखिरबिदुरतउलूकसेबिनप्र यासा। काममदक्रोधलोभादिदानवदबेबिनहिंपरिश्रमनिशिमोह नासा ॥ कपटपाखण्डदुर्जननकहुंलखिपरेज्ञानविज्ञानपङ्कजबि कासे । मानमत्सरदर्पसकलदुर्वासनाकुमुदकायरसर्बबिधिबिना से॥शोकशंकाबिपिननिबिड़हितधूमध्वजपापनागेन्द्रमृगराजभा री।हानिग्लानिअहिबिहंगनायकप्रबलतरुणचिन्तातिमिरहि ततमारी ॥ रागद्वेषादिमूषकमारजारहरिअशुभशुभकर्मपङ्कज तुषारं।सततहितकामतरुसदाकरुणायतनहरतसंबांगभवभूरिभा

१ ५१ सिद्धयोगेन्द्रविधिशम्भुसेवितचरणहरणअज्ञानविज्ञान
धामं । शीलसामुद्रमतिक्षुद्रआयेशरणकियेतेहिसाधुअबिकोटि
कामं ॥ प्रबलभुजदण्डनिधिविपुलदूबेदनुजवेदविद्याबिहितधर्म
शीला। शेषसनकादिशुकनारदादिकथैशारदहुपारनहिंचहदूली
ला॥दीनगाहकसाखिकपिबिभीषणसेवरीगीधआदिकपरमधाम
पाये। भक्तवत्सलधनिकपवनसुतऋणीप्रभुजानसुरपतिरुघन्व
लनिकाये ॥ नेतिरतिनिपुणसाखीयतीइयानगतिशूद्रहतिबिप्रबा
लकजिआये। पक्षपालकसकलअवधवासीतरेकीटपर्यंतसंगहि
सिधाये॥कोयगतित्रिशिरखररावणादिकलखेप्रीतिपहिंचांनसिय
हेतगाये । धर्मपितुवाक्यरतराजतजिगवनबनपतितपावनबना
दासभाये ५२ पद्मअंकुशगदाचक्रपदरेखबरध्वजाआदिकशुभ
गुठांवभ्राजे।नखनद्युतिकमलदलमनहुंमोतीखिलीअरुणबरकां
तिअरबिन्दलाजे॥श्यामपदपृष्ठसोनीलपाथोजद्युतिकामकोभाथं
युगजानुपीनी। सिंहकटिपीतपटअरुणजामालसतकोरकिंजल्क
दिनप्रतिनवीनी ॥ नाभिगम्भीरत्रिबलीमनोहरउदरबृहदउरबा
हुभूषणघनेरे । कनककेयूरकङ्कणकरजमुद्रिकाकांतिसकुचातिसु
ठिकमलकेरे ॥ मुक्तमालालसीधसीजनुसुरसरीशिखरमरकतल
खतमननशीला। श्यामघनद्युतिलजितगातअतिकांतिबरकम्बु
कलग्रीवसुठिकंधपीला ॥ शरदशशिबदनमृदुअरुणमर्कतकलित
चिबुकरदअधरनाशानिकाई।बंकअवलोक्यधनुकामभ्रूनिन्दकृत
भालसुबिशालबरतिलकछाई॥श्यामघनबीचयुगरेखजनुतड़ित
द्युतिअल्परहिअचलकबिकौनगावै। कनककुण्डललोलमोलबि
नमनबिकैमीनआकारउरअतिहिभावै ॥ असितकुंचितअलक
अवलिअलिलाजतीअहिनिकेबालजनुलपटिलटके। क्षुधितअ
तिकृशितजानैसोईलखेजिनवारबहुदिवसनिशिहियेखटके ॥ मु
कुटशिरराजरबिबालद्युतिकनकमय जटितमणिबिपुलसुठिभूरि
शोभा । नामदिशिजानकीसिंधुअबिअंगमगतिध्यानकल्याणभा

जनन्तकोभा॥ मनहुंतामालतरुनिकटबेलीकनकअंगप्रतिकोटि
रतिकामलाजै । बनादासबलताहिनहिंडरतयमकालहूंमालका
करमनितिअभयगाजै ५३ मीनबाराहबपुकूर्मनरहरिभयेपरशुध
रप्रबलबावनकृपालं । भानुकुलकमलरबिरामअवतारबरबौद्धघ
नज्ञानबसुदेवलालं॥ बहुरिकल्कीनाशहेतुकल्मषसकलप्रविशकृ
तसत्वयुगपुण्यरासी । चतुर्भुजबिष्णुबैकुण्ठनायकवृहदूशेशाप
र्यंकक्षीराब्धिबासी ॥ बासबद्रिकाश्रमबन्धुयुततपनिरतजक्तक
ल्याणहितनिगमगाये । ईशअवतारभूभारकेहरणहितअमितक
हिशेशनहिंपारपाये ॥ ब्रह्मव्यापकबिरुजअचलउत्कृष्टअजअ
लखनिर्बानघनज्ञानरासी। अकलकैवल्यपरधामप्रदवेदबदसच्चि
दानन्दउरसकलबासी॥ पुरुषपुनिप्रकृतिमहतत्वसूत्रादिजेपृथ्वी
अपतैजनभअनिलगाये। इन्द्रियांचारिषटदेवताकेबिपुलपंचवि
षयादिकोपारपाये ॥ प्राणपुनिपंचअन्तष्करणचारिजेएकचैंत
न्यलखब्रह्मबादी । बनादासयहदृष्टतबइष्टसिद्धिमानियेनतरुभ
रमतजगतजिउअनादी ५४ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
भवदापत्रयतापबिभंजनोनामद्वादशोऽध्यायः १२ ॥

कुण्डलिया ॥ बंधुवाबांधैछूटकोबनैबिचारेबात । वाकेपगबे
रीपरीवहस्वतंत्रअतिगात ॥ वहस्वतंत्रअतिगातकौनबलबांधै
ताही । छूटपांवदैदेइबँधाफिरिसंशयनाहीं ॥ यकयकपगबेरीयकै
ऐंचिऐंचिअकुलात । बँधुवाबांधैछूटकोबनैबिचारेबात ५५ जब
लगिबरतमशालहैदुखसुखभीबिलगाय । पराअंधेराभवनजब
चोरमूसिलैजाय ॥ चोरमूसिलैजायभईतबकौनिसयानी । आये
छब्बेबनैभईचौबेमेंहानी ॥ छब्बेकीइच्छाकरैसोदूबेह्वैजाय । जब
लगिबरतमशालहैदुखसुखभीबिलगाय ५६ एकसेजोदूजाभया
तहँवांलगिबनिजाय । दूजासेतीजाभयाईजाहोयबनाय॥ईजाहो
यबनायफ़ायदाकौनविचारा।मानबड़ाईचाहपरैकाहेनमँझधारा।

जबहींसुखइच्छाकरैतबहींदुखअधिकाय।एकसेजोदूजाभयातहैं वांलगिबनिजाय५७आपुदुखायनहींकबहूंऔरनपावैदुःख। तबै साधुतासुःखहैलखैरामकारुःख॥ लखैरामकारुःखमुःखफिरिकै नदेखैहै। कियेएकसेप्रीतिदूसराकहांसमैहै॥ पैरैकोल्हूनायकैत जैस्वभावनउरूख। आपुदुखायनहींकबहुंऔरनपावैदुःख५८भू लेकेवलरामकोऔरकरैसबकार। बिषयमाहिंपचिपचिमरैतेहिधृ गबारहिबार॥ तेहिधृगबारहिबारहजारौलाखकरोरी। अर्बुदला नतिलगीपदुमलैशिरपरखोरी॥ बनादासकरिकैकौलबदलिगये बिबिचार। भूलेकेवलरामकोऔरकरैसबकार५६ऐसेहितपेचित नहींकितधारैनरदेह। कृतभूलेभगवानकोभरमिनारिसुतगेह॥ भरमिनारिसुतगेहक्षणकमेंराखकिढेरी। जगमेंजौलौंजियैगईनहिं मेरीमेरी॥ निजआतमतारैनहींनितदेखैपरवेह। ऐसेहितपरचि तनहींकितधारैनरदेह ६० बिषसमबिषयचबातहैंत्यागिसुधाह रिनाम। स्वारथपरमारथसधैलगैनकौड़ीदाम॥ लगैनकौड़ीदा मबामबिधिज़ानहुंनीके। करमबचनमनलायनहींबिनदामहिंबी के॥औसरचूकेनाहिंबनैहोतचहतहैंशाम। बिषसमबिषयचबातहैं त्यागिसुधाहरिनाम ६१ नरतनपायेकेरफलकीजैपरउपकार। क रमबचनमनलायकैदयादानसत्कार॥ दयादानसत्कारबरततीर थकोध्यावै। करैयज्ञजपयोगपाठपूजामनलावै॥ सुरगुरुसेवासा धुकोऔरगरीबउबार। नरतनपायेकेरफलकीजैपरउपकार ६२ सत्यबचनपापैडरैदुःखनकाहुहिदेय। करमबचनमनलायकैपर मारथमगलेय॥ परमारथमगलेयदेहनिजसमपरदेही। त्यागैस दानिषेधगहैविधिक्षैनिरवेही॥ सुकृतकीसंचयकरैसकलधर्मतपसे य। सत्यबचनपापैडरैदुःखनकाहुहिदेय६३ परधनपरतियपरिहरै करैनइर्षाक्रोध। चोरीआदिकपिशुनताराखैचित्तानिरोध॥ राखै चित्तनिरोधभूलिनिंदानहिंकरई। मदमत्सरअभिमानलोभआदि कपरिहरई॥दम्भकपटपाखण्डछलतजियेसकलविरोध। परधन

परतियपरिहरैकरैलइर्षाक्रोध ६४ होयधर्मकीवृद्धिजबतबउपजै
बैराग। ताकेपीछेहोतहैरामचरणअनुराग॥ रामचरणअनुराग
भयोतबकछुनसोहाई। लागैसकलौसीठरहैनामहिलवलाई॥ बि
नासुकृतकेबढ़ेतेनहींविषयकात्याग। होयधरमकीवृद्धिजबतबउ
पजैबैराग ६५ बड़प्रभावअनुरागकोराममिलावनहार। आश
बासनानाशकैसहजछुटैसंसार॥ सहजछुटैसंसारज्ञानविज्ञानप्र
काशै। जबहींविद्यावृद्धिअविद्यातबहींनाशै॥बनादासहोवैसुखीस
कलजरनिजरछार। बड़प्रभावअनुरागकोराममिलावनहार ६६
ईश्वरंजेहिबांधाचहैतहांअविद्यावृद्धि। अरुजाकोछोराचहैतहँ
वांविद्यासिद्धि॥तहँवांविद्यासिद्धिसकलपापनकोनाशै। भक्तिज्ञा
नबैराग्यहृदयविज्ञानप्रकाशै॥ तबछूटतदेरीकहांपावैऐसीनिद्धि।
ईश्वरजेहिबांधाचहैतहांअविद्यावृद्धि ६७ मायाबांधैजाहिकोज
गतप्रतिष्ठाहोय। धनपरिवारअरोगतनचाहकरैसबकोय॥ चाह
करैसबकोयभोगइन्द्रीलपटाने। पूतनातिमेंपगेपरमपदताकहँमा
ने॥ किमिछूटैसंसारतेबन्धनपरैनजोय। मायाबांधैजाहिकोजग
तप्रतिष्ठाहोय ६८ ईश्वरछोरैजाहिकोताहिपुत्रधनलेय। अरुडा
रैअपमानकरिरोगवृद्धिकैदेय॥ रोगवृद्धिकैदेयरहैनहिंकोईआ
शा। सबैनिरादरकरैहृदयमेंहोयप्रकाशा॥ यहिविधिलावैशरण
निजरहैकमलपदसेय। ईश्वरछोरैजाहिकोताहिपुत्रधनलेय ६९
तिहुंपुरकीन्हेंदानबलिसोचलिगयेपताल। कृमिहोयनृगकूपहिपरे
ऐसेनकीयहहाल॥ ऐसेनकीयहहालकरमअतिजालकराला।
एकनामनिर्बिघ्नभजैनितदशरथलाला॥ कितौसाधुसेवाकरैतासु
करैकाकाल। तिहुंपुरकीन्हेंदानबलिसोचलिगयेपताल ७० सक
लौसाधनशून्यहैकाहूमेंनहिंसार। तातेकलियुगमेंरहेउएकनाम
आधार॥ एकनामआधारपारकाकोनहिंकीन्हा। युगयुगजागत
बिरददिनोदिनहोतनवीना॥ रामरूपपायोसोईनिर्गुणकानिरधा
र। सकलौसाधनशून्यहैकाहूमेंनहिंसार ७१ एकभरोसाएकबल

एकआशविश्वास । एकैगतिसबकालमेंसकलकामनानास ॥ स
कलकामनानासदासकीयाहीरीती । कामक्रोधमदरहितअनतस
पनेहुंनहिंप्रीती ॥ बनादासतबफिरिकहांमृत्युकालयमत्रास । एक
भरोसाएकबलएकआशविश्वास ७२ ज्ञानदीपबैरागगृहअरुअ
नुरागनिगाह । सुभगशांतिपर्यङ्कपरनिजस्वरूपकोलाह ॥ निज
स्वरूपकोलाहचाहफिरिलिहैनदूजा। कोसेवककोसेब्यकरैकोकेहि
कीपूजा ॥ बनादासआनँदघनोद्धारबिबेकनिबाह । ज्ञानदीपबैरा
गगृहअरुअनुरागनिगाह ७३ बिरलैलोटेजायतहँचोटेखायअ
नेक। अबखटकाकोईनहींरहीनसाधनटेक ॥ रहीनसाधनटेकग
याश्रमसकलसिराई । तातेआईबोतवचनमननहींसमाई ॥ बना
दासपटतरकहांरहीनकलुकहिबेक। बिरलैलोटेजायतहँचोटेखाय
अनेक ७४ कुतियामिलिगैचोरकोशोरकरैफिरिकोन । भोरशाम
नाहींतहांरहानआवागौन।रहानआवागौनपौनकीनहिंपैठारी। ऐ
सीझीनीगैलसैलनहिंबूझअनारी॥लोकवेदझगरामिटासबप्रप
ञ्चभेदौन । कुतियामिलिगैचोरकोशोरकरैफिरिकोन ७५ पोवैरोटी
गगनकीमगनरहैसबलोग । पूजापाठअचारमखतपतीरथब्रतं
योग ॥ तपतीरथब्रतयोगरोगनाहिंपरतलखाई । करमकांडमेंफँसे
दिनौदिनबाझतजाई ॥ बनादासउपमाकहांब्रह्ममिलनकाभोग।
पोवैरोटीगगनकीमगनरहैसबलोग ७६ जोमदिराकोपानकरि
रहैनकोईभान । ऐसेमोहनिशापरेसाराजगहैरान ॥ साराजगहै
रानज्ञानसोपरचैनाहीं।जबलैउदयनभानुनिशाकौनीविधिजाहीं॥
जबपावैनिजरूपकोबेगहिजगतबिलान । जोमदिराकोपानकरिर
हैनकोईभान ७७ हरिगुरुसंतकृपाकरैपाछिलसुकृतसहाय । अ
च्छाउपजैहृदयमेंमारगशुद्धलखाय॥ मारगशुद्धलखायएकनामहिं
लौलावै । करिदृढ़प्रीतिप्रतीतिसद्यभवासिंधुसुखावै ॥ बनादासवे
दहुबिदितचारिउयुगचलिआय । हरिगुरुसंतकृपाकरैपाछिल
सुकृतसहाय ७८ दीपाशिखानिरबातमेंयथाअचंचलजोय। ऐसे

चितनिश्चलरंहेंलाभऋातमाहोय ॥ लाभऋातमाहोयहानितब सारादेखै। लोकबेदपरपंचकाहुमेंसारनलेखै ॥ बनादासतबता हिपुनिनीकनलागैकोय। दीपशिखानिरबातमेंयथाअचंचलहो य ७९ इन्द्रीसूक्षमदेहतेपुनितातेमनजानु। मनतेसूक्षमबुद्धिहैस दग्रंथनपरमानु ॥ सदग्रंथनपरमानुबुद्धिपरब्रह्मसदाई। जोइन तेपरहोयब्रह्मआनंदसोपाई ॥ बनादासकरणीकठिनकहनीमेंनु कसानु। इन्द्रीसूक्षमदेहतेपुनितातेमनजानु८०यातेलाभनदूसरी लखैतीनिहूंलोक। सबसुखसानेदोषगुणबृद्धिहोयभयशोक ॥ वृ द्धिहोयभयशोकसकलमाइककहलावै। बिनशिजायछिनमाहिंबहु रिचौरासीपावै॥बनादासमिश्रितअहैयथाजलजजलजोक। याते लाभनदूसरीलखैतीनिहूँलोक ८१लाभऋातमाजानभोकछूनक रनोताहि। सर्बकामताकोसन्योनहिंसंशययामाहिं ॥ नहिंसंशय यांमाहिंकरैजोपानअमीको। लावैस्वादअनेकवाहिसबलागतफी को।करैराखमेंहोमजिमिसकलधरमइमिआहि।लाभऋातमाज्ञान भोकछूनकरनोताहि८२लिखनापढ़नापटकिकैकहनसुननतेदूरि। कौनघासखोदतफिरैपायेजीवनमूरि ॥ पायेजीवनमूरिजाहिलगि मतलबसारा। कामधेनुजेहिभवनअनतकिमिहाथपसारा ॥ ब नादासकजियारफांदियाफंदभवतूरि। लिखनापढ़नापटकिकैक हनसुननतेदूरि ८३ एकनामतेजानियेसकलौसाधनसिद्धि। कर मबचनमनस्वपनहूँऔरनजानैबिद्धि औरनजानैबिद्धिस्वातिकेबुं दसमाना। ज्योंचातककेमतेऔरजलनाहिंजहाना ॥ बनादास मोकोसदारामैहैनवनिद्धि। एकनामतेजानियेसकलौसाधनसि द्धि ८४ रामनामबिश्रामकोधामसांचकरिजान। औरमुकामअ नेकहैंऐसानहिंमनमान ॥ ऐसानहिंमनमानज्ञानबिज्ञानघनेरे। बिरतिभक्तिकेअङ्गयोगअष्टांगनहेरे ॥ तीरथव्रततपमखबिपुल श्रमदायकनाहिंआन। रामनामबिश्रामकोधामसांचकरिजान८५ भक्तिज्ञानबिज्ञानकानामैसाधनजान। बिरतियोगसबकछुसधै

सिद्धिननामसमान ॥ सिद्धिननामसमानध्यानऊंचेचढ़िजावै ।
बिचलैनहींठिकानफेरिनामैमेंआवै॥ नामैपुनिपहुँचावताबनादा
सधनप्रान। भक्तिज्ञानबिज्ञानकानामैसाधनजान८६ आदिअन्त
औमध्यमेंएकसाहिबीनाम। और सबनकोजानियेयकयकनाममु
काम॥ यकयकनाममुकामरामरूपउयकदेशी। निरगुणअपनेठौ
रकहैकाकोकसबेशी ॥ बनाद्रासजलनामहैंजिमिमीननकाधामि।
आदिअंतऔमध्यमेंएकसाहिबीनाम ८७एसबनामअधीनहैंना
मसुतंत्रस्वरूप । आपैसाधनसिद्धिहैसबसेपृथकअनूप ॥ सब
सेपृथकअनूपदृष्टिनामैजबदेवै । तबहींलखैस्वरूपपुष्टनामैबल
लेवै ॥ बनादासफिरिकाकहैदृढ़ताराखैखूप । पैसबनामअधीन
हैंनामसुतंत्रस्वरूप ८८ ज्ञानौकर्मउपासनासत्यझूँठनहिंकोय ।
कर्मसत्यहोतोनहींदुखसुखकाहेकहोय ॥ दुखसुखकाहेकहोयदे
हकाहेकोहोती । जाकेकारणसहैबिपतिनिशिदिवसनिसोती ॥
लोकवेदहूबिदितहैबनादासनहिंगोय । ज्ञानौकर्मउपासनासत्य
झूँठनहिंकोय ८९ गर्भमाहिंरक्षाकियेमहादुःखऔगाह । आदि
मध्यऔअन्तंहूहरिकेहाथनिबाह ॥ हरिकेहाथनिबाहकर्मजिन
जीवबनाये । छोरनहारनऔरपुराणनवेदहुगाये ॥ तानेसत्यउ
पासनासद्यदेयभवथाह। गर्भमाहिंरक्षाकियेमहादुःखऔगाह९०
ज्ञानैनाशकजगतकोऔरउपायनजाय । बिधिनिषेधनाशैभले
रागद्वेषबिसराय ॥ रागद्वेषबिसरायकरमकोरेखनराखै । हरिसे
करैअभेदप्रबलअद्वैमतराखै॥ बनादासजबशांतिभैसकलप्रपञ्च
बिलाय। ज्ञानैना शकजगतकोऔरउपायनजाय ९१ नामनशा
वैकर्मकोकैउपासनाबृद्धि। रामनामतेहोतहैज्ञानकाण्डभीसिद्धि॥
ज्ञानकाण्डभीसिद्धिपराकीकरैसफाई ॥ महिमाअतिहिअनन्त
शांतिनामहिंजपिआई ॥ बनादासदृढ़नामगहुनाहिंकोउऐसीनि
द्धि । नामनशावैकर्मकोकैउपासनाबृद्धि ९२ ॥
इतिउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डेत्रयोदशोऽध्यायः १३ ॥

अपनीदेहीझूठअबजोरैकासोंनात। तासोंहोनाभिन्नहैंअनत मृषालपटात॥ अनतमृषालपटातजातश्वासादिनराती। भजिलेसीतारामआदिमधिअन्तसँघाती॥ चेलासेवकमानिकैंमृषाजरावैंगात। अपनीदेहीझूठजबजोरैकासोंनात ९३ देहीकेदाहकसबैनाहककरैंअकाज। परैबीचरघुनाथसेतापरनाहींलाज॥ तापरनाहींलाजकाजअपनोसबसाधैं। मीठीमीठीबातबोलिकैंतोंकोबांधै॥ बनादासउपदेशकहैंकरैबुद्धिमनराज। देहीकेदाहकसबैंनाहककरैंअकाज ९४ अपनामनमानैजोईसोइगहैउपदेश। जामेंचितमानैनहींतामेंमहाकलेश॥ तामेंमहाकलेशपटकिशिरगुरुमरिजावै। कोऊकरैनकानआपकोगुरुठहरावै॥ बनादासअहमकबड़ेकियेसाधुकोवेश। अपनामनमानैजोईसोइगहैउपदेश ९५ भवदुखअतिआरतजोईलियेहाथमेंशीस। ताहिलगतउपदेशहैकरियेविस्वाबीस॥ करियेबिस्वाबीससोईजगपारहिजावै। औरसकलदुखदानिनकलकीकोटउठावै॥ फेरिफेरिकीचहिबिषेनीचहोतहैखीस। भवदुखअतिआरतजोईलियेहाथमेंशीस ९६ देखायासंसारमेंस्वारथहीलगिनात। जातेकछुमतलबनहींकोउनबूझैबात॥ कोउनबूझैबातजातसाराजगदेखा। जाकोस्वारथकहैनाहिंकछुतासेशेखा॥ बनादासकासोंकहैसमुझिसमुझिरहिजात। देखायासंसारमेंस्वारथहीलगिनात ९७ केवलकलईकपटकीलपटिजातसबकोय। आशबासनाकालहैलेतसाधुताधोय॥ लेतसाधुताधोयजानिकैंतजैनजोई। जरेजन्मपर्यंतअन्तमेंरहिहैरोई॥ सर्बत्यागिरामहिभजैपरमचतुरहैसोय। केवलकलईकपटकीलपटिजातसबकोय ९८ सबतत्त्वनकामूलहैरामनामश्रुतिसार। सकलपदारथजानियेनामहिंकेआधार॥ नामहिंकेआधारपारनहिंपावैकोई। यातेसकलौहाथनामबिनसबैसखोई॥ परमतत्त्वनामैअहैममतबारैंबार। सबतत्त्वनकामूलहैरामनामश्रुतिसार ९९ कहतकहतसबकौउथकाचहैंयुगती

निउँकाल । बनादासनाहींचुकीमहिमानामबिशाल ॥ महिमा
नामबिशालचुकैंगीकबहींनाहीं । शेषगणेशमहेशकहैंचहुँवेदस
दाहीं ॥ नारदशारदचतुरमुखकविकोबिदप्रतिपाल । कहतकहे
तसबकोउथकाचहुँयुगतीनिउँकाल १०० सुरनरमुनिश्रुतिशास्त्र
पुनिउड़तेबिहँगसमान । नामगगनमेंमगनजेनाहिंकरिसकैंबखा
न ॥ नाहिंकरिसकैंबखानभूमिरजतृणगनिजावै । जलसीकरंग
निलेयनामगुणगनिनसिरावै ॥ बनाबिचाराकाकरे एकबदन
तेगान । सुरनरमुनिश्रुतिशास्त्रपुनिउड़तेबिहँगसमान् १०१ एक
नामभरिपूरहैदूजानाहींकोय । आदिमध्यअवसानबिनपारकौन
बिधिहोय ॥ पारकौनबिधिहोयसगुणनिर्गुणहैनामाहिं । काहूकी
गतिनाहिंसोऊबसवर्तीतामाहिं ॥ बनादासमैंहूँसोईहियअंखिन
सेजोय । एकनामभरिपूरहैदूजानाहींकोय १०२ परमहंसताकोक
हीजाहिबासनानास । नंगाबस्त्रकिबातनहिंरामदुवारेवास ॥ राम
दुवारेबासगईसबबिधिजगआसा । रागद्वेषसेरहितभजनहैश्वा
साउश्वासा ॥ बद्धमुक्तदोऊभरमअतिशयहृदयप्रकाश । परमहंस
ताकोकहीजाहिबासनानाश १०३ कछूनलागैनीकजबतबैफीकसं
सार । मैंमेरीमरिजायजबतबहींशुद्धबिचार ॥ तबहींशुद्धबिचार
भारसमलागैदेही । स्वादऔरशृंगारस्वादनिशिदिवसनिबेही ॥
बनादासउपमाकहांपावैसुखअधिकार । कछूनलागैनीकजबत
बैफीकसंसार १०४ तोतरिबोलीतनयकीसुनतश्रवणसुखदेय ।
जबतियकियेकटाक्षकहुँमनहुँप्राणहरिलेय ॥ मनहुँप्राणहरिले
चलतअवलोकैछाहीं । कृमिबिष्ठाअरुभस्मअन्तसोसमुभैना
हीं ॥ बनादासतजिरामपदरहेबिषयशठसेय । तोतरिबोलीत
नयकीसुनतश्रवणसुखदेय १०५ नितलागोधनधामप्रियभजन
कीचरचानाहिं । धरमराजकीसुधिगईभूलेतनुसुखमाहिं ॥ भूले
तनसुखमाहिंसारजामेंनाहिंकोई । जड़अशुद्धदुखरूपताहिमेंनि
श्चयहोई ॥ बनादाससतसंगतजिबिषसमबिषयचबाहिं । नित

लागोधनधामाप्रियभजनाकिचरचानाहिं १०६ घरसेत्यागिफकीर
भेसतसंगतिकोभागि । भईफायदाकौनजोइहांसौगुनीलागि॥
इहांसौगुनीलागिसँभारतसेवकचेला। जातिपांतिधनधामसधा
नरहतअकेला॥बनादासजाईकहांदोउदिशिलागीआगि।घरसे
त्यागिफकीरभेसतसंगतिकोभागि १०७ रागद्वेषछूटीनहींविधि
निषेधभरिपूरि।आशबासनामेंमगनरामतहांअतिदूरि।रामतहां
अतिदूरिधामधनचाहतऊँचा।याहीहैसंसारनहींपरमारथकूचा।
बनादाससोसाधुतादेयफंदभवतूरि। रागद्वेषछूटीनहींबिधिनिषे
धभरिपूरि १०८ लानतिलागीसाधुतालईनजीवनमुक्ति।खानपा
नधनधामसुखकरैजियैकीयुक्ति॥ करैजियैकीयुक्तिभलेतालेसंसा
री। रहेआपनीठौरआपनहिंबनेबिगारी॥बनादाससर्वांगसेभैक
लियुगकीभुक्ति।लानतिलागीसाधुतालईनजीवनमुक्ति १०९ म
रिजावैसबअंगसेतनैभंगसंसार। नातोंमोटेदिनोंदिनफुटैहजारो
डार॥फुटैहजारोडारकहांलगिकाटैकोई। जोतूरैदुइचारिसैकरोंह
रिअरहोई।बनादाससबबिधिसुखीधरैरामशिरभार।मरिजावैसब
अङ्गसेतबैभङ्गसंसार ११० रँगैरामकेरंगमेंजंगजुरैकलिकाल।
बिघ्नअनेकनबिधिकरैऐसनबड़ोनमाल॥ ऐसनबड़ोनमालनहीं
दायाउरआवै।साधुभयेहरिशरणताहिकछुख्यालनआवै॥बनादा
सकाकरिसकैरक्षकदशरथलाल। रँगैरामकेरंगमेंजंगजुरैकलिका
ल १११ बड़ेबलीमनबुद्धिहैंचित्तऔरहंकारकारणसकलप्रपंचके
आवतयहीबिचार॥ आवतयहीबिचाररहैंखुरखुंदमचाये। शुद्ध
आतमाशांतिउठावैलहरिसुभाये॥ बनादासहारेउअतिहिताते
करतपुकार।बड़ेबलीमनबुद्धिहैंचित्तऔरहंकार ११२ चनरुचिरा
खतरामहैसुनाअनेकोंवार अंतर्यामीसोकहबयाहूअतिअबिचार
याहूअतिअबिचारलिखतहारेबहुभाती। तातेचाहतयहीशांतिर
हियेदिनराती॥बस्तुपरतअलगैपरखिकियेग्रंथअधिकार।जनरु
चिराखतरामहैसुनाअनेकोंवार ११३ निजस्वरूपकोज्ञानतेहिदेत

कृपाकरिराम।देहंअछतसोईलहैजगमेंअतिबिश्राम।।जगमेंअति बिश्रामकामपूरणंभैताको । उतरिगयेभवपारंजन्मफललैबसुधा को॥बनादासवाकोमिलैऐसाऊंचमुकाम।निजस्वरूपकोज्ञानजेहि. देतकृपाकरिराम ११४नामबरणआकारसेभिन्नकरैमनबुद्धि।परि पूरणचेतनलखैतबहींअंतरशुद्धि॥ तबहींअंतरशुद्धिआदिमधि नहिंओसाना। ईश्वरजीवअभेदभयोअतिहीदृढ़ज्ञाना ॥ बना दासस्वप्नेहुँनहींफिरभवभटसेंयुद्धि। नामबरणआकारसेभिन्नक रैमनबुद्धि११५ हेरतहेरतआपुहीसहजैगयोहेराय॥ लोनखिलौ नाजलपरेजैसेगोभिहिलाय ॥ जैसेगोभिहिलायकहैकिमिजेहि बिधिभासा। नहिंअकाशकोभानुभयोजबब्रह्मप्रकासा ॥ बना दासनहिंऔरबिधिआवागमननशाय। हेरतहेरतआपुहीसहजै गयोहेराय११६ मनगूंगनकोसंगतजेभोगनतेरुचिनाहिं। योग नसैराजीरहैब्रह्मानंदसमाहिं ॥ ब्रह्मानंदसमाहिंयथादिनकरकी ज्योती। ठहरयोचाकामाहिंसदाआनंदनिसोती॥ बनादासजिमि मध्यदिनतरुछायातरुमाहिं।मनगूंगनकोसंगतजेभोगनमेंरुचि नाहिं११७पराबुद्धिप्रापतिभईनहिंबिकल्पसंकल्प। झवँतझवँत झीनीभईरहिगैअतिहीअल्प ॥ रहिगैअतिहीअल्पकाहजीरन सेहोवै। भयआतमजलमीनऔरदिशिभूलिनजोवै॥ बनादास पलकोटरेमानोंबीततकल्प । पराबुद्धिप्रापतिभईनहिंबिकल्पसं कल्प११८भयोअचंचलचितजबैकितआवैभवभान।दशौंदिशा मेंजातनहिंलोकौंवेदहेरान ॥ लोकौंवेदहेरानरहाब्यापकसबमा हीं। गईदृष्टिनानत्तुब्रह्मतजिदूसरनाहीं॥ बनादासबिकल्पपरहि तलह्योआतमाज्ञान। भयोअचंचलचितजबैकितआवैभवभान ११९ हमहमहेरेनामिलैतुमतुमसकलौकाल । बनादासतबजा नियेब्रह्मानंदबहाल॥ब्रह्मानंदबहालजालजगभूलिनजोवै। देखै रामाकारद्वैतकोदमदमखोवै.॥ रागद्वेषबिधिभीगईनहिंनिषेधकी चाल।हमहमहेरेनामिलैतुमतुमसकलौकाल१२० सूरतिमढरीत्र

ह्मजलच्योरासेगलिनीर । बनादासकजियारफादूरिभईभवपीर ॥
दूरिभईभवपीरनीरंहिमिदूसरनाहीं । सोवैशांतिसुषोत्तिनहींनि
शिदिनबिलगाहीं ॥ कालजालकाकरिसकैअतिशयसिन्धुगंभीर।
सूरतिमछरीब्रह्मजलच्योरासेगलिनीर १२१ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेज्ञानखण्डे
बनादासकृतेभवदापत्रयतापबिभंजनीनामचतुर्दशोऽध्यायः १४ ॥

इतिज्ञानखण्डसमाप्तः ॥

शान्तिखण्ड सप्तम ॥

छप्पै ॥ भरतलषणरिपुदमनपवनसुतयुगकरजोरी । बोलेब
चनबिनीतमनहुंरसअमृतबोरी ॥ सबसाधनकोसिद्धिमुक्तिनहिं
जाहिसमाना । निजबिचारसिद्धांतकहीसोकृपानिधाना ॥ सुनिस
नेहसानेबचनहृदयहर्षभवभेदमन । श्रुतिपुराणमुनिमतकहतंजा
तेसबसंशयशमन १ निजसिद्धांतबिशेषिसनातनसन्तनगाये ।
शांतिपरेकछुनाहिंकोऊकोटिनमेंपाये ॥ जिमिनरमेंनरपालफल
नमेंजानुरसाला । ऐसेहिसदाप्रमाणसुमेरुयथामणिमाला ॥ आ
येबनमृगराजजिमिसकलजीवभागतभभरि । कहबनादासताहीं
बिधासंतौंअसतजातेनिकरि २ भक्तिमूलतरुज्ञानबिरतिहैत्व
चासमाना । सुमनजानुबिज्ञानपराफलकरतप्रमाना ॥ नामबीज
रसशांतिसन्तबिरलाकोउजानें । नहिंआवैमनबुद्धिकवनिबिधि
बचनबखानें ॥ निगमदूधउपनिषददधिगीतामाखनजानिये । क
हबनादासघृतशांतिहैकोउबिरलापहिंचानिये ३ साधनसारेनख
तशांतिजानियेभास्कर । उदयभयोरबिजबहिंमिलतनहिंकोउहे
रेपर ॥ जिमिदुलहिनघरआयजायचहुंओरबराता । ऐसेपायेशां
तिनहींसाधनसेनाता ॥ वेदपयोनिधिज्ञानगिरिमिथनहारसुरस
न्तहैं । शांतिअमृतकादेशहीउपमाकोउनलहंतहैं ४ लगेकाठमें
अगिनिपरैलखितीनिस्वरूपा । जानोसमधिशरीरधूमबासनाअ
नूपा ॥ साधनसारेअनलधूमगतपराकहावै । सबसाधनशिरमौर
आगिकेवलरहिजावै ॥ जबहींजरिहोवैभसमदारुधूमप्रावकन
हीं । कहबनादाससोशांतिहैमहिबिधिसबसन्तनकही ५ ॥ सवै
या ॥ सातहुस्वर्गऔसातपतालहैंचक्रचलैशिशुमारसदाहीं । अ

स्तिउदयअरुसप्तसमुद्रसुमेरुचराचरजोजगमांहीं॥ हैसकलो
अमउद्रबिषेपुनिब्यापकहौंसबमेंनकहाहीं। दासबनाअहौंयार
बिराटसेऐसनरूपलहेजगजाहीं ६॥ छप्पै॥ शांतिसाधुशृंगार
शांतिबिनसन्तनहोई। जिमिभृगुपदकीरेखबिनाकहईशनकोई॥
दीपबिनाजिमिभवनलोनबिनव्यंजनजैसे। बिनापुरुषकीनारि
पीलबिनदलहैतैसे॥ चन्दबिनाजिमियामिनीभानुबिनाजिमिदि
नकहै।जैसेसरितानीरबिनशांतिबिनासाधूअहै ७ ज्योंमारैशरको
पिमर्मअस्थानबिचारी।तिमिदुर्जनकोबचनपीरतातेअतिभारी॥
नाहिंकोउसहनेयोगतिहूंपुरमाहिंबिचारा। शांतिहोयतेसहैक्रोध
उरलेशनजारा॥ कोबपुरासुरनरसहैएकसन्तपदजानिये। जि
गिचकोरपावकभखैकहपटतरउरआनिये ८ शांतिसरोवरपरैज
रैफिरितापनकोई। जलमेंलरैनआगिबिदितगतिदेखीसोई॥
कहपुराणअरुवेदशास्त्रषटपरैनजाना। कहतीनिउतनगयेभये
कासाधननाना॥ कहामुक्तिइच्छागईस्वर्गनरकबैकुण्ठकहँ। कह
बनादासहमतुमकहांआयशांतिटिकिरहीजहँ ९ छूटोसबबिस्ता
रप्रकृतिपरपञ्चनकोई। जिमिजलबीचीरहितकहांपटतरकोउजो
ई॥भूषण कञ्चनभयोनदीजिमिसिन्धुसमानी।हिमिओरागलिनी
रमीनजिमिहोयगोपानी॥ लोनखेलौनाजलपरेउफेरिआयकैसे
सकै। कहबनादासमतवादकसचाहैजोजैसेबकै १० जैसेभरि
गोकुम्भनहींजलफेरिअमाई। जोपायेभरिपेटफेरिकछुसकतन
खाई॥ गङ्गोदकलहिगङ्गशुद्धसरवंगिभयो है। भानुकिरणिगत
भानुछांहतरुतरुहिगयो है॥ पानीपावकहोतनहिंनहींखाकतेतृ
णभई। कहबनादासजेशांतिभेफिरिअशांतिकिमिउरठई ११
गिरिनमध्यसुम्मेरुसरनमेंसागरजेसे। जिमिग्रहमाहिंदिनेशस
रिनमेंसुरसरितैसे॥ रुद्रनमेंजिमिशम्भुखगनमेंगरुड़कहाये।र
बिब्राहनहयमाहिंगजनएेरावतगाये॥ सुरपतिसबदेवनबिषेजि
मिशरीरमेंकांतिहै। मृगनमाहिंमृगराजजिमितिमिमुक्तिनमेंशां

तिहै १२ जगहेरेनाहिंमिलैनिगमआगमनपुराना। बरणाश्रमगुणतीन्निएकदुइतीननजाना॥ मुक्तिउकीसुधिन्नाहिंकालकीभयनहिंआनै। पायोशुद्धस्वरूपप्रकृतिकोपुरुषबखानै॥ बसनसूतसेतूलभोकहाकछूनाहिंजातहै। मनबुधिचितहंकारचहूंआतममाहिंसमातहै १३ कासेबोलैबैनकौनसेरहैचुपाई। देखैकाकोकौनकोनकेहिसमुझैभाई॥ सुनैकौनकोकहैबस्तुकोकेहिठहरावै। कोउपदेशैकाहिराहकाकोमगध्यावै॥ भुक्ताकोभोजनअहैभोगलगावैकौनकेहि। करैदण्डवतकाहिकोदेताकोलेतितेहि १४ कौनब्रह्मकोजीवशांतिकोकोअशांतिअब। कहांप्रलयकहँसृष्टिभईथितिअहेसमैकब॥कौनबड़ाकोछोटकौनकेहिनिन्दैबन्दै। कोपालैकोहरैकाहसुखकादुखद्वन्दै॥ कोबूड़ाकोहैतराकहांधरमअधरमअहै। कोबांधैछोरैकवनकाअनुभवकाभरमहै १५ यहिबिधिशांतिस्वरूपकहतपुनिपुनिरघुनाथा। भरतलषणरिपुदमनपवनसुतहोतसनाथा॥रह्योनउत्तरप्रश्नकहतनहिंसुनतअघाहीं। बूझिबूझिअतिमगनबारबारहिपुलकाहीं॥ सबसाधनकीमहासिधिनहींशांतितेमुक्तिहै। कंहबनादासपटतरकहांकहतअमितकरियुक्तिहै १६॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेशांतिखण्डे भवदापत्रयतापबिभंजनोनामप्रथमोऽध्यायः १॥

कुण्डलियाछंद॥ ज्ञानअगिनिमेंजरिगयादेखातीनिउंगांउ। करमबचनमनबुद्धिकरिनाहिंकतहूंअटकाउ॥ नहिंकतहूंअटका। उभयाराखीसबलेखा। राखोगईबिलायरहाकहुंरूपनरेखा॥ बनादासभूल्योनहींअबकहुंआवउँजाउँ। ज्ञानअगिनिमेंजरिगयादेखातीनिउंगांउँ १७ बहियाआईभक्तिकीबहिगातीनिउँलोक। बनादासनाहींरहाअबकतहूंभयशोक॥ अबकतहूंभयशोकजोकयांहन्ननहिंलागै। चोरनकेघरकालरातिकाहेकोजागै॥ कालमृत्युन्नहिंलखिपरैकहांअहैयमलोक। बहियाआईभक्तिकीबहिगातीनिउँलोक १८ आंधीआयब्रिरागकीउड़िगासबसंसार। चो

रासीछौपटभईनहिंप्रकृत्तिपैठार ॥ नहिंप्रकृत्तिपैठारतिहूंगुणवृ
त्तिनसाई। जाग्रतस्वप्नसुषोप्तिदेहत्रयतापसदाई ॥ तुरियाकुरि
यामेंपराकोकहिसकैबहार। आंधीआयबिरागकीउड़िगासबसं
सार १९॥ घनाक्षरी ॥ जगसुखफीकोतवमूकहींसेनीकोकौनजा
नैभावहीकोकछुकाहूसेनकामहै। द्वैतकहूंनाहिंमनहींकोभर्मआहिं
ठहरान्योनिजमाहिंतबकहासुबूशामहै॥ दिशिऔबिदिशिदेशकां
लहूकोभानगयोभयोमहामोदनहिंकोऊसूधबामहै। बनादासमग
नसहजसुखसिन्धुमाहिंआसत्रासनासभवरोगरह्योरामहै२०॥स
वैया ॥ इन्द्रीअबुद्धिशरीरऔप्राणकरैसबचेतनशक्तिसेभोगा।
पावकतेजतेलोहतपैजिमिजानिसकैनहिंमूरुखलोगा॥ पैजड़ता
हिकोऊनहिंजानतहोनकरैबहुयोगबियोगा। दासबनानितआत
मशुद्धलहैसोइज्ञानमिटैभवरोगा २१ त्यागकरैनहिंस्वादशृंगार
औआतमज्ञानकहैसोपखण्डी। बासनाआशबिनाशकरैअरुभां
तिअनेकनइन्द्रिनदण्डी॥ शांतिलहेतनऔमनबुद्धिमिल्योजब
ब्रह्मप्रकाशप्रचण्डी। दासबनाजगमाहिंबिलक्षणभिन्नशरीरसो
ज्ञानअखण्डी २२ पारसपासमेंमांगतभीखनहींपतियातहैताक
हँकोई। पायसमोहनभोगजोपावतसोफिरिनाहिंखरीदिशिजोई॥
दासबनागजअइवहैद्वारपैक्योंगदहाचढ़िकैपतिखोई। तीनिउं
लोककोहैसुखबुन्दसेसिंधुमिलेसोकृतारथहोई २३ इन्द्रीबुद्धिअ
धीनभयोमनताहितेजीवपराभवकूपा। नीचभयोनृपकोसुतजैसे
संभारकरैनहिंशुद्धस्वरूपा॥ पारप्रकृत्तिसेहोयजबैतबहींफिरिजा
नियेब्रह्मअनूपा। दासबनाभ्रमबद्धऔमुक्तसोयप्रकाशलह्योपद
भूपा२४॥घनाक्षरी॥ जौनीसमयजायनिराकारमेंसमायगयोमन
बुद्धिचित्तअहंकारनरहतुहै। जैसेभानुकिरणिसमिटिजातमण्ड
लमेंआदिमध्यअवसानजाकीनलहतुहै॥ जैसेतरुछायामध्यदि
नबृक्षलीनहोतप्रकृतिप्रपञ्चसुरिफिरिनबहतुहै। बनादासनेतिने
तिबेदउवदतजाहिब्रह्मानन्दकोऊकौनिउँभांतिसोंकहतुहै२५आ

न्तष्करणपरेबांणीमाहिं आवैनाहिंइन्द्रिनकोयाह्यनाऽस्तिउपमान पाईहै । अचलंअखण्डशांतिएकरसकहैकौंनंबीचीतेबिहीनेजल ताहीभांतिगाईहै ॥ जैसेऋतुशरदमें गरदअकाशनाहिंबारिद्द रहितअभ्यन्तरसदाईहै। बनादासजैसेबिनाकलईकोशीसारहैवा रपारएकआड़नेकनलखाईहै २६ एकदृष्टिभईजेहिनित्तमईचेत नेसोंताकीगतिजानैकौनस्वादसोईपाईजू। हरषनशोकजानैबिधि ननिषेधमानैरागद्वेषदूरिभानैबासनानशाईजू ॥ उद्यमऔआस हीननाहींकछुकीनहोतकाहूसोनदीनगुनातीतपदआईजू । बना दासतृष्णाकोतरंगसुठिभंगभयो दिशिनबिदिशिकहांनिशिदिन जाईजू २७ शुकसनकादिलोमशादिऔकपिलदेवदत्तात्रयऋ षभभरतजड़भोगी हैं। नवउयोगेश्वरजनकयाज्ञवल्क्यहैंअष्टाव क्रआदिमुनिभयेकेतेयोगी हैं॥ कहतकहतकहूंपारपावैयोगंनाहिं नामकेप्रसादसन्तजगतबियोगी हैं। बनादासअगुणसगुणदोऊ प्राप्तिहितअतिहीअचेतनामरहितसोरोगी हैं २८ करमउपासना औज्ञानसदासङ्गचलैपृथकपृथकताहिज्ञानीजनजाने हैं । जैसे पाककरबऔभोजनबहुरिहोतपुनिशैनकियेपरसुखअधिकानेहैं॥ खगपगगमनकरत जिमिभूतलमेंचुनतअहारअरुगगनउड़ाने हैं । बनादासकरमउपासनासनोहैज्ञानसोईकलाकुशलजोतिहूं भिन्नमाने हैं २९ एकएककरअभिमानीहोतसबैकोऊपात्रबस्तु जानैभेदवहीबोधठीकहै । कर्मऔबिरागभक्तिज्ञानतेस्वरूपभिन्न येतौसबसाधनकेअन्तगतिनीकहै ॥ श्रुतिऔपुराणंशास्त्ररहैसबं याहीओरजबकोठाचढ़िगयोसीढ़ीपरीफीकहै । बनादासबारि कैमसालगयोभौनमाहिंपीछेभयोगुल्लयाहीसन्तनकीलीकहै ३० शुद्धनिरवध्यनित्यब्यापकअखण्डअजनिराकारनिरद्वन्दनिर्गुण अनूपहै । ईशअवछिन्नहितपुरषोत्तमपरमधामसूक्ष्मस्वतंत्रसबं रहितस्वरूपहै ॥ चेतनअमलअनुरूपअनावृत्तिएकअलखअ नीहआदिअन्तबिनखूपहै । बनादासंबरदाबिलक्षणबिगतश्रम

ताहिंबिनुपायेजीवपराभवकूपहै ३१ रातपीतहरितअसितपुनि सितनाहिंनेरेहैनदूरिनाहिंनीरजनवीनजू। पीनहैनखीनमनबुद्धि वाकआवेनाहिंगावैकबिकोविदनदातानाहिंदीनजू॥ वृद्धनाहिंबा रनसकारशामनिशिदिनदिशिनबिदिशिएकदोयहैनतीनजू। बु द्धकहैंनिगमपुकारैं जाहिनेतिनेति ताहिमाहिंबासबनादासजाय कीनजू ३२॥ कुण्डलिया॥ जायकहैअजयाकहैनजयाकहैन कोय। बनादासनजयाबिनाजीवनमुक्तनहोय॥ जीवनमुक्तनहो यवर्णचौंतिसजबछूटै। अन्तरँगावहिरंगसकलभांतिनतटूटै॥ अवशिअनूपअगाधहैसुरतिनसुरतिसमोय। जायकहैअजया कहैनजयाकहैनकोय ३३ निशिदिनरहौअशब्दमेंशब्दसृष्टिका रूप। तजोबरणआकारकोनिराकारहैरूप॥निराकारहैरूपताहि मेरहौसमाई। अफुरहोयहियजबैतबैघरआपनपाई॥ बनादास बिस्तारगोपायोरूपअनूप। निशिदिनरहौअशब्दमेंशब्दसृष्टि कारूप३४शब्दैमेंबकिबकिमरादेखौसकलजहान। शब्दांफ्छाना जोकोईसोफिरपलटिसमान॥ सोफिरिपलटिसमानजहांकामर्म अपारा। जोकोऊजनगयेबहुरिनाहिंआवनहारा॥बनादासकासों कहैसुनैनकोउपतियान। शब्दैमेंबकिबकिमरादेखौसकलजहा न ३५ शब्दैगुरुचेलाशबदशब्दैहैउपदेश। शब्दैगयाअशब्द मेंलावैकौनसंदेश॥ लावैकौनसंदेशरहादूजानाहिंकोई। सेवकसे विनतहांउदधिसमदीखैसोई॥ धारामिल्योतरंगजबरहानदुति यालेश। शब्दैगुरुचेलाशबदशब्दैहैउपदेश ३६ शब्दैसुनिब हिराभयाशब्दैसुनिकैअंध। शब्दैसुनिडिठियारभोअमितजगत परबंध॥अमितजगतपरबंधमूकसुनिशब्दैहोवै।अधरेहृदयजला यशब्दबहुबातैखोवै॥बनादासपँगुलाचढ़ाडिठियारेतेकंध। शब्दै सुनिबहिराभयाशब्दैसुनिकैअंध३७आंखैंभ्फपकीजीभजमशब्द नहींफुरिआय। पायँपंगुकरकटेसेकसनसुखीह्वैजाय॥ कसनसु खीह्वैजाययथानिजदेहमेंज्ञांना।निराकारतेहिभांतिभलीबिधिपरै

पिछानां ॥ बनादासकैसेकहैखाटपरामुसकाय,। आंखैभपकीजी भजमशब्दनहींफुरिआय ३८ शब्दबिबेकीसाधुजेसहसोंमहेए क। भेषधरेलाखोंफिरेभटकतठांवअनेक ॥ भटकतठांवअनेक लागिजेहिभयाफकीरा। गैलपरीनहिंसूझिबनीचौरासीपीरा॥ बनादासपायासोईगहागुरूकीटेक । शब्दबिबेकीसाधुजेसहसोंम हेएक ३९ जनमैमरैनआतमातनअनित्यजड़जान। स्मृतिश्रो अबिबेककोजनमनमरणप्रमान ॥ जनमनमरणप्रमानभयेभूषि तदोउजाते। पकरिलियेबासनाबिषैनाहिंछोड़ैताते ॥ बनादासब लनहिंचलैमिलैब्रह्मनिर्वान । जनमैमरैनआतमातनअनित्य जड़जान ४० निराकारमेंजबटिकारहैनकोईमान। निश्चयहोइन बासनाजगमिथ्याब्रतमान ॥ जगमिथ्याब्रतमानमुक्तजीवनभो सोई। हरदमब्रह्मानन्दकल्पनारहीनकोई॥बनादासदृढ़ह्वैकरैचेत नमेंअस्थान। निराकारमेंजबटिकैरहैनकोईमान ४१ यहीमुक्ति पैंडाअहैवेदोंदेयप्रमान। एकब्रह्मनिश्चयभयोतबहींजगतहेरा न॥ तबहींजग्रतहेरानज्ञानबिनमुक्तिनहोई । साधनकरैंअनेक बहुरिभवभरमैसोई ॥ बनादासतातेरहैहरदमब्रह्मसमान। य हीमुक्तिपैंड़ाअहैवेदोंदेयप्रमान ४२ तिहूँलोकनश्वरअहैमाया कोबिस्तार। आदिरहानाहिंमध्यहैअंतहुकरैबिचार ॥ अंतहु करैबिचारयथाबालकलुकुवाई । मनहुँचक्रचहुंपासकियेनिश्च ययकआई ॥ बनादासदूजाकहांज्योंप्रबाहजलधार। तिहूँलो कनश्वरअहै मायाकोबिस्तार ४३ जिमिअकाशमेंनीलतादूरि पायदरशाय । उहांकछूनाहींअहै तिमियहजगतलखाय। ति मियहजगतलखांयसर्प्प निश्चयरजुमाहीं । रजतनसीपीमा हिंझूठमृगबारिसदाहीं ॥ बनादाससतसंगलहि हरिकीकृपाबि लाय। जिमिअकाशमेंनीलतादूरिपायदरशाय ४४ ॥ घना क्षरी ॥ धीरजबिचारऔसुराईतोषपावाचारिमुक्तिपर्यंककोभवन निष्कामहै। तृष्णाआसआलसअसंगदमइन्द्रिपुनिलहैसोईठा

मनामजपैबसुयामहै। ज्ञानकीउसीसीऔविज्ञानकोचँदोवाचारु शांतिनींदसोवैबनादासअभिरामहै॥ महाबोधमोदकअदम्भसो अंतरशुचिबीराहैबिरतिसुठिसाधुकोमुकामहै ४५ गांवबसानहीं कोऊदेशमेंमुकुतिकरयाहीतनमाहिंलहैअतिबड़भागीहै। बिधि औनिषेधरागद्वेषकोनरेखतहांदेहबुद्धिनाशनिजरूपअनुरागीहै॥ बिषयरहितनिरउद्यमसकलकालपरारब्धि भोगमोहनिशामाहिं जागीहैं। बनादासजीवनमुकुतकेहैंयाहीचिह्नसमतामुकामपियै पानिहूंनमांगीहै ४६ संग्रहऔत्यागसेबिरागसबकालमाहिंहर्षन शोकमतिअस्थिररहतुहै।परैकोटिबिघ्नटरैपगनकाहूभांतिनिरब्य बहारगुणदोषनगहतुहै॥ आतमतृप्तिसुखअनतनदेखेकहूंबना दासहरिहाथसदानिबहतुहै। ऐसेऐसेलक्षणअनेकनअनूपतामें पक्षपातरहितनशोचतचहतुहै ४७ अगमअथाहगूढ़गतिगुना तीतसदानजनबसतनिहिकिञ्चनसदाईजू। शुभगुणआकरहि मंचलसेसांकरमेंदेखतअजानमानलेशहूनपाईजू॥क्षमादयादी रघपरमशांतिकालसबरहितउपायआसबासनानसाईजू। बना दासतृष्णाकोतरंग सर्बअंगभंगबादबकबादनेकचहैं नबड़ाईजू ४८॥ सवैया॥ केवलबोधकेहेतकियेश्रमप्रीतिकिरीतिनजेकछु ज्ञानें। पैरिकैपारलहैकिमिसागरडूबिमरैंमभ्रधारअयानें॥ चाहै चढ़ानभबारिकेबुन्दसेपंखबिहीननबुद्धिठेकाने। दासबनाबिनभ क्तिकोज्ञानतेलूटिगयेदिनहींमयदाने ४९ ब्यंजनऔस्वरसृष्टिप्र पंचहैयाकेपरेपरब्रह्मस्वरूपा। शब्दहिकोसबसाधतहैंनहिंजान तभेदअशब्दअनूपा॥ नामऔबर्णअकारसबैभ्रमनाधैसोपारभ योभवकूपा। दासबनापचिहारैकरोरिनराजितसंतशिरोमणिभू पा ५० आवैअशब्दसेशब्दसबैजिमिसागरतेलहरीपरमाना। कारनताकोहैपौनप्रकृत्तिसोंशांतिकरैबिनरामकोआना॥ कृतकृ त्यलहैमछिलोघरभूलैनहींपरपंचसोंनाना। दासबनारहैस्थिररू पमेंजानीसबैबिधिसंतसयाना ५१ स्वरब्यंजनअंजनहैंसकलोकरै

गंजनआतमज्ञानकोसारे। भंजनकैनिजरूपमेंमंजनानंत्यकियेसो इसंतसुखारे ॥ गुरुशब्दअशब्दकोप्राप्तिकरैमनरंजनभोकहिजा यकोपारे। दासबनाउठैप्रश्नपेउत्तरसोकोउभांतिटरेंनहिंटारे५२॥ घनाक्षरी ॥ शांतिकरैशब्दकोअशब्दसुखपावेसोईबाहरऔभीत रअनेकनप्रकारहै । स्थूलमानिकैअकाशज्ञानदृढ़होततातेभ्रम तजैसबबरणअकारहै॥बाहरऔअंतरकहनमात्रजानोएकपराभ रिपूरहोयतदाकारहै। बनादासदशौदिशासूरतिनचलैजबतबजा नीठोसपोलअतिअविकारहै५३ मनोराजपरमअकाजकालरूप जानोबहुबातनाहकफुरबनकसानहै। दोऊपरेशांतिवहींअंतिको हैलेशतहांफुरैज्ञानआतमसोचेतनप्रमानहै। सोऊशांतिहोब्रम ह्मशांतिसिन्धुआनँदकोसोईहैअशब्दभोगजानतसुजानहै॥बना दासप्रलयसृष्टिथितिनदेखाईदेत अन्तष्करणपरेकहैकेहिज्ञानहै ५४ ॥ कुण्डलिया ॥ प्रकृतिपारपरधामहैजहांसुबूनहिंशाम । सो मभानुपावकनहींयकरसआठौयाम॥ यकरसआठौयामनामनहिं रूपलखाकैभरामोदकासिंधुजायसोफिरिनहिंआवै॥ बनादासका सोंकहैअसिहीगूढ़मुकाम । प्रकृतिपारपरधामहैजहांसुबूनहिंशा म५५ लागैनहिंमतबादउरअबकाहूकोताहि। नानासाधनभजन करिपरानयनलखिजाहि ॥ परानयनलखिजाहिलोकबेदौविस्ता रा । छोड़ैमनक्रमबचनप्रकृतिसेपावैपारा॥ बनादासहरदमरहैम गनसहजसुखमाहिं। लागैनहिंमतबादउरअबकाहूकोताहि५६॥ घनाक्षरी॥ विधिऔनिषेधभ्रमभावतनरागद्वेषतृणसमतीनिगुण बासनाबिनासहै। स्थूलसूक्ष्मऔकारणकोभानगयोजाग्रतऔस्व प्नसुषोपतिनबासहै ॥ बरणअकारनामनेकहूनलेशरह्योबनादास गुरुशिष्यसाहबनदासहै। अंतष्करणपारवैखरीथकितअतिएक ब्रह्मभासयहीतुरियानिवासहै ५७ आश्रमबरणचारिवेदबाक्य भिन्नहोयचारिफलत्यागचहुंयुगकोनज्ञानहै । तीनिकालिलोकती निदेवजानैनाहिंतिहूंकाण्डनरकनआंधैउरमानहै ॥ तिहूंगुणत्या

गभयोब्रह्मकोबिभागसुठिमनबुधिबचनकेपरेजासुध्यानहै। बना
दाससाधनबिटपफलज्ञानभक्ति लह्योरसशांतिसुठिकोखजानहै
५८॥ सवैया॥ अवलोकतहैजितहींतितब्रह्मअकारभयोनिरा
कारसमाना। मानोंअकारभयोनिराकारटरैनहिंदृष्टितेशुद्धठेका
ना॥दासबनाजगहेरैमिलैनगयोसहजैमिटिआनाओंजाना। श्वा
सहिश्वासउठैहरिनामफुरैउरमेंहमरामनआना ५९ जायगयों
अजपांहंगयोनहिंआदिनमध्यनहींअवसाना। रूपनरेखबिशेष
अनन्दनअन्तष्कर्णकरैकोबखाना॥बाक्यअतीतनआवतअर्थ
समर्थसकोऊसकैनहिंजाना। दासबनासुखब्रह्मअनूपमहैअनुभ
वमहँतासुठेकाना ६० कौनकहैकोसुनैकोपढ़ैअबकौनलिखैकेहि
हेतबिचारो। कौनहलैकोचलैकोदलैकेहिबादबिबादनजीतनहा
रो॥ पूरिरह्योपरब्रह्मचहूंदिशिबाहरभीतरहोतनन्यारो। दासब
नाबिनबीचपयोनिधिआनँदअवधिनतेराहमारो ६१॥ घनाक्ष
री॥ तत्त्वआवैतत्त्वतेमिलततत्त्वतत्त्वजायजानैमरैकौनसबभूठ
जगजालहै। तत्त्वउसकलक्षीनलीनहोतआतममेंआतमाअख
ण्डहोतनाहींबृद्धबालहै॥ तातेभर्मसारोभयोअंजननिरंजनमेंदृ
ष्टिहीकोफेरकौनकरताओंकालहै। बनादासश्यामश्वेतबरणआ
कारमृषाहरितनपीतएकब्रह्मईबहालहै ६२ श्यामश्वेतबरणआ
कारनिराकारब्रह्मचेतनओंब्रह्मजड़छोड़िनहिंआनहै। इन्द्रीमन
बुद्धिब्रह्मचित्तअहंकारब्रह्मतत्त्वप्रानब्रह्मकहाभवभानहै। स्थूल
औंसूक्ष्मओंकारणसकलजग ब्रह्मशब्दसपरसरसरूपगन्धवान
है। बनादासभूतओंभविष्यब्रतमानब्रह्मआदिब्रह्ममध्यब्रह्मब्र
ह्मअवसानहै ६३॥ सवैया॥ द्वैतनहींमनबुद्धिकोंकारणआदि
नअन्तनमध्यहुमाहीं। एकइब्रह्मसनातनपूरणअन्तरबाहरभे
दकहाहीं॥जाग्रतस्वप्नसुषोपतिसोपरताहिमिलेसुखसिन्धुसमा
हीं। दासबनात्रिगुणात्मकजक्तगईगुणबृत्तितिन्हेंभवनाहीं६४॥
घनाक्षरी॥ जैसेभानुकिरणिबढ़तह्वीप्रकाशबढ़ैआदिअंतमण्ड

लनदिनहींनरातिहै । तरुछायातरुहीमें मध्यदिनाआवैजब जौनतेबीचीनतौजलकीख्यातिहै । कारणमिलेतेसोनभूषणखड़ गलोहमृतिकातेपात्रवृक्षबीजसरसाति है । बनादासअन्तष्क रणजगहेतुत्योहींलीननिजरूपसृष्टिसकलबिलातिहै ६५ ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेशांतिखंडे भवदापत्रयतापविभंजनोनामद्वितीयोऽध्यायः २ ॥

अन्तष्करणबलक्षीणहोतत्योंहीनाहिं जौलगिनरामपंददृढ़ अनुरागजू । बिनाप्रेमरूपनमिलतकोटिसाधनतेजाकेउरप्रकट सोअतिभूरिभागजू ॥ रामरूपपावैनस्वरूपज्ञानकैसेलहैजंनम अनेकनकोनानामललागजू । बनादासतातेरामरूपऔस्वरूप ज्ञानप्रेमहूकोहेतनामजगतबिरागजू ६६ ॥ सवैया ॥ लीनभयो परब्रह्मविषयमननीरअगाधपस्योगजजैसे । कौनिहुंतापउठैनहि येबिचआगिभुनोबियजामतकैसे ॥ धन्यहैसन्ततिहूपुरभूषणदू षणहींनहैशोभितऐसे । दासबनानभज्योंबिनवारिदऔशरदाश शितेउनतैसे ६७ धन्यहैसन्तकीसंगतियाजगजासममुक्तिनको असंजाने ।' अर्थऔधर्मकीकौनकहैबिधिलोकहुबासनहींमनमा नै ॥ हेरेमिलैनकहूंउपमाश्रुतिशारदशेषगणेशबखानै । दासब नानमहैशहुपारसोंमैंकेहिभांतिकरौंपहिंचानै ६८ ॥ घनाक्षरी ॥ पावैउरचैनतबपलकनलागैनैनबोलतनबैन सैनजानैकोऊसाधु जू । कहांदिनरैनिलख्योआनँदकोऐनपटतरकोऊहैनब्रह्मसागर अगाधजू ॥ रह्योमैनतैनपौनप्रकृतिजोगौनअबकहैजौनकोऊनं हींलेशभयबाधजू । कैनआवैसाधनचितैनआवैरागद्वेषहैनआवै दूषणारितैनपलआधजू ६९ ॥ सवैया ॥ नामऔबर्णअकारहै अञ्जनब्रह्मनिरञ्जनरूपनरेखा । इन्द्रियऔमनबुद्धिसेभिन्नहैता हिमिलैनहिंलागनिमेखा ॥ जाग्रतस्वप्नसुषोप्तिसोहैपरनेतिकहैश्रु तिकैबहुलेखा । दासबनानहिंआवैनज्ञोग्यहेरायसोआपुजोताकहं देखा ७० चक्षुबिलक्षणज्ञानसोंलक्षहैपक्षऔपातबहैबहुतेरे ।

शास्त्रनकोंमतंवादनटूटतंकूटतहैमुखमूरुखकेरे ॥ आपुप्रकाशते आपुलखावतज्योंरविहीनहैंआंखिअँधेरे । दासबनातिमिभक्ति बिनाभवभर्मतहैंअतिजीवघनेरे ७१ ॥ घनाक्षरी॥ जैसेब्रह्मअचल अचलत्योंहींदृष्टिमाहिंमनक्रमबचननस्वादकहिजातहैं । मूकके सोनांदहैंअवादबसुयामतहांकहादेशकालकहैंकाहूसोंनबातहैं ॥ हरषनशोकतीनिलोकमाहिंदशाभिन्नखिन्नप्रियलागतनउपमाआ मातहैं । बनादासआसत्रासबासनाबिनाशभईगईदेहबुद्धिअबक छूनसुहातहै ७२ अचलअखण्डपरिपूरनेरदूरिनाहिंश्वेतपीतअ सितहरितऔनलालहै । सूक्षमसुतंत्रसर्वज्ञआवरणबिनदिनहै नरातिहोतनाहींवृद्धबालहै ॥ अगमअगोचरगोतीतज्ञानगम्य गुरुएकहैनदोयतीनिकालहूकोकालहै । बनादासबाससबहियेमें प्रकाशअतिआनँदकोसिन्धुसन्तताहिमेंबहालहै ७३ जोईभानु भासकप्रकासकसकललोकरूपरेखबिनअतिअगमअपारहै। अ मलअगोचरअलखगतिजानैकौन नेतिनेतिबदैंवेदचारिबारबार है ॥ सोईसर्वज्ञसुखसागरभगतहेतश्रुतिसेतपालकमहीपकोकुमा रहै। बनादासदानखड्गसूरछबिकोटिकामरामऐसो नामअवतारस रदारहै ७४ घटमठभेदभानिजानिदृढ़एकब्रह्मपरमप्रकाशनिराका शऔसघनहै। आदिमध्यअन्तहीनजीरननवीननाहिंसूक्षमस्वतं त्रपरेचित्तबुद्धिमनहै ॥ फालगौमेंनीरजैसेजौहरकृपाणमारिक्षीर मध्यघृतत्योंहीपूरितगगनहै । बनादासबरणअकारनामभिन्नहो यहैरैनगगनफिरिब्रह्ममेंमगनहै ७५ ॥ सवैया ॥ सूरतिगौनकरै नदिशादशजानीतबैअतिठोसकसाहै । ठौररहीमिलिपानीसेपा नीसेजानैसोईकहैकौनदशाहै ॥ भारूशरीरभईजनुभारसेयाजड़ बीचकरैयोंबसाहै । दासबनापरवाहनहींकछुबन्दतकोअरुकौनहँ साहै ७६ ॥ घनाक्षरी ॥ हानिलाभशोकमोहकामकोहद्रोहजाय बासनाबिनाशआसतृष्णाकोनलेसहै । इन्द्रीमनशांतिबुद्धिशुद्ध भावप्राप्तिहोयअहंकारनाशचित्तचञ्चलनदेशहै ॥ संशयविनाश

अभयआलसअतीतअतिनींदभूखस्वच्छमम्वारतोबिशेषहै। बनादासरागद्वेषदीरघबिकारत्यागि भागिमतवादमुक्तजीवनहमेशहै ७७॥ झूलना॥ हियेपरकाशतबमोहनिशिनाशफिरिकहांभवपाशअभ्यासभारी। प्रलयनहिंसृष्टिएकदृष्टिनितब्रह्ममयजबैबिज्ञानकादीपबारी ॥ कामदक्रोधगतबोधवीवेकमयजरोजंजालजगशलभझारी । बनादासबाहालनिजरूपमेंरैनिदिनदेशंमहिंकालगतितासुन्यारी ७८बोधअगाधफिरिसोधकाकोकरैचित्तनीरोधसुठिसहजभांती । पौनबिनगौनजलबीचिकैसेउठैप्रकृतिभैथकितपुनिदिवसराती ॥ कुम्भपरिपूर्णफिरिशब्दकरतानहींउड़ैक्योंपङ्कबिनुबिहँगजाती। बनादासअन्तरबहिरअचलत्योंसन्तजनब्रह्मरसचाखिरहिसुरतिमाती ७९ ॥ सवैया ॥ आतमतत्त्वअनित्यलखैजगताहिकछूकरनोनरहाहै। आठोयामछकेअभिअन्तरकालहुकीमतिनाहिंतहांहै ॥ जानिसकैकोउभेदनहींकछुमारगझीनअतीवगहाहै। दासबनागतिनाहींपिपीलकीटाड़ोलदायकोजायतहांहै ८० ॥ घनाक्षरी ॥ भूतऔभविष्यवर्तमानब्रह्मसत्यएकमायाकोप्रपञ्चसबबीचहीकोबीचहै। केरातरुसारनबिचारकरैबारबारजेवरीमेंसांपमानेनरमहानीचहै ॥ जनमअनेककोअभ्यासपरोमोटोसुठिताहिकरिफेरिफेरिपरैमोहकीचहै । बनादासबाटिकाअकाशफलीफूलीदेखिबिबिधप्रकारकरिमृगवारिसींचहै ८१ सेमरकोसुमनसयानोमानिसेवैनितिधुवांकोधवलधांमरचेबारबारजू। कमठकेरोमकरिरोमरोमबांधिगयोल्लावतगोहारिबूड़ोंमृगजलधारजू ॥ ससारसिंगिशालतहियेमेंचोटभांतिबहुबांझिनकोनातिबनिबैठतेगँवारजू । बनादासफटतअकाशसियैमंदमूढ़होतनअरूढ़शीशधरैभवभारजू ८२ ॥ सवैया ॥ ज्योंनभमेंपरिपूरणपौनतेहीबिधिब्रह्मभरासबठौरहि । जैसेअकाशमेंनीलतापेखियेऐसहिजक्तनहींबिधिऔरहि ॥ कांचकेमन्दिरमेंगृहपालमखोनितभूंकिनपावतकौरहि । दासबनाकरिकैकरुणारघुनाथसुभाव

तआपनेऔरहि ८३ बृह्मसरोवरमेंजगबुदबुदउधमलीनभयोनि जठौरहि। कोजलबीचिकोभिन्नसकैकरिभूलिदिशाभ्रममानतओ रहि॥ छूटैनहींजड़चेतनगांठिअनेकनसाधनमेंनितदौरहि। भा नुबिनानिशिकोनहरैपहिंचानेननामसबैशिरमौरहि ८४॥ छप्पै॥ दृष्टादृष्टअदृष्टरहैनिशिबासरजबहीं। नहींबासनालेशबृह्मसुखपा वैतबहीं॥ नहिंसंकल्पबिकल्पबुद्धिदेहींजबछूटै। रागद्वेषपरिहरै निषेदोबिधिजबटूटै॥ मनकीसबआशातजैहरदमजीवतहीमरै। कहबनादासबलरामउरभवसागरतबहींतरै ८५ पायोसहजस्व रूपबोधदृढ़निश्चयआयो। आसबासनानासहजभवासिन्धुसु खायो॥ तृणसमत्यागैवेदश्रुतीआवैगुहरावै। पदरजसेतजिमो हिंनेकसंकोचनलावै॥ मत्तरहैनितबृह्मसुखकहांदेशओकालहै। कहांनिशिदिनकहदिशिबिदिशिजबरसएकबहालहै ८६ नहिंई श्वरभयताहिअपरकीडरकाआवै। कहांकालकहँमृत्युस्वर्गकान रककहावै॥ कोबूड़ाकोतराभर्मसमसारोरचना। कहाशास्त्रमत बादसिरान्योबहुबिधिपचना॥ ताकोसुखजानतसोईऔरनबूझन हारहै। कहबनादासअतिअगमगतिभयोतिहूंपुरपारहै ८७ स्वर्गनरकअपवर्गसकलमनकारणजानो॥ मृत्युलोकपातालशास्त्र अरुवेदपुरानो॥ प्रलयसृष्टिथितिअहैसर्वमनभीतरमाहीं। चौ रासीलक्षयोनिसकलमनकोभ्रमआहीं॥ यथाबीजसबमाहिंबि यमासएकादशनहिंजमै। कहबनादासउपजततबहिंजबआवत पांवससमै ८८॥ रेखता॥ गयाजोहोयसोजानैनहींतहंआगिपानी है। नहींमहिपौननभतहँवांकहांदीजैनिसानी है। हरितनहिंपीत सितअसितौनहींराताद़िखाताहै। नहींबारानहींबिरधायुवानहिं जातआताहै। नहींकारानहींगोरानहींपीनानखीनाहै। नहींदाता नहींमँगताधनीसोनाहिंदीनाहै।सुबूनाहिंशामहैतहँवांनहींशशिसू रपरकासा। नहींमधिआदिऔसानानहींस्वामीनदासाहै। नहीं मतबादशास्त्रोंकानहींतहँबेदरीचाहै। नहींगुणतीनपैठारीनहीं

ऊँचाननीचाहै । नहींसोदूरिनहिंनेरेखुलांऔनाहिंघेराहै । नहींलां
बानहीं चौड़ानहींसरितानबेराहै । भटकतेलोगबहुतेरेपढ़तेशी
शहैंलाखों । करैकोइयत्नबहुतेरीपरैनहिंपेखिइनआंखौं । भरारस
एकपरिपूरणमहाआनन्दहैकूजा । बनाजोबूझमेंआवैसदाएकैनं
हींदूजा ८९ ॥ दण्डक ॥ अचरचररूपहरिचतुरदशभुवनलखि
दृष्टिइकनींदबसुयामसोवे । शांतिपर्यंकबीबेकअस्थानमेंमोहनि
शिबिगतभवदुःखखोवे ॥ शोकसन्तापचिन्ताअमितचूरभेतीव्रतृ
ष्णाभईनाशआशा॥ बासनावृन्दसुठिबीजसंसारकोकपटपाखण्ड
दलदम्भनाशा ॥ कामक्रोधादिमदलोभबैरीमरैमानमत्सरमनोर
थबिगोये ॥ सकलसन्देहपरवेहनिरखब्रकहांअभयआनन्दबहु
प्रकृतिखोये ॥ तिरथव्रतयोगजपयज्ञआचारतपपाठपूजापटकि
भयेन्यारे । पापअरुपुण्यभेसुन्निदोऊबीजअतिबिधिउनीषेदश्र
मसकलहारे ॥ रागनहिंद्वेषपुनिहानिगिल्यानिकहँकहायमकाल
कंहमौतभोड़ी । स्वर्गअरुनर्कअपबर्गकोभाननहिंकहांमृत्युलो
ककेहिहाथबोड़ी ॥ प्रलयनहिंसृष्टिएकदृष्टिअतिइष्टभोनिष्टबि
ज्ञाननहिंदिवसराती । देशअवकालदिशिबिदिशिकोख्यालनाहिं
ब्रह्मरसएकरहिसुरतिमाती ॥ मोरऔतोरभककभोरकोवोरभो
एकआंतमपरमतत्त्वपाये । सच्चिदानन्दपरब्रह्मनाहिंदूसरामहीहै
यहीकैवल्यगाये ॥ सदारसएकअन्तःकरणबोधजबबहुरिनहिं
जीवकरिकबहुमाने । यहीपरधामनहिंठामकोईबसान्सांअतिचू
ढ़ीफिरिकाहजाने ॥ शांतिकैवल्यअरुज्ञानबिज्ञानबैराग्यऔभ
क्तितुरियाकहावै । क्रमैक्रमचढ़तऊंचेकसबजानकिमिचलतमग
यथामूकामपावै ॥ चलाशतकोसकोजौनबीचेबसामिलैमोसकल
निजसमयपाहीं । पुर्बपरभेदजहँतहांग्रन्थनबिषेजानहारालखै
औरनाहीं ॥ बनादासठेकानएकजासुउरनहींरहैतहँठहरिसोशां
तिहोवै । बचननमनबुद्धिपरकहैसोकौनिस्निधिगूंगआसैअहैनाहिंगो
वै ९० ॥ सवैया ॥ ब्रह्ममिलैकरसाधनकैसबशांतिकैवल्यस्वरूप

कहेहैं। ज्यौंघृतशुद्धनसंशयहैयामहँऊष्णऔशीतलभेदलहेहैं॥ भक्तिसेशांतिकैवल्यभोज्ञानतेदोऊभलेभवतापदहेहैं। दासबना जिमिइङ्गलापिङ्गलाचन्ददिवाकरनामरहेहैं ९१ ॥ घनाक्षरी ॥ तत्त्वकोबिभागकरिछानिजड़चेतनकोएकब्रह्मदृष्टिज्ञानताहीकोब खानेहैं। नवधाकहीसाधनकोदशधाप्रबाहप्रेमनेमनअचारश्या मरूपउरआनेहैं॥ पराहैएकादशमिलतनिराकारब्रह्मज्ञानहूंसेऊं चीदशाकोऊजनजानेहैं। तीनिगुणरहितत्रिलोकसुखतृणतुल्य बनादासताहिकोबिरागसन्तमानेहैं ९२ ज्ञानतेबिज्ञानअन्तसि द्धिकैवल्यहीतपरातेहैशांतिमनबचनतेपारहै। पक्षपातरहितनि षेधबिधिनाहिंतहांतीनिउमुकामसन्तजानैनिराधारहै॥ अच्छ भानुअंशहैबिलोकैपुनिताहिबलदिनमणिहीनसोईदेखैअँधियार है। बनादासऐसेरामकृपाकैप्रकाशकरैआवैभलीभांतिसरासार कोबिचारहै९३ क्षीणपुरुषारथमलीनशोकमोहबुद्धिचिन्ताउत्सा हगतहिंसामाहिंप्रीतिहै। अशुचिअदृश्यनींदआलसऔदीनउ रपायमेंनिरतयहतमगुणरीतिहै॥ नानाबिधिभोगरुचिउद्यमबि स्तारबड़ोहाथीघोड़ाराजचाहसबहीसोंजीतिहै। उरअभिमान तोषपायेनत्रिलोकसुखबनादासरजोगुणबहुप्रीतिनीतिहै९४त्या गिकैनिषेधबिधिनिरतसदाहिचित्तसाधुसुरगुरुसेवातीरथबरतजू आश्रमबरणधर्मविहितमयउत्साहभक्तिऔबिरागज्ञानसाधनक रतजू॥ लज्जानीचकरममेंकबहूंनझूठभाषैअन्तरऔब्रह्मशुद्ध पापकोडरंतजू। हृदयउदारउपकारपरप्रियसदाबनादाससतोगु णसमुझिपरतजू ९५ तिहूंगुणवृत्तिबिषेअभ्यन्तरमेंब्रह्मसेअभे दज्ञाननितिदृढ़गहे हैं। सुखीनिजआतममेंसदासुखीसमाधिस्थ चित्तसुखदुखसमनहिंकर्मकांडबहेहैं॥ जोकछुशरीरपायगुणब्रत मानहोतइन्द्रीगुणगुणहीमेंबरतायरहेहैं। बनादासमुक्तिउकीचा हनाकदापिकालताहीकोपुराणबेदगुणातीतकहेहैं ९६ ॥

इतिश्रीउभयप्रबोधकरामायणेशांतिखण्डेतृतीयोऽध्यायः ३॥

कुण्डलियां ॥ निजस्वरूपपायेनहींतौसाधनकाकीन । पैया
कूटेभांतिबहुपलटिनभेजलमीन ॥ पलटिनभेंजलमीनछीनदिन
दिनजिंदगानी । देखीदेखागईसमयपरमौततुलानी ॥ बनादास
बसिकामनाभयेघरैघरदीन। निजस्वरूपपायानहींतौसाधनकाकी
न ९७ कियेउपायअनेकबिधिदेहबुद्धिनाहिंटूटि । मारेमनठौरेन
हींइन्द्रिनलीनेलूटि ॥ इन्द्रिनलीनेलूटिचित्तचूरणनहिंकीना । रहे
नरामैरामभयोहंकारनछीना ॥ जड़चेतनकीगांठिजोबनादासन
हिंछूटि । कियेउपायअनेकबिधिदेहबुद्धिनाहिंटूटि ९८ नानादृष्टी
नागईजहँलैहैसबसृष्टि । श्रुतिपुराणमतसन्तकोसिद्धभयोनहिंइ
ष्टि ॥ सिद्धभयोनहिंइष्टकृपारघुनाथनकीना । रामनामओरूपभ
योनाहींजलमीना ॥ बनादासतबहींभलाहोयसमिष्टीदृष्टि । नाना
दृष्टीनागईजहँलैहैसबसृष्टि ९९ नामजपेकोयहीफलउरआवैसु
तभूप । पावैसम्यक्बोधकोनिश्चयशुद्धस्वरूप ॥ निश्चयशुद्धस्व
रूपनहींसंशयउरमाहीं । आशातृष्णानाशसकलबासनाबिला
हीं ॥ बनादासधोखेनहींफेरिपरैभवकूप । नामजपेकोयहीफलउर
आवैसुतभूपं १०० जोचेलानाहींभयापलटिगुरूकारूप । कसरि
परीप्रारब्धमेंभजनकियानहिंखूप ॥ भजनकियानहिंखूपखेलमें
जावैचूंका । तीरगयोजबछूटिमिटैनहिंमनकीहूका ॥ बनादासन्टप
कोतनयजैसेहोवैभूप । जोचेलानाहींभयापलटिगुरूकारूप १ गु
रुचेलारघुनाथजूआतमएकसमानि । अबदूजानहिंरहिगयाज
हांकिऐसीबानि ॥ जहांकिऐसीबानिकौनिबिधिसुखकोउगावै । ध
चनबुद्धिमनपारलखैजोजायसमावै ॥ बनादासनिजनिजठौरबने
कछूनहिंहानि । गुरुचेलारघुनाथजूआतमएकसमानि २ कृपा
अद्वैतहोतनहिंबूझैबूझनहार । श्रुतिपुराणमतसन्तकोऐसाचही
बिचार ॥ ऐसाचहीबिचारशिष्यगुरुएकसमीपा । कहेआतमाए
कबरतहीबुझिगोदीपा ॥ रहैचरणकीधूरिह्वैजुरैनएकोबार । कृ
पाअद्वैतहोतनहिंऐसाचहीबिचार ३ जोईश्वरमानैनहींनास्तीक

सोहोय । कौसांधूऐसाअहैईश्वरदेइबिगोय ॥ ईश्वरदेइबिगोय
ताहिकेमुखमसिलागै । करैभजनउपदेशमोहरजनीमेंजागै ॥ प्री
तिप्रतीतिदृढ़ाइयेहरिकीहरिदिशिजोय ।जोईश्वरमानैनहींनास्ती
कसोहोय ४ गांवठांवतीनिउँबनेदेखैभलेबिचारि । जहांअद्वैतभे
दद्वैतहांद्वैतमेंहारि ॥ तहांद्वैतमेंहारिभराहैसागरएका । उपमा
नहिंकहिमिलैसन्तकाधन्यविवेका ॥ कलाकुशलसोजानिहैऔ
रनसकैसँभारि । ठांवठांवतीनिउँबनेदेखौभलेबिचारि ५ श्रुतिपु
राणमतसन्तकोभाषततत्त्वनिचोरि । पक्षपातकीबातनहिंकौनिह
कीकतिमोरि ॥ कौनिहकीकतिमोरिसकलउरप्रेरकगावै । लेयमा
निजोआपुबहैकहुँथाहनपावै ॥ बनादासजोकछुबनैसोप्रभुकीमम
खोरि । श्रुतिपुराणमतसन्तकोभाषततत्त्वनिचोरि ६ श्रुतिपुराण
सम्मतकहैप्रीतिसदानिबहन्त । पक्षपातकीबातनाहिंयहीमतोहैस
न्त ॥ यहीमतोहैसन्ततिहूँएकैमेंसाना । जहँवांजैसनहोयकहैतहँ
सैसठिकाना ॥ कर्मउपासनाज्ञानहैआदिमध्यऔअंत । श्रुतिपु
राणसम्मतकहैप्रीतिसदानिबहंत ७ बीतेदिनशोचैनहींआवनकी
नहिंआस । बर्तमानशोचैनहींरामदुवारेबास ॥ रामदुवारेबासना
ससहजेजगआसा ।नहींबासनालेसभजनहैस्वासास्वासा॥ बना
दाससंशयनहींकटैकालकापास । बीतेदिनशोचैनहींआवनंकीन
हिंआस ८ शुद्धशरणजादिनभयोजीवतमरनमुकाम । बनादा
सवाहीघरीलहैपरमबिश्राम ॥ लहैपरमबिश्रामकामसारासिधि
होवै । बाकीरहैनकोयतुरतभवरोगबिगोवै ॥कोरेकागज़लिखिक
होंसद्यलेयपरधाम ।शुद्धशरणजादिनभयोजीवतमरणमुकाम ९
जेजनभूलेरामकोउनकीकौनहवाल । जोआवैसत्सङ्गमेंउलटिब
जावैगाल । उलटिबजावैगालजगतजालेअरुझाने । नफाकि
कौनहवालहानिमूराहिमेंआने ॥ बनादासअजहूंभजैसुधरिजाय
तत्काल । जेजनभूलेरामकोउनकीकौनहवाल १० देखैनहींश
रीरदिशिजगसेआतमभिन्न । ज्ञानचक्षुलखिपरतहैक्योंजानैम

तिखिन्न ॥ क्योंजानैमतिखिन्ननैनहियरोगघनेरा । नहिंआयेगु
रुशरणभयेनहिंहरिकेचेरा ॥ पावैसहजस्वरूपकोबनादासभव
छिन्न । देखैनहींशरीरदिशिजगसेआतमभिन्न ११ महीब्रह्मपर
धामहौंब्रह्महमारारूप । अजअनीहअवछिन्नहैयहांकहांभवकूप॥
यहांकहांभवकूपरूपअपनोजिनपाया । कहांकालकाजालतहांन
हिंतिरगुणमाया ॥ बनादासमनबुधिबचनआवैनहींअनूप । म
हीब्रह्मपरधामहौंब्रह्महमारारूप १२ नारीमनतेदूरिभैगेचौरासी
नांच । यामेंकलुसंशयनहींमानोमनकरिसांच॥मानोमनकरिसांच
पांचकेफन्दनपरिये । तिन्हैंकहांसंसारकबहुंयमकालनडरिये॥
बनादासबिषयहिअहैजीवईशबिचकांच । नारीमनतेदूरिभैगे
चौरासीनांच १३ बिषयरहितसोईरहैबिषयसहितसोजीव ॥ ज
बहिंबिषयरहिजायनहिंकौनजीवकोसीव ॥ कौनजीवकोसीवप्रकृ
तिकारणकोसारा । भक्तिज्ञानबैराग्यशांतिकहप्रकृतिगुजारा॥ ब
नादासतियगोतसोइजबहींपायोपीव । बिषयरहितसोईरहैबिषय
सहितसोजीव १४ भूठाबरणअकारहैब्रह्मभराचहुंपास । दशौ
दिशारसएकहैइकऋतुबारहमास ॥ इकऋतुबारहमासमिलैसं
सारनहेरे । लह्योसकलफलसुकृतभेदसाहबनहिंचेरे ॥ बनादास
जिमिनभपवनजलपैसुमनहिंबास । भूठाबरणअकारहैब्रह्मभरा
चहुंपास १५ शांतिभयासबअंगसेआयोजाकेदृष्टि । जैसेपक्षीपं
खबिनएकठौरपैतिष्ट ॥ एकठौरपैतिष्टकर्मज्योंअंगसमेटे । बारह
प्रगटेअवसिभराहोवैजोपेटे ॥ बनादासतबकाकहैभयोआतमा
निष्ट । शांतिभयासबअंगसेआयोजाकेदृष्टि १६ जबैशांतिसर्वा
ङ्गभोमतमतांतनहिंकोय । शांतिसुखोपतिसोवतेकछूभाननहिंहो
य ॥ कछूभाननहिंहोयतुहिनवोरागालिपानी । मीनभईजबनीर
द्वैतकैसेपहिचानी ॥ मनबुधिबाणीपरेहैबनादासलखिसोय । ज
बैशांतिसर्वाङ्गभोमतमतान्तनहिंकोय १७ द्वैताद्वैतअनूपमत
आदिअंतनिर्बाह । मध्यहुमेंसन्देहनहिंहरिकेहाथनिर्बाह ॥ हरि

केहांथनिशेहहियेकोज्ञानप्रकाशै । जोपालतकरिकृपाकरतनहिं ताकीनाशै ॥ बनादासबांकोबिरदकोउनपावतथाह । हैताहैतअनूपमतआदिअंतनिर्बाह १८ जलबोराहिमउभयनहिंभूषणकनकसमान । बारिबीचबाणीअरथलोहखड्गनहिंआन ॥ लोहखड्गनहिंआननृपतिनृपकोसुतहोई । तियपियकोअर्धङ्गसखामेंभेदनकोई ॥ बनादासचलेगुरूचारिउयुगपरमान । जलबोरीहिमउभयनहिंभूषणकनकसमान १९ जीवईशकाअंशहैनिश्चयएकनकीन । कौनभेदयामेंपड़ानिजनिजमतलवलीन ॥ निजनिजमतलवलीनजीवईश्वरदुइनाहीं । एकजातियकभावरूपयकसङ्गैमाहीं ॥ बिषयगहेछुतिहाभयामहाकरमकाहीन । जीवईशकाअंशहैनिश्चयएकनकीन २० सोईइच्छाईशकीयामें संशयनाहिं । प्रथमकरमयाकेकहांकहाबिषयरसमाहिं ॥ कहाबिषयरसमाहिंबिलगजबजीवहिकीना । जबहिंगयाघरछूटिहोनचाहैतबदीना ॥ बनादासईश्वरकृपाजैहैईश्वरयाहि । सोऊइच्छाईशकीयामेंसंशयनाहिं २१ चिनगीदीपमसालपुनिअगिनिएकहीरूप । बोतपोततरुबीजहैन्यारेनहिंरबिधूप ॥ न्यारेनाहिंरबिधूपऊखरसहोतिमिठाई । जबहींगारैघोरिपलटिकैरसैकहाई ॥ महिमकानदूजाकहा हैताहैतैखूप । चिनगीदीपमसालपुनि अगिनिएकहीरूप २२ चतुरव्यूहअवतारभो रामभरतरिपुदौन । लक्ष्मणहूँयुतएकहै यामेंसंशयकौन ॥ यामेंसंशयकौन पितासबहींकोएका । बांटेहींसाचारिसुवनदुइदुइनअनेका ॥ जन्मौजात्रएकसँग चारिउआनँदभौन । चतुरव्यूहअवतारभो रामभरतरिपुदौन २३ कृष्णऔरबलरामभे याहींभांतिनभेद । अनिरुद्धौपरद्युम्नपुनिऐसहिबरणतवेद ॥ ऐसहिबरणतवेदखेदमानतनहिंकोई । चहूँएकपुनिचारिलेउहियनैननजोई ॥ काराछेपरत्यक्षका धोखेविधिभालिषेध । कृष्णऔरबलरामभे याहीभांतिनभेद २४ सीताऔरघुनाथको कहौउभयकिनकीन । जलबी

चीबाणीअरथ उपमाताकोदीन ॥ उपमाताकोदीनकृष्णराधास
मगाये। गोलोकौनाहिंभिन्न एकहीरूपकहाये ॥ उपजेसांचीप्री
तिजब ह्वैजावैजलमीन । सीताऔररघुनाथकोकहोउभयकिनकी
न २५ देहधरेमेंरीतियह निराकारबिनदेह । ईश्वरजीवस्वरूप
थक निश्चयजानौएह ॥ निश्चयजानौएह भावरसभेदअपारा।
हरिजैसेकोतैसपुराणौवेदपुकारा ॥ निश्चयद्वैताद्वैतमत कोदेखै
परवेह । देहधरेमेंरीतियह निराकारबिनदेह २६ देहींमायामय
सदा जडअशुद्धदुखरूप । विष्ठावाकृमिभस्महै अन्तेजासुस्वरू
प ॥ अन्तेजासुस्वरूपबीजरजआदिबखाना । मध्यउपद्रवखानि
कोईबिरलापहिचाना ॥ बनादासआतमसदातनतेपृथकअनूप।
देहीमायामयसदा जड़अशुद्धदुखरूप २७ जबहींआयोमानउ
रतबहींज्ञाननसान । मानदीजियेआनको जोतेहिलागिभुखान ।
जोतेहिलागिभुखानदानदीनहिकोनीका । घरमेंदामकरोरिपान
कोउदियासोफीका ॥ बनादासशोभाअहैज्ञानीसदाअमान । ज
बहींआयोमानउर तबहींज्ञाननसान २८ थूलभानतेहोतहै जड़
अकाशकाज्ञान । जबअस्थूलअभावभो गगनब्रह्मनिर्बान ॥ ग
गनब्रह्मनिर्बानभराचेतनयकधारा। आदिमध्यनहिंअन्तसामना
हींभिनुसारा॥बनादासनिशिदिनकहादिशिउाबिदिशिनाहिंजान ।
थूलभानतेहोतहै जड़अकाशकाज्ञान २९ अपनीदेहींझूठजबझू
ठासबसंसार । पारकहासोपारहै वारकहासोवार॥वारकहासोवार
नेकशंकानहिंआनै । वृद्धमुक्तकीहालआपतजिऔरनजानै ॥ ता
हीकोमुखमीठजो मीठाखानेहार । अपनीदेहीझूठजब झूठासब
संसार ३० भवनभरीबहुद्रव्यहै कँगलाकहैजोकोय । बनादास
सोवचनसुनि अतिहीआनँदहोय ॥ अतिहीआनँदहोयअधिक
जोहोयभुखाना । लाखोंकहैअघानतासुमननेकनमाना ॥दुलहि
निदुलहासँगसुखी जगदेखतदियेरोय । भवनभरीबहुद्रव्यहैकं
गलाकहैजोकोय ३१ चालचलैगजमत्तजिमिकुतियाभुकैअनेक ।

वाकोकछूनभानहोंनिजसुखनहिंकहबेक॥ निजसुखनहिंकहिबेकभू
ककेस्वादसमाना। कहैनगोवेसोइगोरकरिलोगनजाना॥ बना
द्वासचातकसुखीसदास्वातिकीटेक। चालचलेगजमत्तनिजकुति-
याभुकेंअनेक ३२ भक्तिगरीबीराहबहुभलाबुराकहिजाय। पुर
बाईपछियावसमहियेनबेधैआय॥ हियेनबेधैआयमरेकोमारेको
ई। वाकेकछूनभानहाथदूखैंगोसोई॥ बनादासज्योंदूबकोगदं
हाथीचरिखाय। भक्तिगरीबीराहबहुभलाबुराकहिजाय ३३ जो
कछुपरैसोसबसहैताकोसाधूनाम। मानसुखीअपमानदुखयहदु
नियांकोकाम॥ यहदुनियांकोकामकरैजोकोटिबड़ाई। रहैआप
नीठौरनहींउरसकैजनाई॥ जोकोऊअपमानकरबनादासबसुथा
म। मानसुखीअपमानदुखयहदुनियांकोकाम ३४ जोकोटिकअ
नहितकरैतासुबिचारैनीक। चारिउयुगचलिआयहैयहसाधुन
कीलीक॥ यहसाधुनकीलीकचन्दनाहिंकाटिकुठारी। निजदिशि
देतसुगन्धतासुकैसीमहिमारी॥ऊखकोल्हूमेंपेरतेसोरसदेअतिठीक।
जोकोटिकअनहितकरैतासुबिचारैनीक ३५ मलोमूत्रमहिपरकरै
सोलागैह्योखादि। सुन्दरअतिहीभूमिथलखोदिकरैंबरबादि॥खो
दिकरैबरबादिपृथ्वीरसदेतघनेरा। तातेभारीसुयशलोकबेदोसब
टेरा॥ क्षमानामतातेपरेउकरणीअकथअनादि। मलोमूत्रमहिप
रपरैसोलागैह्योखादि ३६ सन्मुखबिमुखनकाहुदिशिशत्रुमित्रनहिं
बुद्धि। बनादासमहिमाअमितऐसीपायेशुद्धि॥ऐसीपायेशुद्धिकाम
धूकजिमितरु कामा॥सबकोसमफलदेतबड़ोबरदायकनामा। सम
तालहैंनसन्तकीनितमनहींसेयुद्धि। सन्मुखबिमुखनकाहुदिशिश
त्रुमित्रनहिंबुद्धि ३७ रसनादशनकीरीतिहैंसाधूऔसंसार। जीभ
भलाईभलकरैतेहिकाटतनहिंबार। तेहिकाटतनहिंबारघातपाये
नाहिंचूकै। हंसामोतीचुनैदिवसनहिंलखतउलूकै॥दांतउखारेआ
पुदुखऐसासाधुबिचार।रसनादशनकीरीतिहैसाधूऔसंसार ३८॥
इतिश्रीउभयप्रबोधकरामायणेशांतिखण्डेचतुर्थोऽध्यायः ४॥

मिलारहैसबभांतिसेसबदिननिरखैवेह। जोलखिपावेंछिद्रकहुँतुरि
तउड़ावैखेह॥ तुरितउड़ावैखेहदेहभरियाहींरीती। खीनचहैफल
चारितेहीलगिसारीप्रीती॥ साधुसँभारेरूपनिजतिनहींमेंनितगे
ह। मिलारहैसबभांतिसेसबदिननिरखैवेह ३९ देवबिरोधीसाधु
कोबैरीदेखैमूढ़। मोतेऊँचेजातहैसदाअकाजअरूढ़॥सदाअकाज
अरूढ़त्रासइन्द्रिनकेद्वारा। देखैविषयबयारिकपाटनखोलतबारा॥
बनादासकाकरिसकैंजोजानापदगूढ़। देवबिरोधीसाधुकोबैरीदेखै
मूढ़ ४० मायाकीगतिबिदितहैक्षणक्षणतकैंअकाज। परीनिगो
ड़ीवानिकसितनिकनआवेलाज॥ तनिकनआवेलाजकाजकीनो
निजचाहे। ज्ञानबिरागसहायभक्तिसबकालनिबाहै॥ बनादासते
हिकाकरैबसैरामकेराज। मायाकीगतिबिदितहैक्षणक्षणतकैंअका
ज ४१ कलिकरालकीकाकहैकमरकसेरिसिआय। जोकोउहरिम
गचलैताकीकरैउपाय॥ ताकीकरैउपायबिघ्ननानाबिस्तारैं। जाते
परैनपूरकूरनितयहीबिचारैं॥ बनादासमुखसुईकैनहींसुमेरुसमा
य। कलिकरालकीकोकहैकमरकसेरिसिआय ४२ तनरिपुमनरि
पुबचनरिपुबैरीधरैनधीर। बुद्धिचित्तहंकाररिपुदुशमनपंचसमीर॥
दुशमनपञ्चसमीरदशोइन्द्रीरिपुभारी। पञ्चबिषयबरियारकालकी
जनुमहतारी॥ आसबासनामहारिपुतृष्णाकीसुठिपीर। तनरिपु
मनरिपुबचनरिपुबैरीधरैनधीर ४३ तीनिलोकरिपुसाधुकोवेदौकरै
खँभार। विधिनिषेधनानारचेकर्मकाण्डविस्तार॥ कर्मकाण्ड
विस्तारनहींयकनिश्चयभाखै। भैरोचकसिद्धान्तव्यंगकोसंख्या
राखै॥ सबहिकियेसंकोचबशजीवपरेमँझधार। तीनिलोकरि
पुसाधुकोवेदौकरैखँभार ४४ सन्तगुरूरघुनाथजूसदासहायक
तीनि। तिहुँपुरबैरीकाकरै इनकीगतिअतिझीनि॥ इनकीगति
अतिझीनिछोहसबदिनकरिआये। परैविघ्नबहुआयतेहीमेंठा
वँदिखाये॥ साधुशान्तिभेताहितेलियेतिहूँबलबीनि। सन्तगुरू
रघुनाथजू सदासहायकतीनि ४५ सबबिधिपरदाराखते रामग

रीबनेवाज। देखिबड़ाईआपनी जोगवतजनकीलाज ॥ जोगव तजनकीलाजजगतमेंहँसीनहोई। आवैमेरेशरणबहुरिनिन्दाक रसोई ॥ बनादासबूझेवने वरणेहोयअकाज। सबविधिपरदारा खते रामगरीबनेवाज ४६ लोकऔरपरलोकको पलक्षणकरैसँ भार। पलकपूतरीतेअधिक मंजारीज्योंवार ॥ मंजारीज्योंवारस मुझिकृतजायबिकाई। रोमरोमरहत्रऋणीकहांबदलाबनिआई ॥ बनादासबलहीनकोरामैएकअधार। लोकऔरपरलोककोपल क्षणकरैसँभार ४७ बिनाहेतकल्याणकर सन्तएकजगमाहिं। उपमांहेरैंलोकतिहुँकहूँदूसरोनाहिं ॥ कहूँदूसरोनाहिंकरैबैरिहुको नीका। जाकेशत्रुनमित्रअगमअतितासुबिवेका ॥ बनादासदेखै भले लेहैंमोहिंनिवाहि। बिनाहेतकल्याणकर सन्तएकजगमाहि ४८ गुरुसेदाताकौनजग जिनकाटेभवफन्द। ताकोकृतमानैन हींतातेकोमतिमन्द ॥ तातेकोमतिमन्दईशभवजालमेंडारा। ता केबलकोतोरिबेगिगुरुदेवउबारा ॥ बनादासनाशेभलेकालहुंको दुखद्वन्द। गुरुसेदाताकौनजगजिनकाटेभवफन्द ४९ कहनसु ननकोतीनिहैं सन्तगुरूऔराम। तिहूंकालएकैअहैं समुझिदेखु परिणाम ॥ समुझिदेखुपरिणामकामतीनिउकोएका। कहँलैबर णैकौनस्वादजबमिलैबिवेका ॥ बनादाससाधैयही परमारथबसु याम। कहनसुननकोतीनिहैं सन्तगुरूऔराम ५० जेसुधरैसत संगमें दूजीनहींउपाय। चारिउयुगतिहुँकालमें चहूँवेदइमिगा य ॥ चहूँवेदइमिगायबुद्धिबलऔरबिवेका। कीरतिमतिगतिभु क्तिठांवजानीसोएका ॥ क्षमादयाऔशूरता धीरजधर्मनिकाय। जेसुधरैसतसंगमेंदूजीनहींउपाय ५१ पूरणहरिकीकृपाहै सत संगतिकोलाह। श्रुतिपुराणशास्त्रौअगमसतसंगहिमेंथाह। सत संगहिमेंथाह बहुरिसबजातहेराई। तपतीरथव्रतनेमयोगजपम खनसुहाई ॥ बनादासपांजंबै निजस्वरूपअवगाह। पूरणह रिकीकृपाहै सतसंगतिकोलाह ५२ ज्ञानभक्तिबैराग्यपुनि बिज्ञा

नहुँकाबोध । निर्गुणसर्गुणकामिलै सकलभांतिसेशोध ॥ सकल भांतिसेशोध रहैसंदेहनकोई । भवसागरअतिअगम क्षणकमें सोखैसोई ॥ बनादासबिनश्रमहितें होवैचित्तनिरोध । ज्ञानभक्तिबैराग्यपुनि विज्ञानहुकाबोध ५३ रागद्वेषराखैनहीं विधिनिषेधकीहानि । आसबासनानाशकै तृष्णातीब्रबिलानि ॥ तृष्णातीब्रबिलानि मोहकामूलउखारै । कामक्रोधमदलोभमानकोखनिखनिमारै ॥ दम्भकपटपाखण्डछलक्षणहींमाहिंनशानि । रागद्वेषराखैनहीं विधिनिषेधकीहानि ५४ सतसंगतिकेमहंतुकोशेष कहतसकुचाय । श्रुतिपुराणऔशारदाकोऊपारनपाय ॥ कोऊ पारनपायचारिमुखसकैनगाई।नारदऔरगणेशमहेशौकरतबड़ाई ॥ बनादासश्रीमुखकहैं मोहूँतेअधिकाय ॥ सतसंगतिकेमहंतुको शेषकहतसकुचाय ५५ पारसलोहाकनककर सतसंगतिकरसन्त । अतिहीअगमस्वरूपहैकोऊलहैनअन्त ॥ कोऊलहैन अन्तसन्तसमसन्तनआना । सन्तैपायेमरमअपरकोउसकतन जांना ॥ निजमाहिमातेऊँचजेहिभाषतश्रीभगवन्त । पारसलोहा कनककरसतसंगतिकरसन्त ५६ बनादासनामैभयो बिगरासकलौअंग्र। सोपायोसत्संगजबबेगिभयोभवभंग॥बेगिभयोभवभंग जंगकलियुगभीहारा । तंगभईभयकालगंगकीमानहुँधारा ॥ शुद्धभयासबांगते लगोरामकारंग ॥ बनादासनामैभयो बिगरास कलौअंग ५७ बनादासकोवशकहां मानहुँबनकीघास । बनैभईबनहींगईकोऊगयानहिंपास॥कोऊगयानहिंपासदासंपददुर्लभ ताको । इच्छासुरनरसबैकरतब्रह्मादिकजाको ॥ सोपायेसत्संग केसद्यहिपूजीआस । बनादासकोबशकहांमानहुँबनकीघास ५८ रामभलाईआपनी काकोभलानकीन । करणीकरतबकछुनहींस बअंगसेहीन ॥ सर्बअंगसेहीन दीनअतिहीबहुभांती । भाषत सांचीबातबदतनहिंठकुरसुहाती । बनादासबड़कामकिय मोहिं सत्संगतिदीन ॥ रामभलाईआपनी काकोभलानकीन ५९ कृत

समुझेरघुनाथको रोमरोमबिकिजाय। कोटिकलपलयउऋणनाहिं करैनिवेदनकाय ॥ करैनिवेदनकाय एकनहिंकोटिशरीरा । तब हुँकियेकछुनाहिं ऋणीसबदिनरघुबीरा ॥ शरणशरणभाषाकरैं पाहिपाहिप्रभुपांय। कृतसमुझेरघुनाथकोरोमरोमबिकिजाय६० पटतरसीतानाथकोहेरैमनबचकाय। तीनिलोकतिहुँकालमें चारिउयुगचलिजाय ॥ चारिउयुगचलिजाय चारिहूवेदथहावें॥ खोजेंशास्त्रपुराण कहूँउपमानहिंपावें। शारदशेशगणेशहूशिवब्रह्माथकिधाय । पटतरसीतानाथको हेरैमनबचकाय ६१ एकौ अंगनमिलिसकेसकललैआवेकौन। कहँघुँघुचीसुम्मेरुकहँरहैमनेमनमौन ॥ रहैमनैमनमौनकौनअसबुद्धिबिशाला। बरणैशीलसनेहरूपगुणदशरथलाला ॥ क्षमादयाऔतेजबलकरैंदीनदुखदौन। एकौअंगनमिलिसकेसकललैआवेकौन ६२ सकलोअंगअथाहहैरघुपतिकहसबकोय। तातेममअवगुणअधिकपारकहेकिमिहोय ॥ पारकहेकिमिहोयगोयराखौंकेहिलागी। बनोनए कौकामराममाफिकहतभागी। बनादासनिजओरसेब्छुरिबनावौसोय। सकलोअंगअथाहहैरघुपतिकहसबकोय ६३ अवगुणगुणकीविधिमिलीतौहूंनातालाग। याहूंमिसुकरुणाकरैतौभीपूरणभाग ॥ तौभीपूरणभागपलकमेंसकलनशावै । तूलकोटिसुम्मेरुआगिलागतिदहिजावै ॥ बनादासनिशिदिनचहैरामचरणअनुराग। अवगुणगुणकीविधिमिलीतौभीनातालाग ६४ करमबचनमनबुद्धिकरिभाषतहौंसतिभाय। कोरेकागजलिखिकहौंकहूंनमनठहराय ॥ कहूंनमनठहरायस्वप्नमेंआनठिकाना। रामनामअवलम्बकमलचरणनकोध्याना ॥ बनादासनिजरूपकोज्ञानकृपारघुराय। करमबचनमनबुद्धिकरिभाषतहौंसतिभाय ६५ तनमनइन्द्रीरुचिसदापालैअतिहितजानि । वेषबनायेसाधुकोरघुपतिराखतकानि ॥ रघुपतिराखतकानिलखतअपनीसिद्धाई। भूलिजांतक्षणमाहिंसमुझिनिजमानबड़ाई ॥ अन्तर्यामीजानिस

बलितकछूनहिंमानि । तनमनइन्द्रीरुचिसदापालैअतिहितजा
नि ६६ जन्मजंन्मभक्तीकरीइनहींकीहितमानि । तातेअजहूंछु
टतनहिंपरिगोपोढ़ीबानि ॥ परिगोपोढ़ीबानियतनआनतबहुते
री । परेउपोढ़अभ्यासनेकनहिंहोतनिवेरी ॥ तुम्हरैसबरचना
अहैकियेतुम्हारेहानि । जन्मजन्मभक्तीकरीइनहींकीहितमानि
६७ महिमाबूझैसन्तकीकामानैकोउसाधु । होनयोगंनहिंलखिप
रैअतिहीअगमअगाधु ॥ अतिहीअगमअगाधुकोऊअँगहोय
नकीना । हुंमडहुंमडमचारोगकोउलखैनभीना ॥ बनादासमन
बचनक्रमरामनामआराधु । महिमाबूझैसन्तकीकामानैकोउसाधु
६८ उरप्रेरकसीतारमणभाषेसम्यक्बोध । अपनीदशानलखिप
रैतातेपरतबिरोध ॥ तातेपरतबिरोधकहैसोदशानहोई । सबकोउ
झूंठावदैशास्त्रकासम्मतसोई ॥ सन्तनकोपीछालियेहरियशचि
त्तनिरोध । उरप्रेरकसीतारमणभाषेसम्यक्बोध ६९ साधुमानि
येजानिकारहीकसरिजौलागि । अबजैएकाकेशरणतुम्हरेपदसे
भागि ॥ तुम्हरेपदसेभागिनहींतिहुंलोकठिकाना । कालकर्मगु
णबलीतजतनहिंबांधेबाना ॥ असमंजसलागतअतिहिजरेननां
महुंआगि । साधुमानियेजानिकारहीकसरिजौलागि ७० सबप्र
पंचझूठाअहैयहीपरतहैजानि । सांचेतुमहींएकहौऔरसकलज
ड़मानि ॥ औरसकलजड़मानिझूंठमेंझूंठैखेलै । मतमतांतबहु
भयेताहिकरमिलतनमेलै ॥ हौतूंएकैकालतिहुंभलेपरखोपहिंचा
नि । सबप्रपंचझूंठाअहैयहीपरतहैजानि ७१ सुखझूंठेदुखझूंठ
हैझूंठैतनमनजान । गुणस्वभावझूंठेअहैंझूठेइन्द्रीप्रान ॥ झूंठे
इन्द्रीप्रानबुद्धिचितऔहंकारा । झूंठासबपरपंचझूंठअतिहीसं
सारा ॥ झूंठेकहनोसुननहैसत्यब्रह्मनिर्बान । सुखझूंठेदुखझूंठ
हैझूंठैतनमनजान ७२ तिहूंलोकझूंठेअहैंझूंठैमनकाख्याल ।
पुष्पितबाणीवेदकीसुनिभूलैबुधिबाल ॥ सुनिभूलैबुधिबालकाल
गतिजानिनजाई ॥ झूंठैमायाजालमेंसबझूंठेधाई । छोरनवाला

औरनहिंकेवलदशरथलाल। तिहूंलोकभूंठेअहैं भूंठेमनकाख्या
ल ७३ निराकारईश्वरसदाजीवबिनाआकार। जोवहसगुणस्व
रूपहेइहँऊतनब्यवहार॥ इहँऊतनब्यवहारअमलसुखराशिक
हावै। चेतनआतमनामसोईब्रह्मोठहरावै॥ भेदकौनबिधिमानि
येत्रिषयगहेमैंभ्रधार। निराकारईश्वरसदाजीवबिनाआकार ७४
तीनिउँगुणलयबिषयहेजीवईशकाभेद। गुणातीतजबहींभयोभे
दरहितकहवेद॥ भेदरहितकहवेदअहैत्रिगुणात्मकदेही। तासे
बुद्धीभिन्नलखैआतमाबिधियेही॥ बनादासनाहींतहांफिरिविधि
औरनिषेद। तीनिउँगुणलयबिषयहेजीवईशकाभेद ७५ निर
ब्यवहारस्वरूपहेंद्वैतरहितसबकाल। जाकोनामबिरक्तहैतहांक
हांजगजाल॥ तहांकहांजगजालकालसमलागतताहीं। देही
कीप्रारब्धिलगीसोसंगैमाहीं॥ बनादासबूझेबिनास्वारथबसि
ब्यवहार। निरव्यवहारस्वरूपहेंद्वैतरहितसबकाल ७६ दुखकी
आशायतननहिंबरबसभोगतसोय। सुखकीआशाअरुयतनमृ
षाकरैसबकोय॥ मृषाकरैसबकोयदुःखज्योंबरबसआवै। सुख
एहेतेहिभांतिलिखासोकौनचलावै॥ बनादासदोऊभ्रमैंहियआं
खिनतेजोय। दुखकीआशायतननहिंबरबसभोगतसोय ७७ दु
खसुखऔसतअसतसेशांतिभयेजनसंत। भोगतआतममोदको
पटतरकोउनलहंत॥ पटतरकोउनलहंतबुद्धिमनआवनबानी।
गुंगेकेसास्वादकौनविधिदेयनिशानी॥ बनादासकृतकृत्यभेभव
भ्रमकीनेअन्त। दुखसुखऔसतअसतसेशांतिभयेजनसन्त ७८
पराबुद्धिपरचैभईतरातबैसंसार। नहिंबिकल्पसङ्कल्पहेसूक्षमजा
सुबिचार॥ सूक्षमजासुबिचारछानिजड़चेतनडारै। आपौब्रह्मस
मायजायकोताहिनिकारै॥ बनादासयकदृष्टिहेशांतिबढ़ावनिहा
र। पराबुद्धिपरचैभईतरातबैसंसार ७९ हैनाहींकेबीचमेंब्रह्मक्रि
पासबकाल। पराबुद्धिलैकृअतिहैब्रह्मानन्दबहाल॥ ब्रह्मानन्दब
हालब्रहालखिब्रह्महोवै। ज्योंमदिराघटकोटिपरेसबसुरसरिजोवै॥

बनादासनहिंऔरविधिजरैजगतजञ्जाल । हैमाहौंकेबीचमेंब्रह्म छिपासबकाल ८० ॥

इतिश्रीमद्रामचरित्रेकलिमलमथनेउभयप्रबोधकरामायणेशांतिखण्डे भवदापत्रयतापविभंजनोनामपंचमोऽध्यायः ५ ॥

चेतनहंसबिहारकरसुन्निसरोवरमाहिं । बनादासमनबचनपु संचित्तसमावैनाहिं ॥ चित्तसमावैनाहिंकहैउपमाकिमिताको ।फि रिकछुनाहिंसुहाततताहिरसमेंजोछाको ॥ बिनातहांप्रापतिभयेशां तिदिखावैकाहि । चेतनहंसबिहारकरसुन्निसरोवरमाहि ८१ ए कदृष्टिआयेबिनाशांतिकौनिविधिहोय । एकंआपजंगरूपबहुई श्वरमायादोय ॥ ईश्वरमायादोयनिगाहनजावैखोटी । परमारथ पथछोंड़िगंगनकीपोवैरोटी ॥ बनादासयकआतमानिश्चयंकरैन कोय । एकदृष्टिआयेबिनाशांतिकौनिबिधिहोय ८२ ॥ रेखता ॥ करैंप्रारब्धकातोंबाज्ञानगुदरीअनोखीहै । शांतिपर्थंकज्योंअजग रंभांतियहिदेहपोखीहै ॥ जोइच्छारामकेआवैतेहीमेंनित्यराजी है । परातुरियाकेकुरियामेंसन्तसँगमेंसमाजीहै ॥ सुखीसुखमेंन दुखदुखमेंकरमकाभोगसाराहै । कियाधरिदेहसोभोगैमुभैजीतां नहाराहै ॥ बिरागौत्यागकासोंटाप्रेमपदकञ्जमोटाहै । लँगोटापे जकापाढ़ाबनासन्तोंमेंछोटाहै ८३ ॥ सवैया ॥ प्रथमैसतकर्मकरै हरिहेतभलींविधिसेफलआशबिहावै । त्यागिगृहाश्रमहोयउपा सकतौउरमोदकहानहिंजावै ॥ बरबसज्ञानदबायलियोरघुनाथकृ पातबघोतनशावै । दासबनालहिशांतिअनूपमसोसबअंगसेसा धुकहावै ८४ तीनिउँकाण्डभयेबिनुपूरकहौकिमिआवाऔगौन नशावै। एकशरीरमेंएकउदुर्लभतीनिउसिद्धिकृपाप्रभुगावै॥जन्म अनेककोसाधनभूरिभयेबिनमुक्तिकहांसनआवै । दासबनाश्रुति सन्तकोसम्मतऔरिप्रकारनभवरुजजावै ८५॥ कुण्डलिया॥ प रिपूरणसर्वत्रहौंआनँदसिन्धुसमान । आदिमध्यअवसानबिनुह मैंछोड़िनहिंआन ॥ हमैंछोड़िनहिंआनरहेनहिंअन्तष्करण ।

अबकोंकरैबिचारबचनंतेकेहिबिधिबरणा॥ बनादासआवेनहीं
लोकवेदत्तनभान। परिपूरणसरबत्रहौंआनँदसिन्धुसमान ८६॥
घनाक्षरी ॥ शांतिसिन्धुसुवननराखैसतअसतकोंजैसेबनमाहिं
आयेसाउजपरातहै।प्रबलपवनजैसेबारिदउड़ायदेतखगकुलके
तुकरैउरगकोघातहै॥ ऐसेआसबासनाउपायगुणबृत्तिनाशैसम
यकेआयेज्योंभरततरुपातहै। बनादासवेदविधिसाधनऔरखि
द्धिबहुबिनाआयेशांतिभवसिन्धुनसुखातहै ८७॥ सवैया॥ शां
तिशिरोमणिहैसबकोजेहिआयेकछूनहिंऔरसुहाई। कञ्चनज्यों
सबधातुनमेंपुनिभोजनमेंजिमिपायसगाई॥ ज्योंनरमेंनरनाहक
हावतऔखगमेंखगराजबड़ाई। दासबनाचहुंमुक्तिनमेंतिमिवेद
पुराणंप्रमाणसदाई ८८॥ घनाक्षरी॥ साधननखतसारेभानुसे
प्रकाशशांतिमुक्तिनमेंमुख्यमुक्तिजानतसुजानहै। वेदपैपयोधि
औउपनिषददधिसममाखनहैगीताकरैंश्रीमुखप्रमानहै॥ शांति
घृतबिशदपरैनजातेऔरकछुसन्तजनसबदिनकरतबखानहै।ब
नादासखायस्वादजानैसोईभलीभांतिषटरसब्यञ्जनन्नआवेअनु
मानहै ८९॥ सवैया॥ वेदपयोधिऔमन्दरज्ञानबिरागअहैरजु
जानुसुजाना।सन्तहैंदेवमथेश्रद्धायुतकाढ़ेहैसाधनमाखनन्नाना॥
भक्तिकृशानुमेंतायभलीविधिभैघृतशांतिसुधाकेसमाना। पान
कियेडरकालकीनाशिनिदासबनानाहिंआनानजाना ९० शांतिके
आयेअमातनदूसरपूरणकुम्भनतोयसमाना।पेटभरेजिमिफेरिन
पावतभेरजेनहोयसुधासमनाना॥ लोकहुवेदप्रपंचकोनाशतरा
खतनाहिंतिहूंपुरभाना। दासबनाकोकहेपतियाय्यहैजायबसेसोभ
लीविधिजाना ९१॥ घनाक्षरी॥ करमतेभक्तिपुनिभक्तितेबिरा
गज्ञानज्ञानतेबिज्ञानपुनितातेपराभक्तिजू।शोचऊनचाहजहांअ
गमअथाहगतिब्रह्मभावभयेपरपराअनुरक्तिजू॥ ज्ञानहूंबिराग
औबिज्ञानकोउदण्डभाखे.तातेपरेपराइनतिहूंतेबिरक्तजू। बना
दासत्ताहूते बिशदकछुशांतिपद मनबुधिबचनन्नआवेआतिशाक्ति

जू ९२ वेदवृक्षशाखाउपशाखाबहुसाधनहैमूलसतसंगताकोसु
मनविरागहै। ताकोफलरामभक्तिअमलअनूपअतिपुनिज्ञानबी
जकबिकरतबिभागहै ॥ सोईफलरसशांतिसन्तजनभोगीताके
जाकेखायेफेरिनकतहुंअनुरागहै। बनादासएकएकदुर्लभकोपार
जायसकलसुलभप्रभुकृपाअहोभागहै ९३ ॥ सवैया ॥ शांति
सरोवरजाहिमिलैंजनुनीरअगाधपरोगजभारी । तीनिउँतापन
ब्यापतहैंगृहमेंजिमिबैठिरहैंनरनारी ॥ आतपबातनहींहिमबेध
तवर्षतहैबहुऊपरबारी । दासबनाजिमिकौंचकेआड़तेलागतअ
गनहींतरवारी ९४ कैबहुउक्तिऔयुक्तिसरीहैतआनँदकैअनेकहैबु
धिभारी। अक्षरमाहिंसोआवतनाहिंबकैबहुताहितेजानुगँवारी॥
आशयमिलैकछुयाहीकेद्वारअशब्दहुकोबहुबारबिचारी। दासब
नापहिलोदरजापराबुद्धिहैशांतिमिलावनहारी ९५ हीनअयुक्त
अहैबुधितेबिनुबुद्धिबनैनहिंभावनाभारी। भावबिनानहिंआवत
शांतिनशांतिबिनाविधिकोटिसुखारी॥ जौनसुखीनरदेहमृषाभई
कीनबेनाहकमूरिमैंहारी । दासबनायहगीताप्रमाणकहेकरुणाक
रिकैगिरिधारी ९६ आशानदीपुनिबासनानीरमनोरथबीचीअने
कबिधाना॥ रागहैग्राहकुतर्कसोकूरमचिंताऔशोककरारसमाना॥
भौंरगँभीरहैमोहमहातरुधीरविवेककोकाटतनाना। दासबनास
रिघोरभयंकरशांतिलहेतेइपारनआना ९७ मोहनिशाजगसोव
नहारबिचारतेजागतसन्तसयाना॥त्यागकियेगुणतीनितिलोकसे
ज्ञानबिरागउकोनहिंभाना ॥ पापनपुण्यनजानतवेदनहींडरका
लहुकीउरआसा । ईश्वरजीवकोभेदगयोतबजायकेशांतिसमुद्र
समाना ९८ ॥ घनाक्षरी ॥ शरदअकाशमेंनबारिदनिवासरहैएै
सेउरअम्बरमेंपाइयेप्रकासहै। बासनाऔआशरागद्वेषऔनिषे
धविधितिहूंगुणवृत्तिनाशऐसनउजासहै॥ कलईरहितजैसेशीशा
वारपारएकऐसेएकसाईईशजीवहूंकैभासहै। बनादासकंहंतसुन
तसमुझतगूढ़ऐसेकोईकोटिनमेंसोईशांतिबासहै ९९ जैसेजैसेब

ढ़तसमाधिल्यैं उपाधिनाशतेसेतैसेशांतिबुद्धिएकहीनवारहै। जैसे एकबारकोऊपेटभरिखातनाहिंग्रासैग्रासलोगसबकरतअहारहैं॥ त्योंहींत्योंहींतुष्टपुष्टक्षुधाकोविनाशहोतपूरणभयेतेनहिंकछुदरकारहैं । बनादासजैसेबूंदबूंदहीभरततालऐसेक्रमक्रमहीकटतभवपारहै १०० ॥ सवैया ॥ रोमहिरोमरमैंरसभक्तिजपैपुनिज्ञानबिरागहियेजू।क्षमापरालहिपुष्टभयोअतितुष्टनसाधनजातकियेजू॥ श्वासहिश्वासउठैहरिनामनदूसरकामहैनेमलियेजू । आयकैशांतिदबायलियेकहदासबनासुखसेजसियेजू १ ॥ घनाक्षरी ॥ भक्तिदूधज्ञानदधिमाखनविज्ञानजानौ शांतिशुद्धसरपिसुखदसबकालहै।सकलसिरान्योश्रमदमदमदूरिदुखमुखनकहतकछुजरोजगजालहै ॥ दारुमाहिंआगिलगैत्योंहींसबसाधनहैजरिभयोपावकत्योंब्रह्ममेंबहालहै।बनादासदोऊएकनाहिंउभयमानरह्यो। बासनारहितराखकहैकोहवालहै २ फूलमेंकमलजैसेफलमेंरसालऊंचोमणिमाहिंचिन्तामणिगिरिमेंसुमेरहै । सागरमेंसिन्धुऔनवग्रहमेंभास्करवाहनमेंगरुड़धनिनमेंकुबेरहै ॥ देवमेंपुरन्दरऔसुन्दरमेंकामजैसेजलमेंमकरपुनिकाननमेंशेरहै । बनादासमेरेमतभुक्तिनमेंमहामुक्तिजानियेअनूपशांतिमिलैनसबेरहै ३ रुद्रनमेंशङ्करसमुद्रनमेंक्षीरनिधिसरिनमेंसुरसरिसदहिप्रमानहै । कामधेनुधेनुनमेंकल्पतरुतरुमाहिंमुनिनमेंसनकादिजैसेवृद्धज्ञानहै॥उच्चैश्श्रवाअश्वऐरावतगयन्दनमेंसर्पनमेंशेषसबकरतबखानहै । बनादासजैसेरामनामसबनामनमेंयाहीभांतिमुक्तिनमेंशांतिमेरेजानहै ४ बुद्धिमेंविनायकऔयुद्धिमेंसमीरसुतसत्यमेंयुधिष्ठिरऔसोमशीलवानहै । दाननमेंअन्नदानयज्ञनमेंअश्वमेधगुरुनमेंवृहस्पतिऔपालनमेंपानहै ॥ महिसेनक्षमावानज्ञानमेंबिदेहजैसेरामअवतारमेंसमीरबलवानहै । तेजमेंकृशानुऔगुमानमेंनरावणसेबनादाससुखनमेंशांतिकेसमानहै ५ भक्तिनमेंप्रेमअरुवेदनमेंसामवेददेहनमेंब्राहिकोउत्तरकेसमानजू।बरणमेंब्राह्मण

नआश्रमसंन्याससमगुणनमेंसतोगुणकरतबखानजू
हिंसापुनितीरथमेंप्रागराजपटमेंपटम्बरओसाधुदयावा
सतयुगसेनवेलनुमेंब्रह्मवेला बनादासऐसेसुखशांतिसे
जू ६ भरतसेभाईनाहिंमातुनसुमित्रासमपितुदशरथसेन
नप्रानहैं । सचिवसुमन्तसेनप्रोहितवशिष्ठसमधामनमेंना
अवधसमानहैं ॥ घाटनमेंरामघाटभूमिजन्मभूमिसेनशार
शशेशंकरतबखानहैं । साहबनरामसेनकामबनादाससेनऐ
तिसमकोऊसिद्धिनप्रमानहैं ७ युद्धनहिंभारथसेधनीनहिं
सेसारथीनकृष्णसमजानतसुजानजू । योगीनहिंनारदसेचत
शारदसेवेदमेंबिशारदनशुक्रसमआनजू ॥ गुह्यनाहिंमौन
ध्यानसियारौनसेओश्रोतानाहिंश्रौनसेपुराणमेंप्रमानजू । पाप
टमोसमनआसतोषतोसमनबनादासशांतिरामरूपनिर्वानजू
सवैया ॥ भक्तिऔयोगबिरागऔज्ञानबिज्ञानहुसाधनशांतिको
आनों । बातनहींकछुशांतिसमानसोजानतहैकोउसन्तसयानो ॥
शांतिबितानहिंजीवनमुक्तभलीबिधिवेदपुराणपिचानो । दासब
नालहैकोटिमेंकोयरहैनहिंसाधनसिद्धकोभानो ९ शास्त्रऔवेदपु
राणपढ़ेबहु भांतिअनेकनकर्मकमाये । तीरथवर्त्तऔदानकियेम
खऔवरणाश्रममेंमनलाये ॥ बापीऔकूपरचेबहुदेवलतालख
नायकैबागलगाये । दासबनाजोनशांतिलहेसकलोश्रमकोफल
तौनाहिंपाये १० जपऔनियमादिकियेबहुयोगअचारबिचारऔ
सचढ़ाये । मूड़मुड़ायजटाकोरखायदहेतनआगिऔबांहउ
॥ शैनकियेजलठाढ़रहैमहिबांधिकैपेड़मेंपांवभुलाये।दास
जोनशांतिलहेसकलोश्रमकोफलतौनाहिंपाये ११ मूड़फेव
गीड़उघारिकैआतुरधामअनेकनधाये । पूजाऔप
औयंत्रअनेकनयुक्तिबनाये ॥ सन्तकिसंगतिसे
बाहिकैऔतपताये । दासबनाजोंनशांतिलहेस
तौनाहिंपाये १२ शून्य प्राण

...गअहारकियेसहिकैदुखमूलअनेकनकोखनिखाये ॥ ...धभऔतोषकियेबहुज्ञानबिरागबिवेकबढ़ाये। दासबनाजो ...निलहेसकलौश्रमकोफलतौनाहिंपाये १३ साधनकोईअ... ...हिंनिष्फलकाहूकीखालीनजातिकमाई। जौलगिमालिकदेतमं ...रीनभांतिअनेकरहैसोललाई॥ साधनसारेकिहैसिधिशांतिलहे परमोदकहाकिमिजाई। दासबनाजसिपूँजीनफातसिनाम...नस ...आशविहाई १४ शांतिसिंहासनऊपरराजितभांतिअनेकजरोज ...ला। चर्मबिरागऔज्ञानकृपाणहैभक्तिसनाहनबेधतशाला॥ ...शाबिज्ञानकोछत्रअनूपममोहसरोजपरेउजनुपाला। दासबना ...लदीनताचांदनीराजअकामनाबोधकोमाला १५॥ घनाक्षरी॥ ज्ञानीजनभूषणहरणसबदूषणप्रतापशशिपूषणकरतनिष्कामहै। राममेंरमावतबढ़ावतबिरागज्ञानध्यानसरसावतऔ देतअभिरा महै।शांतिउरआवतलगावतननेहकहूँजगतनशावतबिवेकसठि धामहै। बुद्धिबलहीनऔमलीनबनादासबदैउभयप्रबोधकरसा यणसोनामहै १६ सन्तसरदारभवभारकेहरनहारकृपाकेअगार तातेबिनयबारबारजू। विद्यावेदहीनकाव्यकोशकछुजानोनाहिंब चनकरममनअवगुणअगारजू॥ सूत्रधरसबलसो...प्रेउरप्रेरिप्रे रिमेरोकृतबुद्धिमेंनआवतबिचारजू। बनादासजोनबनाताकोसु धारैकौनतातेनिजादिशिदेखिकीजियेसँभारजू १७॥

इति श्रीम...द्रामचरित्रेकलिमलमथनेबनादासकृतेउभयप्रबोधकरामायणे सप्तमशांतिखण्डेभवदापत्रयतापबिभंजनो...मषष्ठोऽध्यायः ६

इति॥

मुंशी नवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपा
दिसम्बर सन् १८९२ ई० ॥

लकों के खेलने का समययोग्य समझें थोड़ी देरके लिये छुट्टीभी देदिया करें जिससे बालक आनन्दसे पढ़ें इसप्रकारसे बहुत शीघ्र ऐसी सामर्थ्य करादेवें कि जिसमें बालकों को भाषा और संस्कृतके भाषा करने की शक्ति अच्छीतरह से होजावे तिस पीछे अनुभूतिस्वरूपाचार्यकृत सारस्वत पुस्तकको इसभांति से कि जिस तरह फर्रुखाबाद निवासि स्वर्गवासि पण्डितवर उमादत्तशास्त्री और उन्नाम प्रदेशान्तर्गत मुरादाबाद निवासि पण्डित शक्तिधरजी ने इसका अर्थ किया है प्रारम्भ करावें इस में उक्त पण्डितजनों ने प्रथम मूल, पदच्छेद, अन्वय करके भाषामें इसभांति से अर्थकियाहै कि जिसमें बालकोंको सहजहीमें ज्ञानहोकर पूर्णबोधहोजावे इसभांति संज्ञाप्रक्रिया, स्वरसंधि, प्रकृतिभाव, व्यंजनसंधि, विसर्गसन्धि स्वरान्तपुँल्लिंग, स्वरान्तस्त्रीलिंग, स्वरान्तनपुंसकलिंग, हसान्तपुँल्लिंग हसान्तस्त्रीलिंग, हसान्तनपुंसकलिंग, युष्मद् अस्मद् शब्द, अव्यय, स्त्री-प्रत्यय, कारक, समास और तद्धितको पढ़ाकर तिसपीछे सिद्धान्तचन्द्रिका और रघुबंश और कुमारसंभवादि काव्यों को पढ़ावें इसभांति के पढ़ाने से बहुतशीघ्र विद्वान् होसक्ते हैं यही शोचकर श्रीभार्गवबंशावतंस मुंशी नवलकिशोर (सी, आई, ई) ने बहुतसा द्रव्य व्ययकर उक्त पण्डितों से टीका रचाया है आशाहै कि जो विद्यार्थी इसपुस्तक को क्रमसे पढ़ेंगे वे शीघ्रही पूर्ण बोधहोकर विद्वान् होजावेंगे अन्यथा पढ़ाने से बहुतसमय लगकर बोध नहीं होताहै—क्योंकि बहुधा यही पण्डितों की रीति है कि वे स्वर व्यंजन नाममात्र को बालकों को पढ़ाकर व्याकरणका प्रारम्भ करादेते थे और बालकों को तोते की तरहसे कण्ठही कराते थे जब उन बालकों को अच्छीभांति अक्षर के पहिचान का ज्ञान नहीं है तो वे कैसे पूर्ण विद्वान् रट २ के पढ़ने से होसक्ते थे—आशा है कि जो लोग इस पुस्तकके क्रम से व्याकरणका अध्ययन करेंगे वे थोड़ेही समय में स्वल्प परिश्रमसे विद्वान् होजावेंगे—जब व्याकरणमें विद्वान्होजावेंगे तो उनको ज्योतिष वैद्यक और, अठारहोपुराण काव्यादि में कुछ भी परिश्रम न करना पड़ेगा थोड़ेही परिश्रम करनेमें महान् विद्वान् होजावेंगे—

केनिंगकालेजके संस्कृताध्यापक श्रीपण्डित गंगाधर शास्त्रीने भी इस पुस्तकको अवलोकनकर सार्टीफिकट के तौरपर अपनी सम्मति प्रकट कीहै कि निश्चय यह पुस्तक उत्तम और बालकों को हितैषी है ॥

ताक्षर भाषा टीका सहित ॥

यह पुस्तक सम्पूर्ण धर्मशास्त्रों का शिरोमणिहै जिसमें आचारकाण्ड व्यवहार काण्ड और प्रायश्चित्तकाण्ड नामक तीनकाण्डहैं जिन से गृहस्थादि चारों आश्रम और ब्राह्मणादि चारोंवर्णों के सम्पूर्ण कर्म धर्मादि और राजसम्बन्धी कार्यों में दायभागादि व्यवहारों में वादी प्रतिवादियों के धर्मशास्त्र सम्बन्धी मामिले और मुक़द्दमों की व्यवस्था बर्णित है ॥

तुलसीकृत रामायण ॥

इसका अत्युत्तम व चित्र विचित्र तिलक डेहवा मानपूरके नम्बरदार श्रीकूर्मवंशी वैजनाथजी ने किया है-इसके सिवाय और बहुतसे तिलक रामायण के देखने में आते हैं परन्तु इसमें अधिक अत्युत्तमता यहहै कि यथा सरल व कठिन २ स्थल हैं प्रत्येकका सारांश अर्थ पुराण, शास्त्र, वेदान्त, स्मृति, धर्मशास्त्रादि के दृष्टान्त देकर ऐसा सरल करदिया है कि जिसके अवलोकन करने से बिन पढ़ेही रामायण का आशय अच्छे प्रकार भासित होजाता है ऐसा सुगम तिलक रामायण का आजतक कहीं देखने में नहीं आया--आशा है कि जो विद्वज्जन दृष्टिगोचर करेंगे वे प्रसन्नतापूर्वक ग्रहणकरेंगे और ग्रंथकर्त्ता तथा यन्त्रालयाध्यक्ष को धन्यवाद देंगे ॥

रामायण टीका रामचरणदासकृत किताबनुमा व पत्रानुमा ॥

इस विस्तृत टीकाको अयोध्यानिवासि रामचरणदास जी टीकाकार ने निज देशभाषामें करके रामायणको ऐसा सुगम करादिया कि जो थोड़ी भी विद्या रखते हों वे रामायणका पूर्ण आशय समझजावें और गूढ़ाशयोंके समझने और भक्तिपक्ष के बढ़ाने के लिये श्रुति पुराण और अन्य आचार्योंके श्लोकों से विभूषितकरके अतिसुन्दर मनोहरबनादियाहै कोई संदेह अब तुलसीकृत रामायण की पुस्तक में इसटीकाके देखने से रह नहींगया ऐसाविचित्र और विस्तृत टीका आजतक रामायणमें नहींहुआ है अवलोकन करने से अतीवानन्दहोगा ॥
